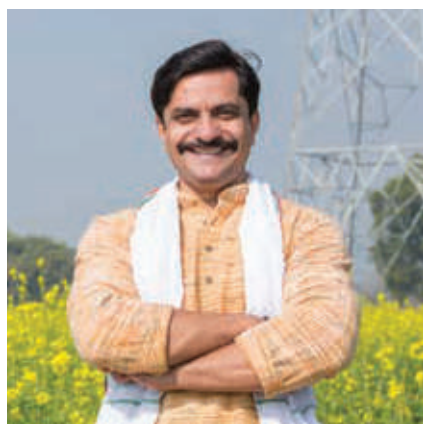




सकारात्मक उत्तरदायी सक्षम

नवाचार, समावेशन और निरंतरता के साथ
बैंकिंग परिदृश्य का उन्नयन



भारतीय स्टेट बैंक
STATE BANK OF INDIA

वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

विषय वस्तु

कंपनी के बारे में

एसबीआई की उपलब्धिपूर्ण यात्रा	2
उत्पाद और सेवाएं	4
वित्तीय प्रदर्शन	6
रेटिंग्स	7
पुरस्कार एवं सम्मान	8
पहुंच	10
अध्यक्ष का संदेश	12

उत्तरदायी दृष्टिकोण

पर्यावरण/ग्राहक	20
व्यक्ति	22
समुदाय	24

अभिशासन

केंद्रीय निदेशक बोर्ड	26
बोर्ड की समितियां	28
केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य	29
स्थानीय बोर्डों के सदस्य	30
बैंक के लेखा परीक्षक	31
हमारे समूह की संरचना	32

सांविधिक रिपोर्टें

निदेशकों की रिपोर्ट	36
कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट	122
व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं संवहनीयता रिपोर्ट	159

वित्तीय विवरण

एकल	160
समेकित	248
पिलर-3 प्रकटीकरण (समेकित)	308
सूचना	344
हरित पहल	352

सकारात्मक, उत्तरदायी, सक्षम नवाचार, समावेशन और निरंतरता के साथ बैंकिंग परिदृश्य का उन्नयन

हम सकारात्मक हैं

एसबीआई में ग्राहक-केन्द्रीयता सर्वोपरि है और हम अपने ग्राहकों की बदलती वित्तीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सक्रिय और लचीला दृष्टिकोण अपनाते हैं। हम बाजार की अपेक्षाओं पर नजर बनाए रखते हुए, निर्बाध और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और नए समाधानों का उपयोग करते हैं। हमारा लक्ष्य उत्तरदायी ग्राहक सेवा, मल्टी-चैनल पहुंच और ग्राहकों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित समाधान प्रदान करना है ताकि अपने महत्वपूर्ण ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाए रख सकें।

हम उत्तरदायी हैं

हम कॉर्पोरेट अभिशासन और सत्यनिष्ठा के साथ काम करते हुए सदाचार और खुलेपन के उच्चतम मानकों का पालन करते हैं। जोखिम को सीमित करने और अपने हितधारकों के हितों की रक्षा करने के लिए हम विनियमों और जिम्मेदार उधार प्रथाओं का पालन करते हैं। इसके अलावा, हम सामाजिक और पर्यावरणीय पहलों को प्रायोजित करके पर्यावरणीय दायित्वों को बढ़ावा देते हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता समावेशी विकास और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देकर समुदायों को मजबूत करती है।

हम सक्षम हैं

हम चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा दृढ़ संकल्प रहे हैं, जिसे सुदृढ़ फ्रेमवर्क द्वारा मजबूती प्रदान की गई है और जो संचालन में लचीलापन सुनिश्चित करता है। बाजार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के लिए हमारा पूंजी आधार मजबूत है। हम जोखिम प्रबंधन कार्य पद्धतियों का पालन करते हैं और हमारा व्यवसाय पोर्टफोलियो विविधतापूर्ण है। डिजिटल परिवर्तन पर हमारा कार्यनीतिक फोकस हमें बदलते परिदृश्य के अनुसार खुद को बदलने, निर्बाध बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करने और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है।

ऑनलाइन वार्षिक रिपोर्ट के लिए देखें

[https://bank.sbi/documents/17836/39646794/
Annual_Report_2024.pdf](https://bank.sbi/documents/17836/39646794/Annual_Report_2024.pdf)





हमारा प्रदर्शन, विव 2024

वित्तीय

कुल आस्तियां

₹61,79,694 करोड़

▲ 12.01%

जमा राशियां

₹49,16,077 करोड़

▲ 11.13%

अग्रिम

₹37,67,535 करोड़

▲ 15.24%

शुल्क आय

₹28,126 करोड़

▲ 7.17%

निवल ब्याज आय (एनआईआई)

₹1,59,876 करोड़

▲ 10.38%

कर पश्चात लाभ (पीएटी)

₹61,077 करोड़

▲ 21.59%

गैर-वित्तीय

डेबिट कार्ड खर्च में बाजार हिस्सेदारी

25.04%

विव.2024 में योनो रजिस्ट्रेशन

~1.3 करोड़

ऑनलाइन खोले गए चालू खाते

2.05 लाख

एसबीआई कर्मचारियों में महिलाओं की हिस्सेदारी

27%

योनो पर औसत दैनिक लॉगिन

>1.28 करोड़

डेबिट कार्ड खर्च लेनदेन संख्या

>65 करोड़

बैंकिंग अनुभव को नया आयाम

पिछले 200 से अधिक वर्षों के दौरान हम देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में एसबीआई की स्थिति को मजबूत करने में सक्षम रहे हैं। हम अपने सभी ग्राहक वर्गों के लिए विभिन्न उद्योगोन्मुख उत्पादों और सेवाओं की शुरुआत कर भारत में बैंकिंग परिदृश्य को सफलतापूर्वक नया आयाम देने में सफल रहे हैं। हमारे ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप हमने अपने व्यवसाय को विविधतापूर्ण बनाया है और भारतीय जनमानस के लिए बैंकिंग का पसंदीदा विकल्प बने रहने के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग किया है। भविष्य में भी हम जिम्मेदार और स्थायी बैंकिंग समाधानों के माध्यम से बैंकिंग को नए आयाम देना जारी रखेंगे।



भारत का सबसे बड़ा बैंक

50 करोड़+

और निरंतर जुड़ते ग्राहक



7.40 करोड़+

योनो के कुल उपयोगकर्ता



वित्तीय प्रदर्शन

82,932

सीएसपी

5,24,504

न्यू टू डिजिटल (एनटीडी)
ग्राहक ऑनबोर्ड

26.81%

मोबाइल बैंकिंग लेनदेन संख्या में
बाजार हिस्सेदारी

2,07,000

योनो के माध्यम से विदेशों में ऑनबोर्ड
किए गए ग्राहक

1,05,052

प्री-अप्लूड बिजनेस लोन संवितरण

17,34,597

विव2024 में स्वीकृत डिजिटल लोन

सीएसआर प्रदर्शन

~55 लाख

सीएसआर लाभार्थी

173

80 आकांक्षी जिलों में सीएसआर पहल

2,300

पीडब्ल्यूडी को व्हीलचेयर का वितरण

4,600

वंचित वर्ग की महिलाओं को
वितरित सिलाई मशीनें

232

सरकारी प्राथमिक स्कूलों में
बुनियादी ढांचा सुधार

355

आंगनवाड़ियों में बुनियादी ढांचा सुधार

सबकी अपेक्षाओं के अनुरूप विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो

वैयक्तिक बैंकिंग

हम ऋण उत्पादों, बचत खातों, चालू खातों, वेतन पैकेज खातों की विस्तृत श्रृंखला, डिजिटल ऋण पेशकशों, एनआरआई व्यवसाय और धन प्रबंधन सेवाओं आदि की एकीकृत व्यक्तिगत बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

- संवितरित होम लोन तथा होम संबंधी लोन: ₹1.97 लाख करोड़
- 1,26,171 मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा संबंधी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई
- 4.61 लाख ग्राहकों को ₹2.01 लाख करोड़ के पर्सनल लोन दिए गए

29.46 लाख

होम लोन ग्राहक

बाजार अग्रणी

भारत में शिक्षा ऋण प्रदाता

बाजार अग्रणी

भारत में पर्सनल ऋण प्रदाता

ग्रामीण बैंकिंग

हम वित्तीय समावेशन, सूक्ष्म ऋण और कृषि व्यवसाय के लिए अपने उत्पादों से भारत के ग्रामीण नागरिकों की जरूरतों को पूरा करते हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

- कृषि एवं कृषि से संबद्ध कार्यकलापों के लिए ऋण ₹3 लाख करोड़ से अधिक हुए
- सरकारी नीतियों तथा आत्मनिर्भर भारत योजनाओं के अंतर्गत 20,054 ऋणियों को ऋण स्वीकृत किए गए
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच एनआरएलएम ऋणों की बाजार हिस्सेदारी: 29%

बाजार अग्रणी

कृषि गोल्ड ऋण

बाजार अग्रणी

एसएचजी को ऋण

152

देशभर में स्थापित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह

हम भारत में अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के अग्रदूत हैं। हमारा अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विभाग विदेशों में स्थिति बैंकिंग अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के माध्यम से उद्योग परिदृश्य को बदलने में एक सुसंगत योगदानकर्ता है।

प्रमुख उपलब्धियां:

- भारत के कॉर्पोरेट्स को विदेशी मुद्रा में स्वीकृत ऋण: 8 बिलियन यूएसडी
- एशियन विकास बैंक द्वारा ग्रीन डील चैंपियन- ट्रेड फाइनांस (कंफर्मिंग बैंक) पुरस्कार से सम्मानित

अग्रणी

वैश्विक स्तर पर भारतीय बैंक

\$1,750 मिलियन

एमटीएन प्रोग्राम के तहत जुटाई गई राशि

241

29 देशों में बैंक की शाखाएं/कार्यालय



एसएमई बैंकिंग

हम देश में एसएमई वित्तपोषण के बाजार अग्रणी हैं। हम अपने एसएमई ग्राहकों को नवोन्मेषी वित्तीय समाधान उपलब्ध कराते हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

- एसएमई पोर्टफोलियो ₹4 लाख करोड़ से अधिक हुआ
- विवि. 2024 में पोर्टफोलियो वृद्धि: 20.53%

~20 लाख

एसएमई ग्राहक

864

भारतभर में विशेष एसएमई शाखाएं

2,117

विशिष्ट एसएमई संबंध प्रबंधक

कॉर्पोरेट बैंकिंग

हमारा बैंक कॉर्पोरेट लेखा समूह तथा वाणिज्यिक क्रेडिट समूह देश के बड़े कॉर्पोरेट्स और नवरत्न पीएसयू को वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता है।

प्रमुख उपलब्धियां:

- कुल कॉर्पोरेट क्रेडिट पोर्टफोलियो: ₹11.38 लाख करोड़
- योनो बिजनेस प्लेटफॉर्म

48

विव. 2024 के दौरान प्रोजेक्ट फाइनांस तथा एसबीयू स्ट्रक्चरिंग से बड़े प्रोजेक्ट्स को फंड्स उपलब्ध कराए गए

कॉर्पोरेट समाधान समूह

कॉर्पोरेट ग्राहकों के संपूर्ण इकोसिस्टम को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए स्थापित

सरकारी बैंकिंग

हम देश में सरकारी व्यवसाय के निर्विवाद बाजार अग्रणी हैं। भारत सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस के लिए लिए गए प्रयासों में हमारा महत्वपूर्ण योगदान है और हमने केंद्र तथा राज्य सरकारों के लिए ई-समाधान उपलब्ध कराए हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

- ₹65.55 लाख करोड़ का टर्नओवर
- 2.43 लाख नए पेंशन खाते जोड़े गए

26

केंद्र सरकार के प्रमुख विभागों व मंत्रालयों के प्रमाणिक बैंकर

63%

केंद्र सरकार के व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी

बैंक का उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन

	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
देयताएं										
पूंजी (करोड़ ₹ में)	747	776	797	892	892	892	892	892	892	892
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹ में)	1,27,692	1,43,498	1,87,489	2,18,236	2,20,021	2,31,115	2,52,983	2,79,196	3,26,716	3,76,354
जमा राशियां (करोड़ ₹ में)	15,76,793	17,30,722	20,44,751	27,06,344	29,11,386	32,41,621	36,81,277	40,51,534	44,23,778	49,16,077
उधार (करोड़ ₹ में)	2,05,150	3,23,345	3,17,694	3,62,142	4,03,017	3,14,656	4,17,298	4,26,043	4,93,135	5,97,561
अन्य (करोड़ ₹ में)	1,37,698	1,59,276	1,55,235	1,67,138	1,45,597	1,63,110	1,81,980	2,29,932	2,72,457	2,88,810
कुल (करोड़ ₹ में)	20,48,080	23,57,617	27,05,966	34,54,752	36,80,914	39,51,394	45,34,430	49,87,597	55,16,979	61,79,694
आस्तियां										
निवेश (करोड़ ₹ में)	4,81,759	5,75,652	7,65,990	10,60,987	9,67,022	10,46,954	13,51,705	14,81,445	15,70,366	16,71,340
अग्रिम (करोड़ ₹ में)	13,00,026	14,63,700	15,71,078	19,34,880	21,85,877	23,25,290	24,49,498	27,33,967	31,99,269	37,03,971
अन्य आस्तियां (करोड़ ₹ में)	2,66,295	3,18,265	3,68,898	4,58,885	5,28,015	5,79,150	7,33,227	7,72,185	7,47,344	8,04,383
कुल (करोड़ ₹ में)	20,48,080	23,57,617	27,05,966	34,54,752	36,80,914	39,51,394	45,34,430	49,87,597	55,16,979	61,79,694
निवल ब्याज आय (करोड़ ₹ में)	55,015	57,195	61,860	74,854	88,349	98,085	1,10,710	1,20,708	1,44,841	1,59,876
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹ में)	17,908	26,984	32,247	70,680	54,529	42,776	27,244	14,087	9,144	9,518
परिचालन परिणाम (करोड़ ₹ में)	39,537	43,258	50,848	59,511	55,436	68,133	71,554	75,292	83,713	93,797
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹ में)	19,314	13,774	14,855	-15,528	1,607	25,063	27,541	43,422	67,205	81,783
निवल लाभ (करोड़ ₹ में)	13,102	9,951	10,484	-6,547	862	14,488	20,410	31,676	50,232	61,077
औसत आस्तियों से आय (%)	0.68	0.46	0.41	-0.19	0.02	0.38	0.48	0.67	0.96	1.04
इक्विटी से आय (%)	11.17	7.74	7.25	-3.78	0.48	7.74	9.94	13.92	19.43	20.32
आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	49.04	49.13	47.75	50.18	55.70	52.46	53.60	53.31	53.87	55.66
प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹ में)	602	470	511	-243	33	578.98	828.35	1,292.72	2,122.64	2,620.46
प्रति शेयर अर्जन (₹)*	17.55	12.98	13.43	-7.67	0.97	16.23	22.87	35.49	56.29	68.44
प्रति शेयर लाभांश (₹)*	3.5	2.60	2.60	शून्य	शून्य	शून्य	4.00	7.10	11.30	13.70
शेयर वेल्यू (एनएसई में मूल्य)(₹)*	267.05	194.25	293.40	249.90	320.75	196.85	364.30	493.55	523.75	810.80
लाभांश भुगतान अनुपात % (₹)	20.21	20.28	20.11	ला.न.	ला.न.	ला.न.	17.49	20.00	20.08	20.02
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बेसल II कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	1,54,491	1,81,800	2,06,685	2,34,056	2,41,073	2,66,596	3,01,980	3,34,829		
%	12.79	13.94	13.56	12.74	12.85	13.13	13.82	13.85		
टियर I कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	1,22,025	1,35,757	1,56,506	1,84,146	1,94,655	2,17,477	2,44,421	2,69,708		
%	10.1	10.41	10.27	10.02	10.38	10.71	11.19	11.16		
टियर II कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	32,466	46,043	50,179	49,910	46,418	49,119	57,559	65,121		
%	2.69	3.53	3.29	2.72	2.47	2.42	2.63	2.69		
बेसल III कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	1,46,519	1,75,903	2,04,731	2,38,154	2,45,225	2,74,036	3,08,893	3,42,792	4,08,579	4,60,023
%	12	13.12	13.11	12.60	12.72	13.06	13.74	13.83	14.68	14.28
टियर I कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	1,17,157	1,33,035	1,61,644	1,95,820	2,05,238	2,30,769	2,57,177	2,83,070	3,35,528	3,84,177
%	9.60	9.92	10.35	10.36	10.65	11.00	11.44	11.42	12.06	11.93
टियर II कुल पूंजी (करोड़ ₹ में)	29,362	42,868	43,087	42,334	39,987	43,267	51,716	59,722	73,051	75,846
%	2.40	3.20	2.76	2.24	2.07	2.06	2.30	2.41	2.62	2.35
निवल अग्रिमों की तुलना में एनपीए (%)	2.12	3.81	3.71	5.73	3.01	2.23	1.50	1.02	0.67	0.57
देश में शाखाओं की संख्या	16,333	16,784	17,170	22,414	22,010	22,141	22,219	22,266	22,405	22,542
विदेश स्थित कार्यालयों/शाखाओं की संख्या	191	198	195	206	208	233	229	227	235	241

* 22 नवंबर 2014 से बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को ₹10 प्रति शेयर से ₹1 प्रति शेयर किया गया।

रेटिंग्स

	रेटिंग	रेटिंग एजेंसी
बैंक रेटिंग	बीए 3/स्टेबल/पी-3 बीबीबी- /स्टेबल/ए-3 बीबीबी- /स्टेबल/एफ-3	मूडीज़ एस एंड पी फिच रेटिंग्स
एटी 1 बांड्स	एए+ /स्टेबल एए+ /स्टेबल एए+ /स्टेबल एए+ /स्टेबल	क्रिसिल आईसीआरए केयर इंडिया रेटिंग्स
टियर II बांड्स	एएए/स्टेबल एएए/स्टेबल एएए/स्टेबल एएए/स्टेबल	क्रिसिल आईसीआरए केयर इंडिया रेटिंग्स
दीर्घावधि बांड	एएए/स्टेबल एएए/स्टेबल	आईसीआरए इंडिया रेटिंग्स
जमा प्रमाणपत्र	इंड ए1+	इंडिया रेटिंग्स
सावधि जमा	एएए/स्टेबल एएए/स्टेबल	आईसीआरए क्रिसिल

केयर: क्रेडिट एनालिसिस एंड रिसर्च लिमिटेड

आईसीआरए: आईसीआरए लिमिटेड

क्रिसिल: क्रिसिल लिमिटेड

एस एंड पी: स्टैंडर्ड एंड पूअर

नोट: 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार रेटिंग्स

हमारे प्रयासों को सम्मान



ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट - वैश्विक 500 2024 सबसे मूल्यवान एवं भरोसेमंद वैश्विक ब्रांड्स में वर्ष 2024 के लिए एसबीआई का नाम वैश्विक स्तर पर 25 सबसे मजबूत ब्रांड्स में शामिल किया गया।



ईटी अवॉर्ड्स द्वारा कॉर्पोरेट उत्कृष्टता 2023 के लिए एसबीआई को कंपनी ऑफ द ईयर - 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



मराकेश, मोरक्को में ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा आयोजित 30वें वार्षिक सर्वश्रेष्ठ बैंक अवार्ड्स समारोह में एसबीआई को वर्ष 2023 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया।



निम्नलिखित श्रेणियों में ग्रीनटेक एचआर अवार्ड्स प्राप्त:

- सीएचआरओ ऑफ द ईयर - 2023
- परिवर्तनकारी मानव संसाधन कार्यपद्धतियां
- कर्मचारी सहभागिता
- ज्ञानार्जन एवं विकास
- पारितोषिक एवं सुविधाएं



राष्ट्रीय हैरिटेज आर्ट एवं कल्चर को बढ़ावा देने के लिए ग्रीनटेक सीएसआर अवार्ड प्राप्त।



फ्री प्रेस जर्नल ने वर्ष 2023 के लिए सार्वजनिक बैंकों की श्रेणी में एसबीआई को सर्वश्रेष्ठ वार्षिक रिपोर्ट अवार्ड से सम्मानित किया।



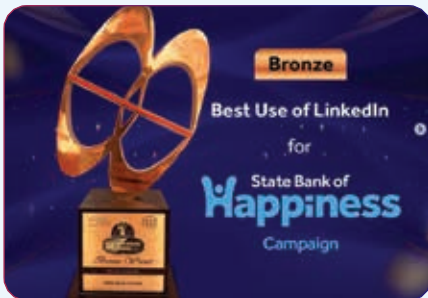
सीएनएन न्यूज 18 अवॉर्ड्स द्वारा एसबीआई अध्यक्ष श्री दिनेश खारा को बिजनेस श्रेणी में **इंडियन ऑफ द ईयर 2023** पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



मार्क्समेन समूह से एसबीआई को सबसे **पसंदीदा कार्यस्थल 2023-24** जैसा प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त।



नवभारत बीएफएसआई 2023 के तीसरे संस्करण में एसबीआई को प्रतिष्ठित **बैंकिंग ब्रांड** पुरस्कार प्राप्त।



आईएमएआई द्वारा आयोजित 14वें इंडिया डिजिटल सम्मेलन में **स्टेट बैंक ऑफ हैपिनेस** - लिंकडिन के बेहतरीन उपयोग के लिए एसबीआई को कांस्य पुरस्कार प्राप्त।



नई दिल्ली में 22.03.2024 को आयोजित **DIGIIX 2024 समिट एंड अवार्ड्स** में एसबीआई को **04 पुरस्कार** प्राप्त- ब्रांड ऑफ द ईयर, बेस्ट इन्फ्लुएंसर अभियान, सोशल मीडिया व पीआर का बेहतरीन उपयोग/ ऑनलाइन रेप्युटेशन मैनेजमेंट।



पीएसयू एवं सरकारी समिट 2023 में **4 लाख करोड़ से अधिक आस्तियों वाले पीएसयू बैंकों** की श्रेणी में एसबीआई को **डन व ब्रैडस्ट्रीट अवार्ड** की प्राप्ति।



माक्समेन डेली द्वारा एसबीआई को **"मोस्ट ट्रस्टेड बीएफएसआई अवार्ड्स 2023-24"** पुरस्कार प्राप्त।



एसबीआई को **"वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार"** प्राप्त।



निम्नलिखित श्रेणियों में **इकोनॉमिक टाइम्स ह्यूमन कैपिटल अवार्ड्स** प्राप्त:

- एचआर लीडर - बड़े संगठन (गोल्ड श्रेणी)
- इम्प्लायर ब्रांडिंग (सिल्वर श्रेणी)

हमारे ग्राहकों की पहुंच में

आज के दौर में, भौतिक और डिजिटल दोनों माध्यमों से सेवाएँ प्रदान करना आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए, हम अपनी भौतिक उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं और डिजिटल चैनलों के माध्यम से विविधता और विस्तार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

हमारे ग्राहकों की पहुंच में

देश के सबसे बड़े बैंक होने के नाते, हमारा उद्देश्य देश भर में अपनी उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि करना और नए क्षेत्रों में प्रवेश करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे सभी ग्राहकों तक हमारी सेवाएँ पहुंचें। हमने सभी क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में, अपने शाखा नेटवर्क और एटीएम कवरेज को मजबूत करने पर बहुत जोर दिया है। यह रणनीति हमारी बाजार स्थिति को बनाए रखने और लंबे समय में हमारे व्यवसाय के लिए स्थायी वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

हमारी डिजिटल उपस्थिति

हम मिलेनियल्स के इस डिजिटल युग में प्रासंगिक बने रहने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव प्रयास कर डिजिटल परिवर्तन में सबसे आगे हैं। हमारा बहु-चैनल डिलीवरी मॉडल - डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, सोशल मीडिया और शाखाएं, ग्राहकों को कभी भी, कहीं भी लेनदेन करने का विकल्प प्रदान करता है। हमारा प्रमुख मोबाइल बैंकिंग और लाइफस्टाइल ऐप 'योनो' न केवल वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है, बल्कि निवेश, बीमा और खरीदारी समाधानों की एक श्रृंखला भी उपलब्ध कराता है।

~8.83 लाख

दैनिक औसत लेनदेन

सही मायनों में अंतरराष्ट्रीय बैंक

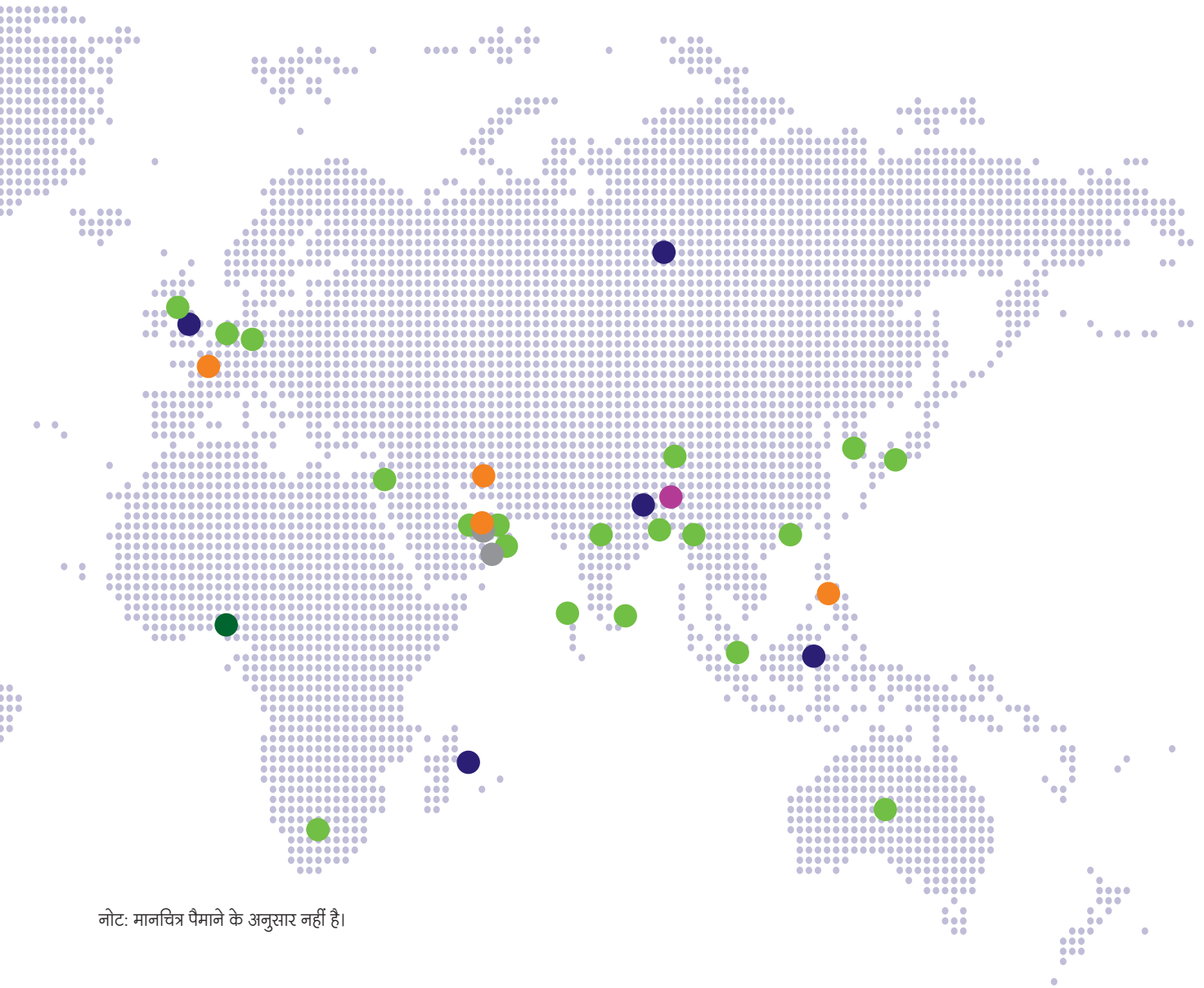
हमारा ध्यान विदेशी बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों और भारतीय कॉर्पोरेट्स को प्रोत्साहन जारी रखना है। हम 29 देशों में 241 विदेश स्थित कार्यालयों के माध्यम से सभी समय जोन में उपस्थित हैं और हमने खुद को भारत के सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों के बीच अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

241

विदेश स्थित शाखाएँ/कार्यालय

29

देश



नोट: मानचित्र पैमाने के अनुसार नहीं है।

● शाखाएं	
यूएसए	(3)
● बैंकिंग अनुपंगियां	
कैलिफोर्निया	(7)
कनाडा	(6)
रूस	(1)
यूके	(12)
मॉरीशस	(14)
इंडोनेशिया	(11)
नेपाल	(120)
● प्रतिनिधि कार्यालय	
यूएसए	(1)
ब्राजील	(1)
ईरान	(1)
यूएई	(2)
फिलिपींस	(1)

● शाखाएं/कार्यालय	
बेल्जियम	(1)
जर्मनी	(1)
यूके	(1)
दक्षिण अफ्रीका	(2)
बहरीन	(2)
यूएई	(2)
ओमान	(1)
इजराइल	(1)
चीन	(1)
दक्षिण कोरिया	(1)
जापान	(2)
भारत	(1)
मालदीव	(4)
श्रीलंका	(7)
बंगलादेश	(20)
म्यांमार	(1)
सिंगापुर	(5)
हांग-कांग	(1)
ऑस्ट्रेलिया	(2)

● निवेश	
नाइजीरिया	(1)
● प्रबंधित एक्सचेंज कंपनी	
ओमान	(2)
यूएई	(1)
● संयुक्त उद्यम	
भूटान	(1)

परसंदीदा बैंक, आज भी और कल भी



प्रिय शेयरधारक,

वित्त वर्ष 2024 के दौरान आपके बैंक के प्रदर्शन की प्रमुख बातें आपके साथ साझा करने में मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपके बैंक की उपलब्धियों और उसके द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण वित्त वर्ष 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है।

आर्थिक परिदृश्य

भारत ने महामारी के बाद मजबूत वापसी दर्ज की है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 में समाप्त 3 वर्ष की अवधि के दौरान औसतन 8.1% की वृद्धि दर्ज की गई। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत गति जारी रही, घरेलू मांग में उछाल के कारण वित्त वर्ष 2024 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.6% की दर से बढ़ी है। आपूर्ति पक्ष की बात करें तो वित्त वर्ष 2024 में सकल मूल्य में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष के दौरान मुद्रास्फीति में कमी आई, औसत सीपीआई मुद्रास्फीति 5.4% रही, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 6.7% थी।

अर्थव्यवस्था ने चालू भू-राजनीतिक तनावों, प्रमुख नौवहन आपूर्ति मार्गों में उत्पन्न अवरोधों और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान एल नीनो-दक्षिणी दोलन के उद्भव के मामले में महत्वपूर्ण लचीलापन दर्शाया है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के प्रमुख केन्द्रीय बैंकों और आरबीआई ने मौजूदा वित्त वर्ष में नीतिगत दरों को बरकरार रखा है ताकि मुद्रास्फीति के लक्ष्यों के अनुरूप मुद्रास्फीति को कम किया जा सके। आईएमएफ का अनुमान है कि 2024 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था 3.2% की दर से बढ़ती रहेगी, वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक प्रतीत हो रही हैं।

इस पृष्ठभूमि में भारत में वित्तीय क्षेत्र में समग्र स्थिरता रही लेकिन वित्तीय बाजार में अस्थिरता के संक्षिप्त प्रकरणों से यह प्रभावित हुआ। बैंकिंग प्रणाली में वित्त वर्ष 2024 के दौरान 20.2% की वृद्धि दर्ज की गई। तथापि, ब्याज दरों में सख्ती के कारण जमाराशि दरों सहित ब्याज दरों में स्वाभाविक वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप, वर्ष के अधिकांश समय में जमा वृद्धि, अग्रिम वृद्धि से पिछड़ गई। उच्च आर्थिक विकास और सहायक नीतिगत वातावरण ने जोखिमों को नियंत्रित रखा, जिसमें अधिकांश बैंक स्वस्थ लाभ और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता के साक्षी रहे।

भविष्य की ओर देखते हुए, आरबीआई का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.0% रहेगी, जिसमें निजी मांग में सुधार, बुनियादी ढांचे पर खर्च पर सरकार का जोर, कॉर्पोरेट निवेश में पुनःप्रवर्तन, स्वस्थ बैंक ऋण और वस्तुओं की कीमतों में नरमी से आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहन मिलेगा।

आपके बैंक का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आपके बैंक का कारोबार जमा और अग्रिम दोनों पिछले वर्ष की तुलना में तेज गति से बढ़ा। मार्च 2024 के अंत तक आपके बैंक का समग्र तुलन पत्र ₹61 लाख करोड़ को पार कर गया है। मार्च 2024 के अंतिम पखवाड़े के अंत तक आपके बैंक की बाजार हिस्सेदारी जमा में 22.55% और अग्रिम में 19.06% है।

मार्च 2024 के अंत तक आपके बैंक का समग्र तुलन पत्र ₹61 लाख करोड़ को पार कर गया है। मार्च 2024 के अंतिम पखवाड़े के अंत तक आपके बैंक की बाजार हिस्सेदारी जमा में 22.55% और अग्रिम में 19.06% है।

जमाराशियों में वृद्धि

जमाराशियों में, आपका बैंक वित्त वर्ष 2024 में 11.13% बढ़कर ₹49.16 लाख करोड़ हो गया, जिसमें घरेलू जमाराशियाँ 11.07% बढ़कर ₹47.24 लाख करोड़ हो गईं और विदेशी कार्यालय जमाराशियाँ 12.65% बढ़कर ₹1.92 लाख करोड़ हो गईं। ब्याज दरों में वृद्धिशील परिदृश्य के कारण, सावधि जमाराशियाँ 16.38% की मजबूत गति से बढ़कर ₹27.82 लाख करोड़ हो गईं, जबकि कासा जमाराशियाँ 4.25% की दर से बढ़कर ₹19.42 लाख करोड़ हो गईं। मार्च वित्त वर्ष 2024 तक आपके बैंक का कासा अनुपात 41.11% है जो उद्योग के औसत 40.08% (दिसंबर 2023) से ऊपर है।

अग्रिम में तेजी जारी

सक्षम आर्थिक गतिविधि के साथ, वित्त वर्ष 2024 के दौरान ऋण की मांग मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2024 में आपके बैंक के अग्रिम 15.24% बढ़कर ₹37.68 लाख करोड़ हो गए। घरेलू ऋण 16.26% बढ़कर ₹32.28 लाख करोड़ हो गए और विदेशी कार्यालय ऋण पोर्टफोलियो 9.47% बढ़कर ₹5.39 लाख करोड़ हो गए। वित्त वर्ष 2024 में घरेलू सीडी अनुपात सुधरकर 68.34% हो गया है।

घरेलू खुदरा अग्रिमों में वृद्धि एसएमई अग्रिमों की 20.53% वृद्धि के कारण हुई जो ₹4.33 लाख करोड़ हो गई, इसके पश्चात कृषि अग्रिम है, जो 17.92% बढ़कर ₹3.05 लाख करोड़ हो गई। कॉर्पोरेट ऋण पोर्टफोलियो 16.17% बढ़कर ₹11.38 लाख करोड़ हो गया है। वित्त वर्ष 2024 में खुदरा व्यक्तिगत ऋण 14.68% बढ़कर ₹13.52 लाख करोड़ हो गया, जो आपके बैंक के घरेलू अग्रिमों का 41.9% है। खुदरा व्यक्तिगत ऋणों में, एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण 14.62% बढ़कर ₹3.48 लाख करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2024 के दौरान गृह ऋण और वाहन ऋण क्रमशः 13.29% बढ़कर ₹7.26 लाख करोड़ और 19.50% बढ़कर

₹1.17 लाख करोड़ हो गए। मार्च 2024 तक गृह ऋण और वाहन ऋण में आपके बैंक की बाजार हिस्सेदारी क्रमशः 26.5% और 19.8% है।

विदेशी कार्यालयों के अग्रिमों में वृद्धि मुख्यतः बाहरी वाणिज्यिक उधार, स्थानीय ऋण और व्यापार वित्त व्यवसाय के कारण हुई। ग्राहक ऋण में वृद्धि में प्रमुख योगदान अमेरिका, ब्रिटेन, मध्य पूर्व और गिफ्ट सिटी शाखाओं का प्रमुख योगदान है।

निवेश

आपके बैंक की कुल निवेश बही 6.0% बढ़कर ₹16.82 लाख करोड़ हो गई, जिसमें से 96% घरेलू निवेश हैं। घरेलू निवेश पोर्टफोलियो में, 67.60% एचटीएम श्रेणी में है जबकि बाकी एफएस और एचएफटी श्रेणी में हैं। निवेश पर प्रतिफल वित्त वर्ष 2023 में 6.5% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 7.0% हो गया है।

आपके बैंक की निवल ब्याज आय ने वित्त वर्ष 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में 10.38% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है और यह ₹1,59,876 करोड़ तक पहुंच गई।

लाभप्रदता

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान आपके बैंक की लाभप्रदता में शानदार वृद्धि जारी रही। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 में ₹61,077 करोड़ का एकल शुद्ध लाभ घोषित किया, जो 21.59% की वृद्धि दर्शाता है। आपके बैंक का परिचालन लाभ पिछले वर्ष की तुलना में 12.05% बढ़कर ₹93,797 करोड़ हो गया। 50% की समान दर पर पेंशन देनदारियों में वृद्धि और महंगाई राहत (डीआर) निष्प्रभावन की ओर एकमुश्त प्रावधानों को छोड़कर, आपके बैंक के कुल प्रावधानों में मार्च 2024 के स्तर से 23.48% की गिरावट आई।

आपके बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) ने पिछले वर्ष की तुलना में 10.38% की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2024 में ₹1,59,876 करोड़ रही। बैंक का घरेलू निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2024 के लिए 15 बीपीएस की गिरावट के साथ 3.43% रहा, जबकि पूरे बैंक का निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2024 के लिए 9 बीपीएस की गिरावट के साथ वर्षानुवर्ष 3.28% रहा। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति के कारण रुपये की तरलता और डॉलर की तरलता लागत दोनों में वृद्धि वित्त वर्ष 2024 के दौरान निवल ब्याज मार्जिन को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक था।

आपके बैंक ने लागत को तर्कसंगत बनाने और लागतों पर नियंत्रण के साथ आय धाराओं में सुधार करने के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को जारी रखा। भले ही वित्त वर्ष 2024 में एकमुश्त प्रावधान के कारण लागत से आय अनुपात में 179 बीपीएस की वृद्धि हुई, लेकिन लागत से आय (वेतन संशोधन और एकमुश्त मर्दों को छोड़कर) अनुपात में 315 बीपीएस की गिरावट आई।

मार्च 2024 तक आपके बैंक का आस्तियों पर प्रतिलाभ 1.04% है, जो पिछले वर्ष की तुलना में वर्षानुवर्ष 8 बीपीएस अधिक है, जबकि इक्विटी पर प्रतिलाभ पिछले वर्ष की तुलना में 89 बीपीएस अधिक होकर 20.32% रहा। वित्त वर्ष 2019 से लेकर अब तक आस्तियों पर प्रतिलाभ में लगातार सुधार हुआ है।

मार्च 2024 तक आपके बैंक का आस्तियों पर प्रतिलाभ 1.04% है, जो पिछले वर्ष की तुलना वर्षानुवर्ष 8 बीपीएस अधिक है, जबकि इक्विटी पर प्रतिलाभ पिछले वर्ष की तुलना में 89 बीपीएस अधिक होकर 20.32% रहा। वित्त वर्ष 2019 से लेकर अब तक आस्तियों पर प्रतिलाभ में लगातार सुधार हुआ है।

पूंजी

बेहतर आयोजना, अर्जित लाभ और बैंकिंग बही के कुशल जोखिम प्रबंधन के कारण वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के पूंजी अनुपात में सुधार जारी रहा। वित्त वर्ष 2024 में आपके बैंक का सीईटी 1 अनुपात 10.36% रहा और यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। वर्ष के दौरान सीईटी 1 अनुपात में 9 बीपीएस का सुधार हुआ। मार्च 2024 के अंत तक समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 14.28% है, जो न्यूनतम नियामक आवश्यकता से काफी अधिक है।

वित्त वर्ष 2024 में रिकॉर्ड मुनाफे के कारण आपके बैंक की पूंजी स्थिति भविष्य की विकास यात्रा के दृष्टिगत पर्याप्त बनी हुई है।

लाभांश

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आपके बैंक के बोर्ड ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष हेतु ₹13.70 प्रति इक्विटी शेयर (यानी 1370%) लाभांश की घोषणा की है।

₹13.70/ इक्विटी शेयर
 वित्त वर्ष 2024 के लिए लाभांश घोषित

आस्ति गुणवत्ता

जोखिम को नियंत्रित करने पर निरंतर ध्यान देने, आर्थिक विकास में बड़े पैमाने पर मजबूत वापसी से मिले प्रोत्साहन ने वित्त वर्ष 2024 में परिसंपत्ति गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखा। आपके बैंक का सकल एनपीए वर्षानुवर्ष 2.24% रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 54 बीपीएस का सुधार हुआ जबकि शुद्ध एनपीए 0.57% रहा, जिसमें मार्च 2024 तक वर्षानुवर्ष 10 बीपीएस का सुधार हुआ। ऋण लागत भी 3 बीपीएस घटकर 0.29% रह गई।

आपके बैंक का सकल एनपीए 2.24% रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में वर्षानुवर्ष 54 बीपीएस का सुधार हुआ जबकि शुद्ध एनपीए 0.57% रहा, जिसमें मार्च 2024 तक वर्षानुवर्ष 10 बीपीएस का सुधार हुआ। ऋण लागत भी 3 बीपीएस घटकर 0.29% रह गई।

सभी क्षेत्रों में परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार देखा गया सिवाय वैयक्तिक खंड के जिसके सकल एनपीए में मामूली वृद्धि देखी गई। कुल मिलाकर, सकल एनपीए मार्च 2023 में ₹90,928 करोड़ से घटकर मार्च 2024 तक ₹84,276 करोड़ हो गया।

गिरावट जो वर्ष के दौरान ऋण गुणवत्ता में वृद्धिशील गिरावट को इंगित करता है, मार्च 2024 तक 10.29% बढ़कर ₹20,317 करोड़ हो गया। पूर्ण गिरावट में वृद्धि के बावजूद मार्च 2024 में गिरावट अनुपात 3 बीपीएस घटकर 0.62% हो गया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024 के दौरान गिरावट में मामूली वृद्धि एयूसीए में तेज वसूली से मेल खाती है। वित्त वर्ष 2024 में औका खातों से वसूली ₹6,934 करोड़ रही। मार्च 2024 तक बैंक के लिए प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) औका के बिना 75.02% और औका के साथ 91.89% रहा।

ग्राहक केन्द्रीयता

ग्राहक केन्द्रीयता आपके बैंक का सार है, सभी शाखाएँ हर कदम पर ग्राहकों की खुशी के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्राहकों की लगातार बदलती प्राथमिकताएँ, खास तौर पर युवा आबादी की, साथ ही डिजिटल पहल के माध्यम से बढ़ी हुई ग्राहक सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, खुदरा बैंकिंग परिदृश्य को बदल रही हैं।

हमारा मल्टीचैनल डिलीवरी मॉडल - डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, सोशल मीडिया और शाखाएँ, ग्राहकों को उनकी सुविधानुसार किसी भी समय और स्थान पर लेनदेन करने के लिए एक व्यापक विकल्प प्रदान करता है। आपके बैंक के पास देश का सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क है जिसमें 31 मार्च 2024 तक 63,580 एटीएम हैं, जिनमें 11,256 स्वचालित जमा और निकासी मशीनें (एडीडबल्यूएम) शामिल हैं - यहां तक कि सबसे चुनौतीपूर्ण स्थानों पर भी इनकी मौजूदगी है, जिसमें श्रीनगर के डल झील में फ्लोटिंग एटीएम, असम के चाय बागानों में, लद्दाख के खार डुंग ला दर्रे पर, उत्तरी सिक्किम के आखिरी गांव लाचेन में, केदारनाथ में, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप के द्वीप शामिल हैं। आपके बैंक के एटीएम/एडीडबल्यूएम पर प्रत्येक दिन औसतन 1.20 करोड़ लेनदेन और एडीडबल्यूएम पर 5.75 लाख नकद जमा लेनदेन किए जाते हैं।

आपके बैंक के एटीएम/एडीडबल्यूएम पर प्रत्येक दिन औसतन ₹ 1.20 करोड़ लेनदेन और एडीडबल्यूएम पर 5.75 लाख नकद जमा लेनदेन किए जाते हैं।

व्हाट्सएप बैंकिंग भविष्य की बैंकिंग के लिए आपके बैंक द्वारा ग्राहक-केंद्रित पहलों में से एक जो चार भाषाओं अर्थात् हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला और तमिल में उपलब्ध है।

आपका बैंक भारत में 434 समर्पित विशिष्ट एनआरआई शाखाओं/एनआरआई गहन शाखाओं के माध्यम से अपने 38.29 लाख एनआरआई ग्राहकों की सेवा कर रहा है, जिसमें आपके बैंक के विदेशी कार्यालय और 227 वैश्विक बैंक संपर्की बैंक हैं।

आपके बैंक का भारत में धन प्रेषण की सुविधा के लिए मध्य पूर्व में 45 एक्सचेंज हाउस और 5 बैंकों के साथ भी गठजोड़ है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आपके बैंक ने निम्नलिखित शाखाएं/कार्यालय खोले हैं: श्रीलंका में दो कार्यालय, विदेशी अनुषंगी कंपनियां (नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, नेपाल की लमही, बेलटार और दुहाबी में तीन शाखाएं खोली गईं) और कुश्तिया, बांग्लादेश में एक भारत वीजा आवेदन केंद्र।

38.29 लाख

भारत में 434 समर्पित विशिष्ट एनआरआई शाखाओं/ एनआरआई गहन शाखाओं के माध्यम से एनआरआई ग्राहक

प्रौद्योगिकी एवं नवाचार

आपका बैंक अपने विविध ग्राहकों को समुचित समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी परिवर्तनकारी तकनीकों का उपयोग कर लगातार खुद को नया रूप दे रहा है। हम न केवल सहज डिजिटल उत्पाद विकसित कर रहे हैं, बल्कि अपनी प्रक्रियाओं को भी परिष्कृत कर रहे हैं।

आपका बैंक 'प्रत्येक व्यवसाय के लिए बैंकर' बनने का लक्ष्य रखता है और उसने डिजिटल पेशकशों के साथ एकीकृत योनो बिजनेस की शुरुआत की है जो ग्राहकों को सहज अनुभव और सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है तथा बैंकिंग आवश्यकताओं की संपूर्ण श्रृंखला प्रदान करता है।

आपका बैंक 'प्रत्येक व्यवसाय के लिए बैंकर' बनने का लक्ष्य रखता है और उसने डिजिटल पेशकशों के साथ एकीकृत योनो बिजनेस की शुरुआत की है जो ग्राहकों को सहज अनुभव और सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है तथा बैंकिंग आवश्यकताओं की संपूर्ण श्रृंखला प्रदान करता है जिसमें शामिल है - व्यापार वित्त, विदेशी मुद्रा, नकदी प्रबंधन, इंटरनेट बैंकिंग, एपीआई बैंकिंग, पूर्व अनुमोदित व्यवसाय ऋण (पीएबीएल), नकदी प्रबंधन एवं आपूर्ति श्रृंखला वित्त। योनो बिजनेस के 5.24 लाख नए डिजिटल (एनटीडी) ग्राहक हैं जिनके माध्यम से 66.01 करोड़ लेनदेन हुए। योनो बिजनेस के माध्यम से 2.05 लाख चालू खाते खोले गए।

अपने व्यापार ग्राहकों की सहायता के लिए आपके बैंक ने अपने मौजूदा व्यापार वित्त और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यवसाय इको सिस्टम का पूर्ण कार्यापलट किया है। आपका बैंक एआई/एमएल-संचालित प्रक्रियाओं की शुरुआत करते हुए आंतरिक और बाह्य प्रणालियों के साथ वास्तविक समय एकीकरण के माध्यम से अपनी कई प्रक्रियाओं को स्वचालित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। आपका बैंक केंद्रित उत्पाद की अनूठी ताकत के साथ फिनेटेक/स्टार्ट-अप के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है।

आपके बैंक के उद्यम एकीकरण सेवा (ईआईएस) विभाग ने लाइट वेटेड एपीआई लेयर के माध्यम से अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालित कर योनो, आईएनबी, मोबाइल बैंकिंग आदि जैसे कई विविध एप्लिकेशन्स को चैनलाइज किया है।

5.24 लाख

एन्टीडी ग्राहक योनो व्यवसाय के माध्यम से जुड़े, 66.01 करोड़ लेनदेन हुए

2.05 लाख

चालू खाता योनो बिजनेस के माध्यम से खोले गए

आपके बैंक के पास 'मेघदूत' नाम से अपना निजी क्लाउड है, जिसे तेजी से हो रहे तकनीकी विकास से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें यूपीआई, कियोस्क बैंकिंग, डीबीटी, ऋण प्रबंधन प्रणाली एप्लिकेशन, सरकारी व्यवसाय समाधान सहित 400 से अधिक एप्लिकेशन्स होस्ट किए गए हैं।

वित्तीय समावेशन

आपका बैंक वित्तीय समावेशन पर केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आपका बैंक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए बीसी/सीएसपी (बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट - ग्राहक सेवा बिंदु) मॉडल में अग्रणी है जो मात्र निकासी भुगतान तक सीमित नहीं है। वर्तमान में, इन सीएसपी कियोस्क आउटलेट पर 32 वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध हैं।

जन धन योजना, आधार, मोबाइल (जेएम) की त्रयी ने लक्षित लाभार्थियों को डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से निर्धारित लाभ पहुँचाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है।

जन धन योजना, आधार, मोबाइल (जैम) की त्रयी ने हमारे देश के डीबीटी लक्ष्य को हासिल कर इसे बड़ी सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे इसे वैश्विक स्तर पर एक पहचान मिली है। चालू वर्ष में, 68 करोड़ से अधिक डीबीटी क्रेडिट अंतरित किए गए हैं।

यह चैनल हमारे देश की डीबीटी को बड़ी सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसने वैश्विक स्तर पर पहचान हासिल की है।

चालू वर्ष के दौरान ~68 करोड़ से अधिक डीबीटी क्रेडिट अंतरित किए गए हैं। बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को वित्तीय रूप से शामिल पूल में लाकर, चैनल ने ग्राहकों के बीच बचत और बचत की आदतों को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया है, जिससे उनकी वित्तीय वृद्धि को सुदृढ़ किया जा सके। 15 करोड़ से अधिक बीएसबीडी/पीएमजेडीवाई खाते खोले गए जिनमें कुल जमा राशि ₹58,000 करोड़ को पार कर गई है।

15 करोड़ से अधिक बीएसबीडी/पीएमजेडीवाई खाते खोले गए

डीबीटी चैनल बड़ी आबादी के लिए माइक्रोइंश्योरेंस (पीएमजेजेबीवाई एवं पीएमएसबीवाई) और पेंशन (एपीवाई) के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिन्हें अन्यथा ऐसे वित्तीय उत्पादों से बाहर रखा गया था। आपका बैंक सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई में बाज़ार का नेतृत्वकर्ता है। महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान देना हमेशा आपके बैंक की मुख्य प्राथमिकता रही है और आपके बैंक द्वारा शामिल किए गए कुल नामांकन में महिलाओं

की भागीदारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 50% से अधिक रही है। आपका बैंक देश के अधिकांश दूरस्थ स्थानों को शामिल करते हुए 82,000 से अधिक सीएसपी के माध्यम से समावेशिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गहन प्रयास कर रहा है।

आपका बैंक देश के अधिकांश दूरस्थ स्थानों को शामिल करते हुए 82,000 से अधिक सीएसपी के माध्यम से समावेशिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गहन प्रयास कर रहा है।

कार्यनीतिक नई पहल

वित्त वर्ष 2024 के दौरान आपके बैंक ने बैंक द्वारा निर्धारित दीर्घकालिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यनीतिक पहल की है। कुछ महत्वपूर्ण पहल निम्नानुसार हैं:

- जमाराशि जुटाने के उद्देश्य से आपके बैंक ने निम्नलिखित उत्पाद लॉन्च किए हैं: (i) एसबीआई ग्रीन रुपी टर्म डिपॉजिट, जिसका उद्देश्य हरित पहलों के वित्तपोषण में एसबीआई को सहायता देने के लिए जमाराशि जुटाना है; (ii) एसबीआई वी केयर डिपॉजिट योजना, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए अधिक ब्याज दर की सुविधा है और (iii) सर्वोत्तम (नॉन-कॉलेबल डिपॉजिट) मीयादी जमा योजना 1 वर्ष और 2 वर्ष की अवधि के लिए उच्चतर ब्याज दर
- विभिन्न ग्राहक वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश भर के शीर्ष 27 जिला केंद्रों में 40 लेनदेन बैंकिंग हब (टीबी-हब) खोले गए, जो लेनदेन, भुगतान, संग्रह और अन्य वित्तीय आवश्यकताओं के लिए व्यापक समाधान प्रदान करके ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

- उपलब्ध अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाने और डिजिटल ऋणों में ग्राहकों की सुविधा के लिए, आपके बैंक ने पूर्व अनुमोदित वैयक्तिक ऋण (पीएपीएल) उत्पाद को संशोधित किया है और अधिकतम ऋण राशि को बढ़ाकर 15 लाख कर दिया है, जो केवल 4 क्लिक में योनी और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से डिजिटल रूप से पेश किया जाता है। वाहन ऋण पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने ग्राहक द्वारा कार बुकिंग के दौरान तत्काल सैद्धांतिक मंजूरी के लिए प्रमुख कार कंपनियों के साथ गठजोड़ किया है।
- आपका बैंक सिडबी के नेतृत्व वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक संघ के हितधारकों में से एक है, आपके बैंक की अग्रणी पहल, psbloanin59minutes.com, एसएमई ऋण तक आसान पहुँच प्रदान करती है। जीएसटी रिटर्न, आईटी रिटर्न और खाता विवरण के आधार पर पात्र प्रस्तावों के लिए तत्काल सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त होती है। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग कर आपका बैंक ₹1 लाख से ₹5 करोड़ तक की लीड सोर्स कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में ₹10,831 करोड़ के लिए 17,773 लीड स्वीकृत किए गए।
- सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में हरित पहल के एक हिस्से के रूप में, परियोजना लागत में छत पर सौर फोटोवोल्टिक प्रणालियों के वित्तपोषण को गृह ऋण के लिए शामिल किया गया है और ग्राहकों के बीच उत्पाद को लोकप्रिय बनाने के लिए उचित प्रचार दिया जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना करके अपने बैंक परिचालन में स्थिरता को एकीकृत करने के लिए 'पीएम' सूर्य घर - सोलर रूफ टॉप के लिए ऋण नामक एक उत्पाद डिजाइन किया गया है। इसके अलावा आवास परियोजनाओं के निर्माण और जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर फोटोवोल्टिक को लागू करने के लिए बिल्डर्स को 25 बीपीएस की अतिरिक्त ब्याज दर रियायत दी जाती है।
- आपके बैंक ने कृषि पोर्टफोलियो में दबाव को कम करने और नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक रूप से काम किया है और परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2024 के दौरान एनपीए में पहली बार कमी आई है और कृषि सकल एनपीए एक अंकों में आ गया है। आपके बैंक के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) की वृद्धि कृषि खंड के साथ ही उप-खंडों यथा छोटे सीमांत किसानों, कमजोर वर्गों तथा गैर-कॉरपोरेट किसानों में भी हुई है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपके बैंक के परोपकारी प्रयासों का प्राथमिक लक्ष्य हमेशा आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण समुदायों के जीवन पर सार्थक और मापनीय प्रभाव डालना होता है।

वित्त वर्ष 2024 के लिए आपके बैंक द्वारा सीएसआर कार्यकलापों को शुरू करने के लिए ₹502.32 करोड़ की राशि आबंटित की गई जिसमें से ₹301.24 करोड़ की राशि एसबीआई फाउंडेशन को परियोजना मोड में सीएसआर कार्यकलापों के लिए आबंटित की गई। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 80 आकांक्षी जिलों में 173 सीएसआर पहल की।

वित्त वर्ष 2024 के लिए आपके बैंक द्वारा सीएसआर कार्यकलापों को शुरू करने के लिए ₹502.32 करोड़ की राशि आबंटित की गई जिसमें से ₹301.24 करोड़ की राशि एसबीआई फाउंडेशन को परियोजना मोड में सीएसआर कार्यकलापों के लिए आबंटित की गई। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 80 आकांक्षी जिलों में 173 सीएसआर पहल की।

अखिल भारतीय स्तर पर सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को कवर करते हुए विभिन्न विकास कार्यकलाप शुरू किए गए जिनमें शामिल है: (i) 232 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों, 355 आंगनवाड़ियों, 158 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 75 वृद्धाश्रमों और 57 अनाथालयों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन, (ii) दिव्यांगजनों को 2,300 व्हीलचेयर, वंचित महिलाओं को 4,600 सिलाई मशीनें और बालिकाओं को 2.19 लाख सैनिटरी पैड किट वितरित करना।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के एक भाग के रूप में, आपके बैंक ने देश भर में विभिन्न कार्यकलाप किए हैं जिनमें आस-पास की सफाई, समुद्र तट की सफाई, जूट के थैलों का वितरण, प्लास्टिक निषेध अभियान का आयोजन, शौचालयों का निर्माण आदि शामिल हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के एक भाग के रूप में, आपके बैंक ने देश भर में विभिन्न कार्यकलाप किए हैं जिनमें आस-पास की सफाई, समुद्र तट की सफाई, जूट के थैलों का वितरण, प्लास्टिक निषेध अभियान का आयोजन, शौचालयों का निर्माण आदि शामिल हैं।

आपके बैंक ने मछुआरों और समुद्री धाराओं में फँसे अन्य लोगों की मदद करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल को रिमोट संचालित स्व-चालित जीवन रक्षक नौकाओं की 6 इकाइयों के साथ सहायता प्रदान की है।

अनुषंगियता

अपनी अनुषंगियों के माध्यम से आपका बैंक अपने ग्राहकों के लिए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पूरी शृंखला प्रस्तुत कर रहा है।

समेकित आधार पर, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,630.52 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह ₹725.39 करोड़ था। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एसबीआई समूह की ब्रोकिंग शाखा एसबीआईकैप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल) ने वित्त वर्ष 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹1,191.44 करोड़ का पीएटी अर्जित किया जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह ₹791.52 करोड़ था।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भारत की सबसे तेजी से बढ़ती निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक है। लगभग 12.80% की उद्योग वृद्धि के मुकाबले कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में ₹12,554 करोड़ की सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम राशि में 15.90% की वृद्धि और ₹12,731 करोड़ का सकल लिखित प्रीमियम हासिल किया। वित्त वर्ष 2024 के अंत में एसबीआई जनरल ने भारत के सामान्य बीमाकर्ताओं के बीच शीर्ष 10 स्थान में प्रवेश करते हुए समग्र उद्योग में अपनी रैंकिंग में सुधार किया।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में 29.2% की वृद्धि हासिल की जबकि उद्योग में 2.00% की वृद्धि हुई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 में ₹1,721 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में ₹1,894 करोड़ का कर पश्चात् लाभ अर्जित किया।

एसबीआई कार्गो एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023 में ₹2,258 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में ₹2,408 करोड़ रुपये का पीएटी अर्जित किया।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड सबसे तेजी से बढ़ने वाली एमसी है, जिसमें मार्च 2023 की तुलना में मार्च 2024 की तिमाही के दौरान ₹1.97 लाख करोड़ वास्तविक एयूएम से अधिक की वृद्धि हुई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए ₹2,063 करोड़ का पीएटी दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2023 के दौरान ₹1,331 करोड़ अर्जित किया गया था।

घरेलू और निर्यात फैक्टरिंग सेवाएं एक ही स्थान पर प्रदान करने वाली एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड एक प्रमुख एनबीएफसी फैक्टर है, जिसने वित्त वर्ष 2023 में ₹5,544 करोड़ के व्यवसाय की तुलना में वित्त वर्ष 2024 के दौरान ₹6,799 करोड़ रुपये का व्यवसाय किया।

एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 के लिए ₹62.76 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार कंपनी की कुल प्रबंधनाधीन आस्तियां (एयूएम) ₹4,33,385 करोड़ है। कंपनी 36.93% की बाजार हिस्सेदारी के साथ एयूएम के मामले में 11 पीएफएम के बीच अग्रणी स्थान बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, कंपनी ने 76 कॉर्पोरेट्स को अपने साथ जोड़ा है और साथ ही 6,344 एनपीएस ग्राहक जोड़े हैं।

आपका बैंक मर्चेन्ट एक्वायरिंग बिजनेस के लिए एक विशेष संयुक्त उद्यम यानी एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स) बनाने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है और कंपनी में इसकी 74% हिस्सेदारी है। 31 मार्च 2024 तक एसबीआई पेमेंट्स 33.10 लाख से अधिक मर्चेन्ट पेमेंट एक्सेप्टेंस टच पॉइंट्स के साथ देश में सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक बना हुआ है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में तैनात 13.67 लाख पीओएस मशीनें शामिल हैं।

31 मार्च 2024 तक एसबीआई पेमेंट्स देश में सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक बना हुआ है, जिसके पास 33.10 लाख से अधिक मर्चेन्ट पेमेंट स्वीकृति टच पॉइंट हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों में तैनात 13.67 लाख पीओएस मशीनें शामिल हैं।

पुरस्कार एवं सम्मान

सक्रिय रूप से संवहनीय और सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाने तथा साथ ही बैंकिंग वातावरण को बेहतर बनाने के आपके बैंक के निरंतर प्रयास को मान्यता प्रदान करते हुए वर्ष के दौरान कई पुरस्कार प्रदान किए गए। वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान आपके बैंक को प्राप्त कुछ पुरस्कार और सम्मान इस प्रकार हैं:

- आपके बैंक को पीएसबी सुधार एजेंडा के **ईएसई 5.0 के तहत शीर्ष प्रदर्शन** करने वाला बैंक पुरस्कार प्राप्त हुआ है। आपका बैंक 2024 के लिए **विश्व स्तर पर शीर्ष 25 सबसे मजबूत ब्रांडों में शामिल हुआ** - सबसे मूल्यवान और वैश्विक ब्रांडों पर ब्रांड वित्त वार्षिक रिपोर्ट - ग्लोबल 500 2024।
- अक्टूबर 2023 में आयोजित 2023 आईएमएफ/डबल्यूबी वार्षिक बैठक के अवसर पर माराकेच, मोरक्को में आयोजित अपने **30वें वार्षिक सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार समारोह** में ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा आपके बैंक को वर्ष 2023 के लिए **भारत में सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में मान्यता दी गई।**
- आपके बैंक को **कॉर्पोरेट उत्कृष्टता 2023 के लिए ईटी अवार्ड्स** द्वारा कंपनी ऑफ द ईयर अवार्ड - 2023 से सम्मानित किया गया। आपके बैंक को **इकोनॉमिक टाइम्स ग्रुप** द्वारा **सबसे भरोसेमंद बीएफएसआई ब्रांड्स 2023-24** घोषित किया गया।
- आपके बैंक को पीएसयू एवं सरकारी शिखर सम्मेलन 2023 में 4 लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति आकार वाले पीएसयू बैंकों की श्रेणी में **इन एंड ब्रैडस्ट्रीट अवार्ड** मिला।
- आपके बैंक को **वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।**
- 50 करोड़ से ज्यादा एसबीआई परिवार के सदस्यों के अविचल सहयोग के प्रमाण के रूप में, मैं सीएनएन न्यूज18 अवार्ड्स में बिजनेस श्रेणी में इंडियन ऑफ द ईयर अवार्ड (आईओटीवाई) 2023 के प्राप्तकर्ता के रूप में दिए गए सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ। यह एसबीआई सिटिजन के दृढ़निश्चय समर्थन के बिना संभव नहीं था।

हम इन सम्मानों को ब्रांड एसबीआई में आपके विश्वास और भरोसे की पुष्टि करते हुए हर चीज में निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अपनी यात्रा में मील के पत्थर के रूप में देखते हैं और इस प्रकार ये हमारे लिए उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास करने के लिए कदम हैं, जो हमारे आसपास के समाज और समुदायों को बेहतर बनाने में सहायक हैं।

लाभप्रदता, मार्जिन, बाजार हिस्सेदारी, जोखिम प्रबंधन, रणनीतिक निवेश और ग्राहक केंद्रिकता जैसे सभी प्रमुख मानकों में सुधार हुआ।

आगे बढ़ते हुए, आपका बैंक आईटी संरचना में परिणामोन्मुखी निवेश करने और इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, व्यवसाय का विस्तार करने, प्रक्रिया अनुकूलन और जोखिम शमन के लिए एनालिटिक्स का लाभ उठाने के प्रयास किए जाएंगे।

भावी योजना

वित्त वर्ष 2024 बैंकिंग क्षेत्र के लिए बेहतर कारोबारी प्रदर्शन के साथ एक अच्छा वर्ष रहा है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024 में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुईं जिन्होंने निरंतर सतर्कता बरतने की आवश्यकता को बल दिया है। खाड़ी क्षेत्र में प्रमुख शिपिंग लेन में व्यवधान का भारतीय निर्यात और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ा है। 2023 में अल नीनो-दक्षिणी दोलन की शुरुआत ने भारतीय मानसून के स्थानिक और सामयिक पैटर्न को बाधित किया जिसका कृषि और संबद्ध क्षेत्र पर प्रभाव पड़ा। यह वर्तमान वित्तीय वर्ष में विशेष रूप से जलवायु मोर्चे पर जोखिम की सक्रिय पहचान और शमन के

लिए आवश्यक है जहां वित्तीय वर्ष 2025 में नियामक मार्गदर्शन लागू हो सकता है।

मौजूदा भू-राजनीतिक जोखिमों, वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव और सख्त मौद्रिक नीति के बावजूद आपके बैंक की जोखिम प्रबंधन रणनीति ने जोखिम को नियंत्रित करने के लिए बेहतर ढंग से काम किया, जो आपके बैंक के वित्तीय प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। आपके बैंक का प्रदर्शन संतोषजनक से कहीं ज्यादा रहा और कुछ मामलों में उम्मीदों से भी बढ़कर रहा। लाभप्रदता, मार्जिन, बाजार हिस्सेदारी, जोखिम प्रबंधन, रणनीतिक निवेश और ग्राहक केन्द्रीयता जैसे सभी प्रमुख मानकों में सुधार हुआ।

आपके बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी डिजिटल पेशकशों में उल्लेखनीय प्रगति की है। डिजिटल स्पेस में निवेशों के लाभ अब परिचालन दक्षता, ग्राहक अनुभव और बैंकिंग सेवाओं की 24x7 पहुंच में दिखाई दे रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, आपका बैंक आईटी संरचना में परिणाम-उन्मुख निवेश करने और इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, व्यवसाय का विस्तार करने, प्रक्रिया अनुकूलन और जोखिम शमन के लिए एनालिटिक्स का लाभ उठाने के प्रयास किए जाएंगे।

हम ग्राहक अनुभव में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, इसलिए ग्राहक केन्द्रीयता और दीर्घकालिक संबंधों के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

जलवायु जोखिम जो चिंता का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरा है, ने पिछले वर्ष से विनियामकों का काफी ध्यान आकर्षित किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी में जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों पर मसौदा प्रकटीकरण रूपरेखा, 2024 जारी किया। इन घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने जलवायु संबंधी अवसरों के लिए धन जुटाने और देश के शुद्ध-शून्य संक्रमण को निधि देने के लिए ग्रीन रुपया सावधि जमा शुरू किया, जैसा कि यूएनएफसीसीसी को प्रस्तुत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान देने

की प्रतिबद्धता जताई गई है। जलवायु जोखिम का सामना करने के लिए एक मजबूत जोखिम प्रबंधन ढांचा प्रक्रियाधीन है। नवीकरणीय और संवहनीयता परियोजनाओं के लिए आपके बैंक की संयुक्त स्वीकृत सीमा ₹57,532 करोड़ है। बैंक को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हरित क्षेत्रों की ओर धन का प्रवाह बढ़ेगा।

निष्कर्ष के तौर पर, आपका बैंक चालू वर्ष में विकास पूंजी के मामले में बेहतर स्थिति में है। घटती ऋण लागत के साथ, पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए पीएलआई योजना के तहत चिन्हित क्षेत्रों, नवीकरणीय ऊर्जा के साथ-साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में ऋण देने के अवसर तलाशे जाएंगे। आपके बैंक ने परिचालन वातावरण द्वारा उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाकर चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर नवोन्मेषण किया है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके बैंक का वित्त वर्ष 2024 का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रहेगा।

महात्मा गांधी के शब्दों में,
'एक सौम्य तरीके से, आप दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।'

आपका शुभचिंतक,
दिनेश कुमार खारा

उत्तरदायित्वपूर्ण बैंकिंग

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण हमेशा से भारतीय स्टेट बैंक की प्राथमिकता रहा है। जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों ने आपके बैंक को अपने प्राकृतिक पूंजी प्रबंधन को अधिक सशक्त बनाने और कार्यान्वयित करने के लिए प्रेरित किया है।

प्रमुख पहल

- वित्त वर्ष 2024 के दौरान आपके बैंक ने अपनी 13 प्रतिष्ठित बिल्डिंगों के लिए आईजीबीसी से ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग प्राप्त की है, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 46 हो गई है।
- प्लास्टिक वेस्ट कम करने के लिए आपके बैंक ने देशभर में 20 पीईटी बोतल क्रशिंग मशीनें स्थापित की हैं।
- आपके बैंक ने पूरे भारत में बैंक-स्वामित्व वाली इमारतों में 31.03.2024 तक 20.09 मेगावॉटपी क्षमता वाले 795 सोलर रूफ टॉप स्थापित किए हैं।
- आपके बैंक ने 31.03.2024 तक 3,534 एटीएम पर 6.73 एमडबल्यूपी क्षमता के सोलर रूफ टॉप स्थापित किए हैं।
- आपके बैंक ने संबंधित वितरण कंपनियों से हरित ऊर्जा खरीदने की पहल की है और हमारी 18 इमारतों को हरित ऊर्जा क्रय पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके माध्यम से हम देशभर में हरित ऊर्जा द्वारा सालाना लगभग 1.74 करोड़ विद्युत इकाइयों की पूर्ति कर रहे हैं।
- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान खुली जगहों और शाखा/कार्यालय परिसरों में 18 लाख पेड़ लगाए हैं।
- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 538 वर्षा जल संचयन प्रणालियां स्थापित की हैं।



ग्राहक अनुभव संवर्धन

अपने ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और ग्राहक को केंद्र में रखने की हमारी भावना के कारण ही हम स्वयं को देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में स्थापित कर पाए हैं।

ग्राहक अनुभव प्रबंधन

आपका बैंक ग्राहक अनुभव प्रबंधन (सीएक्सएम) मॉडल पर काम करता है, जिसमें प्रदर्शन का आकलन इस आधार पर किया जाता है कि ग्राहक संगठन को कैसे देखता है। यह एक विस्तृत प्रक्रिया है, जिसके लिए आईटी प्रणालियों को मजबूत बनाने, सहयोगात्मक प्रयासों और नए कौशल की आवश्यकता होती है।

डोरस्टेप बैंकिंग

ग्राहकों की सुविधा और आसान बैंकिंग सेवाओं के लिए, आपके बैंक ने अपने 1,080 बैंकिंग केंद्रों पर सभी ग्राहकों के लिए अपनी डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया, जिसमें नकद आहरण, प्री-पेड लिखत/गिफ्ट कार्ड की डिलीवरी, चेक बुक मांग पर्ची आदि के पिकअप जैसी सेवाएं शामिल हैं।

वित्तीय समावेशन

आपका बैंक लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय समावेशन पर केन्द्रित गतिविधियों के माध्यम से बैंक बुनियादी वित्तीय सेवाओं को सरल व सुलभ बनाने और सामाजिक व वित्तीय बाधाओं को कम करने के लिए प्रयासरत है। इस हेतु बैंक ने बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए बीसी/सीएसपी (बैंकिंग संवाददाता/ ग्राहक सेवा केंद्र) मॉडल का सहारा लिया है। वर्तमान में, इन सीएसपी आउटलेट के माध्यम से 32 वित्तीय सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

टाउन हॉल बैठकें

ग्राहकों से जुड़ने और उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए, आपके बैंक ने 05.12.2023 को पूरे भारत में टाउन हॉल बैठकों का आयोजन किया था, जिसमें 21,187 ग्राहक और 5,154 कर्मचारी सदस्य उपस्थित हुए। **बैठक का विषय डिजिटल बैंकिंग लेनदेन- लाभ और सावधानियाँ था।** ग्राहकों को डिजिटल लेनदेन के लाभों की जानकारी देते हुए उन्हें विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के सामान्य तौर-तरीकों और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के लिए उनके द्वारा उठाए जाने वाले एहतियाती उपायों के बारे में भी बताया गया।

32

वित्तीय सेवाओं की सुविधा
सीएसपी आउटलेट के माध्यम से

1,080

डोरस्टेप बैंकिंग सेवा केंद्र



एक समावेशी कार्यस्थल

आपका बैंक एक अनुकूल वातावरण बनाने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे कर्मचारी उत्पादकता एवं संतुष्टि में वृद्धि हो तथा उन्हें स्टेट बैंक परिवार का हिस्सा होने पर गर्व महसूस हो। हम अपनी मानव संसाधन नीतियों की निरंतर समीक्षा करते हैं और वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार प्रासंगिक समायोजन भी करते हैं। डिजिटल बदलाव को अपनाते हुए, उत्पादकता में वृद्धि के क्रम में हम स्टाफ सदस्यों को सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए अपने सभी कार्यों को डिजिटल कर रहे हैं।

भर्ती

सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक होने के नाते और एक सशक्त करियर उन्नति नीति के साथ, बाजार से शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना आपके बैंक के लिए कोई चुनौती नहीं है। अपनी भर्ती प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, आपका बैंक डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक रूप से उपयोग करके उम्मीदवारों के विशाल समूह तक पहुँचता है। बैंक के सोशल मीडिया हैंडल और विभिन्न जॉब पोर्टल पर विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। भर्ती प्रक्रिया में सोशल और डिजिटल मीडिया का उपयोग करने के कारण बैंक टेक-सेवी उम्मीदवारों के विशाल समूह तक पहुंचने में सक्षम हुआ है।

48.49

प्रशिक्षण घंटे प्रति कर्मचारी
वित्त वर्ष 2024 में

आरक्षण और समान अवसर

आपका बैंक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग/ ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी के लिए आरक्षण नीति पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित निदेशों का सावधानीपूर्वक पालन करता है। हमारे सभी स्तरों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) का सम्मानजनक प्रतिनिधित्व है। आपके बैंक ने भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार 1 फरवरी 2019 से सीधी भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया है। इसी तरह, ग्रुप-ए में सबसे निचले पायदान तक यानी जेएमजीएस-1 तक पीडब्ल्यूबीडी के लिए पदोन्नति में आरक्षण 17.05.2022 से लागू किया गया है।

1.57 लाख

प्रशिक्षित कर्मचारी वित्त वर्ष 2024 के दौरान

लैंगिक विविधता

लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशिता हमेशा आपके बैंक की मानव संसाधन नीति की आधारशिला रही है। 31.03.2024 को कुल कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 27% है। महिला कर्मचारी सभी भौगोलिक क्षेत्रों और पदानुक्रम के स्तरों पर कार्यरत हैं।

27%

महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी
वित्त वर्ष 2024 में

31.03.2024 तक प्रतिनिधित्व

क्र.सं	कैडर	कुल	अजा	अजजा	अपिव	ईडब्ल्यूएस	पीडब्ल्यूबीडी*
1	अधिकारी	1,10,116	20,505	9,617	28,461	1,040	2,762
2	लिपिक	92,514	15,542	7,624	27,483	1,896	2,548
3	अधीनस्थ कर्मचारी	29,666	6,889	2,124	8,586	91	170
कुल योग		2,32,296	42,936	19,365	64,530	3,027	5,480

* बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी)

एसबीआई विज़ार्ड्स



जी हाँ, मैं परिवर्तन ला सकता हूँ



अपने समाज के लिए योगदान

आपका बैंक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक विकास से संबंधित पहलों में सक्रिय रूप से शामिल है। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व को अपनाकर, हम हितधारकों के साथ अपने बंधन को मजबूत करते हैं, समावेशी विकास को बढ़ावा देते हैं और सभी के लिए बेहतर और अधिक समान भविष्य के निर्माण में योगदान करते हैं।

हमारी प्रमुख सीएसआर पहलें

पर्यावरण

आपके बैंक ने ईशा आउटरीच के साथ मिलकर कर्नाटक और तमिलनाडु के कावेरी बेसिन जिलों में वृक्षारोपण गतिविधियों का आयोजन किया और जल संकट को दूर करने और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक लाभों के साथ आर्थिक समाधान प्रदान करने के लिए ग्रामियम ट्रस्ट के साथ मिलकर तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में 2 लाख पेड़ भी लगाए हैं। इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सोमनाथ ट्रस्ट को प्लास्टिक पेवर ब्लॉक विनिर्माण मशीनें और देश भर के विभिन्न संस्थानों को ई-वाहन दान किए हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता पखवाड़ा अभियान को मनाने के लिए, आपके बैंक ने विभिन्न देशव्यापी स्वच्छता गतिविधियां शुरू कीं, जिनमें आसपास की स्वच्छता, समुद्र तट की सफाई, जूट के थैलों का वितरण, नो-प्लास्टिक अभियान आयोजित करना, शौचालयों का निर्माण आदि शामिल हैं।

आपदा प्रबंधन

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से, आपके बैंक ने उत्तरी सिक्किम में ल्होकन झील पर अचानक बाढ़ल फटने की घटना से प्रभावित लोगों के लिए सिक्किम सरकार के आपदा प्रबंधन कोष में सहयोग राशि प्रदान की है, जालौर में बिपरजॉय चक्रवात से प्रभावित लोगों की सहायता के अलावा समुद्र की धाराओं में फंसे मछुआरों और अन्य लोगों की सहायता के लिए

भारतीय तटरक्षक बल विशाखापट्टनम को 6 यूनिट जीवनरक्षक बॉइ क्राफ्ट उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा जालौर, राजस्थान में बिपरजॉय चक्रवात से, तथा तमिलनाडु व केरल में बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता की गई है।

स्वास्थ्य देखभाल

आपके बैंक ने देश भर में 158 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को गोद लिया है, जिनमें चिकित्सा उपकरण, बेंच आदि खरीदने के लिए 11.38 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वंचित लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवा प्रदान करने वाले चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सीएसआर सहायता भी प्रदान की गई है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 8,000 टीबी रोगियों को भोजन, दवा, जांच आदि में सहायता प्रदान की गई है।

राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण

भारतीय संगीत के इतिहास के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए, आपके बैंक ने द इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम (आईएमई), बेंगलूरु को नवीनतम एवी उपकरण व तकनीक उपलब्ध कराए हैं। आपके बैंक ने 12 घरानों की सदियों पुरानी घराना संगीत परंपराओं की विरासत के दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए एसएमपी नामसंकीर्तन के साथ करार किया है। आपके बैंक ने माधव राव सप्रे संग्रहालय, भोपाल को राष्ट्रीय बौद्धिक विरासत के डिजिटलीकरण में सहायता प्रदान की है।





विश्वसनीय नेतृत्व

भारतीय स्टेट बैंक में अभिशासन का प्रत्येक स्तर पर पालन किया जाता है और हमारे निदेशक बोर्ड द्वारा सक्रिय रूप से इस पर ध्यान दिया जाता है। बैंक का एक सशक्त एवं प्रभावी निदेशक बोर्ड है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी कर्मचारी व हितधारक बैंक के मूल्यों व लक्ष्यों के अनुरूप कार्य-व्यवहार कर रहे हैं।



श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष



श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक



श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक



श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक



श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक



श्री केतन एस विकमसी
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री मृगांक एम. परांजपे
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री राजेश कुमार दुबे
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्रीमती स्वाति गुप्ता
गैर-कार्यकारी निदेशक



डॉ. विवेक जोशी
गैर-कार्यकारी निदेशक



श्री अजय कुमार
गैर-कार्यकारी निदेशक

केंद्रीय निदेशक मंडल

अध्यक्ष

श्री दिनेश कुमार खारा

प्रबंध निदेशक

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

श्री आलोक कुमार चौधरी

श्री विनय एम. तोन्से

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक

श्री केतन एस विक्रमसी

श्री मृगांक एम. परांजपे

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(डी) के अंतर्गत निदेशक

श्री प्रफुल्ला पी. छाजेड़

श्रीमती स्वाति गुप्ता

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ई) के अंतर्गत निदेशक

डॉ. विवेक जोशी

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत निदेशक

श्री अजय कुमार

बोर्ड की समितियां

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

केंद्रीय बोर्ड (ईसीसीबी) की कार्यकारी समिति

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष – समिति के अध्यक्ष
 श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) – सदस्य
 श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) – सदस्य
 श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – सदस्य
 श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) – सदस्य
 भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (एफ) के अंतर्गत नामित निदेशक तथा सभी या कोई अन्य निदेशक जो सामान्यतया भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी अथवा बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित रहे।

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री अजय कुमार, आरबीआई नामित निदेशक-सदस्य

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)

श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) – सदस्य (पदेन)
 श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – सदस्य (पदेन)

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) – सदस्य (पदेन)
 श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – सदस्य (पदेन)

बड़े मूल्य की धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)

श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – सदस्य (पदेन)
 श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) – सदस्य (पदेन)

बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) सह बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) – सदस्य (पदेन)
 श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) – सदस्य (पदेन)

बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य

बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष – समिति के अध्यक्ष
 डॉ. विवेक जोशी, भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक – सदस्य
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) – सदस्य (पदेन)
 श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (सीबी एंड एस) – सदस्य (पदेन)
 श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – सदस्य (पदेन)
 श्री विनय तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) – सदस्य (पदेन)

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (आईबी, जीएम एंड टी) – समिति अध्यक्ष (पदेन)
 श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (आरबी एंड ओ) – सदस्य (पदेन)
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री मृगांक एम. परांजपे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य

इरादतन चूककर्ता/असहयोगी ऋणियों के निर्धारण हेतु समीक्षा समिति (आरसीआईडब्ल्यूडी)

श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (आर, सी और एसएआरजी) – समिति के अध्यक्ष (पदेन)
 श्री राजेश कुमार दुबे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री केतन एस विक्रमसी, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
 श्रीमती स्वाति गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य

केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

दिनांक 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

श्री दिनेश कुमार खारा

अध्यक्ष

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

प्रबंध निदेशक

(अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुबंधियां)

श्री आलोक कुमार चौधरी

प्रबंध निदेशक

(जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)

श्री विनय एम. तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री एस. सली

उप प्रबंध निदेशक और मुख्य ऋण अधिकारी और

मुख्य संवहनीयता अधिकारी

श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह

उप प्रबंध निदेशक

(खुदरा - वैयक्तिक बैंकिंग और रियल एस्टेट)

श्रीमती सलोनी नारायण

उप प्रबंध निदेशक (वित्त)

श्री महेश कुमार शर्मा

उप प्रबंध निदेशक

(लेनदेन बैंकिंग और नई पहल)

श्री आर. विश्वनाथन

उप प्रबंध निदेशक (आंतरिक लेखा परीक्षा)

श्री अमरा राममोहन राव

(उप प्रबंध निदेशक और मुख्य जोखिम अधिकारी)

श्री नितिन चुघ

उप प्रबंध निदेशक और प्रमुख

डिजिटल बैंकिंग और ट्रान्सफॉर्मेशन

श्री बी शंकर

उप प्रबंध निदेशक

(दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्रीमती रुमा डे

(उप प्रबंध निदेशक और समूह अनुपालन अधिकारी)

श्री अमिताभ चटर्जी

उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-II)

श्रीमती विद्या कृष्णन

उप प्रबंध निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी)

श्री गुलशन मलिक

उप प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह-I)

उप प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार के साथ कॉर्पोरेट लेखा समूह

श्री प्रवीण राघवेंद्र

(उप प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी)

श्री सुरेंद्र राणा

उप प्रबंध निदेशक

(खुदरा - कृषि, एसएमई और वित्तीय समावेशन)

सुश्री जयति बंसल

उप प्रबंध निदेशक

(अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्री नंद किशोर

उप प्रबंध निदेशक (वैश्विक बाजार)

श्री बिनोद कुमार मिश्रा

उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और

कॉर्पोरेट विकास अधिकारी

स्थानीय बोर्डों के सदस्य

31.03.2024 को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित स्थानीय बोर्डों के सदस्य, प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन) से भिन्न

अहमदाबाद

श्री क्षितिज मोहन

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

अमरावती

श्री नवीन चंद्र झा

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

बेंगलूरु

श्री किशन शर्मा

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

भोपाल

श्री चंद्र शेखर शर्मा

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

भुवनेश्वर

श्री दिनेश पर्रुथी

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

चंडीगढ़

श्री विनोद जायसवाल

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

चेन्नई

श्री रवि रंजन

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

गुवाहाटी

श्री विनसैंट मेनचेरी देवासी

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

हैदराबाद

श्री राजेश कुमार

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

जयपुर

श्री संदीप भटनागर

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

तिरुवनंतपुरम

सुश्री भुवनेश्वरी ए

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

निदेशक*

कोलकाता

श्री प्रेम अनूप शर्मा

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

लखनऊ

श्री शरद सत्यनारायण चांडक

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

महाराष्ट्र

श्री अरविंद कुमार सिंह

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

मुंबई मेट्रो

श्री जी एस राणा

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

श्री केतन एस विकमसी

निदेशक *

श्री मृगांक एम. परांजपे

निदेशक *

श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़

निदेशक *

श्री राजेश कुमार दुबे

निदेशक *

नई दिल्ली

श्री कल्पेश कृष्णकांत आवासिया

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

श्रीमती स्वाति गुप्ता,

निदेशक*

पटना

श्री शिवओम दीक्षित

मुख्य महाप्रबंधक (पदेन अधिकारी)

*भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 1955 21 (बी) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक।

बैंक के लेखा परीक्षक

सभी लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की तिथि 03.10.2023 है

मेसर्स सूरी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

मेसर्स गोखले एंड साठे

सनदी लेखाकार

मेसर्स वी सिंधी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

मेसर्स आर जी एन प्राइस एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

मेसर्स एम के अग्रवाल एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

मेसर्स जेएलएनयूएस एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

रमा के गुप्ता एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

मेसर्स तलाटी एंड तलाटी एलएलपी

सनदी लेखाकार

मेसर्स केसी मेहता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

मेसर्स विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

मेसर्स रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

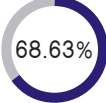
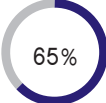
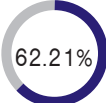
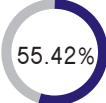
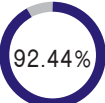
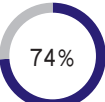
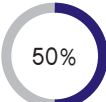
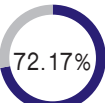
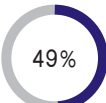
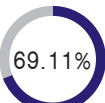
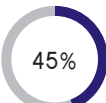
मेसर्स एम सी भंडारी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

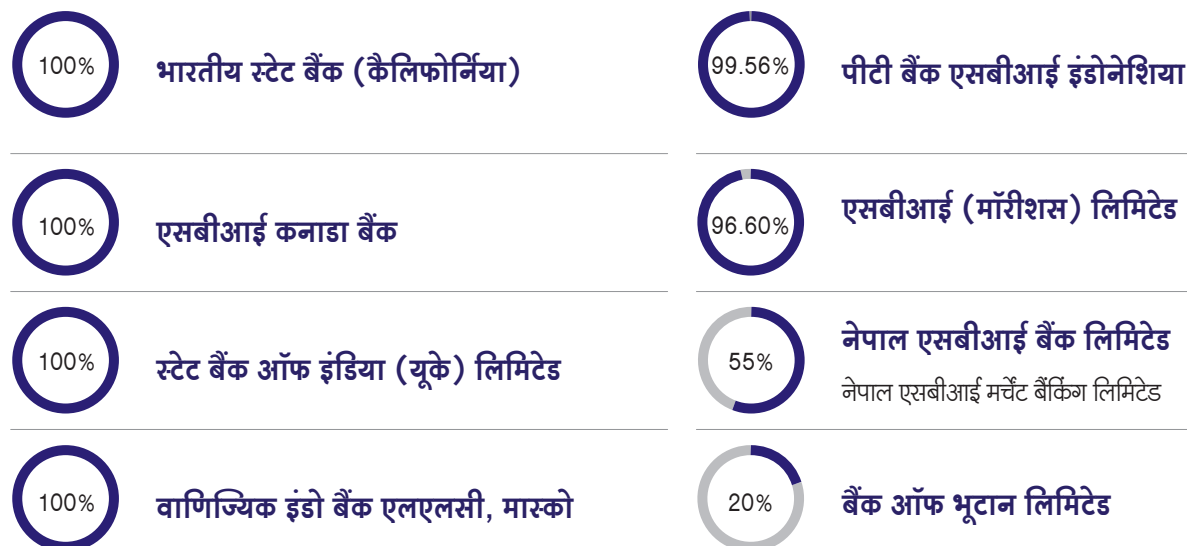


एसबीआई का संसार

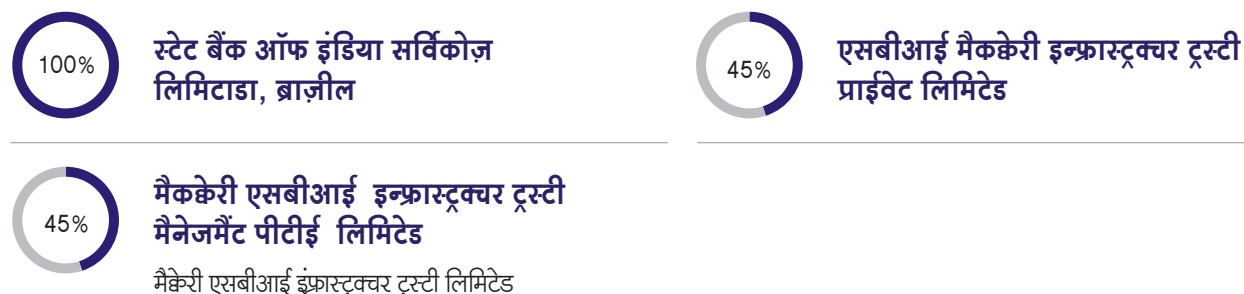
गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम

 एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड - एसबीआई कैप सिक्योरिटीज लिमिटेड - एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	 एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड
 एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड	 एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड (दिनांक 25.07.2023 से प्रभावी)
 एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	 एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
 स्टेट बैंक ऑपरेशन्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	 एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड
 एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	 एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
 एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	 ओमान इंडिया जाइंट इनवेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
 एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	 ओमान इंडिया जाइंट इनवेस्टमेंट ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
 एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	 सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
 एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	 एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम



विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम



सांविधिक रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण

विषय सूची

सांविधिक रिपोर्ट

आर्थिक पृष्ठभूमि और बैंकिंग वातावरण

वित्तीय प्रदर्शन

कोर परिचालन

खुदरा व्यापार और परिचालन

वैयक्तिक बैंकिंग

सर्व समय चैनल

ग्राहक मूल्य वृद्धि

लघु और मध्यम उद्यम

ग्रामीण बैंकिंग

वित्तीय समावेशन

सरकारी व्यवसाय

लेनदेन बैंकिंग- विपणन

नकद प्रबंधन उत्पाद

कॉर्पोरेट बैंकिंग

कॉर्पोरेट लेखा समूह

ट्रेजरी परिचालन

अंतर्राष्ट्रीय संचालन

वाणिज्यिक ग्राहक समूह

परियोजना वित्त और संरचना कार्यानीतिक व्यापार इकाई

दबावग्रस्त संपत्ति प्रबंधन

पुनर्रचना स्टूडियो

सहयोग तथा नियंत्रण परिचालन

मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण

प्रशिक्षण और विकास

डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स

योनो

सूचना प्रौद्योगिकी

ग्राहक संबंध प्रबंधन

चैनल और परिचालन

कोर और विशेष परियोजनाएं

36 एनालिटिक्स 91

37 ग्राहक अनुभव संवर्धन विभाग 93

39 जोखिम प्रबंधन 94

39 बीमा 99

40 राजभाषा 99

48 विपणन और संप्रेषण 99

49 सतर्कता तंत्र 101

49 आस्ति और देयता प्रबंधन 102

53 सदाचार और व्यवसाय आचरण 102

54 कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व 103

56 एसबीआई फाउंडेशन 105

57 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 110

58 अनुपंगियां 111

58 प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट 120

58 उत्तरदायित्व कथन 120

59 आभार 120

60

66 कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट 122

67 सचिवालयीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट 154

67 निदेशकों के अयोग्य न होने का प्रमाणपत्र 157

69 कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र 158

70

70 व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं संवहनीयता रिपोर्ट 159

72 वित्तीय विवरण

76 एकल (स्टैंडअलोन) 160

77 समेकित (कंसोलिडेटेड) 248

79 पिलर-3 प्रकटीकरण (समेकित) 308

80

82 सूचना 344

87 हरित पहल 352

आर्थिक पृष्ठभूमि और बैंकिंग वातावरण

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

विव 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने बार-बार झटके और अभूतपूर्व मौद्रिक सख्ती के बावजूद उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित किया। यद्यपि निकट भविष्य में जारी भू-राजनीतिक तनावों के लिए कोई समाधान दिखाई नहीं देता है, विव 2024 में लाल सागर के प्रमुख नौवहन मार्गों में आपूर्ति व्यवस्था में व्यवधान भी देखा गया।

अमेरिका और कई प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही है। जबकि विनिर्माण गतिविधि मंद रही है, सेवा क्षेत्र ने मजबूती दिखाई है। प्रमुख मुद्राओं में तरलता लागत में वृद्धि के बावजूद उल्लेखनीय आर्थिक मंदी नहीं हुई जैसा कि अपेक्षित था। अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में देखी गई गहरी मुद्रास्फीति अब कम हो गई है, हालांकि श्रम बाजारों में निरंतर तंगी के बीच कोर और सेवा मुद्रास्फीति में गिरावट धीमी है।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति को लक्ष्य के साथ संरेखित करने के लिए नीतिगत दरों को रोक दिया है और उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ इंग्लैंड और यूरोपीय सेंट्रल बैंक निकट अवधि में रेटिंग रुख में बदलाव नहीं करेंगे।

आईएमएफ का अनुमान है कि 2024 के दौरान विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रहेगी। वैश्विक मुद्रास्फीति में लगातार गिरावट का अनुमान है, 2023 में 6.8 प्रतिशत से 2024 में 5.9 प्रतिशत और 2025 में 4.5 प्रतिशत के साथ, उन्नत अर्थव्यवस्थाएं उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में जल्द ही अपने मुद्रास्फीति लक्ष्यों पर लौट रही हैं। विव 2025 में वैश्विक परिदृश्य पर जोखिम पर्याप्त संतुलित है। नकारात्मक पक्ष की ओर, यूक्रेन में युद्ध और गाजा और इजराइल में संघर्ष सहित भू-राजनीतिक तनावों से उपजी कीमतों में नए सिरे से बढ़ोतरी के साथ-साथ लगातार तंग श्रम बाजार ब्याज दर अनुमानों को बढ़ा सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं

के बीच अवस्फीति की गति में विचलन मुद्रा उतार-चढ़ाव का कारण बन सकता है जो वित्तीय क्षेत्र को दबाव में डाल सकता है।

भारत का आर्थिक परिदृश्य

वैश्विक चुनौतियों के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रही है और लगातार तीसरे वर्ष वित्त वर्ष 2024 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) के अग्रिम अनुमानों ने विव2024 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को 7.6% आंका है, जो सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय, उच्च क्षमता उपयोग, सेवा क्षेत्र के अंतर्निहित लचीलेपन, दोहरे अंकों की अग्रिम वृद्धि और स्वस्थ कॉर्पोरेट और बैंक तुलन पत्र पर निरंतर जोर के कारण निवेश चक्र में वृद्धि द्वारा समर्थित है।

विव2024 के दूसरे अग्रिम अनुमानों से पता चलता है कि खरीफ मौसम के दौरान खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट के कारण कृषि और संबद्ध गतिविधियों में वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) विव2024 में 0.7% (एक वर्ष पहले 4.7% की वृद्धि) बढ़ने की उम्मीद है। औद्योगिक क्षेत्र अधिक मजबूत हुआ है और वित्त वर्ष 2023 में 2.1% के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 में 9.0% की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें सभी उप-क्षेत्रों में मजबूत गतिविधियों का योगदान है। सेवा क्षेत्र ने व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण और वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं से प्रोत्साहन के फलस्वरूप विव2024 में अपनी गति बनाए रखी है। सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो एक वर्ष पहले 10 प्रतिशत थी। विव2023 में ₹18 ट्रिलियन की तुलना में विव2024 में जीएसटी संग्रह लगभग ₹20 ट्रिलियन है, जो अप्रैल 2024 में ₹2 ट्रिलियन मार्क को पार करने वाले मासिक संग्रह के साथ मजबूत घरेलू ट्रेडिंग गतिविधि की ओर संकेत करता है।

भारत की बाह्य मांग ने लंबे भू-राजनीतिक तनाव के कारण मंदी के संकेत प्रदर्शित किए। कुल मिलाकर, विव2024 के दौरान मर्चेडाइज निर्यात में 3.1% की गिरावट आई, जबकि मर्चेडाइज आयात 5.4% तक कमजोर हो गया। हालांकि, चालू खाता घाटा वित्त वर्ष

2024 (9 महीने की अवधि) में सकल घरेलू उत्पाद के 1.2% तक तेजी से कम हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3.6% था, जिसमें शुद्ध सेवा व्यापार में सुधार और शुद्ध अंतरण प्राप्ति में वृद्धि हुई थी।

विव 2024 के दौरान हेडलाइन मुद्रास्फीति में नरमी रही, यद्यपि वस्तु और सेवा घटकों में कोर मुद्रास्फीति में नरमी के बावजूद खाद्य पदार्थों की मुद्रा स्फीति इस नरमी में अवरोध उत्पन्न कर रहा है। औद्योगिक और कृषि आगत मूल्य स्थिर बने हुए हैं और संगठित क्षेत्र की मजदूरी वृद्धि स्थिर बनी हुई है। औसत सीपीआई मुद्रास्फीति विव2023 में 6.7% की तुलना में विव2024 में 5.4% थी।

बैंकिंग व्यवसाय

आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार के साथ, एससीबी की ऋण वृद्धि विव 2024 में मजबूत बनी हुई है, विव 2023 में दर्ज 15.0% वृद्धि (₹17.83 लाख करोड़) की तुलना में 20.2% (₹27.59 लाख करोड़) की वृद्धि दर्ज की गई है। विव 2024 में सकल जमा में 13.5% (₹24.3 लाख करोड़) की वृद्धि हुई, जबकि विव 2023 में 9.6% की वृद्धि (₹15.78 लाख करोड़) थी। एचडीएफसी समेकन से उत्पन्न विषमता को छोड़कर, एससीबी के ऋण में 16.3% (₹22.28 लाख करोड़) तक की वृद्धि हुई, जबकि विव 2024 में जमाराशियों में 12.9% (₹23.2 लाख करोड़) वृद्धि हुई। हालांकि आरबीआई ने विव 2024 में नीतिगत रेपो दर को अपरिवर्तित रखा, लेकिन सख्त प्रणालीगत तरलता, साथ ही दरों के क्रमिक परिवर्तन ने बैंकों की जमा और ऋण दर दोनों को बढ़ा दिया है। अप्रतिभूत वैयाक्तिक ऋण में वृद्धि ने नवंबर 2023 में आरबीआई द्वारा चयनित खंडों पर जोखिम भार में वृद्धि के बाद मंदी दिखाई।

क्रेडिट ऑफ्टेक में सुधार को दर्शाते हुए, एससीबी की एसएलआर प्रतिभूति की अतिरिक्त धारिता विव 2024 में उनकी निवल मांग और समय देनदारियों (एनडीटीएल) के 7.7% तक कम हो गई है, जो विव 2023 में 8.7% थी। अतिरिक्त एसएलआर धारिता एलएफ के तहत धन प्राप्त करने के लिए बैंकों को संपार्श्विक बफर प्रदान करती है और चलनिधि कवरेज

अनुपात (एलसीआर) का एक घटक भी है। उपलब्ध अधिशेष ने बैंकों को विभिन्न क्षेत्रों से ऋण मांगों को विवेकपूर्ण ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाया है।

वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात मार्च 2024 के अंत तक 95.9% था, जिसमें एच2 विव2024 के लिए वृद्धिशील ऋण जमा अनुपात 100% से कम था।

विव 2024 के दौरान सभी प्रमुख क्षेत्रों में एएससीबी की आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ, समग्र सकल एनपीए अनुपात दिसंबर 2022 में 4.5% से दिसंबर 2023 में घटकर 3.0% हो गया और मार्च 24 तक इसमें और सुधार होने की उम्मीद है। एएससीबी का सीआरएआर दिसंबर 2023 में 15.9% था, जो नियामक आवश्यकताओं से ऊपर था।

विव 2024 में यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) और भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के माध्यम से खुदरा लेनदेन के विभिन्न भुगतान मोड में डिजिटल लेनदेन में वृद्धि हुई। खुदरा श्रेणी में मोबाइल लेनदेन ने लगातार वृद्धि देखी गई है, जो व्यक्ति-से-मर्चेन्ट (पी2एम) लेनदेन आधारित है। विव2024 में यह कुल लेनदेन का 61.7% था।

दृष्टिकोण

घरेलू अर्थव्यवस्था ने अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के बावजूद काफी मजबूती दिखाई है। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी। विव2024 के दौरान हेडलाइन मद्रास्फीति में नरमी रहा। मई 2024 के बाद ला नीना की संभावित शुरुआत के साथ अनुकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण वित्त वर्ष 2025 में वर्तमान गति जारी रहने की उम्मीद है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति कार्रवाइयां मुख्यतः अनुमान के अनुरूप थीं और विव 2024 में 'इतजार करो और निगरानी रखो' के भाव में रही। नकदी की सतत निकासी, अग्रिम वृद्धि दर का जमाराशि वृद्धि दर से अधिक होने के परिणामस्वरूप सभी बैंकों में जमा ब्याज दरों में वृद्धि हुई। आरबीआई ने नियामक मोर्चे पर कई उल्लेखनीय उपाय किए, जिनमें एलसीआर

फ्रेमवर्क की समीक्षा, काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर और जलवायु से संबंधित वित्तीय जोखिम 2024 पर ड्राफ्ट प्रकटीकरण फ्रेमवर्क का औपचारिक रूप से जारी करना शामिल है।

इस पृष्ठभूमि में, आपके बैंक के व्यवसाय ने वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप काफी अच्छी तरह से अनुकूलित किया है। आपके बैंक के लाभ में अच्छी वृद्धि विव 2024 में जारी है। यह आपके बैंक को आंतरिक संसाधनों के माध्यम से विकास पूंजी को बढ़ाने में आरामदायक स्थिति में रखता है। ऋण की निरंतर मांग के साथ, बैंकिंग व्यवसाय विव 2025 में दोहरे अंकों में बढ़ने का अनुमान है।

वित्तीय प्रदर्शन

शुद्ध लाभ और परिचालन लाभ

विव 2024 में निवल लाभ 21.59% बढ़कर ₹61,076.62 करोड़ हो गया, जो विव 2023 में ₹50,232.45 करोड़ था। विव 2024 के लिए आपके बैंक का परिचालन लाभ विव2023 में ₹83,712.97 करोड़ से 12.05% बढ़कर ₹93,797.18 करोड़ हो गया (विव2024 में ₹7,100.00 करोड़ और विव2023 में शून्य के असाधारण आइटम को छोड़कर)।

निवल लाभ

(₹ करोड़ में)

↑ 21.59%

विव2022	31,676
विव2023	50,232
विव2024	61,077

61,077

निवल ब्याज आय

निवल ब्याज आय विव2023 में ₹1,44,840.50 करोड़ से विव2024 में 10.38% बढ़कर ₹1,59,875.83 करोड़ हो गई। कुल ब्याज आय विव2023 में ₹3,32,103.06 करोड़ से बढ़कर विव2024 में ₹4,15,130.66 करोड़ हो गई, जिसमें 25% की वृद्धि दर्ज की गई। कुल ब्याज

खर्च विव2023 में ₹1,87,262.56 करोड़ से 36.31% बढ़कर विव2024 में ₹2,55,254.83 करोड़ हो गया। जमा पर ब्याज खर्च विव 2023 में ₹1,62,418.05 करोड़ से 36.35% बढ़कर विव2024 में ₹2,21,459.94 करोड़ हो गया।

निवल ब्याज आय

(₹ करोड़ में)

↑ 10.38%

विव2022	1,20,708
विव2023	1,44,841
विव2024	1,59,876

1,59,876

अन्य आय

अन्य आय विव2024 में 41.15% बढ़कर ₹51,682.16 करोड़ हो गई, जो विव2023 में ₹36,615.60 करोड़ थी।

परिचालन व्यय

बैंक का परिचालन व्यय (असाधारण वस्तु को छोड़कर) विव2024 में 20.48% बढ़कर ₹1,17,760.81 करोड़ हो गया, जो विव2023 में ₹97,743.13 करोड़ था।

प्रावधान और आकस्मिकताएं

कुल प्रावधान और आकस्मिक राशि विव2023 में ₹33,480.52 करोड़ से विव2024 में ₹25,620.56 करोड़ तक 23.48% कम हो गई है। विव2024 में किए गए प्रमुख प्रावधान: अनर्जक आस्तियों के लिए ₹9,517.63 करोड़ का प्रावधान (विव2023 में ₹9,143.93 करोड़ के मुकाबले) और ₹593.18 करोड़ का निवेश मूल्यहास राइट बैक (विव2023 में ₹1,513.84 करोड़ के अतिरिक्त प्रावधान के विरुद्ध) वर्ष के दौरान किया गया था। 31 मार्च 2024 को बैंक के सकल गैर-निष्पादित संपत्ति अनुपात (औका सहित) का प्रावधान 91.89% (पिछले वर्ष 91.91%) है।

प्रावधान कवरेज अनुपात

(औका सहित) (%) ↓ 2bps

विव2022	90.20
विव2023	91.91
विव2024	91.89

91.89**जमा**

(₹ करोड़ में) ↑ 11.13%

विव2022	40,51,534
विव2023	44,23,778
विव2024	49,16,077

49,16,077**लाभांश**

आपके बैंक ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए प्रति शेयर 13.70 1370% का लाभांश घोषित किया है।

IND-एस के कार्यान्वयन की प्रगति

आरबीआई ने परिपत्र क्र. डीबीआर. बीप. बीसी. सं. 29/21.07.001/2018-19 दिनांक 22 मार्च 2019 द्वारा इंड-एस के कार्यान्वयन को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया। हालांकि, आरबीआई को सभी बैंकों को हर छमाही में प्रोफार्मा इंड एस वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। तदनुसार, आपके बैंक में इंड एस के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित एमडी (आर, सी और एसएआरजी) की अध्यक्षता वाली संचालन समिति की मंजूरी प्राप्त करने के बाद हर छमाही में आरबीआई प्रोफार्मा इंड एस वित्तीय विवरण तैयार और प्रस्तुत कर रहा है।

आस्ति एवं देयताएं

आपके बैंक की कुल आस्ति मार्च 2024 के अंत में 12.01% बढ़कर ₹61,79,693.94 करोड़ हो गई है, जो मार्च 2023 के अंत में ₹55,16,978.53 करोड़ थी। इस अवधि के दौरान, शुद्ध ऋण पोर्टफोलियो ₹31,99,269.30 करोड़ से 15.78% बढ़कर ₹37,03,970.85 करोड़ हो गया। निवेश ₹15,70,366.23 करोड़ से 6.43% बढ़कर ₹16,71,339.66 करोड़ हो गया। घरेलू बाजार में निवेश का बड़ा हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में था।

आरक्षित और अधिशेष

₹18,322.99 करोड़ (विव2023 में ₹15,069.74 करोड़ के मुकाबले) की राशि सांविधिक रिजर्व में अंतरित की गई थी। ₹326.21 करोड़ की राशि (विव2023 में ₹232.81 करोड़ के मुकाबले) पूंजी रिजर्व में अंतरित की गई थी। विव 2024 में आहरण से ₹749.08 करोड़ (विव2023 में ₹4,575.43 करोड़ के हस्तांतरण के मुकाबले) निवेश उतार-चढ़ाव रिजर्व में कमी आई। ₹3,142.84 करोड़ की राशि (विव2023 में शून्य के मुकाबले) निवेश उतार-चढ़ाव रिजर्व में अंतरित की गई थी।

ऋण पोर्टफोलियो (निवल)

(₹ करोड़ में) ↑ 15.78%

विव2022	27,33,967
विव2023	31,99,269
विव2024	37,03,971

37,03,971**1370%**

लाभांश ₹1/शेयर के अंकित मूल्य पर

आपके बैंक की कुल देनदारियां (पूंजी और आरक्षित को छोड़कर) 31 मार्च 2024 को 11.81% बढ़कर ₹58,02,447.41 करोड़ हो गईं, जो 31 मार्च 2023 को ₹51,89,370.08 करोड़ थीं। जमा राशियों में 11.13% की वृद्धि हुई और 31 मार्च 2024 को ₹49,16,076.77 करोड़ हो गईं, जो 31 मार्च 2023 को ₹44,23,777.78 करोड़ थी। मार्च 2024 के अंत तक उधारी 21.18% बढ़कर ₹5,97,560.91 करोड़ हो गई, जो मार्च 2023 के अंत में ₹4,93,135.15 करोड़ थी।



कोर परिचालन

खुदरा व्यापार और परिचालन

खुदरा व्यापार और परिचालन (आरबी एंड ओ) समूह आपके बैंक का सबसे बड़ा व्यवसाय समूह है जिसमें कुल शाखाओं का 99.48% और आपके बैंक के मानव संसाधनों का 96.69% शामिल है, इसके अंतर्गत निम्नलिखित व्यवसाय वर्टिकल शामिल हैं:

- खुदरा - वैयक्तिक बैंकिंग और रियल एस्टेट
- खुदरा - कृषि, एसएमई और वित्तीय समावेशन
- लेन-देन बैंकिंग और नई पहल

ये वर्टिकल देश भर के 17 मंडलों में 22,425 शाखाओं के माध्यम से रिटेल बैंकिंग उत्पादों सेवाएं प्रदान करने का प्रबंधन करते हैं, जिसमें कुल जमा का 90.41% और आपके बैंक के कुल ऋण और अग्रिम का 55.05% शामिल है। ग्राहक केंद्रितता आपके बैंक सर्वोच्च उद्देश्य है, जिसमें सभी शाखाएं हर कदम पर ग्राहकों की संतुष्टि के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्राहकों की लगातार विकसित हो रही प्राथमिकताएं, विशेष रूप से युवा आबादी की, डिजिटल पहल के माध्यम से बढ़ी हुई ग्राहक सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, खुदरा बैंकिंग परिदृश्य को बदल रही हैं। आपके

बैंक का ग्राहक आधार देश भर में निरंतर बढ़ रहा है, जिससे खुदरा बैंकिंग जमा संग्रहण तथा अनुकूलित ऋण प्रदान करने, दोनों ही दृष्टि से आपके बैंक का सबसे सफल खंड बन गया है।

आपका बैंक देश में सबसे बड़ा गृह ऋण प्रदाता और शिक्षा ऋण और ऑटो ऋण में बाजार में अग्रणी बना हुआ है। आपका बैंक एसएमई वित्तपोषण के प्रति एक सक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है, अर्थात् व्यापार विस्तार, प्रौद्योगिकी अपनाने, आधुनिकीकरण, निर्यात वित्तपोषण आदि के लिए ऋण उद्यमिता को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को चलाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपका बैंक देश के समग्र विकास में कृषि के योगदान को स्वीकार करता है और कृषि वित्तपोषण के लिए विभिन्न उत्पादों के माध्यम से किसान समुदाय का समर्थन करना जारी रखता है। आपका बैंक एक स्थायी, विकासशील और एकजुट समाज का निर्माण करने के उद्देश्य से वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों और सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में भी सक्रिय रूप से सहभागिता करता है और बड़े पैमाने पर समाज की सेवा करने के लिए आपके बैंक की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।



प्रमुख पहल

- आपका बैंक मल्टी-चैनल डिलीवरी मॉडल के साथ प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों की एक सतत धारा के साथ डिजिटल बैंकिंग डोमेन में सबसे आगे बना हुआ है, जो अपने ग्राहकों को किसी भी समय, किसी भी स्थान पर लेनदेन करने के लिए विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है
- आपके बैंक ने विभिन्न चैनलों - डिजिटल, मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट, सोशल मीडिया और शाखाओं में अपने प्रस्तावों में वृद्धि की है
- योनो प्रमुख बैंकिंग और लाइफस्टाइल ऐप है - आपके बैंक की वन-स्टॉप-शॉप पेशकश जो निवेश, बीमा और खरीदारी समाधानों के साथ-साथ वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है
- आपका बैंक सभी स्तरों पर जोखिम जागरूकता बढ़ाने का वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसका उद्देश्य विभिन्न जोखिमों को कम करने के लिए साइबर सुरक्षा प्रक्रियाओं सहित उपयुक्त सुरक्षा उपायों को लगातार उन्नत करना भी है



अ. वैयक्तिक बैंकिंग

गृह ऋण

आपका बैंक देश का सबसे बड़ा गृह ऋण प्रदाता बना हुआ है। आवासीय अचल संपत्ति बाजार में गृह बिक्री और नए लॉन्च में मजबूत वृद्धि देखी गई, जिससे आर्थिक विकास के साथ सकारात्मक प्रवृत्ति पैदा हुई। स्मार्ट सिटी मिशन जैसे सरकारी कार्यक्रमों के लॉन्च के कारण महानगरों, टियर- II और टियर -III शहरों में उपभोक्ताओं से मजबूत गृह की मांग थी।

उपलब्धियां/प्रदर्शन

आपके बैंक का गृह ऋण/गृह ऋण संबंधी पोर्टफोलियो 31.03.2011 को लगभग ₹1 लाख करोड़ से बढ़कर 31.03.2024 को ₹7.26 लाख करोड़ हो गया है। घरेलू संपूर्ण बैंक अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में गृह ऋण पोर्टफोलियो का हिस्सा 22.48% और आपके बैंक के एनबीजी अग्रिमों का लगभग 35.75% था। 31.03.2024 तक, आपके बैंक ने लगभग ₹1.97 लाख करोड़ के गृह ऋण और घर से संबंधित ऋण वितरित किए हैं।

बाजार हिस्सेदारी

आपका बैंक लगातार संवृद्धि वक्र को आगे बढ़ा रहा है और एसबीआई (मार्च 24) के बीच लगभग 26.5% की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। पूरे उद्योग स्तर पर एसबीआई की गृह ऋण बाजार हिस्सेदारी दिसंबर 2023 तक 20.48% है।

पीएसएल पोर्टफोलियो

आपके बैंक का पीएसएल पोर्टफोलियो इसके कुल गृह ऋण पोर्टफोलियो का 29.52% है।

आस्ति गुणवत्ता

आपके बैंक की निरंतर सक्रिय निगरानी और फॉलो-अप, ग्राहकों तक सॉफ्ट रीच आउट कॉल के परिणामस्वरूप 31.03.2024 को गृह ऋण में शुद्ध एनपीए 0.76% तक आ गया।

सफलतापूर्वक

₹7.26 ट्रिलियन

मार्च 24 को आरई एयूएम में, रणनीतिक पहल के माध्यम से 13.29% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की

वर्ष-दर-वर्ष यात्रा (गृह ऋण स्तर)

(लाख करोड़ में स्तर)

मार्च'2015	2.15
मार्च'2016	2.58
मार्च'2017	2.99
मार्च'2018	3.41
मार्च'2019	4.00
मार्च'2020	4.56
मार्च'2021	5.03
मार्च'2022	5.61
मार्च'2023	6.41
मार्च'2024	7.26

प्रमुख पहल

- आपका बैंक हमेशा स्थायी, रचनात्मक समाधानों को अनुकूलित और विकसित करने में सहायक रहा है और एसबीआई को गृह ऋण के लिए 'ग्राहकों की नंबर 1 परसंद' बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है
- सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में हरित पहल के रूप में, परियोजना लागत के हिस्से के रूप में रूफटॉप सौर फोटोवोल्टिक प्रणालियों के वित्तपोषण को गृह ऋण में शामिल किया गया है और ग्राहकों के बीच उत्पाद को लोकप्रिय बनाने के लिए उचित प्रचार किया जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा पर स्थानांतरित करके आपके बैंक के परिचालन में संवहनीयता को एकीकृत करने के लिए, 'पीएम सूर्य घर - सोलर रूफ टॉप के लिए ऋण' नामक एक उत्पाद तैयार किया गया है जो आईटी विकास के अधीन है।

- संवहनीयता पहल के अंतर्गत भवन डिजाइन के हिस्से के रूप में आवासीय गृह परियोजनाओं के निर्माण और जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर फोटोवोल्टिक को लागू करने के लिए बिल्डरों को 25 बीपीएस की अतिरिक्त ब्याज दर रियायत प्रदान की जाती है। ऊर्जा-कुशल गृह परियोजनाओं के लिए होम ऋण उधारकर्ताओं को 5 बीपीएस की अतिरिक्त कीमत रियायत की अनुमति है।
- भारतीय सेना और वायु सेना के कर्मियों के लिए एक नया गृह ऋण उत्पाद, 'शौर्य फ्लेक्सी होम ऋण - आर्मी एंड एयरफोर्स', भारतीय नौसेना कर्मियों के लिए उपलब्ध मौजूदा उत्पाद के अनुरूप लॉन्च किया गया था।
- हमारे गृह ऋण उधारकर्ताओं के साथ हमारे संबंधों को गहरा करने के लिए, एसबीआई क्रेडिट कार्ड के सहयोग से मौजूदा और नए ग्राहकों के लिए एक नया क्रेडिट कार्ड, 'हैप्पी होम कार्ड' डिजाइन किया गया है।

ऋण प्रक्रिया का डिजिटलीकरण

- आपके बैंक ने देश भर में ऋण प्रसंस्करण में खुदरा ऋण प्रबंधन समाधान (आरएलएमएस) और विक्रेता सत्यापन मॉड्यूल (वीवीएम) की शुरुआत की, जिसमें ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए समान हामीदारी मानकों, निर्बाध वितरण और संपूर्ण उत्पाद डिजिटलीकरण के लिए गैर-बीपीआर केंद्र शामिल हैं।
- योनी और आरएएस जैसे आपके बैंक के इन-हाउस विकसित संपर्क रहित डिजिटल प्लेटफॉर्म को होम ऋण व्यवसाय को अधिकतम करने और हमारे बाजार हिस्सेदारी को और बढ़ाने के लिए संसाधन उपकरण के रूप में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है।
- आपके बैंक ने होम ऋण दस्तावेजों के रखरखाव को डिजिटाइज और केंद्रीकृत करने के लिए एक दस्तावेज प्रबंधन समाधान (डीएमएस) शुरू किया है, इस प्रकार ग्राहक सुविधा बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, धोखाधड़ी निवारक उपाय के रूप में, आवेदक की जानकारी में विसंगतियों का पता लगाने के लिए एक्सपेरियन के नेशनल हंटर एप्लिकेशन को होम ऋण और होम-संबंधी ऋण के लिए आरएलएमएस के साथ एकीकृत किया गया है।
- एक संपूर्ण डिजिटल उत्पाद, इंस्टा होम टॉप-अप ऋण पूर्व-चयनित पात्र होम ऋण ग्राहकों के लिए हमारे योनी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

बिल्डरों के साथ टाई-अप

आपका बैंक बिल्डर टाई-अप (बीटीयू) के अंतर्गत अधिकतम परियोजनाओं को ऑनबोर्ड कर रहा है, जिससे आपके बैंक के होम ऋण पोर्टफोलियो को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिल रहा है और सोर्सिंग गुणवत्ता और टीएटी में सुधार हो रहा है। आपके बैंक ने अब तक टाई-अप परियोजनाओं के रूप में 10,096 आवासीय परियोजनाओं (आरईआरए-अनुमोदित) को अनुमोदित किया है।

वाहन ऋण

भारत में ऑटो उद्योग में विशेष रूप से मध्यम और प्रीमियम सेगमेंट के लिए अच्छी मांग देखी जा रही है, जिसमें मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) में ऐसे कई मॉडलों और वेरिएंट के लिए प्रतीक्षा अवधि है। एसयूवी की मांग में भारी वृद्धि देखी गई है और बाजार की रिपोर्ट के अनुसार एसयूवी भारत की कुल यात्री वाहन बिक्री का 57% हिस्सा है। आपका बैंक नई पहल के अंतर्गत नवोन्मेष पहलों के द्वारा अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ उत्पाद और ग्राहक सेवा प्रदान करने और सभी प्रमुख डीलरशिप पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ओईएम में कार ऋण सोर्सिंग के लिए जनशक्ति बढ़ाकर बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है।

निष्पादन

आपके बैंक की सक्रिय निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप वाहन ऋण एनपीए में मार्च 23 के 0.43% की तुलना में मार्च 24 में 0.38% तक आ गया।

प्रमुख पहल

- आपके बैंक ने कार बुकिंग के दौरान तत्काल सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए प्रमुख कार ओईएम के साथ करार किया है। इन नए डिलीवरी चैनलों में आपके बैंक की हिस्सेदारी सबसे अधिक है: प्री-अप्रूव्ड कार ऋण एक और प्रमुख प्रवर्तक (इनेबलर) है।
- संवहनीयता और पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ, आपका बैंक इस पर्यावरण अनुकूल उत्पाद को आगे बढ़ाने के लिए रियायती ब्याज दरों पर और विस्तारित ऋण अवधि के साथ इलेक्ट्रिक पीवी के लिए ग्रीन कार ऋण की पेशकश कर रहा है
- नई पहलों और प्रवर्तकों के साथ आपका बैंक चालू वित्त वर्ष में 6.29 लाख से अधिक नए ग्राहकों को उनके सपनों का वाहन खरीदने में सहायता करके उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है

₹19,020 करोड़

▲ 19.5%

31.03.2024 तक वाहन ऋण के अंतर्गत वर्षानुवर्ष वृद्धि

₹49,648 करोड़

वित्त वर्ष 2024 के दौरान वाहन ऋण संवितरण



शिक्षा ऋण

आपका बैंक फरवरी 24 तक ऋण पोर्टफोलियो में 32.37% की नियंत्रक बाजार हिस्सेदारी और सभी एससीबी के बीच संवितरण लक्ष्य में 38.31% की नियंत्रक बाजार हिस्सेदारी के साथ देश का सबसे बड़ा शिक्षा ऋण प्रदाता होने पर गर्व करता है।

निष्पादन

आपके बैंक ने 10,860 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। मार्च 24 तक आपके बैंक का संपार्श्विक शेयर ऋण पोर्टफोलियो का 50% है।

1,26,171

प्रतिभाशाली छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान किया गया

प्रमुख पहल

- आपके बैंक ने वर्ष के दौरान ₹15,546 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करके 1,26,171 मेधावी छात्रों को उनके सपनों को साकार करने में मदद की है। इसमें से 41% ऋण छात्राओं को दिए गए।
- शिक्षा ऋणों के दायरे को व्यापक बनाने, गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय बुक करने और ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:
 - स्कॉलर ऋण योजना के अंतर्गत शिक्षा ऋण प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में शीर्ष रेटेड प्रमुख और प्रतिष्ठित संस्थानों को आसान मानदंडों और रियायती ब्याज

दरों के साथ शॉर्टलिस्ट किया गया, जिससे संस्थानों की कुल संख्या 263 हो गई

- विदेशों में पढ़ाई के लिए हमारे प्रमुख उत्पाद ग्लोबल एड-वैटेंज एजुकेशन ऋण की पहुंच में डोरस्टेप सेवाओं के विस्तार और विभिन्न प्रमुख शिक्षा सलाहकारों के साथ टाई-अप के माध्यम से सुधार हुआ है
- ऋण आवेदनों की बेहतर ट्रैकिंग और ऋणों की तेजी से स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए, आपके बैंक की खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस) को विद्या लक्ष्मी पोर्टल (वीएलपी) और भारत सरकार के जन समर्थ पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है।

एसबीआई फैन है उनका जो स्मार्ट तरीके से बचत करते हैं

SBI DESH ka FAN

एसबीआई बचत खाता

- वीडियो केवाईसी के द्वारा अपना खाता खोलें
- न्यूनतम शेष शुल्क नहीं
- पहले वर्ष के लिए मुफ्त डेबिट कार्ड



वैयक्तिक ऋण

आपका बैंक वैयक्तिक ऋण खंड में अग्रणी है और प्रतिभूत और अप्रतिभूत दोनों वैयक्तिक ऋण इसके सबसे लोकप्रिय उत्पादों में से हैं। आपका बैंक वेतनभोगी वर्ग (सरकारी और निजी दोनों), पेंशनभोगियों और स्व-नियोजित/अन्य ग्राहकों की जरूरतों को सक्रिय रूप से पूरा कर रहा है।

निष्पादन

वैयक्तिक ऋण 'एक्सप्रेस क्रेडिट' ₹3,48,438 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है और 'पेंशन ऋण' 31.0 3.2024 तक ₹54,288 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने 4.61 लाख से अधिक ग्राहकों को ₹2,01,279 करोड़ के वैयक्तिक ऋण (एक्सप्रेस क्रेडिट और पेंशन ऋण) प्रदान किए हैं।

स्वर्ण ऋण

आपका बैंक सोने के गहनों को गिरवी रखकर सामान्य प्रयोजन वैयक्तिक ऋण प्रदान करता है।

निष्पादन

विव 2024 के दौरान, पोर्टफोलियो में 13.83% की वार्षिकी वृद्धि देखी गई, जो 31 मार्च 2024 को ₹32,676 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई, जिसमें स्वर्ण ऋण ग्राहक आधार 1.4 मिलियन था।

आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी 24 को बैंक क्रेडिट के खंडवार संवितरण पर आपके बैंक का वैयक्तिक स्वर्ण ऋण बाजार हिस्सेदारी 30.57% थी।

प्रमुख पहल

- आपके बैंक ने एसबीआई के गृह ऋण ग्राहकों के लिए मार्जिन आवश्यकताओं, परियोजना लागत वृद्धि और पंजीकरण शुल्क को पूरा करने के लिए रियल्टी गोल्ड ऋण नामक उत्पाद के माध्यम से वैयक्तिक स्वर्ण ऋण भी उपलब्ध कराया है।
- आपके बैंक ने मौजूदा उधारकर्ताओं के लिए टॉप-अप स्वर्ण ऋण उपलब्ध कराया है जो बैंक के पास पहले से गिरवी रखे गए अपने सोने के गहने/आभूषणों के एवज में टॉप-अप ऋण प्राप्त करना चाहते हैं।

डिजिटल वैयक्तिक ऋण उत्पाद

आपका बैंक, ग्राहकों की सुविधा के साथ, योनो और आईएनबी जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से उत्पादों की पेशकश कर रहा है, जिससे सुविधाजनक बैंकिंग के साथ पोर्टफोलियो को बढ़ाया जा सके। ग्राहक वास्तविक समय में डिजिटल रूप से इन अभिनव पेशकशों का लाभ उठा सकते हैं, जिससे शाखा में जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

डिजिटल ऋण के प्रकार:

- रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण
- पीएपीएल (पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक ऋण)
- पीएक्ससी (पूर्व-अनुमोदित एक्सप्रेस क्रेडिट)
- पीएपीएनएल (पूर्व-अनुमोदित पेंशन ऋण)
- इंस्टा होम लोन टॉप अप
- पीएपीएल नॉन-सीएसपी (बचत खाता वाले ग्राहकों के लिए पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक ऋण)

बहुमूल्य धातु

i) सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स (एसजीबी)

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान निवेशकों के लिए वास्तविक सोने के बजाय डिजिटल सोने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान इस योजना के अंतर्गत 4,816 किलोग्राम सोना जुटाया, जिसकी राशि 2,915 करोड़ रुपये है।

ii) स्वर्ण मुद्राकरण योजना (जीएमएस)

घरों और संस्थानों में अनुपयुक्त पड़े सोने को जुटाने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान स्वर्ण मुद्राकरण योजना (जीएमएस) शुरू की। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 2,562 किलोग्राम सोना जुटाया है, जिससे कुल संग्रहण 20,610 किलोग्राम हो गया है।



प्रमुख पहल

- आपके बैंक ने वैयक्तिक ऋण उत्पादों को संशोधित किया है और केवल 4 क्लिक में योनो और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से डिजिटल रूप से दिए गए वैयक्तिक ऋण के अंतर्गत अधिकतम ऋण राशि ₹15 लाख तक बढ़ा दी है।
- आपके बैंक ने मैसर्स एनईएसएल की ई-हस्ताक्षर और ई-स्टाम्पिंग सेवाओं का उपयोग करते हुए वैयक्तिक ऋण ग्राहकों के लिए योनो/आरएलएमएस के माध्यम से डिजिटल दस्तावेज निष्पादन भी लागू किया है। यह सुविधा वर्तमान में 24 राज्यों में चल रही है। 31.03.2024 तक, इस मोड के माध्यम से कुल 4.99 लाख वैयक्तिक ऋण दस्तावेज निष्पादित किए गए हैं।

17,34,597

विव 2024 के दौरान स्वीकृत डिजिटल ऋण

₹33,671 करोड़

विव 2024 के दौरान स्वीकृत डिजिटल ऋण का मूल्य

13,70,252

विव 2023 के दौरान स्वीकृत डिजिटल ऋण

₹24,681 करोड़

विव 2023 के दौरान स्वीकृत डिजिटल ऋण का मूल्य

iii) अन्य स्वर्ण व्यवसाय

क) मेटल गोल्ड त्रण (एमजीएल)

आपका बैंक घरेलू और निर्यात उद्देश्यों के लिए स्वर्ण आभूषणों के निर्माण में लगे जौहरियों को मेटल गोल्ड त्रण भी प्रदान करता है। विव 2024 के दौरान, आपके बैंक ने 14,415 किलोग्राम के मेटल गोल्ड त्रण वृद्धि की।

ख) स्वर्ण विक्रय (एसओजी)

आपका बैंक ज्वैलर्स/बुलियन ट्रेडर्स को स्वर्ण विक्रय (एसओजी) योजना की पेशकश कर रहा है। विव 2024 के दौरान, आपके बैंक ने इस योजना के अंतर्गत 2,616 किलोग्राम सोने का विक्रय किया है।

प्रमुख पहल

- आपके बैंक के सभी उत्पाद आंतरिक त्रण प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर आरएलएमएस पर हैं।
- हमारे बैंक के पास उपलब्ध अप्रयुक्त क्षमता का दोहन करने के लिए हमारे साथ अपने बचत खाते को बनाए रखने वाले ग्राहकों के लिए एक नया पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक त्रण उत्पाद पीएपीएल गैर-सीएसपी शुरू किया गया है।
- प्रमुख संस्थानों में प्रवेश बढ़ाने के लिए स्कॉलर त्रण की अनुमोदित सूची के अंतर्गत 16 नए संस्थान जोड़े गए।
- 16 एनआईटी संस्थानों को सूची सी से सूची बी में पुनर्वर्गीकृत किया जिससे हम इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को 30 लाख रुपये तक के अप्रतिभूत त्रण प्रदान करने में सक्षम हुए।
- उच्च अध्ययन के लिए कनाडा की यात्रा करने वाले छात्रों के रहन-सहन के खर्चों को पूरा करने के लिए सीएडी 20635 की राशि का गारंटीकृत निवेश प्रमाणपत्र (जीआईसी)

पुरस्कार और सम्मान

- एसबीआई ने जून 23 में 1 ट्रिलियन वाहन त्रण खाते को पार किया
- पेंशन त्रण खाते ने अक्टूबर 23 में 50,000 करोड़ के स्तर को पार कर लिया है

कार्यनीतिक फोकस

विशेष रूप से मिलेनियल्स/नव-मिलेनियल्स के मन में हमारी धारणा को बदलने के लिए उत्पादों/सेवाओं की पेशकश करने में हमारे डिजिटल फुटप्रिंट को बढ़ाना।



SBI | yono SBI
हर परिवार का बैंक

**आप का सोना और सपने,
दोनों ही हैं हमारे लिए अनमोल**
गोल्ड लोन पर उठाएं शून्य प्रोसेसिंग शुल्क का लाभ।

गृह और कार लोन के लिए मार्जिन मनी

विवाह

स्वास्थ्य

व्यवसाय

आसान पुनर्भुगतान विकल्प

- > बुलेट रिपेमेंट - 3/6/12 महीने
- > 36 महीने तक का ओवरड्राफ्ट और ईएमआई

आकर्षक व्याज दर

बचत को बढ़ावा दें

सहायता के लिए, 1800 1234 पर कॉल करें या bank.sbi भिड़ित करें

हमें यहां फॉलो करें

ग्राहक मूल्य निर्माण/ग्राहक-केंद्रित सफलता की कहानी

- ब्याज प्रमाण पत्र और खाता विवरण संपर्क केंद्र के माध्यम से पंजीकृत मोबाइल नंबर (प्रमाणीकरण के रूप में) का उपयोग करके ग्राहकों को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर उपलब्ध कराया गया है
- डोरस्टेप बैंकिंग सेवा केंद्रों की संख्या 100 से बढ़ाकर 550 की गई
- डोरस्टेप बैंकिंग सेवा प्रदान करने वाली शाखाओं की संख्या 31.01.2024 को 4,927 से बढ़कर 6,022 हो गई

- नवंबर 23 के दौरान निष्क्रिय बचत बैंक खाता वाले 32 लाख ग्राहकों को भेजे गए ईमेल में उनसे अपने खातों को सक्रिय करने का अनुरोध किया गया है।
- ग्राहक प्रश्नों/शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए बैंक स्टेटमेंट पर शाखा ई-मेल आईडी उपलब्ध कराई गई।
- आईएनबी में शेष प्रमाणपत्र सुविधा संचालन के लिए दोनों में कोई एक या उत्तरजीवी मोड के लिए संशोधित। ग्राहक सुविधा बढ़ाने के लिए शेष प्रमाणपत्र में अलग से जमा और ऋण शेष राशि शामिल की गई।

- डोरस्टेप बैंकिंग क्रिएटिव योनो ऐप पर प्रदर्शित।
- बैंकिंग प्रणाली में ग्राहकों के विश्वास को बढ़ाने के लिए आपके बैंक की वेबसाइट पर डीआईसीजीसी का लोगो और क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया।
- शाखा हस्तक्षेप के बिना आईएनबी के माध्यम से सीआईएफ, संयुक्त खातों और सावधि जमाओं का हस्तांतरण सुगम।

देयता और निवेश उत्पाद

- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान प्रति शाखा प्रति दिन 2.13 खातों की तुलना में वित्त वर्ष 2024 के दौरान प्रति शाखा प्रति दिन 2.51 नियमित बचत बैंक खाते खोले
- एसबीआई ग्रीन रुपी टर्म डिपॉजिट, 11 जनवरी 2024 को लॉन्च किया गया एक नया टर्म डिपॉजिट प्रोडक्ट है, जिसका उद्देश्य हरित पहलों के वित्तपोषण में एसबीआई का सहयोग करने और नियामक दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए जमा जुटाना है। उत्पाद तीन अवधियों के लिए पेश किया जाता है, अर्थात् 1111, 1777 और 2222 दिन।
- एसबीआई वी केयर जमा योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए 5 वर्ष और उससे अधिक अवधि के लिए कार्ड दर पर 100 बीपीएस की बढ़ी हुई ब्याज दरों के साथ उपलब्ध है।
- एक वर्ष के लिए कार्ड दर पर 30 बीपीएस की बढ़ी हुई ब्याज दर के साथ सर्वोत्तम (नॉन-कॉलेबल डिपॉजिट) मियादी जमा योजना और 2 वर्षों के लिए कार्ड दर पर 1.01 करोड़ और उससे अधिक के लिए 40 बीपीएस की बढ़ी हुई ब्याज दर

60.89%

विव 24 में डिजिटल चैनल द्वारा नियमित बचत खाता खोले गए

डोरस्टेप बैंकिंग

ग्राहक सुविधा और बैंकिंग में सुविधा बढ़ाने के लिए, आपके बैंक ने 1080 बैंकिंग केंद्रों पर सभी ग्राहकों के लिए डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं प्रदान की हैं।

डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं में शामिल हैं:

- नकद निकासी
- जीवन प्रमाण के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र
- नामांकन फॉर्म का पिकअप, स्थायी निर्देश और फंड ट्रांसफर अनुरोध
- चेक बुक माँग पर्ची का पिकअप
- चेक के साथ संग्रह/समाशोधन, आईटी/सरकारी/जीएसटी चालान के लिए चेक का पिकअप
- खाते के विवरण, सावधि जमा पर्ची और टीडीएस और फॉर्म 16 प्रमाणपत्र की डिलीवरी
- प्री-पेड इंस्ट्रूमेंट/गिफ्ट कार्ड की सुपुर्दगी
- डिमांड ड्राफ्ट और पे ऑर्डर की सुपुर्दगी
- हालांकि, 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को सभी बैंकिंग केंद्रों पर डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।
- सभी शाखाओं में प्रति माह 3 लेनदेन तक दिव्यांगजनों को मुफ्त में बैंकिंग सुविधा।

डिजिटल बचत बैंक खाता खोलना:

हमने वित्त वर्ष 2024 के दौरान डिजिटल चैनलों के माध्यम से 60.89% नियमित बचत बैंक खाते खोले हैं।

वेतन पैकेज के लिए कॉर्पोरेट और संस्थागत टाई-अप

आपके बैंक का वेतन पैकेज खातों को रक्षा, केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉर्पोरेट जैसे क्षेत्रों में सोर्सिंग करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण है। विभिन्न विभागों और कॉर्पोरेट्स के लिए अनुकूलित वेतन पैकेज को स्वीकृति दी गई है। दिनांक 31.03.2024 को वेतन खाता ग्राहकों की संख्या बढ़कर 190.91 लाख हो गई है, जिसमें मार्च 24 में 6.31 लाख नए खाते खोले गए हैं।

4,083

वाईटीडी मार्च 24 को कॉर्पोरेट्स के साथ किए गए नए सैलरी पैकेज टाई-अप

323

समर्पित और अनुकूलित वेतन पैकेज माइक्रोसाइट्स बनाए गए



हरित जमा लोकार्पण

एनआरआई व्यवसाय

आपका बैंक भारत में 434 समर्पित विशिष्ट एनआरआई शाखाओं/एनआरआई गहन शाखाओं के माध्यम से अपने 38.29 लाख एनआरआई ग्राहकों को सेवा प्रदान कर रहा है, जिसमें 29 देशों में आपके

बैंक के कार्यालय और 227 वैश्विक बैंक प्रतिनिधि बैंकों के रूप में हैं। आपके बैंक ने विप्रेषण की सुविधा के लिए मध्य पूर्व में 45 एक्सचेंज गृहों और 5 बैंकों के साथ गठजोड़ किया है। 22 जून, 2017 से एर्नाकुलम, केरल में एनआरआई ग्राहकों के लिए सर्व सेवा केंद्र के रूप में एक मग्लोबल एनआरआई सेंटरफ (जीएनसी)

स्थापित किया गया है। बैंकिंग को सरल और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, आपके बैंक ने अनिवासी भारतीयों के लिए सभी गैर-वित्तीय सेवाओं के लिए 21 मार्च 2024 को पटियाला, पंजाब में दूसरा ग्लोबल एनआरआई सेंटर खोला है।

एनआरआई ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण पहल

- कनाडा में एनआरआई सेवाओं की सुविधा के लिए एसबीआई कनाडा के साथ समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए
- विदेशों में विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को सहजता से फीस भेजने के लिए पलायवायर के साथ समझौता
- फेमा और एनआरआई कराधान पर एक गाइड शुरू की गई है और इसे आपके बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट पर रखा गया है
- एनआरआई ग्राहकों के लिए त्रैमासिक एनआरआई न्यूजलेटर 'इमिलर्स दुनिया भर में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र पर नवीनतम अपडेट के बारे में सूचित करते हैं; इसकी एक डिजिटल कॉपी आपके बैंक की वेबसाइट पर भी रखी जाती है
- योनो मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से एनआरआई खाता खोलना
- एयरपोर्ट पर (भारत तथा विदेशों में) एनआरआई उत्पादों और सेवाओं की दृश्यता बढ़ाने के लिए,

ट्विटर, यूट्यूब, फेसबुक आदि जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से हमारे उत्पादों और सेवाओं पर विज्ञापनों, कैंपेन और वीडियो के माध्यम से विदेशी स्थानों पर एनआरआई उत्पादों और सेवाओं की दृश्यता बढ़ाने के लिए प्रयास।

- कस्टमर कनेक्ट कार्यक्रम दुबई, अबू धाबी, कुवैत और इंडोनेशिया में भारतीय डायस्पोरा के साथ आयोजित

वर्ष के दौरान प्रमुख पहल

- कॉर्पोरेट, केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकार, पुलिस, रेलवे और कॉर्पोरेट वेतन पैकेज पर विशेषताएं और लाभ को नया रूप दिया गया है जिसने बाजार में बैंक की पेशकश को प्रतिस्पर्धी बना दिया है।
- कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज ग्राहकों के लिए नया रूप - फीचर लोडेड डेबिट कार्ड लॉन्च किया गया। लाभ जैसे: ओटीटी सब्सक्रिप्शन, मूवी टिकट, एसपीए, जिम सदस्यता, स्वास्थ्य जाँच।

यूएस\$ 31.25 बिलियन

मार्च 2024 तक एनआरआई जमा आधार

25.19%

जनवरी 2024 तक एफसीएनआर (बी)
जमा में बाजार हिस्सेदारी

ग्राहक मूल्य निर्माण/ग्राहक-केंद्रित सफलता की कहानी

- संपर्क केंद्र के माध्यम से पंजीकृत मोबाइल नंबर (प्रमाणीकरण के रूप में) का उपयोग करके पंजीकृत ईमेल पर ग्राहकों को ब्याज प्रमाण पत्र और खाता विवरण उपलब्ध कराया गया
- डोरस्टेप बैंकिंग सेवा केंद्रों की संख्या 100 से बढ़ाकर 1080 की गई
- डोरस्टेप बैंकिंग सेवा प्रदान करने वाली शाखाओं की संख्या 31.03.2024 को 4927 से बढ़कर 6390 हो गई
- 39.60 लाख ग्राहकों को टीडी ग्राहक के लिए भेजा गया जिसमें नामांकन नहीं है और खाता शेष 1 लाख रु से अधिक है।
- पीपीएफ खाताधारक 1.85 लाख ग्राहकों को भेजा गया जिनके बचत खाता एसबीआई में नहीं हैं
- पावर प्ले अभियान के तहत 2.29 लाख ग्राहकों को फीडबैक भेजा गया

ई-मेल

- 62 लाख बचत बैंक ग्राहकों को भेजा गया जिनके पास नामांकन नहीं है और खाता शेष 1 लाख रु से अधिक है।
- बचत बैंक ग्राहकों के लिए 103.65 लाख ग्राहकों को भेजा गया जिसमें नामांकन नहीं है
- 89.42 लाख ग्राहकों को टीडी ग्राहक के लिए भेजा गया जिसमें नामांकन नहीं है
- ग्राहकों के प्रश्नों/शिकायतों के त्वरित

- समाधान के लिए शाखा ईमेल आईडी (ओं) को बैंक विवरण (ओं) पर उपलब्ध कराया गया है
- शेष प्रमाणपत्र सुविधा को परिचालन के किसी एक या उत्तरजीवी मोड के लिए आईएनबी में संशोधित किया गया है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सुविधा बढ़ाने के लिए शेष प्रमाणपत्र में जमा और ऋण शेष राशि को अलग से शामिल किया गया है
- बैंकिंग प्रणाली में ग्राहकों के विश्वास को बढ़ावा देने के लिए हमारी वेबसाइट में डीआईसीजीसी का लोगो और क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया
- शाखा हस्तक्षेप के बिना आईएनबी के माध्यम से सीआईएफ, संयुक्त खातों और सावधि जमा के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की गई है

धन प्रबंधन व्यवसाय

आपका बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है जो हमारे सम्मानित ग्राहकों को धन प्रबंधन सेवाएं प्रदान करता है। एसबीआई वेल्थ में, आपका बैंक संपन्न ग्राहकों की निवेश आवश्यकताओं को पूरा करता है, संपन्न ग्राहकों को उनके जोखिम प्रोफाइल के अनुसार एमएफ, बीमा, पीएमएस, बॉन्ड और एआईएफ जैसे निवेश उत्पादों की एक श्रृंखला उपलब्ध कराई जाती है।

समर्पित और वैयक्तिक रिलेशनशिप मैनेजरों की वेल्थ टीम ग्राहकों के साथ उनके निवेश और बैंकिंग जरूरतों के लिए लगातार संपर्क में है। ग्राहक संबंध अधिकारियों

के माध्यम से भी डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ग्राहकों के लिए उत्पाद आकर्षण के प्रमुख तत्व कई वितरण चैनलों को चुनने में लचीलापन, गहन अनुसंधान एवं विश्लेषण और खुले आर्किटेक्चर हैं।

आपके बैंक की धन प्रबंधन सेवाएं 238 वेल्थ हब के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में 105 प्रमुख केंद्रों पर प्रदान की जाती हैं।

एसबीआई वेल्थ ने विव 2024 के दौरान निवेश एयूएम और निवेश सक्रिय ग्राहक (इन्वेस्टमेंट एक्टिव क्लाइंट्स) के मामले में तीव्र वृद्धि दिखाई है। निवेश

एयूएम बढ़कर ₹31,157 करोड़ हो गया है और निवेश सक्रिय ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1,80,559 हो गई है। ग्राहकों की संख्या भी बढ़कर 4,36,981 हो गई और इसी अवधि के लिए एयूएम बढ़कर ₹3,49,182 करोड़ हो गया।

आपके बैंक ने कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) ग्राहकों को वैयक्तिक बैंकिंग और निवेश संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रीमियर बैंकिंग सेवाएं भी शुरू कीं - प्लेटिनम श्रेणी।

मैसर्स बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) को प्रोजेक्ट वेल्थ के भाग के रूप में धनसंपदा और प्रीमियर बैंकिंग के पुनर्नवीकरण के लिए आपके बैंक के परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है। रिवैम्प वेल्थ परियोजना के अंतर्गत दो ग्राहक खंड अर्थात् प्रीमियर (30-50 लाख टीआरवी + सीएसपी प्लेटिनम) और वेल्थ (50 लाख और उससे अधिक टीआरवी + सीएसपी रोडियम) हैं।

आपके बैंक का एकीकृत धनसंपदा प्रबंधन सॉल्यूशन (इंटीग्रेटेड वेल्थ मैनेजमेंट सॉल्यूशन खथचड) प्लेटफॉर्म 26.12.2023 से लाइव हो गया और एसबीआई वेल्थ डेबिट कार्ड-रूपे सेलेक्ट वेरिएंट को उन्नत सुविधाओं के साथ जारी किया गया है।

सफलता के साथ ज़िम्मेदारी भी

समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर हमारे वेल्थ ग्राहकों की सुविधा के लिए

SBI Wealth

For more details visit: bankofbaroda.com
Contact us: wealth@sbi.com or SBI Wealth Helpline City: 087678

ख. सर्व समय चैनल

1. एटीएम और एडीडब्ल्यूएमएस

आपके बैंक के पास देश के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्कों में से एक है, जिसमें 31 मार्च 2024 तक 63,580 एटीएम हैं, जिनमें 11,256 ऑटोमेटेड डिपॉजिट एंड विद्रॉल मशीन (एडीडब्ल्यूएम) शामिल हैं - यहां तक कि सबसे चुनौतीपूर्ण स्थानों में भी हमारी उपस्थिति है, जिसमें डल झील, श्रीनगर में फ्लोटिंग एटीएम शामिल है, असम के चाय बागानों में, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप के द्वीपों पर उत्तरी सिक्किम के अंतिम गांव लाचेन में भी मौजूद है। इसके अतिरिक्त, देश के दूरस्थ स्थानों में एटीएम सेवाएं प्रदान करने के हमारे चल रहे प्रयास में, हमने हाल ही में एंड्रोइट द्वीप, लक्षद्वीप में एक एडीडब्ल्यूएम स्थापित किया है।

आपका बैंक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपना रहा है और नियमित रूप से लगभग 34,350 पुरानी मशीनों का सुरक्षित और संरक्षित बैंकिंग में उन्नयन कर रहा है और उन्हें बदल रहा है। नई मशीनें नवीनतम पीढ़ी के इटेल प्रोसेसर के साथ स्थापित की जाती हैं जो तेज और अधिक ऊर्जा कुशल हैं।

आपका बैंक हितधारकों के हितों की रक्षा करने और स्किमिंग, क्लोनिंग आदि के विरुद्ध एटीएम नकद आहरण की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उपयुक्त उपायों को लागू कर रहा है।

वर्ष के दौरान प्रमुख पहल

- एटीएम/एडीडब्ल्यूएम के माध्यम से बचत खाते को किसी अन्य शाखा में स्थानांतरित करने का विकल्प
- ग्राहक आय/टर्नओवर विवरण एटीएम/एडीडब्ल्यूएम के माध्यम से फीडिंग
- ग्राहक अपनी पसंदीदा क्षेत्रीय भाषा में एटीएम/एडीडब्ल्यूएम के माध्यम से लेनदेन कर सकते हैं

2. स्वयं बारकोड-आधारित पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क

आपके बैंक ने 17,663 शाखाओं में 20,135 बारकोड आधारित पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क (स्वयं) लगाए हैं और लगभग 11 लाख लेनदेन प्रतिदिन संसाधित किए जा रहे हैं। औसतन, स्वयं मशीनें शाखा काउंटरों से हर महीने 3.4 करोड़ पासबुक प्रिंटिंग लेनदेन स्थानांतरित करने में सक्षम रहे हैं। पिछले 90 दिनों के लिए पुनर्मुद्रण कार्यक्षमता भी सक्षम की गई है।

3. ग्रीन चैनल काउंटर (जीसीसी)

आपके बैंक ने ग्रीन बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए डेबिट कार्ड के माध्यम से लेन-देन के लिए 21,419 खुदरा शाखाओं में 27,813 जीसीसी टर्मिनल लगाए हैं, जिसमें नकद आहरण, नकद जमा, एसबीआई खातों के भीतर निधि अंतरण, बैलेंस पूछताछ, डेबिट कार्ड के लिए ग्रीन पिन जेनरेशन/पिन परिवर्तन और मिनी स्टेटमेंट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। लेन-देन केवल ईएमवी-संगत जीसीसी टर्मिनलों पर सक्षम किए जाते हैं।

4. ग्रीन रेमिट कार्ड (जीआरसी)

जीआरसी एक नकद जमा कार्ड है जिसके माध्यम से जीसीसी और एडीडब्ल्यूएम द्वारा आपके बैंक के पूर्व-निर्धारित खाते में धन जमा किया जा सकता है। जीआरसी के माध्यम से नकद जमा सुविधाएं एडीडब्ल्यूएम पर 24x7 उपलब्ध हैं और विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों के लिए सहायक हैं। जीआरसी के

लिए लेनदेन की सीमा 1,00,000 की मासिक सीमा के साथ प्रति लेनदेन 25,000 है।

5. चेक जमा कियोस्क (सीडीके)

सीटीएस-सक्षम स्वयं सेवा चेक जमा कियोस्क (सीडीके) ग्राहकों को अपने सीटीएस चेक बिना किसी परेशानी के जमा करने की सुविधा प्रदान करते हैं। 2,470 शाखाओं में 2,496 सीडीके स्थापित किए गए हैं और एक महीने में औसतन 16 लाख चेक जमा किए जाते हैं। जमाकर्ता के लिए तारीख, लेनदेन आईडी, लाभार्थी का नाम, चेक नंबर और मास्क किया हुआ आदाता खाता संख्या जैसे विवरण के साथ एक रसीद तैयार की जाती है।



~29%

संस्थापित एटीएम और एडीडब्ल्यूएम की संख्या में घरेलू बाजार हिस्सेदारी

31%

देश में एटीएम नेटवर्क के माध्यम से नकदी वितरण की उच्चतम हिस्सेदारी

~1.20 करोड़

औसत लेनदेन दैनिक दर्ज किए जाते हैं

5.75 लाख

हमारे एडीडब्ल्यूएम पर दैनिक नकद जमा लेनदेन

ग्राहक मूल्य वृद्धि

आपका बैंक वित्तीय सेवाओं और उत्पादों की एक श्रृंखला एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर अपने ग्राहकों और हितधारकों के लिए मूल्यवर्धन हेतु समर्पित है। एक वित्तीय सुपरस्टोर के रूप में, आपका बैंक अपने अखिल भारतीय नेटवर्क के माध्यम से म्यूचुअल फंड, साधारण बीमा, जीवन बीमा, क्रेडिट कार्ड, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और डीमैट खाते उपलब्ध कराता है। आपके बैंक के डिजिटल रूपांतरण के हिस्से

के रूप में, इसने ऑनबोर्डिंग को सरल बना दिया है और ग्राहक लॉयल्टी को मजबूत करने के लिए आवश्यकता-आधारित बिक्री पर भरोसा किया है। बेहतर ग्राहक अनुभव और ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप पेशकशों पर जोर देने के साथ, आपका बैंक वित्तीय वर्ष 2024 में ₹3,891 करोड़ के राजस्व अर्जित करने के साथ वित्तीय उत्पाद सेवाओं के विपणन में अग्रणी बना हुआ है।

प्रत्येक उत्पाद का राजस्व योगदान निम्नानुसार है:

उत्पाद	विव 2023	विव 2024	(₹ करोड़ में) %वर्षानुवर्ष परिवर्तन
एसबीआई लाइफ	2,040	2,232	9%
एसबीआई एमएफ और अन्य	916	964	5%
एसबीआई जनरल	398	436	10%
एसबीआई कार्ड्स	264	231	-12%
एनपीएस	18	20	11%
एसएसएल	5	7	40%
कुल	3,641	3,891	7%

विव 2024 के लिए पहल और सफलताएं नीचे उल्लिखित हैं:

एसबीआई लाइफ

एसबीआई लाइफ इश्योरेंस वित्त वर्ष 2018 से इंडिविजुअल रेटेड प्रीमियम (आईआरएनबी) में नंबर 1 निजी कंपनी है। आईआरएनबी ने 12% वर्षानुवर्ष मार्च 24 में वृद्धि दर्ज की है, 31.03.2024 को पर्सिस्टेंसी अनुपात 84.13% से बढ़कर 86.06% वर्षानुवर्ष हो गया है। वैयक्तिक रेटेड प्रीमियम में एसबीआई लाइफ के लिए सुरक्षा प्लान शेयर मार्च 24 को 6% था। एसबीआई लाइफ बैंक की डिजिटल सोर्सिंग 99.80% है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड

एसबीआई म्यूचुअल फंड वितरक में प्रथम स्थान पर बना हुआ है, जिसके पास 31.03.2024 तक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में ₹1.93 लाख करोड़ हैं। इसके अतिरिक्त, एसबीआई एमएफ एएमसी के बीच अग्रणी बना हुआ है और एयूएम में 31 मार्च 24 को ₹9.20 लाख करोड़ को पार कर गया है। व्यवसाय का डिजिटल रूप में जुटाना ग्राहकों के साथ-साथ परिचालन कर्मियों के लिए प्रक्रिया को आसान बना रहा है। 93% एकमुश्त लेनदेन और 86% नए एसआईपी डिजिटल मोड के माध्यम से जुटाए जा रहे हैं।

एसबीआई जनरल

आपका बैंक वैयक्तिक दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, संपत्ति बीमा और ऋण बीमा प्रदान कर रहा है। विव 2024 में एकत्र किए गए सकल लिखित प्रीमियम (जीडीब्ल्यूपी) में 8.75% वर्षानुवर्ष तक सुधार हुआ है। साधारण बीमा उत्पादों में स्वास्थ्य बीमा का बड़ा योगदान (21%) है।

एसबीआई कार्ड

प्लास्टिक मनी के उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण आपका बैंक ग्राहकों की मांग को पूरा कर रहा है और उन्हें सुदूर स्थानों पर भी क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करा रहा है। विव 2024 में, 21.33 लाख कार्ड जारी किए गए। संपूर्ण क्रेडिट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया योनो ऐप और इंटरनेट बैंकिंग पर उपलब्ध है। योनो में कस्टमर कार्ड लिंकिंग सुविधा भी विव 2024 में शुरू की गई है।

एनपीएस

एनपीएस पंजीकरण में आपका बैंक 21% की बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी बैंक बना हुआ है। आपके बैंक ने पीएफआरडीए द्वारा 1 मार्च 2024 से 31 मार्च 2024 के दौरान शुरू किए गए अभियान के अंतर्गत शीर्ष प्रदर्शन करने वाले प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी)

अपने एसबीआई म्यूचुअल फंड निवेश पर ऋण पाना बेहद आसान
अपने एसबीआई म्यूचुअल फंड यूनिट पर ऋण

Key features:

- Competitive interest rates
- Low Processing fee
- Available against Equity/ Debt/ Hybrid/ ETF/ FMP
- Loan tenure up to 12 months
- No pre-payment and foreclosure charges

के रूप में भी अर्हता प्राप्त की है। यह इंटरनेट बैंकिंग (इंटरनेट बैंकिंग) और योनो ऐप के माध्यम से संपूर्ण डिजिटल पंजीकरण यात्रा प्रदान करता है। वर्तमान में, कुल एनपीएस खातों का 83.95% डिजिटल मोड के माध्यम से खोला जाता है।

डीमैट खाते/एसबीआई एसएसएल

आपके बैंक ने विव 2024 के दौरान 13.27 लाख से अधिक डीमैट अकाउंट सोर्स किए हैं। संपूर्ण डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट प्रक्रिया योनो ऐप और इंटरनेट बैंकिंग पर उपलब्ध है।

लघु और मध्यम उद्यम

मआत्मनिर्भर भारतफके आह्वान ने विनिर्माण उत्पादन, जीडीपी, निर्यात और रोजगार सृजन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के योगदान पर बल दिया है।

आपका बैंक एसएमई वित्तपोषण में अग्रणी और बाजार लीडर है, जो एमएसएमई को उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्पादों और सेवाओं का एक व्यापक पैकेज प्रदान करता है, जैसे कि नकदी प्रबंधन, लेनदेन और घरेलू/निर्यात बिक्री दोनों के लिए क्रेडिट जरूरतें।

20 लाख से अधिक ग्राहकों के साथ, 31.03.2024 को ₹4,33,037 करोड़ का एसएमई पोर्टफोलियो आपके बैंक के कुल घरेलू अग्रिमों का लगभग 13.41% है। पोर्टफोलियो ने विव 2024 में मार्च 2024 तक 20.53% (वर्षानुवर्ष) की वृद्धि दर्ज की है। एसएमई वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आपके बैंक का दृष्टिकोण निम्नलिखित तीन स्तंभों पर आधारित है: क) ग्राहक सुविधा, ख) जोखिम प्रबंधन, और ग) प्रौद्योगिकी आधारित डिजिटल प्रस्ताव और प्रक्रिया में सुधार।

अ. ग्राहक सुविधा

बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए, आपके बैंक ने शाखाओं और अन्य साधनों के लिए टचपवाइंट का एक विस्तृत नेटवर्क बनाया है। लघु और मध्यम उद्यम केंद्र (एसएमईसी) के व्यापार वितरण मॉडल में एसेट मैनेजमेंट टीम शामिल हैं, जो 2 करोड़ तक के ऋण के लिए ग्राहकों के साथ सभी सेवाओं के लिए संपर्क बनाए रखने के लिए बनाई गई हैं। श्रमशक्ति के संदर्भ में एसएमईसी को मजबूत किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप सेवा स्तरों में सुधार हुआ है। 50 लाख से ऊपर के ऋण संबंध प्रबंधकों (एसएमई) द्वारा संभाले जाते हैं। 31 मार्च 24 तक, आपके बैंक की 2,117 आरएम (एसएमई) और 864 समर्पित एसएमई गहन शाखाएं अखिल भारतीय स्तर पर कार्य कर रही हैं। आपके बैंक ने 16 मंडलों में एससीएफ सीपीसी भी स्थापित किए हैं। 10 करोड़ (एसएमई और बिल्डर फाइनेंस) से ऊपर के सभी नए प्रस्तावों के लिए, इन्हें मूल्यांकन के लिए उच्च मूल्य केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्रों (सीपीसी) द्वारा संभाला जाता है। 31

मार्च 2024 तक, ₹19,914 करोड़ की राशि के 330 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है।

आ. डिजिटल उत्पाद

आपका बैंक व्यापार में प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहा है, उत्पादों को डिजाइन कर रहा है, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर रहा है, सुपुर्दगी में सुधार कर रहा है और निगरानी कर रहा है। आपके बैंक ने बैंकिंग में सुविधा सुनिश्चित करने के लिए (i) उत्पाद सूट, (ii) प्रक्रियाओं, और (iii) डिलीवरी में महत्वपूर्ण परिवर्तनों को लागू करके निम्न जोखिम के साथ एसएमई पोर्टफोलियो बनाने के लिए कई पहल किए हैं। योनो बिजनेस कंपनी के लिए समग्र समाधान बनकर सभी कॉर्पोरेट बैंकिंग आवश्यकताओं को जोड़ता है। आपका बैंक अपने उत्पादों को प्रसार के लिए ऑटोमैटिज्ड इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और बिजनेस एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों को तेजी से स्थापित कर रहा है, जिससे बिना किसी अपवाद के हर बार ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित हो सके।

पूर्व अनुमोदित ऋण (पी.ए.बी.एल.) एक एनालिटिक्स-आधारित उत्पाद है जो मौजूदा चालू खाता ग्राहकों की पूर्व-अनुमोदित ऋण के लिए पात्रता की पहचान उनके लेनदेन इतिहास के आधार पर करता है, जिसमें एक सरलीकृत योनो और एलएएमएस प्रक्रिया के माध्यम से स्वीकृत 20 लाख तक की ऋण राशि होती है।

डिजिटल दस्तावेज निष्पादन (डीडीई) वित्त मंत्रालय के मार्गदर्शन में एक स्वचालित, डिजिटल प्रक्रिया प्रदान करने और अधिकृत सरकारी एजेंसियों के माध्यम से लागू कानूनों के अनुसार डिजिटल अनुबंध

गठन, ई-स्टाम्पिंग, ई-साइन या इसके वैरिएंट को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया था, जिससे सुरक्षित और सटीक वित्तीय जानकारी रिकॉर्डिंग प्रदान की जा सके।

पी.ए.बी.एल. खातों के लिए परियोजना डिजिटल दस्तावेज निष्पादन (डीडीई) 11.08.2022 को उत्तर प्रदेश में शुरू की गई थी। राज्य में सफल कार्यान्वयन के बाद, इसे 6 अन्य राज्यों, अर्थात् ओडिशा, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, केरल, हिमाचल प्रदेश और मेघालय की शाखाओं तक बढ़ा दिया गया। इसे 01.02.2024 को महाराष्ट्र राज्य (मुंबई और महाराष्ट्र सर्कल) तक बढ़ा दिया गया है।

राजस्थान राज्य (जयपुर सर्कल) में स्थित शाखाओं के लिए डीडीई सुविधा (पीएबीएल के लिए) का विस्तार 1 मार्च 2024 को किया गया।

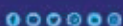
बिजनेस रूल इंजन (बीआरई) ₹5 करोड़ तक के एसएमई ऋणों के लिए विकसित एक एकल क्रेडिट जोखिम मॉडल है, जो ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, अभिनव और भविष्य के अनुरूप तैयार करता है और सभी प्रकार के ऋण आवेदकों के लिए स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) को सक्षम बनाता है यथा बैंक (एनटीबी) के लिए नया, बैंक के लिए मौजूदा (ईटीबी), क्रेडिट के लिए नया (एनटीसी), क्रेडिट के लिए मौजूदा (ईटीसी), साथ ही नवीकरण के लिए। बीआरई मौजूदा आवेदन पत्रों से मूल्यांकन प्रारूपों तक संपूर्ण क्रेडिट प्रक्रिया (ऋण यात्रा) को संभालेगा - जिसका उद्देश्य प्रस्तावों के प्रसंस्करण के लिए टीएटी को कम करना और प्रसंस्करण अधिकारियों की संपूर्ण क्षमता का दोहन करना है।

व्यवसाय बैंकिंग समाधान

**सही भागीदार हो तो
आपका शिक्षा संस्थान उच्चतम
अंक प्राप्त कर सकता है।**

आपके व्यवसाय की सभी ज़रूरतें
अब एक ही खाते से पूरी

• Easy cash handling • Cost-effective solutions • Convenience
Four new variants introduced - Platinum, Diamond, Gold & Regular

FOLLOW US ON 



मॉडल को लॉजिस्टिक रिशेन पद्धति के आधार पर विकसित किया गया है जिसमें रिशेन चूक की घटनाओं का अनुमान लगाएगा और आवेदक की साख पर विभिन्न छटकों के प्रभाव को मॉडल करेगा। बीआरई का उद्देश्य मैन्युअल समुचित सावधानी और सुरक्षा जांच को छोड़कर एसटीपी/डिजिटल प्रक्रिया बनाना और परिचालन व्यय को कम करना है। यह मॉडल इनपुट के रूप में डिजिटल रूप से प्राप्त और सत्यापन योग्य डेटा (संभव सीमा तक) का उपयोग करता है और ब्यूरो इतिहास, जीएसटी रिटर्न, आयकर रिटर्न

(आईटीआर) और बैंक स्टेटमेंट जैसे विभिन्न डेटा स्रोतों का लाभ उठाता है। मॉडल आउटपुट सभी नए/मौजूदा अनुप्रयोगों के लिए गो/नो-गो/रेफर टू क्रेडिट का जोखिम ग्रेड और वस्तुनिष्ठ निर्णय प्रदान करता है। यह ब्राउनफील्ड इकाइयों को नकद ऋण सुविधाओं के लिए मॉडल-आधारित सीमा का आकलन करता है, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए क्रेडिट सीमाओं के आकलन के लिए उद्देश्य इनपुट प्रदान करता है, जैसे नकद ऋण, सावधि ऋण और स्वीकृत प्राधिकरणों को गैर-निधि-आधारित सीमाएं।

बीआरई को पहले चरण में 10 लाख से अधिक और 50 लाख तक के ऋणों के लिए 7.12.2023 को अखिल भारतीय स्तर पर शुरू किया गया है। बीआरई के माध्यम से 31.03.2024 तक ₹3,869.52 करोड़ की राशि के ₹14,479 ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से ₹1,397.16 करोड़ के 6461 ऋण नए संपर्क थे। 50 लाख से अधिक और 5 करोड़ तक के ऋण के लिए दूसरा चरण मार्च 2024 के तीसरे सप्ताह में शुरू किया गया है।

1. फिनटेक/ए/जीएसटी के सहयोग से विकास चरण में नया डिजिटल उत्पाद

- एमएसएमई सहज विक्रेता का चालान योनी व्यवसाय पर डिजिटल ऋण प्रदान करके और जीएसटी चालान का वित्तपोषण
- जीएसटी सहाय के अंतर्गत विक्रेता की चालान वित्तपोषण योजना, भारत सरकार की एक पहल है जो बाजार जीएसटी सहाय ऐप के माध्यम से डिजिटल ऋण प्रदान करती है
- डिजि सुगम जीएसटी-आधारित कार्यशील पूंजी वित्त प्रदान करता है, जो योनी बिजनेस के माध्यम से पेश की जाने वाली संपूर्ण डिजिटल प्रक्रिया है

2. संपर्क रहित ऋण प्लेटफॉर्म (सीएलपी)

आपका बैंक सिडबी के नेतृत्व वाले पीएसबी कंसोर्टियम के हितधारकों में से एक है, जो आपके बैंक की पथ-प्रदर्शक पहल psbloanin59minutes.com जो एसएमई ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करता है। जीएसटी रिटर्न, आईटी रिटर्न और खाता विवरण के आधार पर पात्र प्रस्तावों के लिए तत्काल सैद्धांतिक अनुमोदन जारी किया जाता है। इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते हुए आपका बैंक ₹1 लाख से ₹5 करोड़ तक की लीड की सोर्सिंग कर रहा है। विव 2024 में ₹10,831 करोड़ के लिए 17,773 लीड स्वीकृत किए गए हैं।

संपूर्ण डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और क्रेडिट वितरण प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, आपके बैंक द्वारा सीएलपी से प्राप्त लीड के लिए एक नई स्वतः-नवीनीकरण प्रक्रिया भी शुरू की गई है। यह बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अच्छे और वित्तीय रूप से संतोषजनक खातों का समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित करेगा, क्योंकि बेहतर ग्राहक अनुभव संबंध प्रबंधकों (एसएमई) को बिक्री और विपणन गतिविधि पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता करेगा।

YONO SBI BUSINESS

डिजिटल उत्कृष्टता संग बढ़ाएं अपना व्यवसाय

हर बिजनेस का बैंकर

डिजिटल पेशकश

- भुगतान, संग्रह, एफबी
- एलसी, बीजी, अंतरराष्ट्रीय भुगतान
- फरिक्स रेट्स बुक करें
- लिक्विडिटी मैनेजमेंट, नकद, चेक कलेक्शन
- वेंडर, डीलर फायनांस

3. पूर्व-अनुमोदित व्यवसाय ऋण (पीएबीएल)

विव 2024 में, आपके बैंक ने 1,05,052 पीएबीएल ऋण स्वीकृत किए हैं। यह उत्पाद बड़े पैमाने पर अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की आवश्यकता को पूरा करता है, और ऋण उपलब्धता उदार शर्तों पर की जाती है। फरवरी 24 के दौरान, साझेदारी फर्मों को पीएबीएल के दायरे में शामिल किया गया है। मार्च 24 तक आपके बैंक ने ₹2,794 करोड़ 70.80% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की है।

4. आपूर्ति श्रृंखला वित्त

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और शाखा नेटवर्क का लाभ उठाकर, आपका बैंक आपूर्ति श्रृंखला वित्त में एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कॉर्पोरेट दुनिया के साथ अपने संबंधों को मजबूत करता है। आपके बैंक ने ₹49,261 करोड़ (ई-डीएफएस) और ₹28,092 करोड़ (ई-वीएफएस) से अधिक की कुल स्वीकृत सीमा के साथ 35,254 डीलरों को आपूर्ति श्रृंखला वित्त प्रदान किया है। विव 2024 में, 15 नए ई-डीएफएस और 41 नए ई-वीएफएस टाई-अप दर्ज किए गए।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान 662 नए डीलरों के लिए ₹4,696 करोड़ और नए ई-वीएफएस विक्रेताओं के लिए ₹6,335 करोड़ की नई ई-डीएफएस सीमा को स्वीकृति दी गई। आपके बैंक ने पहले ही psbloansin59minutes.com के माध्यम से ई-डीएफएस और ई-वीएफएस के लिए संपर्क रहित ऋण मंच (सीएलपी) लागू कर दिया है, जो जीएसटी प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत डीलरों को ऋण और आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करता है।

आपके बैंक ने ई-वीएफएस प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया है और अनावश्यक दस्तावेजों को समाप्त करके और सरलीकृत मूल्यांकन प्रारूपों को लागू करके बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए सीएलपी पर एक फ्रंट-एंड डिजिटल इंटरफेस बनाया है। आपके बैंक ने प्रस्ताव प्रक्रिया के दौरान टीएटी को कम करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला वित्त केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र शुरू किए हैं। आपूर्ति श्रृंखला पोर्टफोलियो को घेरने के लिए, आपके बैंक ने आपूर्ति श्रृंखला पोर्टफोलियो के लिए उपयुक्त जोखिम शमन उपाय और जोखिम-आधारित मूल्य निर्धारण लागू किया है। आपका बैंक डीलरों/विक्रेताओं को जोड़ने और चैनल फाइनेंस आधार को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न अभियान भी शुरू कर रहा है।

इ. हरित ऊर्जा पहल

आपका बैंक कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए अपनी हरित ऊर्जा पहलों के प्रति प्रतिबद्ध है; इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान उत्पादों को लॉन्च किया गया था।

1. सूर्य शक्ति सौर उर्जा वित्त

यह विशेष उत्पाद ₹10 करोड़ की अधिकतम ऋण राशि के साथ व्यावसायिक उद्यमों (कैप्टिव उपयोग के लिए) को मसौरा परियोजनाओं के लिए सावधि ऋण के वित्तपोषण के लिए लॉन्च किया गया है। उत्पाद में 10 वर्षों का सुविधाजनक पुनर्भुगतान है। इस खंड के अंतर्गत उपलब्ध जबरदस्त क्षमता का लाभ उठाने के लिए, केंद्रीकृत ऋण प्रसंस्करण के लिए एक समर्पित सूर्य शक्ति प्रकोष्ठ बनाया गया है, और टीएटी को कम करने के लिए सेल अधिकारियों को वैयक्तिक शक्तियां सौंपी गई हैं। सौर पीवी प्रणालियों की संस्थापना की आवश्यकता वाली इकाइयों को वित्तपोषित करने के लिए टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड, वारी एनर्जी लिमिटेड, महिंद्रा सोलराइज प्राइवेट लिमिटेड, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड और रेडिगटन इंडिया जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किए गए हैं।

2. जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए वित्त

जैव ईंधन परियोजनाओं की भारत सरकार की पहल को बढ़ावा देने के लिए, 'जैव ईंधन 2018 की राष्ट्रीय नीति' में उल्लिखित सभी प्रकार के जैव ईंधन अर्थात् इथेनॉल, बायोडीजल, उन्नत जैव ईंधन, जैव-सीएनजी, आदि को ऋण देने के लिए एक नया उत्पाद लॉन्च किया गया था।

कोयले के प्रतिस्थापन के लिए ताप विद्युत संयंत्रों को पैलेटों/ब्रिकेट की आपूर्ति करने वाले बायोमास आपूर्तिकर्ताओं/समूहों को भी इस उत्पाद के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। इस उत्पाद की 15 वर्ष तक की लंबी डेर-टू-डेर पुनर्भुगतान अवधि है और टर्म ऋण/नियमित कार्यशील पूंजी सुविधा भी प्रदान की जाती है।

3. सतत योजना के अंतर्गत संपीड़ित बायोगैस

इस उत्पाद के अंतर्गत, उन इकाइयों को वित्त उपलब्ध कराया जाता है जिनका उद्देश्य संपीड़ित बायोगैस के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करना है। सतत योजना के अंतर्गत, 100 करोड़ तक के स्वीकृत ऋणों को पीएसएल माना जाता है। उद्यमियों के लिए

प्रोत्साहन जैसे आयातित उपकरणों पर कम सीमा शुल्क, डब्ल्यूडीवी विधि पर 40% मूल्यहास, और 5 वर्षों के लिए शुद्ध आय पर कर अवकाश।

ई. निर्यात ऋण

निर्यात बढ़ाने पर भारत सरकार के फोकस के साथ, एमएसएमई की इस उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। 31.03.2024 तक एसएमईबीयू के निर्यात ऋण में 21.94% की वृद्धि हुई। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कई वैश्विक और व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, ₹19,060 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया। आपका बैंक इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए उत्सुक है और निर्यात वित्त में कारोबार क्षमता को अधिकतम करने के लिए कार्यनीतियां बनाई हैं। ग्राहकों अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न डिजिटल पहल पाइपलाइन में हैं।

कई ग्राहक डिजिटल यात्राएं, यथा योनी बिजनेस में इनलैंड एलसी, आयात एलसी, निर्यात, इनलैंड, ए1 और ए2 रेमिटेंस और एडवांस पेमेंट उपलब्ध कराए गए हैं। संपूर्ण डिजिटल बीजी उत्पाद, मई-बीजीफ पूरे भारत में 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया गया है।

उ. एनबीएफसी के साथ सह-ऋण

उन एमएसएमई की मदद करने के लिए जिनकी औपचारिक ऋण तक बहुत कम या कोई पहुंच नहीं है, आपके बैंक ने 9 एनबीएफसी के साथ सह-उधार समझौता किया है। सह-उधार योजना के अंतर्गत, आपके बैंक ने 31.03.2024 तक ₹469 करोड़ के 1042 खातों को स्वीकृति दी है।

ऊ. ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरडीएस)

आपका बैंक एमएसएमई को वित्त प्रदान करने के लिए स्थापित ढांचा प्लेटफॉर्म पर फाइनेंसर के रूप में पंजीकरण करने वाले सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से प्रथम है और देश के सभी तीन ट्रेड्स प्लेटफॉर्म, अर्थात् आरएक्सआईएल, एम1 एक्सचेंज और इनवॉइसमार्ट पर इसकी उपस्थिति है। विव 2023-24 में, आपके बैंक ने 31.03.2024 को ₹10,000 करोड़ के स्तर को पार कर लिया, जिसमें 282.44% की वर्षानुवर्ष वृद्धि और 23% की बाजार हिस्सेदारी दर्ज की गई।

ग्रामीण बैंकिंग

कृषि अग्रिम

कृषि और संबद्ध गतिविधियों के अंतर्गत आपके बैंक का ऋण इस वित्तीय वर्ष के दौरान ₹3,00,000 करोड़ को पार कर गया है, जो भारत में किसी भी बैंक के लिए सबसे अधिक है। आपका बैंक 1.50 करोड़ से अधिक किसानों की ऋण जरूरतों को पूरा करता है।

आपके बैंक ने कृषि स्वर्ण ऋण, एसएचजी ऋण और निवेश ऋण पोर्टफोलियो में काफी वृद्धि की है, जिनमें से अधिकांश या तो जोखिम कम कर रहे हैं या कम जोखिम वाले हैं। आपका बैंक वर्ष के दौरान कृषि स्वर्ण ऋणों में बाजार में अग्रणी बना रहा; इसके पोर्टफोलियो ने ₹99,000 करोड़ को पार कर लिया।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत सरकार कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में विकास और फार्मगेट बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए नीतिगत सहायता प्रदान कर रही है। आपका बैंक विभिन्न आत्मनिर्भर भारत योजनाओं के अंतर्गत सरकार की नीतियों के साथ जुड़ा हुआ है। आपके बैंक ने इन योजनाओं के अंतर्गत चालू वित्त वर्ष के दौरान 20,504 उधारकर्ताओं को ₹5,127 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं।

29%

31 मार्च 24 को पीएसबी के एनआरएलएन ऋण में सर्वाधिक बाजार हिस्सेदारी

आपके बैंक ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित एग्री इंफ्रा फंड के लिए त्वरित ग्रामीण और कृषि परिवर्तन (भारत) अभियान और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से ग्रामीण तथा कृषि प्रगति (रैपिड) अभियान की शुरुआत करते हुए सभी बैंकों में पहला स्थान प्राप्त किया है।

इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने शुरू की गई दो नए उत्पादों- कृषि उद्यम ऋण (ईईएल) और किसान समृद्धि ऋण (केएसआर) में वर्ष के दौरान ₹2,600 करोड़ से अधिक का पोर्टफोलियो बनाया है, जिससे कृषि आधारित उद्यमों की ऋण आवश्यकताओं और बड़े किसानों/कॉर्पोरेट्स/एफपीओ/सहकारी समितियों की उत्पादन ऋण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, जो क्रमशः संपूर्ण खेती की वास्तविक लागत पर आधारित है।

आपके बैंक ने कृषि पोर्टफोलियो में दबाव कम करने और नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक रूप से काम किया है और इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान एनपीए में कमी आई है, जिसमें पहली बार एकल अंकों का कृषि जीएनपीए % हासिल हुआ है। कृषि खंड के साथ-साथ छोटे और सीमांत किसानों, कमजोर वर्गों और गैर-कॉर्पोरेट किसानों जैसे उप-क्षेत्रों में आपके बैंक की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) उपलब्धि वर्ष के दौरान काफी बढ़ी है।

माइक्रो क्रेडिट

- आपके बैंक ने विव 2024 के दौरान 50 लाख से अधिक अतिरिक्त परिवारों का समर्थन किया है, जिसमें एसएचजी परिवार के (19 लाख+), पीएमएमवाई लाभार्थी (18 लाख+), पीएम स्वनिधि लाभार्थी (14 लाख+), स्टैंड अप इंडिया और पीएमईजीपी लाभार्थी (2 लाख+) और एग्री इंफ्रा फंड और पीएम-एफएमई लाभार्थी (1 लाख+) शामिल हैं।
- आपका बैंक एसएचजी ऋण के मामले में बाजार में अग्रणी है। एसएचजी ऋण के अंतर्गत आपके बैंक का पोर्टफोलियो 31.03.2024 को ₹50,000 करोड़ को पार कर गया है, जिसमें 1 करोड़ से अधिक महिला सदस्य शामिल हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आपके बैंक ऋण की बाजार हिस्सेदारी 31.03.2024 को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 29% के साथ सबसे अधिक है।
- दिनांक 01.04.2013 को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीवाई-एनआरएलएम) की शुरुआत से लेकर अब तक आपके बैंक ने राज्य आजीविका एजेंसियों के साथ गठजोड़ किया है और बैंक-एसएचजी लिंकेज के अंतर्गत 49.34 लाख एसएचजी को वित्तपोषित किया है तथा 31.03.2024 तक ₹1,31,903 करोड़ रुपये वितरित किए हैं।
- आपके बैंक ने भारत सरकार की योजना के साथ संरेखित करने के लिए बैंक के मस्वर्य सिद्ध पहलफके अंतर्गत एसएचजी के नेतृत्व वाली महिला उद्यमों के वित्तपोषण हेतु ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। लखपति दीदी कार्यक्रम की एक पहल।
- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान मुद्रा ऋण में ₹49,000 करोड़ से अधिक का संवितरण किया है। इसके अतिरिक्त, आपके बैंक ने वर्ष के दौरान स्टैंड-अप इंडिया योजना के अंतर्गत 21,000 से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृत दी है।
- विव 2023-24 में, आपके बैंक ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को ₹1,548 करोड़ के 14.27 लाख ऋण संवितरित किए हैं।

योनो पर किसान क्रेडिट कार्ड का रिव्यू सरल और सुविधाजनक दोनों

योनो एसबीआई पर अब आपके किसान क्रेडिट कार्ड का ऑनलाइन रिव्यू मिनटों में सिंपल किए कर सकते हैं।

मुख्य लाभ:

- 24x7 एक्साईस कर सकते हैं
- केवल 4 क्लिक पर किसान क्रेडिट कार्ड की क्या सीमा का रिव्यू
- आवेदन का स्टेटस ऑनलाइन जान सकते हैं

आवेदन करने के चरण --> योनो डाउनलोड करें --> लॉग इन करें --> योनो कृषि --> क्रेडिट --> क्रेडिट रिव्यू --> एक्साईस

Lifestyle & banking, dono.

Download & Register now

YONO SBI

डिजिटलीकरण और सहयोग

- आपका बैंक कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋणों के प्रसंस्करण के लिए एक पुनर्निर्मित एग्री टेक स्टैक को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया में है। इससे ऋण की सुपुर्दगी के लिए टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में काफी कमी आएगी। आपके बैंक ने कृषि प्रक्रिया को डिजिटल बनाने का कार्य भी आरंभ किया है।
- बैंकिंग सेवा रहित और कम सेवा वाली आबादी तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, हमने

सह-उधार मॉडल के अंतर्गत 23 एनबीएफसी/एचएफसी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मॉडल के अंतर्गत, आपके बैंक ने 2.70 लाख से अधिक उधारकर्ताओं को ₹2,030 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं। इनमें से 2.70 लाख से अधिक खातों को ₹3 लाख रुपये तक के ऋण के लिए पूर्ण डिजिटलीकरण मोड में स्वीकृति दी गई है।

- आपका बैंक सक्रिय रूप से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वित्तपोषित करने की

कोशिश कर रहा है और वर्ष के दौरान कई एफपीओ कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

- आउटसोर्सिंग सेवा सहायक कंपनी, स्टेट बैंक परिचालन सहायता सेवा (एसबीओएसएस) ने ग्रामीण/अर्ध शहरी क्षेत्रों में अपने परिचालन को स्थिर कर लिया है। सहायक कंपनी हाई टेक, हाई टच और लो कॉस्ट मोड पर काम करती है और इसने आपके बैंक को ₹13,500 करोड़ से अधिक राशि के 6,70,000 से अधिक नए केसीसी ऋण प्राप्त करने में मदद की है

वित्तीय समावेशन

आपका बैंक वित्तीय समावेशन पर ध्यान केंद्रित करने वाली गतिविधियों के माध्यम से लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें बैंकिंग सुविधा रहित और वंचित आबादी के लिए खाते खोलने से लेकर बुनियादी वित्तीय सेवाएं सुलभ और उपलब्ध कराने तक शामिल हैं।

आपका बैंक ने बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बीसी/सीएसपी (बैंकिंग कॉर्रेस्पोंडेंट - ग्राहक सेवा बिंदु) मॉडल में अग्रणी है, जो केवल आहरण भुगतानों तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान में, इन सीएसपी कियोस्क आउटलेट्स पर 32 वित्तीय सेवाओं की सुविधा है। जन धन योजना, आधार, मोबाइल (जेएएम) त्रयी ने बिना किसी आय क्षरण के लक्षित

लाभार्थियों को डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से निर्धारित लाभ देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। यह चैनल हमारे देश की डीबीटी कहानी को एक बड़ी सफलता बनाने में महत्वपूर्ण प्रवर्तक रहा है, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कर रहा है। चालू वर्ष में, 68 करोड़ डीबीटी क्रेडिट स्थानांतरित किए गए हैं। बैंक रहित जनता को वित्तीय रूप से शामिल पूल में लाकर, चैनल ने ग्राहकों के बीच बचत और बचत की आदतों को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया है, जिससे उनकी वित्तीय संवृद्धि को सक्षम किया गया है। 15 करोड़ से अधिक बीएसबीडी/पीएमजेडीवाई खाते खोले गए हैं, जिनकी कुल जमा राशि ₹58,000 करोड़ रुपये को पार कर गई है।

यह चैनल बड़ी आबादी के लिए माइक्रो-बीमा (पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई) और पेंशन

(एपीवाई) के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करने का नेतृत्व कर रहा है, जिन्हें अन्यथा ऐसे वित्तीय उत्पादों से बाहर रखा गया है। आपका बैंक सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई में मार्केट लीडर है। महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान देना आपके बैंक की हमेशा से प्रमुख प्राथमिकता रही है और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत आपके बैंक द्वारा कवर किए गए कुल नामांकनों में महिलाओं की भागीदारी 50% से अधिक रही है।

आपका बैंक देश के अधिकांश दूरस्थ स्थानों को कवर करते हुए 82,000 से अधिक सीएसपी के माध्यम से समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी अंतिम-व्यक्ति तक पहुंच को बढ़ा रहा है।

पहल

- **टैब बैंकिंग:** गतिशीलता के साथ बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने के लिए एक हैंडहेल्ड डिवाइस (टीएबी) लॉन्च किया गया है। इस टैब के माध्यम से, हमारे सीएसपी ऑपरेटर अब जनता को डोर-स्टेप बैंकिंग प्रदान कर रहे हैं, जिससे वरिष्ठ नागरिकों और अल्प बैंकिंग सेवा प्राप्त आबादी को लाभ हो रहा है।
- **आईआरआईएस स्कैनर के माध्यम से भुगतान:** आईआरआईएस प्रमाणीकरण के माध्यम से ईपीएस भुगतान सीएसपी आउटलेट्स पर सक्षम किया गया है - उन ग्राहकों के लिए उपयोगी है जिनके उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट) बुढ़ापे या कठिन श्रम के कारण विकृत हो गए हैं।



वित्तीय साक्षरता प्रदान करना

आपके बैंक ने मुफ्त वित्तीय साक्षरता, क्रेडिट परामर्श और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों के प्रचार के लिए देश भर में 341 एफएलसी स्थापित किए हैं। एफएलसी ने चालू वर्ष के दौरान 37,000 से अधिक शिविरों का आयोजन किया है जिसमें 15 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा, ग्रामीण जनता के बीच वित्तीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आरबीआई की पहल के हिस्से के रूप में, आपके बैंक ने ब्लॉक स्तर पर वित्तीय साक्षरता के लिए 595 केंद्र (सीएफएल) भी प्रायोजित किए हैं जो वित्तीय साक्षरता के लिए अभिनव और भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण के विकास में भी सहायक हैं।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)

आपके बैंक ने 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 152 आरएसईटीआई स्थापित किए हैं। आरएसईटीआई सामाजिक परिवर्तन एजेंटों के रूप में कार्य करते हैं, ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से स्थायी आजीविका की दिशा में सशक्त बनाते हैं, उन्हें अपने स्वयं के सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करने में मदद करते हैं, और इस तरह ग्रामीण रोजगार पैदा करते हैं। ये आरएसईटीआई विशेष संस्थान के रूप में विकसित हुए और ग्रामीण युवाओं को नौकरी चाहने वालों से स्व-नियोजित उद्यमियों में बदल दिया। एसबीआई आरएसईटीआई ने स्थापना के बाद से 43,000 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 11.54 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है। इनमें

से 74 प्रतिशत उम्मीदवारों का स्वरोजगार के माध्यम से व्यवस्थित किया गया है। इन प्रशिक्षित उम्मीदवारों में से 4 लाख से अधिक को क्रेडिट सुविधा प्रदान की गई।

लीड बैंक योजना

आपके बैंक ने सक्रिय रूप से भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए एक राष्ट्रव्यापी लोकसंपर्क कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) में भाग लिया है और कार्यक्रम के दौरान 3.25 लाख पीएमजेडीवाई, 7 लाख पीएमजेबीवाई, 11.90 लाख पीएमएसबीवाई और 1.60 लाख एपीवाई आवेदनों की सोर्सिंग करते हुए देश भर में 47,000 से अधिक ग्राम पंचायतों (जीपी) और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को कवर किया है।

SBI
हर भारतीय का बैंक

CR+

ग्राहकों का विश्वास है हम पर उत्कृष्ट बैंकिंग के लिए

इस विश्वास के लिए हम आभारी हैं!

जीवन भर आपका वित्तीय सहभागी

हम अद्वितीय बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उन सभी को दिल से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने अब तक हमारी निरंतर प्रगति और सफलता में योगदान दिया है।
दिनेश खन्ना, अध्यक्ष

जहाजों के लिए, 1800 1234 | 2100 पर कॉल करें या bank.sbi लिखित करें | इसे यहाँ क्लिक करें

सरकारी व्यवसाय

आपका बैंक सरकारी कारोबार के संचालन में अग्रणी है और केंद्र सरकार के 26 प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के लिए एक मान्यता प्राप्त बैंकर है। आपका बैंक केंद्र सरकार के कारोबार में 63% से अधिक की बाजार हिस्सेदारी के साथ सरकारी व्यवसाय में मार्केट लीडर है।

सरकारी कारोबार और कमीशन

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	विव 2023	विव 2024
कारोबार	60,35,342	65,55,330
कमीशन	3,953	3,919

आपका बैंक भारत सरकार के प्रमुख बैंकरों में से एक है और सरकार की डिजिटल पहलों के साथ गति बनाए रखने, ऑनलाइन मोड में संक्रमण को सुविधाजनक बनाने, अधिक दक्षता और पारदर्शिता प्रदान करने के लिए, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार करने में और नागरिकों के लिए जीवन जीने में आसानी होती है, अनुकूलित प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने में लगातार लगा हुआ है।

प्रमुख पहल

1. पीएम किसान सम्मान निधि योजना

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के लिए मान्यता प्राप्त बैंक के रूप में, आपके बैंक ने प्रायोजक बैंक के रूप में योजना के अंतर्गत ₹50,689 करोड़ (31.03.2024 तक) के वितरण की सुविधा प्रदान की है।

2. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी)

- भारत सरकार और राज्य सरकारों की प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की सभी प्रमुख योजनाएं आपके बैंक के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर लागू की जा रही हैं। आपका बैंक एलपीजी सब्सिडी (डीबीटीएल) के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को संसाधित करने वाला एकमात्र बैंकर है।

3. रक्षा मंत्रालय (एमओडी)

- स्पर्श स्थानांतरित (माइग्रेटेड) पेंशनरों के लिए जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना
- स्पर्श स्थानांतरित पेंशनभोगियों के लिए रक्षा मंत्रालय के एपीआई के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र की उपयोगिता को लाइव कर दिया गया है। यह सुविधा आपके बैंक की सभी शाखाओं में सक्षम है।
- रक्षा मंत्रालय के कार्यालयों के लिए स्टैंडअलोन उपयोगिता
- आपके बैंक ने आबंटित बजट के उपयोग की स्थिति को सुगम बनाने के लिए व्यय स्थिति पर वास्तविक समय एमआईएस प्रदान करने के लिए स्टैंडअलोन उपयोगिता पर रक्षा

मंत्रालय के 103 कार्यालयों को ऑनबोर्ड किया है।

4. रेल मंत्रालय

- रेलवे के टीटीई के लिए हैंडहेल्ड टर्मिनल (एचएचटी)
- आपके बैंक ने जुर्माना संग्रह के लिए क्यूआर कोड तंत्र के अंतर्गत टीटीई के लिए एचएचटी रोल आउट किया है।
- आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट मोबाइल ऐप
- आपके बैंक ने टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए यात्री टिकट किराया के निर्बाध संग्रह के लिए आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट मोबाइल ऐप के साथ एसबीआई ई-पे लाइट को सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।

5. सीबीडीटी

- आपके बैंक ने कर संग्रह के लिए नई प्रत्यक्ष कर भुगतान प्रणाली (टिन 2.0) का एकीकरण पूरा कर लिया है। अब, आपके बैंक की सभी शाखाएं कर एकत्र करने में सक्षम हैं जबकि पहले 4,000 शाखाएं प्राधिकृत थीं।
- आपका बैंक आयकर वापसी आदेशों (आईटीआरओ) के लिए एकमात्र रिफंड बैंकर बना हुआ है। अगले तीन वर्षों यानी 2026 तक के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

6. सीबीआईसी

- आपके बैंक ने एपीआई-आधारित समाधान के साथ सीमा शुल्क भुगतान के लिए आईसगेट (खउएनएनए) पोर्टल से एकीकरण पूरा कर लिया है

7. डाक विभाग

- आपके बैंक ने डाक जीवन बीमा निदेशालय (डाक जीवन बीमा विभाग) के साथ भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से डाक जीवन बीमा (पीएलआई) में प्रीमियमों की वसूली के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सेवा पीएलआई/आरपीएलआई उपयोगकर्ताओं के लिए आसान ऑटो कटौती प्रीमियम भुगतान सुविधा प्रदान करेगी।

8. संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस)

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के सीएसएस: सीएन (केंद्रीय क्षेत्र की योजना: केंद्रीय नोडल खाता) तंत्र के अंतर्गत संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) के कार्यान्वयन के लिए अनुकूलित समाधान को लाइव कर दिया गया है और 31.03.2024 तक 3.23 लाख लेनदेन हुए हैं
- एमपीलैड मोबाइल ऐप को माननीय राज्य मंत्री, एमओएसपीआई श्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा 15.01.2024 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है।

9. एकल नोडल खाता (एसएनए) तंत्र के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस) और केंद्रीय नोडल खाता (सीएनए) तंत्र के अंतर्गत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं (सीएसएस)

- आपके बैंक ने डिजि गव प्लेटफॉर्म पर एसएनए तंत्र के लिए आधार-आधारित भुगतान सक्षम किया है।

- वर्चुअल अकाउंट सत्यापन और भुगतान एसएनए /सीएन मॉडल 3 में सफलतापूर्वक सक्षम/लाइव कर दिए गए हैं।
- राज्य विशिष्ट योजना के अंतर्गत, आपके बैंक द्वारा एक अनुकूलित समाधान (पीएफएमएस के बिना, अर्थात् मॉडल 5) विकसित और कार्यान्वित किया गया है। चार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों अर्थात् उत्तराखंड, तमिलनाडु, भोपाल, महाराष्ट्र और पुदुचेरी की राज्य सरकार की योजनाओं को इस समाधान में शामिल किया गया है।

10. पेंशन भुगतान

- आपका बैंक 39.83 लाख पेंशनभोगियों को पेंशन भुगतान कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में 2.43 लाख पेंशनभोगियों के नए पेंशन खाते जोड़े गए हैं।

- आपके बैंक ने 10 और 11 जुलाई 2023 को पेंशनभोगियों के लिए भारत सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के लिए श्रीनगर में माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैंकर्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया है।
- आपके बैंक ने नवंबर 2023 के दौरान देश भर में 251 शाखाओं में 51 स्थानों पर डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) 2.0 जमा करने के लिए सफलतापूर्वक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया है, जिसकी पहचान कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू), नई दिल्ली द्वारा की गई थी। डीएलसी जमा करने के लिए फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया।
- आपके बैंक ने वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान 3.0 में भाग

लिया। अभियान के दौरान, 16.10.2023 से 21.10.2023 तक 2,658 शाखाओं में मपेंशन शिकायत निवारण सप्ताह आयोजित किया गया और शाखाओं द्वारा पेंशनभोगियों की 5,478 शिकायतों का समाधान किया गया।

11. लघु बचत योजनाएं

- आपका बैंक 91.34 लाख से अधिक पीपीएफ, 28.85 लाख सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसए) खाते और 15.12 लाख वरिष्ठ नागरिक बचत योजनाएं (एससीएसएस) खाते और 1.83 लाख महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (एमएसएससी) खाते को सेवा प्रदान करता है जो सभी अधिकृत बैंकों में सबसे अधिक हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, 4.82 लाख पीपीएफ खाते, 3.19 लाख एसएसए खाते और 4.58 लाख एससीएसएस खाते और 1.83 लाख खाते जोड़े गए।

लेनदेन बैंकिंग (टीबी) - विपणन

चालू खाते

चालू खाता जमा राशियां आपके बैंक की लाभप्रदता का एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं क्योंकि ये जमा राशियों की लागत को कम करने और निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में सुधार करने में योगदान करती हैं। विभिन्न ग्राहक वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, आपका बैंक व्यावसायिक ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चालू खाता उत्पादों और सुविधाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

प्रमुख पहल

- 40 ट्रांजेशन बैंकिंग हब (टीबी-हब)** देश भर के शीर्ष 27 जिला केंद्रों में खोले गए, जो लेनदेन, भुगतान, संग्रह और अन्य वित्तीय जरूरतों के लिए व्यापक समाधान प्रदान करके ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। प्रत्येक हब अच्छी तरह से प्रशिक्षित संबंध प्रबंधकों से युक्त है जो ग्राहकों के लिए उत्पादों की श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं। इन केंद्रों पर बाजार की संभावनाओं का दोहन करने, ग्राहक जुड़ाव को गहरा करने और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए ग्राहक-केंद्रित प्रक्रियाओं को परिष्कृत किया गया है।
- डिजिटल पहल**
 - योनो की पुनर्कल्पित प्रक्रिया सभी संस्थाओं के लिए ऑनलाइन चालू खाता खोलने के

लिए उपलब्ध कराई गई है, जो ग्राहकों के लिए एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करती है। आपका बैंक वी-केवाईसी के माध्यम से एकल स्वामित्व चालू खाता खोलने के लिए संपूर्ण डिजिटल प्रक्रिया शुरू करेगा।

- चालू खाता के सभी प्रकारों को सुविधाओं और मूल्य वर्धित सेवाओं की श्रृंखला के साथ फिर से जोड़ा गया है। बाजार संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए, आपके बैंक ने सिल्वर और रोडियम नामक दो नए प्रीमियम वेरिएंट और सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों/रक्षा और अर्धसैनिक प्रतिष्ठानों के लिए एक अलग वेरिएंट पेश किया है।

- चालू खाता खोलने के फॉर्म को अधिक सरल बनाया गया है और सभी संस्थाओं के लिए उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है।
- ऑपरेटिंग पदाधिकारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण चालू खाता लीड उत्पन्न करने के लिए सभी व्यावसायिक और प्रौद्योगिकी पहलुओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) का लाभ उठाना।
- प्रीमियम सीए वेरिएंट के लिए रुपये प्लेटफॉर्म पर बिजनेस डेबिट कार्ड की पेशकश की जा रही है
- उद्योग/क्षेत्र-विशिष्ट समाधान प्रदान करने और संबंधित वित्तीय संचालन को स्वचालित करने के लिए फिनटेक के साथ साझेदारी करना।

नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी)

नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी) प्रौद्योगिकी-संचालित उत्पाद/समाधान हैं जो कॉर्पोरेट्स, संस्थानों और स्वायत्त निकायों सहित व्यावसायिक ग्राहकों को स्वचालित समाधानों के माध्यम से धन प्रबंधन का अनुकूलन करने में मदद करते हैं। आपका बैंक ग्राहकों को नकदी प्रबंधन उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने में अग्रणी है।

आपके बैंक का टीबी समाधान नई तकनीकों का लाभ उठाने और ग्राहकों की थोक लेनदेन जरूरतों को पूरा करने के साथ अनुकूलित एमआईएस, ईआरपी एकीकरण और एक समर्पित ग्राहक सहायता सेल भी चाहता है। लेन-देन पैटर्न का अध्ययन और विश्लेषण आपके बैंक को ग्राहकों की विभिन्न बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अपरंपरागत तरीकों को तैयार करने की अनुमति देता है, जैसे क्रेडिट, फंड प्रबंधन, क्रॉस सेलिंग और अन्य सेवाएं। आपके बैंक के पास ग्राहकों को सीएमपी और डिजिटल उत्पादों पर ऑनबोर्ड करने और उन्हें बिट्टी के बाद सहयोग प्रदान करने के लिए एक समर्पित विपणन टीम है। आधार आधारित मेंडेट रजिस्ट्रेशन, ई-पेमेंट में आईएमपीएस, यूपीआई-आधारित वैन कलेक्शन, टी+0 आधार पर एनएसीएच सेटलमेंट, एक ही कॉर्पोरेट आईडी के अंतर्गत कई खातों में वैन सुविधा और शिकायत निवारण के लिए सीआरएम जैसे नए सीएमपी समाधान हमारे ग्राहकों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

कॉर्पोरेट बैंकिंग

अ. कॉर्पोरेट लेखा समूह

कॉर्पोरेट लेखा समूह (कैग) आपके बैंक की एक समर्पित व्यवसाय इकाई (बीयू) है। यह एसबीआई के 'उच्च-मूल्य कॉर्पोरेट ग्राहकों' को एक विशेषज्ञ डिलीवरी प्लेटफॉर्म के रूप में संचालित करता है। कैग बीयू की पांच विशेष शाखाएँ हैं जो भारत के शीर्ष तीन वाणिज्यिक केंद्रों में स्थित हैं, अर्थात् मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

मुंबई (2), नई दिल्ली (1) और चेन्नई (1) में कैग बीयू की चार शाखाओं का नेतृत्व महाप्रबंधकों द्वारा किया जाता है और वे अपने विदेशी सहयोगियों और सहायक कंपनियों सहित शीर्ष रेटेड कॉर्पोरेट्स को विशेष रूप से वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक



भारत में अपने एफडीआई/एफपीआई निवेश का सही मूल्य पहचानें।

व्यापक श्रृंखला प्रदान करते हैं। पांचवीं शाखा अर्थात् मुंबई में वित्तीय संस्थान शाखा उप महाप्रबंधक की अध्यक्षता में है और म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों, बैंकों (निजी और विदेशी), एफडीआई और एफपीआई संस्थाओं जैसे वित्तीय संस्थानों की बैंकिंग और संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करती है।

सीएजी बीयू का बिजनेस मॉडल रिलेशनशिप मैनेजमेंट अवधारणा पर आधारित है, और प्रत्येक कॉर्पोरेट/बिजनेस ग्रुप को एक रिलेशनशिप मैनेजर के लिए मैप किया जाता है जो अत्यधिक कुशल क्रेडिट और परिचालन पदाधिकारियों से मिलकर एक क्रॉस-फंक्शनल क्लाइंट सर्विस टीम का नेतृत्व करता है। संबंध रणनीति ग्राहकों को एकीकृत और व्यापक समाधान प्रदान करने पर आधारित है, जिसमें एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर संरचित उत्पाद शामिल हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य एसबीआई को शीर्ष कॉर्पोरेट्स की पहली पसंद बनाना है। वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कॉर्पोरेट संबंध की नियमित समीक्षा कैग बीयू में संबंध प्रबंधन के लिए बेंचमार्क निर्धारित करती है। विभिन्न कोर क्रेडिट उत्पादों की पेशकश के अलावा, सीएजी शाखाओं में ग्राहक सेवा टीमों ग्राहकों को

एसबीआई के सहयोगियों और नीचे सूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उत्पादों और सेवाओं के चयन और वितरण में सहायता करती हैं:

- **पूंजी बाजार की आवश्यकताओं के लिए** - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस)
- **ट्रेजरी और निवेश के लिए** - एसबीआई गिल्ड्स लि. और एसबीआईकेप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड
- **निवेश के लिए** - एसबीआई म्यूचुअल फंड लिमिटेड
- **सामान्य और जीवन बीमा के लिए** - एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- **प्राप्य फ़ैक्टरिंग के लिए** - एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड
- **विदेशी (एफआईआई, एफपीआई, एफवीसीआई) और घरेलू संस्थागत ग्राहकों को कस्टोडियल सर्विसेज बैंकिंग के लिए** - एसबीआई सोसाइटी जेनेरल ग्लोबल सिक्क्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के साथ सरोचित करने के लिए, कैंग बीयू के भीतर एक विशेष इकाई अर्थात कॉर्पोरेट सॉल्यूशंस ग्रुप (सीएसजी) बनाया गया है, जो एफएमसीजी, ऑटो, एग्री, फार्मा और आईटी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कॉर्पोरेट ग्राहकों के पूरे बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र को कवर करता है, जिसमें मौजूदा और साथ ही बैंक के नए ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

देश के प्रमुख कॉर्पोरेट, वित्तीय संस्थान और नवरत्न पीएसयू बैंग बीयू के सम्मानित ग्राहक हैं।

31 मार्च 2024 तक कैंग बीयू का कुल ऋण पोर्टफोलियो ₹7.44 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹5.38 लाख करोड़ और गैर-फंड आधारित - ₹2.06 लाख करोड़) की तुलना में 31 मार्च 2023 को ₹6.53 लाख करोड़ (फंड आधारित - ₹4.60 लाख करोड़ और गैर-फंड आधारित - ₹1.93 लाख करोड़) का कुल ऋण पोर्टफोलियो था। विव2024 की दूसरी छमाही में क्रेडिट की मांग बढ़ी, जिसके परिणामस्वरूप कैंग बीयू में फंड-आधारित अग्रिमों में 0.78 लाख करोड़ की वृद्धि हुई।

आ. ट्रेजरी परिचालन

विश्व बाजार इकाई (जीएमयू) आपके बैंक के घरेलू ट्रेजरी का परिचालन करती है और वांछित जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त करने के लिए धन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। आपके बैंक के वैश्विक बाजार पोर्टफोलियो में एसएलआर (वैधानिक तरलता अनुपात) प्रतिभूतियों, गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों, सूचीबद्ध इक्विटी, म्यूचुअल फंड, वेंचर कैपिटल फंड, निजी इक्विटी और कार्यनीतिक निवेश में निवेश शामिल हैं। यह कई उत्पादों और सेवाओं की पेशकश भी करता है जो अपने ग्राहकों की विदेशी मुद्रा और जोखिम प्रबंधन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

वर्ष के दौरान, वैश्विक अर्थव्यवस्था ने अमेरिका और कई उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के नेतृत्व में अपेक्षा से अधिक लचीलापन प्रदर्शित किया। चीन के ताजा आंकड़े भी आर्थिक गतिविधियों में सुधार दिखाते हैं। माल मुद्रास्फूटि अपेक्षा से अधिक तेजी से गिर गई, लेकिन उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में तंग श्रम बाजारों ने सेवाओं की मुद्रास्फूटि को मुश्किल बनाए रखा है। ईएमईए और लैटिन अमेरिका के कई केंद्रीय बैंकों ने इस साल अपनी ब्याज दरों को कम कर दिया है, जबकि यूएस फेड जैसी

कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रीय बैंकों ने 2024 में बाद में शुरू होने वाली ब्याज दर में कटौती का संकेत दिया है। फिर भी, अर्थव्यवस्था की निरंतर मजबूती के कारण बाजारों को 2024 में आक्रामक दर में कटौती की अपनी उम्मीदों को कम करना पड़ा है, जिसने बॉन्ड प्रतिफल को उच्च रखा है। बैंक ऑफ जापान (डेग) ने अंततः मार्च में अपनी नकारात्मक ब्याज दर नीति से बाहर निकल गया, जो नवीनतम आर्थिक और मूल्य सुधार में विश्वास का संकेत देता है जिसने निक्की (NIKKEI) को अपने 1989 के उच्च स्तर पर पहुंचने में सहायता की है। इस वर्ष मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया, जिससे यूक्रेन में चल रहे संघर्ष से उपजी समस्याओं में वृद्धि हुई और महत्वपूर्ण लाल सागर क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका फिर से बढ़ गई। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है, वित्त वर्ष 2023-24 के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान आश्चर्यजनक है।

रुपया बाजार

1. ब्याज दर बाजार: एसएलआर और गैर-एसएलआर पोर्टफोलियो

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने लगातार 7 मौद्रिक नीति बैठकों के लिए नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा है। मजबूत आर्थिक गति को देखते हुए, इसने मुद्रास्फूटि को नीचे लाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है। फरवरी 2024 में सीपीआई मुद्रास्फूटि 5.09% थी, जो लक्षित 4% स्तर से काफी ऊपर थी। हालांकि यह जुलाई 2023 में उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद नीचे की ओर उतार पर रहा। 10-वर्ष की बेचमार्क प्रतिफल वर्ष के दौरान कम हो गई है, मार्च, 2023 के अंत में 7.31% से गिरकर मार्च 2024 के अंत में 7.06% हो गई है, जो 6.94% के निचले स्तर और बीच में 7.40% के उच्च स्तर को छू रही है। आपके बैंक ने विवेकपूर्ण निवेश निर्णय लिए जिससे पोर्टफोलियो प्रतिफल और ब्याज आय में वृद्धि हुई। आपके बैंक ने कठोर बैंकिंग प्रणाली चलाने के बावजूद अपनी चलनिधि स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया है और एक आरामदायक चलनिधि स्थिति बनाए रखना जारी रखा है।

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान कॉर्पोरेट बॉन्ड के लिए भारत के पहले ऑनलाइन त्रि-पक्षीय रेपो प्लेटफॉर्म में

भाग लिया और ईएसजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, वर्ष के दौरान भारत सरकार की ग्रीन बॉन्ड नीलामी में भी भाग लिया।

2. इक्विटी बाजार

वित्त वर्ष 2024 में देश के मजबूत आर्थिक दृष्टिकोण से प्रेरित, भारतीय बाजारों ने वैश्विक कठिनाईयों के बावजूद अन्य वैश्विक उभरते बाजारों से बेहतर प्रदर्शन किया। आपके बैंक ने इक्विटी बाजारों में रैली में सक्रिय रूप से भाग लिया और बाजार की गतिशीलता के अनुसार निवेश खाने का कैलीब्रेशन किया। वर्ष में मजबूत आईपीओ गतिविधि देखी गई, जिसमें जारी करने के लिए पर्याप्त लिस्टिंग लाभ थे। आपके बैंक ने उच्च प्रतिलाभ प्राप्त करने वाले प्राथमिक बाजार में सक्रिय रूप से भाग लिया।

आपका बैंक दीर्घकालिक निवेश पोर्टफोलियो बनाने के साथ-साथ अल्पकालिक रणनीतिक स्थितियों के माध्यम से सकारात्मक अल्फा उत्पन्न करने पर केंद्रित है। आपका बैंक अनुसंधान दल के विस्तार और चल रहे प्रशिक्षणों और अन्य कौशल विकास पहलों के माध्यम से अपनी अनुसंधान क्षमताओं को मजबूती दे रहा है।

3. निजी इक्विटी/उद्यम पूंजी निधि

आपका बैंक वित्त वर्ष 2024 के दौरान वैकल्पिक निवेश क्षेत्र में एक सक्रिय भागीदार रहा है और प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी के माध्यम से स्टार्टअप केंद्रित फंड और संवहनीयता-उन्मुख निवेशों में निवेश किया है।

विदेशी मुद्रा बाजार

जीएमयू आपके बैंक के विदेशी मुद्रा व्यवसाय को संभालता है, ग्राहकों को बाजारों को तरलता प्रदान करने के साथ, ऑपसन्स, स्वैप और फॉरवर्ड के माध्यम से अपने मुद्रा प्रवाह और जोखिमों से बचाव के लिए समाधान प्रदान करता है। आपका बैंक यूएसडी-रुपया स्पोर्ट और यूएसडी-रुपया वायदा बाजार में अग्रणी है और मर्चेन्ट फॉरेन एक्सचेंज क्षेत्र में इसकी बाजार हिस्सेदारी अधिक है। आपका बैंक सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफॉर्म में तरलता प्रदान करने में अग्रणी है। आपका बैंक सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को सक्रिय रूप से ऑनबोर्ड कर रहा है। आपके बैंक ने ग्राहकों को उनकी विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान किए गए अपने ई-फॉरेक्स 1 प्लेटफॉर्म में और

¹ ई-फॉरेक्स ग्राहकों के लिए ऑनलाइन विदेशी मुद्रा लेनदेन बुक करने के लिए एसबीआई का इंटरनेट-आधारित मंच है।

² एफएक्स-ऑल एक इलेक्ट्रॉनिक विदेशी मुद्रा व्यापार मंच और एग्रीगेटर है।

वृद्धि की है और एफएक्स-एआईआई को कोट प्रदान कर रहा है, जो एक मल्टीबैंक एफएक्स प्लेटफॉर्म है। आपका बैंक विदेशी यूएसडी-रुपया एनडीएफ बाजार या गैर-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स (एनडीडीसी) में एक प्रमुख खिलाड़ी और बाजार निर्माता भी है।

आपके बैंक की 10 प्रमुख शहरों में ट्रेजरी विपणन इकाइयां हैं और 8 उपग्रह केंद्र हैं जो ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मदद करते हैं। वे निर्यातकों, व्यापार उद्योग निकायों और बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ बैठकों, सम्मेलनों आदि का आयोजन करते हैं ताकि उनकी आवश्यकताओं को समझा जा सके और विदेशी मुद्रा बाजारों और आपके बैंक के विभिन्न उत्पादों के बारे में समझाया जा सके। आपके बैंक में संस्थागत अनिवारी ग्राहकों की आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए एक विशेष डेस्क भी है।

डेरिवेटिव

आपका बैंक वर्तमान में एक्सचेंज ट्रेडेड मुद्रा डेरिवेटिव और ब्याज दर फ्यूचर्स के साथ ओवर द काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव में काम करता है। आपके बैंक ने ब्याज दर डेरिवेटिव जैसे रुपया ब्याज दर स्वेप (ओआईएस), रुपया ब्याज दर फ्यूचर्स (आईआरएफ), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वेप (आईआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपया ब्याज दर स्वेप (संशोधित एमआईएफओआर), वायदा दर करार (एफआरए), कैप, फ्लोर, कॉलर और स्वेपशन में भाग लिया। आपके बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव क्रॉस करेंसी स्वेप (सीसीएस), यूएसडी / आईएनआर विकल्प और क्रॉस मुद्रा विकल्प हैं। ये उत्पाद और उनके अनुकूलित संस्करण आपके बैंक के ग्राहकों को उनकी ब्याज दर और विदेशी मुद्रा एक्सपोजर की हेजिंग करने के लिए पेश किए जाते हैं।

आरबीआई द्वारा व्युत्पन्न दिशानिर्देशों के उदारीकरण के बाद, आपके बैंक ने बाधा विकल्पों सहित अपने ग्राहकों को हेजिंग समाधानों का एक बड़ी श्रृंखला पेश किया है और निवेश में व्यापार भी आरंभ किया है।

आपके बैंक की डेरिवेटिव के लिए नीति डेरिवेटिव लेनदेन में प्रवेश करने के लिए बाजार जोखिम मापदंडों (ग्रीक सीमाएं, हानि सीमाएं, कट-लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमाएं, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01, दूसरों के बीच) के साथ-साथ ग्राहक पात्रता मानदंड (क्रेडिट रेटिंग, स्वीकृत सीमाएं और ग्राहक उपयुक्तता और उपयुक्तता नीति के अनुसार सीएसएस रेटिंग) निर्धारित करती है। अंतरबैंक प्रतिपक्षों पर जोखिम की निगरानी इस उद्देश्य के लिए निर्धारित सीमाओं के माध्यम से की जाती है। इन प्रतिपक्षों ने आपके बैंक के साथ आईएसडीए और क्रेडिट सपोर्ट एग्जिमेंट (सीएसए) भी निष्पादित किया है।

ग्राहक मूल्य निर्माण/ग्राहक-केंद्रित सफलता की कहानी

- आपके बैंक ने छात्रों के लिए वैश्विक फिनेटेक भागीदारों के माध्यम से वैश्विक विश्वविद्यालयों को ट्यूशन फीस का भुगतान करने के लिए पूरी तरह से डिजिटल और ऑनलाइन भुगतान सुविधा आरंभ किया है।
- ग्राहकों की उभरती बैंकिंग जरूरतों के प्रति चुस्त रहने की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए, आपके बैंक ने ग्राहक अनुभव और उपयोग में आसानी को बढ़ाने के लिए ई-फॉरेक्स प्लेटफॉर्म में नई सुविधाएं आरंभ की हैं।
- योनो प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए, ई-ट्रेड और ई-फॉरेक्स एप्लिकेशन अब उपयोगकर्ता को अधिक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए एकीकृत किए गए हैं, इस प्रकार व्यापार अनुबंधों के खिलाफ विदेशी मुद्रा ट्रेड की बुकिंग के लिए ऐप्स के बीच अक्सर स्विच करने की आवश्यकता को कम करते हैं।
- आपका बैंक मुद्राओं में सीमा पार निधि अंतरण की पेशकश करने के लिए एनपीसीआई के साथ लगातार संपर्क में है।
- ग्राहक सेवा को बढ़ाने के लिए, सीएसआईजी (केंद्रीकृत स्विफ्ट इंटरफेस गेटवे) एप्लिकेशन के माध्यम से लाभार्थी शाखा को एक आवक प्रेषण ईमेल सूचना सेवा विकसित की गई है।
- शाखाएं अब किसी भी अवधि के लिए आवक प्रेषण के लिए एक स्वचालित ई-एफआईआरसी (ई-विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र) प्रदान करने में सक्षम हैं।

इ. अंतराष्ट्रीय परिचालन

विदेशी बैंकिंग अनुपंगियां/संयुक्त उद्यम अनुपंगियां	शेयर होल्डिंग (%)
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	100.00
वाणिज्यिक इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	100.00
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	96.60
एसबीआई बैंक इंडोनेशिया	99.56
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
विदेशी गैर-बैंकिंग अनुपंगियां	
एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राजील	99.99 [#]
संयुक्त सहयोगी	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00

[#]एसबीआई एकल धारिता

भारत के सबसे बड़े वैश्विक बैंक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए, आपका बैंक विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले भारतीय डायस्पोरा और वैश्विक भारतीय कॉर्पोरेट्स को सहयोग करना जारी रखते हुए विदेशी स्थानीय बाजारों में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। भारतीय डायस्पोरा को बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता और सुविधा को आगे बढ़ाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह ने

प्रवासी भारतीयों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एक एनआरआई समन्वय प्रकोष्ठ की स्थापना की है। आपका बैंक मध्य पूर्व और गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में सेवा प्रदान करने वाले मवेल्थ हबफका सृजन करके विदेशों में प्रीमियम बैंकिंग सेवाओं में उद्यम करने की भी योजना

बना रहा है। आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबंधन एक अलग व्यवसाय इकाई द्वारा किया जाता है - अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) जिसके प्रमुख उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) होते हैं और एमडी (आईबी, जीएम एंड टी) द्वारा इसका पर्यवेक्षण किया जाता है।



भारतीय स्टेट बैंक के 750 मिलियन इंडिया आईएनएक्स बॉण्ड का गिफ्ट सिटी में लिस्टिंग समारोह

वैश्विक उपस्थिति

आपके बैंक की पहली वैश्विक उपस्थिति जुलाई 1864 में कोलंबो, श्रीलंका में बैंक ऑफ मद्रास की शाखा के साथ हुई (भारतीय बैंकों में पहला)। 29 देशों में अपनी उपस्थिति के 241 बिंदुओं के माध्यम से सभी समय क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ, आपका बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग का अग्रणी बनने के लिए धीरे-धीरे दुनिया भर में अपने पंख फैला चुका है। आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबंधन आईबीजी द्वारा किया जा रहा है।

आईबीजी ने लगातार चल रही भू-राजनीतिक अशांति, संघर्ष, पश्चिम में बैंकों की विफलताओं, पड़ोसी

देशों में आर्थिक मंदी आदि सहित विषम चुनौतियों के साथ समायोजन किया है और जोखिम-प्रतिफल गतिशीलता को संतुलित करते हुए एक स्वस्थ विकास प्रक्षेपवक्र पर बना हुआ है। आपके बैंक के अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों ने कुशल परिसंपत्ति देयता प्रबंधन, देयता प्रबंधन और ऊपरी लागत में दक्षता, नई आय धाराओं की खोज, डिजिटलीकरण को बढ़ाने और नए व्यवसाय के लिए संबंधों का लाभ उठाने के माध्यम से इन बाधाओं के बावजूद अपनी लाभप्रदता बनाए रखी है। आपके बैंक और उसके हितधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने के लिए अपने निरंतर प्रयास के आधार पर, आईबीजी के लक्ष्य (विजन) निम्नानुसार हैं:

आईबीजी विजन

- वैश्विक बैंक के रूप में अपने बैंक की स्थिति को मजबूत करना।
- दुनिया भर में अखिल भारतीय संबंधित व्यापार के लिए बैंक के रूप में प्रथम चुनाव के रूप में बैंक को स्थापित करना।
- कारोबार में अपनी हिस्सेदारी और बैंक के लाभ में लगातार सुधार करना।
- विभिन्न-वर्टिकल सिनर्जी के माध्यम से बैंक के समग्र व्यवसाय को अधिकतम करने के लिए योगदान करना।

खोले गए/बंद किए गए कार्यालयों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

विदेशी कार्यालय	मार्च 23 की स्थिति के अनुसार	वर्ष के दौरान खोले गए	वर्ष के दौरान बंद	मार्च 24 की स्थिति के अनुसार
शाखाएं/उप-कार्यालय/अन्य कार्यालय	56	3	0	59
अनुषंगियां	(8)	0	0	(8)
अनुषंगी कंपनियों के कार्यालय	169	4	1	171
प्रतिनिधि कार्यालय	5	0	0	5
संयुक्त उद्यम/सहयोगी/प्रबंधित एक्सचेंज कं/निवेश	5	0	0	5
कुल	235	7	1	241

विव 2023-24 के दौरान, आपके बैंक ने निम्नलिखित शाखाएं/कार्यालय खोले हैं

- श्रीलंका में दो कार्यालय, एक त्रिकोमाली (शाखा) में और दूसरा जाफना (उप-कार्यालय) में।
- विदेशी सहायक कंपनियां: नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, नेपाल के लामाही, बेल्तार और दुहाबी में तीन शाखाएं खोली गईं
- खुस्तिया, बंगलादेश में एक भारत वीजा आवेदन केंद्र

पुरस्कार और सम्मान

5 सितंबर 2023 को सिंगापुर में आयोजित एडीबी के 9वें व्यापार एवं आपूर्ति श्रृंखला वित्त कार्यक्रम (टीएससीएफपी) पुरस्कारों के दौरान एशियाई विकास बैंक द्वारा आपके बैंक को ग्रीन डील चैंपियन- ट्रेड फाइनेंस, (पुष्टिकर्ता बैंक) के रूप में सम्मानित किया गया है।

आईबीजी के विशेष विभागों ने विभिन्न क्षेत्रों पर योगदान देकर गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जैसे:

1. क्रेडिट योगदान: व्यापार चालक

आपका बैंक भारतीय कॉर्पोरेट्स की वैश्विक विकास कार्यनीति का सक्रिय भागीदार है और निम्नलिखित के माध्यम से विदेशी मुद्रा में ऋण की व्यवस्था करता है:

अ) अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के साथ संयोजन के रूप में सिंडिकेटेड सौदों के माध्यम से ईसीबी

आ) स्थानीय / वैश्विक बैंकों के साथ साझेदारी करके द्विपक्षीय रूप से स्थानीय बाजारों में विदेशी कॉर्पोरेट्स को ऋण देना

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 (जनवरी 24 तक) के दौरान भारत से संबंधित कॉर्पोरेट्स को 10.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 16.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा ऋण मंजूर किए।

आईबीजी क्रेडिट कार्यनीति

- गिफ्ट सिटी, गांधीनगर शाखा में विकास क्षमता का दोहन जो वैश्विक वित्तीय सेवा केंद्र के रूप में वृद्धि कर रहा है
- नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार करना जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक प्रदर्शन कर रहे हैं
- हमारे विदेशी कार्यालयों के स्थानीय कॉर्पोरेट्स का दोहन करके भारत से नहीं जुड़े व्यवसाय की हिस्सेदारी बढ़ाने का प्रयास
- क्रॉस-वॉर्टिकल सिनर्जी और घरेलू कॉर्पोरेट्स के साथ हमारे संबंधों के आधार पर उनके विदेशी परिचालनों को वित्तपोषित करने के लिए लाभ उठाना
- अंडरराइटर / एमएलएबी / व्यवस्थापक के रूप में सिंडिकेटेड सौदों में बढ़ती भागीदारी के साथ एक संबंध बैंक के रूप में स्थापित करना
- स्थानीय बैंकों के साथ जुड़ाव बढ़ाना
- हरित ऋण, सामाजिक ऋण और संवहनीयता युक्त ऋण में सहभागिता पर जोर दिया गया

2. व्यापार वित्त

आपका बैंक भारतीय आयातकों और निर्यातकों को एक व्यापक, सर्व सुविधा युक्त शाखा नेटवर्क के माध्यम से व्यापार वित्त उत्पादों और सेवाओं की

श्रृंखला प्रदान करके सेवा प्रदान कर रहा है जो भारत और विदेशों में सभी समय क्षेत्रों में संचालित होता है। आईबीजी का वैश्विक व्यापार विभाग (जीटीडी) व्यापार वित्त पोर्टफोलियो के व्यवस्थित विकास के लिए हमारे विदेश कार्यालयों (एफओ) का सहयोग करता है, नीतियां तैयार करता है, और बाजार की मांगों और नियामक मानदंडों को बदलने के अनुसार एफओ के लिए नए उत्पादों का नवाचार करता है।

वैश्विक व्यापार विभाग अधिकतम रिटर्न के लिए घरेलू और विदेशी कार्यालयों के बीच व्यापार प्रवाह को सहक्रियात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए भारतीय कॉर्पोरेट्स को उनके आयात के लिए व्यापार ऋण की सुविधा भी प्रदान करता है। यह व्यापार निकायों जैसे बीएफटी (बैंकर्स एसोसिएशन फॉर फाइनेंस एंड ट्रेड), जीटीआर (ग्लोबल ट्रेड रिव्यू) आदि के साथ साझेदारी करके व्यापार से संबंधित कार्यशालाओं/सम्मेलनों का भी आयोजन करता है। निर्यातकों / नियामकों / उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आईसीसी, एफआईआईओ आदि के साथ साझेदारी करके कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

3. विदेशी ट्रेजरी प्रबंधन

आपके बैंक के अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (टीएमजी-आईबीजी) में ट्रेजरी प्रबंधन समूह विदेशी कार्यालयों के लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- अ. तरलता प्रबंधन
- आ. डीलिंग रूम परिचालन
- इ. निवेश

आईबीजी के समग्र परिसंपत्ति देयता पोर्टफोलियो का प्रबंधन टीएमजी-आईबीजी करता है और तरलता आवश्यकताओं और परिसंपत्ति देयता प्रबंधन अनुपात की निगरानी भी करता है। चालू वित्त वर्ष के दौरान,

आपके बैंक ने विभिन्न चैनलों के माध्यम से 2 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के दीर्घकालिक संसाधन जुटाए हैं। आपके बैंक ने 1,000 मिलियन अमरीकी डालर (3 वर्षों के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर और 5 वर्षों के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर) का सिंडिकेशन सौदा किया है। आपके बैंक ने एमटीएन कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 1,750 मिलियन अमरीकी डालर भी जुटाए हैं।

वर्तमान में, लंदन, न्यूयॉर्क, हांगकांग, बहरीन और गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में पांच प्रमुख डीलिंग रूम हैं, जो छोटे विदेशी कार्यालयों को उनके संचालन में मदद करने के लिए महब एंड स्पोक मॉडलफपर काम करते हैं। गिफ्ट सिटी, गांधीनगर शाखा को एक अन्य फंड जुटाने वाले केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए, हमने गिफ्ट सिटी में डीलिंग रूम को दक्षिण एशिया संचालन के लिए केंद्रीय ट्रेजरी के रूप में फिर से डिजाइन किया है।

4. वैश्विक भुगतान और सेवाएं

ग्लोबल पेमेंट्स एंड सर्विसेज (जीपीएंडएस) विदेशी स्थानों से भारत में ऑनलाइन आवक प्रेषण और स्विफ्ट-आधारित विप्रेषण, विदेशी मुद्रा चेक संग्रह, रुपया वोस्ट्रो खाते (आरवीए)/विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) और एशियन क्लियरिंग यूनियन (एसीयू) लेनदेन और रखरखाव की सुविधा प्रदान करता है। आपके बैंक ने विदेशों से भारत में आवक रुपया प्रेषण को निर्दिष्ट दिशा देने के लिए 50 से अधिक प्रेषण भागीदारों के साथ गठजोड़ किया है।

~50

रुपया प्रेषण के लिए प्रेषण भागीदार

मुख्य विशेषताएं

- वर्ष के दौरान, जीपी एंड एस ने भारत को सीमा पार आवक बिल भुगतान की सुविधा के लिए ग्लोबल मनी एक्सचेंज कंपनी (जीएमईसी), ओमान के साथ गठजोड़ के माध्यम से रुपया आहरण व्यवस्था के अंतर्गत भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) लागू किया है।
- विशेष रुपया वोस्ट्रो खातों के माध्यम से भारतीय रुपए में व्यापार के निपटान के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के प्रावधानों के अनुसार, जीपीएंडएस ने भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से वर्ष के दौरान चार एसआरवी खाते खोले हैं।



5. खुदरा कार्यनीति

आपका बैंक अपने विशिष्ट खुदरा और प्रेषण उत्पादों के माध्यम से विश्व के विभिन्न भागों में रहने वाले अनिवारी भारतीयों के लिए भारत का प्रवेशद्वार रहा है। इस वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं:

- योनो एसबीआई, बैंक की सबसे महत्वाकांक्षी और सुरक्षित डिजिटल पेशकश में से एक है जिसे अब हमारे विभिन्न विदेशी कार्यालयों के ग्राहकों तक विस्तारित कर दिया गया है। इसे यूके, कनाडा, मॉरीशस, नेपाल, मालदीव, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बहरीन में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है। योनो के माध्यम से 2,07,000 से अधिक विदेशी ग्राहकों को जोड़ा गया है। एसबीआईयूके और एसबीआई कनाडा बैंक में पूर्णतः डिजिटल नॉन फेस-टू-फेस ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा शुरू की गई है।
- **नमस्ते यूके:** यह उत्पाद भारतीय नागरिकों (दीर्घकालिक यूके वीजा वाले) को योनो एसबीआई यूके ऐप के माध्यम से यूके पहुंचने से पहले एसबीआईयूके में खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है।
- **जीआईसी खाता:** यह उत्पाद कनाडा की यात्रा करने वाले छात्रों (अध्ययन के लिए) को योनो कनाडा ऐप के माध्यम से हमारे एसबीआई कनाडा बैंक में जीआईसी खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है।
- योनो ग्लोबल का वन व्यू फीचर विदेशों में हमारे ग्राहकों को योनो ग्लोबल ऐप के माध्यम से अपने घरेलू एसबीआई खातों को देखने की अनुमति प्रदान करता है।

6. वित्तीय संस्थान समूह (एफआईजी) - संवाददाता (कॉर्रसपोण्डेंट) संबंध

एफआईजी अंतरराष्ट्रीय हितधारकों जैसे वित्तीय संस्थानों (एफआई), विदेशी सरकारी एजेंसियों और विकासात्मक वित्तीय संस्थानों (डीएफआई), आदि के साथ बैंक के लिंकेज की सुविधा प्रदान करता है और आईबीडी और अन्य व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों जैसे कॉर्पोरेट लेखा समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह, खुदरा बैंकिंग समूह और वैश्विक बाजारों के बीच तालमेल के लिए काम करता है।

एफआईजी 55 देशों में 222 बैंकों के नेटवर्क के साथ संवाददाता बैंकिंग संबंधों को बनाए रखने और समीक्षा करने में एक धुरी के रूप में कार्य करता है। यह घरेलू और विदेशी दोनों कार्यालयों द्वारा स्थापित आरएमए (रिलेशनशिप मैनेजमेंट एप्लीकेशन) को भी बनाए रखता है। 31.12.2024 को 118 देशों में 860+ बैंकों के साथ आपके बैंक के 4200 से अधिक आरएमए हैं।

7. अंतराष्ट्रीय बैंकिंग - घरेलू

आपका बैंक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित विस्तृत शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए सक्षम है।

- अंतराष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू (आईबीडी) व्यापार वित्त और अंतराष्ट्रीय बैंकिंग से संबंधित क्षेत्रों में घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों के बीच संपर्क के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। आईबीडी का उद्देश्य घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों/संपर्की बैंकों और व्यापारिक समुदाय के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करके तालमेल और व्यापार प्रवाह में सुधार करना है।
- आईबीडी शाखाओं, व्यापार निकायों और अन्य हितधारकों को सक्रिय रूप से शामिल करके निर्यात ऋण के विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- व्यापार समुदाय की सुविधा के लिए, विदेशी मुद्रा सेवा शुल्क को तर्कसंगत बनाया जा रहा है और



आईबीडी द्वारा हर साल बाजार के साथ संरेखित किया जा रहा है। आईबीडी एक्जिम एंटरप्राइज/स्विफ्ट में आईटी सिस्टम से संबंधित संवर्द्धन और अपडेट की सुविधा भी प्रदान करता है।

- आईबीडी आईसीसी, एफआईआईओ, फिक्की, सीआईआई आदि के साथ भागीदारी करके आईबी अधिकारियों के कौशल पुनर्निर्माण में भी सक्रिय रूप से शामिल है और व्यापार संबंधी कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन करता है जो संबंधों को विकसित करने और उन्हें मजबूत करने के लिए व्यापार निकायों और आईसीसी उपसमूहों के साथ समन्वय और संपर्क करने के अलावा निर्यातकों/नियामकों/उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं।
- आईबीडी ने ई-बीजी परियोजना भी शुरू की है, जो बैंक गारंटी के लिए संपूर्ण डिजिटल यात्रा है। इसे उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया गया है जहां एनईएसएल ई-बीजी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

8. विदेशी कार्यालयों में प्रौद्योगिकी पहल

आपके बैंक ने परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहक अधिग्रहण, प्रक्रिया स्वचालन और एएमएल-सीएफटी/ओएफएसी नियंत्रणों के साथ-साथ

प्रौद्योगिकी समाधानों (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग सहित) का लाभ उठाने की प्रक्रिया जारी रखी है। विदेशी कार्यालयों में की गई पहलों की कुछ मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

- खुदरा ऋण प्रबंधन के लिए स्वचालित आईटी प्रणाली का रोलआउट, पूरे ऋण लाइफ साइकल को कैप्चर करना- आवेदन, प्रसंस्करण, संस्वीकृति, संवितरण और स्वीकृति के बाद की निगरानी करना। खुदरा ऋण प्रक्रिया का स्वचालन प्रक्रियाओं को मानकीकृत करके और ग्राहकों को निर्बाध/समान अनुभव सुनिश्चित करके एक व्यापार गुणक के रूप में कार्य करेगा। यह टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) को नीचे लाने में भी मदद करेगा, और साथ ही, अनुपालन मानक और जोखिम प्रबंधन का सख्त पालन सुनिश्चित करेगा। आपके बैंक की खुदरा उपस्थिति के साथ सभी विदेशी भौगोलिक क्षेत्रों में रोल आउट की प्रक्रिया शुरू की गई है और इसे बाद में वित्त वर्ष 2024 के दौरान सभी भौगोलिक क्षेत्रों में पूरा किया जाएगा।
- योनो वर्तमान खुदरा ग्राहकों की सेवा के साथ-साथ नए ग्राहकों को जोड़ने के लिए डिजिटल धुरी बना हुआ है। ओमनी-चैनल अनुभव को अब वेब आधारित पोर्टल के साथ-साथ अपग्रेड के साथ

व्यापक बनाया गया है, जो मोबाइल बैंकिंग ऐप के समान है - कार्यक्षमता के साथ-साथ यूजर इंटरफेस / उपयोगकर्ता अनुभव दोनों के संदर्भ में। वर्ष के दौरान किए गए संवर्द्धन में योनो कैश, एटीएम कार्ड प्रबंधन, ऑनलाइन खाता खोलना और कई भौगोलिक क्षेत्रों में स्थानीय भुगतान प्रणालियों के साथ एकीकरण शामिल है, इस प्रकार ग्राहकों को आपको केवल एक चाहिए (यू ओनली नीड वन) - योनो का सहज अनुभव प्रदान करना शामिल है

डिजिटल धोखाधड़ी में उल्लेखनीय वृद्धि ग्राहकों के साथ-साथ आपके बैंक दोनों के लिए पर्याप्त जोखिम उत्पन्न करती है। आपका बैंक ग्राहकों के लिए प्रयुक्त/पेशकश की जा रही आईटी प्रणालियों की पूर्ण सुरक्षा और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आईटी सुरक्षा/साइबर सुरक्षा के उद्योग मानकों का पालन करने के अतिरिक्त, हमने एक मजबूत धोखाधड़ी निगरानी समाधान स्थापित करने की प्रक्रिया भी शुरू की है - विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक चैनलों के लिए जिनका उपयोग ग्राहकों द्वारा किया जा रहा है।



The banker to every Indian

कनाडा में आपके घर के नजदीक हुआ आपका भारतीय बैंक

अब आप एसबीआई कनाडा में ही अपना एसबीआई एनआरआई खाता खोल सकते हैं

- खाता खोलना एकदम आसान
- सरल प्रलेखन

सहायता के लिए कॉल करें 1-866-724-2669 (सोमवार से शुक्रवार प्रातः 9.30 बजे से सायं 5.00 बजे तक इंडीआई) अथवा onlinesupportsbicanada.com पर ईमेल करें



वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

आपके बैंक का सीसीजी वर्टिकल डायमंड शाखा जैसी विशिष्ट शाखाओं सहित मध्यम और बड़े आकार के कॉर्पोरेट की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करता है। सीसीजी वर्टिकल का नेतृत्व प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है और दो उप प्रबंध निदेशक, पांच मुख्य महाप्रबंधक, दस सीसीजी क्षेत्रीय कार्यालयों (सीसीजीआरओ) और महाप्रबंधक की अध्यक्षता वाली तीन प्रत्यक्ष शाखाओं द्वारा सहयोग किया जाता है। सीसीजी वर्टिकल 29 शहरों में मौजूद है, जिसमें 50 शाखाएं क्रेडिट विशेषज्ञों की टीम के साथ बड़े क्रेडिट प्रस्तावों को संसाधित करने और कॉर्पोरेट पारिस्थितिकी तंत्र को सेवा प्रदान करने, हरित वित्त और नए युग के व्यापार वित्तपोषण को बढ़ावा देने, संबंधित जोखिमों का प्रबंधन करने और विकास को बनाए रखने के लिए उपलब्ध है।

सीसीजी वर्टिकल के भीतर, मुख्य महाप्रबंधक को ग्रुप रिलेशनशिप नेतृत्वकर्ता के रूप में सौंपा गया है ताकि कवरेज की गुणवत्ता में सुधार हो और पूरे ग्रुप में ऋण और आय पर एकीकृत किया जा सके।

प्रमुख पहल

- **निर्यात ऋण वृद्धि:** बाहरी बैंचमार्क (टी-बिल दर) से जुड़ी ब्याज दरों को कार्यशील पूंजी ऋण (डब्ल्यूसीएल) और एनसी बिल डिस्काउंटिंग तक विस्तारित कर दिया गया है, जिससे शीर्ष रेटेड उधारकर्ताओं को उनकी उपलब्ध सीमाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रतिस्पर्धी बने रहने और महत्वपूर्ण निर्यात-संबंधित व्यवसायों को बुक करने के लिए, टी-बिल दर-लिंक्ड ब्याज दरों को रुपया निर्यात पैकिंग क्रेडिट सुविधाओं तक भी विस्तारित किया गया है।
- **निर्यातकों की बैठक:** आपके बैंक द्वारा प्रस्तावित निर्यातक-संबंधित बैंकिंग समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए देश भर में विभिन्न निर्यातक बैठकों का भी आयोजन कर रहा है।
- **टीआरआरएसीएस सॉफ्टवेयर:** आपके बैंक ने व्यापार विनियामक रिपोर्टिंग और अनुपालन समाधान (टीआरआरएसीएस) सॉफ्टवेयर कार्यान्वित किया है, जिससे ईडीपीएमएस (निर्यात डेटा निगरानी प्रणाली)/आईआरएम (आवक विप्रेषण संदेश)/ निर्यात अग्रिमों की प्रविष्टियों के बैकलॉग में उल्लेखनीय कमी आई है।
- **दीपक मूल्य निर्धारण:** मूल्य निर्धारण और ज्ञान पर डिजिटल इंटरफ़ेस (दीपक), एक मूल्य निर्धारण उपकरण आपके बैंक द्वारा कॉर्पोरेट ऋणों के डेटा-संचालित मूल्य निर्धारण की सुविधा हेतु परिचालन पदाधिकारियों और संस्वीकृति समितियों को उपलब्ध कराया गया है।

सीसीजी निष्पादन

स्तर	मार्च 2021	मार्च 2022	मार्च 2023	मार्च 2024
गैर-खाद्य अग्रिम	4,08,110	4,20,276	4,87,989	5,72,668
कासा जमा (%)	23.56%	24.91%	26.43%	27.76%
औसत व्यवसाय प्रति कर्मचारी	168.96	185.42	226.76	241
अन्य आय (औका वसूली से आय को छोड़कर)	3,163	3,819	3,900	4,112
पूर्व-टीपीएम परिचालन लाभ	32,623	29,113	32,916	41,268
नए ऋण ग्राहक जोड़े गए				
(i) ग्राहकों की संख्या	128	304	232	267
(ii) विव 2023 के दौरान स्वीकृत ऋण सीमा	59,965	75,552	49,101	84,008

सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी) में डायमंड ब्रांच खोलना

सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी), ड्रीम सिटी, सूरत में स्थित है, विशेष रूप से हीरा, रत्न और आभूषण उद्योग को बढ़ावा देता है। यह हीरा व्यापारियों और निर्माताओं के 4500 कार्यालयों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा हीरा

व्यापार केंद्र है। आपके बैंक ने हाल ही में एसडीबी में एक विशेषीकृत हीरा शाखा खोली है और विदेशी मुद्रा व्यापार को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा श्रेणी मबीफशाखा के रूप में प्राधिकृत है। एसडीबी में अपने कार्यालयों के साथ

हीरा, रत्न और आभूषण निर्माताओं और व्यापारियों के लिए समग्र सेवा केंद्र समाधान के रूप में, शाखा को धातु गोल्ड ऋण और सोने की बिक्री (थोक) के लिए नामित शाखा के रूप में भी अधिकृत किया गया है।

अन्य

- **प्रोजेक्ट कुबेर** को सीसीजी वर्टिकल के भीतर चालू खाता जमा और लेनदेन बैंकिंग उत्पादों के विपणन पर विशेष ध्यान देने के लिए आपके बैंक में लॉन्च किया गया है।
- **प्रोजेक्ट एक्सीड** आपके बैंक के कॉर्पोरेट बैंकिंग व्यवसाय (सीसीजी और सीएजी) को

- बदलने और आधुनिक बनाने और टीएटी में सुधार के लिए डिजिटलीकृत और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ आरएम को सशक्त बनाने के लिए शुरू किया जा रहा है।
- 31 मार्च 2024 तक सीसीजी के सकल अग्रिम स्तर में वर्षानुवर्ष आधार पर 14.27% वृद्धि

- हुई, जिसमें इन्फ्रा, एनबीएफसी, माइनिंग, सर्विसेज, सीआरई, पावर, केमिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के प्रमुख योगदान रहा।
- स्मार्ट मीटर निर्माण, डेटा सेंटर, पावर स्टोरेज और बैटरी आदि जैसे नए युग के उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

परियोजना वित्त और संरचना कार्यनीतिक व्यापार इकाई

आपके बैंक की परियोजना वित्त और संरचना कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई (पीएफ एंड एस एसबीयू) न्यूनतम परियोजना लागत पर एक निश्चित सीमा के साथ बड़ी परियोजनाओं के लिए धन के मूल्यांकन, संरचना और सिंडिकेशन से संबंधित है:

1. बुनियादी ढांचा क्षेत्र, जैसे बिजली, सड़क, बंदरगाह, रेलवे, हवाई अड्डे आदि।
2. रिफाइनरी, धातु, उर्वरक, सीमेंट, तेल और गैस, और कांच जैसे उद्योगों में गैर-बुनियादी ढांचा परियोजनाएं।

पीएफ एंड एस एसबीयू बड़े मीयादी ऋण प्रस्तावों की जांच करके अन्य वर्टिकल का भी सहयोग करता है। बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए नीति और नियामक ढांचे को मजबूत करने के लिए, यह केंद्र/राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और आरबीआई को उधारदाताओं के दृष्टिकोण से अवगत कराता है। यह विभिन्न हितधारकों द्वारा सामना किए जाने वाले मॉडल रियायत समझौतों और व्यापक बुनियादी ढांचे के वित्त मुद्दों जैसे मसौदा समझौतों और अनुबंधों पर इनपुट/सुझाव देता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि अनुमान किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सबसे अधिक हैं; इसके अगले कुछ वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन आर्थिक शक्तियों में से एक होने की उम्मीद है। भारत में आर्थिक विकास में बुनियादी ढांचा सबसे आगे है। सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में पूंजीगत व्यय के लिए बजटीय आवंटन को ₹10 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹11.11 लाख करोड़ कर दिया है।

भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिये विभिन्न पहलों की शुरुआत की है, जैसे कि 1.4 ट्रिलियन अमरीकी डालर के लक्षित निवेश के साथ राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), राष्ट्रीय मुद्राीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) और प्रदर्शन से जुड़ी योजनाएं (पीएलआई)। बृहद और संवहनीय स्तर पर बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की आवश्यकता के परिणामस्वरूप नई परियोजनाएं सामने आई हैं, विशेष रूप से नवीकरणीय, सड़क, शहर गैस वितरण आदि जैसे क्षेत्रों में।

सरकार द्वारा नियोजित विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए धन की आवश्यकता है, जैसे कि

2025 तक 2 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का निर्माण, 2025 तक हवाई अड्डों की संख्या बढ़ाकर 220 करना और 35 मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्कों का विकास। एसबीआई समूह के भीतर उपलब्ध विशाल संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, पीएफ एंड एस एसबीयू सभी क्षेत्रों में किसी भी परियोजना के आकार के लिए परियोजना वित्तपोषण से संबंधित सेवाओं - फंडिंग और ऑफ-बैलेंस शीट आइटम की संपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।

आपका बैंक व्यावसायिक अवसरों का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त करने और ग्राहकों, उद्योग, सरकारी मंत्रालयों और विशिष्ट विपणन प्रयासों द्वारा समर्थित प्राधिकरणों के साथ प्रभावी जुड़ाव के आधार पर परियोजना ऋण देने के स्थान में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन

दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह (एसएआरजी) आपके बैंक के सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों में शामिल है। दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान एसएआरजी द्वारा आपके बैंक के लिए निम्नलिखित अप्रकट आय सृजित करने के अवसर प्रस्तुत करता है:

- एनपीए और तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाले गए खातों (औका) में नकद वसूली
- ऋण हानि प्रावधानों में कमी
- आपके बैंक के मुनाफे में योगदान
- क्रेडिट वृद्धि के लिए उधार देने योग्य धन को अनलॉक करना

पिछले छह वित्तीय वर्षों के दौरान बैंक में एनपीए का उतार-चढ़ाव और बट्टे खाते में डाले गए खातों में वसूली:

विवरण	विव 2019	विव 2020	विव 2021	विव 2022	विव 2023	विव 2024
सकल एनपीए	1,72,750	1,49,092	1,26,389	1,12,023	90,928	84,276
सकल एनपीए %	7.53%	6.15%	4.98%	3.97%	2.78%	2.24%
निवल एनपीए	65,895	51,871	36,810	27,966	21,467	21,051
निवल एनपीए %	3.01%	2.23%	1.50%	1.02%	0.67%	0.57%
नवीन स्लिपेज + ओ / एस में वृद्धि	39,740	54,510	29,332	26,776	19,223	20,982
नकद वसूली/उपग्रह	31,512	25,781	17,632	21,437	16,258	11,472
बट्टे खाते में डालना	58,905	52,387	34,403	19,705	24,061	16,161
औका वसूली	8,345	9,250	10,297	7,782	7,097	6,934
पीसीआर	78.73%	83.62%	87.75%	90.20%	91.91%	91.89%

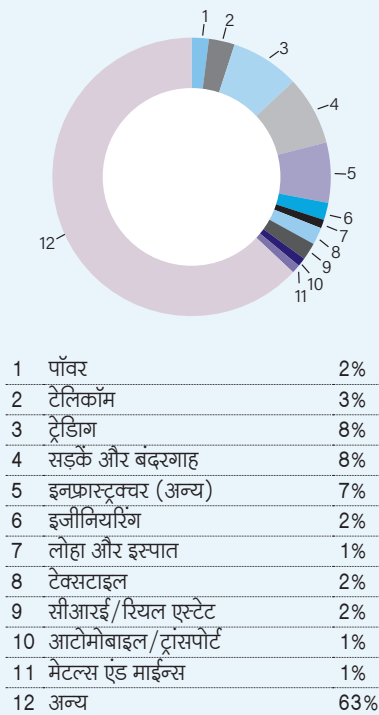
लगातार वसूली के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में एनपीए के वर्तमान स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है:

- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) 2016 ने बैंक को दबावग्रस्त परिसंपत्तियों से निपटने के लिए एक समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी तंत्र प्रदान किया है। संहिता के अंतर्गत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) को संदर्भित कुछ उच्च मूल्य वाले एनपीए खातों में समाधान प्राप्त किया गया है। एनसीएलटी को भेजे गए मामलों की निगरानी एसएआरजी में विशेष टीमों द्वारा भी की जाती है। 31 दिसंबर, 2023 तक कुल 1156 मामले (संपूर्ण बैंक) एनसीएलटी को भेजे गए थे, जिनमें से 951 मामले स्वीकार किए गए हैं और 245 मामलों का समाधान किया गया है।
- समस्यामूलक ऋणों की वसूली के लिए सभी पात्र मामलों में समझौता निपटान की भी पेशकश की जाती है। बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित एकबारगी निपटान (ओटीएस) योजना, जो गैर-विवेकाधीन और गैर-भेदभावपूर्ण है, समय-समय पर वसूली/समाधान के लिए पात्र उधारकर्ताओं को भी प्रदान की जाती है।
- आरबीआई द्वारा उच्च मूल्य वाली तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचे ने इन खातों के समयबद्ध समाधान (एनसीएलटी प्रक्रिया के बाहर) के लिए एक अवसर प्रदान किया है। आपका बैंक सभी पात्र मामलों में इस विकल्प की खोज कर रहा है।
- नकद और/या प्रतिभूति प्राप्ति (एसआर) आधार पर आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) को परिसंपत्तियों की बिक्री की देखरेख के लिए एक समूह का गठन किया गया है।
- गैर-एनसीएलटी मामलों में, सरफेसी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई और डीआरटी और न्यायालयों में मुकदमा दायर करने के माध्यम से वसूली की संभावना देखी जाती है। गिरवी संपत्तियों की बिक्री आईबीए के तत्वावधान में एक सामान्य ई-नीलामी प्लेटफॉर्म <https://ibapi.in> ('ई-बीक्रेय' - इंडियन बैंक्स ऑक्शन प्रॉपर्टीज इंफॉर्मेशन) के माध्यम से की जाती है।

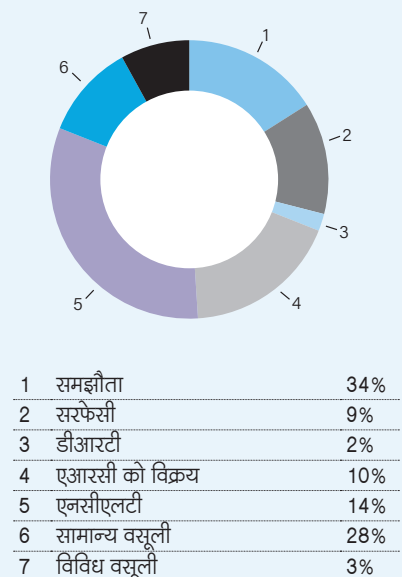
क्षेत्र-विशिष्ट लक्षित दृष्टिकोण

- एसएआरजी एक क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण के माध्यम से एनपीए के समाधान को प्राथमिकता देने पर केंद्रित है। वर्तमान में, एसएआरजी का नेतृत्व उप प्रबंध निदेशक करते हैं, जिन्हें मुख्य महाप्रबंधक सहयोग करते हैं, जो सेक्टर-वार पोर्टफोलियो, एसएआरजी शाखाओं में एनपीए पोर्टफोलियो और परिसमापन के अंतर्गत खातों की देखरेख करते हैं।
- 1 अगस्त, 2022 को हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली में चार (4) एसएम क्षेत्रीय कार्यालयों (एसएमआरओ) के गठन के साथ, एसएआरजी देश के पूरे भौगोलिक क्षेत्र को कवर करता है। देश भर में 16 दबावग्रस्त संपत्ति प्रबंधन शाखाएं (एसएमबी) और 48 तनावग्रस्त संपत्ति वसूली शाखाएं (एसएआरबी) आपके बैंक के एनपीए का 48.67% और आपके बैंक के 86.38% एयूसी खातों का संचालन कर रही हैं।

एनपीए पोर्टफोलियो का उद्योगवार वितरण (31.03.2024 की स्थिति के अनुसार)



विभिन्न तरीकों (एनपीए+एयूसीए) के माध्यम से की गई वसूली (करोड़ रुपये में) और कुल वसूली में प्रतिशत हिस्सेदारी (31.03.2024)



एनपीए पोर्टफोलियो का उद्योगवार वितरण विव24 (31.12.2024 तक)

प्रमुख एनपीए खाते ऊर्जा, टेलीकॉम, ट्रेडिंग, सड़क एवं पतन, बुनियादी संरचना(अन्य) आदि जैसे क्षेत्रों से हैं। उपर्युक्त के अतिरिक्त, सकल एनपीए का शेष भाग कृषि/वैयक्तिक/एमएसएमई से है। कृषि खंड और वैयक्तिक खंड से जीएनपीए (कुल जीएनपीए का क्रमशः 34% और 11%) भी ऊपर दिखाए गए पाई चार्ट में दूसरों का हिस्सा भी है।

दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए नवाचार

आईबीसी के अंतर्गत समाधान एक बाजार-उन्मुख तंत्र है जहां किसी विशेष दबावग्रस्त कॉर्पोरेट देनदार के लिए प्रतिस्पर्धी बोलीदाता बेहतर मूल्यांकन और उच्च वसूली का प्रयास करते हैं।

एनएआरसीएल को पात्र परिसंपत्तियों के हस्तांतरण की निगरानी एसएआरजी द्वारा भी की जा रही है और पहचान की गई परिसंपत्तियों के सुचारु हस्तांतरण (माइग्रेशन) को सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित समर्थक उपलब्ध हैं।

दबावग्रस्त लेखों के त्वरित समाधान के लिए किए गए विधिक संसाधनों की निगरानी करने के लिए लिटमास (मुकदमा प्रबंधन प्रणाली) सहित मजबूत आईटी पहलें शुरू की गई हैं। यह प्रक्रिया की पारदर्शिता और दक्षता को और मजबूत करेगा। बेहतर निगरानी और प्रचालनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विलफुल डिफॉल्ट परीक्षा प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए विलफुल डिफॉल्ट मैनेजमेंट सिस्टम (डब्ल्यूडीएमएस) एप्लीकेशन भी विकसित किया गया है।

पुनर्रचना स्टूडियो

1. वित्त वर्ष 2023 के दौरान शाखाएं एवं खुदरा आस्ति केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र (आरएसीपीसी) खोलना:

- विव2024 के दौरान कुल 137 ब्रिक एंड मोर्टार ब्रांच खोली गई हैं
- चालू वित्तीय वर्ष के दौरान वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आबंटित बैंक रहित ग्रामीण केन्द्र में 32 शाखाएं खोली गई हैं।
- विव2024 के दौरान खोले गए आरएसीपीसी/आरएसीसी की संख्या 73 है।

मेट्रो	शहरी	अर्द्ध-शहरी	ग्रामीण	योग
18	27	33	59	137

2. आईएफआरडीएस 2.0 (ब्याज और विदेशी मुद्रा दर डिस्प्ले सिस्टम)

- आईएफआरडीएस पोर्टल को 2020 में सभी शाखाओं में ब्याज दरों के प्रदर्शन के लिए एक उपयोगिता पोर्टल के रूप में इन-हाउस विकसित किया गया था। प्रणाली की एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए बीआरएनडबल्यूएम, कॉर्पोरेट केंद्र द्वारा केंद्रीय रूप से नियंत्रित और मॉनिटर किया जाता है।
- ब्याज और विदेशी मुद्रा दरें सभी शाखाओं में इंटरनेट के माध्यम से जुड़े टेलीविजन स्क्रीन/पीसी मॉनिटर पर प्रदर्शित की जाती हैं।
- दरें अब हिंदी और अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रदर्शित की जाती हैं।

3. कलर कोडिंग कॉन्सेप्ट (उच्च क्षमता वाली शाखाओं का लाभ उठाना) डैशबोर्ड का उद्घाटन अध्यक्ष द्वारा 26.10.2023 को किया गया

- व्यवसाय, दक्षता, अनुपालन, ग्राहक सेवा आदि जैसे विभिन्न मापदंडों के तहत प्रदर्शन के आधार पर शाखाओं को अलग-अलग समूहों में विभाजित करना।
- शाखाओं को व्यापार लक्ष्यों की निरंतर उपलब्धि, लंबे समय से उच्च मूल्य संबंधों, ऑडिट रेटिंग, उच्च बाजार हिस्सेदारी के आधार पर डायमंड, एमराल्ड और पर्ल के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसके बाद शाखाओं को व्यावसायिक क्षमता का लाभ उठाने की क्षमता के आधार पर कलर-कोड किया जाएगा।
- विभिन्न प्रकार की शाखाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए समूह-आधारित रैंकिंग और पृथक्करण किया जाता है। वर्गीकरण के लिए पांच वर्ष से अधिक पुरानी शाखाओं पर विचार किया जाता है, जिससे यह व्यावसायिक रणनीतियों को तैयार करने, बाजार की क्षमता बढ़ाने और उचित संसाधन आबंटन के लिए एक प्रभावी उपकरण बन जाता है।

4. दिव्यांगजनों के लिए सुलभता

- मार्च 24 तक आपके बैंक की 91.64% शाखाओं को दिव्यांगजनों के लिए सुगम बनाया गया है।

- 87.78% शाखाएं रैंप के माध्यम से पहुंच योग्य हैं, 3.86% शाखाएं पोर्टेबल रैंप, भूतल पर सेवाओं के प्रावधान के साथ-साथ एटीएम में जगह जैसे वैकल्पिक समाधानों के माध्यम से पहुंच योग्य हैं।
- दिव्यांगजनों के लिए एक अतिरिक्त उपाय के रूप में एक महीने में तीन मुफ्त लेनदेन के साथ डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं
- उन शाखाओं में व्हीलचेयर की उपलब्धता जहां दिव्यांगजन ग्राहक पंजीकृत हैं।

5. विव2024 के दौरान प्रीमियम और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों का नया स्वरूप

- डिजिटल पेशकश प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ आईआईटी, आईआईएम, एम्स आदि जैसे प्रमुख और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों का नया स्वरूप
- देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एम्स, आईआईआईटी, एनआईटी, मेडिकल संस्थानों, आईएसबी, एक्सएलआरआई आदि की 307 शाखाओं की पहचान की गई है, जहां खाता खोलने के लिए टैब और आईएनबी कियोस्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

6. पहली बार सही (एफटीआर) दृष्टिकोण

- खाता खोलने की प्रक्रिया में, आपके बैंक ने खातों को शीघ्र सक्रिय करने के लिए पहली बार सही दृष्टिकोण अपनाया है। इसने बार-बार होने वाले सुधारों और अनुवर्ती कार्रवाई से बचकर संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित किया है।
- नियमित निगरानी के साथ, व्यक्तिगत खातों के मामले में अस्वीकृतियाँ 2% से कम और गैर-व्यक्तिगत खातों के मामले में 5% से कम हो गई हैं। परिणामस्वरूप, व्यक्तिगत और गैर-व्यक्तिगत दोनों खातों के लिए ग्राहक खाता सक्रियण का औसत टीएटी 1 दिन से भी कम हो गया है।

7. प्रक्रिया युक्तिकरण और स्वचालन

- देयता केंद्रीकृत प्रसंस्करण प्रकोष्ठों (डउइजी) में मौजूदा प्रक्रियाओं को बाधाओं को दूर करने, प्रौद्योगिकी आधारित सक्षमकर्ता प्रदान करने, उत्पादकता में सुधार करने, प्रभावी टीएटी को कम

करने और नियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये नया स्वरूप दिया गया है। आपके बैंक ने एलसीपीसी में प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहल की हैं।

- तकनीकी विफलता/अस्वीकृति से बचने के लिए सीकेवाईसी आवेदन में अग्रिम सत्यापन
- ग्राहकों की सीकेवाईसी नंबर उपलब्धता की जांच करने के लिए अग्रिम सीकेवाईसी खोज सुविधा
- सीकेवाईसी रिटर्न हैंडलिंग का स्वचालन। लगभग 85 लाख रिकॉर्ड सीईआरएसआई द्वारा सुझाव/संभावित मिलान के रूप में लौटाए गए हैं, जिनमें से लगभग 68 लाख स्वचालित रूप से अपडेट किए गए थे।

8. डिजी वॉल्ट एप्लीकेशन

- डिजी वॉल्ट ग्राहक ऋण दस्तावेजों के डिजिटलीकरण और आंतरिक लेखा परीक्षकों और अन्य इच्छित उपयोगकर्ताओं के अवलोकन पहुंच प्रदान करने के लिए ग्राहक दस्तावेजों को संग्रहित करने वाले विभिन्न अनुप्रयोगों के इंटीग्रेशन की परिकल्पना करता है। आपके बैंक ने आवेदन के सभी तीन चरण यानी ऋण दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा, खाता खोलने के फॉर्म (एओएफ) का इंटीग्रेशन, आवास ऋण दस्तावेज और ऋण प्रसंस्करण दस्तावेज पूरे कर लिए हैं।
- एप्लीकेशन लेखा परीक्षकों को दूरस्थ दस्तावेज पहुंच प्रदान कर ऑफ-साइट ऑडिट की सुविधा सुलभ कराकर आपके बैंक की लागत को कम करने में मदद करता है और ऑडिट प्रक्रिया को तेज करने में भी मदद करता है।

सहयोग तथा नियंत्रण परिचालन

मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण

आपके बैंक का मानना है कि कर्मचारियों में निवेश करने से अंततः एक मजबूत, प्रभावी और अधिक उपयोगी कार्यबल तैयार होगा। प्रतिबद्ध और प्रेरित मानव पूंजी यह सुनिश्चित करने की मुख्य ताकत है कि आपका बैंक साल दर साल उच्च व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपनी विरासत को बनाए रखे।

आपका बैंक सदैव कर्मचारी मूल्य प्रस्ताव में सुधार करने की आकांक्षा रखता है और संगठन में दक्षता,

पारदर्शिता बढ़ाने और सहभागी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्यबल की लगातार बदलती आकांक्षाओं के साथ अपनी रणनीतियों को संरेखित करने के महत्व को पहचानता है।

31.03.2024 को आपके बैंक का संक्षिप्त मानव संसाधन प्रोफाइल निम्नानुसार है:

श्रेणी	31.03.2023	31.03.2024
अधिकारी	1,09,259	1,10,116
सहयोगी	94,977	92,514
अधीनस्थ कर्मचारी	31,622	29,666
एवं अन्य		
योग	2,35,858	2,32,296

उत्पादकता बढ़ाने की पहल

आपके बैंक ने एक कर्मचारी सहभागिता सर्वेक्षण 'अभ्युदय' आयोजित किया है। यह पहल आपके बैंक के परिवर्तनकारी भारत के लिए पसंदीदा बैंक बनने के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम थी। सर्वेक्षण को 95% से अधिक पात्र कर्मचारियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1.89 लाख से अधिक कर्मचारियों ने अपनी राय दी। सर्वेक्षण के परिणामों ने हमें बैंक के प्रदर्शन, संस्कृति, संबंधों, प्रक्रियाओं और नीतियों पर हमारे कर्मचारियों के दृष्टिकोण में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान की है।

आपके बैंक ने मानव पूंजी की विविध जरूरतों को पूरा करने और वेब और मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को निर्बाध डिजिटल मोड में मानव संसाधन सेवाएं प्रदान करने के लिए एक नई पीढ़ी और भविष्य के लिए तैयार क्लाउड-आधारित मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) एचआरएमएस एसएएस समाधान लॉन्च किया है। नया एचआरएमएस समाधान नवीनतम तकनीक, एआई, एमएल और आंतरिक सोशल नेटवर्क से लैस है और आपके बैंक को उन्नत सुरक्षा ढांचे के साथ विभिन्न प्रक्रियाओं के स्वचालन द्वारा एचआरएमएस प्रक्रियाओं की परिचालन दक्षता बढ़ाने में सक्षम करेगा।

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने वाले बड़े पदचिह्न और विविध भूमिकाओं वाले बैंक के लिए, ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विशेष कौशल विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। गहन डोमेन ज्ञान सुनिश्चित करने और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए, आपके बैंक

ने जॉब फैमिली अवधारणा के माध्यम से स्केल- II से V तक के अपने अधिकारियों के लिए कैरियर पथ परिभाषित किए हैं। यह बैंकिंग क्षेत्र में गहरी विशेषज्ञता को सक्षम बनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि इन कौशलों के पर्याप्त अनुभव वाले कर्मचारी हमारे सम्मानित ग्राहकों को सर्वोत्तम श्रेणी की सेवाएं प्रदान करें।

आपके बैंक ने वरिष्ठ नेतृत्व में महत्वपूर्ण पदों पर उत्तराधिकार के लिए पाइपलाइन में पर्याप्त प्रतिभा सुनिश्चित करने के लिए नौकरी में सेवारत परिवारों को उत्तराधिकार योजना के साथ जोड़ा है। प्रक्रिया का मुख्य परिणाम प्रतिभा की पहचान, विकास और प्रशिक्षण करना है ताकि किसी भी उत्तराधिकार जोखिम को व्यापार निरंतरता के लिए बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सके।

आपका बैंक जनशक्ति नियोजन के लिए शाखा जनशक्ति मॉडल अपनाता है और मानव संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करता है। यह मॉडल शाखाओं में उत्पादकता मानकों जैसे परिचालन के चिन्हित कार्य-चालक, लेनदेन भार कारक, अग्रिम खरातों की संख्या, परिचालन इकाइयों से प्रतिक्रिया और संगठनात्मक संरचना आदि पर आधारित है।

आपके बैंक ने अपनी पदोन्नति और स्थानांतरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है, और ये अब वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में पूरी हो गई हैं। यह वर्ष के अधिकांश भाग के दौरान शाखाओं और अन्य इकाइयों को व्यावसायिक गतिविधियों पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिए आवश्यक आश्वासन और स्थिरता प्रदान करता है।

निष्पादन प्रबंधन प्रणाली

आपके बैंक के पास कर्मचारियों के प्रदर्शन के पारदर्शी, उद्देश्यपूर्ण और विश्वसनीय डेटा-समर्थित प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक सुदृढ़ कैरियर विकास प्रणाली (सीडीएस) है। प्रणाली निष्पक्षता, व्यावसायिक अभिविन्यास, प्रदर्शन दृश्यता और व्यक्तिगत और संगठनात्मक लक्ष्यों के बीच बेहतर संरेखण सुनिश्चित करती है। प्रदर्शन मूल्यांकन के परिणाम का उपयोग प्रदर्शन में सुधार सुनिश्चित करने के लिए पदोन्नति, प्रोत्साहन, पोस्टिंग और एक्सपोजर जैसी सभी प्रमुख प्रक्रियाओं में किया जाता है।

आपका बैंक वार्षिक अंतराल पर कैरियर विकास प्रणाली से संबंधित नीति और प्रक्रिया की समीक्षा करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी मानव संसाधन पद्धतियां सर्वोत्तम उद्योग पद्धतियों के अनुरूप रहें। इस दिशा में, आपके बैंक ने टीम भावना और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए टीम प्रदर्शन कुंजी परिणाम क्षेत्र (केआरए) में प्रदर्शन को बढ़ाने में कर्मचारियों की मदद करने के लिए प्रदर्शन सुधार योजना की अवधारणा पेश की है। संगठनात्मक लक्ष्यों और नेट प्रमोटर स्कोर-आधारित केआरए के साथ व्यक्तिगत केआरए को संरेखित करने के लिए केआरए ग्रुपिंग अवधारणाओं को भी पेश किया गया है।

आपका बैंक समग्र प्रदर्शन मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठ डेटा-संचालित मूल्यांकन की हिस्सेदारी बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, कैरियर विकास प्रणाली के अंतर्गत कवर किए गए कुल कर्मचारियों के 89% का मूल्यांकन आंकड़ों आधारित उद्देश्य केआरए के आधार पर किया जा रहा है। उद्देश्य केआरए को शीर्ष स्तर तक के सभी श्रेणी के कर्मचारियों यानी उप प्रबंध निदेशकों के लिए मैप किया जाता है।

भर्ती

आपके बैंक की भर्ती कार्यनीति बैंकिंग में विकसित परिदृश्य के अनुरूप बनाई गई है। इसमें आमतौर पर नौकरी पोस्टिंग और सोशल मीडिया भर्ती जैसी आधुनिक तकनीकों और नौकरी पोर्टलों का लाभ उठाने जैसी पारंपरिक तरीकों का मिश्रण शामिल होता है ताकि सही कौशल सेट के साथ प्रतिभा को आकर्षित किया जा सके और आपके बैंक के दृष्टिकोण, मिशन और मूल्यों के साथ संरेखित किया जा सके।

एक मजबूत कैरियर उन्नति नीति के साथ उद्योग में सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र बैंक होने के नाते, बाजार से शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करना आपके बैंक के लिए कोई चुनौती नहीं है। अपनी भर्ती प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, आपका बैंक व्यापक रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर उम्मीदवारों के व्यापक समूह तक पहुंचता है। विज्ञापन जॉब पोर्टल्स और हमारे सोशल मीडिया हैंडल पर प्रकाशित किए जाते हैं। नियुक्ति प्रक्रिया में सोशल और डिजिटल मीडिया का उपयोग करने से आपका बैंक तकनीक-प्रेमी इच्छुक उम्मीदवारों के एक बड़े समूह तक पहुंचने में सफल हो गया है।

आपके बैंक ने प्रवेश स्तर के पदों के लिए परिवीक्षाधीन अधिकारियों, सर्कल आधारित अधिकारियों और जूनियर एसोसिएट्स की भर्ती की है। आपका बैंक तेजी से बदलते व्यापार परिदृश्य की मांगों और नियामक आवश्यकता को पूरा करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना सुरक्षा, जोखिम, ऋण और विपणन में पार्श्व और अनुबंध के आधार पर सक्रिय रूप से विशिष्ट प्रतिभा की भर्ती कर रहा है।

लैंगिक विविधता

लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशिता हमेशा आपके बैंक की मानव संसाधन नीति की आधारशिला रही है।

31.03.2024 तक कुल कार्यबल में से महिलाओं का प्रतिनिधित्व **27%** है। महिला कर्मचारी सभी भौगोलिक क्षेत्रों और पदानुक्रम के स्तरों पर कार्यरत हैं।

आरक्षण और समान अवसर

आपका बैंक एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी के लिए आरक्षण नीति पर भारत सरकार के निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करता है। आपके बैंक

में अपने कार्यबल के सभी संवर्गों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) का प्रतिनिधित्व है। आपके बैंक ने भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार 1 फरवरी 2019 से सीधी भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया है। इसी प्रकार, ग्रुप-ए में सबसे निचले पायदान तक यानी जेएमजीएस-1 तक पीडब्ल्यूबीडी के लिए पदोन्नति में आरक्षण 17.05.2022 से लागू किया गया है।

कॉर्पोरेट केंद्र के साथ-साथ आपके बैंक के सभी 17 स्थानीय प्रधान कार्यालयों में मानव संसाधन विभाग के तहत आरक्षण कक्ष स्थापित किए गए हैं। कॉर्पोरेट सेंटर में, महाप्रबंधक बैंक के दो उच्च रैंकिंग अधिकारियों को एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी और ओबीसी के लिए मुख्य संपर्क अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। सभी 17 मंडलों में त्रैमासिक संरचित/कोर समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए एक मान्यता प्राप्त भारतीय स्टेट बैंक एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ (सेवा) है।

आपका बैंक अपने मुख्य संपर्क अधिकारी (सीएलओ), संपर्क अधिकारी (एलओ) और मानव संसाधन अधिकारियों के लिए सालाना भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है। आपके बैंक ने त्वरित निवारण और बेहतर निगरानी के लिए एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूबीडी कर्मचारियों की शिकायतें दर्ज करने के लिए एक पोर्टल भी बनाया है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अजा/अजजा/अपिव उम्मीदवारों के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण निम्नानुसार आयोजित किया गया था।

भर्ती पूर्व प्रशिक्षण	संख्या
अधिकारी	1,87,712
लिपिक	2,69,238

औद्योगिक संबंध और कर्मचारी कल्याण

आपका बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के संघों के साथ आवधिक समन्वय बैठकों के माध्यम से प्रबंधन और कर्मचारी प्रतिनिधियों के बीच खुले संचार चैनलों को बढ़ावा देकर स्वस्थ औद्योगिक संबंधों को बनाए रखने पर महत्वपूर्ण जोर देता है। पारदर्शिता और समावेशिता को प्रोत्साहित कर, आपका बैंक विश्वास



और सहयोग की संस्कृति विकसित करता है, जो सामंजस्यपूर्ण औद्योगिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

आपके बैंक ने अपनी औद्योगिक संबंध कार्यनीति की आधारशिला के रूप में श्रम कानूनों एवं विनियमों के अनुपालन को प्राथमिकता दी है। रोजगार प्रथाओं को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे का सावधानीपूर्वक पालन कर, आपका बैंक कानूनी विवादों और दंड के जोखिम को कम करता है। अनुपालन के प्रति यह प्रतिबद्धता न केवल आपके बैंक की प्रतिष्ठा की रक्षा करती है बल्कि हितधारकों के बीच विश्वास और स्थिरता को भी बढ़ावा देती है, जिससे उत्पादकता और संगठनात्मक लचीलापन बढ़ता है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की देखभाल और सहायता

आपका बैंक अपने पूर्व कर्मचारियों के योगदान को मान्यता देता है, जिनकी आजीवन समर्पित सेवाओं ने आपके बैंक को इस मुकाम पर पहुंचाया। आपके बैंक ने अपने एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से सेवानिवृत्ति से पहले और सेवानिवृत्ति के बाद के विभिन्न लाभों और प्रक्रियाओं के स्वचालन और सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट एसबीआई केयर्स' शुरू किया गया।

पात्र सेवानिवृत्त लोगों के लिए आपके बैंक की ई-फार्मों सी योजना बिना किसी डिलीवरी शुल्क के बहुत ही आकर्षक कीमत पर दवा की डोरस्टेप डिलीवरी प्रदान करती है। पॉलिसी वर्ष 2024-25 से शुरू होकर, सेवानिवृत्त लोग पैनलबद्ध विक्रेताओं की सूची से अपने पसंदीदा ई-फार्मों की विक्रेता का चयन कर सकते हैं।

एसबीआई के सेवानिवृत्त लोगों के पास अब एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन मोड में आपके बैंक की मेडिकल पॉलिसियों की सदस्यता लेने का विकल्प है, जिससे शाखा में जाने, प्रीमियम भुगतान के लिए कतार में लगने आदि की परेशानी से बचा जा सके।

सेवानिवृत्त लोगों के पास एचआरएमएस पोर्टल से अपना पेंशनर आईडी कार्ड डाउनलोड करने का विकल्प भी है। पेंशनभोगी आईडी कार्ड का प्रारूप अब सभी सर्किलों में एक समान है और एक क्यूआर कोड के साथ आता है जिसमें सेवानिवृत्त व्यक्ति का विवरण होता है।

आपके बैंक ने 'प्रोजेक्ट एसबीआई केयर्स' के अंतर्गत आपके बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंग दान का विकल्प चुनने का विकल्प भी प्रदान किया है।

प्रशिक्षण और विकास

एक संगठन-व्यापी शिक्षण संस्कृति विकसित करना

प्रचलित बैंकिंग वातावरण तकनीकी प्रगति और उभरते बाजार की गतिशीलता से चिह्नित है, जिसने बैंकों के लिए पारंपरिक मॉडल से आगे निकलकर ऐसी संस्कृति को अपनाना अनिवार्य बना दिया है जो सीखने को महत्व देती है और प्राथमिकता देती है। सीखने की संस्कृति केवल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला नहीं है, बल्कि ज्ञान वृद्धि के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण है जो बैंक के हर पहलू में व्याप्त है।

हमारे कर्मचारियों में सीखने की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान हमारे 6 शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) और 51 स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एसबीआईएलडी) के सुदृढ़ चैनल द्वारा शुरू किए गए प्रशिक्षण पहल निम्नानुसार हैं:-

दक्ष कार्यबल विकसित करने के लिए दक्षताओं और कौशल को आकार देना

आपका बैंक कक्षा प्रशिक्षण और वेबिनार जैसे विभिन्न शिक्षण मोड के माध्यम से लगभग 1.57 लाख कर्मचारियों तक पहुंचने में सक्षम रहा। आपके बैंक ने ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और उभरती व्यावसायिक चुनौतियों को पूरा करने के लिए कार्यबल का कौशल बढ़ाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए:

नई भर्तियों की क्षमताओं का सृजन: नए रंगरूटों के लिए हमारे नियमित ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण के अलावा, पीओ / टीओ के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) को दो सप्ताह तक बढ़ा दिया गया था। इससे उन्हें एक बैंकर के चुनौतीपूर्ण जीवन के बारे में सीखने और वास्तविक जीवन की अंतर्दृष्टि प्रदान करने और उनके लचीलेपन और सहनशक्ति को बढ़ाने, टीम वर्क, कार्य प्रतिनिधिमंडल, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने के बारे में सीखने में मदद मिली। विव2023-24 में, कुल 14,199 (परिवीक्षाधीन अधिकारियों, प्रशिक्षु अधिकारियों, मंडल-आधारित

अधिकारियों और जूनियर एसोसिएट्स सहित) को ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण के तहत कवर किया गया और 6487 कर्मचारियों ने मूल्यांकन परीक्षा दी।

परिशुद्धता प्रशिक्षण: वित्तीय वर्ष 2022-23 में शुरू किया गया, परिशुद्धता प्रशिक्षण के तहत पहली बार और महत्वपूर्ण भूमिका धारकों के लिए विशेष प्रशिक्षण वित्तीय वर्ष 2023-24 में जारी रहा, जिसमें विभिन्न भूमिकाओं में लगभग 7,500+ अधिकारी शामिल थे। इनमें से कुछ प्रशिक्षणों पर नीचे प्रकाश डाला गया है:

अ. समन्वय (पहली बार क्षेत्रीय प्रबंधक) और पहली बार बने शाखा प्रबंधकों को प्रशिक्षण: उच्च उपयोगकर्ता स्वीकार्यता और आकर्षक प्रशिक्षण प्रतिसाद के कारण, पहली बार बने क्षेत्रीय प्रबंधक और पहली बार बने शाखा प्रबंधक हेतु दो प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थात समन्वय प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाना सुनिश्चित किया गया।

आ. पहली बार बने सेवा प्रबंधक: न केवल व्यवसाय को संगठित करने और शाखा में अच्छी हाउसकीपिंग बनाए रखने के लिए बल्कि मजबूत ग्राहक संबंध विकसित करने के लिए प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में माना जाता है, सेवा प्रबंधकों के लिए एक व्यापक कार्यक्रम शुरू किया गया था ताकि उन्हें अपेक्षित ज्ञान और कौशल सेट के साथ सशक्त बनाया जा सके जो उन्हें गेम चेंजर्स के रूप में उभरने में सक्षम बनाएगा।

इ. मंडल के मुख्य प्रबंधक(मा.सं.) और प्रबंधक (मा.सं.) के लिए कार्यक्रम: जमीनी स्तर पर कार्यरत आपके बैंक के मंडल मा.सं. पदाधिकारियों के लिए एक 3-दिवसीय कार्यक्रम शुरू किया गया था ताकि वे अपने कर्तव्यों का कुशल तरीके से निर्वहन करने और अपनी भूमिका से संबंधित विभिन्न कार्यात्मक पहलुओं की आवश्यक वैचारिक स्पष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता विकसित कर सकें।

मिड-कैरियर प्रमाणन का संस्थागतकरण: विव 2023 में शुरू इस सीवीसी-अनिवार्य कार्यक्रम को मौजूदा कार्यक्रम संरचना में सुधार कर और सभी एसएमजीएस - V और IV अधिकारियों को कवर करने के लिए विव2026-27 तक एक रोडमैप तैयार कर विव2023-24 में संस्थागत बनाया गया था। विव2023-24 में, 2300+ एसएमजीएस -V अधिकारियों ने मिड-कैरियर प्रशिक्षण पूरा किया।

जेआईबीओ और आईबीओ के लिए ओरिएंटेशन

कार्यक्रम: कनिष्ठ और मध्यम प्रबंधन अधिकारियों को विदेशों में प्रक्रियाओं/विनियमों से परिचित कराने और उन्हें वैश्विक मंच पर बैंक का ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए तैयार करने के लिए विदेश में तैनात किए जाने के लिए प्रस्तावित दो सप्ताह का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उभरता नेतृत्व विकास कार्यक्रम: वित्तीय सेवा क्षेत्र में परिवर्तन के कारण उनके सामने आने वाली विविध चुनौतियों से निपटने के लिए नव पदोन्नत उमप्र (204 उमप्र) को उपयुक्त रूप से प्रशिक्षित करने के लिए आईआईएम इंदौर में 'उभरते नेतृत्व विकास' पर पांच दिवसीय कक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डिजिटल नेतृत्व कार्यक्रम: सीजीएम, जीएम और डीजीएम (कुल 412 अधिकारियों) के लिए डिजिटल लीडरशिप प्रोग्राम आईएसबी मोहाली और हैदराबाद में आयोजित किया गया था ताकि लगातार बदलती नियामक अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, प्रौद्योगिकी के विघटनकारी प्रभाव को नेविगेट किया जा सके और बैंकिंग क्षेत्र के भीतर बढ़ती जटिलताओं, विशेषज्ञता और विविधीकरण से निपटा जा सके।

निदेशक विकास कार्यक्रम: वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने आईबीए और अन्य हितधारकों के सहयोग से एक निदेशक विकास कार्यक्रम (डीडीपी) 2023 को डिजाइन और लॉन्च किया था। मेसर्स एगॉन जेन्डर ने हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग (हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की पूर्ण स्वामित्व

वाली सहायक कंपनी) के साथ साझेदारी में कार्यक्रम पेश किया। इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों डिलीवरी मोड के माध्यम से नौ महीने की प्रक्रिया (मॉड्यूल I - 15 घंटे के लिए, मॉड्यूल II - 4-5 दिनों के लिए और मॉड्यूल III - 4-5 दिनों के लिए) के रूप में डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में बैंक के गैर-कार्यकारी निदेशकों में से एक ने हिस्सा लिया।

समसामयिक शिक्षा: आपके बैंक ने कार्यबल को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों से लैस करने के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए:

ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन)

प्रशिक्षण: ईएसजी के महत्व, ईएसजी से जुड़ी बुनियादी शब्दावली और दिन-प्रतिदिन बैंकिंग में इसके कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए कर्मचारियों के लिए विशेष वेबिनार तैयार और आयोजित किए गए। इसके अलावा, ईएसजी पहलुओं जैसे नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण (इथेनॉल, सीबीजी, सौर, पवन, आदि), कार्बन फुटप्रिंट को कम करना कर्मचारियों के लिए जोखिम प्रबंधन कार्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है।

ट्रेडिंग विषयों पर ई-लर्निंग मॉड्यूल: उभरते उद्योग प्रथाओं पर ज्ञान सुलभ कराने के उद्देश्य से कर्मचारियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग, रिश्तव विरोधी भ्रष्टाचार विरोधी नीति, आचार संहिता और क्रेडिट, जोखिम और धन प्रबंधन पर क्रिसिल मॉड्यूल को कवर करने वाले नव कौशल पर व्यापक एमओओसी ई-पाठ डिजाइन किए गए।

स्टार्ट-अप शाखाओं के 50 से अधिक शाखा प्रमुखों और चुनिंदा शाखाओं के आरएमएसएमई के लिए

स्टार्ट-अप इको सिस्टम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थायी व्यवसाय मॉडल के संबंध में स्टार्टअप को समझने संबंधी पहलु शामिल किए गए।

पहला प्रस्तावक लाभ प्राप्त करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को आत्मसात करना:

विदेश में बाहरी प्रशिक्षण: डीएमडी और उससे ऊपर के बैंक के शीर्ष प्रबंधन अधिकारियों को लंदन बिजनेस स्कूल, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, व्हार्टन एक्जीक्यूटिव एजुकेशन और सेंटर फॉर किएटिव लीडरशिप, यूएसए जैसे शीर्ष संस्थानों / बिजनेस स्कूलों में बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था ताकि वे विभिन्न डोमेन में वैश्विक रुझानों को समझने और अपने नेतृत्व कौशल को सुधारने में सक्षम हो सकें।

डिजिटल का लाभ उठाना: अध्ययन संबंधी आभासी चैनल आगामी सामान्य परिस्थिति हेतु एक आवश्यकता बन गए हैं। कर्मचारियों के बीच ऑन-द-गो लर्निंग की सुविधा प्रदान करने और उनके निर्बाध कौशल को सुनिश्चित करने के लिए, आपके बैंक ने कई डिजिटल लर्निंग टूल तैयार किए हैं, जैसे कि छोटे आकार के लर्निंग मोड, जो नियमित अंतराल पर ऑडियो/वीडियो पॉडकास्ट के रूप में प्रकाशित होते हैं, बैंकिंग, अर्थशास्त्र और जोखिम पर संक्षिप्त एक पेजर जानकारी, साइबर जागरूकता, कृषि उत्पादों और परिचालन जोखिम पर लघु शैक्षिक वीडियो।

31.03.2024 तक इन सूक्ष्म शिक्षण पहलों की संचयी संख्या निम्नानुसार है:

माइक्रो शिक्षण के प्रकार	नाम	मार्च 24 तक संचयी रिलीज
पॉडकास्ट (ऑडियो और वीडियो)	गुरुकुल वाणी, एसबीएससी-ऑन-एयर, ज्ञान चेतना, एग्जी पॉडकास्ट आदि	364
लघु वीडियो	साइबर जागरूकता, जोखिम को समझना, कृषि उत्पाद आदि।	69
ज्ञान सार	डू यू नो, गुरुकुल म्युजिक्स, इनसाइड अवेट	432

इन माइक्रो कैप्सूल के अलावा, बैंकिंग विषयों पर आभासी समुदाय चर्चा के लिए **केस स्टडी डिस्कशन बोर्ड** (1.21 लाख अद्वितीय आगंतुक), नवीनतम बैंकिंग और वित्तीय विकास पर माई क्वेस्ट टुडे (वित्त वर्ष 2023-24 में 1.12 लाख प्रतिभागी) जैसे क्विज प्लेटफॉर्म और कर्मचारियों को स्व-गति से सीखने में सक्षम बनाने के लिए बैंक का आंतरिक खोज इंजन askSBI भी उपलब्ध है।

भूमिका आधारित शिक्षा

अनिवार्य शिक्षण दिशानिर्देशों के तहत कर्मचारियों को उनकी भूमिका के अनुसार कुशल बनाने के दृष्टिकोण से, कर्मचारियों के लिये वर्ष के दौरान भूमिका आधारित प्रमाणन (ई-आरबीसी) शुरू किया गया था। भूमिका ररेखित प्रमाणीकरण के पूरा होने के अलावा, कर्मचारियों को 6 अनिवार्य ई-पाठों को पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया था। 31 मार्च 2023 तक, कुल 1,78,614

पात्र कर्मचारियों (96.03%) ने अपना अनिवार्य ई-लर्निंग पूरा कर लिया था, जिसमें 98.89% पात्र अधिकारी और 94.47% पात्र पुरस्कार कर्मचारी प्रमाणन पूरा कर चुके थे। इसके अलावा, 99.47% पात्र अधिकारियों और 97.71% पात्र पुरस्कार कर्मचारियों ने अपने सभी निर्दिष्ट ई-पाठों को पूरा कर लिया था। अनिवार्य ई-पाठों के अलावा, आपके बैंक में कर्मचारियों के ज्ञान संवर्धन के लिए 700+ इन-हाउस ई-पाठों का भंडार है।

रियल टाइम समाधान के लिए शिक्षार्थी की हेल्पलाइन

ज्ञान सेतु: आपके बैंक के स्टाफ सदस्यों के गैर-प्रायोगिक-संबंधित प्रश्नों के समाधान के लिए एक समर्पित कॉल सेंटर सभी स्टाफ सदस्यों को समर्पित किया गया है। ज्ञान सेतु के पीछे रणनीतिक दृष्टि हमारे कर्मचारियों को प्रामाणिक, वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करना है, विशेष रूप से उन लोगों को जो समग्र ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए परिचालन में हैं।

आजादी अज्ञानता से: मंडल में कार्यरत बैंक के मानव संसाधन पदाधिकारियों के लिए एक एचआर हेल्पलाइन भी शुरू की गई थी ताकि महत्वपूर्ण मानव संसाधन मामलों पर मार्गदर्शन और समाधान प्रदान किया जा सके।

ज्ञान विनिमय

शिक्षार्थी संचालित संस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, आपके बैंक ने निम्नलिखित पहल शुरू की हैं:

जमीनी बल को प्रसार: शीर्ष प्रबंधन अधिकारियों यानी, डीएमडी ने कर्मचारियों के लिए एक ज्ञान साझाकरण सत्र की मेजबानी की, जिसमें उन्होंने विदेश में भाग लेने वाले बाहरी प्रशिक्षणों से अपने अनुभव और सीख को साझा किया।

शीर्ष से नेतृत्व: सीजीएम और उससे ऊपर के ग्रेड में शीर्ष कार्यकारी अधिकारियों द्वारा विभिन्न कक्षा/आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कॉर्पोरेट लक्ष्यों, चिंताओं, पहलों और ऑपरेटिंग पदाधिकारियों से अपेक्षाओं को साझा करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र लिए गए।

आंतरिक संस्थानों में संकाय दौरा: प्रशिक्षण वितरण तकनीकों पर तीसरी नजर डालने और प्रशिक्षण वितरण, कार्यक्रम विकास और समग्र बुनियादी ढांचे के प्रबंधन की बारीकियों पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए, एसबीआईएलडी और इसके विपरीत एटीआई संकाय दौरों को वर्ष के दौरान शुरू किया गया था।

विविधता इक्विटी समावेशन (डीईआई) मध्यवर्तन

एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से **दृष्टि बाधित / श्रवण बाधित कर्मचारियों** के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में

कई विषयों को शामिल किया गया जो कर्मचारियों के कौशल और ज्ञान में सुधार लाने की दिशा में तैयार किए गए थे और उनका उद्देश्य उन्हें अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करना था।



एसबीआईएलडी पणजी में दिव्यांग प्रशिक्षण कार्यक्रम

महिला प्रबंधकों के लिए कार्यक्रम: महिला कार्यबल को पोषित करने के लिए, आपके बैंक ने शाखा प्रबंधकों, क्षेत्रीय प्रबंधकों, सीपीसी प्रमुखों और उमप्र (व्य एवं प) जैसी महिला बिजनेस लीडर्स के लिए कार्यक्रम को फिर से शुरू किया है, ताकि वे इस अस्थिर बैंकिंग माहौल में नई ऊर्जा और स्वस्थ कार्य जीवन संतुलन बनाए रखते हुए उत्साह के साथ अपनी भूमिका निभा सकें।

लैंगिक संवेदनशीलता वेबिनार: महिला प्रबंधकों के लिए एक विशेष कक्षा-कक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के अलावा, लैंगिक समानता पर व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सभी कर्मचारियों के लिए पीओएसएच/गरिमा नीति पर विशेष वेबिनार आयोजित किए गए।

'साम्य': हमारे संगठनात्मक डीएनए में लैंगिक संवेदनशीलता को शामिल करने के लिए, 'साम्य' के तहत स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज द्वारा विविधता और समावेशन पहल को वर्ष के दौरान संस्थागत बनाया गया था। पहलों में 'साम्य 2.0 - विचार करने का समय' पाक्षिक केस लेट्स, 'साम्य - लीव नो वन बिहाइंड': मासिक वेबिनार और साम्य - वार्षिक पत्रिका शामिल हैं।

ट्रांजिशन टू रिटायरमेंट (टीटीआर) कार्यक्रम अपने जीवनसाथी के साथ सेवानिवृत्ति पर आने वाले सभी अधिकारियों के लिए बैंक का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद उनके जीवन में होने वाले बदलाव को प्रबंधित करने में मदद करना है। सम्प्र और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों के लिए टीटीआर हमारे एसबीआईएलडी में और टीईजीएस-तख और उससे ऊपर के ग्रेड के अधिकारियों के लिए एसबीआईएलडी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सामग्री को सेवानिवृत्ति के बाद कैरियर की संभावनाओं, साइबर सुरक्षा जागरूकता, आध्यात्मिक कल्याण आदि विषयों को शामिल करने के लिए समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप बदला गया है।

पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण: समान अवसर नियोजन होने के नाते, आपका बैंक एससी/एसटी/ओबीसी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण आयोजित करता है ताकि वे अपनी पदोन्नति परीक्षाओं में बैठने से पहले अपने ज्ञान के अंतराल को पाट सकें। कुल 24,062 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 9,551 अवार्ड स्टाफ, 5,609 स्केल I और 8,902 स्केल II अधिकारी शामिल थे।

सेवा उत्कृष्टता प्राप्त करना

आपके बैंक ने कर्मचारियों को उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करने की सुविधा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित लर्निंग पहल की है।

सॉफ्ट स्किल्स और ग्राहक केंद्रितता: जबकि ग्राहक केंद्रित व्यवहार पर सॉफ्ट स्किल सत्र सभी प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक हिस्सा है, कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बैंक की **शिकायत निवारण तंत्र और मुआवजा नीति** पर विशेष वेबिनार आयोजित किए गए।

छूटे हुए अवसर को संवारना: औसत दर्जे, कम उपलब्धि हासिल करने वालों की वास्तविक क्षमता को अनलॉक करने के लिए, कौशल वृद्धि, प्रेरणा और विकास मानसिकता को बढ़ावा देने पर ध्यान देने के साथ **संकल्प नामक एक परिवर्तनकारी प्रदर्शन** सुधार योजना शुरू की गई थी। कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में संवेदनशील बनाना और उनके पेशेवर और व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनके बीच उद्देश्य की एक नई भावना को प्रज्वलित करना है।

कर्मचारी जुड़ाव

हां, मैं बदलाव ला सकता हूं: वार्षिक सफलता की कहानियां अभियान वित्त वर्ष 2022-23 में हमारे कर्मचारियों से परिवर्तन की सबसे रचनात्मक, प्रेरक और कार्यान्वयन योग्य कहानियों को इकट्ठा करने का अभियान चलाया गया, चाहे उनका ग्रेड कुछ भी हो। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, शीर्ष 5 सफलता की कहानियों के प्रवर्तकों को मुंबई में एसबीआई के कॉर्पोरेट कार्यालय में आमंत्रित किया गया और अध्यक्ष और शीर्ष प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अन्य सफलता की कहानियों के प्रवर्तकों को भी सर्वकाल/स्थानीय प्रधान कार्यालय स्तर पर सम्मानित किया गया।

प्रेरक: यह पीढ़ी-संरेखित दो दिवसीय कार्यक्रम आपके बैंक के 41 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के अनुभवी कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया। लगभग 31,800+ कर्मचारियों को नई पीढ़ी के साथ सहज ज्ञान साझा करने, प्रभावी बदलाव के लिए एक आधार बनाने और बैंकिंग उद्योग में उभरती चुनौतियों को समझने के लिए एक पुल के रूप में कार्य करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम ने वर्षों से आपके बैंक की अग्रणी स्थिति को बनाए रखने में समूह द्वारा किए गए शानदार योगदान को भी मान्यता दी।

एसबीआई विजार्स 2023-24: स्टाफ सदस्यों के लचीलेपन और प्रतिस्पर्धा कौशल में सुधार के लिए सकारात्मकता एक शक्तिशाली माध्यम है। यह विशेषता संगठन और कर्मचारियों दोनों को समान रूप से लाभान्वित करती है। इस परिप्रेक्ष्य में, आपका बैंक 2020-21 से एक पारिवारिक प्रभोक्ता मएसबीआई विजार्सफ का आयोजन कर रहा है। शीर्ष 6 टीमों ने अध्यक्ष और अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई में वित्त वर्ष 2023-24 के ग्रैंड फ़िनाले में हिस्सा लिया। इस आयोजन ने कर्मचारियों के बीच बहुत उत्साह पैदा किया और सभी कर्मचारी ग्रेड से सराहना प्राप्त की।

कोचिंग मध्यवर्तन

समुन्नति और गुणवत्ता सर्कल: हमारे कार्यबल की दक्षता बढ़ाने के लिए 259 महत्वपूर्ण शाखाओं में वर्ष के दौरान सहभागी वन-टू-वन कोचिंग इंटरवेंशन शुरू किया गया। इस पहल के तहत, बैंक के संकाय इन शाखाओं को इस प्रकार सहयोग प्रदान करते हैं, कि प्रशिक्षण को व्यवसाय के लिए संरेखित किया जा सके और उन्हें समस्या समाधान/गुणवत्ता सुधार में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

सार्थक: सुरक्षा, प्रतिष्ठा और निवेशक विश्वास सुनिश्चित करने के लिए, बैंक में लेखा परीक्षा और अनुपालन प्रक्रिया को टिकबॉक्स अभ्यास के बजाय कार्य संस्कृति में युगांतकारी परिवर्तन की अगुवाई करनी चाहिए। अनुपालन संस्कृति में सुधार, जोखिम जागरूकता बढ़ाने और जमीनी स्तर पर पहली बार - हर बार चीजों को सही करने की आदत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शाखा कर्मचारियों के लिए एक कोचिंग प्रदान करने की व्यवस्था की है।

वैल्यू चेन भागीदारों को प्रशिक्षण

आपके बैंक ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विशेष जोर देने के साथ विभिन्न एफआई और डिजिटल उत्पादों पर व्यापार प्रतिनिधियों, सीएसपी कियोस्क ऑपरेटरों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया। इसके अलावा, 5562 फीट-ऑन-स्ट्रीट (एसबीओएसएस से जुड़ी) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। होम लोन काउंसलर्स (एचएलसी) और एसबीआई कैप सिक्वोरिटीज लिमिटेड (एसएसएल) के अधिकारियों के लिए नियमित आधार पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

पदचिह्नों का विस्तार

नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड के स्थानीय आधारित अधिकारियों (एलबीओ) के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष के दौरान आयोजित और संचालित किया गया था। कार्यक्रम मूल कार्यात्मक और व्यावहारिक इनपुट का एक आदर्श मिश्रण था। कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने खूब सराहा क्योंकि उन्हें सीखने का समृद्ध अनुभव मिला। प्रशिक्षण ने उनके कार्य ज्ञान और उनके कार्यस्थल पर बेहतर दक्षता के लिए उपयुक्त कौशल को निखारने के संदर्भ में मूल्य संवर्द्धन किया।

उद्योग कनेक्ट:

डीएफएस चिंतन शिविर: स्टेट बैंक अकादमी, गुरुग्राम ने वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के चिंतन शिविर नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन वित्तीय उद्योग के प्रमुख हितधारकों, सरकारी अधिकारियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक साथ लाया। कार्यशाला में ज्ञानवर्धक पैनल चर्चाएँ, आकर्षक प्रस्तुतियाँ और इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे।

नवीकरणीय क्षेत्र पर एकीकृत कार्यशाला: स्टेट बैंक अकादमी, गुरुग्राम में अक्षय ऊर्जा उद्योग पर दो दिवसीय एकीकृत कार्यशाला आयोजित की गई। विभिन्न बीयू (एसएमईबीयू, सीसीजी, पीएफएसबीयू, सीएफयू, सीआरडी) के कुल 36 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के सत्र उद्योग विशेषज्ञों जैसे श्री गगन सिद्धू, निदेशक, सीईईडब्ल्यू (ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद), श्री विवेक सेन, निदेशक, जलवायु नीति पहल और श्री विक्रान्त शर्मा, उप निदेशक, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनएसई) द्वारा लिया गया।

कृषि उद्योग के अग्रणियों के साथ संवाद: प्रतिभागियों को कृषि और अन्य संबंधित क्षेत्रों के क्षेत्र में नवीनतम विकास से लैस करने के लिए, स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल बैंकिंग (एसबीआईआरबी), हैदराबाद में विभिन्न उद्योग के नेताओं के साथ बातचीत की व्यवस्था की गई, जैसे श्री विजय के. विजयराघवन, अध्यक्ष, सद गुरु मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. वी. एम. चौधरी, समूह निदेशक, इसरो, डॉ. पद्मजा, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद, आदि।

संवहनीयता के लिए सतत प्रयास

आपके बैंक ने प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे सहित बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं में स्थायी प्रथाओं को शामिल किया है। सभी 6 एटीआई ने आईजीबीसी प्रमाणन प्राप्त कर लिया है, जिनमें से 4 संस्थानों को प्लैटिनम रेटिंग और 2 को गोल्ड रेटिंग दी गई है। एसबीआईएलडी के बीच, हमारे पास प्लैटिनम रेटिंग वाले 4 संस्थान हैं और गोल्ड और सिल्वर रेटिंग वाले प्रत्येक संस्थान हैं। सतत विकास लक्ष्यों के तहत, हमारे प्रशिक्षण संस्थान सौर ऊर्जा संयंत्रों, वर्षा जल संचयन संयंत्रों, सीवेज उपचार संयंत्रों, खाद्य अपशिष्ट खाद्य संयंत्रों, जैविक अपशिष्ट कनवर्टर (ओडब्ल्यूसी) मशीन, वर्मीकंपोस्टिंग और ऊर्जा बचत भवनों से सुसज्जित हैं। कई प्रशिक्षण

संस्थान मल्टास्टिक मुक्त क्षेत्रफहैं और प्रतिभागियों के बीच टिकाऊ पर्यावरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए संस्थानों में वॉकथॉन, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण आदि जैसी बाहरी गतिविधियाँ की जाती हैं।

मील का पत्थर

ईटी एचआर फ्यूचर स्किल्स अवार्ड्स: आपके बैंक को वित्त वर्ष 23-24 में मद इकोनॉमिक टाइम्स एचआर

वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स अवार्ड्सफके तहत दो प्रतिष्ठित एल एंड डी पुरस्कार प्रदान किए गए - 'सर्वश्रेष्ठ एल एंड डी लीडर्स' के लिए स्वर्ण श्रेणी में और 'विविधता और समावेशन शिक्षण पहल' के लिए कांस्य श्रेणी में।

एसबीआईएन की भर्ती पूर्व झलक: आपके बैंक ने बैंक की ओर संभावित प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बैंक की दृश्यता बढ़ाने के लिए एक वीडियो लॉन्च किया।

वीडियो में एसबीआई में रोजगार को जीवन के तरीके के रूप में दिखाया गया है और बैंक की संस्कृति और पेशकशों पर प्रकाश डाला गया है। वीडियो को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध कराया गया है और नई भर्तियों के साक्षात्कार और अन्य प्रासंगिक घटनाओं के दौरान भी प्रदर्शित किया गया है।

वित्त वर्ष 2024 का लर्निंग रनैपशॉट

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान प्रति कर्मचारी औसत प्रशिक्षण अवधि 54.39 घंटा था। प्रशिक्षण अवधि का ब्रेडवार एवं लिंगवार द्विभाजन निम्न प्रकार है:

मद	पुरुष	महिला	योग
कर्मचारी औसत प्रशिक्षण अवधि	48.51	48.45	48.49
सहयोगी	50.49	43.73	47.93
कनिष्ठ तथा मध्य प्रबंधन	61.05	60.61	60.94
वरिष्ठ प्रबंधन	52.22	54.12	52.50
शीर्ष प्रबंधन	83.47	93.57	84.50

डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स

वर्षों से आपका बैंक, बैंक-एंड को नया रूप देकर और ग्राहकों के लिए फ्रंट एंड अनुभव को बढ़ाकर डिजिटल परिवर्तन को उपलब्ध कराने वाली तकनीकी क्षमताओं का व्यापक स्पेक्ट्रम तैनात कर रहा है। आपके बैंक की शाखाओं के विशाल नेटवर्क और डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्मों ने आपके बैंक को नेतृत्व की स्थिति में रखा है और बैंक को अधिक ग्राहक केंद्रित, सहज और सहज उत्पादों और सेवाओं को पेश करने में सक्षम बनाया है।

तेजी से बदलते इस डिजिटल युग में, आपका बैंक हमारे विविध ग्राहकों को समुचित समाधान प्रदान करने, बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने और कर्मचारियों की दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके लगातार खुद को नया रूप दे रहा है। बैंक की डिजिटल पहलों के हिस्से के रूप में, आपका बैंक न केवल नवीन सुविधाओं के साथ परिसंपत्तियों और देयता खंडों में निर्बाध डिजिटल उत्पादों का निर्माण कर रहा है, बल्कि एंड-टू-एंड डिजिटलीकरण पहल के माध्यम से बैंक-एंड प्रक्रियाओं को भी नया स्वरूप दे रहा है।

हर व्यवसाय के लिए बैंक बनने के उद्देश्य से, हमारे योनो बिजनेस (योनोबी) प्लेटफॉर्म (डिस्कटॉप और मोबाइल ऐप दोनों पर उपलब्ध) ने डिजिटल पेशकशों को एकीकृत किया है जो हमारे कारोबारी ग्राहकों (मालिकों से लेकर बड़े कॉर्पोरेट्स तक) के लिए लेनदेन बैंकिंग करने के लिए बेहतर ग्राहक अनुभव और सुविधा के साथ

डिजाइन किए गए हैं। योनो बिजनेस सभी श्रेणियों में कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए ट्रेड फाइनेंस, फॉरेक्स, कैश मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग, एपीआई बैंकिंग, पूर्व-अनुमोदित व्यवसाय ऋण (पीएबीएल), कैश मैनेजमेंट और सप्लाय-चेन फाइनेंस जैसी बैंकिंग जरूरतों की एक संपूर्ण श्रृंखला प्रदान करता है। कई और ग्राहक प्रक्रियाएं डिजाइन की जा रही हैं जिनमें व्यापार जीवनचक्र, यूपीआई क्विक ट्रांसफर, फॉरेक्स रेट बुकिंग, संशोधित ऐप, व्हाट्सएप बैंकिंग आदि शामिल हैं।

कारोबारी ग्राहकों की सहायता के लिए, आपके बैंक ने कोलकाता और हैदराबाद में 2 वैश्विक व्यापार वित्त केंद्रों की स्थापना कर मौजूदा व्यापार वित्त और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र का पूर्ण कायापलट किया है, ताकि डिजिटल पेशकशों का सर्वोत्तम उपयोग और बाजार हिस्सेदारी में सुधार कर परिचालन उत्कृष्टता स्थापित की जा सके। आपका बैंक आंतरिक और बाहरी प्रणालियों के साथ वास्तविक समय एकीकरण, एआई/एमएल संचालित प्रक्रियाओं की शुरुआत, प्रतिक्रिया समय में सुधार कर ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार लाने और अधिक वैयक्तिकृत अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से यूआई/यूएक्स आर्किटेक्चर की पुनः कल्पना कर कई प्रक्रियाओं के स्वचालन की दिशा में भी कार्य कर रहा है। आपके बैंक ने देश के सभी तीन ट्रेड्स एक्सचेंजों - आरएक्सआईएल, एम1 एक्सचेंज और इनवॉइसमार्ट के साथ एकीकृत किया है ताकि वास्तविक समय डेटा एक्सेस, उन्नत जोखिम प्रबंधन, बेहतर निगरानी और ट्रेड्स व्यवसाय पर प्रभावी पर्यवेक्षण हो सके।

हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ग्राहक स्वीकृति का संकेत देने वाले कुछ अन्य मेट्रिक्स:

1.28 करोड़ +

योनो ऐप में औसत दैनिक लॉगिन

~91 लाख

वित्त 2023-24 में 24,000 अकाउंट की दैनिक औसत ओपनिंग रेट के साथ डिजिटल सर्विंग अकाउंट खोले गए

~8.83 लाख

दैनिक औसत लेन-देन

1.13 लाख

औसत दैनिक कार्डरहित नकद निकासी

~2.12 करोड़

योनो + आरआईएनबी के माध्यम से बिल भुगतान लेनदेन की संचयी संख्या

2

कोलकाता और हैदराबाद में वैश्विक व्यापार वित्त केंद्र

योनो

2017 में लॉन्च किए गए आपके बैंक के डिजिटल प्लेटफॉर्म योनो ने अपनी 6वीं वर्षगांठ मनाई है और इसे हमारे ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। इसका प्रमाण है, ऐप लॉन्च के बाद से हमारा 7.4 करोड़+ पंजीकृत उपयोगकर्ता आधार।

योनो में आपके बैंक के ग्राहकों की बैंकिंग, निवेश, बीमा और खरीदारी की जरूरतें शामिल हैं और उन्हें सरल, न्यूनतम-क्लिक प्रक्रियाओं जैसे बचत बैंक खाता खोलना, धन का हस्तांतरण, व्यक्तिगत ऋण, कार ऋण आदि के लिए आवेदन करना डिजिटल रूप से 24/7 कहीं से भी संचालन की सुविधा से बैंकिंग लेनदेन को पूरा करने की सुविधा प्रदान करता है।

उपरोक्त के अलावा, आपके बैंक ने निरंतर आधार पर अपने ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के लिए योनो पर कई डिजिटल ग्राहक प्रक्रियाएं भी शुरू की हैं, जैसे वर्चुअल डेबिट कार्ड जारी करना, एंड-टू-एंड इंस्टेंट क्रेडिट कार्ड जारी करना, प्रत्येक भारतीय के लिए योनो - सभी भारतीय नागरिकों के लिए यूपीआई कार्यक्षमता उपलब्ध कराना, उन्नत व्हाट्सएप बैंकिंग सेवाएं आदि। विकसित हो रहे डिजिटल बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए, आपका

बैंक अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म 'ओनली योनो - द न्यू डिजिटल बैंक' (योनो 2.0) का विकास कर रहा है, जिसमें कुछ प्रमुख क्षमताएं हैं जैसे सभी डिजिटल चैनलों में लगातार ओमनीचैनल अनुभव, हाइपर-पर्सनलाइज्ड ग्राहक अनुभव, व्यवसाय के लिए एआई आधारित मॉडल, निवारक जोखिम प्रबंधन आदि।

आपका बैंक सक्रिय रूप से फिनटेक/स्टार्ट-अप के साथ सक्रिय रूप से संलग्न है, जिसमें प्रमुख ग्राहक प्रक्रियाओं का निर्माण करने, डिजिटल क्षमताओं का निर्माण करने और तेजी से टाइम-टू-मार्केट के साथ सर्वश्रेष्ठ डिजिटल प्रक्रिया की पेशकश करने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में केंद्रित उत्पाद, समाधान और सेगमेंट की गहराई की अनूठी ताकत है। फिनटेक समुदाय के करीब रहने के लिए, आपका बैंक 5-7 सितंबर, 2023 तक जियो कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2023 (एनपीसीआई, पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और फिनटेक कन्वर्जेंस काउंसिल (एफसीसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) जैसे विभिन्न फिनटेक सम्मेलनों में भी भाग ले रहा है। आपके बैंक ने अपने संयुक्त उद्यमों के साथ जीएफएफ पैवेलियन में कई उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया है, जो कई फिनटेक/स्टार्ट-अप को आकर्षित करते हैं।

योनो व्यवसाय

2.05 लाख

विव 2023-24 में खोले गए ऑनलाइन चालू खाते

5,24,504

वित्त वर्ष 2023-24 में नए-टू-डिजिटल (एनटीडी) ग्राहक शामिल

₹66.01 करोड़

भुगतान लेनदेन

₹2,23,50,557 करोड़

भुगतान लेनदेन मूल्य

1,05,052

पूर्व-अनुमोदित व्यवसाय ऋण स्वीकृत

₹7,238 करोड़

प्री-अप्रूव्ड बिजनेस लोन (पीबीएल) वैल्यू

13,691

डिजिटल आयात एलसी

₹1,03,112 करोड़

डिजिटल आयात एलसी मूल्य (72% डिजिटल पहुँच के साथ)

25,120

अंतर्देशीय एलसी

₹40,062 करोड़

अंतर्देशीय एलसी मूल्य (76% डिजिटल पहुँच के साथ)



एक प्लेटफॉर्म आपकी सभी व्यवसायिक बैंकिंग ज़रूरतों को पूरा करता है

- भुगतान एवं जमा
- नकदी प्रबंधन सेवाएँ
- व्यवसायिक ऋण
- ई-व्यापार
- ई-फाइनेंस
- तरलता प्रबंधन
- तरलता प्रबंधन
- सप्लाय चेन फाइनेंस

आपके बैंक के प्रयासों के मान्यता स्वरूप विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए:

- आपके बैंक को ईटीबीएसआई द्वारा परिचालन उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- योनो प्री-अप्रूव्ड पर्सनल लोन के लिए डेटा संचालित ग्राहक परिवर्तन श्रेणी के तहत एंटरप्राइज आईटी उत्कृष्टता के लिए ईटी सीआईओ पुरस्कार 2024

डिजिटल (रिटेल) के प्रमुख प्रदर्शन हाइलाइट्स

- वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान योनो (खुदरा और कृषि) प्लेटफॉर्म के माध्यम से, ₹30,344 करोड़ के 15.91 लाख पूर्व-अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण (पीएपीएल), ₹1,535 करोड़ के 0.39 लाख रियल-टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट (आरटीएक्ससी) ऋण, ₹1,771 करोड़ के 1.01 लाख इंस्टा होम लोन टॉप-अप स्वीकृत किए गए।
- इसके अलावा, कुल 5.35 लाख कृषि स्वर्ण ऋण आवेदन (कुल मिलाकर ₹9,270 करोड़) योनो के माध्यम से प्राप्त किए गए।
- योनो प्लेटफॉर्म के माध्यम से 61.61 लाख व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीआई) पॉलिसियां, 2.83 लाख संपूर्ण आरोग्य पॉलिसियां, 7.79 लाख एसबीआई लाइफ संपूर्ण सुरक्षा पॉलिसियां और ₹1,910.55 करोड़ की म्यूचुअल फंड की बिक्री हुई।

15.91 लाख

लाख पूर्व-अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण

ग्राहक मूल्य सृजन / ग्राहक-केंद्रित सफलता की कहानी

वर्चुअल क्रेडिट कार्ड जारी करना: आपके बैंक ने योनो ऐप के माध्यम से एंड-टू-एंड क्रेडिट कार्ड जारी करने की पहल की है। योनो उपयोगकर्ता अब किसी शाखा/एसबीआई कार्ड कार्यालय में गए बिना एक सहज और कागज रहित प्रक्रिया के माध्यम से अपना एसबीआई क्रेडिट कार्ड आवेदन करने और प्राप्त करने में सक्षम हैं। डिजिटल कार्ड का उपयोग ऑनलाइन खरीदारी के लिए तुरंत किया जा सकता है। यह उनके बहुमूल्य समय की बचत करते हुए आसान और परेशानी मुक्त क्रेडिट कार्ड जारी करने का अनुभव प्रदान करती है। यह सम्मानित युवा पीढ़ी के ग्राहकों की सेवा हेतु है।

कार्ड आवेदन के लिए ग्राहक की उपयुक्तता का आकलन करने के उद्देश्य से एनालिटिक्स-आधारित संकर्म डेटा और मल्टी-स्रोत विवरण भी वास्तविक समय के आधार पर एसबीआई कार्ड टीम के साथ साझा किए जाते हैं। लॉन्च (नवंबर 23) के बाद से इस प्रक्रिया का उपयोग कर 13,903 वर्चुअल कार्ड जारी किए गए हैं और हमें ग्राहकों से अच्छा फीडबैक मिल रहा है।

योनो के माध्यम से वर्चुअल डेबिट कार्ड: वर्चुअल कार्ड पेपरलेस/प्लास्टिक-लेस उत्पाद के लिए बैंक की एक हरित पहल है जो लाखों ग्राहकों को सेवा प्रदान करेगी। कम परिचालन लागत और जोखिम के साथ वैश्विक चिप की कमी के इस युग में आपके बैंक के लिए एक लागत बचत पहल जो भौतिक कार्डों की गैर-डिलीवरी और सुरक्षित रखने के कारण उत्पन्न हो सकती है।

हर भारतीय के लिए योनो (वाईएफआईआई): योनो ऐप का अपग्रेडेड वर्जन 1 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया था। 'योनो फॉर एवरी इंडियन' के साथ, अब किसी भी बैंक के ग्राहक को योनो के नए अवतार पर स्कैन और पे, कॉन्टैक्ट्स द्वारा भुगतान, पैसे का अनुरोध, बिल भुगतान, एसबीआई उत्पादों जैसी यूपीआई सुविधाओं तक पहुंच की सुविधा उपलब्ध होगी। यह अपग्रेड मील का पत्थर है जो प्रत्येक भारतीय नागरिक को समावेशी और ग्राहक-केंद्रित

डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की एसबीआई की प्रतिबद्धता को और आगे बढ़ाता है, जिससे उन्हें लगातार बढ़ते एसबीआई परिवार का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

एनपीएस योगदान: इस प्रक्रिया का उपयोग करते हुए ग्राहक योनो में लिंक कर अपने स्वयं के/अन्य एनपीएस खाते में स्थायी निर्देश (एसआई) के माध्यम से एक बार/समय-समय पर योगदान कर सकते हैं। यह स्व-सहायता प्राप्त प्रक्रिया हमारे ग्राहकों को एनपीएस निवेश के लिए एक ओमनी-चैनल अनुभव प्राप्त करने में सहायक है।

योनो ऐप एमएफ केवाईसी प्रक्रिया: एसबीआई योनो ऐप पर म्यूचुअल फंड केवाईसी गैर-अनुपालन वाले ग्राहकों हेतु डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से केवाईसी ऑनबोर्डिंग में उन्नत ग्राहक अनुभव। ग्राहक आसानी से अपनी केवाईसी स्थिति की जांच कर सकते हैं और गैर-अनुपालन उपयोगकर्ता तुरंत अपना केवाईसी पूरा कर सकते हैं और जल्दी से निवेश कर सकते हैं। लॉन्च के कुछ ही दिनों (दिसंबर '23) के भीतर, 30,000 से अधिक ग्राहकों ने रियल टाइम केवाईसी ऑनबोर्डिंग के लिए डिजिटल सुविधा का उपयोग किया है।

ऑनलाइन एनआरआई खाता खोलना: एनआरआई/एनआरओ खाता खोलने के लिए संपूर्ण डिजिटल प्रक्रिया। यह नए एनआरआई बैंक ग्राहकों के लिए एक स्व-सहायता प्रक्रिया है, और उन्हें बचत/चालू खाता खोलने के लिए शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं है।

पीपीएफ खाता खोलना: पीपीएफ खाता खोलने के लिए संपूर्ण डिजिटल प्रक्रिया। यह योनो उपयोगकर्ताओं के लिए एक स्व-सहायता प्रक्रिया है, और उन्हें बचत/चालू खाता खोलने के लिए शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं है। पीपीएफ खाते में आवधिक क्रेडिट के लिए एसआई मैडेट सेट करने की सुविधा भी खाता खोलते समय उपलब्ध है।

सूचना प्रौद्योगिकी

एंटरप्राइज़ इंटीग्रेशन सेवाएँ

आपके बैंक के एंटरप्राइज़ इंटीग्रेशन सर्विसेज (ईआईएस) विभाग ने योनो, आईएनबी, मोबाइल बैंकिंग आदि जैसे कई विविध एप्लिकेशन को हल्के-फुल्के एपीआई लेयर के माध्यम से अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालित कर चैनलाइज किया है। ईआईएस के मजबूत इंटीग्रेशन आर्किटेक्चर और अत्यधिक सुरक्षित एपीआई (उद्योग मानकों का अनुपालन) ने कई चैनलों को एकीकृत करने वाले जेनेरिक एपीआई का उपयोग कर तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन विकास के समय को कम कर दिया है। ईआईएस में आंतरिक रूप से सीबीएस लेनदेन को व्यवस्थित कर खाता खोलने, प्री-अप्रूव्ड पर्सनल लोन (पीएपीएल), रियल टाइम एक्सप्रेस क्रेडिट (आरटीएक्ससी), योनो कैश के लिए स्वचालित प्रक्रियाएँ हैं। ईआईएस, एसबीआई के साथ एनएसडीएल, यूआईडीएआई, एनईएसएल आदि जैसी बाहरी संस्थाओं के लिए सिंगल पॉइंट इंटीग्रेशन लेयर है। ईआईएस ने डिजिटल फॉरवर्ड एपीआई प्रदान की है जो इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है जो नागरिकों को सत्य के स्रोत से डिजिटल प्रारूप में प्रामाणिक दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों तक पहुंचने के लिए एक दस्तावेज वॉलेट प्रदान करती है जिससे कागज रहित शासन की दृष्टि को बढ़ावा मिलता है।

नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर इम्प्रूवमेंट

आपके बैंक ने नेटवर्क अनुभव को बेहतर बनाने और शाखा अलगाव को कम करने के लिए लगातार काम किया है और 99.68% फाइबरइजेशन पूरा कर लिया है। मांग पर उच्च थ्रूपुट और बैंडविड्थ सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवहार्य शाखाओं को फाइबर चैनल में स्थानांतरित कर दिया गया है। मौसम, बिजली, जंग, नमी, तापमान और क्षीणन समस्याओं के प्रति प्रतिरोधी होने के कारण फाइबर कनेक्टिविटी बेहतर और विश्वसनीय है। आपका बैंक पूरे भारत में सभी शाखाओं के लिए बेहतर बैंडविड्थ और नेटवर्क क्षमता वृद्धि प्रदान करने के लिए लगातार प्रक्रिया में है। नेटवर्क उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूरे भारत में सॉफ्टवेयर डिफाईड वाइड एरिया नेटवर्क (एसडीडब्ल्यूएन) लागू किया जा रहा है।

एंटरप्राइज़ लघु संदेश सेवा (एसएमएस)

आपके बैंक ने तदर्थ आधार पर तीसरे पक्ष की सेवाओं का लाभ उठाने की आवश्यकता को समाप्त कर थोक एसएमएस भेजने के लिए पूरे बैंक के लिए एक केंद्रीकृत एसएमएस गेटवे समाधान स्थापित किया है। यह नवीनतम बैंकिंग पेशकशों के साथ बैंकिंग ग्राहकों के विशिष्ट समूह तक पहुंच को बढ़ाता है और अधिक अन्तरक्रियाशीलता के साथ बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करता है। आपके बैंक ने संचार के लिए प्रयुक्त एसएमएस टेम्पलेट्स के लिए डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डीएलटी) पंजीकरण किया है जो धोखाधड़ी गतिविधियों को विनियमित करने और पारदर्शिता लाने के लिए आवश्यक है।

मेघदूत - एसबीआई प्राइवेट क्लाउड

आपके बैंक का मेघदूत नामक अपना निजी क्लाउड है जो 400+ एप्लिकेशन को होस्ट करता है जिनमें यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस), कियोस्क बैंकिंग, डीबीटी (डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर), ऋण प्रबंधन प्रणाली

एप्लिकेशन, सरकारी व्यवसाय समाधान आदि जैसी मिशन संबंधी महत्वपूर्ण व्यावसायिक सेवाएं शामिल हैं। मेघदूत को नवीन रणनीतियों और अत्याधुनिक तकनीक के संयोजन के माध्यम से तेजी से प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं और पर्याप्त डेटा प्रोसेसिंग लोड से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डेटा सेंटर क्षेत्र में केवल 5% पदचिह्न के साथ, और लगभग 50% कार्यभार की मेजबानी करते हुए, मेघदूत एक अत्यधिक सफल रहा है, इस प्रकार कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और हरित और अधिक पर्यावरण-अनुकूल संचालन में योगदान देता है।

हमारी पहल सार्वजनिक क्लाउड सेवाओं को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान कर हाइब्रिड क्लाउड आर्किटेक्चर को प्रोत्साहन देती है। यह लचीलापन आपके बैंक को ग्राहकों को कुशल सेवाएं और समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार निजी और सार्वजनिक क्लाउड वातावरण दोनों के लाभों का लाभ उठाने की अनुमति देता है।



कागज़ हटाएँ डिजिटल हो जाएं

ई-बैंक गारंटी के साथ समय बचाएँ

- समय और लागत में बचत
- त्वरित व्यवसाय प्रक्रिया
- कागज़रहित ई-स्टैंपिंग
- डिजिटल हस्ताक्षर
- धोखाधड़ी में कमी
- एनईएसएल रिपॉजिटरी

सुरक्षित एवं विश्वसनीय ग्राहक सेवा के लिए तकनीकी पहल

आपके बैंक ने 100% अपटाइम के साथ मजबूत और सुरक्षित ईमेल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया है। यह प्लेटफॉर्म आंतरिक और बाहरी हितधारकों के बीच निर्बाध संचार के लिए अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं के साथ कर्मचारी उत्पादकता को बढ़ाता है। हमने आपके बैंक द्वारा भेजे गए ईमेल को पहचानने, विश्वास बनाने और स्पैम की पहचान को आसान बनाने में मदद करने के लिए आपके बैंक का ब्रांड पहचान लोगो बीआईएमआई (संदेश पहचान के लिए ब्रांड संकेतक) भी लागू किया है। आपके बैंक संपूर्ण सुरक्षा समाधान के माध्यम से अपनी शाखाओं में सुरक्षित ग्राहक सेवा अनुभव प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

ग्राहक संबंध प्रबंधन

आपके बैंक का सीआरएम समाधान मौजूदा और संभावित ग्राहकों के साथ मजबूत और निष्ठावान संबंध बनाने और बनाए रखने में मदद करता है। आपके बैंक का सीआरएम समाधान मौजूदा और संभावित ग्राहकों के साथ मजबूत और निष्ठावान रिश्ते बनाने और बनाए रखने में मदद करता है। इसे कार्यान्वित किया गया है और बिक्री, सेवा और विपणन के पूरे लाइफ साइकल में ग्राहकों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने के लिए व्यावसायिक इंटरफ़ेस का सामना करने वाले कर्मचारी के रूप में इसे लगातार बढ़ाया जा रहा है।

सीआरएम सॉल्यूशन ने सभी व्यावसायिक इकाइयों और अन्य महत्वपूर्ण विभागों के लिए अनुकूलित लीड

मॉड्यूल तैयार किए हैं, जो अन्य स्रोतों जैसे ऑनलाइन ग्राहक अधिग्रहण समाधान (ओसीएस), योनो, ऋण उत्पत्ति प्रणाली (एलओएस), ऋण लाइफ साइकल प्रबंधन प्रणाली (एलएलएमएस), खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस), खुदरा संपत्ति अधिग्रहण समाधान (आरएसएस), बैंक की वेबसाइट, संपर्क केंद्र आदि के साथ एकीकृत हैं। इसमें एक परिष्कृत और उन्नत शिकायत मॉड्यूल भी है, यानी सीआरएम-सीएमएस जिसमें ग्राहक की पिछली शिकायतों और अन्य विवरणों के पूरे लीक को एप्लिकेशन में कैचर किया जाता है, जिससे उपयोगकर्ताओं और ग्राहक को शिकायत दर्ज करने, ट्रैकिंग और समाधान के लिए आसानी होती है।

संपर्क केंद्र

आपके बैंक का संपर्क केंद्र (सीसी) सक्रिय रूप से ग्राहकों को 24x7 सेवाएं प्रदान कर रहा है। आपके बैंक ने 'आपका संपर्क केंद्र विशेष' शुरू कर इस प्रक्रिया में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए संपर्क केंद्र में बड़ा सुधार किया है।

वर्ष के दौरान शुरू की गई कुछ ग्राहक केंद्रित परियोजनाएँ शुरू की गईं:

- ऑटो लोन लीड के लिए ऑटो-प्रमुख महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ इंटीग्रेशन
- सीआरएम मोबाइल एप्लिकेशन को रोल आउट किया गया
- विदेश कार्यालय कनाडा में सीआरएम एप्लिकेशन की शुरुआत
- एनपीएस (नेट प्रमोटर स्कोर): शिकायत बंद होने पर ग्राहकों का फीडबैक लेना
- पीएमजेबीवाई और पीएमएसबीवाई हेतु सीसी एजेंटों के लिए नए लीड मॉड्यूल
- सीआरएम-सीएमएस में शिकायतों से संबंधित दस्तावेजों को संलग्न करना
- कियोस्क एप्लिकेशन (सीएसपी आउटलेट) के माध्यम से लीड जनरेशन सेवाएं

परियोजना टीम ने इस वित्त वर्ष के दौरान निम्नलिखित पहल की थीं

सीसी स्थानों पर सीसी एजेंटों और बैंक कर्मचारियों को शामिल करते हुए हाइब्रिड संपर्क केंद्र (एचसीसी) का कार्यान्वयन

जटिल प्रश्नों के पहली बार समाधान के लिए उन्नत कौशल और उपकरणों के साथ सुपर प्रीमियम एजेंटों (एसपीए) की सक्षमता

समर्पित ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए वरिष्ठ नागरिकों और अलग-अलग विकलांग ग्राहकों के लिए विशेष हेल्पलाइन का कार्यान्वयन

संपर्क केंद्र के माध्यम से पहली ई2ई ऋण सुविधा की शुरुआत, पूर्व-अनुमोदन व्यक्तिगत ऋण (पीएपीएल) के लिए कॉल पर सीसी एजेंट के माध्यम से ऋण खाता खोलने, संवितरण और

ईमेल के माध्यम से ऋण दस्तावेजों को साझा करने में सक्षम बनाना। साथ ही, आईवीआर सेल्फ सर्विस के माध्यम से कूलिंग पीरियड के भीतर इन खरातों को बंद करने का विकल्प पेश किया गया है विभिन्न बैंकिंग उत्पादों की बिक्री, संग्रह और विपणन के लिए ग्राहक सहभागिता रणनीति को मजबूत करने के लिए ऑन-प्रिमाइसेस अत्याधुनिक टेक स्टैक के साथ आपके बैंक का नया एक्सक्लूसिव आउटबाउंड संपर्क केंद्र लागू किया गया है।

हमारे मूल्यवान ग्राहकों को उन्नत संबंध और जुड़ाव गतिविधि के साथ एक आभासी, वैयक्तिकृत सेवा अनुभव प्रदान करने के लिए वर्चुअल रिलेशनशिप मैनेजर्स (वीआरएम) चैनल की शुरुआत

सॉफ्टवेयर फैक्ट्री

आपका बैंक प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर अग्रणी बनने के लिए विभिन्न नवीन समाधान लॉन्च करने में सबसे आगे रहा है।

आपके बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान निम्नलिखित इन-हाउस पहल की हैं।

ओएलएमएस एप्लीकेशन

- आपके बैंक ने आउटसोर्सिंग लाइफसाइकल प्रबंधन प्रणाली (ओएलएमएस) एप्लीकेशन विकसित किया है जो आईटी और गैर-आईटी दोनों पहलुओं को शामिल करते हुए बैंक के भीतर आउटसोर्सिंग गतिविधियों के सभी विवरण एकत्र करता है। ओएलएमएस एप्लीकेशन ऑन-बोर्डिंग एजेंसियों, सेवा स्तर समझौतों (एसएलए), उप-अनुबंध समझौतों और एसएलए उल्लंघनों के उदाहरणों से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी कैप्चर करता है। इसके अतिरिक्त, यह एजेंसियों से जुड़ी शिकायतों, ऑडिट और जोखिम रेटिंग की रिकॉर्डिंग और रखरखाव की सुविधा प्रदान करता है।
- एप्लीकेशन के माध्यम से आपके बैंक ने आपके बैंक के विक्रेता अनुबंधों के आंतरिक प्रशासन में सुधार किया है, और यह हमें विक्रेता अनुबंधों/समझौतों से जुड़े जोखिमों के बारे में व्यापक दृष्टिकोण रखने की अनुमति देता है।

लाभ

- यह एसबीआई के भीतर एजेंसी/विक्रेता के पूरे लाइफसाइकल को कैप्चर करता है और बैंक के भीतर विभिन्न स्तरों पर एजेंसी डेटा (एजेंसी विवरण/पता/संपर्क/पैन/बीओ, आदि) के दोहराव को हटा देता है। ओएलएमएस एजेंसी से संबंधित सत्य के एकल स्रोत के रूप में कार्य कर रहा है और इस प्रकार एजेंसी गतिविधियों से जुड़े जोखिमों को कम कर रहा है।
- यह एसएलए और उप-अनुबंधों की केंद्रीकृत निगरानी और प्रवर्तन प्रदान करता है जो सुनिश्चित करता है कि सेवा प्रदाता सहमत

प्रदर्शन मानकों को पूरा करते हैं और अनुबंध संबंधी दायित्वों के अनुसार सेवाएं प्रदान करते हैं और एसएलए उल्लंघनों के आधार पर दंड लागू करते हैं या एसएलए प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन देते हैं।

- ओएलएमएस में रिपोर्टिंग, समीक्षा और ऑडिट मॉड्यूल नियामक अनुपालन प्रदान करता है। यह लागत दक्षता में भी वृद्धि करेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा तथा विक्रेता प्रबंधन की समग्र दक्षता में वृद्धि करेगा

लॉकर आबंटन प्रबंधन परियोजना

- एलएमपी, सभी शाखाओं को कैबिनेट और लॉकर के ग्राफिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से लॉकर की जानकारी बनाए रखने की सुविधा देता है और संचालन सहित दस्तावेजीकरण, किराया वसूली जैसी सभी आवश्यकताओं को संभालता है।

ग्राहकों और बैंक को लाभ

- प्रत्येक स्थिति के लिए अलग-अलग रंगों के साथ अलमारियाँ और लॉकर का ऑन-स्क्रीन प्रतिनिधित्व आसानी से उपलब्ध
- एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से सिंगल प्लेटफॉर्म पर किए जा रहे सभी वित्तीय लेनदेन
- शाखा कर्मचारियों को मैन्युअल रजिस्ट्रों से काफी राहत मिली क्योंकि सभी दस्तावेज ऑनलाइन तैयार और रखे गए
- वास्तविक समय पर उपलब्ध सभी लेनदेन, संचालन और परिवर्तनों के लिए ऑडिट ट्रेल सुनिश्चित करता है कि कोई आय रिसाव न हो

केंद्रीय आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो (सीईआईबी)

- विभिन्न बैंक केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी) को उस संस्था/उधारकर्ता के विवरण के साथ अनुरोध भेजते हैं, जिसने 50 करोड़ रुपये और उससे अधिक या एनपीए खातों के ऋण को मंजूरी देने के लिए संभावित उधारकर्ताओं के पूर्ववृत्त सत्यापन के लिए ऋण मांगा है।
- आपके बैंक ने सीईआईबी अधिकारियों के साथ सहयोग किया है ताकि प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके और खोज और रिपोर्ट निर्माण प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए एक नया खोज स्वचालन पोर्टल बनाया जा सके। पोर्टल 20 फरवरी 2024 को लॉन्च किया गया था। नए पोर्टल का उपयोग करने के बाद, सीईआईबी ने स्वीकार किया कि पूर्ववर्ती सत्यापन उत्पन्न करने में लगने वाले समय में भारी कमी आई है।

किसान क्रेडिट कार्ड - ब्याज सहायता योजना मिडलवेयर पोर्टल

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने सभी बैंकों को अपने नए विकसित पोर्टल <https://fasalrin.gov.in/> पर किसान क्रेडिट कार्ड खाता विवरण प्रदान करने के लिए कहा।
- तदनुसार, आपके बैंक ने एक पोर्टल विकसित किया है जो एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से पूर्णतः स्वचालित मोड में सरकार को डेटा प्रदान करता है और आपका बैंक सरकारी पोर्टल (https://fasalrin.gov.in) के साथ साझा किए गए डेटा के आधार पर सबवेंशन का दावा करने में सक्षम है। इस डेटा का उपयोग भारत सरकार द्वारा ब्याज सबवेंशन योजना (आईएसएस) के लिए किया जाता है।

चैनल और परिचालन

भुगतान प्रणाली (पीएस)

एनईएफटी प्रेषण में आपके बैंक का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एसबीआई ने 204.39 करोड़ लेनदेन संसाधित किए हैं, जो बाजार हिस्सेदारी का 14.07% से अधिक है। एसबीआई, आरटीजीएस प्रेषण में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और उसने ₹405.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 6.80 करोड़ से अधिक लेनदेन संसाधित किए हैं।

सीटीएस क्लियरिंग में आपका बैंक 10.18% बाजार हिस्सेदारी के साथ 7.89 करोड़ आवक लेनदेन और 7.24% बाजार हिस्सेदारी के साथ 5.62 करोड़ जावक लेनदेन के साथ महत्वपूर्ण हिस्सा रखता है। मूल्य-वार आवक समाशोधन लेनदेन की राशि 12.33% की बाजार हिस्सेदारी के साथ ₹10.14

लाख करोड़ और 9.74% की बाजार हिस्सेदारी के साथ जावक लेनदेन राशि ₹8.01 लाख करोड़ है।

आपका बैंक सीमा पार वित्तीय संदेश पारेषण के लिए स्विफ्ट संदेश प्रणाली का उपयोग करता है। एसबीआई ने 41.33 लाख वित्तीय संदेशों का प्रसंस्करण किया है। एसबीआई ने ग्राहक सुरक्षा अनुपालन फ्रेमवर्क के लिए स्विफ्ट द्वारा निर्धारित सभी 24 अनिवार्य नियंत्रणों और 8 सलाहकार नियंत्रणों का पूरी तरह से अनुपालन किया है।

एटीएम

आपके बैंक का एटीएम विभाग पीसीआईडीएसएस अनुरूप है, जो भुगतान कार्ड उद्योग के लिए एक बेंचमार्क सुरक्षा मानक है। यह 31 मार्च 2024 तक 22.87 करोड़ सक्रिय डेबिट कार्ड उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान कर चुका है।

मेट्रो और ट्रांजिट परियोजनाएं: आपके बैंक ने सूक्ष्म भुगतानों को तेजी से डिजिटाइज करने के लिए विभिन्न मेट्रो और ट्रांजिट परियोजनाओं में हिस्सा लिया है। आपके बैंक को रुपये प्लेटफॉर्म पर क्यूएसपीएआरसी प्रौद्योगिकी को लागू करने के उद्देश्य से नागपुर मेट्रो, नोएडा मेट्रो, चेन्नई मेट्रो, कानपुर मेट्रो और एमएमआरडीए लाइन 2ए और लाइन 7, आगरा मेट्रो, एमएमआरसी लाइन-3 मेट्रो, एमबीएमसी सिटी बस और हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) परियोजनाओं का दायित्व दिया

गया है। आपके बैंक ने इन परियोजनाओं में 9.1 लाख प्रीपेड कार्ड जारी किए हैं।

सक्रिय जोखिम प्रबंधन (पीआरएम): आपके बैंक ने विभिन्न डिजिटल चैनलों पर किए गए संदिग्ध और धोखाधड़ी वाले लेनदेन की निगरानी के लिए धोखाधड़ी निगरानी समाधान अर्थात् पीआरएम लगाया है। वर्तमान में, पीआरएम एटीएम कैश, पीओएस, ई-कॉम, रिटेल आईएनबी, कॉर्पोरेट आईएनबी, मर्चेन्ट आईएनबी, योनो, योनो-लाइट, यूपीआई, कियोस्क बैंकिंग और फास्टैग के साथ एकीकृत है।

सीएमपी और एससीएफ्यू

आपके बैंक का नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी) बड़े कॉर्पोरेट और सरकारी ग्राहकों को भुगतान, संग्रह, अधिदेश आदि जैसे मॉड्यूल के माध्यम से उनके देय और प्राप्य के लिए सेवा प्रदान कर रहा है, जिससे आपके बैंक के लिए शुल्क और फ्लोट आय दोनों उत्पन्न हो रही हैं। वर्तमान एप्लिकेशन 2015-16 से परिचालन में है और ₹120 लाख करोड़ का वार्षिक कारोबार संभाल रहा है। आपके बैंक ने नियमित उत्पाद नवाचार के साथ ऑफ-द-शेल्फ टूल लाने के उद्देश्य से सुधार कार्य शुरू किया है, जो सितंबर 24 तक चालू होने की संभावना है और सभी मॉड्यूल के लिए समेकित सुइट/एकल लेनदेन बैंकिंग प्लेटफॉर्म होगा।

नई सुविधाओं का शुभारंभ

- ग्राहक आपके बैंक के एटीएम/एडीडब्ल्यूएम पर चिन्हित 11 भाषाओं में से अपनी पसंद की 'क्षेत्रीय भाषा' का चयन कर सकेंगे
- आपके बैंक ने महानगरों/बसों/पार्किंग आदि के लिए रुपये प्लेटफॉर्म पर नेशन फस्ट मेट्रो कार्ड लॉन्च किया है।
- प्रीपेड कार्ड प्रबंधन प्रणाली को आपके बैंक द्वारा ईपी के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है, इसलिए अब गैर-बैंक ग्राहक अपने एसबीआई द्वारा जारी प्रीपेड कार्ड के लिए ऑनलाइन टॉप अप कर सकते हैं
- अब अन्य बैंकों के ग्राहक भी एसबीआई ग्राहकों की तरह एसबीआई के एटीएम में भाषा का विकल्प चुन सकते हैं
- आपके बैंक ने ग्रीन पिन जनरेशन प्रक्रिया को नया रूप दिया है, जैसे 'पिन जनरेशन' विकल्प को और अधिक सरल प्रक्रिया के साथ 'पिन सेट करें' में बदल दिया गया है।
- आपके बैंक ने ग्राहकों की खुशी के लिए अधिक सुविधाओं और पेशकशों के साथ अलग-अलग डेबिट/ट्रांजिट कार्ड भी लॉन्च किए हैं।
- आपके बैंक द्वारा खाताधारक की घरेलू शाखा में गए बिना उसके डेबिट कार्ड का उपयोग कर एटीएम/एडीडब्ल्यूएम पर एसबीआई खाते को दूसरी शाखा में स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान की गई है।
- आपके बैंक द्वारा चालू खाता रखने वाले व्यावसायिक ग्राहकों के लिए एक अलग 'रोडियम' डेबिट कार्ड लॉन्च किया गया है और आपके बैंक के धन ग्राहकों के लिए 'रुपे सेलेक्ट' कार्ड लॉन्च किया गया है।

प्रमुख विशेषताएं

- तकनीकी सुविधाओं और नए तकनीकी प्लेटफॉर्म के आर्किटेक्चर को आगे बढ़ाने के लिए किसी भी नए उत्पादों / सेवाओं को लॉन्च करने के लिए टाइम टू मार्केट काफी कम हो जाएगा।
- नए पोर्टल के रूप में ग्राहकों की खुशी इसके एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) के साथ एकीकृत होगी।
- तृतीय पक्ष भागीदारी: प्लेटफॉर्म ओपन एपीआई प्रदान करता है जो बिजनेस टीम को तृतीय पक्ष फिनेटेक/ईआरपी प्रदाताओं आदि के साथ साझेदारी करने में सक्षम बनाएगा।

22.87 करोड़

31 मार्च 2024 तक सक्रिय कार्ड उपभोक्ता

9.1 लाख

मेट्रो एवं ट्रांजिट प्रीपेड कार्ड जारी

आपूर्ति शृंखला वित्त

आपूर्ति शृंखला वित्त एप्लिकेशन आपके बैंक के प्रमुख उद्योग ग्राहकों के चालान वित्तपोषण को पूरा करता है। इलेक्ट्रॉनिक डीलर फाइनेंस (ई-डीएफएस) और इलेक्ट्रॉनिक वेंडर फाइनेंस स्कीम (ई-वीएफएस) प्रमुख आपूर्ति शृंखला वित्त उत्पाद हैं जो आपके बैंक के एसएमई व्यवसाय में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। तकनीकी प्रगति, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रसार और फिनटेक के उद्भव के साथ, एससीएफयू वित्त परिदृश्य बदल गया है। आपके बैंक द्वारा तकनीकी प्लेटफॉर्म आर्किटेक्चर को माइक्रोसर्विस-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग कर उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव के साथ अपग्रेड किया गया है ताकि व्यावसायिक आवश्यकता को प्रोत्साहन दिया जा सके। एससीएफ रिवैम्प एप्लिकेशन ऑटो स्केलिंग, सेल्फ-हीलिंग क्लस्टर ऑर्किस्ट्रेशन के लिए बैंक के आंतरिक क्लाउड मेघदूत पर होस्ट किए गए तंजु कुबेनेट्स प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहा है। एप्लिकेशन स्वचालित तैनाती के लिए आपके बैंक के केंद्रीकृत डेवऑप्स सीआई/सीडी प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत है और इसमें वास्तविक समय एप्लिकेशन निगरानी सुविधा है।

विव 2023-24 के दौरान नई सुविधाएँ/उन्नत प्लेटफॉर्म

- उद्योग प्रमुखों, विक्रेताओं और शाखा उपयोगकर्ताओं के लिए एकीकृत पोर्टल
- संशोधित यूआई/यूएक्स के साथ उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव
- भूमिका-आधारित अभिगम नियंत्रण के साथ बेहतर उपयोगकर्ता प्रबंधन
- भविष्य के दिनांकित लेनदेन की अनुमति देना
- कस्टमाइज्ड रिवर्सल टाइम
- वायना टेक प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत
- एपीआई के माध्यम से सीधे प्रसंस्करण

एचआरएमएस

आपका बैंक इस तथ्य को स्वीकार करता है कि मानव पूंजी किसी भी संगठन के विकास इंजन के मूल में है। मानव पूंजी प्रबंधन की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, आपका बैंक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को निर्बाध डिजिटल मोड में मानव संसाधन सेवाएं प्रदान करने के लिए एआई/एमएल जैसी नई तकनीकों के साथ वर्तमान पीढ़ी और भविष्य के लिए तैयार क्लाउड-आधारित एचआरएमएस को लागू करने की प्रक्रिया में है।

प्रमुख विशेषताएँ

- एचसीएम प्लेटफॉर्म को दोबारा किराए पर लेना
- उच्च उपलब्धता
- वेब और मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड/आईओएस) के माध्यम से कर्मचारी प्रक्रिया/पेंशनभोगी प्रक्रिया का उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव
- मानव संसाधन प्रक्रियाओं के स्वचालन के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

एसबीआईइपे लाइट (पूर्ववर्ती एसबीएमओपीएस - स्टेट बैंक मल्टी-ऑप्शन पेमेंट सिस्टम)

आपके बैंक ने ई-कॉमर्स और अन्य व्यापारिक संस्थाओं के साथ साइट-टू-साइट इंटीग्रेशन का उपयोग कर विभिन्न तरीकों से संग्रह की सुविधा के लिए एसबीआईइपे लाइट शुरू की है। अब तक, एसबीआईइपे लाइट के माध्यम से एकीकृत कुल सक्रिय प्रत्यक्ष व्यापारी 701 हैं।

आपके बैंक ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं

- आधार आधारित मैडेट रजिस्ट्रेशन
- **फलाईवायर के साथ इंटीग्रेशन:** आपके बैंक ने विदेशों में शैक्षणिक संस्थानों को शुल्क के भुगतान हेतु एलआरएस के तहत प्रेषण संसाधित करने के उद्देश्य से भारत में अधिकृत डीलर (एडी) बैंक भागीदार के रूप में फलाईवायर के साथ टाई-अप किया है।

इंटरनेट बैंकिंग

आपके बैंक की इंटरनेट बैंकिंग 12.46 करोड़ खुदरा उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और विविध बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हुए एक सहज ऑनलाइन अनुभव प्रदान करती है। यह योनो लाइट एसबीआई, एसबीआई क्लिक, एसबीआई व्हाट्सएप और एसबीआई सिक्क्योर ओटीपी जैसे विभिन्न ग्राहक-सामना वाले मोबाइल एप्लिकेशन/सेवाओं को संभालता है। इन ऐप्स को ग्राहकों के बीच उत्कृष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त है और ये अपने उपयोग में आसानी और उत्कृष्ट उपयोगकर्ता अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

आपके बैंक ने प्रयोक्ता अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित पहल की हैं

- आपका बैंक एक उन्नत सुरक्षा उपाय के रूप में अपने स्वयं के डोमेन (.dot)sbi पर माइग्रेट हो गया है।
- हमारे ग्राहकों के लिए वास्तविक समय की निगरानी और सुरक्षा के लिए लेनदेन (वित्तीय और गैर-वित्तीय) को पीआरएम (प्रोएक्टिव रिस्क मैनेजमेंट) के साथ एकीकृत किया गया है।
- आपके बैंक ने लॉकर समझौतों के लिए डिजिटल दस्तावेज निष्पादन शुरू किया है।
- आपके बैंक ने पीआरएम (प्रोएक्टिव रिस्क मैनेजमेंट)/सीआरएम (कस्टमर रिलेशन मैनेजमेंट)/आईवीआर (इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस) के माध्यम से उपयोगकर्ता के निष्क्रिय होने के बाद उपयोगकर्ता गतिविधि पर प्रतिबंध लगाया है।
- आपके बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आईएनबी के माध्यम से मल्टीपल फिक्स डिपॉजिट के खिलाफ ओवरड्राफ्ट, टीडीआर और एसटीडीआर को बंद करने की सुविधा शुरू की है।
- आपके बैंक ने व्यक्तिगत अनुभव के लिए ग्राहक प्रोफाइल स्थिति पीआईआई चार्ट तैयार किया है।
- आपके बैंक ने खाता खोलने में आसानी के लिए वी-केवाईसी का उपयोग कर बचत बैंक खाता खोलने की शुरुआत की है।

एसबी कलेक्ट

आपका बैंक अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों को उनके सामान और सेवाओं के प्राप्तकर्ताओं से ऑनलाइन धन एकत्र करने के लिए एक अनूठा भुगतान समाधान प्रदान करता है।

स्टेट बैंक कलेक्ट को विशेष रूप से स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षिक संस्थानों, सरकारी विभागों, पीएसयू, कॉर्पोरेट्स, अस्पतालों, क्लबों, ट्रस्टों आदि की सुविधा के उद्देश्य से डिजाइन और विकसित किया गया है।

एसबीआई यूनो पे (बीबीपीएस: सभी बिल भुगतानों के लिए वन-स्टॉप समाधान)

आपके बैंक ने एनपीसीआई द्वारा होस्ट की गई बीबीपीएस सेवाओं के माध्यम से बिल भुगतान के लिए एक एसबीआई यूनो पे एप्लिकेशन विकसित किया है, जो जुलाई 2021 में लाइव हो गया है। एसबीआई यूनो पे प्लेटफॉर्म में, आपका बैंक बीबीपीएस और गैर-बीबीपीएस बिल भुगतान सुविधाएं प्रदान करता है।

एसबीआई यूनो पे ने जीएमईसी (ग्लोबल मनी एक्सचेंज कंपनी) को एजेंट संस्थान के रूप में शामिल किया है और उसने एजेंट संस्थान एपीआईएस का पर्दाफाश किया है, जिसे जीएमईसी द्वारा उपभोग किया गया था, ताकि चुनिंदा श्रेणियों के लिए भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) में सीमा पार इनबाउंड भुगतान को सक्षम बनाया जा सके। जीएमईसी ने अपनी शाखाओं के माध्यम से अपने ग्राहकों के लिए बीबीपीएस बिल भुगतान सुविधा भी शुरू की है।

एजेंट इंस्टीट्यूशन पोर्टल और एजेंट पोर्टल को एजेंट संस्थानों के लिए एमआईएस एक्सेस, शिकायत प्रबंधन और एमआईएस डैशबोर्ड कार्यक्षमता को सक्षम करने के लिए विकसित किया गया था, जो एजेंट पोर्टल में एजेंटों के लिए बिल भुगतान लेनदेन मॉड्यूल के साथ उपलब्ध हैं।

निष्पादन संबंधी प्रमुख बिन्दु

- साल-दर-साल मर्चेट ऑनबोर्डिंग वृद्धि 26.11%
- कमीशन आय मार्च 23 को ₹14.24 करोड़ से बढ़कर मार्च 24 तक ₹27.23 करोड़ हो गया।

आपके बैंक के एप्लिकेशन की कुछ उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं

- वर्तमान वित्तीय वर्ष में फरवरी 24 तक बिलर्स की कुल संख्या 1265 है जिसमें 17 ऑनलाइन बिलर्स और 1248 ऑफ़लाइन बिलर्स शामिल हैं।
- 13 आरआरबी को एजेंट संस्थानों के रूप में शामिल किया गया है और उनके 191 सीएसपी/शाखाओं को आरआरबी को बीबीपीएस समाधान प्रदान करने वाले एजेंट के रूप में शामिल किया गया है।

निष्पादन संबंधी प्रमुख बिन्दु

- बैंक की ग्राहक परिचालन इकाई के माध्यम से बीबीपीएस बिल भुगतान की कुल संख्या 31.55 लाख तक पहुंच गई, जिसकी राशि ₹2,834.53 करोड़ है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक की बिलर ऑपरेटिंग यूनिट के माध्यम से लेनदेन की संख्या 233.25 लाख तक पहुंच गई, जिसकी राशि ₹11,960.92 करोड़ रुपये है।

व्हाट्सएप बैंकिंग

व्हाट्सएप बैंकिंग भविष्य की बैंकिंग के लिए आपके बैंक द्वारा ग्राहक-केंद्रित पहलों में से एक है, और इसने निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं:

ग्राहक व्हाट्सएप बैंकिंग में अपनी पसंदीदा भाषा चुन सकते हैं। वर्तमान में व्हाट्सएप बैंकिंग 4 भाषाओं में उपलब्ध है - अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली और तमिल।

21 प्रक्रियाओं के माध्यम से कुल 80+सेवाएं शुरू की गई हैं। उपलब्ध कुछ प्रमुख सुविधाएं हैं:

- मिनी स्टेटमेंट
- शाखा एटीएम लोकेटर
- पेंशन पर्ची
- ई-स्टेटमेंट
- ब्याज प्रमाण पत्र
- भाषा चयन।

योनो लाइट

योनो लाइट का कुल प्रयोक्ता आधार 2.49 करोड़ है और यह आपके बैंक के ग्राहकों के बीच व्यापक रूप से स्वीकृत एप्लीकेशन है जो उनकी दैनिक बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करता है।

आपके बैंक ने योनो लाइट मोबाइल बैंकिंग ऐप में निम्नलिखित सुविधाएं लॉन्च की हैं

- योनो लाइट पर एफटीसी के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा
- आईएनबी लॉगिन और प्रोफाइल पासवर्ड की अवधि समाप्ति पर अग्रिम सूचना
- प्रीपेड कार्ड लिंक सुविधा
- वर्चुअल डेबिट कार्ड जारी करना

सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी)

आपका बैंक सीबीडीसी पैन इंडिया में शुरू करने के लिए आरबीआई द्वारा पहचाने गए 15 पायलट बैंकों में से एक है। सीबीडीसी तीन पेशकश करता है यानी, इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में मुद्रा, सेंट्रल बैंक द्वारा जारी और सार्वभौमिक रूप से सुलभ है। आधे मिलियन

उपयोगकर्ताओं और लगभग 35,000 व्यापारियों के साथ, आपके बैंक ने एक ही दिन में दस लाख लेनदेन किए हैं। आपका बैंक इस परिवर्तनकारी तकनीक में नवाचारों का नेतृत्व कर रहा है और खुदरा और थोक सीबीडीसी दोनों में सक्रिय है। यूपीआई

इंटरऑपरेबिलिटी, प्रोग्रामेबल सीबीडीसी, ऑफ-लाइन सीबीडीसी और यूपीआई इंटेंट जैसे उपयोग के मामलों के साथ, सीबीडीसी पैसे का त्वरित वास्तविक समय हस्तांतरण सुनिश्चित करता है।

योनो बिजनेस और सीआईएनबी

आपके बैंक का योनो व्यवसाय डिजिटल रूप से सभी प्रकार की गैर-व्यक्तिगत संस्थाओं की विभिन्न बैंकिंग इंटरफ़ेस आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिसमें छोटे स्वामित्व/एमएसएमई से लेकर बड़े बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेट्स से लेकर केंद्र और राज्य सरकारें शामिल हैं। इसमें लगभग 32.65 लाख पंजीकृत कॉर्पोरेट उपयोगकर्ता आधार हैं।

कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग और योनो बिजनेस में कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए कई नई सेवाएं शुरू की गईं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- पीएबीएल (प्री अप्रूव्ड बिजनेस लोन), बिजनेस रूल इंजन (बीआरई) ऋण सुविधा साझेदारी ग्राहकों तक विस्तारित
- सरल और कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए यूपीआई त्वरित स्थानांतरण भुगतान सुविधा
- जीबी (सॉफ़्टवेयर गैर-बैंड) में निवेश हेतु एचयूएफ/ट्रस्ट ग्राहकों के लिए सीआईएनबी में सुविधा
- योनो बिजनेस मोबाइल में भुगतान सुविधा (योनो पे) की पुनर्कल्पना
- वित्तीय संस्थान शाखा के माध्यम से एनएसई के साथ ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधा का लाभ उठाने के लिए स्टॉकब्रोकरों के लिए ई-एफडीआर सुविधा
- प्रत्यक्ष एकीकरण या तीसरे पक्ष के माध्यम से व्यावसायिक ग्राहकों के लिए एपीआई बैंकिंग सुविधा
- एकल मालिकों के लिए वी-केवाईसी डिजिटल चालू खाता खोलना
- साझेदारी और स्टार्ट-अप ग्राहकों के लिए दो उपयोगकर्ता सीआईएनबी उत्पाद चालू किए गए
- साझेदारी और स्टार्ट-अप ग्राहकों के लिए दो उपयोगकर्ता सीआईएनबी उत्पाद की पेशकश
- नए ईफॉरेक्स उपयोगकर्ता सृजन और सीमा परिवर्तन के लिए वाईबीबीआई ख में उन्नत ई-फॉरेक्स सुविधा

एसबीआईपीजी

आपके बैंक का एसबीआईपीजी एक पीसीआईडीएसएस प्रमाणित एप्लिकेशन है, जो एकीकृत भुगतान एग्जीक्यूटर्स/व्यापारियों के माध्यम से प्राप्त कार्ड-आधारित ई-कॉमर्स लेनदेन को संसाधित करता है। विव2023-24 के दौरान, 4360 उप-व्यापारियों को जोड़ा गया। 31 मार्च 2024 तक, 87,630 उप-व्यापारी और 17 एग्जीक्यूटर्स एसबीआईपीजी के साथ एकीकृत हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- हाइब्रिड क्लाउड-आधारित नए भुगतान गेटवे समाधान का कार्यान्वयन
- निपटान फ़ाइलों के प्रसंस्करण का स्वचालन
- ऑल्ट आईडी समाधान का कार्यान्वयन
- आरएफपी के माध्यम से एसीएस सेवाओं के लिए सेवा प्रदाता का चयन
- नए पीजी समाधान में व्यापारियों और उनके उप-व्यापारियों का प्रवासन

एसबीआई-पे

आपके बैंक का भुगतान एग्जीक्यूटर्स समाधान पीसीआईडीएसएस और आईएसओ27001:2013 प्रमाणित है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, ने यूपीपीआरबी, एनआईटी त्रिची, सिडको, पश्चिम बंगाल जीआरआईपीएस 2.0, ओडिशा आईएफएमएस 2.0, आदि जैसे प्रतिष्ठित व्यापारियों सहित 617 नए व्यापारियों को जोड़ा गया। 31.03.2024 तक, 2597 व्यापारी एसबीआई-पे के साथ एकीकृत हैं।

प्रमुख विकास और नए भुगतान चैनल

वर्ष के दौरान हुए प्रमुख सुधारात्मक कार्य:

- एसबीआई ई-पे के माध्यम से डिजिटल ऋण संग्रह प्रक्रिया
- दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए कस्टमाइज्ड इंटीग्रेशन
- ओडिशा आईएफएमएस 2.0 इंटीग्रेशन
- ग्रिप्स 2.0 इंटीग्रेशन

वर्ष के दौरान एसबीआई ई-पे के साथ एकीकृत नए भुगतान चैनल:

- एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (कॉर्पोरेट)
- पंजाब एंड सिंध बैंक (कॉर्पोरेट)
- ईएसएफ लघु वित्त बैंक (खुदरा)
- कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक (खुदरा)
- आपके बैंक ने खाता खोलने में आसानी के लिए वी-केवाईसी का उपयोग कर बचत बैंक खाता खोलने की शुरुआत की है

यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस)

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) आपके बैंक का एक प्रमुख एप्लिकेशन है, जो कई बैंक खातों को इंटरऑपरेबिलिटी के साथ एक ही मोबाइल प्लेटफॉर्म में एकीकृत करता है। यह विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं का विलय करता है, एक एकीकृत भुगतान प्लेटफॉर्म (यानी यूपीआई) के माध्यम से निर्बाध फंड रूटिंग और व्यापारी भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में, आपके बैंक ने प्रतिदिन लगभग 17 करोड़ यूपीआई वित्तीय और 9 करोड़ गैर-वित्तीय लेनदेन की उच्चतम मात्रा को सफलतापूर्वक संसाधित करके एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया। यूपीआई इको-सिस्टम में आपके बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समग्र इको-सिस्टम में कुल मात्रा का 26-30% योगदान देता है जिसमें एसबीआई यूपीआई सुविधाओं के साथ 52 करोड़ से अधिक ग्राहकों का समर्थन कर रहा है जिसमें एसबीआई और गैर-एसबीआई उपयोगकर्ता दोनों शामिल हैं।

आपके बैंक ने ग्राहक सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से इस वर्ष निम्नलिखित आवश्यक सुविधाएं शुरू की हैं:

- विदेशी पी2एम लेनदेन को सक्षम करना:** ग्राहक अब आपके भीम एसबीआई पे ऐप का उपयोग कर अपने एसबीआई खाते से डेबिट के माध्यम से श्रीलंका और मॉरीशस में व्यापारियों को सीधे भुगतान कर सकते हैं।
- यूपीआई क्रेडिट:** आपके बैंक ने पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट ऋण खातों के माध्यम से यूपीआई लेनदेन शुरू किया है।
- यूपीआई पर ग्राहकों की आधार ओटीपी-आधारित ऑनबोर्डिंग:** आपके बैंक ने बिना डेबिट कार्ड वाले ग्राहकों के लिए यूपीआई सुविधा शुरू की है, लेकिन उनका आधार उनके एसबीआई खाते से जुड़ा हुआ है।
- आपका बैंक अब सीबीडीसी इंटरऑपरेबिलिटी का समर्थन करता है

विदेश कार्यालय

आपके बैंक ने अपने विदेशी कार्यालयों में निम्नानुसार विभिन्न पहल की हैं:

योनो ग्लोबल - आपके बैंक ने विभिन्न विदेशी कार्यालयों में ग्राहकों को खुदरा बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार योनो ग्लोबल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाया है। 11 एफओ में दो लाख से अधिक ग्राहक पहले ही ऐप से जुड़ चुके हैं। योनो ग्लोबल ऐप की पहुंच को और अधिक विस्तारित करने के लिए, आपके बैंक ने इसे सिंगापुर और ओमान में लागू करने की योजना बनाई है।

एफओ कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग (आईएनबी) प्लेटफॉर्म का पुनरुद्धार - उभरते वैश्विक कॉर्पोरेट्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए सामग्री समृद्ध, समकालीन और डिवाइस एन्डोस्टिक ओमनी चैनल

प्लेटफॉर्म-कॉर्पोरेट आईएनबी समाधान- को लागू करने के लिए आपके बैंक द्वारा एक परियोजना शुरू की गई है।

एफओ - खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वयन - एफओ-आरएलएमएस परियोजना को आपके बैंक द्वारा इन्फ्रा-लाइट, क्लाउड नेटिव आर्किटेक्चर पर इन-हाउस विकसित किया गया था और सिंगापुर में पायलट कार्यान्वयन के साथ बैंक के मेघदूत तंजु प्लेटफॉर्म (कुबेरनेट्स कार्यान्वयन) पर तैनात किया गया था।

आपके बैंक को मौकस स्विच (मॉरीशस में) के साथ एकीकृत किया गया है जिसने मॉरीशस एटीएम/पीओएस मशीनों पर 'रु पे कार्ड' स्वीकार करने हेतु सक्षम बनाया है।

कार्यपालक सहायता प्रणाली

2023-24 के दौरान आपके बैंक द्वारा जीते गए पुरस्कार

आपके बैंक को आईबीई बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2022-23 के तहत निम्नलिखित पुरस्कारों का विजेता घोषित किया गया है:

- सर्वश्रेष्ठ वित्तीय समावेशन - विजेता
- सर्वश्रेष्ठ आईटी जोखिम प्रबंधन - विजेता
- सर्वश्रेष्ठ फिनटेक और डीपीआई अडॉप्शन - विजेता
- सर्वश्रेष्ठ डिजिटल एंगेजमेंट - उपविजेता
- वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एआई और एमएल बैंक - विशेष उल्लेख

डेटा अभिशासन

आपके बैंक में डेटा गवर्नेंस वैश्विक रुझानों के अनुरूप विकसित हो रहा है, नियामक और अनुपालन दायित्वों से परे है और डेटा-संचालित निर्णय लेने की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। आपके बैंक में डेटा संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने से डेटा के मूल्य को समझने में कर्मचारियों की जागरूकता और जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया जाता है। डिजाइन द्वारा डेटा गुणवत्ता को अपनाकर, आपका बैंक सभी परिचालनों में डेटा

की सटीकता, विश्वसनीयता और निरंतरता सुनिश्चित करता है। यह दृष्टिकोण, परिचालन दक्षता में सुधार के अलावा, सुरक्षित डेटा हैंडलिंग और अनुपालन पालन के माध्यम से ग्राहक विश्वास को भी मजबूत करता है। इसके अलावा, आपका बैंक अपने मौजूदा डेटा गुणवत्ता सूचकांक (डीक्यूआई) को बढ़ाने की प्रक्रिया में है, जो कई उत्पादों में फैले विभिन्न डोमेन को कवर करने के लिए निरपेक्ष रूप से डेटा की गुणवत्ता को मापने का एक मापदंड है। आपका बैंक सक्रिय

रूप से आंतरिक डेटा को बाहरी जानकारी के साथ एकीकृत कर रहा है ताकि नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके, नए व्यावसायिक अवसरों की पहचान की जा सके और ग्राहक सेवा में वृद्धि की जा सके। महत्वपूर्ण डेटा क्षेत्रों को प्राथमिकता देना और सक्रिय उपायों को लागू करना आपके बैंक के भीतर प्रभावी डेटा प्रबंधन के लिए एक सुव्यवस्थित, चुस्त और लचीला पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करता है।



नेशन फस्ट ट्रॉजिट कार्ड का शुभारंभ

कोर और विशेष परियोजनाएं

एग्री टेक

आपके बैंक के एग्री टेक विभाग ने एग्री लैंडस्केप में परिवर्तनों के साथ खुद को संरेखित किया है। विभिन्न ई-2-ई डिजिटल प्रक्रियाएँ, फिनटेक इंटीग्रेशन, एग्री टेक क्षेत्र में क्लाउड तैयार करना, भारत सरकार - जनसमर्थ/आरबीआईएच और अन्य एजेंसियों के साथ

इंटीग्रेशन और किसानों को घर्षण रहित ऋण सक्षम करना आपके बैंक के एग्री टेक विभाग की कुछ प्रमुख पहल हैं। यह ऋण प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म को एक नए युग के मॉड्यूलर टेक स्टैक - न्यू एग्री एलएमएस के साथ बदलने की प्रक्रिया में है, जो कृषि ऋण प्राप्त करने के ग्राहक अनुभव को बढ़ाएगा।

शुरु की गई ग्राहक केंद्र परियोजनाएं

- आपका बैंक कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण संसाधित करने के लिए एक संशोधित एग्री टेक स्टैक को जोड़ने की प्रक्रिया में है जो ऋण संसाधन के टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) को काफी कम कर देगा। आपके बैंक ने कृषि संबंधी गतिविधियों को डिजिटल बनाने पर भी काम शुरू कर दिया है
- असेवित और अल्पसेवित आबादी तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, हमने सह-उधार मॉडल के तहत इक्वीटा एनबीएफसी/एचएफसी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मॉडल के तहत, आपके बैंक ने 2.48 लाख से अधिक उधारकर्ताओं को 1,254 करोड़ से अधिक राशि के ऋण स्वीकृत किए हैं, जिनमें से सी 1 लाख तक के ऋण के लिए 2.41 लाख से अधिक खातों को डिजिटल

मोड में स्वीकृत किए गए हैं।

- आपका बैंक सक्रिय रूप से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को वित्तपोषित करने के लिए तत्पर है और वर्ष के दौरान कई एफपीओ कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किए हैं
- आउटसोर्सिंग सेवा अनुषंगी स्टेट बैंक परिचालन सहायता सेवा (एसबीओएसएस) ने ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अपने प्रचालन को स्थिर कर दिया है। यह अनुषंगी हाई टेक, हाई टच और लो कॉस्ट मोड पर काम करती है और इसने आपके बैंक को 4,00,000 से अधिक नए केसीसी ऋणों को जुटाने में मदद की है, जो 8,500 करोड़ रूपए से अधिक है

आपके बैंक के एग्री टेक विभाग द्वारा की गई प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं:

एलओएस एग्री - जनसमर्थ के साथ इंटीग्रेशन

- आपके बैंक ने एक डिजिटल केसीसी स्ट्रेट थ्रू प्रोसेस प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जिसने मैसर्स ओपीएल लिमिटेड (जनसमर्थ पोर्टल) और कर्नाटक सरकार - फ्रूट्स पोर्टल के सहयोग से कर्नाटक में किसानों को 1.6 लाख तक के ऋण संसाधित किए हैं। पोर्टल कर्नाटक राज्य सरकार के डिजिटल भूमि रिकॉर्ड का उपयोग करता है, जो उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव के साथ ई-2-ई प्रक्रिया का पूर्ण स्वचालन प्रदान करता है

एनबीएफसी को-लेंडिंग प्लेटफॉर्म

- आपके बैंक ने एनबीएफसी सह-ऋण के लिए एनबीएफसी सह-ऋण के लिए प्रत्यक्ष समनुदेशन मॉडल (नियम बनाया गया जहां बैंक एनबीएफसी द्वारा उद्धृत और स्वीकृत ऋणों के अपने हिस्से को लेने या अस्वीकार करने के लिए अपने विवेक का प्रयोग कर सकता है, बैंक के उचित परिश्रम के अधीन) के लिए एनबीएफसी सह-ऋण के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है
- यह परियोजना सार्वजनिक क्लाउड (अमेज़न वेब सर्विसेज) पर आपके बैंक का पहला व्यावसायिक एप्लिकेशन है और सामान्य रूप से डिज़ाइन किए गए एपीआई का उपयोग करके एकीकृत है। यूनिकॉर्न फिनटेक अर्थात यूबीआई (पूर्ववर्ती क्रेडावेन्यू) के साथ भागीदारी की गई, यह आपके बैंक द्वारा दो विविध संगठनों (एक बड़े बैंक और एक एजाइल फिनटेक) के बीच मजबूत सहयोग द्वारा लाए गए उधार परिदृश्य में एक आदर्श बदलाव है।



इसी प्रकार, आपका बैंक केसीसी एंड-टू-एंड डिजिटल एसटीपी प्रक्रिया के लिए आरबीआईएच पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म फॉर फ्रिक्शनलेस क्रेडिट (पीटीपीएफसी) के साथ एकीकृत हो रहा है। पीटीपीएफसी प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय महत्व का होगा और काफी हद तक ऋण प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण और डेटा विनिमय प्रारूपों के मानकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कोर बैंकिंग

आपके बैंक का सीबीएस ग्राहक आधार हाल ही में 500 मिलियन बैंचमार्क को पार कर गया है, क्योंकि सीबीएस ने वर्ष के दौरान विभिन्न ग्राहक सेवा पहलों/सुधार को लॉन्च करना जारी रखा है।

प्रमुख पहल

यूपीआई लेनदेन के लिए बीजीएल रहित एप्रोच का कार्यान्वयन

- आपके बैंक ने एक प्रक्रिया रूपांतरण पहल शुरू की है। यूपीआई लेनदेन बीजीएल रहित एप्रोच में चले गए हैं और इसे ऐसे अन्य उच्च मात्रा वाले लेनदेन में लागू किया जा रहा है। इससे यूपीआई में तकनीकी गिरावट (टीडी) में 0.19% की कमी आई है जो 1% के उद्योग बैंचमार्क से बहुत कम है।

माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर

- आपके बैंक ने सीबीएस में एक संशोधित स्टेटमेंट कार्यक्षमता विकसित की है, माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर का उपयोग करके एक नया स्टेटमेंट प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है जो उच्च मात्रा वाले लेनदेन को संभाल

सकता है और क्षमता को लेनदेन के 1,000 पृष्ठों तक बढ़ाया जा रहा है।

सीमाओं की निर्बाध निरंतरता

- बैंक जमा के विरुद्ध ओडी का स्वतः नवीनीकरण - आपके बैंक ने सीमाओं की निर्बाध निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बैंक जमा खातों के विरुद्ध ओडी के स्वतः नवीनीकरण शुरू किया है।
- ईपीएस लेनदेन में सुरक्षा बढ़ाना: आपके बैंक ने ईपीएस लेनदेन में सुरक्षा उपाय बढ़ाए हैं, जिसमें ग्राहकों को अपने खाते में ईपीएस लेनदेन सक्षम करने के लिए स्पष्ट रूप से पंजीकरण करना होगा, जिसमें ऑन अस/ऑफ अस लेनदेन के लिए जोखिम सीमा को परिभाषित करने का विकल्प होगा।

आईटी-रिटेल लोन

आपके बैंक की खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस), एक इन-हाउस विकसित एप्लिकेशन, एसटीपी प्रक्रिया के साथ खुदरा ऋणों को संसाधित करने हेतु संपूर्ण प्रक्रिया है। आपके बैंक की खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस), एक इन-हाउस विकसित एप्लिकेशन, एसटीपी प्रक्रिया के साथ खुदरा ऋण प्रसंस्करण के लिए एक संपूर्ण प्रक्रिया है। स्रोत प्रणाली सीबीएस से प्राप्त अधिकांश डेटा के साथ न्यूनतम मैनुअल इनपुट डेटा गुणवत्ता और तेज वितरण में सुधार करने में मदद करता है। यह क्रेडिट स्कोर, घोखाधड़ी का पता लगाने, डिजिटल दस्तावेजीकरण, लीड प्रबंधन आदि के लिए कई सेवाओं के साथ एकीकृत है।

आईटी-कॉर्पोरेट और एसएमई ऋण

आपके बैंक के कॉर्पोरेट और एसएमई ऋणों की संपूर्ण प्रक्रिया एक इन-हाउस विकसित ऋण लाइफ साइकल प्रबंधन प्रणाली (एलएलएमएस) पोर्टल के माध्यम से कैप्चर की जाती है, जिसमें क्रेडिट प्रक्रिया का पूरा लाइफ साइकल स्वचालित होता है, जिससे क्रेडिट प्रक्रिया का मानकीकरण होता है, जोखिम प्रबंधन में वृद्धि होती है और उपयोगकर्ता अनुभव और टीएटी में सुधार होता है।

एलएलएमएस के तहत प्रमुख नई पेशकश

बिजनेस रूल इंजन (बीआरई) प्रक्रिया

- आपके बैंक ने सभी शाखाओं के लिए 1 मिलियन से 50 मिलियन लाख रुपये के बीच एक्सपोजर के लिए बीआरई प्रक्रिया शुरू की है। बीआरई सीएलपी पोर्टल के माध्यम से ऋण आवेदन करने पर आवेदकों को तुरंत गो/नो गो दे रहा है और यह प्रक्रिया बैंक के नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों के लिए विकसित की गई है।

फिनेकल के साथ एलएलएमएस का इंटीग्रेशन

- आपके बैंक ने क्रेडिट प्रस्ताव की मंजूरी के बाद सीआरए/ईसीआरए/खाता खोलने/संपार्श्विक निर्माण को अपडेट करने के लिए ऋण जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (एलएलएमएस) को फिनेकल के साथ एकीकृत किया है।

ई-जीएसएस पोर्टल के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना

- आपके बैंक ने नई शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों/शिल्पकारों को ऋण प्रदान करने के लिए सरलीकृत प्रक्रिया शुरू की है।

वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाएं (एफआई और जीएस)

आपके बैंक को आईबीए वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2022-23 में बड़े बैंकों के बीच **सर्वश्रेष्ठ डिजिटल वित्तीय समावेशन श्रेणी में लगातार पांचवें वर्ष विजेता घोषित किया गया।**

मुख्य पहल

डीबीटी

- डीबीटीएल एप्लीकेशन आर्किटेक्चर को आपके बैंक द्वारा बढ़ते वॉल्यूम को पूरा करने और सब्सिडी प्रोसेसिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए नया रूप दिया गया। चालू वित्त वर्ष में, आपके बैंक ने विभिन्न सरकारी एजेंसियों से 1.73 करोड़ भुगतान निर्देशों के माध्यम से 92 लाख लेनदेन के दैनिक औसत के साथ 335.7 करोड़ लेनदेन संसाधित किए हैं

आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (ईपीएस) लेनदेन

- आपके बैंक ने ईपीएस उत्पाद (दायित्व, अधिग्रहणकर्ता और जारीकर्ता लेनदेन) के लिए अप टाइम को 99.8% पर बनाए रखा है, जो उद्योग में सबसे अच्छा है। 0.01% के भीतर, ईपीएस जारीकर्ता ट्रांजैक्शन तकनीकी अस्वीकृति वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 6.00% की तुलना में 1.37% है

सीएसपी के लिए एंड्रॉइड आधारित हैंडहेल्ड डिवाइस का लॉन्च

- आपके बैंक की हैंडहेल्ड डिवाइस की पहल सीएसपी एजेंटों को घूमने-फिरने और ग्राहकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के दरवाजे पर सेवाएं प्रदान करने की सुविधा प्रदान करती है। चरण 1 में, आपके बैंक ने टैब पर पांच ईपीएस और सीआईएफ-आधारित सेवाएं (नकद जमा, नकद निकासी, फंड ट्रांसफर, बैलेंस पूछताछ और मिनी स्टेटमेंट) उपलब्ध कराई हैं। ये बुनियादी बैंकिंग सेवाएं 03.10.2023 से सीएसपी पर उपलब्ध कराई

गई हैं।

कियाँस्क पर आइरिस स्कैनर का प्रावधान

- आईआरआईएस प्रमाणीकरण को धोखा देना मुश्किल है और इसलिए धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकता है। आपके बैंक ने ग्राहकों के लिए आपके बैंक के सीएसपी आउटलेट पर फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के अलावा यूआईडीआई के आईआरआईएस प्रमाणीकरण तंत्र का उपयोग करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। इससे ग्राहकों की सुविधा में भी सुधार होगा, खासकर वरिष्ठ नागरिकों के मामले में जिनकी उंगलियों के निशान उम्र के साथ फीके पड़ जाते हैं और मेल नहीं खाते।

सीएसपी आउटलेट पर विभिन्न ऋणों के लिए लीड जनरेशन सुविधा

- आपके बैंक ने पांच सेवाओं (मोटर बीमा, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड और डीमैट) के लिए सीएसपी द्वारा उत्पन्न लीड उपलब्ध कराया है। ये लीड आगे की प्रक्रिया के लिए लिंक की गई शाखाओं में उपलब्ध होंगे।

ईपीएस ऑफ अस कैश डिपॉजिट जारीकर्ता

- आपके बैंक ने ग्राहकों को अन्य बैंकों के सीएसपी आउटलेट पर ईपीएस प्रमाणीकरण के माध्यम से नकदी जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई है।

आईटी-विशेष परियोजनाएं

आपके बैंक को डिजीगोव फंड मैनेजमेंट सॉल्यूशन एप्लीकेशन के लिए फिनोविटी अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। एसबीआई लॉयल्टी रिवाइर्स को कस्टमर फेस्ट अवार्ड 2023 के तहत वित्तीय क्षेत्र बैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ लॉयल्टी प्रोग्राम घोषित किया गया।

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित पहलें/विकास शुरू किए हैं:

डिजीगोव

आपके बैंक ने आधार आधारित और खाता-आधारित के लिए क्रमशः आधार भुगतान ब्रिज सिस्टम (एपीबीएस) और एनएसीएच प्लेटफॉर्म के माध्यम से लेनदेन संसाधित करने के लिए एनपीसीआई के साथ फंड प्रबंधन समाधान (एफएमएस) को एकीकृत किया है। एप्लीकेशन 34,674 करोड़ (39% बाजार हिस्सेदारी) के शेष के साथ 1,004 राज्य नोडल एजेंसी खातों और 2,092 करोड़ रुपये (39% बाजार हिस्सेदारी) के साथ 201 केंद्रीय नोडल एजेंसी खातों को संभाल रहा है।

महत्वपूर्ण योजनाएं

- राज्य शिक्षा केंद्र, एनएसीएच प्लेटफॉर्म बीओसीडब्ल्यू के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार
- एपीबीएस के माध्यम से बीओसीडब्ल्यू, झारखंड सरकार
- टफिडको, तमिलनाडु सरकार
- रक्त आधान, पश्चिम बंगाल सरकार
- डीएटी पुडुचेरी
- महाराष्ट्र राज्य आजीविका ग्रामीण मिशन

संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड्स)

आपके बैंक ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत सीएसएस: सीएनए (केंद्रीय क्षेत्र योजना: केंद्रीय नोडल खाता) तंत्र के तहत डिजीगॉव शुरू किया है। वेब पोर्टल को 01.04.2023 से लाइव किया गया था और मंत्रालय द्वारा वांछित बाद के परिवर्तनों को वर्ष के दौरान निम्नलिखित वेबसाइट (<https://mplads.sbi>) पर रोल आउट किया गया है।

आपके बैंक ने एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्मों पर इस योजना की प्रमुख कार्यात्मकताओं को शामिल करते हुए एक मोबाइल एप्लिकेशन (एमपीलैड्स - ईसाक्षी) लाइव कर दिया है।

आपके बैंक ने इंटरनेट के माध्यम से एमपीएलएडी समाधान के लिए डिजीगॉव के तहत एक प्रशिक्षण क्षेत्र भी स्थापित किया है, जो आपके बैंक के किसी भी एप्लिकेशन के लिए अपनी तरह का पहला क्षेत्र है, जो माननीय सांसदों और अन्य सरकारी पदाधिकारियों के लिए क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों को उपलब्ध करता है। लोक सभा और राज्य सभा के सभी माननीय संसद सदस्यों को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है।

सरकारी व्यापार सॉफ्टवेयर समाधान (जीबीएसएस): टीआईएन 2.0 का रोल आउट

आपके बैंक के जीबीएसएस एप्लिकेशन ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 01.04.2023 से 31.03.2024 तक 4.77 लाख करोड़ से अधिक के रसीद लेनदेन और 1.35 लाख करोड़ से अधिक के भुगतान लेनदेन को संभाला है।

आयकर के लिए सीबीडीटी के निर्देशों के तहत, आपके बैंक ने 01.04.2023 से आयकर प्रक्रियाओं को डिजिटाइज और सुव्यवस्थित करने के लिए ऑनलाइन टैक्स अकाउंटिंग सिस्टम (ओएलटीएस) के प्रतिस्थापन के रूप में टैक्स इन्फॉर्मेशन सिस्टम (टीआईएन) 2.0 लागू किया है। यह सुविधा एसबीआई की सभी शाखाओं के लिए उपलब्ध कराई गई है।

कॉर्पोरेट्स के लिए माइक्रोसाइट का सुधार

कॉर्पोरेट्स की व्यावसायिक क्षमता को आकर्षित करने और उसका दोहन करने के लिए, आपके बैंक ने माइक्रोसाइट डिजाइन, सामग्री परिवर्तन, संरक्षण, दोषपूर्ण लिंक को हटाने, ग्राहक स्वीकृति बढ़ाने के लिए अद्यतन संपर्क विवरण में एकरूपता लागू की है।

एसबीआई की वेबसाइट पर स्टार्टअप वेबपेज

यह सुविधा आपके बैंक द्वारा विशाल व्यावसायिक संभावनाओं और स्टार्ट-अप इको-सिस्टम से जुड़े अवसरों का दोहन करने के लिए उपलब्ध कराई गई है।

जीएसटी

- **मैचिंग लॉजिक्स में सुधार:** आपके बैंक ने आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दावा करने के लिए पीआरडीसी मिलान प्रतिशत में 90% तक की वृद्धि को समर्थ किया है।
- **जीएसटीआर 6 का स्वचालन:** आपके बैंक के पास इनपुट सेवा वितरक के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उनके जीएसटीआर 1 में दिए गए विवरण के आधार पर एक स्वचालित जनरेशन फॉर्म है।

एसबीआई लॉयल्टी: व्हाट्सएप पर पॉइंट्स

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपके बैंक की उपस्थिति को प्रोत्साहित करने के लिए, व्हाट्सएप पर सफल पंजीकरण के लिए ग्राहकों को 50 रिवॉइ पॉइंट दिए जाते हैं। फ्लोट फंड को बढ़ावा देने के लिए, आपके बैंक ने स्वामित्व के तहत चालू खाता धारकों को उनके मासिक औसत शेष (एमएबी) के आधार पर 30 से 1000 रिवॉइ पॉइंट क्रेडिट करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, निष्क्रिय/निष्क्रिय चालू खातों को सक्रिय करने के लिए 200 रिवॉइ पॉइंट जमा किए जाते हैं।

एसबीआई फास्टैग

डिजिटल लेनदेन के गतिशील परिदृश्य में, एसबीआई फास्टैग वित्तीय वर्ष 2023-24 में गेम चेंजर के रूप में उभरा। इस अभिनव समाधान ने लोगों को यात्रा का अनुभव करने, टोल भुगतान को सुव्यवस्थित करने और सड़कों पर समग्र सुविधा बढ़ाने के तरीके में क्रांति ला दी।

आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान 27.50 लाख से अधिक फास्टैग जारी किए हैं और शुरुआत से 50 लाख से अधिक फास्टैग जारी किए गए हैं। मासिक जारी करने में बाजार हिस्सेदारी मार्च 2024 में काफी बढ़कर 18% हो गई है। एसबीआई फास्टैग के लिए ऑनलाइन जारी करना शुरू कर दिया गया है और ग्राहक की सुविधा के लिए गूगल पे, फोनपे, अमेज़न पे, बीबीपीएस और यूपीआई सहित कई रिचार्ज विकल्प प्रदान किए गए हैं। उत्पाद को लोकप्रिय बनाने और जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए, आपके बैंक ने सोशल मीडिया पर विभिन्न क्रिएटिव प्रकाशित किए हैं और टोल प्लाजा के पास विभिन्न राजमार्गों पर होर्डिंग्स स्थापित किए हैं।

सीआरसी का स्वचालन (ग्राहक जोखिम वर्गीकरण) राइट बैंक

नियामक आवश्यकताओं के हिस्से के रूप में, सभी नए खोले गए/संशोधित खातों/ग्राहकों के लिए ग्राहक जोखिम की गणना स्कोर-आधारित मॉडल के आधार पर की जानी चाहिए और सीबीएस को राइट बैंक किया जाना चाहिए। वर्तमान में, एमलॉक-जनित जोखिम को फ़ाइल-आधारित प्रणाली का उपयोग करके साप्ताहिक आधार पर सीबीएस में राइट बैंक किया जाता है। आपके बैंक ने एक एपीआई-आधारित कार्यक्षमता प्रदान की है जो वास्तविक समय के आधार पर एमलॉक-जनित ग्राहक जोखिम को सीबीएस में राइट बैंक करती है। नया एप्रोच फ़ाइल-आधारित राइट बैंक प्रक्रिया की तुलना में बेहतर दक्षता पैदा करता है।

भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) को सीमा पार इनबाउंड बिल को संसाधित करने में सक्षम करना

पूर्वनिर्धारित नियमों के अनुसार स्क्रीनिंग के लिए बीबीपीएस सीमा पार इनबाउंड भुगतानों के लिए आईएनबी की ऑनबोर्डिंग आपके बैंक द्वारा सक्षम की गई है।

एक्जिम बिलों में मंजूरी स्क्रीनिंग टूल

आपके बैंक ने सभी प्रेषणों के लिए ओएफसी चेक को शामिल करने की एफएटीएफ की सिफारिश का अनुपालन करने के लिए घरेलू शाखाओं में सीमा पार व्यापार वित्त लेनदेन (दोहरे उपयोग किए गए

सामान, इकाई, निर्वहन और गंतव्य के बंदरगाह, पोत और लाभकारी मालिक) की स्क्रीनिंग के लिए मंजूरी स्क्रीनिंग टूल लागू किया है।

एफएटीएफ की तत्परता

बैंक के एफएटीएफ मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए, एक प्रारंभिक उपाय के रूप में आपके बैंक ने नियामक मापदंडों में कार्यात्मकताएं उपलब्ध कराई हैं जो आपके बैंक के सफल एफएटीएफ मूल्यांकन में सहायक रही हैं।

सुधारों में शामिल हैं (क) रिवर्स नेम स्क्रीनिंग प्रक्रिया का पूर्ण सुधार (ख) किसी भी उदाहरण पर सटीक मिलान करने के लिए प्रमुख स्वीकृति सूचियों का स्वतः पृथक्करण (ग) आरबीआई/गृह मंत्रालय की सिफारिशों के अनुरूप व्यापक ऑडिट लॉग सुविधा का प्रावधान।

आईडब्ल्यूएमएस एप्लीकेशन

आपके बैंक ने 26.12.2023 को एक नया एकीकृत वेल्थ मैनेजमेंट समाधान (आईडब्ल्यूएमएस) लॉन्च

किया है। आईडब्ल्यूएमएस, वेल्थ ग्राहकों के निवेश पोर्टफोलियो के पूरे लाइफ साइकल को अस्थायी लीड से लेकर वेल्थ क्लाइंट रूपांतरण, लेनदेन, पोर्टफोलियो डैशबोर्ड दृश्य, रिपोर्ट आदि तक प्रबंधित करने के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करता है। इसने पूर्ण स्वचालन के साथ म्यूचुअल फंड प्रोसेसिंग को डिजिटल रूप से बदल दिया है।

केवाईसी अपडेट

आपके बैंक ने सीकेवाईसी शाखा पोर्टल में केवाईसी अपडेट 2.0 प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में ग्राहकों के लिए केवाईसी विवरण शाखाओं को प्रदान किए गए फ्रंट एंड में अपडेट किए जाते हैं। पीओआई और पीओए के लिए ग्राहक दस्तावेज भी ग्राहक विवरण के साथ अपलोड किए जाते हैं और ये बैंक को नियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन करने में सक्षम बनाएंगे। सभी केवाईसी अपडेशन के सीकेवाईसी की सुविधा के लिए नियामक आवश्यकता को पूरा करने के अलावा, एप्लीकेशन का उद्देश्य

महॉलोइंग द कोरफपहल के अनुसार सीबीएस मेकिंग से केवाईसी अपडेशन प्रक्रिया को सामने लाना है।

गैर-व्यक्तिगत सीआईएफ छवि-आधारित प्रसंस्करण - एनटीबी (बैंक के लिए नया)

आपके बैंक ने सीकेवाईसी शाखा पोर्टल का उपयोग करके गैर-व्यक्तिगत सीआईएफ की छवि-आधारित प्रसंस्करण की सुविधा शुरू की है। एंटीटी टाइप सिस्टम के आधार पर निर्देशित दस्तावेज अपलोड, एंटीटी के प्रकार के आधार पर अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों के प्रकार को पॉप्युलेट करेगा। अस्वीकृति का कारण इकाई के प्रकार के अनुसार प्रदर्शित किया जाएगा। त्वरित सुधार के लिए शाखाओं को अस्वीकृति का सटीक कारण पता चल जाएगा। पहले, अस्वीकृति का कारण प्रकृति में सामान्य था और सभी प्रकार की संस्थाओं के लिए सामान्य था।

एनालिटिक्स

आपके बैंक के इन-हाउस एनालिटिक्स फंक्शन में 45+ लैटरल भर्ती किए गए डेटा वैज्ञानिक और 90+ मॉडल प्रोडक्शन में कार्यरत हैं, जिन्होंने 32% की वर्षानुवर्ष वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2024 में 1.37 लाख करोड़ से अधिक का व्यवसाय अर्जित किया है जबकि वित्त वर्ष 2023 में 1 लाख करोड़ का व्यवसाय अर्जित हुआ था। साथ ही सीआरएम में प्रारंभिक चेतावनी

सिग्नल और विश्लेषणात्मक उत्पाद सिफारिशों जैसे टूल के माध्यम से आपके बैंक के दिन-प्रतिदिन के संचालन में डेटा-संचालित निर्णय लेने को शामिल किया गया है।

आपके बैंक के पास पहले से ही एआई/एमएल संबंधी महत्वपूर्ण सुविधाएं हैं, जो अत्याधुनिक तकनीक,

उद्योग से विशेषज्ञों की भर्ती आदि द्वारा समर्थित है। डीएफएस द्वारा ईज 6.0 मूल्यांकन के अनुसार, आपके बैंक ने एनालिटिक्स परिपक्वता और क्षमताओं में पूर्ण अंक प्राप्त किए हैं। इन सभी उपलब्धियों को घरेलू संसाधनों का उपयोग करके हासिल किया गया था।

मुख्य विशेषताएं

- आपके बैंक के पास अत्याधुनिक विश्लेषिकी क्षमताएं हैं, जिन्हें हाल ही में इसके अगली पीढ़ी के डेटा वेयरहाउस और डेटा लेक द्वारा संवर्धित किया गया है।
- केंद्रीकृत साइलो-रहित डेटा:** एक केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन कार्यालय जो डेटा नीतियों का मसौदा तैयार करता है और उन्हें लागू करता है और जो डेटा गुणवत्ता आदि के स्तरों की निगरानी करता है। बैंक ने डेटा गुणवत्ता के

लिए जिम्मेदारी के उपाय तैयार किए हैं, जिसमें डेटा गुणवत्ता को कैरियर विकास से जोड़ना तथा बैंक के हर स्तर पर विशेष समितियां आदि शामिल हैं। डेटा वेयरहाउस अपने डेटा लेक और डेटा आर्काइव सिस्टम के अलावा 80 से अधिक स्रोत प्रणालियों के साथ एकीकृत है। इन स्रोतों में कोर बैंकिंग और बाहरी डेटा दोनों जैसे उधारकर्ताओं पर समाचार/शेयर बाजार-आधारित अलर्ट आदि शामिल हैं

- ऊपर वर्णित मजबूत डेटा स्टैक के आधार पर, पायथन सहित ओपन सोर्स तकनीक

के साथ एक समग्र एनालिटिक्स फंक्शन स्थापित किया गया था, जो एक जिम्मेदार एआई और मॉडल गवर्नेंस फ्रेमवर्क पर एक व्यापक, बोर्ड-अनुमोदित नीति के साथ-साथ 'निष्पक्षता, नैतिकता, जवाबदेही और पारदर्शिता' दस्तावेज के रूप में एक नैतिकता चार्टर भी शामिल है। पूर्व एआई/एमएल में शामिल जोखिमों की पहचान करता है और नियंत्रण निर्दिष्ट करता है जबकि बाद वाला व्यक्तिगत डेटा वैज्ञानिकों के लिए नैतिक मार्गदर्शन के रूप में कार्य करता है

महत्वपूर्ण प्रगति

- आपके बैंक ने एआई द्वारा हामीदीरी (अंडरराइट) किए गए डिजिटल ऋण प्रारंभ किया है इस सुविधा का लाभ केवल 4 विलक में उठाया जा सकता है। इसके अंतर्गत शाखा द्वारा निगरानी को समायोजित किया जा सकता है और लक्षित लीड, अलर्ट और पोर्टफोलियो विश्लेषण के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन और लाभप्रदता दोनों का लाभ उठाया जा सकता है।
- क्रेडिट जोखिम क्षेत्र में एआई/एमएल का उपयोग पी सेगमेंट के साथ-साथ एसएमई/सीसीजी/सीएजी के लिए आपके बैंक के पूर्व चेतावनी संकेत मॉडल को चलाने के लिए किया जाता है। आपके बैंक ने हाल ही में

कृषि ऋण के लिए भी इसी प्रकार के मॉडल अपनाए हैं।

- अनुपालन और परिचालनात्मक जोखिम क्षेत्रों में, आपके बैंक द्वारा कई मॉडल विकसित किए गए हैं जो नियंत्रण में लगातार कमजोरी और जोखिम या संदिग्ध व्यवहार के विशिष्ट उदाहरणों की पहचान करते हैं।
- आपका बैंक एसबीआई कार्ड सहित सहायक व्यवसाय चलाने के लिए एआई/एमएल का उपयोग करता है
- आपके बैंक ने मडेटा साइंस और एनालिटिक्स के लिए एसबीआईएफ हबफका प्रारंभ करने के लिए आईआईटी बॉम्बे के साथ भी समझौता किया है, जिसमें बीएफएसआई डोमेन में एआई,

एमएल और उभरती प्रौद्योगिकियों पर संयुक्त रूप से शोध करने के लिए संसाधनों की तैनाती शामिल है। इस सहभागिता के हिस्से के रूप में, प्रायोजित कौशल-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से एआई कौशल विकास भी प्रदान किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य डेटा वैज्ञानिकों बेहतर प्रशिक्षित कैडर विकसित करना है जो बीएफएसआई क्षेत्र में चुनौतियों, अवसरों और अनुसंधान से भी परिचित हैं।

- आपका बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों दोनों को सशक्त बनाने के साथ-साथ संसाधनों की हानि को न्यूनतम करने के लिए मुख्य भाषा और मूलभूत मॉडल के रूप में जनरेटिव एआई पर शोध कर रहा है।

वित्त वर्ष 2024 में प्रगति

इस वित्तीय वर्ष में कई महत्वपूर्ण मॉडल जारी किए गए, जिनमें शामिल हैं:

- जोखिम पूर्ण होम लोन और एक्सप्रेस क्रेडिट खारों का पता लगाने के लिए मॉडल
- उत्पाद विशिष्ट प्रारंभिक चेतावनी संकेत
- खाता एग्जीगेटर निगरानी डैशबोर्ड
- सीए 360 डैशबोर्ड व्यापार ग्राहक खंड को काम में लगाने, बनाए रखने और पोषण करने के लिए

इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण मूल्य निर्माण हुआ है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 में 40,472 करोड़ का संपूर्ण डिजिटल आस्ति व्यवसाय (एनालिटिकल लीड्स से कुल अग्रिम कारोबार का 30%) शामिल है।

विश्लेषणात्मक लीड्स के माध्यम से सृजित अग्रिम व्यवसाय

(₹ करोड़ में)

↑ 32%

विव. 2023	1,04,139
विव. 2024	1,37,357



ग्राहक अनुभव संवर्धन विभाग

i) निष्पादन

आपके बैंक ने पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित निम्नलिखित कैम्पेन के लिए डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं के संवर्धन में प्रथम स्थान प्राप्त किया:

कैम्पेन	श्रेणी	कैम्पेन	श्रेणी
डीएसबी ड्राइव	प्रथम	डीएसबी दस्तक	प्रथम

वित्त वर्ष 2024 में एसबीआई का एनपीएस/सीएसएटी/सीईएस में निष्पादन:

ग्राहकों की प्रतिक्रिया	स्कोर
ग्राहक संतुष्टि स्कोर (सीएसएटी)	3.47/4
निम्नलिखित पैमाने पर ग्राहक प्रेरित लेनदेन के पूरा होने के बाद ग्राहक अनुभव को कैप्चर करता है - खराब, औसत, अच्छा और उत्तम	
नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस)	90.40%
ग्राहक लॉयल्टी और संतुष्टि माप उपकरण बैंक को यह पता लगाने में मदद करता है कि ग्राहक द्वारा 0 से 10 के पैमाने पर दूसरों को संगठन के उत्पादों या सेवाओं की सिफारिश करने की कितनी संभावना है	
ग्राहक प्रभाव स्कोर (सीईएस)	6.79/7
1 से 7 के स्केल पर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बैंक के साथ एक निश्चित बातचीत में ग्राहकों द्वारा किए गए प्रयास को मापता है	

ii) पहल

आपका बैंक ग्राहक अनुभव प्रबंधन (सीएक्सएम) मॉडल पर काम करता है, जिसमें प्रदर्शन का आकलन इस आधार पर किया जाता है कि ग्राहक संगठन को कैसे देखता है। प्रक्रिया विस्तार की अत्यधिक संभावनाएं हैं जिसमें आईटी सिस्टम को मजबूत करना, समन्वित प्रयास और नवीन कौशल की आवश्यकता है।

आपके बैंक द्वारा असंतुष्ट ग्राहकों से जुड़ने के लिए की गई कुछ पहल:

1. शिकायत निपटान के बाद फीडबैक प्राप्त करना - प्रत्येक शिकायत के बंद होने पर, ग्राहक/शिकायतकर्ता को शिकायत निपटान प्रक्रिया पर अपनी रेटिंग और प्रतिक्रिया प्रदान करने का विकल्प दिया जाता है

2. आभार व्यक्त करना - बैंक ग्राहकों को उनके निरंतर सहयोग हेतु आभार व्यक्त करने के लिए 'धन्यवाद ज्ञापन पत्र' भेजने का अभियान आरंभ किया गया है।

iii) उपलब्धियां

आपके बैंक ने फीडबैक प्राप्त करने के लिए हमारे ग्राहकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अन्य चैनलों के लिए सीएसएटी, एनपीएस और सीईएस मेट्रिक्स लागू किए हैं:

1. डिजिटल चैनल - एटीएम, रिटेल इंटरनेट बैंकिंग, योनो लाइट मोबाइल ऐप, यूपीआई, योनो और योनो बिजनेस

2. बीसी/सीएसपी चैनल - कुछ चुनिंदा लेन-देन और सेवाओं के लिए बीसी/सीएसपी चैनल की सेवाओं का लाभ उठाने वाले ग्राहकों को भी अपना फीडबैक देने का विकल्प दिया जा रहा है

टाउन हॉल बैठकें

ग्राहकों से जुड़ने और उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए, आपके बैंक ने पूरे भारत में 05.12.2023

को टाउन हॉल बैठकों का आयोजन किया, जिसमें 21,187 ग्राहक और 5,154 स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। बैठक का विषय **डिजिटल बैंकिंग लेनदेन - लाभ और एहतियाती** उपाय था। ग्राहकों को डिजिटल लेनदेन के लाभों के बारे में बताया गया और विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के सामान्य तौर-तरीकों और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के लिए उनकी ओर से किए जाने वाले सावधानी बरतने के उपायों के बारे में बताया गया।



जोखिम प्रबंधन

क. जोखिम प्रबंधन परिदृश्य

आपके बैंक में जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में जोखिम की पहचान, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम शमन शामिल है जिसका मुख्य उद्देश्य लाभप्रदता और पूंजी पर नकारात्मक प्रभाव को कम करना है।

आपके बैंक को विविध जोखिमों का सामना करना पड़ता है जो किसी भी बैंकिंग व्यवसाय का अंतर्निहित हिस्सा होते हैं जिनमें प्रमुख जोखिम क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम, चलनिधि जोखिम और आईटी जोखिम सहित परिचालन जोखिम होते हैं।

आपका बैंक सभी स्तरों पर अधिक जोखिम जागरूकता का वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य जोखिम से बचाव या शमन सुनिश्चित करने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों सहित नियंत्रण और सुरक्षा उपायों को लगातार उन्नत करना है। आपके बैंक के पास पोर्टफोलियो में व्यवस्थित तरीके से विभिन्न जोखिमों को मापने, आकलन, निगरानी और प्रबंधन करने के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं भी हैं।

जोखिम मापन, निगरानी और नियंत्रण कार्यों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए आपके बैंक द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप सामान्य दायित्वों से अलग करते हुए एक स्वतंत्र जोखिम अभिशासन संरचना स्थापित की गई है। इस फ्रेमवर्क में प्रचालन स्तर पर विभिन्न व्यावसायिक यूनिटों के सशक्तिकरण की परिकल्पना की गई है जिसमें प्रौद्योगिकी एक प्रमुख कारक है जो उद्गम स्थल पर ही जोखिम/ओं की पहचान और प्रबंधन को समर्थ बनाती है। आपके बैंक और एसबीआई समूह में जोखिमों की निगरानी और समीक्षा कार्यकारी स्तर की समितियों और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) द्वारा की जाती है जो नियमित रूप से मिलती हैं। परिचालन इकाई स्तर और व्यापार इकाई स्तर पर समर्पित जोखिम प्रबंधन समितियां भी मौजूद हैं।

1. ऋण जोखिम शमन उपाय

आपके बैंक के पास ऋण जोखिमों की पहचान, माप, निगरानी और नियंत्रण के लिए एक मजबूत ऋण मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क है। औद्योगिक वातावरण को एक समर्पित टीम द्वारा संरचित तरीके से स्कैन, शोध और विश्लेषण किया जाता है, ताकि इसकी वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके। क्रेडिट रेटिंग ग्रेसहोल्ड 38 चिह्नित उद्योगों और क्षेत्रों के परिदृश्य और उद्योग के लिए चूक की संभावना

और लिए विकास की संभाव्यता पर आधारित है, जो 31 दिसंबर 2023 तक आपके बैंक के कुल अग्रिमों (खुदरा और कृषि को छोड़कर) का लगभग 66% है। सरकारी नीतियों और/या नियामक दिशानिर्देशों में बदलाव, बिजली की कमी और पहचाने गए उद्योगों में आपूर्ति श्रृंखला जैसे मुद्दों की लगातार निगरानी की जाती है; निहितार्थों से संबंधित विशेष अध्ययन आयोजित किए जाते हैं और व्यावसायिक समूहों के साथ साझा किए जाते हैं ताकि वे उचित क्रेडिट निर्णय ले सकें। विभिन्न स्तरों पर परिचालन कर्मचारियों को लाभान्वित करने के लिए ज्ञान-साझाकरण सत्र और उद्योग कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं, इसके अलावा शीर्ष 18 उद्योगों को शामिल करने वाले त्रैमासिक डैशबोर्ड के साथ व्यावसायिक इकाइयों को उपलब्ध की जाती है जो महत्वपूर्ण उद्योगों और क्षेत्रों में नवीनतम जानकारी/विकास का विवरण देते हैं ताकि उन्हें अद्यतन रखा जा सके।

आपका बैंक उधारकर्ता-वार क्रेडिट जोखिम का आकलन करने के लिए आंतरिक क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन मॉडल और स्कोरकार्ड का उपयोग करता है। उधारकर्ताओं की आंतरिक क्रेडिट रेटिंग के लिए मॉडल इन-हाउस विकसित किए जाते हैं, बाहरी वैधीकरण/समीक्षा सहित व्यापक वैधीकरण और बैंक टेस्टिंग फ्रेमवर्क के चक्रों के माध्यम से समीक्षा की जाती है। ईएसजी जोखिम को ध्यान में रखते हुए, आपके बैंक ने एक पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) रेटिंग मॉडल भी रखा है जो विभिन्न उद्देश्य ईएसजी मानदंडों पर बड़े उधारकर्ताओं को रेट करता है।

आपके बैंक के पास मआंतरिक रेटिंग की गतिशील समीक्षाफंदा है जो दबाव की प्रारंभिक पहचान की सुविधा प्रदान करता है, जिससे उपयुक्त शमन तंत्र शुरू हो जाता है।

आपके बैंक ने खुदरा ऋण प्रबंधन प्रणाली/ऋण उत्पत्ति सॉफ्टवेयर/ऋण जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (आरएलएमएस/एलओएस/एलएलएमएस/) के माध्यम से ऋण मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए एक आईटी प्लेटफॉर्म भी अपनाया है। आपके बैंक द्वारा विकसित मॉडल सीआईबीआईएल/सीआईसी और आरबीआई डिफॉल्टरों की सूचियों के इंटरफेस वाले प्लेटफॉर्म पर होस्ट किए जाते हैं।

आपके बैंक के पास पूंजी पर जोखिम-समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) के लिए एक ढांचा है, जिसमें ग्राहक-स्तरीय आरएआरओसी गणना समायोजित की जाती है। आरएआरओसी ढांचा 5 करोड़ और उससे अधिक के मौजूदा/प्रस्तावित एक्सपोजर वाले

वाणिज्यिक अग्रिमों के लिए लागू है। ऋण उत्पादों का मूल्य निर्धारण विभिन्न प्रकार के उधारकर्ताओं से जुड़े जोखिम के साथ-साथ इसके संबंधित जोखिम के अनुरूप है। प्रत्येक उत्पाद और ग्राहक प्रकार के साथ एक अद्वितीय क्रेडिट जोखिम प्रीमियम जुड़ा होता है, जो अंतिम मूल्य निर्धारण का एक हिस्सा होता है।

आपका बैंक अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो पर हर छमाही में तनाव परीक्षण आयोजित करता है। दबाव परिदृश्यों को आरबीआई के दिशानिर्देशों, उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं और व्यापक आर्थिक मूल्यों में परिवर्तन के अनुरूप नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

आपका बैंक एनपीए के संचलन में रुझानों की पहचान करने, ऋण प्रतिबंधों की त्रैमासिक समीक्षा आदि के लिए विशिष्ट विश्लेषणात्मक अध्ययन आयोजित करता है ताकि परिसंपत्ति की गुणवत्ता का ट्रैक रखा जा सके।

आरबीआई ने आपके बैंक को क्रेडिट जोखिम के लिए उन्नत दृष्टिकोण के तहत फाउंडेशन इंटरनल रेटिंग आधारित (एफआईआरबी) के लिए समानांतर रन प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी है। एफआईआरबी के समानांतर संचालन के तहत डेटा आरबीआई को प्रस्तुत किया जा रहा है।

बैंक आवधिक अंतरालों पर अपने विभिन्न कॉर्पोरेट और एमएसएमई पोर्टफोलियो का जोखिम-वापसी विश्लेषण करता है, ताकि एक्सपोजर से जुड़े जोखिम की तुलना में रिटर्न की पर्याप्तता का आकलन किया जा सके। बैंक ने अपने विभिन्न पोर्टफोलियो (गृह ऋण, कृषि और एमएसएमई) पर जलवायु परिवर्तन से संबंधित भौतिक जोखिमों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन भी किए हैं।

2. बाजार जोखिम शमन उपाय

आपके बैंक के बाजार जोखिम प्रबंधन में जोखिमों की पहचान और उनका माप, नियंत्रण उपाय, निगरानी और रिपोर्टिंग प्रणाली शामिल हैं। बाजार जोखिम का प्रबंधन एक सुपरिभाषित बोर्ड अनुमोदित निवेश नीति, व्यापार नीति, बाजार जोखिम प्रबंधन नीति, बाजार जोखिम सीमा नीति और बैंक के लिए हेजिंग नीति के माध्यम से किया जाता है जो निवेश निधियों के प्रभावी और विवेकपूर्ण प्रबंधन के लिए व्यापारिक जोखिम सीमाओं/ट्रिगरों के माध्यम से विभिन्न ट्रेडिंग डेस्क या विभिन्न प्रतिभूतियों में जोखिम को एक साथ नियंत्रित करता है। इन जोखिम उपायों में स्थिति सीमा, अंतराल सीमा, कार्यकाल प्रतिबंध, संवेदनशीलता सीमाएं, अर्थात् पीवी 01, संशोधित अवधि, उत्तलता,

मूल्य-पर-जोखिम (वीएआर) सीमा, स्टॉप लॉस ट्रिगर स्तर, एनओओपी, विदेशी मुद्रा डेलाइट सीमा, एलएमएटी, युएमएटी, क्रेडिट स्प्रेड 01 (सीएस01) और विकल्प ग्रीक शामिल हैं और दैनिक आधार पर निगरानी की जाती है। इसके अलावा, बैंक की जोखिम क्षमता के आधार पर समय-समय पर जोखिम सीमाओं की समीक्षा की जाती है।

जोखिम पर मूल्य (वीएआर) बैंक के व्यापारिक पदों में संभावित नुकसान का एक अतिरिक्त मात्रात्मक उपाय प्रदान करके तनाव परीक्षण का पूरक है। आपके बैंक के उद्यम स्तर के वीएआर की गणना और दैनिक परीक्षण किया जाता है। बाजार जोखिम के लिए तनावग्रस्त वीएआर की गणना भी दैनिक रूप से की जाती है। यह बोर्ड द्वारा अनुमोदित तनाव परीक्षण नीति और ढांचे द्वारा पूरक है जो तनाव हानि को मापने और उपचारात्मक उपाय शुरू करने के लिए विभिन्न बाजार जोखिम परिदृश्यों का अनुकरण करता है।

आपके बैंक के बाजार जोखिम पूंजी प्रभार की गणना निर्धारित नियामक कारकों को लागू करके मानकीकृत मापन विधि (एसएमएम) का उपयोग करके की जाती है।

बैंक अपने घरेलू और विदेशी पोर्टफोलियो का जोखिम समायोजित प्रदर्शन विश्लेषण करता है। यह निर्णय लेने के लिए एक उपकरण के रूप में गैर-एसएलआर बांड के क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन का भी विश्लेषण करता है। ब्याज दर जोखिम परिदृश्यों के भविष्य के दृष्टिकोण और आपके बैंक के ट्रेडिंग पोर्टफोलियो पर इसके संभावित प्रभाव के आधार पर मासिक दूरदेशी विश्लेषण एक विवेकपूर्ण जोखिम अभ्यास के रूप में मासिक आधार पर किया जाता है।

आपके बैंक के पास बाजार जोखिम से संबंधित मॉडलों के लिए मॉडल वैधीकरण नियमावली है जो बैंक को मॉडल जोखिम का आकलन, माप, निगरानी और न्यूनीकरण करने में समर्थ बनाती है।

3. उद्यम जोखिम प्रबंधन उपाय

उद्यम जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य पूरे बैंक स्तर पर रणनीति के साथ जोखिम को प्रबंधित और संरक्षित करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना है। इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं जैसे जोखिम-वहन क्षमता फ्रेमवर्क, जोखिम संस्कृति आकलन फ्रेमवर्क और सामग्री जोखिम मूल्यांकन फ्रेमवर्क स्थापित करना शामिल है।

जोखिम की भूमिका को कार्यनीतिक कार्य में रूपांतरित करने के आपके बैंक के दृष्टिकोण के भाग के रूप में, बोर्ड द्वारा अनुमोदित उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति लागू है।

जोखिम वहन-क्षमता फ्रेमवर्क में निगरानी पैरामीटरों के साथ महत्वपूर्ण जोखिमों की सीमाएं शामिल हैं। आपके बैंक में मजबूत जोखिम संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, एक जोखिम संस्कृति मूल्यांकन ढांचा संचालित किया जा रहा है। सामग्री जोखिम मूल्यांकन ढांचे के भाग के रूप में, क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और तरलता जोखिम के लिए जोखिम-आधारित मापदंडों का आवधिक विश्लेषण, अन्य के साथ-साथ, उद्यम और समूह जोखिम प्रबंधन समिति (ईजीआरएमसी)/केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी) को प्रस्तुत किया जाता है।

आपके बैंक के पास विभिन्न जोखिमों का आकलन करने और उन्हें कम करने के लिए मॉडलों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इन मॉडलों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले मॉडल जोखिम को मॉडल जीवनचक्र के प्रत्येक चरण में सर्वोत्तम उद्योग प्रथाओं के माध्यम से कम किया जाता है अर्थात्, क) शासन, नीतियां और नियंत्रण, ख) विकास, कार्यान्वयन और उपयोग, ग) सत्यापन (आंतरिक और बाहरी दोनों)। इसके अलावा, मॉडल शासन के भाग के रूप में, प्रभावी प्रक्रिया दक्षता और संसाधन उपयोग के लिए, मॉडलों को भौतिकता के आधार पर उच्च, मध्यम और निम्न जोखिम स्तरों में वर्गीकृत किया जाता है।

आपका बैंक एकल और समूह-स्तर पर सामान्य और तनावग्रस्त स्थितियों के तहत पूंजी की पर्याप्तता के संबंध में वार्षिक आधार पर एक व्यापक आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएपी) अभ्यास आयोजित करता है।

आईसीएपी में, पिलर 1 जोखिमों के अलावा, जैसे ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम, स्तंभ 2 जोखिम, जैसे तरलता जोखिम, बैंकिंग बुक में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी), एकाग्रता जोखिम और अन्य का भी मूल्यांकन किया जाता है, और जहां आवश्यक हो वहां पूंजी प्रदान की जाती है। आईसीएपी में नए और उभरते जोखिमों की पहचान की जाती है और उन पर चर्चा की जाती है।

आपका बैंक जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों की पहचान और प्रबंधन करके जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं का समाधान करके अपने परिचालनों के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, आपके बैंक ने जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जो कम कार्बन और जलवायु-अनुकूल भविष्य की दिशा में इसकी यात्रा में सहायता करने में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगी। नीति का उद्देश्य

दिन-प्रतिदिन के संचालन, उधार पोर्टफोलियो और समग्र निर्णय लेने के भीतर जलवायु से संबंधित जोखिम (और अवसर) विचारों को एकीकृत करना है।

आपके बैंक ने शीर्ष स्तर पर जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है जिसका प्राथमिक उद्देश्य जलवायु संबंधी जोखिमों का सामना करने में बैंक के लचीलेपन को बढ़ाना है। समिति यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन और निरीक्षण प्रदान करेगी कि जलवायु संबंधी विचार हमारे जोखिम प्रबंधन ढांचे में एकीकृत हैं।

4. परिचालन जोखिम शमन उपाय

परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं से उत्पन्न नुकसान का जोखिम है। आपके बैंक के परिचालन जोखिम प्रबंधन के मुख्य तत्वों में, अन्य के साथ, समय पर घटना की रिपोर्टिंग और सिस्टम और नियंत्रणों की चल रही समीक्षा, अवशिष्ट जोखिम का आकलन और जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) के माध्यम से नियंत्रण रखना, थीम आधारित आरसीएसए, प्रमुख जोखिम संकेतकों (केआरआई) की निगरानी और व्यवसाय रणनीति के साथ जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को संरक्षित करना शामिल है। आपका बैंक संभावित कमजोरियों का मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) सक्रिय रूप से करता है और इसके निष्कर्षों के आधार पर, पाए गए अंतराल, यदि कोई हो, को निरंतर आधार पर दूर किया जाता है। पूरी कवायद का उद्देश्य नियंत्रणों को मजबूत करना, जोखिम को कम करना और नुकसान को कम करना है।

विभिन्न व्यवधानों के दौरान शाखाओं और कार्यालयों में परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आपके बैंक के पास एक विस्तृत कारोबार निरंतरता और परिचालन लचीलापन (बीसी एंड ओआर) योजना है। बीसी एंड ओआर आपके बैंक को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न्यूनतम व्यावसायिक व्यवधान सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। साथ ही, आपका बैंक चौबीसों घंटे एटीएम की उपलब्धता और नेट बैंकिंग, योनो, मोबाइल बैंकिंग आदि के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करता है।

ये सभी घटक विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के अलावा विभिन्न उत्पादों और प्रक्रियाओं में आपके बैंक के परिचालन जोखिम को कम करते हैं।

आपके बैंक ने मूल संकेतक दृष्टिकोण (बीआईए) के अनुसार परिचालनात्मक जोखिम के लिए पूंजी आवंटित की है।

आपका बैंक 1 सितंबर को वार्षिक रूप से जोखिम जागरूकता दिवस मनाता है ताकि बैंक में जोखिम संस्कृति में सुधार किया जा सके। संवेदीकरण के एक भाग के रूप में, जोखिम जागरूकता दिवस की शपथ दिलाई जा रही है, और जोखिम जागरूकता फैलाने के लिए बैंक के कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जा रही है। इसके अलावा, आपका बैंक जोखिम संस्कृति के निर्माण और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता से पूरी तरह अवगत है, जिसे कार्यशालाओं का आयोजन करके, मासिक पत्रिका जारी करके और सभी स्तरों पर प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से सन्निहित किया जा रहा है।

आपके बैंक ने बैंक में प्रचलित जोखिम संस्कृति का मूल्यांकन करने के लिए जोखिम संस्कृति मूल्यांकन ढांचा भी स्थापित किया है।

5. समूह जोखिम शमन उपाय

समूह जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य बैंक की समूह संस्थाओं में मानकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को स्थापित करना है। समूह जोखिम प्रबंधन, समूह जोखिम वहन क्षमता भूख ढांचा, समूह आईसीएपी, समूह तरलता और आकस्मिक वित्त पोषण योजना (सीएफपी), इंटर ग्रुप लेनदेन और एक्सपोजर के लिए आर्म लेंथ आवश्यकताओं को बनाए रखने से संबंधित नीतियां मौजूद हैं। समेकित विवेकपूर्ण उद्घासन और समूह जोखिम घटकों की नियमित निगरानी की जा रही है।

6. बेसल कार्यान्वयन

बेसल खखख पूंजी विनियमों पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देश लागू किए गए हैं और आपके बैंक को पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) के आवश्यक स्तर को बनाए रखने सहित वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त

रूप से पूंजीकृत किया गया है। आपके बैंक को नियामक द्वारा डी-एसआईबी के रूप में पहचाना गया है और तदनुसार 1 अप्रैल 2019 से आरडब्ल्यूए के 0.60% के अतिरिक्त सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी 1) को रखने की आवश्यकता है, जिसे अब 1 अप्रैल 2025 से आरडब्ल्यूए का 0.80% तक बढ़ा दिया गया है।

क. आंतरिक नियंत्रण

आपके बैंक में आंतरिक लेखापरीक्षा (आईए) एक स्वतंत्र गतिविधि है और आपके बैंक में इसकी पर्याप्त प्रतिष्ठा और प्राधिकार हैं। आईए विभाग (आईएडी), एक उप प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में, बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत काम करता है। आपके बैंक का आंतरिक लेखा कार्य जोखिमों के प्रबंधन और अनुपालन विभागों के साथ मिलकर नियंत्रणों की प्रभावशीलता, नियंत्रणों के अनुपालन का मूल्यांकन करने और आंतरिक प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं के अनुपालन का मूल्यांकन करने के लिए कार्य करता है।

आपके बैंक का आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य आंतरिक लेखा परीक्षक संस्थान द्वारा निर्धारित आंतरिक लेखापरीक्षा के व्यावसायिक अभ्यास के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करने का प्रयास करता है। आईएडी को मैसर्स डेलोइट टैचे तोहमातसु एलएलपी द्वारा किए गए बाह्य मूल्यांकन के अनुसार मानकों के अनुरूप उच्चतम रेटिंग प्राप्त हुई है। इंडियन एयरलाइंस का कार्य जोखिम आधारित पर्यवेक्षण से संबंधित विनियामक दिशानिर्देशों, बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बीसीबीएस) के दिशानिर्देशों और वित्त मंत्रालय (वित्तीय सेवाएं विभाग) द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेखापरीक्षा प्रणाली पर जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप आपके बैंक की परिचालन इकाइयों का व्यापक जोखिम-आधारित ऑडिट करता है।

आपके बैंक में तेजी से डिजिटलीकरण के साथ तालमेल रखते हुए, आंतरिक लेखा परीक्षा फंक्शन ने बेहतर दक्षता और प्रभावशीलता प्रदान करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप शुरू किए हैं।

- विस्तृत स्तर पर नियंत्रणों के अनुपालन का आकलन करने के लिए जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा परीक्षा (आरएफआईए)
- राडार (आरएडीएआर- जोखिम के गतिशील मूल्यांकन के लिए दूरस्थ एप्लिकेशन) के माध्यम से नियंत्रण के मूल्यांकन के लिए डेटा का निरंतर दूरस्थ मूल्यांकन
- लेनदेन की सिस्टम-संचालित ऑफ-साइट निगरानी
- अनुपालन की साथ-साथ जांच सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक इकाइयों की समवर्ती लेखा परीक्षा
- सभी पात्र स्वीकृत ऋण प्रस्तावों के महत्वपूर्ण जोखिमों का आकलन करने के लिए संस्वीकृति की शीघ्र समीक्षा
- मार्गदर्शक सिद्धांत ऑफसाइट का अधिक और ऑनसाइट कम के साथ ऑडिट के हाइब्रिड मोड के माध्यम से ऑडिट का कवरेज
- जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में, आईएडी विभिन्न ऑडिट आयोजित करता है, अर्थात् घरेलू शाखाओं (ऑफसाइट और ऑनसाइट) का आरएफआईए, जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट (ऑफसाइट और ऑनसाइट), विधिक लेखा परीक्षा, प्रतिबंधों की शीघ्र समीक्षा, सूचना प्रणाली ऑडिट, साइबर सुरक्षा ऑडिट, होम ऑफिस ऑडिट (विदेशी कार्यालयों का), समवर्ती ऑडिट, फेमा ऑडिट, आउटसोर्स गतिविधियों की लेखा परीक्षा (आईटी और गैर-आईटी), व्यय वाउचर ऑडिट, अनुपालन लेखा परीक्षा, प्रबंधन लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट केंद्र विभागों की ऑडिट।

प्रमुख पहल

- आपके बैंक ने जोखिम को कम करने और संभावित हानियों को न्यूनतम करने के लिए संदिग्ध धोखाधड़ियों की पहचान करने हेतु जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा और समवर्ती लेखापरीक्षा प्रणाली में ट्रिगर आधारित मॉडल विकसित किए हैं
- आपके बैंक के आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग (आईएडी) को सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के साथ गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली बेंचमार्किंग के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्रदान किया गया है। गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, आपके बैंक का आंतरिक

लेखापरीक्षा विभाग (आईएडी) प्रशिक्षण, निगरानी लेखापरीक्षा, आंतरिक गुणवत्ता लेखा परीक्षा (आईक्यूए), प्रबंधन समीक्षा बैरिक्स (एमआरएम), ग्राहक संतुष्टि स्कोर (सीसैट), कर्मचारी संतुष्टि स्कोर (ईएसएटी), आदि जैसी कई गतिविधियों का निरंतर आधार पर आयोजन कर रहा है

शाखा लेखा परीक्षा

घरेलू शाखाओं को मोटे तौर पर कारोबार प्रोफाइल और अग्रिम एक्सपोजर के आधार पर चार समूहों (समूह ख विशेष, समूह ख, समूह खख और समूह खखख) में विभक्त किया जाता है। आपके बैंक ने लेखापरीक्षा के लिए शाखाओं की पहचान के लिए एक प्रणाली-संचालित प्रक्रिया शुरू की है, जिसके द्वारा विश्लेषणात्मक एल्गोरिदम को काफी भिन्न व्यवहार पैटर्न प्रदर्शित करने वाली इकाइयों की पहचान करने के लिए तैनात किया गया है। यह आपके बैंक को बाहरी शाखाओं में प्रेरक कारकों की पहचान करने और प्रारंभिक हस्तक्षेप के लिए अंतर्निहित समस्या क्षेत्रों को चिह्नित करने के लिए प्राथमिकता वाले ऑडिट के साथ कदम उठाने में सक्षम बनाता है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग ने 12196 घरेलू शाखाओं और केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्रों (सीपीसी) का आरएफआई पूरा किया है।

जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट

जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट मजोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षाप्रणाली का एक अभिन्न अंग है। इसका उद्देश्य प्रतिपक्ष के व्यवसायों में निहित जोखिमों की पहचान करना और अंतर्निहित जोखिमों की निगरानी के लिए नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता को मापना है। लेखा-परीक्षा में उच्च मूल्य के ऋण पोर्टफोलियों के लिए ऋण जोखिम को नियंत्रित करने के लिए उपचारात्मक उपायों का भी सुझाव दिया गया है। ऋण लेखापरीक्षा प्रभाग (सीएडी) आपके बैंक के ऋण पोर्टफोलियों की गुणवत्ता के संबंध में मप्रबंधनफऔर मबोर्डफको आवासन प्रदान करता है। लेखापरीक्षा में ऋण गुणवत्ता में सुधार, 20 करोड़ (घरेलू शाखाओं के लिए)/2 मिलियन अमरीकी डालर (विदेशी शाखाओं के लिए) या इसके समकक्ष और उससे अधिक के कुल ऋण एक्सपोजर (एफबी और एनएफबी सीमाएं) के साथ बड़े अग्रिमों के ऋण प्रशासन के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। सभी पात्र खातों को वार्षिक रूप से जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट के अधीन किया जाता है।

जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, आईएडी विभिन्न लेखापरीक्षा आयोजित करता है, जैसे घरेलू शाखाओं का आरएफआई (ऑफसाइट और ऑनसाइट), जोखिम केंद्रित क्रेडिट ऑडिट (ऑफसाइट और ऑनसाइट), कानूनी ऑडिट, प्रतिबंधों की प्रारंभिक समीक्षा, सूचना प्रणाली ऑडिट, साइबर सुरक्षा ऑडिट,

होम ऑफिस ऑडिट (विदेशी कार्यालयों का), समवर्ती ऑडिट, फेमा ऑडिट, आउटसोर्स गतिविधियों की ऑडिट (आईटी और गैर-आईटी), व्यय वाउचर ऑडिट, अनुपालन लेखा परीक्षा, प्रबंधन लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट केंद्र विभागों की लेखा परीक्षा।

संस्वीकृति की प्रारंभिक समीक्षा (ईआरएस)

ईआरएस प्रारंभिक चरण में स्वीकृत प्रस्तावों में महत्वपूर्ण जोखिमों की पहचान करता है जिससे व्यावसायिक इकाइयों को प्रारंभिक शमन के लिए महत्वपूर्ण जोखिमों के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके। ईआरएस के तहत 1 करोड़ रुपये से अधिक के कुल घरेलू जोखिम और 1 मिलियन अमरीकी डालर और उससे अधिक के अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह एक्सपोजर के साथ सभी स्वीकृत प्रस्ताव (नए, अधिग्रहण, संवर्द्धन और नवीनीकरण) की समीक्षा की जाती है। ईआरएस सोर्सिंग, पूर्व-मंजूरी और मंजूरी प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सुधार करने की सुविधा प्रदान करता है। ईआरएस गतिविधि केंद्रीकृत है, जिसमें आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारियों द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है। संपूर्ण ईआरएस प्रक्रिया प्रणाली-संचालित है और ऋण जीवनचक्र प्रबंधन समाधान (एलएलएमएस) के माध्यम से की जाती है।

फेमा ऑडिट

वे शाखाएं जो व्यापार वित्त केन्द्रीकृत प्रसंस्करण प्रकोष्ठों (टीएफसीपीसी) सहित विदेशी मुद्रा लेनदेनों में लेन-देन (प्राधिकृत डीलरों) के लिए प्राधिकृत हैं, फेमा लेखापरीक्षा के अध्यधीन हैं। मकफऔर मखफश्रेणी की सभी शाखाओं की वर्ष में एक बार लेखापरीक्षा की जाती है। इसके अलावा, टीएफसीपीसी से जुड़ी शाखाओं को भी एक वर्ष में 50% तक कवर किया जाता है। वित्त वर्ष 2024 के लिए, आपके बैंक की कुल 491 शाखाओं/इकाइयों का लेखापरीक्षा किया गया है।

सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा, साइबर सुरक्षा लेखा परीक्षा, सूचना प्रणाली समवर्ती लेखा परीक्षा और आईटी आउटसोर्स गतिविधियों की लेखा परीक्षा

आपके बैंक में सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (आईएस ऑडिट) किया जाता है जिससे सूचना सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से संबंधित जोखिमों का आकलन किया जा सके। केंद्रीकृत आईटी एप्लिकेशन और कॉर्पोरेट केंद्र प्रतिष्ठानों की सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा योग्य आईएस लेखा परीक्षकों की आंतरिक टीम द्वारा की जाती है। वित्त

वर्ष 2024 के लिए, सूचना प्रणाली (आईएस) ऑडिट के अंतर्गत 451 एप्लिकेशन के लिए योजना बनाई गई है। अनुसूची के अनुसार 551 गतिविधियों की आईटी आउटसोर्स गतिविधि लेखा परीक्षा भी पूरी कर ली गई है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीआईटीसी) के 88 सूचना प्रौद्योगिकी एप्लिकेशन मासिक आईएस समवर्ती लेखा परीक्षा (आईएससीए) के अध्यधीन हैं।

आम जनता द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले एप्लिकेशन की साइबर सुरक्षा ऑडिट वार्षिक रूप से आयोजित की जाती है। वित्त वर्ष 2024 के लिए, 68 एप्लिकेशन के लिए साइबर सुरक्षा ऑडिट आयोजित किया गया था।

उपरोक्त के अलावा, आपका बैंक भुगतान और निपटान प्रणाली (पीएसएस) अधिनियम 2007 के तहत संचालित भुगतान प्रणालियों की सिस्टम ऑडिट, ग्लोबल मार्केट्स यूनिट-कोलकाता की साइबर सुरक्षा और साइबर रेजिलिएंस ऑडिट, भुगतान प्रणालियों की वार्षिक पंजीकरण प्राधिकरण ऑडिट, विदेशी कार्यालयों की दोहरी मानक ऑडिट, यूआईडीआईआई की प्रमाणीकरण सेवाओं का उपयोग करने वाले आईटी एप्लिकेशन का वार्षिक सूचना सुरक्षा आकलन आदि के लिए विनियामक ऑडिट आयोजित करता है।

विदेशी कार्यालयों की लेखा परीक्षा

प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय लेखापरीक्षा फर्मों और आईएडी के स्थानीय आधारित अधिकारियों/अधिकारियों द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की निगरानी में स्थानीय रूप से की जाने वाली आंतरिक लेखा परीक्षा के अलावा विदेशी कार्यालयों की लेखा परीक्षा (एचओए) की जाती है। अनुसूची के अनुसार, 11 न्यायालयों (20 विदेशी कार्यालयों) में गृह कार्यालय लेखा परीक्षा और एक सहायक और एक क्षेत्रीय प्रधान कार्यालय का प्रबंधन लेखा परीक्षा वित्त वर्ष 2024 के दौरान किया गया था।

संगामी लेखापरीक्षा प्रणाली (सीएस)

आपके बैंक में संगामी लेखापरीक्षा प्रणाली जोखिम संवेदनशील क्षेत्रों को कवर करती है, जैसा कि नियामक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार आपके बैंक द्वारा विकसित जोखिम वर्गीकरण मॉडल के आधार पर शाखाओं को अत्यधिक उच्च जोखिम / बहुत उच्च जोखिम / उच्च जोखिम / मध्यम जोखिम / कम जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सभी

अत्यधिक उच्च जोखिम, बहुत उच्च जोखिम और उच्च जोखिम वाली शाखाएं संगामी लेखापरीक्षा के तहत कवर की जाती हैं। संगामी लेखापरीक्षाओं को भी सभी केन्द्रीकृत प्रसंस्करण केन्द्रों में तैनात किया जाता है ताकि लेन-देनों के घटित होने के समसामयिक मामलों की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। संगामी लेखा परीक्षक करेंसी चेस्ट शाखाओं, ट्रेजरी संचालन और अन्य विशेष संगठनों को भी कवर करते हैं। आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान संगामी लेखा परीक्षा के तहत 3,340 शाखाओं/इकाइयों को कवर किया है।

ऑफसाइट लेनदेन निगरानी प्रणाली (ओटीएमएस)

लेनदेन लेखापरीक्षा को मजबूत करने और बैंक की कोर बैंकिंग प्रणाली से गुजरने वाले लेनदेन की ऑफ-साइट निगरानी की नियामक आवश्यकता को पूरा करने के उपाय के रूप में 2013 में आपके बैंक में ऑफसाइट लेनदेन निगरानी प्रणाली (ओटीएमएस) शुरू की गई थी। प्रणाली में विकास जोखिम की उभरती गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए सतत आधार पर किए जा रहे हैं।

विधिक लेखापरीक्षा

आपके बैंक में विधिक लेखापरीक्षा में 5 करोड़ और उससे अधिक के ऋण एक्सपोजर वाले ऋण और सुरक्षा संबंधी दस्तावेजों की जांच शामिल है। विधिक लेखापरीक्षा एक नियंत्रण कार्य है, जो अधिवक्ताओं के एक पैनल के माध्यम से किया जाता है और ऐसी रिपोर्टों की जांच आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दस्तावेजों में कोई कमी नहीं है या आपके बैंक के पक्ष में प्रतिभूति का सृजन नहीं है। विधिक लेखापरीक्षा प्रक्रिया ऋण जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (एलएलएमएस) में स्वचालित है और 19774 खाते 31 मार्च 2024 तक विधिक लेखापरीक्षा योग्य खातों के समूह का निर्माण करते हैं।

आउटसोर्स गतिविधियों की लेखा परीक्षा (गैर-आईटी)

आपका बैंक स्वयं आपके बैंक की तरह विधिक और विनियामक अपेक्षाओं के अनुरूप सेवा प्रदाताओं की आवश्यकता को पहचानता है। इसलिए, आउटसोर्स गतिविधियों (गैर-आईटी) की लेखा परीक्षा भी नियमित अंतराल पर आयोजित की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आउटसोर्स गतिविधियों (गैर-आईटी) से उत्पन्न विधिक, वित्तीय और प्रतिष्ठित

जोखिमों को कम करने के लिए पर्याप्त प्रणाली और प्रक्रियाएं मौजूद हैं।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आपके बैंक ने लेखापरीक्षा योजना के अनुसार 37321 ग्राहक सेवा बिंदुओं (सीएसपी) का लेखापरीक्षा पूरा कर लिया है। अन्य गैर-आईटी आउटसोर्स गतिविधियों (सीएसपी के अलावा) के संबंध में 902 विक्रेताओं की लेखापरीक्षा और 25 राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधियों (बीसी) की आईएस लेखापरीक्षा भी योजना के अनुसार पूरी कर ली गई है।

कॉर्पोरेट केंद्र के विभागों के लिए जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरएफआई)

कॉर्पोरेट केंद्र का आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग (आईएडी) कॉर्पोरेट केंद्र के विभागों को जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा करता है जो मैक्रो स्तर पर अपनी समग्र जोखिम मूल्यांकन प्रक्रियाओं की लेखापरीक्षा के अवलोकन को मजबूत करने के लिए आपके बैंक के कॉर्पोरेट केंद्र विभागों का जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरएफआई) करता है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न अन्य लेखा-परीक्षाएं जैसे विषयगत लेखापरीक्षा, वैधीकरण लेखापरीक्षा और कॉर्पोरेट केंद्र में अन्य बैंक के व्यवसाय इकाइयों/विभागों के अनुरोध पर अथवा स्वतंत्र रूप अथवा केन्द्रीय बोर्ड/बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति/ईसीसीबी/सीईएनएमएसी/एसीई आदि के दिशा-निर्देशों तथा अन्य विनियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन का सत्यापन किया जाता है।

कॉर्पोरेट केंद्र लेखापरीक्षा विंग भी आरबीआई-ट्रंच-खरखर-डीसीटी, आरएआर/आरएमपी टिप्पणियों के वैधीकरण में लगा हुआ है।

प्रबंधन लेखा परीक्षा

प्रबंधन लेखापरीक्षा का मुख्य कार्य समग्र कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट प्रशासन, जोखिम प्रबंधन और आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया की पर्याप्तता और प्रभावशीलता का आकलन करना है। आपके बैंक की प्रबंधन लेखापरीक्षा में मंडल, स्थानीय प्रधान कार्यालय, प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और चुनिंदा कॉर्पोरेट केंद्र के विभाग शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान प्रबंधन लेखापरीक्षा ऑडिट की प्रभावशीलता को बढ़ाने के अपने निरंतर प्रयास में, आईएडी ने दायरे की समीक्षा की है और मूल्यांकन मॉड्यूल के उपयुक्त पुनर्गठन और अधिक

मापदंडों को लाकर प्रबंधन लेखापरीक्षा रेटिंग मॉडल को नया रूप दिया है।

ख. अनुपालन जोखिम प्रबंधन

आपका बैंक एक मजबूत अनुपालन संस्कृति विकसित करने और उसे कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विनियामक और सांविधिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कड़ाई से अनुपालन और प्राथमिकता सुनिश्चित की जा सके।

नए कर्मचारियों सहित सभी परिचालन स्तरों पर कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से व्यापक अनुपालन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि आपके बैंक की आंतरिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं और केवाईसी/एमएल/सीएफटी दिशानिर्देशों के अनुपालन के महत्व पर जोर दिया जा सके। शीर्ष अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य बाहरी अनुपालन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं, जिससे उन्हें केवाईसी-एमएल/अनुपालन पर ई-पाठ पूरा करने की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय स्तर पर स्वतंत्र रिपोर्टिंग संरचनाओं के साथ अनुपालन अधिकारियों की एक समर्पित टीम भी स्थापित की गई है - शाखाओं का नियमित दौरा करना, मार्गदर्शन प्रदान करना और आंतरिक और नियामक मानकों का पालन सुनिश्चित करना।

आपका बैंक पूरे संगठन में मनुपालन संस्कृतिफ स्थापित करने और मजबूत करने के लिए दृढ़ है और मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण गतिविधियों के लिए अपने बैंकिंग चैनलों के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

आपके बैंक का संचालन कार्य यह सुनिश्चित करता है कि केन्द्रीय बोर्ड और शीर्ष प्रबंधन को किसी भी नियामक घटना के बारे में सूचित किया जाता है जो आपके बैंक को प्रभावित कर सकता है। एक अनुपालन जोखिम प्रबंधन समिति, जिसमें विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों और समर्थन कार्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, सभी अनुपालन मामलों पर निगरानी प्रदान करते हैं।

केवाईसी/एमएल-सीएफटी उपाय

आपके बैंक की अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानकों, धन शोधन निवारण (एमएल) और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला (सीएफटी) उपायों पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति है।

आपके बैंक ने संपर्क रहित ग्राहक ऑनबोर्डिंग के लिए एक वीडियो केवाईसी सुविधा भी शुरू की है, जिसमें नए ग्राहक किसी भी शाखा में जाने की आवश्यकता के बिना पूरी तरह कार्यात्मक खाते खोल सकते हैं। आईएनबी, योनो और एटीएम के माध्यम से केवाईसी अपडेट करने का विकल्प सीकेवाईसी नंबर वाले ग्राहकों के लिए पेश किया गया है, जिससे वे आसानी से और बिना किसी शाखा में आए केवाईसी अपडेट कर सकते हैं।

आईएनबी ग्राहकों के लिए अब एक ग्राहक प्रोफाइल चार्ट उपलब्ध है, जिसमें आईएनबी के माध्यम से उनके प्रोफाइल विवरण जैसे पैन कार्ड, मोबाइल, ई-मेल, व्यवसाय, आय और शैक्षिक योग्यता को अपडेट करने की सुविधा है।

आपके बैंक ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री के साथ केवाईसी जानकारी साझा करने, व्यक्तिगत और कानूनी इकाई खातों के लिए कार्यक्षमता को लागू करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है। इसके रोलआउट के बाद से, आपके बैंक ने नए ऑनबोर्ड किए गए ग्राहकों के लिए लगातार केवाईसी डेटा अपलोड किया है।

बीमा

आपका बैंक ऐसी बीमा पॉलिसियां खरीद रहा है जो आपके बैंक की परिसंपत्तियों और अन्य जोखिमों को कवर करती हैं। आपके बैंक के लिए बीमा कवरेज में नकदी और कीमती सामान, आपके बैंक की संपत्ति, डेबिट कार्ड/इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के तहत किए गए धोखाधड़ी वाले लेनदेन और साइबर जोखिम शामिल हैं।

परिसर

आपके बैंक ने हमेशा अपने कामकाज में पर्यावरण प्रबंधन प्रथाओं को शामिल किया है। हरित विश्व के लिए एक आशय और प्रतिबद्धता के साथ आपके बैंक ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप अनेक पहलों की शुरुआत की है।

- आपके बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान हमारे 13 प्रतिष्ठित भवनों को आईजीबीसी की हरित भवन रेटिंग प्राप्त करके एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे यह कुल 45 हो गया है।
- आपके बैंक ने संबंधित डिस्कॉम से हरित बिजली खरीद शुरू की है और आज तक हमारे 18 भवनों को हरित ऊर्जा खरीद पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके माध्यम से हम पूरे भारत में हरित ऊर्जा के साथ सालाना लगभग 1.74 करोड़ विद्युत इकाइयों की भरपाई कर रहे हैं।

राजभाषा

आपका बैंक अपने विभिन्न बैंकिंग चैनलों के माध्यम से भारत के संविधान के अनुच्छेद 351 की भावना के अनुसार भारतीय भाषाओं का प्रसार कर रहा है और भारत की बहुभाषी संस्कृति को आत्मसात करके बैंकिंग को जन-जन तक पहुंचा रहा है। आपके बैंक की सभी परियोजनाएं विविधता में एकता की भावना को प्रतिबिंबित करती हैं, जो ग्राहकों को उनकी भाषाओं में बैंकिंग तक पहुंचाने और संप्रेषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्राहक और उनकी अपेक्षाएं आपके बैंक के लिए सर्वोपरि हैं।

हमारे फ्रंटलाइन स्टाफ प्रशिक्षित हैं और स्थानीय भाषा में कुशल हैं। हमारी शाखाओं में सभी जानकारी स्थानीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी में प्रदर्शित की जाती है। ग्राहकों को सभी फॉर्म, स्लिप, बुकलेट आदि हिन्दी, अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हमारे विभिन्न राज्यों में पदस्थ हिंदी भाषी अधिकारियों के लिए 10 भाषाओं: गुजराती, तमिल, तेलुगु, मलयालम, पंजाबी, मराठी, असमिया, बंगाली, कन्नड़ और उड़िया में 'क्षेत्रीय भाषा सीखें' पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं। डिजिटल इंडिया की भावना के अनुरूप, नवीनतम तकनीक का उपयोग करने वाले हमारे कॉल सेंटर ग्राहकों से उनकी परसंद की भाषा में बात करते हैं। कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की विभिन्न सुविधाएं इन भाषाओं में उपलब्ध हैं। हमारे ग्राहक हिंदी, उड़िया, गुजराती, कन्नड़, तमिल, असमिया, पंजाबी, बंगाली, मैथिली, मराठी, मलयालम, तेलुगु और अंग्रेजी में पासबुक प्रिंट कर सकते हैं।

योनो कृषि ऐप किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं को उनकी भाषा में सभी सुविधाएं प्रदान करता है। ग्राहक अपनी परसंदीदा भाषा में योनो लाइट, ऑनलाइन एसबीआई, एसबीआई क्लिक जैसी तमाम सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन की डिजिटल रिपोर्टिंग को क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालयों और शाखाओं को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है।

हम गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकास) में एक सक्रिय भागीदार हैं। बैंक इस मंच के माध्यम से भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों का भी समर्थन करता है। आपके बैंक के नेतृत्व में भुवनेश्वर और जबलपुर के नराकास को भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया है।

आपका बैंक नियमित रूप से हिंदी दिवस, विश्व हिंदी दिवस, मराठी दिवस, कन्नड़ दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं के प्रसार और संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके अलावा, महान साहित्यकारों के योगदान पर चर्चाएं, सेमिनार आदि आयोजित किए जाते हैं। आपके बैंक ने प्रेमचंद जयंती के अवसर पर मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। 200 से अधिक वैश्विक कार्यालयों में विश्व हिंदी दिवस का उत्सव विदेशों में भारतीय संस्कृति की चमक फैलाने का एक अभिनव प्रयास है।

आपके बैंक ने तिमाही आंतरिक पत्रिका 'प्रयास' के प्रिंट और डिजिटल संस्करण भी प्रकाशित किए हैं।

विपणन और संप्रेषण

आपके बैंक का विपणन और संप्रेषण (एम एंड सी) विभाग विभिन्न हितधारकों के बीच सकारात्मक प्रवृत्ति का निर्माण करने व हमारे ब्रांड/उत्पाद संदेश को सहक्रियात्मक बनाने के लिए उन्हें डिजाइन करने का काम करता है। संचार के विभिन्न चैनलों का उपयोग आंतरिक और बाहरी दोनों तरह से किया जाता है, ताकि सभी प्लेटफॉर्मों पर सुव्यवस्थितता और मानकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

आपके बैंक की ब्रांड इक्विटी के मुख्य घटक ब्रांड जागरूकता, ब्रांड एसोसिएशन, कथित गुणवत्ता, ब्रांड निष्ठा और समग्र ब्रांड इक्विटी हैं। आपके बैंक के विपणन के लिए किए गए प्रयास सभी हितधारकों के बीच बैंक के लिए एक सकारात्मक छवि बनाने में प्रभावी हैं।

ब्रांडिंग आँकड़े

- ब्रांड वैल्यू 2024 - 6.9 बिलियन अमरीकी डॉलर
- एए रेटिंग के साथ 88 का ब्रांड स्ट्रेंथ स्कोर
- शीर्ष वैश्विक 330 कंपनियों की 2024 में 500वीं वैश्विक रैंकिंग
- शीर्ष बैंकिंग 48 कंपनियों की 2024 में 500वीं वैश्विक रैंकिंग
- शीर्ष 100 भारतीय कंपनियों में जून 2023 में छठवां स्थान

स्रोत: <https://thefinancialbrand.com/power-100/>

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान की गई प्रमुख ब्रांडिंग पहल

क्र.सं. विवरण	प्रमुख बिंदु	कार्यकाल
1 ऑनबोर्ड 'ब्रांड एंबेसडर'	श्री एम एस धोनी	दो वर्ष
2 ऑनबोर्ड 'पहली महिला ब्रांड एंबेसडर'	सुश्री स्मृति मंधाना	एक वर्ष
3 'वार्नर डिस्कवरी द्वारा मेगा बैंकों का कवरेज	विरासत और राष्ट्रीय योगदान	फरवरी 2024
4 'इंडियन आइडल' के साथ साझेदारी	ब्रांड विज्ञापन	2024 का सीजन
5 'यूनिक ब्रांचेज कवरेज पैन-इंडिया - सबसे कठिन स्थान	राष्ट्र के हर कोने में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना	अक्टूबर 2023
6 'कौन बनेगा करोड़पति' के साथ साझेदारी	ब्रांड विज्ञापन	2023 का सीजन
7 'एशियन गेम्स' के लिए सोनी स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी	ब्रांड विज्ञापन	2023 का सीजन
8 'राष्ट्रीय खेल - गोवा' के साथ साझेदारी	ब्रांड विज्ञापन	2023 का सीजन
9 'आईसीआईसीआई क्रिकेट विश्व कप' के लिए दूरदर्शन, स्टार स्पोर्ट्स और डिज्नी हॉटस्टार के साथ साझेदारी	ब्रांड विज्ञापन	2023 का सीजन

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए, आपके बैंक के विपणन विभाग का लक्ष्य वर्ष के दौरान विपणन योजनाओं के योजनाबद्ध निष्पादन के लिए आपके बैंक के कॉर्पोरेट केंद्र में अखिल भारतीय सर्किलों और विशिष्ट व्यावसायिक इकाइयों और विभागों में खंडीय आवंटन करना है। संचालन के केंद्रित क्षेत्र ब्रांड बिल्डिंग,

जनसंपर्क, इवेंट मैनेजमेंट, क्रिएटिव डिजाइनिंग, मार्केटिंग बजट प्लानिंग, ऑडियो विजुअल जेनरेशन, प्रायोजन, अनुसंधान गतिविधियां, सर्किलों के साथ अखिल भारतीय समन्वय आदि हैं।

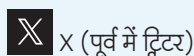
218 वर्षों की समृद्ध विरासत के साथ, आपका बैंक, भारतीय स्टेट बैंक भारत में बैंकिंग का एक अग्रणी बैंक है, जो 1973 से अभिनव बैंकिंग के रूप में इस विचार को पेश कर रहा है। आपका बैंक मिलेनियल्स को परिवर्तित कर रहा है:

1,83,69,831
फॉलोअर

विश्व में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला बैंक


48,22,421
फॉलोअर

विश्व में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला बैंक


26,22,370
फॉलोअर

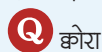
विश्व में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला बैंक


29,19,447
फॉलोअर

विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक फॉलो किया जाने वाला बैंक


39,485
फॉलोअर

वैश्विक स्तर पर बैंकों के बीच सबसे अधिक उत्तर देखे गए


258 मिलियन+
स्थापना के बाद देखा गया

वैश्विक स्तर पर बैंकों के बीच सबसे अधिक उत्तर देखे गए


10,479
फॉलोअर

भारत में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाले बैंक


9,95,029
उपभोक्ता

वैश्विक स्तर पर बैंकों के बीच सबसे अधिक विडियो देखे गए


1,093 मिलियन+
स्थापना के बाद देखे गए वीडियो

वैश्विक स्तर पर बैंकों के बीच सबसे अधिक उत्तर देखे गए



आपके बैंक के विपणन और संचार विभाग ने हमारे उत्पादों और सेवाओं के बारे में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर **ScamProof-sana, SBIsYourBFF, BankingMadeEasy, LetThemDream** जैसे अभियानों के साथ-साथ ठोस बैंक की ठोस बैंकिंग, हम साथ हैं, द बैंकर टू एवरी इंडियन, देश का फैन जैसे वीडियो दृश्यों के माध्यम से ग्राहक जागरूकता पैदा करने के लिए ब्रांड-निर्माण पहल की हैं। आपके बैंक के आर्थिक और विकास पर जोर देने का प्राथमिक लक्ष्य व्यक्तियों, कॉर्पोरेट्स, स्टार्टअप, उद्योगों और सामाजिक एवं आर्थिक रूप से चुनौती वाले समुदायों के जीवन पर सार्थक और मापने योग्य प्रभाव डालना है।

सतर्कता तंत्र

क) आपके बैंक के सतर्कता विभाग का नेतृत्व प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रेणी के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा किया जाता है जिसे सीवीसी के परामर्श से भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, जो बैंक के अध्यक्ष को रिपोर्ट करता है। सीवीओ सभी सतर्कता मामलों पर बैंक की नीति तैयार करने, उसे कार्यान्वित करने और समीक्षा करने में शीर्ष प्रबंधन की सहायता करता है। मंडलों/वर्टिकल/अनुषंगी कंपनियों में सतर्कता मामलों की निगरानी के अपने कार्य में सीवीओ की सहायता करने के लिए, भारत सरकार ने विभिन्न स्थानों पर स्टेट बैंक में प्रतिनियुक्ति के आधार पर छह (6) अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी (अतिरिक्त सीवीओ) नियुक्त किए हैं।

ख) सतर्कता कार्य के तीन पहलू हैं - निवारक, दंडात्मक और सहभागी। पिछले अनुभवों/घटनाओं के आधार पर, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर प्रणाली/

प्रक्रिया में सुधार लगातार किए जा रहे हैं और बैंक के दिशानिर्देशों को निवारक सतर्कता उपाय के रूप में सुव्यवस्थित किया जा रहा है।

ग) वर्ष के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30 अक्टूबर 2023 से 5 नवंबर 2023 तक मनाया गया, जिसका विषय से नो टू करप्शन; कमिट टू द नेशन: भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें. आपके बैंक के सभी चैनल जैसे एसबीआई टाइम्स, एटीएम, सीडीएम, इंटरनेट बैंकिंग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंकडइन का सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) के विषय पर कर्मचारियों और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया था।

घ) आपके बैंक के कर्मचारियों के अलावा, विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और आम जनता में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी भारत भर में अपने गांवों में ग्राम सभाओं का आयोजन करके सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान कवर किया गया।

ड) सहभागी सतर्कता की सच्ची भावना को विकसित करने की दिशा में, सीवीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अग्रदूत के रूप में तीन महीने का अभियान भी चलाया। इस अभियान के फोकस क्षेत्रों में से एक क्षमता निर्माण था। एसटीयू विभाग और स्टाफ कॉलेज हैदराबाद के समन्वय से, आपके बैंक ने अभियान अवधि के दौरान व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। हमने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी के श्रीवास्तव, सतर्कता आयुक्त श्री अरविंद कुमार और सचिव सीवीसी श्री पी डैनियल को भी 19.10.2023 को ऐसे ही एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए

हमारे स्टाफ कॉलेज हैदराबाद में आमंत्रित किया है। सीवीसी और अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम के दौरान सात स्टाफ सदस्यों, जिन्हें शाखा में उनके सतर्कता कार्यों के लिए विजिलेंट स्टार्स के रूप में पहचाना गया है, को भी सम्मानित किया गया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम को आगे बैंक के बीसी और सीएसपी तक बढ़ा दिया गया। अभियान अवधि के दौरान, आपके बैंक ने 21000+ अधिकारियों और 56000+ सीएसपी को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

च) संचरणात्मक दक्षता और प्रक्रियाओं को एक ही मंच पर लाने के लिए, आपके बैंक ने संपूर्ण अनुशासनात्मक प्रक्रिया का डिजिटलीकरण शुरू किया। घटना के घटित होने के चरण से लेकर जर्नलिंग लगाने और बाद में अपील और समीक्षा के चरण तक की संपूर्ण अनुशासनात्मक कार्यवाही पोर्टल के माध्यम से संसाधित की जा रही है। पोर्टल को डीपीएमएस (अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रबंधन पोर्टल) के रूप में नामित किया गया है। डीपीएमएस अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित आंकड़ों को वास्तविक समय के आधार पर कैचर करता है और समय पर और त्वरित तरीके से अनुशासनात्मक मामलों की निगरानी और निपटान के लिए एक प्रभावी उपकरण है।

छ) सतर्कता विभाग ने 1570 निवारक सतर्कता कार्यक्रम, ईओ/पीओ/आईओ प्रशिक्षण के लिए 63 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं, जिसमें कुल 32775 अधिकारी हैं। शिकायत संभावित शाखाओं और शाखाओं में जहां आरएफआई ऑडिटर द्वारा गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं, में स्वतः संज्ञान जांच करने के अलावा, निवारक सतर्कता उपायों को सुनिश्चित करने और सुधारने के लिए आपके बैंक के एआई/एमएल इंजन द्वारा पहचाने गए उच्च जोखिम और बहुत उच्च जोखिम वाली शाखाओं में स्वप्रेरणा से जांच करें। 475 शाखाओं में सुओ-मोटो जांच की गई।

ज) आपके बैंक के सतर्कता विभाग को भेजे गए मामलों की संख्या पिछले वित्त वर्ष की तदनुसूची अवधि के दौरान संदर्भित 3331 मामलों के स्तर से थोड़ी कम होकर 2990 हो गई है। रेफर किए गए 2990 मामलों में से 716 को सतर्कता मामलों में परिवर्तित कर दिया गया था जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान 956 मामले सतर्कता मामलों में परिवर्तित किए गए थे।



सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह

आस्ति और देयता प्रबंधन

प्रभावी आस्ति और देयताओं का कुशल प्रबंधन (एलएम) बैंक के निरंतर और गुणात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैंक का आस्ति देयता प्रबंधन बाजार की गतिशीलता की सक्रिय रूप से समीक्षा करते हुए, उससे उत्पन्न संकेतों को ग्रहण कर नियामक अपेक्षाओं का पालन करते हुए बैंक के तुलन-पत्र को मजबूत बनाने का प्रयास करता है।

मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के लिए अपनी प्रतिबद्धता के एक भाग के रूप में, आपका बैंक बाजार स्थितियों में परिवर्तनों के अनुकूल होने के लिए नियमित रूप से 'जमाराशियों पर ब्याज दर', 'आस्ति और देयता प्रबंधन', 'चलनिधि और ब्याज दर जोखिमों पर तनाव परीक्षण' पर अपनी आंतरिक नीतियों की समीक्षा करता है। आपका बैंक सबसे खराब स्थिति के रूप में उत्पन्न होने वाले किसी भी जोखिम को दूर करने के लिए तनाव परीक्षण और रिवर्स स्ट्रेस टेस्ट करता है।

तरलता की स्थिति का मूल्यांकन करते समय गैर-संवैधानिक आस्तियों और देयताओं के उचित उपचार के लिए ग्राहक व्यवहार का आकलन करने के लिए नियमित अंतरालों पर अध्ययन किए जाते हैं। तरलता और ब्याज दर संवेदनशीलता विवरणों में बहिर्वाह/अंतर्वाहों की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने के लिए अर्ध-वार्षिक अंतराल पर व्यवहारपरक विश्लेषण किए जाते हैं, जो ऑफ बैलेंसशीट एक्सपोजर अथवा संभावित ऋण हानि के परिणामस्वरूप हो सकता है। नवीनतम अध्ययनों के परिणामों के अनुरूप गैर-संवैधानिक आस्तियों और देयताओं की धारणाओं की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है, पुनरीक्षण और संशोधन किया जाता है।

नियामक और बैंक के आंतरिक मानदंडों द्वारा निर्धारित एलसीआर के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए गतिशील बाजार वातावरण के तहत उच्च गुणवत्ता तरल परिसंपत्तियों (एचव्यूएलए) और नकदी बहिर्वाह के स्टॉक की दैनिक निगरानी गतिशील बाजार वातावरण के तहत दैनिक रूप से की जाती है। आपके बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के एनएसएफआर दिशानिर्देशों को लागू किया है जो तरलता के संदर्भ में आपके बैंक के दीर्घकालिक आघात-सहनीयता को मापता है।

आपका बैंक अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से अपनी बैलेंसशीट (ऑन/आफ) एक्सपोजरों पर ब्याज दरों में परिवर्तन से जुड़े अंतर्निहित

जोखिमों की पहचान करता है। इस प्रयोजन के लिए, जोखिम पर आय (ईएआर) और इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) पर ब्याज दरों में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन पूर्व-परिभाषित सहन सीमाओं के साथ किया जाता है, जिससे प्रबंधन एनआईआई/निवल मूल्य में क्षरण के संभावित परिदृश्य में उचित निवारक कदम उठाने में सक्षम होता है। आपके बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के नए आईआरआरबीबी दिशानिर्देशों के तहत विनियामक रिपोर्टिंग शुरू कर दी है, जिसमें बैंक की पूंजी के लिए वर्तमान या संभावित जोखिम और ब्याज दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ावों से उत्पन्न आय को मापा जाता है जो बैंक की बैंकिंग बुक स्थितियों को प्रभावित करती हैं। शाखाओं को स्थिर धन जुटाने के लिए प्रोत्साहित करने और धन की लागत के आधार पर उनकी लाभप्रदता का आकलन करने के लिए, आपके बैंक द्वारा एक मिलान परिपक्वता आधारित निधि अंतरण मूल्य निर्धारण अपनाया गया था। आपका बैंक लगातार अपनी बैंचमार्क उधार दरों के माध्यम से मौद्रिक नीति का पर्याप्त प्रसार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एलसीओ) तुलन-पत्र में आस्ति-देयता मिश्रण में सुधार कर और समय-समय पर देयताओं और आस्तियों के मूल्य निर्धारण को पुनर्व्यवस्थित करके तरलता और ब्याज दर जोखिमों की निगरानी और प्रबंधन करती है। अखिल भारतीय तकनीकी नियंत्रण संगठन (एलसीओ) अन्य बातों के साथ-साथ ब्याज दर परिदृश्यों, देयता उत्पादों के विकास पैटर्न, ऋण वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, विकसित चलनिधि स्थितियों, विनियामक निर्देशों के अनुपालन आदि की नियमित रूप से समीक्षा करता है। एलएम से संबंधित विनियामक रिपोर्टों/विवरणियों के स्वचालन के साथ ही, आपका बैंक तरलता और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन की निगरानी और अनुपालन अच्छी तरह से करने की स्थिति में है।

सदाचार और व्यवसाय आचरण

आपका बैंक, जो दृढ़ नैतिक मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है, का विश्वास है कि सदाचार अपने परिचालन व्यवस्था में उत्कृष्टता लाने की एक सतत प्रक्रिया है और संगठन के भीतर कर्मचारियों की नैतिक संवेदनाओं को आकार देने का प्रयास करता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, आपके बैंक ने अपने

'कोड ऑफ एथिक्स' में उल्लिखित अपने व्यावसायिक सिद्धांतों को मजबूत करने के लिए कई पहल शुरू की। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में पहली बार आपके बैंक ने बैंक की सदाचार-संबंधी नीतियों, संगठनात्मक संस्कृति के बारे में उनकी धारणा और बैंक की लक्ष्य, ध्येय और मूल्यों के साथ उनके संरेखण के बारे में कर्मचारियों की जागरूकता का आकलन करने के लिए एक आंतरिक सदाचार लेखापरीक्षा आयोजित की जो बैंकिंग क्षेत्र में एक अग्रणी कदम है। संरचनात्मक क्षमता और प्रक्रिया में सुधार लाने, कर्मचारियों की जवाबदेही और अनुशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटलाइज करने के लिए एक परियोजना शुरू की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 1 जुलाई 2023 को पूरे बैंक में अनुशासनिक प्रक्रिया प्रबंधन प्रणाली (डीपीएमएस) पोर्टल शुरू किया गया था। यह पोर्टल सभी अनुशासनिक मामलों के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस और भंडार के रूप में कार्य करता है, पारदर्शिता को बढ़ाता है और आपके बैंक के भीतर अनुशासन प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करता है। आपका बैंक नियमित रूप से अनुशासन प्रबंधन में विभिन्न हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिससे अनुपालन और कर्मचारी जवाबदेही प्रथाओं में मानकीकरण की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगी।

आपके बैंक ने सावधानीपूर्वक नीतियों का एक व्यापक ढांचा तैयार किया है, जिसमें सदाचार संहिता, रिश्वतखोरी विरोधी और भ्रष्टाचार-विरोधी नीति, हितों का टकराव नीति, कर्मचारी जवाबदेही नीति, उपहार नीति शामिल हैं - इन सभी का उद्देश्य संगठन के मूल्यों के साथ कर्मचारी आचरण को संरेखित करना है। नियमित समीक्षा बदलती व्यापार और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के बीच इन नीतियों की प्रासंगिकता सुनिश्चित करती है।

आपका बैंक अपनी महिला कर्मचारियों के लिए एक समावेशी, सुरक्षित और सशक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन के लिए समर्पित 'गरिमा' नीति का उदाहरणस्वरूप है। गरिमा (पीओएसएच) लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न से संबंधित मामलों की पूरी प्रक्रिया शामिल है। वर्ष के दौरान, नीति की समीक्षा की गई, और कार्यात्मक स्तरों पर प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए अतिरिक्त परिचालन दिशानिर्देश शामिल किए गए।

आपका बैंक नियमित रूप से 'सदाचार और गरिमा (पीओएसएच) का अवलोकन' पर वेबिनार आयोजित करता है जिसका उद्देश्य संगठन के हर स्तर पर नैतिक आचरण को शामिल करना है।

पारदर्शिता, जवाबदेही और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रमाण स्वरूप, आपका बैंक एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में खड़ा है, जो हितधारकों की अपेक्षाओं को लगातार पार कर रहा है और बैंकिंग क्षेत्र में सदाचार को मूर्त रूप दे रहा है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपके बैंक के लोकोपकारी प्रयासों का प्राथमिक ध्यान हमेशा आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक रूप

से वंचित समुदायों के जीवन पर सार्थक और मापने योग्य प्रभाव डालना है।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आपके बैंक की सीएसआर गतिविधियों के फोकस क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आजीविका, ग्रामीण व झुग्गी-झोंपड़ियों का विकास, कौशल विकास, पर्यावरण, राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण, पशु कल्याण, खेल, अन्य शामिल हैं, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करते हुए आपके बैंक के 17 मंडलों के माध्यम से किए जाते हैं।

बड़ी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व परियोजनाओं/कार्यक्रमों को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए, जिनके लिए पर्याप्त धन और समय के निवेश की आवश्यकता होती है, एसबीआई

फाउंडेशन को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत धारा 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया गया है। एसबीआई फाउंडेशन की परिकल्पना सीधे रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से और तीसरे पक्ष के सहयोग से सामाजिक रूप से उन्मुख कार्यक्रम शुरू करने के लिए की गई है।

आपके बोर्ड की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी) बैंक द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एक पारदर्शी निगरानी तंत्र सुनिश्चित करती है। आपके बोर्ड का सीएसआरसी निर्धारित सीएसआर नीति के अनुसार बैंक की गतिविधियों के लिए दिशा निर्धारित करता है और तिमाही अंतरालों पर प्रगति की समीक्षा करता है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान गतिविधियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा

- भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के एक भाग के रूप में, आपके बैंक ने सितंबर-अक्तूबर 2023 और जनवरी 2024 के दौरान विभिन्न देशव्यापी पहल की
- स्वच्छता गतिविधियों में आसपास की स्वच्छता, समुद्र तट की सफाई, जूट के थैलों का वितरण, नो-प्लास्टिक अभियान का आयोजन, शौचालयों का निर्माण आदि शामिल थे।
- केरल के 14 जिलों में स्वच्छता कर्मचारियों को 10,000 पीपीई किट प्रदान किए गए, जिसमें 75 लाख रुपये खर्च किए गए।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)

- 19 स्थानों पर नए आरएसईटीआई भवनों का निर्माण
- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी एसओपी के अनुसार 7 स्थानों पर आरएसईटीआई के अतिरिक्त क्षेत्रों का निर्माण
- 14 स्थानों पर आरएसईटीआई की परिसर दीवारों तथा अन्य सिविल कार्यों का निर्माण
- 23 स्थानों पर मरम्मत और रख-रखाव
- आपके बैंक द्वारा प्रबंधित 152 आरएसईटीआई में प्रशिक्षण उपकरण और लॉजिस्टिक्स की खरीद
- आरएसईटीआई पर 57.16 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई

स्वास्थ्य देखभाल

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए, आपके बैंक ने देश भर में 158 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को गोद लिया है, जिसमें चिकित्सा उपकरणों, बेचों आदि की खरीद के लिए ₹11.38 करोड़ की राशि खर्च की गई है। इस पहल से 1.90 लाख गरीब और वंचित लोग लाभान्वित हुए हैं
- टीबी मुक्त भारत अभियान के एक भाग के रूप में, आपके बैंक ने केरल और हरियाणा में 8,000 टीबी रोगियों के भोजन और तत्काल जरूरतों की व्यवस्था करके उनकी सहायता की है
- टीबी का पता लगाने और निदान के लिए पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में टीबी निदान चिकित्सा उपकरण खरीदे गए और उनका उपयोग किया गया
- आपका बैंक चिकित्सा अवसंरचना में सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और वंचित लोगों को निःशुल्क चिकित्सा देखभाल प्रदान करने वाले संस्थानों के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद हेतु सीएसआर सहायता प्रदान की है। ऐसे कुछ संस्थानों में निम्नलिखित शामिल हैं:
 - श्री सत्य साई सरला मेमोरियल अस्पताल, चिक्कबल्लापुरा, कर्नाटक
 - सदविचार परिवार, अहमदाबाद द्वारा नेत्र अस्पताल का प्रबंधन
 - उम्मीद हेल्थ एंड मेडिकयर हॉस्पिटल, इंदौर

- शंकर नेत्रालय आई हॉस्पिटल, चेन्नई
- सेवा सदन आई हॉस्पिटल ट्रस्ट, भोपाल
- बसवतारकम इंडो अमेरिकन कैन्सर अस्पताल, हैदराबाद
- रोटरी आई हॉस्पिटल, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल
- जगद्गुरु श्री शिवरात्रेवर अस्पताल, मैसूर
- जय भारत हॉस्पिटल, नेल्लूरु आंध्र प्रदेश

शिक्षा

- ग्रामीण बच्चों को उनकी शिक्षा में मदद करने के लिए, कर्नाटक और तमिलनाडु में लैपटॉप वितरित किए गए
- स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की सुविधा के लिए, आपके बैंक ने देश भर के 232 स्कूलों में कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में अपग्रेड किया है। इस परियोजना पर 10.62 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई थी, जिसमें अनुमानित 1.26 लाख बच्चे लाभान्वित हुए
- मारुम एग्जी ग्रीन्स ट्रस्ट के साथ गठजोड़ करके, आपके बैंक ने पुणे, महाराष्ट्र में नाइट स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम (एनएसटीपी) और इवनिंग लर्निंग सेंटर (ईएलसी) के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार किया
- अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से, आपके बैंक ने स्कूल दाखिला को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए गरीब वर्ग से आने वाले छात्रों को एक वर्ष के लिए 500 बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की।

- आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएम) समारोह के हिस्से के रूप में, गुजरात के विभिन्न जिलों के स्कूलों में पंखे उपलब्ध कराए गए, जिसमें 31 लाख रुपये खर्च किए गए
- विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को स्कूल बस, वैन आदि वाहन प्रदान किए गए, जिससे बच्चे अपने घरों से आसानी से स्कूल जा सकें

महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण

- आजीविका की पहल के हिस्से के रूप में, 4,600 सिलाई मशीनें वंचित महिलाओं को प्रदान की गईं, जिससे उन्हें अपनी सिलाई की दुकानें स्थापित करने में मदद मिली। इस पहल पर आपके बैंक द्वारा 3.16 करोड़ की राशि खर्च की गई
- 3.44 करोड़ रुपये की राशि के साथ नए बुनियादी ढांचे की स्थापना करके 355 आंगनवाड़ियों का उद्घाटन किया गया, जिससे लगभग 1 लाख महिलाएं लाभान्वित हुईं
- 75 वृद्धाश्रमों को 1.42 करोड़ रुपये की राशि के साथ अपग्रेड किया गया, जिससे लगभग 1 लाख वंचित वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए।

पर्यावरण

- आपके बैंक ने कर्नाटक और तमिलनाडु के कावेरी बेसिन में 9 लाख वृक्षों के रोपण के लिए ईशा आउटरीच फाउंडेशन के साथ करार किया है। वृक्षारोपण गतिविधि जून-नवंबर 2023 के दौरान आयोजित की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य कर्नाटक और तमिलनाडु के कावेरी बेसिन जिलों में किसानों और जल संकट को दूर करना था। यह महत्वपूर्ण पारिस्थितिक लाभों के साथ एक आर्थिक समाधान प्रदान करता है। आपके बैंक द्वारा परियोजना पर ₹3.78 करोड़ का सीएसआर फंड खर्च किया गया था
- हरित तमिलनाडु अभियान के भाग के रूप में, आपके बैंक ने 2 करोड़ के सीएसआर खर्च से तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में 2 लाख वृक्षों के वृक्षारोपण के लिए ग्रामियम ट्रस्ट के साथ करार किया है
- स्ट्रीट लाइटिंग के लिए सौर विद्युत प्रणालियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु लक्षद्वीप में 200 सौर स्ट्रीट लाइट संस्थापित की गई थीं

- हरित पर्यावरण पहल के हिस्से के रूप में, प्लास्टिक पेट्रोल ब्लॉक विनिर्माण मशीनें श्री सोमनाथ ट्रस्ट, प्रभास पाटन, गिर सोमनाथ जिला, गुजरात को दान की गईं। प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य पेट्रोल ब्लॉक बनाने के लिए एक संसाधन के रूप में प्लास्टिक कचरे का उपयोग करना है, इस प्रकार एक साथ दो प्रमुख समस्याओं को संबोधित करना, प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना और टिकाऊ निर्माण सामग्री बनाना। इस परियोजना के लिए ₹70.50 लाख की राशि खर्च की गई थी
- हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, ई-वाहनों की खरीद की गई और देशभर के विभिन्न संस्थानों को दान किया गया

आपदा प्रबंधन

- 3 अक्टूबर 2023 की रात के दौरान उत्तरी सिक्किम में ल्होक झील के ऊपर अचानक बादल फटने के रूप में प्राकृतिक आपदा, जिससे सिक्किम की लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में तेजी से बहने वाली पानी की धार बहने लगी। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए, आपके बैंक ने सिक्किम सरकार के आपदा प्रबंधन कोष में 2 करोड़ का सीएसआर फंड दान किया।
- आपके बैंक ने मछुआरों और अन्य लोगों की मदद करने के लिए जो समुद्र की धाराओं में फंस जाते हैं, भारतीय तटरक्षक को दूरस्थ संचालित स्व-चालित लाइफ बॉय क्राफ्ट की 6 इकाइयों के साथ सहायता प्रदान की है
- आपके बैंक ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे राजस्थान के जालौर में बिपोरजॉय चक्रवात, तमिलनाडु और केरल में बाढ़ आदि से प्रभावित लोगों की सहायता की है।

राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण

- आपके बैंक ने नवीनतम ऑडियो-विजुअल (एवी) उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के साथ भारतीय संगीत अनुभव संग्रहालय (आईएमई), बेंगलुरु की सहायता की, जो उन्हें भारतीय संगीत के इतिहास पर जनता को शिक्षित करने के लिए व्यापक इंस्टॉलेशन तैयार करने के लिए सशक्त बनाया गया। परियोजना पर 98 लाख का सीएसआर फंड खर्च किया गया था।

- सदियों पुरानी घराना संगीत परंपराओं का दस्तावेजीकरण करने के प्रयास में, आपके बैंक ने 12 घरानों की विरासत को संरक्षित करने के लिए एसएमपी नामसंकीर्तन के साथ करार किया है। इस परियोजना के लिए 50 लाख का सीएसआर फंड आबंटित किया गया है
- आपके बैंक ने राष्ट्रीय बौद्धिक विरासत के डिजिटलीकरण और सौर ऊर्जा पैनलों की स्थापना के लिए ₹45.83 लाख की सीएसआर निधि के साथ माधव राव सप्रे संग्रहालय, भोपाल की सहायता की। संस्थान समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, संदर्भ पुस्तकों, पांडुलिपियों और अन्य विरासत दस्तावेजों के रूप में हमारी राष्ट्रीय विरासत को एकत्र और संरक्षित करता है

आकांक्षी जिलों में सीएसआर

- आपके बैंक ने देश भर के आकांक्षी जिलों में अखिल भारतीय सीएसआर गतिविधियां शुरू की हैं। 80 आकांक्षी जिलों में 6.08 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई। पिछड़े क्षेत्रों के वंचित लोगों को लाभान्वित करने के लिए कुल 173 सीएसआर गतिविधियां शुरू की गईं

एसबीआई बाल कल्याण निधि (एसबीआई सीडब्ल्यूएफ)

- एसबीआई चिल्ड्रन वेलफेयर फंड (सीडब्ल्यूएफ) एक स्वैच्छिक निधि है जो आपके बैंक के कर्मचारियों के योगदान से स्थापित की गई है। रखी जाने वाली निधि की संचित निधि से अर्जित ब्याज में से बाल कल्याण से संबंधित कार्यकलापों के लिए विभिन्न संगठनों को अनुदान दिए जाते हैं जो प्रति अनुदान 10 लाख रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, बैंक द्वारा देश भर के चार संगठनों को ₹32.46 लाख दिए गए, जिससे समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ हुआ।

प्राप्त पुरस्कार

- राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति का संरक्षण श्रेणी में 10वां ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड 2023 से सम्मानित

एसबीआई फाउंडेशन

एसबीआई फाउंडेशन की स्थापना भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कंपनी अधिनियम (2013) के तहत एक धारा VIII कंपनी के रूप में स्टेट बैंक समूह की सीएसआर गतिविधियों को योजनाबद्ध और केंद्रित तरीके से करने के लिए की गई थी। ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवा, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, शिक्षा, संवहनीयता और पर्यावरण, आजीविका और कौशल विकास, युवा सशक्तिकरण, खेल को बढ़ावा देने आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई

फाउंडेशन भारत के 28 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों में काम करता है।

ग्राम सेवा: ग्रामीण विकास

भारतीय स्टेट बैंक ने हमेशा एक मजबूत और विकसित ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में योगदान देने का प्रयास किया है। इस दिशा में, एसबीआई फाउंडेशन ने डिजिटलीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, डब्ल्यूएसएच (जल, सफाई और स्वच्छता), कौशल और आजीविका

विकास, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण के माध्यम से गांवों के समग्र विकास के लिए 2017 में एक प्रमुख कार्यक्रम 'एसबीआई ग्राम सेवा' शुरू किया। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, कार्यक्रम का विस्तार आकांक्षी जिलों/पिछड़े क्षेत्रों आदि में अन्य 30 गांवों में किया गया, जिससे आपके बैंक के 17 सर्किलों को कवर करते हुए 27 राज्यों के कुल 180 गांव हो गए, जिससे 2 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया।

ग्राम सक्षम

- एसबीआई फाउंडेशन ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने और आय वृद्धि के लिए पूरक विकल्प प्रदान करने के लिए 'ग्राम सक्षम' शुरू किया है। परियोजना की गतिविधियां मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पशुधन विकास और किसानों की आय में सुधार पर केंद्रित हैं, जिसमें महिलाओं, युवाओं, किसानों, और आदिवासी और हाशिए के समुदायों पर विशेष ध्यान दिया गया है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, ग्राम सक्षम परियोजना का विस्तार अन्य 145 गांवों में किया गया, जिससे 12 राज्यों के कुल 270 गांव हो गए और 1.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन प्रभावित हुए।

एसबीआई सम्मान - राष्ट्रीय नायकों के लिए अर्पित सम्मान

- एसबीआई फाउंडेशन ने 'एसबीआई सम्मान-होमेज टू द नेशनल हीरोज' नाम से एक नया कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों, युद्ध के महावीरों और सार्वजनिक नायकों के गांवों की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, एसबीआई फाउंडेशन ने 4 राष्ट्रीय नायकों (भारत रत्न विनोबा भावे, द माउटेन मैन श्री दशरथ मंजी, लांस नायक भैरों सिंह राठौड़ और शहीद वीर नारायण सिंह) के पैतृक गांवों में आवश्यकता-आधारित परियोजनाओं का संचालन किया, जो सामान्य परिवार से थे, जिन्होंने बहादुरी और वीरता का प्रदर्शन किया और अपने देश और उसके लोगों के लिए योगदान दिया

एसबीआई सप्तिर्षि

- वर्ष के दौरान, 'एसबीआई सप्तिर्षि' कार्यक्रम के तहत बैंक के एबीयू और जीएसएस विभाग द्वारा पहचाने गए 100 एससी / एसटी गहन गांवों में विशेष सीएसआर गतिविधियां शुरू की गईं। यह परियोजना आपके बैंक के सभी 17 मंडलों के विपणन, संप्रेषण एवं सीएसआर विभागों के समन्वय से स्व-कार्यान्वित की गई थी। यह कार्य गांवों में बुनियादी ढांचे में सुधार पर केंद्रित था, जैसे स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, गर्ल्स कॉमन रूम, वाटर फिल्टर, सोलर स्ट्रीट लाइट और अन्य पहल।

अन्य नए पहल

- एसबीआई फाउंडेशन ने सतत चावल उत्पादन के लिए 'डायरेक्ट सीड्स राइस' को बढ़ावा

देने के लिए आईसीएआर - भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के साथ गठजोड़ किया है। इस परियोजना का उद्देश्य अगले दो वर्षों के लिए तेलंगाना में 15,000 किसानों की अनुमानित पहुंच के साथ प्रथाओं और क्षमता निर्माण के पैकेज के साथ किसानों की सहायता करना है

- 'शालिग्राम एक्सप्रेस', आंध्र प्रदेश के विशाखपट्टणम जिले में शुरू की गई एक मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा इकाई है, जो एक समर्पित वाहन और एक पशु चिकित्सा टीम के माध्यम से किसानों के दरवाजे पर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। इस पहल से लगभग 2000 प्रजनन योग्य पशुधन आबादी तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे अगले वर्ष अनुमानित 1200 किसानों को लाभ होगा
- कर्नाटक के गडग जिले और मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में 'रायता बंधु' और 'भागीरथ' वाटरशेड विकास पहलों की शुरुआत। ताकि कृषि गतिविधियों के लिए वाटरशेड विकास में किसानों की सहायता करके उनके जीवन में समृद्धि लाई जा सके। इस पहल के अगले दो वर्षों में 2000 से अधिक किसानों तक पहुंचने की उम्मीद है

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया एक 13 महीने का ग्रामीण विकास फेलोशिप कार्यक्रम है जो शहरी क्षेत्रों के उज्ज्वल युवा दिमागों को ग्रामीण समुदायों के साथ उनके संघर्षों और आकांक्षाओं में शामिल होने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। हमारे 13 जमीनी स्तर के साझेदार गैर सरकारी संगठन ग्रामीण उन्मुख इस यात्रा को सुविधाजनक बनाते हैं और ग्रामीण मुद्दों से निपटने और हल करने के लिए सार्थक परियोजनाओं के चयन में मदद करते हैं।

- **यूथ फॉर इंडिया कॉन्वलेव 8-9** अप्रैल, 2023 को विश्व युवक केंद्र, दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह कई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप हितधारकों के लिए एक मंच है, जिसमें पूर्व छात्र और साझेदार एनजीओ शामिल हैं, जो बातचीत करने, नेटवर्क बनाने और विचारों को साझा करने के लिए हैं।
- **नया बैच:** फेलोशिप के 11वें बैच के लिए लगभग 44,000 पंजीकरण और 12,000 आवेदन प्राप्त हुए। 2023-24 बैच के लिए 64 फेलो का चयन किया गया है, जिनका ओरिएंटेशन प्रोग्राम तमिलनाडु के मद्रुरै में द डीएचएन एकेडमी में डीएचएन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- **समापन:** 2022-23 बैच के अध्येताओं के लिए समापन कार्यक्रम 2 नवंबर, 2023 को स्टेट बैंक इंस्टीट्यूशन फॉर लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एसबीआईएलडी), जक्कुर, बेंगलुरु में आयोजित किया गया था। 67 अध्येताओं को फेलोशिप पूर्णता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।
- **द पिच फेस्ट:** चार पूर्व छात्रों के उपक्रमों को ₹24 लाख का अनुदान दिया गया। चार पूर्व छात्रों के उद्यमों को 6 लाख का पुरस्कार दिया गया।
- **वाईएफआई सहयोग:** दस साझेदार एनजीओ में 2022-23 बैच के 25 फेलो को यूथ फॉर इंडिया सहयोग के हिस्से के रूप में ₹15,16,410 का अनुदान दिया गया, जो पूर्व छात्रों और अध्येताओं द्वारा संचालित अभिनव और होनहार पायलटों और उपक्रमों को हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान करने की एक पहल है।

दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

दिव्यांगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), 2017 में शुरू किया गया, जो दिव्यांगों के लिए एक केंद्रीकृत सहायता केंद्र है। सीओई ने एसबीआई, आरबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब और

सिंध बैंक के 681 दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) कर्मचारियों के लिए 31 ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। दिव्यांगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र ने दिव्यांगों को सशक्त बनाने की दिशा में अपने योगदान के लिए नवंबर 2023 में एटीएफ पुरस्कार भी जीता।

समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए परियोजनाएं

- **एसबीआईएफ बाल सहायता उत्कृष्टता केंद्र, राहत और सशक्तिकरण (सीएआरई):** यह दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को संबोधित करता है। एसडीजी 3 के अनुरूप - दिव्यांगों सहित सभी के लिए अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, सीएआरई का उद्देश्य विकलांगों की पहचान, उपचार और प्रबंधन के तरीके में एक आदर्श बदलाव करना है। वित्त वर्ष 2023-24 में, उत्कृष्टता केंद्र ने दृष्टि सामाजिक संस्थान, सोसाइटी फॉर एक्शन इन कम्युनिटी हेल्थ, आदि जैसे संगठनों के साथ काम करना शुरू किया।
- **एसबीआईएफ समग्र शिक्षा उत्कृष्टता केंद्र** दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और सहायता के साथ साथ गहन मध्यस्थता और सहायता प्रदान करता है। यह दिव्यांग बच्चों के लिए अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देता है। स्टेट बैंक फाउंडेशन ने हाल ही में समावेशी और सुलभ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एडीएपीटी, समर्थनम, श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल जैसे कई संगठनों के साथ भागीदारी की है।
- **स्टेट बैंक फाउंडेशन उत्कृष्टता केंद्र, सामर्थ्य** - सामर्थ्य वर्टिकल पूरी तरह से दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए सहायक प्रौद्योगिकी और सहायता को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए समर्पित है। इस वर्ष स्वीकृत कुछ परियोजनाएं सक्षम ट्रस्ट, कोलकाता केंद्र, महावीर सेवा सदन आदि संगठनों के साथ साझेदारी में हैं।
- **स्टेट बैंक फाउंडेशन उत्कृष्टता केंद्र, स्वावलंबन** - यह वर्टिकल दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) की उन्नति और रोजगार से संबंधित है। इस वर्टिकल के तहत, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर पीडब्ल्यूडी ने हाल ही में दिव्यांगों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए अनुदीप फाउंडेशन फॉर सोशल वेलफेयर, टीआरआरआईएन ट्रस्ट और जेएम इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग जैसे संगठनों के साथ काम करना शुरू किया है।
- **स्टेट बैंक फाउंडेशन संवेदीकरण और जागरूकता कार्यक्रम** में एसबीआई फाउंडेशन का सेटअप, डायलॉग इन द डार्क सेंटर्स, एक विशिष्ट और विविधतापूर्ण अनुभव प्रदान करता है, दृष्टिबाधित गाइडों के नेतृत्व में पूर्ण अंधकार के माध्यम से आगंतुकों का मार्गदर्शन करता है, इस प्रकार विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के समुदाय के लिए जागरूकता और सहानुभूति तथा समावेशिता को बढ़ावा देता है। दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्टता केंद्र ने गोवा में दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक परियोजना शुरू की है, जिसमें गतिशीलता की चुनौतियों का समाधान किया गया है और गोवा में 30 व्हीलचेयर सुलभ ई-रिक्शा तैनात किए गए हैं और विकलांग व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षिक सहायता और रोजगार के अवसरों तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान की गई है, इस प्रकार समावेशी रोजमर्रा की गतिशीलता सुनिश्चित की गई है।

जीवनम

फाउंडेशन का हेल्थकेयर वर्टिकल, जीवनम प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर, कैंसर देखभाल, उपशामक देखभाल, नेत्र देखभाल, बुनियादी ढांचा संबंधी सहायता, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, अंग दान के लिए प्रचार तक की परियोजनाओं पर कार्य करती है तथा स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देती है।

वित्त वर्ष 2023-24 में संस्वीकृत परियोजनाएं

एसबीआईएफ जीवनम - क्षयरोग देखभाल: परियोजनाएं मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों के दरवाजे पर यक्ष्मा की जांच और परीक्षण प्रदान करने और पहुंच और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीकी सहायता पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्हें छह महीने के लिए पोषण और औषधीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 5 करोड़ रुपये के वित्तीय लागत के साथ कुल 2 परियोजनाओं को संस्वीकृति दी गई थी।

एसबीआईएफ मातृछाया: इसका उद्देश्य चयनित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और धर्मार्थ अस्पतालों को मातृ और नवजात स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक उपकरण और बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति करना है। ओडिशा और झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में 2.37 करोड़ के वित्तीय लागत के साथ कुल 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी।

एसबीआईएफ आई केयर: इस परियोजना का उद्देश्य पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में स्क्रीनिंग शिविर, सर्जरी, औषधीय सहायता, इलाज, परामर्श और अनुवर्ती देखभाल के माध्यम से हाशिए पर और कमजोर आबादी को गुणवत्तापूर्ण

नेत्र देखभाल सुविधाएं प्रदान करना है। 3 करोड़ रुपये की कुल 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

एसबीआई संजीवनी: एसबीआई संजीवनी परियोजना ने वित्तीय कठिनाइयों को कम करके और गांवों में सामुदायिक स्तर पर स्थितिजन्य परिवर्तन लाकर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्त वर्ष 2023-24 में, 11 राज्यों में ₹46.56 करोड़ की कुल 49 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

6.6 लाख

जीवनम के माध्यम से प्रभावित जीवन

66

नई संस्वीकृत परियोजनाएं

114.71 करोड़

संस्वीकृत बजट

सशक्ति

इस वर्टिकल के तहत परियोजनाओं का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और अभिशासन में महिलाओं की भूमिकाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, साथ ही नेतृत्व और कौशल विकास में वंचित महिलाओं की मदद करना है।

वित्त वर्ष 2023-24 में संस्वीकृत परियोजनाएं

- 'एसबीआईएफ-शी लीड्स' परियोजना का उद्देश्य ओडिशा के कालाहांडी और नुआपाड़ा जिलों में 3,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (डबल्यू एसएचजी) के सदस्यों के लिए वित्तीय, कानूनी और डिजिटल साक्षरता सत्र आयोजित करना है। परियोजना का उद्देश्य डिजिटल, वित्तीय और कानूनी पहलुओं में शिक्षा प्रदान करते हुए एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से ज्ञान में अंतराल को संबोधित करना है।

- सारथी परियोजना हरियाणा के जींद और कैथल जिलों में मासिक धर्म स्वच्छता और बाल शोषण की रोकथाम पर सत्र आयोजन हेतु किया गया पहल है। स्कूली छात्रों पर केंद्रित यह पहल शुरुआती हस्तक्षेप को सक्षम बनाती है, उन्हें खुद को सुरक्षित रखने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण जीवन कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त बनाती है।
- 'एसबीआईएफ गरिमा' परियोजना का उद्देश्य आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में 40 बुजुर्ग

महिलाओं के लिए एक आश्रय गृह की सहायता करना है।

- 'एसबीआईएफ सशक्ति: जनजातीय महिलाओं का वित्तीय सशक्तिकरण' का उद्देश्य विभिन्न डोमेन में कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से लक्षित क्षेत्रों में आदिवासी महिलाओं को आजीविका के अवसर प्रदान करना, उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास करना, निर्णय लेने और वित्तीय सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

29,000

सशक्ति के माध्यम से प्रभावित जीवन

5

नई संस्वीकृत परियोजनाएं

5 करोड़

संस्वीकृत बजट

एकीकृत शिक्षण मिशन (एएलएम)

आईएलएम एसबीआई फाउंडेशन का शिक्षा वटिकल है, जो सभी बच्चों के लिए शिक्षा को सुलभ बनाता है। यह एक गुणवत्तापूर्ण पाठ्यक्रम बनाने, हितधारकों की क्षमता निर्माण, सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और उच्च शिक्षा सहित गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के स्तंभों पर खड़ा है।

आजीविका और उद्यमिता त्वरक कार्यक्रम (एलईएपी)

फाउंडेशन का प्रमुख कार्यक्रम एलईएपी मजबूत और समावेशी आजीविका मॉडल उद्यमशीलता और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने, बढ़ावा देने और बनाए रखने का प्रयास करता है, जिसमें आय बढ़ाने और हाशिए के समुदायों को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक सहयोग किया जाता है ताकि आर्थिक असमानता और देश में गरीबी को कम किया जा सके। इन पहलों को एसडीजी 1, कोई गरीबी नहीं प्राप्त करने की दिशा में भारत के योगदान में तेजी लाने के लिए लागू किया गया है।

प्रमुख कार्यक्रम

नई पहल

- सरकारी स्कूलों में शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कुल 9.43 करोड़ रुपये के वित्तीय लागत पर पांच नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसमें डिजिटल कक्षाओं, सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता, खेल के मैदान और पुस्तकालय विकास शामिल हैं।
- 6.18 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय लागत पर साक्षरता, संख्यात्मकता और एसटीईएम सीखने के परिणामों में सुधार के लिए तीन नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।
- 3.65 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय लागत पर दूरदराज और संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वंचित छात्रों के लिए आवासीय शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए दो नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।
- मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में महाराष्ट्र राज्य के पुलिस अधिकारियों के लिए साइबर अपराध की रोकथाम के लिए पांच कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

एसबीआईएफ आशा छात्रवृत्ति

- वित्त वर्ष 2023-24 में 3,198 छात्रों को ₹3.91 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की गई, जिसमें ग्रेड 6वीं से 12वीं के छात्र, स्नातक छात्र, आईआईटी और आईआईएम और पीएचडी छात्र शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में संस्वीकृत परियोजनाएं

एसबीआईएफ एलईएपी: सामुदायिक संस्थानों की स्थापना: असम, मेघालय, त्रिपुरा और महाराष्ट्र के 6 जिलों में 8.89 करोड़ रुपये के वित्तीय लागत पर सामुदायिक संस्थानों के विकास के लिए दो नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

एसबीआईएफ एलईएपी: एकीकृत पशुधन विकास: एकीकृत पशुधन विकास के लिए 4.90 करोड़ के वित्तीय लागत पर एक नई परियोजना के लिए संस्वीकृति दी गई है।

एसबीआईएफ एलईएपी: सूक्ष्म-उद्यमिता को बढ़ावा देना: सूक्ष्म उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दो नई परियोजनाओं को 8.98 करोड़ रुपये के वित्तीय लागत पर संस्वीकृति दी गई है।

एसबीआईएफ एलईएपी: बीएफएसआई सेक्टर में स्किलिंग: मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली एनसीआर और कर्नाटक के 9 शहरों में 2.55 करोड़ रुपये के वित्तीय लागत पर बीएफएसआई सेक्टर में स्किलिंग के लिए चार नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

देश भर में सेना छावनी क्षेत्रों में 250 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएसपी आउटलेट) स्थापित करने की परियोजना को 4.73 करोड़ रुपये के लागत की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य 250 कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित करके 250 योद्धाओं/विधवाओं के लिए आजीविका के अवसर पैदा करना है।



अध्यक्ष द्वारा डेटा साइंस एवं एनालेटिक्स के एसबीआईएफ हब का उद्घाटन

सतत जुड़ाव, बहाली और वन्यजीव संरक्षण के माध्यम से संरक्षण (सीओएनएसआईआरडब्ल्यू)

सीओएनएसआईआरडब्ल्यू, फाउंडेशन का प्रमुख कार्यक्रम, पर्यावरण के प्रति जागरूक उत्पादन और खपत, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने, पारिस्थितिक तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों की बहाली, और वन्यजीवों के संरक्षण को सुनिश्चित करना है ताकि हमारे ग्रह के लिए बेहतर और संवहनीय भविष्य के लिए योगदान किया जा सके।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- **भारतीय वस्त्र समिति के साथ समझौता ज्ञापन:** नवी मुंबई नगर निगम के साथ साझेदारी में नवी मुंबई में उपभोक्ता के उपयोग के बाद के कपड़ा कचरे के पुनर्चक्रण के लिए एक परियोजना शुरू करने के लिए भारत सरकार की कपड़ा समिति के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।
- **वेस्ट नो मोर:** मध्य प्रदेश के पन्ना शहर में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दो नई परियोजनाओं तथा कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले की 10 ग्राम पंचायतों को 7.54 करोड़ रुपये की वित्तीय संस्वीकृति दी गई है।
- **अरण्य:** वृक्षारोपण के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए चार नई परियोजनाओं को 13.88 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। पंजाब, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 15 जिलों में 17,82,960 पेड़ लगाए जाएंगे।
- **आपदा राहत:** चक्रवात मिचुआंग से प्रभावित तमिलनाडु के क्षेत्रों में आपदा के बाद राहत सहायता प्रदान करने के लिए दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसका वित्तीय परिव्यय 50 लाख रुपये है।
- **वन्यजीव संरक्षण:** ताडोबा टाइगर रिजर्व में मानव और वन्यजीव के बीच के संघर्ष को कम करने और पूर्वोत्तर के 7 संरक्षित क्षेत्रों में बाघों का पहला बड़े पैमाने पर आनुवंशिक अध्ययन करने के लिए दो परियोजनाओं को 4.94 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है।

एसबीआईएफ एसीई

एसीई खेल के क्षेत्र में फाउंडेशन का प्रमुख कार्यक्रम है। इसमें अत्याधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण, भारत में खेल उत्कृष्टता के ध्वजवाहकों, जैसे कि पूर्व ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने और पोषित करने में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप शामिल हैं। कार्यक्रम युवा और कम सुविधायुक्त खिलाड़ियों, संभावित ओलंपिक पदक जीतनेवालों और पैरा-एथलीटों को एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए समग्र सहायता प्रदान करता है जो एसीई में अपने संबंधित खेल में नवोदित खिलाड़ियों की सहायता करता है। यह कार्यक्रम फिट इंडिया अभियान हेतु सहायता और योगदान करने का भी प्रयास करता है।

प्रमुख घटनाओं में हिस्सेदारी

- एशियाई पैरा खेल हांगजो
- पेरिस विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप
- एलीट और लीजेंड वर्ल्ड चैंपियनशिप, दुबई, यूएई
- इथियोपिया में आयोजित आईटीएफ फ्यूचर्स एम15 टूर्नामेंट
- ओसिजेक 2023 वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप

413 पदक

वित्त वर्ष 2023-24 में एसीई लाभार्थियों द्वारा जीता गया

विविध

भारत के लिए डेटा और विश्लेषिकी के लिए एसबीआई फाउंडेशन हब

भारत के लिए डेटा और एनालिटिक्स के लिए एसबीआई फाउंडेशन हब स्थापित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे (आईआईटीबी) के साथ साझेदारी में एक पहल।

- हिमाचल बाढ़ राहत पहल ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, शिमला और चंबा जिलों में हाल ही में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत सामग्री प्रदान की
- गोवा में आयोजित इंटरनेशनल पर्पल फेस्ट 2024, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गोवा सरकार द्वारा आयोजित छह दिवसीय समावेशी उत्सव था। इसमें एसबीआई फाउंडेशन की सहभागिता की काफी सराहना की गई।

सीएसआर पुरस्कार

पुरस्कार	कार्यक्रम	श्रेणी
सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड (आईएचडब्ल्यू)	एसबीआईएफ जीवनम	स्वास्थ्य और पर्यावरण
एटीएफ अवार्ड 2023	दिव्यांगजनों के लिए एसबीआईएफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस	सर्वश्रेष्ठ सहायक प्रौद्योगिकी सीएसआर पहल
दि सीएसआर जर्नल एक्सलेंस अवार्ड 2023	एसबीआईएफ ग्राम सेवा	कृषि और ग्रामीण विकास
सीएसआर जर्नल एक्सलेंस अवार्ड 2023	एसबीआईएफ महिला सशक्तिकरण	विशेष श्रेणी - 'एमपवरहर' पुरस्कार
सबेरा अवार्ड 2023	एसबीआई फाउंडेशन	वर्ष का गैर-लाभकारी संगठन

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)

हमारे देश की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। यह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर है क्योंकि यहाँ तक बैंकिंग सुविधाएँ पूरी तरह नहीं पहुँची है। आपके बैंक के प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के व्यापक नेटवर्क को बृहद् खाता आधार और दशकों से विश्वास अर्जित करने वाली सेवा परंपरा के कारण एक अलग प्रतिस्पर्धी लाभ है।

आपके बैंक ने 13 राज्यों और 1 संघ शासित प्रदेश में क्षेत्रीय स्तरों पर कार्यरत 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को प्रायोजित किया है। इन आरआरबी की संयुक्त शाखा संख्या 242 जिलों में फैली हुई 4,757 है और ये सीबीएस प्लेटफॉर्म पर हैं जो देश के किसी भी अन्य वाणिज्यिक बैंकों के बराबर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।

वित्त वर्ष 2024 की व्यावसायिक उपलब्धियाँ

- 31 मार्च 2024 को आपके बैंक द्वारा प्रायोजित 14 आरआरबी की कुल जमा और अग्रिम क्रमशः ₹1,35,922 करोड़ और ₹99,171 करोड़ थी, जबकि 31 मार्च 2023 को यह ₹1,23,907 करोड़ और ₹85,117 करोड़ थी।
- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, लगातार चुनौतीपूर्ण बृहद् आर्थिक कारकों के बावजूद, आरआरबी ने अपने व्यवसाय में सुधार किया, जिसमें जमा राशियों में 9.70% और अग्रिमों में 16.51% की वृद्धि हुई। आरआरबी ने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की अपनी रणनीति के हिस्से के रूप में क्रमशः 22.47% और 36.70% (वर्षानुवर्ष) द्वारा अपने गृह और स्वर्ण ऋण एक्सपोजर का विस्तार किया।
- आरआरबी ने 31 मार्च 2024 को ₹2,916.41 करोड़ का निवल लाभ प्राप्त किया, जबकि 31 मार्च 2023 को ₹2,301.91 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ था। आरआरबी अपने मुख्य बैंकिंग व्यवसाय से आय में सुधार करने, शुल्क आय के स्रोतों को मजबूत करने और परिचालन लागत पर नियंत्रण बनाए रखने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- आरआरबी का संयुक्त सकल अलाभकारी आस्ति अनुपात 31 मार्च 2024 को घटकर 3.53% हो गया है, जबकि 31 मार्च 2023 को यह 4.21% था। निवल एनपीए 31 मार्च 2023 को 0.82% की तुलना में 0.40% है। वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी व्यवसाय 31 मार्च 2023 को ₹11.68 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹12.98 करोड़ हो गया।

वित्त वर्ष 2024 में महत्वपूर्ण विकास

- व्यवहार्यता योजना 2 अक्टूबर 2022 को सभी आरआरबी में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा शुरू की गई थी। आपके बैंक के चार प्रायोजित आरआरबी अर्थात् दक्षिणी क्षेत्र में तेलंगाना ग्रामीण बैंक, मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, पश्चिमी क्षेत्र में सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में मिजोरम ग्रामीण बैंक को नाबाई द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान व्यवहार्यता योजना ढांचे के तहत उनके समग्र प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले आरआरबी के रूप में चुना गया था।
- एसेट मैनेजमेंट हब (एमएच) की शुरुआत - सभी आरआरबी में ऋण और अग्रिम के लिए एक कुशल हामीदारी प्रक्रिया के लिए केंद्रीकृत ऋण प्रक्रिया प्रणाली की शुरुआत।
- आरआरबी के आईटी क्षेत्र में हाल के विकास एलओएस (लोन ऑरिजिनेशन सिस्टम), सीआईएफ-आधारित एनपीए वर्गीकरण, सिस्टम-संचालित ग्राहक जोखिम वर्गीकरण और अकाउंट एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर आरआरबी की ऑनबोर्डिंग हैं। उपर्युक्त के अलावा, आरआरबी के ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) पर तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) को लाइव कर दिया गया है। 5 आरआरबी में इंटरनेट बैंकिंग (आईएनबी) सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। एसबीआई प्रायोजित 14 में से 12 आरआरबी अपने ग्राहकों को लेनदेन और सुविधा में आसानी के लिए इंटरनेट बैंकिंग सुविधा प्रदान कर रहे हैं।
- वीडियो केवाईसी सुविधा के साथ डिजिटल खाता खोलने के लिए 8 आरआरबी द्वारा मोबाइल ऐप का शुभारंभ। शाखा चैनल के अलावा, वीडियो केवाईसी सुविधा के साथ डिजिटल खाता खोलने की सेवाओं का विस्तार ग्राहक सेवा केन्द्रों/व्यवसाय प्रतिनिधि चैनल तक किया गया है।
- राजकोष प्राप्ति/आय में सुधार लाने के लिए सभी 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में गैर-विवेकाधीन पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं के लिए एसबीआई फंड मैनेजमेंट लिमिटेड की सेवाएं ली गई हैं।

सहयोगी:

क्रमांक सहयोगी का नाम (आरआरबी)	निगमन का देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
		चालू वर्ष (2023-24)	पिछला वर्ष (2022-23)
1 आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35.00	35.00
2 अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
3 छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
4 एलाकाय देहाती बैंक	भारत	35.00	35.00
5 झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
6 मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
7 मेघालय रूरल बैंक	भारत	35.00	35.00
8 मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
9 नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
10 राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
11 सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
12 तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
13 उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
14 उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00

अनुषंगियां

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकेप्स)

			(₹ करोड़ में)
सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	58.03	100	1336.31
एसबीआईकेप सिक्वोरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड का		452.08
एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)	100% अनुषंगी		29.95

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकेप्स), 1986 में निगमित, भारत के अग्रणी घरेलू निवेश बैंकों में से एक है और सेबी के साथ श्रेणी-I मर्चेन्ट बैंकर और एक शोध विश्लेषक के रूप में पंजीकृत है। एसबीआईकेप्स अपने ग्राहकों को निवेश बैंकिंग और कॉर्पोरेट सलाहकार सेवाओं का पूरा गुलदस्ता प्रदान करता है। इन सेवाओं में परियोजना सलाहकार, ऋण समूहन, संरचित ऋण प्लेसमेंट, विलय और अधिग्रहण, निजी इक्विटी, पुनर्गठन सलाहकार, दबावग्रस्त आस्ति समाधान, आईपीओ, एफपीओ, राइट्स इश्यू, ऋण और हाइब्रिड पूंजी जुटाना शामिल हैं।

एसबीआईकेप्स सरकार की परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना के अनुरूप रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (आरईआईटी) और इंप्रूव्ड इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (इनवित) जैसे नए उत्पादों के माध्यम से धन जुटाने में भी शामिल है। एसबीआईकेप्स जिसका मुख्यालय मुंबई में है, के भारत भर में 6 क्षेत्रीय कार्यालय (अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, नई दिल्ली और बैंगलोर), अबू धाबी ग्लोबल मार्केट में एक कार्यालय और 3 पूर्णस्वामित्व वाली सहायक कंपनियां - एसबीआईकेप सिक्वोरिटीज लिमिटेड, एसबीआईकेप वेंचर्स लिमिटेड और एसबीआईकेप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड हैं।

एसबीआईकेप्स कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान भारतीय रुपए में भारत के उधारकर्ताओं के ऋणों के लिए मर्चेन्ट लीड अरेंजर के रूप में 53.56% की बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 1 स्थान पर है।

वर्ष के दौरान कंपनी ने एसबीआईपेंशन फंड और एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड (पूर्णस्वामित्व वाली अनुषंगी) के संपूर्ण हिस्से को बेच दिया जिससे विशेष लाभ हुआ।

इस अवधि के दौरान, कंपनी कई मार्की लेनदेन में शामिल रही, जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड (आईआईएचएल) को बाय साइड-एम एंड ए सलाहकार सेवाएं
- एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के लिए ऋण समूहन
- अदानी पावर लिमिटेड के पुनर्वित्त लेनदेन के लिए सलाहकार सेवाएं।
- जिंदल स्टील ओडिशा लिमिटेड के कैपेक्स वित्तपोषण के लिए सलाहकार सेवाएं
- ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट हेतु वित्तपोषण में सहायता

- नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट (इश्यू साइज - 3,200 करोड़), जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर (2,500 करोड़), इरेडा (2,150 करोड़) मेडी एसिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज (इश्यू साइज 1,172 करोड़) की आईपीओ पेशकश।
- बैंक ऑफ इंडिया (इश्यू साइज रु. 4,500 करोड़), केपीआई ग्रीन एनर्जी (इश्यू साइज रु 300 करोड़)
- ब्रुकफील्ड इंडिया (2,305 करोड़) और इंडियन बैंक का क्यूआईपी (4,000 करोड़)
- भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों के लिए 38,101 करोड़ रुपए के बाण्ड जारी कराने की व्यवस्था करना, जो कि किसी भी बैंक द्वारा जारी सबसे बड़े बाण्ड इश्यू है
- एनएमडीसी डाटा सेंटर प्राइवेट लिमिटेड के लिए एनसीडी जारी करना (800 करोड़ रुपये)
- वर्ष के दौरान 3 म्युनिसिपल बाण्ड पूरा किया गया

प्राप्त पुरस्कार

- कंपनी ने निम्नलिखित में आईजे ग्लोबल अवार्ड 2023 पुरस्कार प्राप्त किए:
- सोशल इंप्रूव्ड डील ऑफ दि इयर- एपीएसी-तेलंगाना सूपर स्पेशलिटी हास्पिटल
- आइल एंड गैस -डील ऑफ दि इयर- डाउनस्ट्रीम-एपीएसी-एचपीसीएल- राजस्थान रिफाइनरी

एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)

एसबीआईकैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल) ने खुदरा ग्राहकों को प्राथमिक और द्वितीयक पूंजी बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए 2006 में परिचालन शुरू किया और भारतीय स्टेट बैंक समूह की ब्रोकिंग शाखा बन गई। एसएसएल कैश और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट में ग्राहकों को व्यापक इक्विटी ब्रोकिंग सेवाएं प्रदान करने में विशिष्ट है।

एसएसएल मोबाइल ऐप, वेबसाइटों और डीलर टर्मिनलों पर अत्याधुनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से 48.34 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और अपने ग्राहकों को इक्विटी, डेरिवेटिव, करंसी ट्रेडिंग, म्यूचुअल फंड, टैक्स फ्री बॉन्ड, होम लोन का वितरण और ऑटो लोन जैसे विभिन्न प्रकार के उत्पादों और सेवाओं को उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान करता है।

रिटेल ट्रेडिंग में बाजार हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 1.57 % की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 1.71% हो गया है। मार्जिन फंडिंग प्रोडक्ट के संबंध में बुक साइज पिछले वर्ष की उसी अवधि के 3.11% की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 4.83% हो गया है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपनी ने 14.15 लाख खाते खोले जबकि पिछले वर्ष में 11.12 लाख खाते रिपोर्ट किए गए।

रिटेल एसेट्स में, एसएसएल भारतीय स्टेट बैंक की कैप्टिव सोर्सिंग शाखा है, जिसने बैंक के समग्र होम लोन और ऑटो लोन व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी ने होम लोन वॉटिकल और ऑटो लोन वॉटिकल में 1 ट्रिलियन रुपए से अधिक संवितरण के साथ उल्लेखनीय कार्य किया है। होम लोन और कार लोन ग्राहकों की सुविधा के लिए देशभर में कंपनी की उपस्थिति होम लोन तथा कार लोन के लिए क्रमशः 360 और 560 से अधिक स्थानों पर है।

एसएसएल ने एडिट प्रोफाइल सेक्शन, जिसमें ग्राहक आसानी से खाता संबंधी विवरणों का प्रबंध और परिवर्तन कर सकेंगे, इन-ऐप बैनर की सुविधा, खाते में किए गए परिवर्तनों की सूचना, मार्केट इंसाइड्स, फीडबैक और सर्वे, कैपिटल गेन रिपोर्ट, एमटीएफ और नॉन-एमटीएफ लेजर तथा ब्याज दर रिपोर्ट जैसे नई रिपोर्टों को उपलब्ध कराना जैसे विभिन्न सुविधाओं को देकर अपने मोबाइल ऐप एप्लिकेशन का संवर्द्धन किया है।

एसएसएल ने कई डिजिटल उत्पाद पेश किए हैं जैसे कि शेयरों की पुनः खरीद (बॉय बैक), ईक्विटी एसआईपी जिससे कि ग्राहक स्वयं अपना स्टॉक का ईक्विटी बास्केट और समान किस्तों में निवेश कर सके, जिसमें 365 दिन तक ई-मार्जिन स्थिति की सुविधा तथा 23 ट्रेडिंग दिनों के बाद ब्याज लगाया जाएगा।

एसएसएल ने 9माह वित्त वर्ष 24 के लिए ₹1219.93 करोड़ की सकल आय हासिल की है, जबकि पिछले वर्ष में ₹844.87 करोड़ की आय थी, जिसमें 44% की वृद्धि दर्ज की गई थी। एसएसएल ने पिछले वर्ष ₹227.45 करोड़ की तुलना में 9माह वित्त वर्ष 24 में ₹315.48 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया।

थर्ड पार्टी प्रोडक्ट पेशकश में वृद्धि

कॉर्पोरेट फिक्सड डिपॉजिट के लिए नेटिव जर्नी के माध्यम से निवेश:

ग्राहक की रुचि और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप कॉर्पोरेट रेट एफडी में इंस्टांतरहित निवेश के अवसर प्रदान करने के लिए नेटिव जर्नी के माध्यम से कॉर्पोरेट के साथ समन्वय

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) आपके वित्तीय सशक्तिकरण के लिए एनपीएस सुविधा की शुरुआत। म्यूचुअल फंड 24X7 आर्डर: म्यूचुअल फंड में ग्राहकों को विविध क्षेत्रों में निवेश करने के लिए 24X7 लेनदेन की सुविधा, जिससे एसएसएल के लिए भी लगातार आय का स्रोत बना रहेगा।

प्री-आईपीओ पेशकश: प्री-आईपीओ पेशकश की सुविधा जिससे कि ग्राहकों को आईपीओ के खुलने से पूर्व उसके लिए आवेदन करने की सुविधा होगी ताकि ग्राहक आईपीओ में निवेश करने के संबंध में आसानी से निर्णय ले सकेंगा।

एसएसएल ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,805.88 करोड़ की सकल आय हासिल की है, जबकि पिछले वर्ष में यह ₹1,203.14 करोड़ था। एसएसएल ने पिछले वर्ष ₹791.52 करोड़ के खर्च की तुलना में 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष में ₹1,191.44 करोड़ का खर्च रिपोर्ट किया।

पुरस्कार एवं सम्मान

- डिजिटल ग्राहक अनुभूति में अग्रदूत, साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और नवोन्मेष के लिए ईटी एज अवार्ड्स द्वारा बीएफएसआई बेस्ट ब्रैंड अवार्ड
- स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए श्रेष्ठ कार्यस्थल के रूप में ग्रेट प्लेस टु वर्क द्वारा शीर्ष 50 कंपनियों में मान्यताप्राप्त

एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)

एसबीआईकैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसटीसीएल ने 1 अगस्त 2008 से प्रतिभूति ट्रस्टी व्यवसाय का संचालन शुरू किया।

कंपनी कॉर्पोरेट और परियोजना वित्त ऋणों के लिए उधारदाताओं के लिए एक प्रतिभूति ट्रस्टी के रूप में कार्य करती है। यह कॉर्पोरेट्स, बैंकों, पीएसयू और नगर निगमों द्वारा जारी किए गए डिबेंचर / बॉन्ड के लिए डिबेंचर ट्रस्टी की भूमिका निभाता है। यह सेबी के

साथ डिबेंचर ट्रस्टी के रूप में पंजीकृत है। एसटीसीएल अन्य संबंधित सेवाएं भी प्रदान करता है जैसे शेयर प्लेज ट्रस्टी, एस्क्रो ट्रस्टी, एआईएफ ट्रस्टी, ईएसओपी ट्रस्टी, आदि।

ट्रस्टी के रूप में एसटीसीएल वर्तमान में 4,044 असाइनमेंट पर कार्य कर रहा है और उधारदाताओं तथा डिबेंचर/बाण्ड धारकों की ओर से 49 लाख करोड़ रुपये (लगभग) के मूल्य के ऋणों के संबंध में प्रतिभूतियों का निर्वहण कर रहा है।

निष्पादन के महत्वपूर्ण तथ्य

- एसटीसीएल ने पिछले वर्ष के 28.73 करोड़ रुपये की तुलना में 31 मार्च 2024 को ₹29.95 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया।
- सकल आय पिछले वर्ष के 58.66 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 31 मार्च 2024 को 60.79 करोड़ रुपये हो गया है।
- प्रतिभूति ट्रस्टी और डिबेंचर ट्रस्टी सेवा प्रदाता के रूप में, एसटीसीएल द्वारा 681 नए मैनडेट पर कार्रवाई की जा चुकी है जिसमें वित्त वर्ष 2024 के दौरान 16.75 करोड़ रुपये का आय प्राप्त हुआ।
- एस्क्रो ट्रस्टी के रूप में एसटीसीएल त्रिपक्षीय करार के तहत सेवाएँ प्रदान करने के लिए निष्पक्ष पार्टी के रूप में कार्य करता है। वर्ष

के दौरान कंपनी ने 8 मैनडेट पूरा करके 0.10 करोड़ के शुल्क आय प्राप्त किया।

- वर्चुअल डेटा रूम सेवा प्रदाता के रूप में कंपनी ने 23 मैनडेट पूरा किया और 0.38 करोड़ रुपये की आय कमायी।
- वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा 26 मैनडेट पूरा किए गए जिसपर 0.25 करोड़ का शुल्क आय प्राप्त हुआ जो उधारकर्ताओं द्वारा कॉर्पोरेटों को कंशॉर्टियम/मल्टिपल बैंकिंग तथा सोल लेंडिंग के तहत वित्तपोषण के लिए केवाईसी ड्यूडिलिजेंस, टाइटल सर्च रिपोर्ट, मूल्यांकन रिपोर्ट, लीगल ओपीनियन, आरओसी सर्च रिपोर्ट, समयपर वित्तीय सूचना, रिवाइवल लेटर प्राप्त करना जैसी सहयोगी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रदान किया गया है।

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड	652.63	68.63	2,408.00

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल) भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगी कंपनी है जिसमें बैंक की 68.63% हिस्सेदारी है। एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआई कार्ड) एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो व्यक्तिगत कार्डधारकों और कॉर्पोरेट ग्राहकों को व्यापक

क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो प्रदान करती है, जिसमें कॉर्पोरेट के साथ लाइफस्टाइल, रिवाइर्स, ट्रैवल एंड फ्यूअल और बैंकिंग पार्टनरशिप कार्ड शामिल हैं। इसने व्यापक स्पेक्ट्रम में संभावित ग्राहकों को शामिल करने के लिए ग्राहक अधिग्रहण चैनलों में विविधता लाई है।

प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं

- वृद्धिशील पोर्टफोलियो:** 13% वर्ष-दर-वर्ष पर 1.89 करोड़ का कार्ड-इन-फोर्स, 26% वर्ष-दर-वर्ष पर ₹3,29,589 करोड़ खर्च, 25% वर्ष-दर-वर्ष पर ₹50,846 करोड़ प्राप्य राशियाँ।
- बाजार हिस्सेदारी:** वित्त वर्ष 24 के लिए खर्च और सक्रिय कार्ड दोनों में #2; सक्रिय कार्ड- 18.6% (वित्त वर्ष 23 19.7%), खर्च 17.8% (वित्त वर्ष 23 18.2%), लेनदेन 17% (वित्त वर्ष 23 18.2%)
- लाभदायक परिचालन:** कर पश्चात लाभ ₹2,408 करोड़, 7% वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, आरओए 4.7% पर, आरओई 21.7% पर।
- आस्ति गुणवत्ता:** मार्च 2023 के 5.9% की तुलना में जीएनपीए 2.76% एनएनपीए 0.99% जीसीएल 7.20%
- तरलता:** विविध उधार मिश्रण, पर्याप्त बैंकिंग सीमाएं उपलब्ध। पूंजी पर्याप्तता अनुपात 20.5%, टी-1 16.5%। एलसीआर 105%, जहाँ सांविधिक आवश्यकता 85% है।



वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कार और सम्मान:

सर्वश्रेष्ठ सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार
हेल्थकेयर में हेल्थकेयर समिट एंड अवार्ड्स
(एसएसओसीएचएम) के दूसरे संस्करण में
पुरस्कार
सीएसआर अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना में रजत
पुरस्कार और सीएसआर स्वच्छ ऊर्जा परियोजना
में कांस्य पुरस्कार

संवहनीयता पर वैश्विक शिखर सम्मेलन में 'बेस्ट
बिसनेज ईको फ्रेंडली अवार्ड' से सम्मानित
एसबीआई कार्ड को एल एंड डी श्रेणी में मोबाइल
लर्निंग टेक्नोलॉजी में श्रेष्ठ प्रगति के लिए ब्रॉडिन
हॉल अवार्ड्स (कांस्य श्रेणी) में विश्व स्तरीय सम्मान
प्राप्त हुआ
• क्रेडिट कार्ड श्रेणी में वर्ष 2023 के सुपरब्रांड के
रूप में सम्मानित
• वित्तीय सेवाएँ श्रेणी में वित्त वर्ष 2023 के लिए

गोल्डन पीकॉक अवार्ड से सम्मानित
• बेस्ट मोबाइल ऐप-बेस्ट लर्निंग एंड टैलेंट टेक
के लिए लर्नएक्स अवार्ड (गोल्ड श्रेणी) से
सम्मानित

वित्त वर्ष 2024 के दौरान नए उत्पादों की शुरुआत
रिलायंस एसबीआई कार्ड

टाइटन एसबीआई कार्ड
सिमप्ली सेव मर्टेट एसबीआई कार्ड

एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड	603.78	100	43.17

एसवीएल अग्रणी वैकल्पिक आस्ति प्रबंधन कंपनी है जिसका प्रबंधन के अधीन आस्ति लगभग ₹32,500 करोड़ है। कंपनी विविध प्रकार के निधियों का प्रबंध करती है जो अनेक क्षेत्रों से हैं। एसवीएल एसबीआई कैपिटल मार्केट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी थी। 7 फरवरी 2024 से यह एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बन गई। एसवीएल एनईईवी फंड 1, एनईईवी फंड-2 (एसवीएल-एसएमई) और स्वामिह निवेश निधि-1 (स्वामिह) का प्रबंध करती है। कंपनी 3 फंड ऑफ फंड का भी निवेश प्रबंधन करती है यथा सेल्फ रिलायंट इंडिया (एसआरआई) फंड और यूके इंडिया डेवलपमेंट को-ऑपरेशन फंड (यूके आईडीसीएफ) तथा ट्राइलैटरल डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव फंड (टीडीसीएफ)।

एनईईवी। एक सेबी पंजीकृत श्रेणी- I एआईएफ है जिसे आठ कम आय वाले राज्यों के बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करने का जनादेश है। एसवीएल ₹25.50 करोड़ के शुद्ध निवेश के साथ फंड में एक सामान्य भागीदार है। फंड ने 10 पोर्टफोलियो कंपनियों में ₹450.10 करोड़ के अपने निवेश योग्य कॉर्पस को पूरी तरह से इन्वेस्ट किया है, जिनमें से तीन मार्च 2024 तक पूरी तरह से बाहर हो गया हैं।

एनईईवी II (एसवीएल-एसएमई) सेबी पंजीकृत श्रेणी I एआईएफ है, जिसका मार्च 2024 में पहली बार बंद हुआ था। इसका कॉर्पस फंड लगभग ₹1,004 करोड़ रुपया है। फंड ने मार्च 2024 तक 550 करोड़ रुपये के वास्तविक निवेश की तुलना में सात निवेशों में ₹826 करोड़ की प्रतिबद्धता जताई है।

स्वामिह एक सेबी पंजीकृत श्रेणी - II एआईएफ है, जिसका अंतिम समापन 06 दिसंबर, 2022 को भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और अन्य संस्थानों के साथ फंड में निवेशकों के रूप में ₹15,531 करोड़ पर हुआ था। इसमें अफोर्डेबल हाउसिंग/माध्यमिक आय श्रेणी के रुकी हुई गृह परियोजनाओं को अंतिम मील तक वित्त पोषण प्रदान करने का जनादेश है। फंड ने 117 परियोजनाओं में ₹6,769.90 करोड़ रुपये का वितरण किया है जहां प्रतिबद्ध राशि ₹11,314 करोड़ रुपये है। फंड ने मार्च 2024 तक 20 पूर्ण निकास और 37 परियोजनाओं में आंशिक निकास के माध्यम से निवेशकों को ₹2,373.90 करोड़ वापस लौटाए हैं।

यूकेआईडीसीएफ फंड एक सेबी पंजीकृत श्रेणी - II एआईएफ है जिसमें ₹5,000 करोड़ का कोष है और जून 2021 में इसका पहला बंद ₹253 करोड़ था। फंड ने तीन पहचाने गए डाउनस्ट्रीम फंडों में कुल ₹220 करोड़ की प्रतिबद्धता दी है और 31 मार्च 2024 तक

₹66.00 करोड़ का निवेश किया है। यह फंड हर वर्ष 2-3 डॉटर फंडों की पहचान करेगा और डॉटर फंडों में अपने कॉर्पस को तैनात करेगा।

एसआरआई फंड की स्थापना अक्टूबर 2021 में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) द्वारा एमएसएमई मंत्रालय की ओर से मार्च 2022 तक ₹10,000 करोड़ के कोष के साथ की गई है। डॉटर फंड में 55 निवेशों के लिए 6,560 करोड़ राशि के लिए अंतिम मंजूरी दी गई है। फंड ने मार्च 2024 तक लगभग ₹230 करोड़ रुपये के अन्य 3 निवेशों को प्रारंभिक सिफारिश (यथोचित सावधानी और अंतिम अनुमोदन के अधीन) भी प्रदान की है। टीडीसी फंड एक सेबी पंजीकृत श्रेणी-II एआईएफ है जिसका कॉर्पस ₹700 करोड़ है तथा ₹300 करोड़ का ग्रीन शू ऑप्शन है। फंड का प्रथम समापन मार्च 2024 को ₹199.09 करोड़ पर हुआ। विदेश मंत्रालय और एसवीएल के बीच टीडीसी फंड के लिए कांटेन्स्यूशन अग्रीमेंट 27 फरवरी 2024 को हस्ताक्षर किया गया।

एसवीएल ने वित्त वर्ष 24 के लिए ₹127.13 करोड़ का सकल राजस्व और ₹43.17 का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष (वित्त वर्ष 2023) में ₹141.71 करोड़ का सकल राजस्व और ₹61.82 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ था।

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड (एसबीआई डीएफएचआई)

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड अखिल भारतीय उपस्थिति के साथ सबसे बड़े स्टैंडअलोन प्राइमरी डीलर (पीडी) में से एक है। प्राइमरी डीलर के रूप में, इसे अनिवार्य रूप से प्राथमिक नीलामी में बुकबिल्डिंग प्रक्रिया का समर्थन करना और जी-सेक में द्वितीयक बाजारों को गहराई और तरलता प्रदान करना है। सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा, यह मुद्रा बाजार लिखतों, गैर-सरकारी ऋण लिखतों में भी काम करता है। पीडी के रूप में, इसकी व्यावसायिक लेनदेनों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित किया जाता है। भारतीय स्टेट बैंक समूह के पास कंपनी में 72.17% (एसबीआई-69.04%, एसबीआईकैप-3.13%) हिस्सेदारी है। कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समास के लिए ₹180.42 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसे ₹16.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। 31 मार्च 2024 को कुल बैलेंस शीट का आकार ₹21,427 करोड़ था, जबकि 31 मार्च 2023 को यह ₹16,789 करोड़ था।



अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में)
			वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	131.52	69.04	180.42

एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड (एसबीआईजीएफएल)

एसबीआईजीएफएल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए फैक्टरिंग सेवाएं प्रदान करने वाला अग्रणी एनबीएफसी है। यह भारतीय स्टेट बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपंगी कंपनी है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित है।

कंपनी की सेवाएं विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के ग्राहकों के लिए उपयुक्त हैं ताकि बही ऋणों में फंसे संसाधनों को मुक्त किया जा सके और आवश्यक तरलता प्रदान की जा सके। फैक्टर्स चेन इंटरनेशनल (एफसीआई) की अपनी सदस्यता के आधार पर, एसबीआईजीएफएल 2-कारक (फैक्टर) मॉडल के तहत निर्यात प्राप्तियों से क्रेडिट जोखिम को कम करने में सक्षम है।

निष्पादन के महत्वपूर्ण तथ्य

- 31 मार्च 2024 को समास वर्ष के लिए ₹44.47 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए ₹31.17 करोड़ के कर पश्चात लाभ (पीएटी) की तुलना में।
- वित्त वर्ष 2024 के दौरान ₹16.71 करोड़ (₹0.74 करोड़ ब्याज सहित) की एयूसीए वसूली, पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए ₹10.76 करोड़ (1.22 करोड़ ब्याज सहित) की एयूसीए वसूली की तुलना में।
- 31 मार्च 2024 को समास अवधि के लिए टर्नओवर पिछले वर्ष के ₹5,544 करोड़ के टर्नओवर की तुलना में ₹6,799 करोड़ है।
- 31 मार्च 2024 को उपयोग में शुद्ध निधि (एफआईयू) 31 मार्च 2023 को ₹1,227 करोड़ की तुलना में ₹1,833 करोड़ है।
- वित्त वर्ष 2024 के लिए टीआरडीईएस में कारोबार ₹2,180 करोड़ है, जबकि पिछले वर्ष में यह ₹1,655 करोड़ था।
- 31 मार्च 2024 को समास अवधि के लिए गोल्ड पूल में टर्नओवर ₹562 करोड़ है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹287 करोड़ था।

अनुपंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में)
			वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	159.89	100	44.47

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआई जनरल)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	154	69.11	240.00

एसबीआई जनरल भारतीय स्टेट बैंक के मजबूत उत्पत्ति के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक है। कंपनी विश्वसनीयता और सुरक्षा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है; जिसका लक्ष्य अग्रसर भारत का सबसे भरोसेमंद साधारण बीमा कंपनी बनना है।

लगभग 12.80% की उद्योग वृद्धि की तुलना में, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 तक ₹12,554 करोड़ की राशि के सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम (जीडीपी) में 15.90% की वृद्धि हासिल की। और वित्त वर्ष 2024 की समाप्ति तक 12,731 करोड़ के सकल लिखित प्रीमियम हासिल कर, एसबीआई जनरल ने भारत के समग्र बीमा उद्योग में 10 शीर्ष साधारण बीमा कंपनियों में अपना स्थान बनाते हुए 10 वां स्थान प्राप्त किया है। निजी साधारण बीमा कंपनियों में यह छठे स्थान पर है।

कंपनी ने 143 से अधिक शाखाओं में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। एसबीआई जनरल के वितरण परिवार में 30,000 से अधिक एजेंट और 560 से अधिक ब्रोकर शामिल हैं जो भारत के दूरदराज के क्षेत्रों में भी बीमा आसानी से उपलब्ध कराते हैं। मोटर बीमा की सेवा के लिए कंपनी के पास 22 ओईएम टाई-अप हैं। एसबीआई जनरल ने एनबीएफसी, अग्रणी बैंकों,

सहकारी समितियों, वेब एग्रीगेटर्स और डिजिटल भागीदारों के साथ दीर्घकालिक स्थायी संबंध बनाने के प्रयास के साथ रणनीतिक साझेदारी की है।

कंपनी ने अपने सीआरएम प्लेटफॉर्म, ऑल इन वन डिस्ट्रीब्यूशन ऐप (एसआईएमबीए) और रिन्यूअल मैनेजमेंट सिस्टम को लॉन्च करने जैसे डिजिटल हस्तक्षेपों के साथ अपनी प्रक्रियाओं की लगातार समीक्षा और उन्नयन किया है। इन पहलों के परिणामस्वरूप कंपनी को निर्बाध संचालन करने के लिए अधिक लचीलापन और सुगमता प्राप्त हुआ है, जिसके फलस्वरूप यह अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करता है। कंपनी के पास 17487 से अधिक नेटवर्क अस्पताल हैं और स्वास्थ्य बीमा दावे हेतु इन-हाउस प्रक्रिया सुविधा उपलब्ध है जिसने हमारे स्वास्थ्य ग्राहकों के लिए दावों की लागत और इंझटिरहित दावों के अनुभव को अनुकूलित किया है।

कंपनी के पास व्यवसाय के हर क्षेत्र के लिए कई नए युग तथा बाजार-उपयुक्त उत्पाद हैं जिसमें से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुपर हेल्थ, साइबर जोखिमों के लिए साइबर वॉल्ट एज, मोटर में पे-एज यू ड्राइव तथा शूरीटी बांड और ज्वेलर ब्लॉक जैसे वाणिज्यिक श्रेणी के उत्पाद उपलब्ध हैं। एसबीआई जनरल फसल बीमा व्यवसाय में अग्रणी है और निजी साधारण बीमा कंपनियों में 4थे स्थान पर

है और पर्सनल ऐक्सिडेंट खंड में यह प्रथम स्थान पर है। कंपनी के पास व्यवसाय के हर क्षेत्र के लिए कई नए युग तथा बाजार-उपयुक्त उत्पाद हैं जिसमें से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुपर हेल्थ, साइबर जोखिमों के लिए साइबर वॉल्ट एज, मोटर में पे-एज यू ड्राइव तथा शूरीटी बांड और ज्वेलर ब्लॉक जैसे वाणिज्यिक श्रेणी के उत्पाद उपलब्ध हैं। एसबीआई जनरल फसल बीमा व्यवसाय में अग्रणी है और निजी साधारण बीमा कंपनियों में 4थे स्थान पर है और पर्सनल ऐक्सिडेंट खंड में यह प्रथम स्थान पर है।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी ने ₹240 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया जबकि पिछले वर्ष के लिए यह ₹184 करोड़ था।

पुरस्कार एवं सम्मान

- इंश्योरेंस एशिया अवार्ड्स 2023 सिंगापुर द्वारा डोमस्टिक जनरल इंश्योरर ऑफ दि इयर-इंडिया सम्मान
- ग्रेट प्लेज टु वर्क के रूप में मान्यताप्राप्त
- ईटी नव बेस्ट बीएफएसआई ब्रांड्स कांक्लेव 2024 में बेस्ट बीएफएसआई ब्रांड 2023 में से एक के रूप में मान्यताप्राप्त
- दि मिंट बीएफएसआई समिट एंड अवार्ड्स में बेस्ट लार्ज जनरल इंश्योरर
- ईटी एज बेस्ट ब्रांड्स 2023 में बेस्ट ब्रांड्स 2023 में से एक के रूप में सम्मानित

एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएफपीएल)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड.*	24	80	62.76

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के पास कंपनी का 20% ईक्विटी है।

एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत पेंशन कोष का प्रबंधन करने के लिए पेंशन फंड मैनेजर (पीएफएम) के रूप में नियुक्त किया गया है। एसबीआईपीएफपीएल केंद्र सरकार (सशस्त्र बलों को छोड़कर) और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत पेंशन फंड के प्रबंधन के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियुक्त तीन पीएफएम में से एक है।

कंपनी सभी पीएसयू बैंक स्टाफ के लिए एनपीएस अंशदान हेतु कॉर्पोरेट सीजी स्कीमों के लिए अनुमतिप्राप्त दो पीएफएम कंपनियों में से एक है। इसके अतिरिक्त, एसबीआईपीएफपीएल निजी क्षेत्र के तहत 10 अन्य एनपीएस स्कीमों का सक्रिय प्रबंधन कर रही है। कंपनी को वर्ष 2019 में एनपीएस का विपणन करने और ग्राहकों के खाते खोलने के लिए पीओपी (पाइंट ऑफ प्रजेंस) के रूप में काम करने के लिए लाइसेंस प्राप्त हुआ है।

31 मार्च 2024 को कंपनी के प्रबंधन (एयूएम) के तहत कुल आस्तियाँ ₹4,33,384.33 करोड़ हैं। कंपनी 36.93% की बाजार हिस्सेदारी के साथ एयूएम के मामले में 11 पीएफएम के बीच अग्रणी स्थिति बनाए रखती है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, कंपनी ने 76 कॉर्पोरेट ग्राहकों को ऑनबोर्ड किया है और 6,344 एनपीएस सब्सक्राइबर जोड़े हैं।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए ₹62.76 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष में ₹53.51 करोड़ अर्जित किया गया था।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआईलाइफ)

			(₹ करोड़ में)
अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	555	55.42	1,894.00

एसबीआई लाइफ के पास एक बहु-चैनल वितरण नेटवर्क है जिसमें एक विस्तृत बैकाश्वोरेंस चैनल शामिल है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक सहित, जो भारत में सबसे बड़ा बैकाश्वोरेंस पार्टनर है और जिसमें 31 मार्च 2024 तक एक बड़ा और उत्पादक 2,46,078 व्यक्तिगत एजेंट नेटवर्क शामिल है साथ ही कॉर्पोरेट एजेंटों, दलालों, बीमा विपणन फर्मों और अन्य मध्यस्थों के माध्यम से बिक्री और प्रत्यक्ष बिक्री सहित अन्य वितरण चैनल शामिल है।

31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के दौरान, कंपनी ने बीमा व्यवसाय को बढ़ाना के एकमात्र उद्देश्य से एक ठोस और स्थिर तरीके से काम किया और एक सक्रिय और विवेकपूर्ण रणनीति, बिक्री टीम के साथ व्यक्तिगत नियमित व्यवसाय और सुरक्षा व्यवसाय में गुणवत्ता के साथ-साथ मात्रा को भी बनाए रखकर एक मजबूत बाजार स्थिति स्थापित की है। कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि में निजी बीमाकर्ताओं के

बीच व्यक्तिगत नए बिजनेस प्रीमियम, व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम, कुल रेटेड प्रीमियम और कुल नए बिजनेस प्रीमियम में नंबर एक स्थान के साथ अपना बाजार नेतृत्व साबित किया है।

कंपनी ने 2.00% की उद्योग वृद्धि की तुलना में कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में 29.2% की वृद्धि हासिल की। 31 मार्च 2024 को सभी निजी बीमाकर्ताओं के बीच कुल नए व्यवसाय प्रीमियम (एनबीपी) में एसबीआई लाइफ की बाजार हिस्सेदारी 24.6% रही, जो इसी अवधि के लिए 326 बेसिस पॉइंट से अधिक है। 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए कंपनी का कुल नया बिजनेस प्रीमियम ₹38,238 करोड़ है। 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए व्यक्तिगत नया व्यवसाय ₹23,832 करोड़ और समूह नया व्यवसाय प्रीमियम ₹14,406 करोड़ है।

कंपनी जारी की गई पॉलिसियों की संख्या में निजी कंपनियों के बीच नेतृत्व की स्थिति बनाए रखना जारी रखती है, जो जीवन बीमाकर्ताओं के बीच भौगोलिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कवरेज और मजबूत बाजार स्वीकृति को दर्शाती है। 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के दौरान, 22.61 लाख से अधिक व्यक्तिगत नई पॉलिसी जारी की गई।

कंपनी का एयूएम ₹3.9 ट्रिलियन मार्क से अधिक पर है और 31 मार्च 2023 को ₹3,07,339 की तुलना में 31 मार्च 2024 को ₹3,88,923 करोड़ पर 27% की वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्त वर्ष 2024 के लिए, कंपनी का इंडियन एम्बेडेड वैल्यू (आईईवी) ₹58,259 करोड़ है और नए व्यवसाय (वीओएनबी) का मूल्य 27% की वृद्धि के साथ ₹5,548 करोड़ थी। वीओएनबी मार्जिन 28.1% रहा। कंपनी का निवल मालियत 31 मार्च 2023 के ₹13,016 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2024 को बढ़कर ₹14,906 करोड़ हो गया है। एसबीआई लाइफ ने 31 मार्च 2023 के ₹1,721 करोड़ के कर पश्चात लाभ की तुलना में 31 मार्च 2024 को ₹14,906 करोड़ कर पश्चात लाभ दर्ज किया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कार और सम्मान:

एडगली डिजिटलएक्सएक्स अवार्ड्स 2023 में प्रोग्रामेटिक और परफॉर्मंस मार्केटिंग श्रेणी के तहत सिल्वर का विजेता।

इंशोरर ऑफ दि इयर-लाइफ श्रेणी में एफआईसीसीआई इंश्योरेंस इंडस्ट्री अवार्ड्स 2023 में सम्मानित।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स विजेता-पैशन अभियान के लिए 24 घंटे में प्राप्त अधिकांश प्रतिज्ञाओं के लिए।

e4m हेल्थ एंड वेलनेस मार्केटिंग अवार्ड्स 2023 में 'द मोस्ट इन्नोवेटिव राइडर' अभियान में सेलिब्रिटी/इन्फ्लुएंसर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ उपयोग के लिए सम्मानित किया गया

वैश्विक प्रदर्शन उत्कृष्टता पुरस्कार (जीपीईए) 2023 'वर्ल्ड क्लास' श्रेणी के तहत विजेता

सर्वश्रेष्ठ बीमा प्रसार के लिए बेस्ट इंश्योरेंस स्प्रेडिंग- प्राइवेट सेक्टर कंपनी - इंडिया, इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा विशेष पुरस्कार के विजेता।

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधन रणनीति (द्वितीय रनर) इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) का मान्यता प्राप्त

सर्वश्रेष्ठ बीमा कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त (द्वितीय रनर) इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा।

उच्चतम वृद्धि श्रेणी के तहत एसएसओसीएचएम के 15वें ग्लोबल इंश्योरेंस समिट एंड अवार्ड्स 2023 में सम्मानित

ईटी नव इंश्योरेंस समिट एंड अवार्ड्स 2023 में बृहद श्रेणी में अमियबल इंशूरर पुरस्कार से सम्मानित गोल्डन पीकॉक अवार्ड्स (हैलो एसबीआई लाइफ प्रोजेक्ट) द्वारा वर्ष 2024 के लिए 'गोल्डन पीकॉक इन्ोवेटिव प्रोडक्ट/सर्विज अवार्ड' का विजेता

कंटर ब्रांड्स 2023 द्वारा 35 बहुमूल्य भारतीय ब्रांड के रूप में मान्यताप्राप्त

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल)

एसबीआई म्यूचुअल फंड की एसेट मैनेजमेंट कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड वर्ष-दर-वर्ष तिमाही आधार पर मार्च 2023 बनाम 22 दिसंबर के दौरान ₹1.97 लाख करोड़ से अधिक औसत एयूएम की पूर्ण वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली एमसी है। मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 16.89% की बाजार हिस्सेदारी के साथ ₹9,14,365 करोड़ थी, जबकि मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के दौरान 17.70% की बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रबंधन के तहत औसत संपत्ति ₹7,17,161 करोड़ थी।

वित्त वर्ष 2023-24 में, फंड हाउस ने चौथे वर्ष के लिए पहली रैंक की स्थिति को और मजबूत किया है।

एसबीआईएफएमएल ने 43.03% बाजार हिस्सेदारी के साथ देश में ईटीएफ प्रबंधक के रूप में अपनी शीर्ष नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी है। एसबीआईएफएमएल के पास लगभग 40.06 लाख नए निवेशक फोलियो के साथ 145.85 लाख से अधिक लाइव इन्वेस्टर फोलियो के साथ सबसे बड़ा निवेशक बेस है। फंड हाउस में 35.34 लाख प्रत्यक्ष लाइव निवेशक और 2.93 लाख से अधिक संस्थागत निवेशक हैं।

कंपनी की एक पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी है अर्थात् एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड, जो मॉरीशस में स्थित है और ऑफ-शोर फंड का प्रबंधन करती है। एसबीआईएफएमएल पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज

(पीएमएस) भी प्रदान करता है और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) का प्रबंधन करता है।

पिछले तीन वर्षों में, एसबीआईएफएमएल ने तिमाही औसत एयूएम वृद्धि (मार्च 2024 बनाम मार्च 2021) के मामले में उद्योग के औसत लगभग 19.0% की तुलना में 21.9% का सीएजीआर हासिल किया है।

एसबीआईएफएमएल ने मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान अर्जित ₹1,331.20 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹2,063 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया।

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	18.90	62.21	2063.00
एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	0.10	100.00	5.00
एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	0.10	100.00	0.12
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड	एसबीआईएफएमएल द्वारा 100%		5.00

एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	(₹ करोड़ में) वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	4.50	74	144.36

भारतीय स्टेट बैंक मर्चेन्ट एक्वाय्रिंग बिजनेस के लिए एक विशेष संयुक्त उद्यम यानी एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स) स्थापित करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है और कंपनी में 74% हिस्सेदारी रखता है। कंपनी का उद्देश्य देश के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में एक अत्याधुनिक स्वीकृति वातावरण बनाना है और व्यापारियों को सक्षम बनाना है, जो विभिन्न प्रकार के कारकों में डिजिटल रूप से भुगतान स्वीकार करते हैं।

एसबीआई पेमेंट्स 31 मार्च 2024 तक 33.10 लाख से अधिक मर्चेन्ट पेमेंट एक्सेप्टेड टच पॉइंट्स के साथ

देश में सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक है, जिसमें भौगोलिक क्षेत्रों (टियर 1 से टियर 6) में तैनात 13.67 लाख पीओएस मशीनें शामिल हैं। कम नकदी अर्थव्यवस्था के सरकार के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए, एसबीआई पेमेंट्स ने मुख्य रूप से छोटे और मध्यम व्यापारियों को लक्षित करने के लिए साउंडबॉक्स की पेशकश की।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए ₹144.36 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष में यह ₹159.34 करोड़ रुपये था।

प्रमुख पहल

- योनो एसबीआई मर्चेन्ट एप्लिकेशन (सॉफ्ट पीओएस) के माध्यम से ई-रयूपीआई प्रीपेड वाउचर की स्वीकृति
- एसबीआई पेमेंट्स पीओएस टर्मिनलों पर ईएमआई सुविधा का शुभारंभ
- युटिलिटी बिल भुगतान को सुगम बनाने के लिए विभिन्न विद्युत संवितरण कंपनियों, महानगर पालिकाओं को ग्राहक बनाना तथा एआईआईएमएस दिल्ली को समन्वित पीओएस समाधान प्रदान करना

एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक््योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक््योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भारतीय स्टेट बैंक और सोसाइटी जनरेल पेरिस के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें एसबीआई की 65% इक्विटी होल्डिंग है। कंपनी ने 2010 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया और समाशोधन और निपटान, नकद और विदेशी मुद्रा समाधान, परिसंपत्ति सर्विसिंग, डेरिवेटिव समाशोधन, घरेलू (एमएफ, एआईएफ, पीएमएस, बैंक, कॉर्पोरेट और अन्य) और विदेशी निवेशकों (एफपीआई, एफडीआई, एफवीसीआई) को गोल्ड ईटीएफ के लिए गोल्ड कस्टडी पर संपूर्ण सहयोग के साथ कस्टोडियल सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों को फंड एकाउंटिंग सेवाएं भी प्रदान करती है।

31.03.2024 तक, कंपनी ₹18,79,307 करोड़ की एसेट अंडर कस्टडी (एयूसी) और ₹14,15,000

करोड़ की एसेट अंडर एडमिनिस्ट्रेशन (एयूए) का प्रबंधन कर रही है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, कंपनी ने तीन म्यूचुअल फंड हाउस को ऑनबोर्ड किया।

एसबीआई-एसजी वैकल्पिक निवेश फंडों को कस्टोडियल और फंड अकाउंटिंग सेवाएं प्रदान करके एसबीआई समूह की समग्र स्टार्ट-अप रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एसबीआई-एसजी आईएसओ 3402, आईएसओ 27001:2013 और आईएसओ 9001:2015 जैसे विभिन्न प्रमाणपत्रों से प्रमाणित उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखता है। कंपनी ने पिछले वर्ष के ₹87.55 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2024 के लिए ₹111.67 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

पुरस्कार और सम्मान

- ग्लोबल कस्टोडियन, लंदन जो एक प्रसिद्ध पत्रिका है और जो इंटरनेशनल सिक््योरिटीज सर्विसेज को ट्रैक करती है द्वारा मार्केट आउटपरफॉर्मर, ग्लोबल आउटपरफॉर्मर और कैटेगरी आउटपरफॉर्मर इन द एजेंट बैंक्स इमर्जिंग मार्केट्स सर्वे - 2023 के रूप में रेट किया गया
- एसबीआई-एसजी को एशिया एसेट मैनेजमेंट, हांगकांग के बेस्ट ऑफ बेस्ट अवार्ड्स इवेंट में भारत में सर्वश्रेष्ठ स्थानीय कस्टोडियन का पुरस्कार भी मिला।

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व		(₹ करोड़ में)
	(एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक््योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	52	65	111.67

स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीओएसएस)

स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीओएसएस) एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसकी स्थापना जुलाई 2022 में भारतीय स्टेट बैंक की रूरलसेमिअर्बन (रुसु) शाखाओं को संचालन सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई थी। एसबीओएसएस का पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में है। सहायक कंपनी एसबीआई को कृषि/एमएसएमई/सूक्ष्म ऋण में सहायता सेवाएं प्रदान कर रही है।

एसबीओएसएस प्रतिस्पर्धी लागत पर ग्राहकों को डोरस्टेप सेवाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी सहायता के साथ बैंक की आरयूएसयू शाखाओं में फीट-ऑन-स्ट्रीट (एफओएस) तैनात करता है। यह बैंक में 17 मंडलों में 9,500 से अधिक आरयूएसयू शाखाओं को सहायता प्रदान कर रहा है। यह हमारे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के हिस्से के रूप में उपयुक्त क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से अधिक वित्तीय समावेशन की सुविधा प्रदान करता है।

कंपनी ने कृषि और एसएमई क्षेत्रों में परिचालन के लिए बहुआयामी समर्थन प्रदान करने के लिए एक मजबूत पैन इंडिया हाई टेक, हाई टच और लो कॉस्ट मॉडल विकसित किया है।

समय-समय पर बैंक से प्राप्त आदेश के अनुसार बैंक के अन्य खंडों और स्थानों में व्यवसाय वृद्धि तथा ग्राहक सेवा, एटीएम तथा वेंडर प्रबंधन सहयोग इत्यादि में मूल्य सृजन हो सके एसबीओएसएस अपना परिचालनगत सहयोग प्रदान करेगा।

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व		(₹ करोड़ में)
	(एसबीआई हित)	स्वामित्व का%	वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध लाभ (हानि)
स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	10	100	17.31

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट (एमडीए)

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 के विनियम 34 के अनुपालन में इस वार्षिक रिपोर्ट के पृथक खंड में बैंक के सामान्य कार्य व्यापार के विवरण शामिल है।

निम्नलिखित अनुपात में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 25% या उससे अधिक अंतर हुआ है।

डेट-ईक्यूटी अनुपात	0.66	0.87	21	31.82
डेट-ईक्यूटी अनुपात	0.66	0.87	21	31.82

*डेट में उधार राशियाँ (रिपो उधार राशियाँ सहित) जिनकी शेष परिपक्वता अवधि एक वर्ष से अधिक है शामिल है।

उत्तरदायित्व कथन

निदेशक बोर्ड एतद्वारा सूचित करता है कि:

- वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखामानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलनों की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है
- उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन और निरंतर प्रयोग किया है और उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय व प्राक्कलन किए हैं, ताकि 31 मार्च 2024 तक आपके बैंक के कार्य व्यापार की स्थिति और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक के लाभ एवं हानि का एक सच्चा व उचित दृष्टिकोण दिया जा सके
- उन्होंने आपके बैंक की आस्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने व उनका पता लगाने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है
- उन्होंने वार्षिक लेखों को सतत कार्यशील संस्था के अनुसार तैयार किया है
- बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए हैं और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं
- सभी प्रयोज्य विधियों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली तैयार की गई है तथा ऐसी प्रणाली पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से काम कर रही है

आभार

वर्ष के दौरान श्रीमती स्वाति गुप्ता को 8 मई 2023 से केंद्र सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (डी) के तहत तीन वर्षों के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो बोर्ड के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। श्री स्वामीनाथन जे, प्रबंध निदेशक का कार्यकाल, केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के रूप में उनकी नियुक्ति के फलस्वरूप 26 जून 2023 को समाप्त हुआ।

श्री बी.वेणुगोपाल और डॉ. गणेश नटराजन जिनका चयन निदेशक के रूप में भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19(सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा किया गया था, क्रमशः अपना-अपना कार्यकाल पूरा होने पर 25 जून 2023 को बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए। श्री केतन एस विक्रमसी और श्री मृगांक एम परांजपे का पुनःचयन किया गया जबकि श्री राजेश कुमार दुबे और श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत को बोर्ड के निदेशकों के रूप में 26 जून 2023 से शेयरधारकों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (सी) के तहत तीन वर्षों के लिए चयन किया गया।

श्री अजय कुमार को 14 जुलाई 2023 से आगामी आदेश तक श्री अनिल कुमार शर्मा के स्थान पर बोर्ड के निदेशक के रूप में केंद्र सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19(एफ) के तहत नियुक्त किया गया।

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष का कार्यकाल 6 अक्टूबर 2023 के बाद उनकी 63 वर्ष की आयु तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया। श्री विनय एम तोन्से को केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर 2023 से 30 नवंबर 2025 तक या आगामी

आदेश तक, जो भी पहले हो, बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा, श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक के कार्यकाल को भी केंद्र सरकार द्वारा 27 जनवरी 2024 के आगे दो वर्ष की अवधि के लिए या आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया।

निदेशक बोर्ड ने श्री स्वामीनाथन जानकीरामन, श्री बी वेणुगोपाल, श्री गणेश नटराजन तथा श्री अनिल कुमार शर्मा द्वारा बोर्ड की चर्चाओं में दिए गए योगदान के लिए सराहना की। निदेशक श्रीमती स्वाति गुप्ता, श्री राजेश कुमार दुबे, श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, श्री अजय कुमार और श्री विनय एम तोन्से का बैंक के केंद्रीय बोर्ड के नए निदेशकों के रूप में स्वागत करते हैं।

निदेशकों ने भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी और नियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए अपनी कृतज्ञता प्रकट की। निदेशकों ने सभी मूल्यवान ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों, स्टॉक एक्सचेंजों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को उनके संरक्षण एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा इस अवसर पर बैंक के कर्मचारियों की समर्पित एवं प्रतिबद्ध टीम के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय निदेशक बोर्ड के लिए
और उनकी ओर से

अध्यक्ष

दिनांक: 09 मई 2024

कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट

अभिशासन कोड के प्रति बैंक का दृष्टिकोण

भारतीय स्टेट बैंक कॉर्पोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में, अक्षरशः और भावना से सर्वोत्तम कार्यप्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक का मानना है कि अच्छा कॉरपोरेट गवर्नेंस, कानूनी और नियामक आवश्यकताओं का पालन करने से कहीं अधिक है। सुशासन, प्रभावी प्रबंधन और व्यापार के नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है, बैंक को उच्च स्तर की व्यावसायिक नैतिकता बनाए रखने और अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य को अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है। संक्षेप में उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- शेयरधारक मूल्य की रक्षा और वृद्धि करना।
- अन्य सभी हितधारकों जैसे ग्राहकों, कर्मचारियों और बड़े पैमाने पर समाज के हितों की रक्षा करना।
- संचार में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करना और सभी संबंधितों को पूर्ण, सटीक और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना।
- प्रदर्शन और ग्राहक सेवा के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना और सभी स्तरों पर उत्कृष्टता प्राप्त करना।
- दूसरों के अनुकरण के लिए उच्चतम मानक का कॉर्पोरेट नेतृत्व प्रदान करना।

बैंक निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है:

- यह सुनिश्चित करना कि बैंक के निदेशक मंडल नियमित बैठकें करें, व्यवसाय एवं संचालन में प्रभावी नेतृत्व तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करें और बैंक के निष्पादन की निगरानी करें।
- रणनीतिक नियंत्रण का एक ढांचा स्थापित करना और इसकी प्रभावकारिता की लगातार समीक्षा करना।
- नीति विकास, कार्यान्वयन और समीक्षा, निर्णय लेने, निगरानी, नियंत्रण और रिपोर्टिंग के लिए स्पष्ट रूप से प्रलेखित और पारदर्शी प्रबंधन प्रक्रियाओं की स्थापना।
- बोर्ड को यथावश्यक सभी प्रासंगिक सूचनाएं, सलाह और संसाधन उपलब्ध कराना, ताकि वह अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से का सके।

- यह सुनिश्चित करना कि कार्यकारी प्रबंधन के सभी पहलुओं के प्रति अध्यक्ष उत्तरदायी हों तथा बैंक के निष्पादन और बोर्ड द्वारा निर्धारित नीतियों के कार्यान्वयन के लिए बोर्ड के प्रति जवाबदेह हों। अध्यक्ष और निदेशक मंडल की भूमिका भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा इसमें किए गए सभी संबंधित संशोधनों द्वारा निर्देशित होते हैं।
- यह सुनिश्चित करना कि भारत सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य विनियामकों तथा बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी प्रायोज्य संविधियों, विनियमों और अन्य कार्यविधियों नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने और यदि कोई विचलन हों, तो उनकी सूचना बोर्ड को देने के लिए किसी वरिष्ठ कार्यपालक को बोर्ड के प्रति उत्तरदायी बनाया जाए।
- सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (समय-समय पर संशोधित) के अनुसार बैंक ने कॉरपोरेट अभिशासन के इन प्रावधानों का अनुपालन किया है। केवल कुछ मामले अपवाद हैं, जहां इन विनियमों के प्रावधान भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा भारतीय रिजर्व बैंक/भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुरूप नहीं हैं। कॉरपोरेट अभिशासन के इन प्रावधानों के कार्यान्वयन पर एक रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत की गई है:

केंद्रीय बोर्ड: भूमिका और संरचना

भारतीय स्टेट बैंक का गठन 1955 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955) द्वारा हुआ। केंद्रीय निदेशक बोर्ड का गठन इस अधिनियम के अनुसार किया गया था।

बैंक का केंद्रीय बोर्ड एसबीआई अधिनियम और विनियम 1955 के प्रावधानों के अनुपालन में अपने कार्यों को पूरा करता है और उससे अपनी शक्तियां प्राप्त करता है। इसकी प्रमुख भूमिकाओं में अन्य बातों के अलावा,

- बैंक के जोखिम प्रोफाइल की देख-रेख करना शामिल है,
- अपने व्यापार और नियंत्रण तंत्र की अखंडता की निगरानी करना,

- विशेषज्ञ प्रबंधन सुनिश्चित करना, और
- अपने हितधारकों के हितों को बढ़ाना।

केंद्रीय बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष द्वारा किया जाता है, जो एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (ए) के तहत नियुक्त किए गए हैं। एसबीआई अधिनियम की धारा 19(बी) के तहत चार प्रबंध निदेशकों को बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पूर्णकालिक निदेशक होते हैं। 31 मार्च, 2024 तक, बोर्ड के आठ अन्य निदेशक जो प्रौद्योगिकी, लेखा, वित्त, अर्थशास्त्र और शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रख्यात पेशेवर हैं। 31 मार्च, 2024 तक केन्द्रीय बोर्ड की संरचना इस प्रकार थी:

- धारा 19 (ए) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त अध्यक्ष,
- धारा 19 (बी) अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त चार प्रबंध निदेशक,
- धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा चुने गए चार निदेशक,
- धारा 19 (डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा नामित दो निदेशक,
- धारा 19 (ई) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा नामित एक निदेशक, और
- धारा 19 (एफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक की संस्तुति पर नामित एक निदेशक।

बोर्ड का गठन सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के विनियमन 17(1) में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप उस सीमा तक ही है कि वह एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 में दिए गए प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करते हैं। निदेशकों के बीच आपस में कोई संबंध नहीं है।

गैर-कार्यपालक निदेशकों का संक्षिप्त परिचय अनुलब्धक-I में दिया गया है। विभिन्न बोर्डों/समितियों में सभी निदेशकों द्वारा धारित निदेशक/सदस्यताओं का विवरण अनुलब्धक-II में और बैंक में उनकी शेयरधारिता का विवरण अनुलब्धक-III में दिया गया।

केंद्रीय बोर्ड की बैठकें

बैंक के केंद्रीय बोर्ड को एक वर्ष में कम से कम छह बार और तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करने की आवश्यकता होती है। वर्ष 2023-24 के दौरान, पंद्रह केंद्रीय बोर्ड की बैठकें आयोजित की गईं। निदेशकों की बैठकों और उपस्थिति की तिथियाँ निम्नानुसार हैं:

2023-24 के दौरान बोर्ड बैठकों की तिथियाँ और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 15

बैठकों की तिथियाँ: 19.04.2023, 18.05.2023, 09.06.2023, 21.06.2023, 26.07.2023, 04.08.2023, 27.09.2023, 18.10.2023, 04.11.2023, 06.12.2023, 26.12.2023, 03.01.2024, 03.02.2024, 28.02.2024, 27.03.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/ निर्वाचन/ पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष	15	15
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक	15	14
श्री स्वामीनाथन जे., प्रबंध निदेशक (26.06.2023 तक)	4	3
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक	15	14
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक	15	14
श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (21.11.2023 से प्रभावी)	6	5
श्री बी. वेणुगोपाल (25.06.2023 तक)	4	4
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक)	4	3
श्री केतन एस. विक्रमसी	15	13
श्री मृगांक एम. परांजपे	15	15
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से प्रभावी)	11	5
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से प्रभावी)	11	11
श्री प्रफुल्ला पी. छाजेड	15	15
श्रीमती स्वाति गुप्ता (08.05.2023 से प्रभावी)	14	14
डॉ. विवेक जोशी	15	9
श्री अनिल कुमार शर्मा (14.07.2023 तक)	4	4
श्री अजय कुमार (14.07.2023 से प्रभावी)	11	7

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति (ईसीसीबी)

केंद्रीय बोर्ड (ईसीसीबी) की कार्यकारी समिति का गठन एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 30 के अनुसार किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक के सामान्य विनियम (46 और 47) में यह प्रावधान है कि, केंद्रीय बोर्ड के सामान्य अथवा विशेष निदेश के अधीन ईसीसीबी, केन्द्रीय बोर्ड की क्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले से निपट सकते

हैं। एसबीआई अधिनियम के अनुसार, ईसीसीबी में अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (एफ) के तहत नामित निदेशक और सभी या अन्य निदेशक जो सामान्य रूप से निवासी हैं, या कुछ समय के लिए भारत के भीतर कोई भी स्थान जहां बैठक आयोजित की जाती है उपस्थित हो सकते हैं।

इसके अलावा, 'बैंकों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस- निदेशकों की नियुक्ति और बोर्ड की समितियों के गठन' पर

आरबीआई के 26 अप्रैल, 2021 के दिशानिर्देशों के अनुसार, एसबीआई का अध्यक्ष ईसीसीबी का हिस्सा नहीं है। ईसीसीबी की बैठकें एसबीआई अधिनियम के अनुसार साप्ताहिक अंतराल में आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान, ईसीसीबी की 52 बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष 2023-24 के दौरान ईसीसीबी बैठकों की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है:

2023-24 के दौरान ईसीसीबी बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 52

निदेशक	नामांकन/निर्वाचन/पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष	52	52
श्री चत्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक	52	47
श्री स्वामीनाथन जे., प्रबंध निदेशक (26.06.2023 तक)	12	11
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक	52	50
श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक	52	44
श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (21.11.2023 से प्रभावी)	19	18
श्री बी वेणुगोपाल (25.06.2023 तक)	12	11
श्री मृगांक एम. परांजपे	52	41
राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से प्रभावी)	40	33
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड	52	44
श्री अनिल कुमार शर्मा (14.07.2023 से प्रभावी)	15	15
श्री अजय कुमार (14.07.2023 से प्रभावी)	37	24
निदेशक जो आम तौर पर बैठक के स्थान के निवासी नहीं होते हैं, लेकिन उस दिन उस स्थान पर मौजूद थे जहां बैठक आयोजित की गई थी/वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया था:		
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक)	-	8
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से प्रभावी)	-	1
श्रीमती स्वाति गुप्ता (08.05.2023 से प्रभावी)	-	1

अन्य बोर्ड स्तरीय समितियां:

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम और सामान्य विनियम, 1955 के प्रावधानों और सरकार/आरबीआई/सेबी के प्रावधानों के अनुसार, केंद्रीय बोर्ड ने नौ अन्य बोर्ड स्तरीय समितियां गठित की हैं। ये हैं - बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति, बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति, बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति, बड़े मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति, आईटी रणनीति समिति, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति, बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति, वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति और इरादतन चूककर्ताओं / असहयोगी उधारकर्ताओं की पहचान के लिए समीक्षा समिति। ये समितियां लेखापरीक्षा और लेखा, जोखिम प्रबंधन, शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायतों का समाधान, धोखाधड़ी समीक्षा और नियंत्रण, ग्राहक सेवा की समीक्षा और ग्राहक शिकायतों का निवारण, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व, ऋणों और अग्रिमों की वसूली पर निरीक्षण, इरादतन

चूककर्ताओं/असहयोगी उधारकर्ताओं की पहचान की समीक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बोर्ड की निगरानी में प्रभावी व्यावसायिक सहायता प्रदान करती हैं और निदेशक के रूप में निर्वाचन के लिए नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की 'योग्य एवं पात्र' स्थिति का निर्धारण करने में मदद करती हैं। यद्यपि, नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार होती है, अन्य समितियां समय-समय पर, आम तौर पर एक तिमाही में एक बार, नीतिगत मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और/या केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित समीक्षाओं के कैलेंडर के अनुसार डोमेन प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए मिलती हैं। समितियां जरूरत पड़ने पर बैंक के शीर्ष अधिकारियों की सेवाएं लेने के अलावा बाहरी विशेषज्ञों को भी बुलाती हैं।

बोर्ड स्तरीय अन्य समितियों का समय-समय पर, जब भी आवश्यकता होती है, पुनर्गठन किया जाता है। वर्ष के दौरान इस तरह के अंतिम पुनर्गठन को केंद्रीय बोर्ड ने 21.06.2023 को आयोजित अपनी बैठक में मंजूरी दे दी है और यह 26.06.2023

से प्रभावी है। कार्यवृत्त और कार्यवाहियां जिनमें समितियों की बैठकों में हुई चर्चाओं पर संक्षिप्त रिपोर्ट होती है, केन्द्रीय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की जाती हैं।

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

बैंक में पहली बार 27.07.1994 को बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति (एसीबी) का गठन किया गया था। एसीबी भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्य करता है और समय-समय पर संशोधित सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के प्रावधानों का इस हद तक अनुपालन करता है, कि वे आरबीआई द्वारा जारी निर्देशों/दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं करते हैं।

एसीबी के कार्य

- एसीबी द्वारा बैंक में कुल ऑडिट कार्य के संचालन की देखरेख करने के साथ-साथ निर्देश भी प्रदान किया जाता है। संपूर्ण लेखापरीक्षा कार्य का तात्पर्य बैंक के भीतर

आंतरिक लेखा परीक्षा और निरीक्षण का संगठन, प्रचालन और गुणवत्ता नियंत्रण और सांविधिक/बाह्य लेखा परीक्षा, भारतीय रिजर्व बैंक निरीक्षण के अनुपालन पर अनुवर्ती कार्रवाई से है। यह बैंक के सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भी करता है और समय-समय पर उनके कार्य की समीक्षा करता है।

- एसीबी द्वारा अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बैंक की वित्तीय, जोखिम प्रबंधन, आईएस लेखापरीक्षा नीतियों और बैंक की लेखा नीतियों/प्रणालियों की समीक्षा की जाती है।
- एसीबी द्वारा बैंक में आंतरिक निरीक्षण/लेखा परीक्षा योजना और कार्यों की समीक्षा के साथ ही अनुवर्तन (फॉलोअप) के संदर्भ में प्रणाली, उसकी गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता की समीक्षा की जाती है। यह विशेष रूप से निम्नलिखित के अनुवर्तन (फॉलोअप) कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित करती है:
 - केवाईसी-एमएल दिशानिर्देश;
 - हाउसकीपिंग के प्रमुख क्षेत्र;

- सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 का अनुपालन। सेबी (एलओडीआर) संशोधन विनियम, 2018 के अनुरूप 06.03.2019 को आयोजित अपनी बैठक में केंद्रीय बोर्ड द्वारा लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषयों और भूमिका की समीक्षा की गई, जो 01.04.2019 से प्रभावी थे।

- घ) यह बैंक में अनुपालन विभाग से रिपोर्ट प्राप्त करता है और समीक्षा करता है।
- ड.) एसीबी बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949 की धारा 35 के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के जोखिम आधारित पर्यवेक्षण में उठाए गए सभी मुद्दों और सांविधिक लेखापरीक्षकों की दीर्घावधि लेखा परीक्षा रिपोर्टों और अन्य आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर अनुवर्ती कार्रवाई करता है। यह वार्षिक/त्रैमासिक वित्तीय लेखों और रिपोर्टों को अंतिम रूप देने से पहले बाहरी लेखा परीक्षकों के साथ बातचीत करता है। केंद्रीय बोर्ड द्वारा लेखा परीक्षा समिति के एक औपचारिक 'लेखा परीक्षा चार्टर' या 'विचारार्थ विषय' को

अनुमोदित किया गया है और लेखा परीक्षा समिति को प्रस्तुत की जाने वाली समीक्षाओं का कैलेंडर भी मौजूद है, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और इस तरह के अंतिम संशोधन को केंद्रीय बोर्ड ने 27.04.2022 को आयोजित अपनी बैठक में मंजूरी दी थी।

2023-24 के दौरान संरचना और उपस्थिति

एसीबी का अंतिम पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया था। इसमें 31.03.2024 तक सदस्यों के रूप में पांच गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। समिति में एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक/सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार संरचना और गणपूर्ति अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाता है। वर्ष के दौरान, आंतरिक नियंत्रण, प्रणालियों और प्रक्रियाओं से जुड़े विभिन्न मामलों तथा आरबीआई/सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार यथा अपेक्षित अन्य पहलुओं की समीक्षा करने के लिए एसीबी की बारह बैठकें आयोजित की गई थीं।

एसीबी की बैठकों की तिथियां और 2023-24 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 12

बैठकों की तारीखें: 12.04.2023, 17.05.2023, 14.06.2023, 12.07.2023, 03.08.2023, 20.09.2023, 11.10.2023, 03.11.2023, 15.12.2023, 17.01.2024, 02.02.2024, 13.03.2024

निदेशक	नामांकन/निर्वाचन/पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री केतन एस. विक्रमसी (समिति के अध्यक्ष)	12	12
श्री बी. वेणुगोपाल (25.06.2023 तक सदस्य)	3	3
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक सदस्य)	3	1
श्री मृगांक एम. परांजपे	12	9
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से सदस्य)	9	6
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (26.06.2023 से सदस्य)	9	7
श्री अनिल कुमार शर्मा (14.07.2023 तक सदस्य)	4	4
श्री अजय कुमार (14.07.2023 से सदस्य)	8	7

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) का गठन बैंक में पहली बार 23.03.2004 को किया गया था, जो ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम से संबंधित एकीकृत जोखिम प्रबंधन की नीति

और कार्यनीति की निगरानी के लिए किया गया था। समिति का पिछली बार पुनर्गठन 26.06.2023 से किया गया था। 31.03.2024 तक इसके छह सदस्य हैं। समिति में एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। आरएमसीबी की बैठक वर्ष में कम से कम चार बार और प्रत्येक तिमाही में एक

बार होती है। 2023-24 के दौरान, आरएमसीबी की आठ बैठकें आयोजित की गईं। सेबी (एलओडीआर) संशोधन विनियम, 2018 के अनुरूप केंद्रीय बोर्ड द्वारा 06.03.2019 को आरएमसीबी के संदर्भ और भूमिका की समीक्षा की गई थी, जो 01.04.2019 से प्रभावी थे।

आरएमसीबी की बैठकों की तिथियां और 2023-24 के दौरान निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 08

बैठकों की तारीखें: 12.05.2023, 14.06.2023, 04.07.2023, 08.09.2023, 27.10.2023, 14.12.2023, 21.02.2024, 21.03.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री मृगांक एम. परांजपे (समिति के अध्यक्ष)	8	8
श्री बी वेणुगोपाल (25.06.2023 तक सदस्य)	2	1
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक सदस्य)	2	2
श्री केतन एस. विक्रमसी	8	5
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से सदस्य)	6	5
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़	8	5
श्री स्वामीनाथन जे., एमडी (26.06.2023 तक सदस्य)	2	1
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी	8	7
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, एमडी (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	4
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	2
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी (21.11.2023 से सदस्य)	3	2

हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) सह बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 20 के अनुसरण में, हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) जिसे पहले शेयरधारकों /बोर्ड की निवेशक शिकायत समिति (एसआईजीसीबी) के नाम से जाना जाता था, का गठन 30 जनवरी, 2001 को शेयरों के हस्तांतरण, वार्षिक रिपोर्ट की प्राप्ति न होने, बांड पर ब्याज, लाभांश आदि प्राप्ति न होने के संबंध में शेयरधारकों और निवेशकों की शिकायतों के निवारण की जांच

करने के लिए किया गया था। बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में निरंतर आधार पर सुधार लाने के लिए 26.08.2004 को बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी) का गठन किया गया था। 11.06.2020 को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित भारत में वाणिज्यिक बैंकों में अभिशासन पर आरबीआई के चर्चा पत्र में व्यक्त किए गए विचार के अनुरूप, और बोर्ड स्तरीय समितियों की संख्या को तर्कसंगत बनाने के उद्देश्य से, हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) और बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी) के विलय को केंद्रीय बोर्ड द्वारा दिनांक 25.06.2020 की बैठक में अनुमोदित किया गया

था और विलय की गई समिति को हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा के रूप में नामित किया गया था और यह 26.06.2020 से प्रभावी हो गई। समिति की संरचना और इसकी भूमिका सेबी विनियमों का अनुपालन करती है। समिति का पिछली बार पुनर्गठन 26.06.2023 से किया गया था। 31.03.2024 को इसके सात सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। समिति की 2023-24 के दौरान पांच बार बैठक हुई।

2023-24 के दौरान आयोजित एसआरसी सह सीएससीबी की बैठकों की तिथियां और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 05

बैठकों की तारीखें: 06.06.2023, 29.08.2023, 12.09.2023, 15.11.2023, 27.02.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री बी. वेणुगोपाल (25.06.2023 तक समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य)	1	1
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य)	4	4
डॉ. गणेश नटराजन (सदस्य 25.06.2023 तक)	1	1
श्री केतन एस विक्रमसी	5	3
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से सदस्य)	4	4
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़	5	4
श्रीमती स्वाति गुप्ता (26.06.2023 से सदस्य)	4	4
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, एमडी	5	4
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी (सदस्य 21.11.2023 तक)	4	4
श्री विनय एम. तोन्से, एमडी (21.11.2023 से सदस्य)	1	1
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	3

वर्ष 2023-24 के दौरान शेयरधारकों की शिकायतों का विवरण

वर्ष के दौरान प्राप्त शेयरधारकों की शिकायतों की संख्या: 349

शेयरधारकों की संतुष्टि के अनुरूप निवारण न होना: शून्य

लंबित शिकायतों की संख्या (शिकायतें जो न्यायाधीन हैं): शून्य

अनुपालन अधिकारी का नाम और पदनाम: अरुणा नितिन डाक (एजीएम अनुपालन और कंपनी सचिव)

बोर्ड की आईटी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)

बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी पहलों की प्रगति की निगरानी के उद्देश्य से, 26 अगस्त, 2004 को बैंक में पहली बार बोर्ड की एक प्रौद्योगिकी समिति का गठन किया गया। प्रौद्योगिकी समिति का नाम बदलकर 24 अक्टूबर, 2011 से बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति कर दिया गया। समिति ने बैंक के प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रणनीतिक भूमिका निभाई है। समिति को निम्नलिखित भूमिकाएं और जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं:

- आईटी कार्यनीति और नीति दस्तावेजों को अनुमोदन देना, यह सुनिश्चित करना कि प्रबंधन ने एक प्रभावी रणनीतिक योजना प्रक्रिया लागू की है;
- यह सुनिश्चित करना कि आईटी संगठनात्मक संरचना व्यवसाय मॉडल और इसकी दिशा का पूरक है;
- यह सुनिश्चित करना कि आईटी निवेश जोखिम और लाभ के संतुलन का प्रतिनिधित्व करता है और बजट स्वीकार्य हैं;
- आईटी जोखिमों की प्रबंधन की निगरानी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना और बैंक स्तर

पर आईटी के कुल निवेश की देखरेख करना; और

- आईटी प्रदर्शन मापना और व्यवसायों में आईटी के योगदान की समीक्षा करना (अर्थात् वादा किए गए मूल्य को वितरित करना)।

समिति का पिछली बार 26.06.2023 को पुनर्गठन किया गया था। 31.03.2024 को इसके छह सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। वर्ष 2023-24 के दौरान समिति की दस बार बैठक हुई।

2023-24 के दौरान आयोजित आईटीएससी की बैठकों की तिथियां और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 10

बैठकों की तारीखें: 23.05.2023, 21.06.2023, 18.07.2023, 09.08.2023, 22.08.2023, 04.09.2023, 13.09.2023, 21.11.2023, 05.02.2024, 20.03.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/ पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य)	2	2
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य)	8	7
श्री बी. वेणुगोपाल (25.06.2023 तक सदस्य)	2	2
श्री केतन एस. विकमसी	10	10
श्री मृगांक एम. परांजपे (26.06.2023 से सदस्य)	8	8
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़	10	9
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, एमडी	10	10
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (21.11.2023 तक सदस्य)	8	8
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी (सदस्य 21.11.2023 से सदस्य)	2	2

बड़े मूल्य की धोखाधड़ी की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)

बैंक में पहली बार 29.03.2004 को बड़ी मूल्य की धोखाधड़ी (एससीबीएमएफ) की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति का गठन किया गया था। समिति का मुख्य कार्य सभी बड़े मूल्य की धोखाधड़ी

की निगरानी और समीक्षा करना है ताकि रिपोर्टिंग में देरी के कारणों की पहचान की जा सके, यदि कोई हो, सीबीआई/पुलिस जांच की प्रगति की निगरानी की जा सके, वसूली की स्थिति, यह सुनिश्चित करना कि कर्मचारियों की जवाबदेही प्रक्रिया की गई है। धोखाधड़ी की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए की गई उपचारात्मक कार्रवाई की प्रभावकारिता की

समीक्षा करना और उपयुक्त निवारक उपायों को लागू करना है। समिति को अंतिम बार 26.06.2023 को पुनर्गठित किया गया था। 31.03.2024 को इसके सात सदस्य हैं। समिति का एक नियमित अध्यक्ष है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी निदेशक द्वारा की जाती है। समिति की 2023-24 के दौरान चार बार बैठक हुई।

2023-24 के दौरान आयोजित एससीबीएमएफ की बैठकों की तिथियां और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तारीखें: 30.05.2023, 12.09.2023, 19.12.2023, 12.03.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/ पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़ (समिति के अध्यक्ष)	4	4
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक सदस्य)	1	1
श्री केतन एस विकमसी	4	2
श्री मृगांक एम. परांजपे	4	2
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से सदस्य)	3	3
श्रीमती स्वाति गुप्ता (26.06.2023 से सदस्य)	3	3
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, एमडी (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (21.11.2023 तक सदस्य)	2	1
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी	4	4
श्री विनय एम. तोन्से, एमडी (21.11.2023 से सदस्य)	2	2

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी)

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआरसी) का गठन पहली बार 24.09.2014 को अच्छे कॉर्पोरेट अभिशासन के उपाय के रूप में कॉर्पोरेट

सामाजिक दायित्व नीति के अंतर्गत बैंक द्वारा किए गए गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए किया गया था। समिति का पिछली बार पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया था। 31.03.2024 को इसके छह सदस्य हैं। वरिष्ठ प्रबंध निदेशक, जो समिति के

सदस्य हैं, बैठक की अध्यक्षता करते हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान, समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित सीएसआरसी की बैठकों की तिथियां और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तारीखें: 25.04.2023, 25.07.2023, 23.10.2023, 20.03.2024

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/ पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेड्डी, एमडी (समिति के अध्यक्ष)	4	4
श्री अश्विनी कुमार तिवारी, एमडी (वैकल्पिक सदस्य के रूप में)	-	1
श्री आलोक कुमार चौधरी, एमडी (21.01.11.2023 तक सदस्य)	0	2
श्री विनय एम. तोन्से, एमडी (21.11.2023 से सदस्य)	1	0
श्री बी. वेणुगोपाल (25.06.2023 तक सदस्य)	1	1
डॉ. गणेश नटराजन (25.06.2023 तक सदस्य)	1	0
श्री केतन एस. विक्रमसी (26.06.2023 से सदस्य)	3	2
श्री मृगांक एम. परांजपे	4	3
श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़	4	3
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से सदस्य)	3	3

बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने मास्टर निदेश डीबीआर के तहत एपीपीटी सं.: 9/29.67.001/2019-20 दिनांक 02.08.2019, और भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या एफ संख्या 16/19/2019-इज के माध्यम से दिनांक 30.08.2019 को बैंक को एकल नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) का गठन करने का निर्देश दिया है और तदनुसार 25.10.2019 से प्रभावी तौर पर एक एकल एनआरसी का गठन किया गया था।

समिति शेयरधारक निदेशक के रूप में निर्वाचन के लिए नामांकन दायर करने वाले उम्मीदवारों की अपेक्षित समुचित सावधानी और 'योग्य और पात्र' स्थिति का निर्धारण करती है। इसके अतिरिक्त, नामांकन और पारिश्रमिक समिति अन्य बातों के साथ-साथ बोर्ड, बोर्ड स्तरीय समितियों और निदेशकों के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन के लिए मानदंड/ ढांचा भी तैयार करता है।

समिति का पिछली बार पुनर्गठन 26.06.2023 से किया गया था। इसमें 31.03.2024 को सदस्यों के रूप में पांच गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। समिति में एक नियमित अध्यक्ष होता है और इसकी अध्यक्षता एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। समिति की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार होती है। वर्ष 2023-24 के दौरान, एनआरसी की तीन बार बैठक हुई।

2023-24 के दौरान आयोजित एनआरसी की बैठकों की तिथियां और निदेशकों की उपस्थिति

आयोजित बैठकों की संख्या: 03

बैठक की तिथि: 29.05.2023

एनआरसी की बैठक 29.05.2023 को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत लंबित रिक्तियों को भरने के लिए निदेशकों के रूप में निर्वाचन के लिए प्राप्त नामांकनों में 'योग्य एवं पात्र' उम्मीदवारों की स्थिति का निर्धारण और घोषणा के

लिए की गई। केंद्रीय बोर्ड ने दिनांक 18.05.2023 की अपनी बैठक में 3 गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकों की एक एनआरसी जिसमें श्री बी.वेणुगोपाल (समिति के अध्यक्ष), श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़ और श्रीमती स्वाति गुप्ता शामिल हैं, के गठन को मंजूरी दी थी, उक्त निर्वाचन के लिए नामांकन फॉर्म जमा करने वाले उम्मीदवारों की 'योग्य एवं पात्र' स्थिति निर्धारित करने के लिए समुचित सावधानी की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कार्यकाल सीमित किया था। तीनों निदेशकों ने 29.05.2023 को आयोजित एनआरसी बैठक में भाग लिया।

निदेशक का नाम	नामांकन/निर्वाचन/ पदधारिता के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में सहभागिता
श्री राजेश कुमार दुबे (26.06.2023 से समिति के अध्यक्ष)	2	2
श्री केतन एस विकमसी	2	2
श्री मृगांक एम. परांजपे	2	2
श्रीमती स्वाति गुप्ता (26.06.2023 से सदस्य)	2	2
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत (26.06.2023 से सदस्य)	2	2

वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड की समिति (बीसीएमआर)

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, वसूली की निगरानी के लिए केंद्रीय बोर्ड द्वारा 20 दिसंबर, 2012 को आयोजित बैठक में ऋणों और अग्रिमों की वसूली की निगरानी के लिए एक बोर्ड समिति का गठन किया गया था। समिति का पिछला पुनर्गठन 26.06.2023 को किया गया था। इसमें ग्यारह सदस्य हैं जिनमें अध्यक्ष, चार प्रबंध निदेशक और छह गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनमें भारत सरकार के नामित निदेशक शामिल हैं। समिति ने वर्ष के दौरान चार बार बैठक की और बैंक के बड़े एनपीए खातों और समग्र एनपीए प्रबंधन की समीक्षा की।

इरादतन चूककर्ताओं/असहयोगी उधारकर्ताओं की पहचान के लिए समीक्षा समिति (आरसीआईडब्ल्यूडी)

आरबीआई के निर्देशों के संदर्भ में पहली बार केंद्रीय बोर्ड द्वारा 17.05.2016 को आयोजित अपनी बैठक में समिति का गठन किया गया था। प्रबंध निदेशक - जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी समिति के अध्यक्ष हैं, और इसके चार गैर-कार्यकारी निदेशक सदस्य हैं। इस समिति की भूमिका इरादतन चूककर्ताओं/असहयोगी उधारकर्ताओं की पहचान के लिए समिति (तथ्यों की जांच करने और उधारकर्ता के इरादतन चूककर्ता/असहयोगी उधारकर्ता होने के तथ्य को रिकॉर्ड करने के लिए बैंक के उप प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ कार्यपालकों वाली समिति) के आदेश की समीक्षा करना है। उक्त समीक्षा समिति द्वारा इसकी पुष्टि किए जाने के बाद ही आदेश को अंतिम रूप दिया जाता है।

वर्ष 2023-24 के दौरान समिति की छः बैठकें आयोजित की गईं।

स्थानीय बोर्ड

एसबीआई अधिनियम और सामान्य विनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार, प्रत्येक केंद्र पर जहां बैंक का स्थानीय प्रधान कार्यालय (एलएचओ) है, स्थानीय बोर्ड / स्थानीय बोर्डों की समितियां कार्य कर रही हैं। स्थानीय बोर्ड ऐसी शक्तियों का प्रयोग करते हैं और केन्द्रीय बोर्ड द्वारा उन्हें सौंपे गए ऐसे अन्य कार्यों और कर्तव्यों का पालन करते हैं। 31 मार्च, 2024 तक, तीन एलएचओ में स्थानीय बोर्ड और शेष चौदह पर स्थानीय बोर्डों की समितियां कार्यात्मक थीं। स्थानीय बोर्डों/स्थानीय बोर्डों की समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त और कार्यवाहियों को केन्द्रीय बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

सहभागिता फीस

पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक समय-समय पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है। बैंक के गैर-कार्यकारी गैर-आधिकारिक निदेशकों को बोर्ड के बोर्ड/समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए सहभागिता फीस का भुगतान किया जाता है। गैर-कार्यकारी निदेशकों को बोर्ड और/या इसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के अलावा कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है। सहभागिता फीस की राशि भारत सरकार के दिशानिर्देशों द्वारा निर्देशित होती है और बैंक के केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जाती है। 25 अक्टूबर, 2019 से, केंद्रीय बोर्ड की बैठकों में भाग लेने के लिए 70,000 रुपये और अन्य बोर्ड स्तर की समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए 30,000 रुपये का बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2023-24 के दौरान भुगतान किए गए सहभागिता फीस का विवरण अनुलग्नक-IV में दिया गया है।

बैंक की आचार संहिता का अनुलापन

बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष द्वारा

हस्ताक्षरित इस आशय की घोषणा अनुलग्नक-V में प्रस्तुत है। आचार संहिता की प्रति भी बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वर्ष के दौरान गतिविधियां

- वर्ष के दौरान नवनिर्वाचित/मनोनीत निदेशकों के लिए ऑन-बोर्डिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ, संगठन की संरचना, बैंक के विभिन्न व्यावसायिक समूहों और एसोसिएट्स और सहायक कंपनियों के बारे में जानकारी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कॉर्पोरेट बैंकिंग, नई पहल, डिजिटल और लेनदेन बैंकिंग शामिल थी। इसके अलावा, वर्ष के दौरान निदेशक मंडल के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें एनबीएफसी, ईएसजी, विशिष्ट क्षेत्रों को ऋण, निवेश, सूचना सुरक्षा, व्यापार समूह आदि जैसे वित्तीय क्षेत्र से जुड़े मामले शामिल थे। बोर्ड के सदस्यों को आईटी विकास, आईटी और साइबर सुरक्षा, मानव संसाधन और प्रशिक्षण, डिजिटल बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, ग्राहक सेवा, कॉर्पोरेट प्रशासन, आश्वासन समारोह आदि पर व्यापार समूहों और बैंक की सहायक कंपनियों द्वारा लागू की जा रही कार्यनीतियों की भी जानकारी दी गई। वर्ष के दौरान बोर्ड के सदस्यों को नवीनतम ट्रेन्ड और वित्तीय क्षेत्र में हो रही घटनाओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए बोर्ड के समक्ष कई प्रासंगिक प्रस्तुतियां दी गईं।

निदेशकों ने वर्ष के दौरान भारत सरकार और आईडीआरबीटी/सीएफआरएल (आरबीआई द्वारा प्रायोजित) जैसे व्यावसायिक निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों/बैठकों/कार्यक्रमों में भी भाग लिया। ऐसे कार्यक्रमों में अन्य बातों के साथ-साथ आईडीआरबीटी

द्वारा आयोजित बोर्ड के सदस्यों के लिए आईटी और साइबर सुरक्षा पर प्रमाणन कार्यक्रम, सीएफआरएएल द्वारा आयोजित केंद्रीय डिजिटल मुद्रा पर सम्मेलन, आईआरआरबीबी पर वाणिज्यिक बैंकों के बोर्ड सदस्यों के लिए कार्यक्रम और सीएबी पुणे द्वारा आयोजित चलनिधि जोखिम प्रबंधन, आईसीआई द्वारा आयोजित वैश्विक व्यावसायिक लेखाकार सम्मेलन आदि शामिल हैं।

2. **बोर्ड का प्रदर्शन मूल्यांकन:** कॉर्पोरेट अभिशासन में लगातार सुधार के उद्देश्य से, एक प्रतिष्ठित बाहरी परामर्श फर्म ने अध्यक्ष, निदेशकों, बोर्ड स्तरीय समितियों और केंद्रीय बोर्ड के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए मानदंड निर्धारित करने और प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में सहायता की। बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति ने उक्त निष्पादन मूल्यांकन के लिए ढांचे/मानदंड को अनुमोदित कर दिया है। मूल्यांकन और समग्र प्रक्रिया के मापदंडों को सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 और बोर्ड मूल्यांकन, 2017

पर नए सेबी मार्गदर्शन नोट के प्रावधानों से जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की गई। प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया ने निदेशक मंडल का बैंक के अभिशासन मूल्यों के प्रति विश्वास और निदेशक मंडल व शीर्ष प्रबंधन के बीच सिनर्जी और सहयोग बढ़ाया है।

3. गतिशील वित्तीय क्षेत्र में अग्रणी रहने और कॉर्पोरेट प्रशासन में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने के बैंक के प्रयास को ध्यान में रखते हुए, 8 और 9 जनवरी, 2024 को एक कार्यनीतिक कार्यशाला 'विजन 2027' का आयोजन किया गया ताकि बोर्ड के सदस्यों और बैंक के शीर्ष प्रबंधन को वित्तीय क्षेत्र में नवीनतम ट्रेंड के साथ संरेखित किया जा सके और भविष्य के लिए तैयार हुआ जा सके। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उभरते आर्थिक परिदृश्य, वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों, विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और नए युग के खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर जोर देने के साथ बैंक की पंचवर्षीय कार्यनीति पर विचार-

मंथन करना था ताकि बैंक प्रीमियम स्थिति को मजबूती प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके।

4. तदनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा डिजिटल बैंकिंग, लेनदेन बैंकिंग, कॉर्पोरेट क्रेडिट, क्लाइमेट फाइनांस, ट्रेजरी बुक और बैलेंस शीट, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, कृषि व संबद्ध व्यवसाय, एमएसएमई व्यवसाय, खुदरा और धन व्यवसाय, आईटी और एनालिटिक्स, सहायक कंपनियों द्वारा मूल्य सृजन, तनावग्रस्त परिसंपत्तियों, ग्राहक अनुभव संवर्धन, मानव संसाधन, एश्योरेंस कार्यों आदि से संबंधित विभिन्न विषयों पर निदेशक मंडल को प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यशाला के दौरान बोर्ड ने उचित कार्यनीतियां और व्यवसाय वृद्धि और प्रमुख वित्तीय मापदंडों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए।
5. कार्यनीतिक कार्यशाला के दौरान, वित्तीय क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित वक्ता ने भी प्रतिभागियों को जनरेटिव एआई विषय पर संबोधित किया, जिससे प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

वित्त वर्ष 2023-24 में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों को भुगतान किया गया वेतन और भत्ते (₹)

नाम	मूल वेतन	महंगाई भत्ता	अन्य	कुल	अवधि
दिनेश कुमार खारा	27,00,000	12,42,000	-	39,42,000	01.04.2023 से 31.03.2024
चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी	26,92,800	12,38,688	-	39,31,488	01.04.2023 से 31.03.2024
अश्विनी कुमार तिवारी	26,92,800	12,38,688	-	39,31,488	01.04.2023 से 31.03.2024
आलोक कुमार चौधरी	26,34,300	12,11,778	-	38,46,078	01.04.2023 से 31.03.2024
स्वामीनाथन जानकीरमण	6,73,200	2,55,816	7,53,535	16,82,551	01.04.2023 से 25.06.2023
विनय एम तोन्से	9,44,233	4,34,347	-	13,78,581	21.11.2023 से 31.03.2024

वार्षिक महासभा में उपस्थिति

बैंक की वार्षिक महासभा (एजीएम) आम तौर पर मुंबई में बैंक के कॉर्पोरेट केंद्र में आयोजित की जाती है। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अनुसार केवल एक एजेंडा अर्थात् पिछले 31 मार्च तक बने बैंक के तुलन पत्र और लाभ-हानि खाते पर चर्चा करना और उसे अपनाना, निदेशकों की रिपोर्ट और उस पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट को एजीएम में शेयरधारकों के समक्ष रखा जाता है। भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान नहीं करते हैं।

बैंक की पिछली तीन वार्षिक महासभा बैठकों (एजीएम) का विवरण निम्नानुसार है:

- (i) वर्ष 2022-23 के लिए एजीएम 27 जून, 2023 को मुंबई में वीसी/ओएवीएम द्वारा दोपहर 3.00 बजे आयोजित की गई थी और शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान की गई थी। निम्नलिखित निदेशकों ने बैठक में भाग लिया (i) श्री दिनेश कुमार खारा (ii) श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी (iii) श्री अश्विनी कुमार तिवारी (iv) श्री आलोक कुमार चौधरी (v) श्री अनिल के शर्मा (vi) श्री केतन एस विक्रमसी (vii) श्री मृगांक एम परांजपे (viii) श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड
- (ii) वर्ष 2021-22 के लिए एजीएम 22 जून, 2022 को मुंबई में वीसी/ओएवीएम द्वारा दोपहर 3.00 बजे आयोजित की गई थी और कोविड 19 महामारी के कारण एमसीए और सेबी द्वारा प्रदान की गई छूट के अनुसार शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान की गई थी।
- (iii) वर्ष 2020-21 के लिए एजीएम 25 जून, 2021 को मुंबई में वीसी/ओएवीएम द्वारा दोपहर 03.00 बजे आयोजित की गई थी और छूट के अनुसार शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान की गई थी।

(xiii) सुश्री स्वाति गुप्ता (ix) श्री राजेश कुमार दुबे और (x) श्री धर्मेन्द्र एस शेखावत।

प्रकटीकरण

1. बैंक ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों या प्रबंधन, उनकी सहायक कंपनियों या रिश्तेदारों आदि के साथ कोई भी महत्वपूर्ण संबंधित पक्ष लेनदेन नहीं किया है, जिससे बड़े पैमाने पर बैंक के हित के साथ संभावित टकराव हो सकता है।
2. बैंक ने सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 में प्रदान की गई लागू अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। इस रिपोर्ट में गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं के कार्यान्वयन की सीमा भी दी गई है। सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट में यथा संसूचित भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाए गए अर्थदंड को छोड़कर उनके द्वारा बैंक पर कोई दंड अथवा निषेध नहीं लगाया गया है।
3. लोकहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण (पीआईडीपीआई) पर भारत सरकार के दिनांक 04.11.2011 के परिपत्र के अनुसार आपके बैंक में व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी शुरू की गई थी। उक्त नीति की समय-समय पर समीक्षा की जाती है। सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 घोषणाधड़ी या बैंक की आचार संहिता या नैतिक नीति के उल्लंघन पर प्रबंधन को रिपोर्ट करने के लिए व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी नामक एक तंत्र की स्थापना का आदेश देता है। यह पॉलिसी बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in पर उपलब्ध कराई गई है। व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी के संदर्भ में बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति तक सभी कार्मिकों की पहुंच है।
4. संबंधित पक्ष लेनदेन की भौतिकता पर नीति और महत्वपूर्ण अनुबंधों के निर्धारण करने के लिए नीति बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in या <https://bank.sbi>, <https://sbi.co.in/web/investor-relations/disclosureunderregulation-46> या <https://bank.sbi/web/investor-relations/disclosureunderregulation-46> लिंक तहत उपलब्ध हैं।

5. सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियमन 25(9) के संदर्भ में, केंद्रीय बोर्ड ने 19.04.2023 को आयोजित अपनी बैठक में सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियमन 25(8) के तहत स्वतंत्र निदेशकों से प्राप्त घोषणा और पुष्टि को रिकॉर्ड में लिया है और स्वतंत्र निदेशक सेबी (एलओडीआर) विनियमों के विनियमन 16(1)(बी) के तहत निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।
6. विनियमों की अनुसूची II के भाग ई में विनिर्दिष्ट विवेकाधीन अपेक्षाएं निम्नानुसार हैं: (i) बैंक का एक कार्यकारी अध्यक्ष है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा SBI अधिनियम, 1955 की धारा 19 (ए) के तहत नियुक्त किया गया है (ii) बैंक अपने निवेशकों/विश्लेषकों के लिए तिमाही आधार पर वित्तीय प्रदर्शन पर प्रस्तुति तैयार करता है और उसकी प्रति निवेशकों की जानकारी के लिए बीएससी व एनएससी तथा बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराता है। (iii) स्टॉक एक्सचेंजों के में एक घोषणा प्रस्तुत की है कि बैंक के सांविधिक लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए असंशोधित अभिमत के साथ लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (स्टैंडअलोन और समेकित) पर ऑडिट रिपोर्ट जारी की है। (iv) बैंक का अलग आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है जो आवधिक रूप से अपनी रिपोर्ट सीधे बैंक की लेखापरीक्षा समिति, सेबी (एलओडीआर) को प्रस्तुत करता है।
7. बैंक ने विनियम 17 से 27 में निर्दिष्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस अपेक्षाओं और विनियमन 46(2) के खंड (बी) से (i) और अनुसूची V के पैरा सी, डी और ई का इस सीमा तक अनुपालन किया है कि खंड की अपेक्षाएं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के प्रावधानों, उसके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों या निर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।

8. वित्तीय वर्ष 2023 - 24 के दौरान बैंक की प्रतिभूतियों को ट्रेडिंग से हटाया नहीं गया था।
9. बैंक के गैर-कार्यपालक निदेशकों का बैंक के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेन-देन नहीं होता है, सिवाय इसके कि बैंकिंग कारोबार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान किए गए लेनदेनों की सीमा और बैंक के बोर्ड की बैठकों और समिति की बैठकों में उनकी उपस्थिति के लिए बैंक द्वारा उन्हें भुगतान किए गए बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है।

संचार का साधन

बैंक का दृढ़ विश्वास है कि सभी हितधारकों को कार्यकलापों, प्रदर्शन और उत्पाद पहलों पर पूरी जानकारी मिलनी चाहिए। वर्ष 2023-24 के लिए बैंक के वार्षिक, अर्धवार्षिक और त्रैमासिक परिणाम भारत में व्यापक प्रसार वाले देश के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए। परिणाम बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in या <https://bank.sbi> पर भी प्रदर्शित किए गए। वार्षिक रिपोर्ट की सॉफ्ट प्रतियां उन सभी शेयरधारकों को भेजी जाती हैं जिन्होंने अपना ई-मेल पता बैंक या डिजिटरी के साथ पंजीकृत किया है और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति उन शेयरधारकों को भेजी जा रही है जो विशेष रूप से इसके लिए अनुरोध करते हैं। बैंक की वेबसाइट पर अन्य बातों के साथ-साथ बैंक की आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति, बैंक की वार्षिक रिपोर्ट, अर्ध-वार्षिक और तिमाही परिणाम और विभिन्न उत्पाद पेशकशों का विवरण प्रदर्शित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष वार्षिक/अर्धवार्षिक/त्रैमासिक परिणाम घोषित होने के बाद, उसी दिन एक प्रेस-मीट आयोजित की जाती है, जिसमें अध्यक्ष मीडिया को संबोधित और उनके प्रश्नों के उत्तर देते हैं। इसके बाद एक और बैठक होती है जहां विश्लेषकों/निवेशकों को आमंत्रित किया जाता है। बैठक में बैंक के प्रदर्शन पर विश्लेषकों/निवेशकों के साथ चर्चा की जाती है। तिमाही परिणाम घोषित करने के बाद प्रेस अधिसूचनाएं जारी की जाती हैं और उसकी प्रति निवेशकों/विश्लेषकों के लिए बैंक के प्रदर्शन पर की गई प्रस्तुति की प्रति के साथ स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत की जाती है।

शेयरधारकों के लिए सामान्य जानकारी

वार्षिक महासभा: दिनांक: 19.06.2024, समय दोपहर 03.00 बजे स्थान: स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई - 400 021, वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित।

वित्तीय कैलेंडर: : 01.04.2023 से 31.03.2024

लाभांश भुगतान तिथि: : 05.06.2024

स्टाफ एक्सचेंजों पर प्रतिभूतियों की लिस्टिंग : बीएसई लिमिटेड, मुम्बई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुम्बई। जीडीआर लंदन स्टॉक एक्सचेंज (एलएससी) में सूचीबद्ध हैं, डॉलर मूल्यवर्ग बॉन्ड सिंगापुर एक्सचेंज लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। एलएसई सहित सभी स्टॉक एक्सचेंजों को आज की तारीख तक सूचीबद्धता शुल्क का भुगतान कर दिया गया है। स्टॉक कोड 500112 (बीएसई), एसबीआईएन (एनएसई), सीयूएसआईपी US8565522039 (एलएसई)

स्टॉक कोड/सीयूएसआईपी शेयर ट्रांसफर सिस्टम : सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार, प्रतिभूतियों का हस्तांतरण 01 अप्रैल, 2019 से केवल डीमैट रूप में प्रभावी होगा। इसके अलावा, शेयरों के हस्तांतरण के बदले में, सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार आरटीए द्वारा हस्तांतरित शेयरों के सभी विवरणों वाला पुष्टि पत्र जारी किया जाएगा। तिमाही शेयर अंतरण लेखा परीक्षा और शेयर पूंजी लेखा परीक्षा का मिलान कंपनी सचिवों की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा किया जाता है।

रजिस्ट्रार व ट्रांसफर एजेंट (वर्तमान) : मेसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड

यूनिट पता : 205-208, अनारकली कॉम्पलेक्स, ए/7, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110055

फोन नंबर : 011 42541234, 7290071335

ईमेल पता : sbi.igr@alankit.com

पत्राचार के लिए पता : एसबीआई, शेयर्स एवं बॉण्ड विभाग, कॉर्पोरेट केंद्र, 14वां तल, स्टेट बैंक भवन, मादाम कामा रोड, नरीमन प्वाइंट, मुंबई 400 021.

टेलीफोन : (022) 22740841 to 22740848

फैक्स : (022) 2285 5348

ईमेल पता : investor.complaints@sbi.co.in / dgm.snb@sbi.co.in

पूरे संपर्क विवरण के साथ डिबेंचर : आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड, एशियन बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर, 17, आर. कमानी मार्ग, बलार्ड एस्टेट, मुंबई - 400 001
ट्रस्टियों का नाम (रु में जारी) : संपर्क नंबर 91-22-4080 7006 फैक्स नंबर: 91-22-6631 1776
कैपिटल इंस्ट्रूमेंट्स) : एक्सिस ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड, एक्सिस हाउस, बॉम्बे डाइंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग मार्ग, वर्ली, मुंबई - 400 025
संपर्क नंबर 91-22-6230 0451 फैक्स: +91-22-6230 0700

ई-पहल: नवीनतम सेबी दिशानिर्देशों के अनुसार एलओडीआर के विनियम 36 (1) (बी), और (सी) और विनियमन 58 (1) (बी) और (सी) की आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया है और इसलिए वार्षिक रिपोर्ट शेयरधारकों को उनके पंजीकृत मेल पते पर केवल इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से अग्रेषित की जाएगी। इसके अलावा, वार्षिक रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट <https://bank.sbi/> वेब/निवेशक-संबंध/वार्षिक-रिपोर्ट से डाउनलोड की जा सकती है।

निवेशकों का हित

निवेशकों की उनकी होल्डिंग के संबंध में विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बैंक का मुंबई में शेयर और बांड विभाग कार्यरत है। निवेशकों की शिकायतें, चाहे वे बैंक के कार्यालयों में प्राप्त हों अथवा रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंटों के कार्यालय में प्राप्त हों,

का शीघ्रता से निवारण किया जाता है और शीर्ष प्रबंधन स्तर पर उनकी निगरानी की जाती है। बैंक ने वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम आयोजित करने और सभी शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है।

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियमन 44 (6) के संदर्भ में, बैंक एजीएम की कार्यवाही का एक तरफा लाइव वेबकास्ट करता है। शेयरधारकों के लिए वेबकास्ट सुविधा 19.06.2024 को दोपहर 02:30 बजे से <https://www.evoting.nsdl.com/> or <https://bank.sbi> पर उपलब्ध होगी।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान पूंजी वृद्धि

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कोई इक्विटी पूंजी नहीं जुटाई गई।

बकाया वैश्विक डिपॉजिटरी रसीदें (जीडीआर)

वर्ष 1996 में जीडीआर जारी करते समय, सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दोतरफा प्रतिरूपता की अनुमति नहीं दी गई थी, अर्थात् यदि जीडीआर धारक भारतीय कंपनी के अंतर्गत इक्विटी शेयर प्राप्त करना चाहता है तो ऐसे जीडीआर को भारतीय कंपनी के शेयरों में परिवर्तित किया जाना था, लेकिन इसके विपरीत नहीं। बाद में, भारत सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एडीआर/जीडीआर की दोतरफा प्रतिरूपता की अनुमति दी गई थी। बैंक ने बैंक के जीडीआर कार्यक्रम के लिए दो-तरफा लचीलापन की अनुमति दी है। 31 मार्च 2024 को बैंक के पास 9,58,88,67 जीडीआर थे, जो 9,58,88,670 इक्विटी शेयर का प्रतिनिधित्व करते थे

दावारहित शेयर

शेयरधारकों की श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	बकाया शेयर
वर्ष के आरंभ में दावारहित उचित खाते में पड़े बकाया शेयरों एवं शेयरधारकों की संख्या	1,712	4,63,970
जोड़ें - वर्ष के आरंभ में दावारहित उचित खाते में पड़े बकाया शेयरों एवं ई-एसबीबीजे शेयरधारकों की संख्या	549	2,66,768
कुल	2,261	7,30,738
वर्ष के दौरान 49,090 दावारहित उचित खाते से शेयर अंतरण के लिए जारीकर्ता से संपर्क करने वाले शेयरधारकों की संख्या वर्ष के दौरान दावारहित 49,090 उचित खाते से जिन शेयरधारकों को शेयर अंतरित किए गए उनकी संख्या	288	1,57,652
वर्ष के अंत में उचित खाते में पड़े दावारहित बकाया शेयरों और शेयरधारकों की कुल संख्या	1,973	5,73,086

ऐसे अदावाकृत शेयरों पर मतदान अधिकार तब तक स्थगित रहेंगे जब तक कि ऐसे शेयरों का सही मालिक शेयरों का दावा नहीं करता।

लाभांश वितरण नीति

बैंक की लाभांश वितरण नीति केंद्रीय बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। पॉलिसी बैंक की वेबसाइट वेबपेज के कोड और नीतियां अनुभाग के तहत: <https://bank.sbi/web/investorrelations/disclosure-under-regulation-46> पर उपलब्ध है

डेरिवेटिव ट्रांज़ैक्शन पर गुणात्मक प्रकटीकरण वित्तीय वर्ष 2023-24

वर्तमान में, ब्याज दर एवं मुद्रा जोखिम से बचाव के लिए ओवर द काउंटर (ओटीसी) डेरिवेटिव्स में सौदे करता है। यह एक्सचेंज ट्रेडेड इंटरस्ट रेट फ्यूचर्स, करेंसी फ्यूचर्स और करेंसी ऑप्शंस में भी व्यवसाय करता है।

बैंक द्वारा रुपया ब्याज दर अदला-बदली (ओआईएस), विदेशी मुद्रा ब्याज दर अदला-बदली (आईआरएस), फॉरवर्ड रेट करार (एफआर), कैप्स, फ्लोर्स एवं कॉलर्स के ब्याज दर डेरिवेटिव्स का काम किया जाता है। बैंक द्वारा किए जाने वाले करेंसी डेरिवेटिव्स व्यवसाय में मुद्रा अदला-बदली (सीआईआरएस/सीसीएस), यूएसडी/भारतीय रुपया ऑप्शंस एवं क्रॉस-करेंसी ऑप्शंस शामिल हैं। बैंक द्वारा आरबीआई की स्वीकृति के अनुरूप एलडीएफ ट्रेड भी किया जाता है।

बैंक ग्राहकों को यह उत्पाद उनके निवेश की बचाव व्यवस्था के लिए दिए जाते हैं। इनका उपयोग बैंक बैलेंस शीट जोखिम को कम करने के लिए भी किया जाता है। जहां कहीं भी अवसर मिलता है वहां पर चुनिंदा तरीके से निर्धारित जोखिम सीमा में ट्रेडिंग/आर्बिटरज कार्य भी किया जाता है।

बैंक द्वारा यूएसडी/आईएनआर ऑप्शन बुक कार्य किया जाता है तथा प्रभावी रूप से ग्रीक

लिमिट का प्रबंधन भी किया जाता है। बैंक द्वारा यूएसडी/आईएनआर स्वैप कीमत बनाने के लिए एमआईएफओआर बुक भी उपयोग की जाती है। डेरिवेटिव लेनदेन में बाजार जोखिम होता है अर्थात्, ब्याज दरों एवं/या विनिमय दरों के प्रतिकूल उतार-चढ़ाव से बैंक को होने वाली संभावित हानि। डेरिवेटिव स्थिति में ऋण जोखिम भी निहित होता है अर्थात् अगर प्रति-पक्षकार अपना दायित्व पूरा नहीं कर पाते हैं तो बैंक को होने वाली संभावित हानि। बोर्ड द्वारा अनुमोदित बैंक की 'डेरिवेटिव्स नीति' में जोखिम से निपटने के उपाय का उल्लेख किया गया है। नीति में बाजार जोखिम मानदंडों (ग्रीक लिमिट्स, हानि की सीमा, कट-लॉन ट्रिगर्स, ओपन पोजीशन लिमिट्स, वीएआर, संशोधित अवधि, पीवी01 आदि) का स्पष्ट उल्लेख किया गया है तथा उनका सख्ती से पालन किया जाता है। ऋण जोखिम नियंत्रित करने के लिए नीति में ग्राहक/प्रति-पक्षकार पात्रता (क्रेडिट रेटिंग, संबंध की अवधि, सीईएल सीमा की उपलब्धता, ग्राहक उपयुक्तता एवं अनुकूलता (सीएसए) परीक्षण आदि) नियत की गई है जिसका सख्ती से अनुपालन किया जाता है। दायित्वों को पूरा करने की उनकी योग्यता को ध्यान में रखते हुए प्रतिपक्षकारों (काउंटरपार्टी) के लिए उपयुक्त सीमाएं निर्धारित की जाती हैं। बैंक द्वारा कारपरेट एवं अंतर-बैंक दोनों डेरिवेटिव प्रतिपक्षकारों के साथ आईएसडीए करार निष्पादित किया जाता है। प्रत्येक अंतर-बैंक प्रतिपक्षकार (काउंटरपार्टी) के लिए, जोखिम वॉटकल द्वारा प्रतिपक्षकार निवेश सीमा नियत की जाती है। बैंक ने कुछ प्रतिपक्षकारों के साथ आईएसडीए मास्टर करार के भाग के रूप में सीएसए निष्पादित किया है। सीएसए की शर्तों के अनुसार, मबाजार भाव के भीतर डेरिवेटिव स्थिति से उभरे ऋण जोखिम को सीमित करने के लिए कोलाटरल

को स्वैप काउंटरपार्टियों के साथ अंतरित या पोस्ट किया जाता है।

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) द्वारा इन जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन किया जाता है। बैंक का बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान की जाती है, उपाय किया जाता है एवं निगरानी की जाती है। एमआरएमडी द्वारा इन जोखिमों के नियंत्रण एवं प्रबंधन में एएलसीओ की सहायता करता है तथा नियमित अंतराल पर पॉलिसी के दिशानिर्देशों के अनुपालन की रिपोर्ट बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को प्रस्तुत किया जाता है।

डेरिवेटिव्स की एकाउंटिंग नीति को आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार बनाया गया है, जिसका विवरण अनुसूची 17: प्रमुख लेखा नीति (पीएपी) के तहत दिया गया है।

सेबी (एलओडीआर) (संशोधन) विनियम 2018 (सूचीकरण विनियम) के अंतर्गत प्रकटीकरण

1. बैंक के केंद्रीय बोर्ड ने सेबी (एलओडीआर) विनियमों में संशोधन के संदर्भ में क्रमशः लेखा परीक्षा, हितधारक संबंध, जोखिम प्रबंधन और नामांकन और पारिश्रमिक समिति जैसी विभिन्न बोर्ड स्तरीय समितियों के विचारार्थ विषयों/भूमिका/पुनर्गठन की समीक्षा की है और उन्हें अनुमोदित किया है। विचारार्थ विषय/भूमिका/अधिदेश एनआरसी की समीक्षा की गई और केंद्रीय बोर्ड ने 27.09.2023 को आयोजित अपनी बैठक में इसे मंजूरी दी। बोर्ड स्तर की अन्य समितियों के विचारार्थ

विषयों/भूमिका की समीक्षा पिछली बार सेबी (एलओडीआर) के अनुरूप केन्द्रीय बोर्ड द्वारा 06.03.2019 को की गई थी संशोधन विनियम, 2018. वर्ष के दौरान बोर्ड स्तरीय समितियों के अंतिम पुनर्गठन को केन्द्रीय बोर्ड ने 21.06.2023 को आयोजित अपनी बैठक में मंजूरी दे दी है और यह 26.06.2023 से प्रभावी है।

2. सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 24क के अनुसार 31.03.2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट वाषक रिपोर्ट में संलग्न है।
3. वित्त वर्ष 2024 के दौरान बैंक ने अधिमान्य आवंटन या योग्य संस्थागत प्लेसमेंट के माध्यम से पूंजी नहीं जुटाई। इसलिए सेबी (एलओडीआर), विनियम, 2015 के विनियम

32(1) के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के पास जुटाई गई निधियों के उपयोग में विचलन/ भिन्नता का शून्य विवरण दायर किया गया था।

4. बैंक ने लिस्टिंग विनियमों के विनियम 34 और अनुसूची V के तहत प्रमाण पत्र प्राप्त किया है और बैंक के किसी भी निदेशक को किसी भी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किए जाने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। (प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न)
5. स्वतंत्र निदेशकों के लिए प्रदान किए गए परिचित कार्यक्रमों के विवरण का प्रकटीकरण बैंक की वेबसाइट पर वेब लिंक <https://sbi.co.in/web/corporate-governance/corporate-governance> पर नियामक प्रकटीकरण टैब के तहत किया गया है।

6. सूचीबद्धता विनियमों की अनुसूची त पैरा सी, खंड 10(के) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मौजूदा सांविधिक केन्द्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) को भुगतान किया गया कुल शुल्क केवल 6,14,30,705.70 रुपये है।
7. जहां बोर्ड ने वित्त वर्ष 2023-24 में बोर्ड की किसी भी समिति की किसी भी सिफारिश को स्वीकार नहीं किया था, जो अनिवार्य रूप से आवश्यक है - शून्य
8. सूचीबद्ध इकाई की तुलना में गैर-कार्यकारी निदेशक के सभी आर्थिक संबंध या लेनदेन - शून्य
9. वरिष्ठ प्रबंधन: 31 मार्च, 2024 तक पिछले वित्तीय वर्ष के वरिष्ठ प्रबंधन की समाप्ति के बाद से उसमें बदलाव सहित वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण

क्र.सं. नाम	वर्तमान पदस्थापना
1. श्री एस. सली	डीएमडी एवं सीसीओ, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
2. श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	डीएमडी (रिटेल-पी आरई), सीसी मुंबई
3. श्रीमती सलोनी नारायण	डीएमडी (वित्त), सीसी, मुंबई
4. श्री महेश कुमार शर्मा	डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल), सीसी, मुंबई
5. श्री आर. विश्वनाथन	डीएमडी (आंतरिक लेखा परीक्षा), सीसी, हैदराबाद
6. श्री राम मोहन राव अमारा	डीएमडी एंड सीआरओ
7. श्री नितिन चुध	डीएमडी और प्रमुख (डिजिटल बैंकिंग और परिवर्तन)
8. श्री बी. शंकर	डीएमडी एसएआरजी, सीसी मुंबई
9. श्रीमती रूमा डे	डीएमडी और समूह अनुपालन अधिकारी, सीसी, मुंबई
10. श्री अमिताभ चटर्जी	डीएमडी (सीसीजी-खख), कमर्शियल क्लाइंट्स ग्रुप सीसी, मुंबई
11. श्रीमती विद्या कृष्णन	डीएमडी (आईटी), जीआईटीसी, नवी मुंबई
12. श्री गुलशन मलिक	डीएमडी (सीसीजी-ख), सीसीजी सीसी, मुंबई अति.प्रभार डीएमडी (सीएजी)
13. श्री प्रवीण राघवेंद्र	डीएमडी और सीओओ, सीसी मुंबई
14. श्री नंद किशोर	डीएमडी (ग्लोबल मार्केट्स), सीसी, मुंबई
15. सुश्री जयति बंसल	डीएमडी, आईबीजी
16. श्री सुरेंद्र राणा	डीएमडी (खुदरा-कृषि, एसएमई और एफआई), सीसी मुंबई
17. श्री बिनोद कुमार मिश्रा	डीएमडी (मानव संसाधन) और सीडीओ
18. श्री कामेश्वर राव कोडवंती	मुख्य वित्तीय अधिकारी, सीसी मुंबई

पिछले वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद से वरिष्ठ प्रबंधन में परिवर्तन (31.03.2023 से 31.03.2024 तक)

नाम	पदनाम	परिवर्तन का कारण
श्री विनय एम. तोन्से	डीएमडी कॉरपोरेट लेखा समूह सीसी मुंबई	एमडी के रूप में पदोन्नत
श्री नंद किशोर	डीएमडी (ग्लोबल मार्केट्स) सीसी मुंबई	नियुक्ति
सुश्री जयति बंसल	डीएमडी, आईबीजी, सीसी, मुंबई	नियुक्ति
श्री सुरेंद्र राणा	डीएमडी (रिटेल-एजी, एसएमई और एफआई) सीसी मुंबई	नियुक्ति
श्री बिनोद कुमार मिश्रा	डीएमडी (एचआर) और सीडीओ सीसी मुंबई	नियुक्ति
श्री कामेश्वर राव कोडवंती	मुख्य वित्तीय अधिकारी सीसी मुंबई	नियुक्ति

नाम	पदनाम	परिवर्तन का कारण
श्री सली एस.	डीएमडी और सीसीओ, सीसी मुंबई	कोई बदलाव नहीं
श्रीमती सलोनी नारायण	डीएमडी (फाइनेंस), सीसी, मुंबई	कोई बदलाव नहीं
श्री विश्वनाथन रामनाथन	डीएमडी (आंतरिक लेखा परीक्षा) सीसी, हैदराबाद।	कोई बदलाव नहीं
श्री नितिन चुग	डीएमडी एवं हेड (डिजिटल बैंकिंग एंड ट्रांसफॉर्मेशन)	कोई बदलाव नहीं
श्रीमती रूमा डे	डीएमडी और समूह अनुपालन अधिकारी, सीसी, मुंबई	कोई बदलाव नहीं
श्रीमती विद्या कृष्णन	डीएमडी (आईटी), जीआईटीसी, नवी मुंबई	कोई बदलाव नहीं
श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	डीएमडी (ट्रांजेक्शन बैंकिंग और नई पहलें) सीसी मुंबई से डीएमडी (रिटेल-पी एंड आरई) सीसी मुंबई	स्थानांतरण
श्री महेश कुमार शर्मा	एमडी एंड सीईओ, एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कं.लि. से डीएमडी (ट्रांसेक्शन बैंकिंग एवं न्यु इनियाऐटिव)सीसी मुंबई	स्थानांतरण
श्री अमर राममोहन राव	एमडी और सीईओ, एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड, गुडगांव से डीएमडी और मुख्य जोखिम अधिकारी सीसी मुंबई	स्थानांतरण
श्री बी. शंकर	डीएमडी एंड सीओओ सीसी मुंबई डीएमडी एसएआरजी सीसी मुंबई	स्थानांतरण
श्री अमिताभ चटर्जी	एमडी एंडसीईओ, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. मुंबई से डीएमडी (सीसीजी-II), वाणिज्यिक ग्राहक समूह सीसी, मुंबई	स्थानांतरण
श्री गुलशन मालिक	डीएमडी कमर्शियल क्लाइंट्स ग्रुप सीसी, मुंबई से डीएमडी (सीसीजी-आई), सीसीजी सीसी, मुंबई एडिशनल चार्ज डीएमडी (सीएजी)	स्थानांतरण
श्री प्रवीण राघवेंद्र	डीएमडी (रिटेल-अग्रि, एसएमई एंड एफआई) सीसी, मुंबई से डीएमडी एंड सीओओ सीसी, मुंबई	स्थानांतरण
श्री प्रकाश चन्द्र कांडपाल	डीएमडी (रिटेल-पी एंड आरई) सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री सुरेष्ठी श्रीनिवास राव	डीएमडी और सीआरओ, सीसी, मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री संजय डी. नायक	डीएमडी, आईबीजी, सीसी, मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री सुब्रत बिस्वास	डीएमडी एसएआरजी सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री ओम प्रकाश मिश्रा	डीएमडी (एचआर) और सीडीओ, सीसी, मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री राघवेंद्र राव बालकृष्ण	डीएमडी ग्लोबल मार्केट्स सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री प्रबोध पारिख	डीएमडी सीसी मुंबई	सेवानिवृत्ति
श्री चरणजीत सुरिंदर सिंह	मुख्य वित्तीय अधिकारी सीसी मुंबई	त्यागपत्र

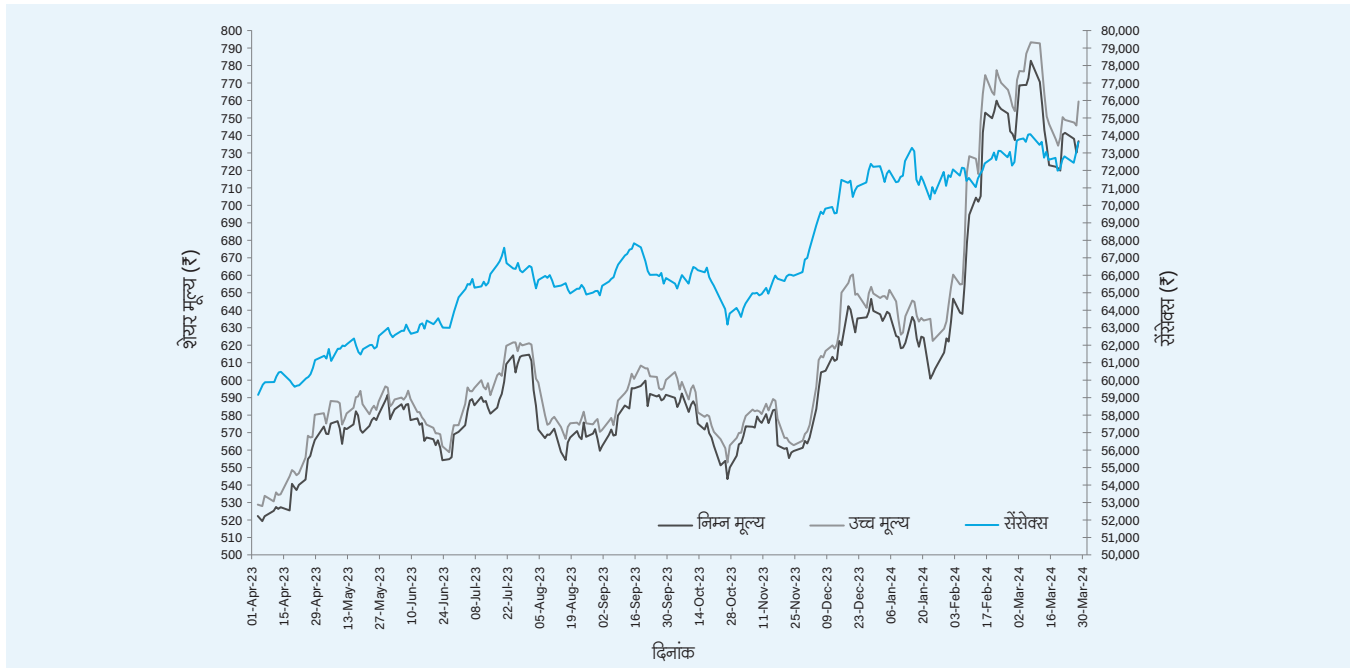
10. **क्रेडिट रेटिंग:** वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बैंक द्वारा प्राप्त सभी क्रेडिट रेटिंग की सूची और उसमें किसी भी संशोधन के साथ, धन जुटाने से जुड़े सभी ऋण साधनों के लिए, चाहे वह भारत में हो या विदेश में।

रेटिंग एजेंसी	रेटिंग					आउटलुक
	अतिरिक्त टियर 1	टियर 2	दीर्घावधि बांड	सर्टिफिकेट ऑफ डिपास्टि	ऋण शुभ उशांकि	
क्रिसिल	AA+	AAA			AAA	स्टेबल
सीएआरई	AA+	AAA			AAA	स्टेबल
आईसीआरए	AA+	AAA	AAA			स्टेबल
इंडिया रेटिंग्स	AA+	AAA	AAA	A1+		स्टेबल
रेटिंग एजेंसी	रेटिंग/ आउटलुक					
मूडीस	बीए 3/स्टेबल/पी-3					
एस एंड पी	बीबीबी- 3/स्टेबल/ए-3					
फिच रेटिंग	बीबीबी- 3/स्टेबल/एफ-3					

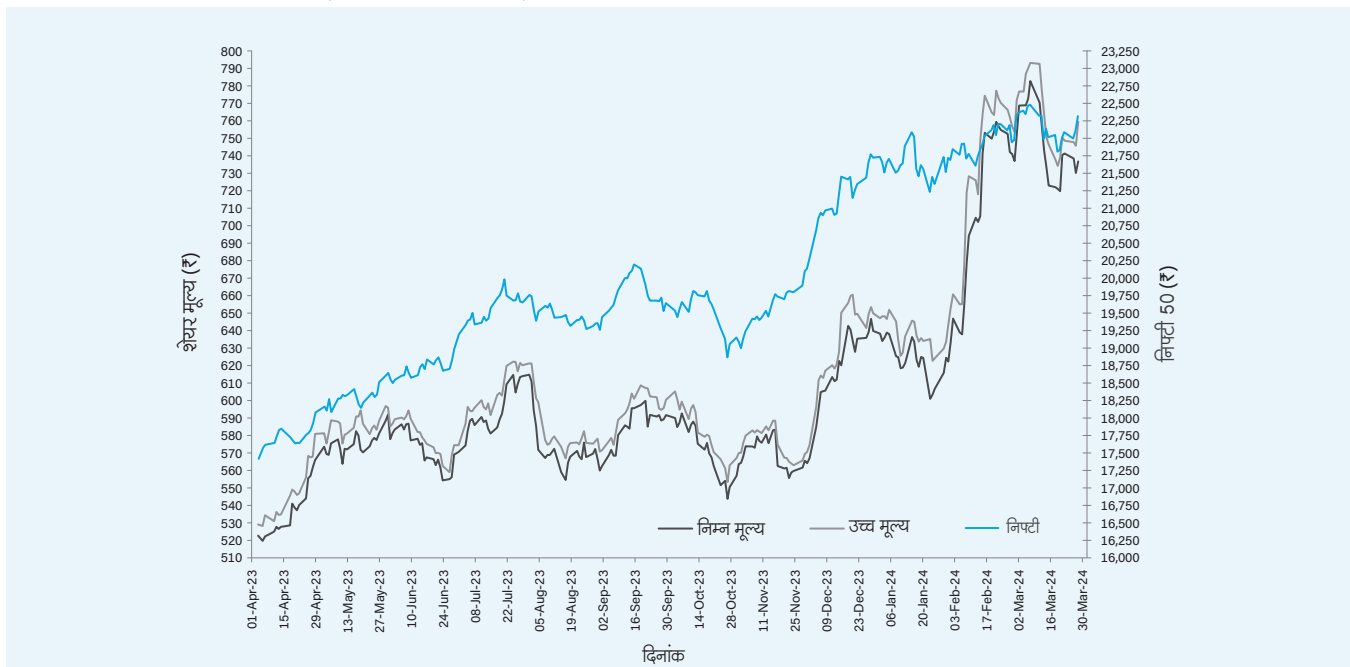
शेयर मूल्य संचलन

बीएससी सेंसेक्स / एनएसई निफ्टी के साथ एसबीआई शेयर मूल्य (चढ़ाव और उच्च) की गति निम्नलिखित रेखांकन में प्रस्तुत की गई है।

बीएसई में स्टॉक का प्रदर्शन (विव. 2023-24)



एनएसई में स्टॉक का प्रदर्शन (विव. 2023-24)



बाजार मूल्य आँकड़े

माह	बीएसई (₹)		एनएसई (₹)		एलएसई अमरीकी डालर	
	उच्चतम	न्यूनतम	उच्चतम	न्यूनतम	उच्चतम	न्यूनतम
अप्रैल-23	578.05	522.80	578.30	523.00	70.67	63.77
मई - 23	594.95	570.20	595.00	570.50	71.67	69.72
जून-23	588.95	554.70	589.20	554.60	71.37	67.60
जुलाई-23	620.10	584.45	620.20	584.40	75.41	71.13
अगस्त - 23	611.75	560.60	611.85	560.80	74.38	67.61
सितम्बर-23	603.95	569.70	603.95	569.55	72.53	68.86
अक्टूबर-23	602.95	547.15	602.95	547.00	72.46	65.72
नवंबर-23	584.65	559.10	584.70	558.95	70.65	67.08
दिसम्बर-22	655.60	571.85	655.40	571.75	78.79	68.64
जनवरी- 24	643.40	605.05	643.45	605.10	77.76	72.76
फरवरी- 24	771.55	643.10	771.50	642.95	92.98	77.40
मार्च-24	788.15	723.10	788.05	723.80	95.19	87.16

नोट: मासिक उच्च और निम्न शेयर के दैनिक समापन मूल्य से निकाला जाता है। शेयर के अनुसार बुक वैल्यू रु. 31 मार्च 2024 को रु. 363.84

31 मार्च, 2024 को शेयरधारिता का विवरण

क्रम	विवरण	कुल शेयरों का %
1	भारत के राष्ट्रपति	56.92
2	अनिवासी (एफआईआई/ओसीबी/एनआरआई/सीडीआर)	12.35
3	म्यूचुअल फंड एवं यूटीआई	11.96
4	निजी कारपोरेट निकाय	0.62
5	बैंक/वित्तीय संस्थाएं/बीमा कंपनी आदि	11.78
6	अन्य (निवासी व्यक्तियों सहित)	6.37
योग		100.00

31 मार्च 2024 तक शीर्ष दस शेयरधारक

क्र.सं.	कुल इक्विटी में शेयरों का %	कुल इक्विटी में शेयरों का %
1	भारत के राष्ट्रपति	56.92
2	भारतीय जीवन बीमा निगम	8.83
3	एसबीआई म्यूचुअल फंड	2.94
4	एचडीएफसी म्यूचुअल फंड	1.73
5	एनपीएस ट्रस्ट	1.33
6	द बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलन	1.07
7	निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड	1.05
8	सिंगापुर सरकार	1.05
9	आईसीआईसी प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड	1.00
10	कोटक म्यूचुअल फंड	0.79

शेयरों को डीमैट करना एवं तरलता: बैंक के इक्विटी शेयर की ट्रेडिंग अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से की जाती है। 31 मार्च, 2024 तक, कुल इक्विटी पूंजी के 99.34% का प्रतिनिधित्व करने वाले 8,86,55,74,678 शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे गए थे।

विवरण	शेयर धारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयर %
एनएसडीएल	12,58,446	3,50,56,96,180	39.28
सीडीएसएल	18,77,632	5,35,98,78,498	60.06
भौतिक	1,48,837	5,90,37,256	0.66
योग	32,84,915	8,92,46,11,934	100.00

वितरण अनुसूची - 31.03.2024 तक समेकित (प्रत्येक का अंकित मूल्य रु 1)

श्रेणी (शेयर)	मामलों की संख्या	मामलों का %	राशि	राशि का %
1-5000	32,74,211	99.67	48,28,11,834	5.41
5001-10000	5,549	0.17	3,92,78,486	0.44
10001-20000	2,259	0.07	3,14,70,939	0.35
20001-30000	672	0.02	1,66,32,458	0.19
30001-40000	291	0.01	1,02,25,908	0.11
40001-50000	215	0.01	98,02,177	0.11
50001-100000	448	0.01	3,21,29,123	0.36
100001-अधिक	1,270	0.04	8,30,22,61,009	93.03
योग	32,84,915	100	8,92,46,11,934	100

अनुलग्नक ।

31 मार्च, 2024 को बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशकों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी

सनदी लेखाकार (सीए) केतन एस. विकमसी

सीए केतन एस विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत 26 जून, 2023 से 25 जून, 2026 तक की अवधि के लिए शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित निदेशक हैं। श्री विकमसी केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (पूर्ववर्ती खिमजी कुंवरजी एंड कंपनी एलएलपी) में वरिष्ठ भागीदार हैं, इस फर्म की स्थापना 1936 में हुई थी। उनकी योग्यताओं में आइसीएआइ का आइएफआरएस सर्टिफिकेशन; आइसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआईएसए) में डिप्लोमा; और आइडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल है। वे भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान के साथ एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पंजीकृत हैं।

उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण प्रतिष्ठानों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखापरीक्षा के क्षेत्र में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, आइसीएआइ की क्षेत्रीय परिषदों, आइसीएआइ, भारतीय रिजर्व बैंक, सीएजी व कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष रहे हैं। वे विपश्यना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के केंद्रीय स्थल पर 150 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में उनकी गहरी रुचि है और उन्हें नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करना पसंद है।

श्री मृगांक एम. परांजपे

श्री मृगांक एम परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून, 2023 से 25 जून, 2026 तक के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट

डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। पूंजी और क्मोडिटी बाजार विशेषज्ञ के रूप में उन्हें ख्यातिप्राप्त है। वह सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष और ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं।

उन्हें विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन और स्टॉक ब्रोकिंग में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वर्तमान में वे एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। इससे पहले वे मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे हैं। उससे पूर्व वे सिंगापुर और भारत में ज्यूश बैंक में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर रहे। पूर्व में उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, इंडिया इन्फोलाइन, आईएनजी बैरिंग्स और सिटीबैंक के साथ कार्य किया है।

श्री राजेश कुमार दुबे

श्री राजेश कुमार दुबे एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा 26 जून, 2023 से 25 जून, 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। वर्ष 1988 में वे सीधी भर्ती के माध्यम से अधिकारी के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम में शामिल हुए और फरवरी 2024 में कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में सेवानिवृत्त हुए। श्री दुबे इंजीनियरिंग डिग्री धारक हैं। भारत के जीवन बीमा निगम में 36 वर्षों की सेवा में श्री दुबे को भारत और विदेश (यूके) में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं में अनुभव हासिल है। सेवा की प्रारंभिक अवधि के दौरान उन्होंने व्यक्तिगत और समूह व्यवसाय दोनों में सामान्य प्रशासन, ग्राहक सेवा और विपणन में एक्सपोजर के साथ शाखाओं में कार्य किया। तत्पश्चात, वे चार वर्ष तक एलआईसी के यूके कार्यालय में प्रबंधक (बिक्री) के रूप में तैनात रहे और मुंबई एवं बेंगलुरु में निगम के डिवीजनल कार्यालयों का नेतृत्व भी किया।

आईटी, न्यू बिजनेस, इंटरनेशनल ऑपरेशंस, कार्मिक/प्रशासन, सीआरएम, मार्केटिंग, यूलिप,

ईआर-डिसिप्लिन और कार्मिक में विभिन्न विभागों में एक्सपोजर के बाद श्री राजेश कुमार दुबे ने 22 अप्रैल, 2021 को कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) की भूमिका संगठन के भीतर जनशक्ति योजना, नियुक्ति, मूल्यांकन, अनुशासन और औद्योगिक संबंधों के विकास की जिम्मेदारियों के साथ एक विशेषज्ञ पद है। आईटी, सीआरएम, यूलिप और कार्मिक में अपने कार्यों के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रक्रियाओं को कागज रहित बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में अपनी टीमों का मार्गदर्शन किया, जिससे अधिकृत कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की अनुमति मिली और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में। उन्होंने निजी क्लाउड पर यूलिप प्रशासन के केंद्रीकरण, प्रौद्योगिकी के एकीकरण (यूडीआईटी) के माध्यम से उन्नत अनुशासनात्मक वर्कफ्लो के विकास और कार्यान्वयन और एचआरएमएस के कार्यान्वयन के लिए वेंडर चयन प्रक्रिया को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने आईआईएम, आईएसबी, एनआईए और सीएफआरएल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और सीआईआई, यूके से वित्तीय योजना प्रमाणपत्र हासिल किया है और उन्हें केएसएफसी और टीएफसीआई के बोर्ड पर नामित निदेशक के रूप में भी कार्य करने का अनुभव प्राप्त है।

सनदी लेखाकार (सीए) धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

सीए धर्मेन्द्र सिंह शेखावत एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19 (सी) के तहत शेयरधारकों द्वारा 26 जून, 2023 से 25 जून, 2026 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। उन्होंने वाणिज्य में स्नातक किया है और वे पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं। वे सितंबर 2002 से मेसर्स डीएस शेखावत एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के मुख्य भागीदार हैं तथा जसवंत सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। उन्हें अकाउंटेंसी, ऑडिट, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, लॉ, ह्यूमन रिसोर्सेज, रिस्क एंड बिजनेस मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर और रूरल इकोनॉमी में 20 से अधिक

वर्षों का विविध अनुभव और ज्ञान हासिल है। उन्होंने 22.09.2017 से 21.09.2020 तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य किया है और वे आईओसीएल बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष भी थे।

सनदी लेखाकार (सीए) प्रफुल्ल पी. छाजेड

सीए प्रफुल्ल पी. छाजेड भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 21 दिसंबर, 2021 से 3 वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो व प्रैक्टिसिंग सदस्य और सीपीए (ऑस्ट्रेलिया) के सदस्य हैं। उन्होंने एलएलबी (जनरल) किया है तथा फॉरेंसिक अकाउंटिंग एंड फ्रॉड डिटेक्शन एवं सर्टिफिकेट ऑन बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) पर आईसीएआई प्रमाणन किया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सभापति (2019-20) और आईसीएआई के डब्ल्यूआईआरसी के अध्यक्ष (2007-08) रहे हैं। वर्तमान में वे कन्फेडरेशन ऑफ एशिया एंड पैसिफिक अकाउंटेंट्स (सीएपीए), मलेशिया (2023-25) के अध्यक्ष हैं। वे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमसीएक्ससीसीएल) के अध्यक्ष और कुछ अन्य कंपनियों के बोर्ड सदस्य भी हैं। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी), न्यूयॉर्क के प्रोफेशनल अकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य थे। वे मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य हैं। इससे पूर्व, उन्होंने बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) में एक स्वतंत्र निदेशक और सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आईसीएआई अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन में निदेशक, आईसीएआई के भारतीय दिवाला पेशेवर संस्थान में निदेशक, आईसीएआई पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता संगठन में

निदेशक, एक्सटेंसिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) इंडिया में निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी) द्वारा गठित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अकाउंटेंट्स 2022 की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी (पी) लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने एसएएफए, आईएफएसी एसएमपी समिति, सीए वर्ल्डवाइड, एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में कार्य किया है। व्यापक रूप से उन्होंने दुनिया भर की यात्रा की है और भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सेमिनारों और सम्मेलनों को संबोधित किया है।

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्रीमती स्वाति गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 8 मई 2023 से तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक किया और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। वे एलएलबी डिग्री धारक भी हैं और उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान से कॉर्पोरेट लीडर्स के लिए एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम किया है।

उन्हें प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह 2012-2017 तक दिल्ली के पूर्वी दिल्ली नगर निगम की नगरनिगम पार्षद और जोनल चेयरमैन चुनी गईं। उन्हें 2017-2022 तक निगम की शिक्षा समिति का सदस्य नामित किया गया। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं और दिल्ली में एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। उन्हें महिलाओं से जुड़े मामलों, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता मुद्दों का व्यापक अनुभव है।

डॉ. विवेक जोशी, आईएसएस

डॉ. विवेक जोशी 15 नवंबर, 2022 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(ई) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। डॉ. जोशी 1989 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस)

में शामिल हुए। उन्होंने ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट जिनेवा (स्विट्जरलैंड) से अंतराष्ट्रीय अर्थशास्त्र में पीएचडी की है तथा उन्होंने प्रोफेसर रिचर्ड बाल्डविन के मार्गदर्शन में डॉक्टरेट की उपाधि पूरी की। वे रुड़की विश्वविद्यालय (अब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की) के पूर्व छात्र भी हैं, जहां उन्होंने 1987 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई किया।

डॉ. विवेक जोशी वर्तमान में 1 नवंबर, 2022 से भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवारत हैं। इस कार्य में डॉ. जोशी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों, वित्तीय समावेशन और पेंशन सुधारों सहित बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित नीतियों, योजनाओं और कानूनों से संबंधित दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। वे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड में सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।

इस पद से पूर्व, वे लगभग चार वर्षों तक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त, भारत के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने हरियाणा सरकार में प्रधान सचिव, निगरानी और समन्वय, सीईओ, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, गुरुग्राम; मुख्य प्रशासक, हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण (टीएफएच), नई दिल्ली; निदेशक स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान, पंचकूला के रूप में भी कार्य किया है। इन प्रभारों से पूर्व उन्होंने सदस्य सचिव, पांचवें राज्य वित्त आयोग और हरियाणा राज्य में डिवीजनल कमिश्नर अंबाला (2017-2018) के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। 2014-2017 के दौरान, उन्होंने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया, जहां उनकी जिम्मेदारियों में सार्वजनिक खरीद नीति निर्धारण में सरकार को परामर्श देना शामिल था। वे अर्थव्यवस्था के कुछ प्रमुख क्षेत्रों जैसे सड़क और राजमार्ग, शहरी विकास, यूआईडीएल अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और रेलवे में सार्वजनिक वित्त पोषित परियोजनाओं और योजनाओं के मूल्यांकन में भी शामिल रहे। उन्होंने स्वच्छ भारत के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सरकार द्वारा गठित सार्वजनिक कोष स्वच्छ भारत कोष (एसबीके) के पहले प्रशासक के

रूप में भी कार्य किया। उन्होंने महिला और बाल विकास मंत्रालय (2010-2014) में भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है, जहाँ बाल अधिकार और बाल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने अपना योगदान दिया।

उन्होंने वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार (2001-2006) में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है, जहाँ वे डब्ल्यूटीओ से संबंधित वस्त्र मामलों, विशेष रूप से गैर-कृषि बाजार पहुंच (एनएएमए) और वस्त्र और कपड़ा (एटीसी) वार्ताओं, जूट और कपास क्षेत्र से जुड़े समझौतों में मंत्रालय के सलाहकार रहे। उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार समझौता वार्ताओं, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौते (साफ्टा) और भारत श्रीलंका एफटीए से संबंधित मामलों में भी हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त, वे हरियाणा राज्य में उपायुक्त, संयुक्त सचिव वित्त और ट्रेजरी के निदेशक रहे हैं।

श्री अजय कुमार

श्री अजय कुमार एसबीआई अधिनियम, 1955 की धारा 19(एफ) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं, जो 14 जुलाई, 2023 से अगले आदेश तक प्रभावी है। श्री कुमार वर्तमान में कार्यपालक निदेशक (ईडी), भारतीय रिजर्व बैंक के पद पर कार्यरत हैं और उनके पास मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, परिसर विभाग, राजभाषा विभाग और केंद्रीय सुरक्षा प्रकोष्ठ का कार्यभार है। ईडी का पदभार संभालने से पूर्व वे भारतीय रिजर्व बैंक के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यरत थे। अतीत में, उन्होंने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में भारतीय रिजर्व बैंक नामिती निदेशक के रूप में कार्य किया है।

श्री कुमार ने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और बैंकिंग में एमएस किया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट एंड रिसर्च, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं। उन्होंने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो से कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम किया है और उनके पास भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सहित अन्य पेशेवर योग्यताएं हैं।

श्री कुमार दिसंबर 1991 में भारतीय रिजर्व बैंक में शामिल हुए और उन्हें बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और मुद्रा प्रबंधन के क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर काम करने का 32 वर्षों का व्यापक अनुभव है।

अनुलग्नक II

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 26 (1) के अनुपालन में 31 मार्च 2024 को बैंक सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक पद और बैंक सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में बैंक के निदेशकों द्वारा धारित लेखा परीक्षा/हितधारक समिति(यों) में अध्यक्षता/सदस्यता का विवरण

क्र.	निदेशक का नाम	पदनाम	बोर्ड में में नियुक्ति/सेवा समाप्ति की तारीख	बैंक सहित सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक पद एवं अध्यक्ष पद/लेखा परीक्षा/हितधारक समिति(यों) में सदस्यता की संख्या
1	श्री दिनेश कुमार खारा	अध्यक्ष	07.10.2023 / 28.08.2024	निदेशक: 3 समिति सदस्य: निरंक समिति के अध्यक्ष: निरंक
2	श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी	प्रबंध निदेशक	20.01.2023/ 19.01.2025	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: निरंक
3	श्री अश्विनी कुमार तिवारी	प्रबंध निदेशक	28.01.2024/ 27.01.2026	निदेशक: 3 समिति सदस्य: 4 समिति के अध्यक्ष: निरंक
4	श्री आलोक कुमार चौधरी	प्रबंध निदेशक	07.06.2022/ 30.06.2024	निदेशक: 1 समिति सदस्य: निरंक समिति के अध्यक्ष: निरंक
5	श्री विनय एम तोन्से	प्रबंध निदेशक	21.11.2023/ 30.11.2025	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: निरंक
6	श्री केतन एस विकमसी	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023/ 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
7	श्री मृणांक एम. परांजपे	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 2 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
8	श्री राजेश कुमार दुबे	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023/ 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 2 समिति के अध्यक्ष: 1
9	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	गैर-कार्यकारी निदेशक	26.06.2023 / 25.06.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: निरंक
10	श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड	गैर-कार्यकारी निदेशक	21.12.2021/ 20.12.2024	निदेशक: 2 समिति सदस्य: 4 समिति के अध्यक्ष: 1
11	श्रीमती स्वाति गुप्ता	गैर-कार्यकारी निदेशक	08.05.2023/ 07.05.2026	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: निरंक
12	डॉ. विवेक जोशी	गैर-कार्यकारी निदेशक	15.11.2022/अगले आदेश तक	निदेशक: 1 समिति सदस्य: निरंक समिति के अध्यक्ष: निरंक
13	श्री अजय कुमार	गैर-कार्यकारी निदेशक	14.07.2023/अगले आदेश तक	निदेशक: 1 समिति सदस्य: 1 समिति के अध्यक्ष: निरंक

अनुलग्नक II ए

31.03.2024 तक बैंक/अन्य कंपनियों के बोर्डों/बोर्ड-स्तरीय समितियों में निदेशकों द्वारा धारित सदस्यता/अध्यक्षता की कुल संख्या

1. श्री दिनेश कुमार खारा

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	अध्यक्ष	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - अध्यक्ष वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - अध्यक्ष
2	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अध्यक्ष	--
3	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	अध्यक्ष	--
4	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अध्यक्ष	--
5	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
6	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	अध्यक्ष	--
7	एसबीआई फाउंडेशन	अध्यक्ष	--
8	स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
9	एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड	निदेशक	--
10	भारतीय निर्यात-आयात बैंक	निदेशक	--
11	इंडियन इस्टीमेट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस	निदेशक	--

2. श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति- सदस्य आईटी रणनीति समिति- सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति- सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति- सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति- अध्यक्ष
2.	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	निदेशक	--
3	एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड	निदेशक	--
4	एसबीआई फाउंडेशन	निदेशक	--

3. श्री अश्विनी कुमार तिवारी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य
2	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	निदेशक	कार्यकारिणी समिति - अध्यक्ष लेखा परीक्षा समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य
3	एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	निदेशक	लेखा परीक्षा समिति - सदस्य निवेश समिति - सदस्य जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य पॉलिसीधारक संरक्षण समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य हितधारक संबंध समिति - सदस्य लाभ समिति- सदस्य

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
4	एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	निदेशक	निवेश समिति - अध्यक्ष पॉलिसीधारक संरक्षण समिति - अध्यक्ष जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य लेखा परीक्षा समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति- सदस्य प्रौद्योगिकी समिति - सदस्य
5	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	निदेशक	नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य
6	एसबीआईकैप सिक्क्योरिटीज लिमिटेड	निदेशक	--
7	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	अध्यक्ष	नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य
8	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	अध्यक्ष	--
9	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
10	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	अध्यक्ष	--
11	एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (स्वैच्छिक परिसमापन के तहत कंपनी)	निदेशक	--

4. श्री आलोक कुमार चौधरी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति - सदस्य उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य इरादतन चूककर्ता/सहयोग न करने वाले लेनदारों की पहचान के लिए समीक्षा समिति - अध्यक्ष

5. श्री विनय एम. तोन्से

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	प्रबंध निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य
2	एसबीआई फाउंडेशन	निदेशक	--
3	स्टेट बैंक ऑपरेशन सपोर्ट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	निदेशक	--

6. श्री केतन एस. विकमसी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति - अध्यक्ष बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति - सदस्य उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य इरादतन चूककर्ता/सहयोग न करने वाले लेनदारों की पहचान के लिए समीक्षा समिति - सदस्य

7. श्री मृगांक एम. परांजपे

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - अध्यक्ष बोर्ड की आईटी रणनीति समिति - सदस्य उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य वसूली निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य
2	ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड	निदेशक	लेखा परीक्षा समिति - अध्यक्ष जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य ईएसओपी आबंटन समिति - सदस्य
3	मेटा मैटेरियल्स सर्कुलर मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड	निदेशक	--

8. श्री राजेश कुमार दुबे

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति - अध्यक्ष बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - अध्यक्ष नामांकन और पारिश्रमिक समिति - अध्यक्ष वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य इरादतन चूककर्ता/सहयोग न करने वाले लेनदारों की पहचान के लिए समीक्षा समिति - सदस्य

9. श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/ सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य

10. श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड़

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति - सदस्य बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति - सदस्य बोर्ड की आईटी रणनीति समिति - सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - अध्यक्ष वसूली निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य कारपोरेट सामाजिक दायित्व समिति - सदस्य इरादतन चूककर्ता/सहयोग न करने वाले लेनदारों की पहचान के लिए समीक्षा समिति - सदस्य
2	ऑलकार्गो टर्मिनल लिमिटेड	निदेशक	लेखा परीक्षा समिति - अध्यक्ष वित्त समिति - सदस्य हितधारक संबंध समिति - सदस्य
3	इंटरकांटेनैटल फोरम ऑफ एंटरप्रेन्योर्स एंड प्रोफेशनल्स	निदेशक	--
4	मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	निदेशक	--
5	स्पीडी मल्टीमोड्स लिमिटेड	निदेशक	--

11. श्रीमती स्वाति गुप्ता

क्र.सं	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	उच्च मूल्य की धोखाधड़ियों की निगरानी के लिए बोर्ड की विशेष समिति - सदस्य बोर्ड की हितधारक संबंध समिति सह ग्राहक सेवा समिति - सदस्य नामांकन और पारिश्रमिक समिति - सदस्य वसूली की निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य इरादतन चूककर्ता/सहयोग न करने वाले लेनदारों की पहचान के लिए समीक्षा समिति - सदस्य

12. डॉ. विवेक जोशी

क्र.	बैंक/ कंपनी का नाम	अध्यक्ष/निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	वसूली निगरानी के लिए बोर्ड समिति - सदस्य
2	भारतीय रिजर्व बैंक	निदेशक	--

13. श्री अजय कुमार

क्र.	कंपनी/संस्था/सोसायटी का नाम	अध्यक्ष/ निदेशक/सदस्य	समिति(यों) के नाम - अध्यक्ष/सदस्य
1	भारतीय स्टेट बैंक	निदेशक	केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति - सदस्य बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति - सदस्य
2	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फ़ाइनेंस	निदेशक	--

(टिप्पणी: केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति में वे सभी या कोई अन्य निदेशक शामिल होते हैं जो सामान्य रूप से भारत में किसी स्थान पर निवास करते हैं या उस समय उपस्थित रहते हैं जहां एसबीआई सामान्य विनियमन के विनियमन 46 के अंतर्गत ईसीसीबी बैठक आयोजित की जाती है। इसके साथ बैंकों में कॉर्पोरेट अभिशासन-निदेशकों की नियुक्ति एवं बोर्ड समितियों के गठन पर 26 अप्रैल 2021 को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, एसीबी के अध्यक्ष का पद ईसीसीबी का हिस्सा नहीं है।)

अनुलब्धक III

31.03.2024 को बैंक के केंद्रीय बोर्ड में निदेशकों की शेयरधारिता का विवरण

क्र.	निदेशक का नाम	शेयरों की संख्या
1	श्री दिनेश कुमार खारा	3,100
2	श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी	500
3	श्री अश्विनी कुमार तिवारी	310
4	श्री आलोक कुमार चौधरी	100
5	श्री विनय एम तोन्से	2,500
6	श्री केतन एस विकमसी	5,000
7	श्री मृगांक एन परांजपे	10,000
8	श्री राजेश कुमार दुबे	5,000
9	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	5,100
10	श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड	शून्य
11	श्रीमती स्वाति गुसा	शून्य
12	डॉ विवेक जोशी	शून्य
13	श्री अजय कुमार	शून्य

अनुलब्धक IV

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान केंद्रीय बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिए निदेशकों को भुगतान की गई बैठक फीस का विवरण

क्र. सं.	निदेशक का नाम	केंद्रीय बोर्ड की बैठकें (₹)	अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकें (₹)	कुल (₹)
1	श्री बी.वेणुगोपाल	2,80,000	7,50,000	10,30,000
2	डॉ. गणेश नटराजन	2,10,000	4,80,000	6,90,000
3	श्री केतन एस. विकमसी	9,10,000	13,50,000	22,60,000
4	श्री मृगांक एम. परांजपे	7,00,000	18,00,000	25,00,000
5	श्री राजेश कुमार दुबे	3,50,000	18,60,000	22,10,000
6	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	7,70,000	5,70,000	13,40,000
7	श्री प्रफुल्ल पी. छाजेड	7,00,000	18,00,000	25,00,000
8	श्रीमती स्वाति गुसा	9,80,000	6,30,000	16,10,000
9	श्री अनिल कुमार शर्मा	2,80,000	6,30,000	9,10,000

अनुलग्नक V

बैंक आचार संहिता (वित्त वर्ष 2024) के अनुपालन की पुष्टि

मैं घोषणा करता हूँ कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बैंक की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

दिनेश कुमार खारा

अध्यक्ष

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (पाँश) की रोकथाम, निषेध और निवारण वर्ष 2023-24 के लिए स्थिति

वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	13
वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	45
मामलों की कुल संख्या	58
वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	50
वर्ष के अंत में लंबित मामलों की संख्या	08

31.03.2024 को बोर्ड का हिस्सा रहे निदेशकों के कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
1	श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष	एम.कॉम, एमबीए	आप दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कॉमर्स में स्नातकोत्तर हैं और फेकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नई दिल्ली से एमबीए हैं। उनके पास रिटेल क्रेडिट, लघु और मध्यम उद्यम / कॉर्पोरेट क्रेडिट, जमा संग्रहण, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग परिचालन, शाखा प्रबंधन सहित वाणिज्यिक बैंकिंग के क्षेत्र में कार्य अनुभव है। आपने प्रबंध निदेशक- वैश्विक बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ प्रबंध निदेशक (सहयोगी एवं अनुषंगियाँ) प्रबंध निदेशक एवं सीईओ (एसबीआई म्यूचुअल फंड) और मुख्य महाप्रबंधक - भोपाल मंडल जैसे कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। आप विदेश नियुक्ति पर एसबीआई, शिकागो में भी नियुक्त थे। प्रबंध निदेशक के रूप में, आपने अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, कॉर्पोरेट बैंकिंग और ग्लोबल ट्रेजरी ऑपरेशंस के साथ-साथ बैंक की गैर-बैंकिंग सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई काइर्स, एसबीआईएमएफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस आदि का नेतृत्व किया। आपने पाँच सहयोगी बैंकों एवं भारतीय महिला बैंक के भारतीय स्टेट बैंक में विलय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, आपने बैंक के जोखिम, आईटी और अनुपालन कार्यों का भी नेतृत्व किया।
2	श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार तथा प्रौद्योगिकी)	बी.एससी (कृषि)	आपको कॉर्पोरेट क्रेडिट, रिटेल, डिजिटल, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और विकसित बाजारों में बैंकिंग में गहन अनुभव है। प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, श्री शेटी उप प्रबंध निदेशक के रूप में बैंक के दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह का नेतृत्व कर रहे थे, जहां वे देश भर में विद्युत, इंफ्रा, ऑटो, दूरसंचार आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बैंक के दबावग्रस्त आस्ति पोर्टफोलियो का समाधान करने का दायित्व था। आपने बैंक की न्यूयॉर्क शाखा में सिडिकेशन टीम का नेतृत्व भी किया है। वर्तमान में, आप भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न टास्क फोर्स/समितियों का नेतृत्व कर रहे हैं।
3	श्री अश्विनी कुमार तिवारी प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग तथा अनुषंगियाँ)	बी.टेक (इलेक्ट्रिकल), सीएआईआईबी, सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर (सीएफपी), सर्टिफिकेट कोर्स इन मैनेजमेंट(एक्सएलआरआई)	आपको भारत और विदेशों में खुदरा, एसएमई, लेनदेन बैंकिंग, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में विभिन्न क्षमताओं में तीन दशकों से अधिक का बैंकिंग अनुभव है। प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति से पहले, आप एसबीआई कार्ड और भुगतान सेवा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के पद पर थे। आपने एसबीआई के यूएस परिचालन के कंट्री हेड और पूर्वी एशिया के क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी निभाई है।
4	श्री आलोक कुमार चौधरी प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)	बीएससी (ऑनर्स), सीएआईआईबी, ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर	आपको खुदरा बैंकिंग, वाणिज्यिक बैंकिंग, एमएसएमई, कृषि और ग्रामीण व्यवसाय, शाखा प्रबंधन, मानव संसाधन और वित्त सहित कई डोमेन में काम करने का समृद्ध अनुभव है। आप शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों, आंचलिक कार्यालयों, स्थानीय प्रधान कार्यालयों और कॉर्पोरेट कार्यालय स्तर पर विभिन्न नेतृत्व और कार्यात्मक क्षमताओं में समृद्ध अनुभव के साथ एक अनुभवी बैंकर हैं। प्रबंध निदेशक के रूप में अपनी पदोन्नति से पहले, श्री चौधरी उप प्रबंध निदेशक (वित्त) के रूप में काम करते हुए बैंक के वित्त विभाग का नेतृत्व कर रहे थे, जहां वे रणनीतिक योजना और बजट, इष्टतम व्यापार और रणनीतिक निर्णयों का समर्थन करने के लिए प्रदर्शन विश्लेषण, पूंजी नियोजन और पूंजी जुटाने, निवेशक संबंध, वित्तीय रिपोर्टिंग, लेखा परीक्षा, आस्ति और देयता प्रबंधन और तुलन पत्र प्रबंधन के लिए जिम्मेदार थे।

क्र.सं.	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
5	श्री विनय एम तोन्से, प्रबंध निदेशक (रिटेल व्यवसाय एवं परिचालन)	कॉमर्स में स्नातकोत्तर	आपको कॉर्पोरेट क्रेडिट, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, ट्रेजरी परिचालन, इक्विटी पोर्टफोलियो प्रबंधन, खुदरा बैंकिंग और प्रशिक्षण, कृषि और ग्रामीण बैंकिंग जैसे बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों के संचालन और प्रबंधन का गहरा अनुभव है। आपने भारत और विदेशों में विभिन्न भौगोलिक स्थानों में विभिन्न व्यावसायिक कार्यों का नेतृत्व किया है। प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, श्री तोन्से बैंक के कॉर्पोरेट लेखा समूह के प्रमुख थे। इससे पहले आप प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में भारत की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड का नेतृत्व कर रहे थे। आपने मुख्य महाप्रबंधक के रूप में एसबीआई के चेन्नई मंडल का भी नेतृत्व किया है।
6	श्री केतन एस विकमसी गैर-कार्यकारी निदेशक	आईसीआई से चार्टर्ड अकाउंटेंट	आप पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। आपको बड़े बैंकों, विनिर्माण कंपनियों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखा परीक्षा के क्षेत्रों में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। आईसीआई, आईसीआई की क्षेत्रीय परिषदों, आईसीआई, आरबीआई, सी एंड एजी और कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, व्याख्यानों में आप एक नियमित वक्ता / अध्यक्ष हैं। इंडियन मर्चेंट्स चैंबर की बैंकिंग, वित्त और बीमा समिति, बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पूंजी बाजार समिति और चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स की आरआरसी समिति के आप सदस्य रहे हैं।
7	श्री मृणांक एम परांजपे, गैर- कार्यपालक निदेशक	बी.टेक (आईआईटी, बॉम्बे), पीजीडीएम (आईआईएम, अहमदाबाद)	आपको बैंकिंग, पूंजी और कमोडिटी बाजार, आस्ति प्रबंधन, स्टॉक ब्रोकिंग, लेनदेन और खुदरा बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, डेरिवेटिव, नीति निर्माण, विनियम और प्रतिभूति सेवाओं में तैत्तिस से अधिक वर्षों का अनुभव है जो विभिन्न कार्यात्मक और भौगोलिक क्षेत्रों को कवर करते हैं। आप एक प्रसिद्ध पूंजी और कमोडिटी बाजार विशेषज्ञ हैं। आप सेवा इंटरनेशनल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष और ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक भी हैं। इससे पहले आप एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ थे और उससे पहले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) के एमडी और सीईओ थे - जो भारत का पहला सूचीबद्ध और अग्रणी कमोडिटी एक्सचेंज है। छब्बीस वर्षों में भारत और सिंगापुर में वित्तीय सेवा संगठनों जैसे ड्यूश बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, डब्ल्यू आई कार सिव्योरिटीज, आईएनजी बैरिंग्स और सिटी बैंक में आपका कार्यकाल सफल रहा है।
8	श्री राजेश कुमार दुबे, गैर-कार्यपालक निदेशक	बी.ई. (सिविल)	आप भारतीय जीवन बीमा निगम के पूर्व कार्यकारी निदेशक (ईडी) हैं। आप के पास छत्तीस से अधिक वर्षों का भारतीय जीवन बीमा निगम में काम करने का समृद्ध अनुभव है, जिसके दौरान उन्होंने भारत और विदेशों में जीवन बीमा व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं की समझ प्राप्त की। आपको आईटी, न्यू बिजनेस, अंतरराष्ट्रीय परिचालन, सीआरएम, मार्केटिंग, यूएलपी, ईआर-डिसिप्लिन, कार्मिक और सामान्य प्रशासन में विभिन्न विभागों में अनुभव है। ईडी (कार्मिक) के रूप में, आपने संगठन के भीतर मानव संसाधन नियोजन, प्लेसमेंट, मूल्यांकन, अनुशासन और औद्योगिक संबंधों के विकास से संबंधित क्षेत्रों की देखरेख की। आईटी, सीआरएम, यूएलपी और कार्मिक में अपने कार्य के दौरान आपने विभिन्न प्रक्रियाओं को कागज रहित बनाने में प्रौद्योगिकी को अपनाने में अपनी टीमों का मार्गदर्शन किया, जिससे प्राधिकृत कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने और ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने की सुविधा मिली।
9	श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत गैर-कार्यपालक निदेशक	बी.कॉम. एफसीए	आप पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। आपको लेखा, लेखा परीक्षा, वित्त, अर्थशास्त्र, कानून, मानव संसाधन, जोखिम और व्यवसाय प्रबंधन, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविध विषयों में बीस से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। इससे पूर्व आपने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य किया है और आईओसीएल के बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष भी थे।
10	श्री प्रफुल्ल पी. छोजेड गैर-कार्यपालक निदेशक	एफसीए, एलएलबी (जनरल), सीपीए (ऑस्ट्रेलिया)	श्री प्रफुल्ल पी छोजेड पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। आप द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (2019-20) के अध्यक्ष थे और आईसीआईआई (2007-08) के डब्ल्यूआईआईआई के अध्यक्ष थे। वह एशिया एंड पैसिफिक एकाउंटेंट्स कन्फेडरेशन (सीएपीए), मलेशिया (2023-25) के अध्यक्ष हैं। आप मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमसीएक्ससीसीएल) के अध्यक्ष और कुछ अन्य कंपनियों के बोर्ड सदस्य भी हैं। आप इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एकाउंटेंट्स (आईएफएसी), न्यूयॉर्क के प्रोफेशनल अकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य थे। आप मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य थे। आप महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एंटीकल्चर की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य और बैंकिंग, वित्त और सूचना प्रौद्योगिकी समिति के अध्यक्ष थे। इससे पहले आपने एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, आईसीआईआई के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स, इश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आईआरडीए), एक्सटेंसिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) इंडिया और आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेज लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक के रूप में कार्य किया है। आप सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति और आईएमसी चैंबर की बैंकिंग और वित्त समिति के सदस्य भी थे।

क्र.सं.	नाम	अर्हता	कौशल/विशेषज्ञता/दक्षता
11	श्रीमती स्वाति गुप्ता गैर-कार्यपालक निदेशक	एम.ए. एलएलबी	आपको प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। आपको पांच वर्ष के लिए म्युनिसिपल काउंसिलर और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के जोनल चयरमेन के रूप में चुना गया था। आप पांच वर्ष के लिए नगर निगम की शिक्षा समिति की नामित सदस्य भी थीं। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। आप दिल्ली में एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। आपको महिलाओं, कानूनी, सामाजिक और उपभोक्ता मुद्दों के मामलों में गहरा अनुभव है।
12	डॉ. विवेक जोशी गैर-कार्यपालक निदेशक	ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट जिनेवा (स्विट्जरलैंड) से इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में पीएचडी, रुड़की विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई	आप 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। आप वर्तमान में भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में तैनात हैं। इस कार्य में डॉ. जोशी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों, वित्तीय समावेशन और पेंशन सुधारों सहित बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित नीतियों, योजनाओं और कानूनों से संबंधित कार्यों की देख-रेख कर रहे हैं। आप भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड में सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं। 34 वर्षों से अधिक के कैरियर में प्रदर्शित नेतृत्व और उत्कृष्टता के साथ, श्री जोशी ने विविध क्षेत्रों में काम किया है।
13	श्री अजय कुमार गैर-कार्यपालक निदेशक	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर आईसीएफएआईसे बैंकिंग में एमएस, केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, शिकागो, यूएसए से एक्सक्यूटिव मैनेजमेंट प्रोग्राम, सीएआईआईबी	आप वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद पर हैं। आपके पास बैंकिंग पर्यवेक्षण, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और मुद्रा प्रबंधन के क्षेत्रों में विभिन्न क्षमताओं में काम करने का 32 वर्षों का व्यापक अनुभव है। ईडी के रूप में, आप आरबीआई में मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, परिसर विभाग, राजभाषा विभाग और केंद्रीय सुरक्षा सेल की देखरेख करते हैं। अतीत में, उन्होंने जनवरी 2017 से अप्रैल 2021 तक बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में आरबीआई नामिती निदेशक के रूप में कार्य किया है।

नीचे दी गई तालिका में एसबीआई अधिनियम 1955 और आरबीआई मास्टर परिपत्र दिनांक 02.08.2019 के अनुसार निदेशक मंडल द्वारा व्यवसाय के संदर्भ में आवश्यक प्रमुख विशेषताओं एवं कौशल मैट्रिक्स का विवरण दिया गया है, जिसे निदेशक का चयन करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए:

- उद्योग ज्ञान / अनुभव:** उद्योग का अनुभव, क्षेत्र की जानकारी, विस्तृत नीति निर्देश की जानकारी, सरकारी कानून / विधिक प्रक्रिया की समझ।
- तकनीकी कौशल/अनुभव:** लेखांकन, वित्त, कानून, विपणन अनुभव, सूचना प्रौद्योगिकी, जनसंपर्क, पूंजी आबंटन, लागत, बजटीय नियंत्रण, रणनीति विकास और कार्यान्वयन।
- अभिशासन दक्षताएं:** निदेशक के रूप में पूर्व अनुभव, वित्तीय साक्षरता, अनुपालन उन्मुख, अभिशासन के दृष्टिकोण से रणनीतिक सोच।
- निदेशक के लिए आरबीआई और एसबीआई योग्यता:** (i) सूचना प्रौद्योगिकी (ii) भुगतान और निपटान प्रणाली (iii) मानव संसाधन (iv) जोखिम प्रबंधन और (v) व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता। निम्नलिखित क्षेत्रों में से एक या अधिक के संबंध में विशेष जानकारी या अनुभव अर्थात्: - (i) कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, (ii) बैंकिंग, (iii) सहकारी क्षेत्र, (iv) अर्थशास्त्र, (v) वित्त, (vi) विधि, (vii) लघु उद्योग, (viii) कोई अन्य क्षेत्र जिसमें विशेष ज्ञान और अनुभव हो, जो रिजर्व बैंक के मतानुसार में भारतीय स्टेट बैंक के लिए उपयोगी होगा। जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व, किसानों, श्रमिकों और कारीगरों के हितों का प्रतिनिधित्व किया जाता है।

निदेशक	विशेषताएँ			
	उद्योग की जानकारी/ अनुभव	तकनीकी कौशल/ अनुभव	अभिशासन क्षमता	निदेशक के लिए आरबीआई एवं एसबीआई योग्यता
श्री दिनेश कुमार खारा	✓	✓	✓	✓
श्री सी श्रीनिवासुलु शेटी	✓	✓	✓	✓
श्री अश्विनी कुमार तिवारी	✓	✓	✓	✓
श्री आलोक कुमार चौधरी	✓	✓	✓	✓
श्री विनय एम तोन्से	✓	✓	✓	✓
श्री केतन एस विकमसी	✓	✓	✓	✓
श्री मृगांक एम परांजपे	✓	✓	✓	✓
श्री राजेश कुमार दुबे	✓	✓	✓	✓
श्री धर्मेन्द्र सिंह शेखावत	✓	✓	✓	✓
श्री प्रफुल्ल पी छाजेड	✓	✓	✓	✓
श्रीमती स्वाति गुप्ता	✓	✓	✓	✓
डॉ. विवेक जोशी	✓	✓	✓	✓
श्री अजय कुमार	✓	✓	✓	✓

महत्वपूर्ण अनुषंगी के लिए वार्षिक प्रकटीकरण

राशि करोड़ में

	31.03.2024		31.03.2024		समग्र
	कुल आय	10% से अधिक	निवल मूल्य	10% से अधिक	
एसबीआई	5,94,575		3,24,715		
कुल आय/निवल मूल्य का 10%	59,458		32,472		
महत्वपूर्ण अनुषंगी के विवरण					
महत्वपूर्ण सूचीबद्ध अनुषंगी					
एसबीआई लाईफ	1,33,665	हाँ	14,906	नहीं	हाँ

एसबीआई लाईफ इश्योरेस कंपनी लिमिटेड

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

निगमन की तिथि और स्थान 11.10.2000, मुंबई

सांविधिक लेखा परीक्षक एस.के.पटोदिया एंड एसोसिएट्स एलएलपी, नियुक्ति की तिथि: 12.09.2023 मेसर्स एसएआरसी एंड एसोसिएट्स, नियुक्ति की तिथि: 29.09.2023

1. कुल आस्तियां	3,98,299
2. चालू वित्त वर्ष के लिए निवल लाभ	1,894
3. प्रबंधनाधीन आस्तियां	3,88,923
4. नए व्यवसाय प्रीमियम की राशि	38,238
5. नए व्यवसाय प्रीमियम में वद्धि	29%
6. नया व्यापार मार्जिन	28.1%
7. बाजार हिस्सेदारी	24.6%
8. ऋणशोधन क्षमता अनुपात (सॉल्वेंसी अनुपात)	1.96

प्रबंधन टीम की शिक्षा एवं योग्यताएँ

बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों की शैक्षिक योग्यताएं वार्षिक रिपोर्ट में कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट में दी गई हैं। बैंक के उप प्रबंध निदेशकों की शैक्षिक योग्यता नीचे दी गई है।

क्र. सं.	संबोधन अधिकारी का नाम	योग्यताएँ
1	श्री सली एस	एम.एससी (अप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स)
2	श्री राणा आशुतोष कुमार सिंह	बी.एससी, पीजीईएमपी (पोस्ट ग्रेजुएट एक्सेक. मैनेज. प्रोग्राम.)
3	श्रीमती सलोनी नारायण	बी.ए. (ऑनर्स)
4	श्री महेश कुमार शर्मा	
5	श्री विश्वनाथन रामनाथन	एम.एससी. (मैथ्स)
6	श्री राम मोहन राव अमरा	एमआईई (सिविल इंजीनियरिंग, सीएफए स्तर खखख, एफआरएम)
7	श्री नितिन चुघ	बी.टेक, पीजीडीएम
8	श्री बी शंकर	बी.कॉम, एम.एम.एस. (फिनान्स)
9	श्रीमती रूमा डे	बी.एससी. (ऑनर्स)
10	श्री अमिताभ चटर्जी	बी.एससी.
11	श्रीमती विद्या कृष्णन	बी.एससी. एम.एम.एस.
12	श्री गुलशन मलिक	बी.कॉम (ऑनर्स)
13	श्री प्रवीण राघवेंद्र	बी.एससी. (ऑनर्स)
14	श्री नंद किशोर	बी.ए
15	सुश्री जयति बंसल	एम.ए, एमबीए
16	श्री सुरेंद्र राणा	बी.टैक (सिविल इंजीनियरिंग)
17	श्री बिनोद कुमार मिश्रा	बीएससी

सचिवालयीन लेखापरीक्षा रिपोर्ट

01.04.2023 से 31.03.2024 तक की अवधि के लिए फॉर्म नं एमआर-3 कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) और कंपनी (नियुक्ति और पारिश्रमिक कार्मिक) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसरण में

प्रति,

सदस्यगण,

भारतीय स्टेट बैंक

कॉरपोरेट केंद्र, 14वीं मंजिल,

स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा मार्ग,

मुंबई, महाराष्ट्र, 400 021

हमने **भारतीय स्टेट बैंक** (जिसे इसके बाद बैंक कहा गया है) पर लागू सांविधिक प्रावधानों और सुशासन व्यवहारों के उनके द्वारा अनुपालन की सचिवालयीन लेखा परीक्षा की है। सचिवालयीन लेखा परीक्षा इस तरह से आयोजित की गई कि इससे हमें कॉरपोरेट व्यवहारों/सांविधिक अनुपालनों की स्थिति के मूल्यांकन के लिए और उस पर अपना अभिमत व्यक्त करने के लिए उचित आधार मिला है।

बैंक की बहियों, कागजातों, कार्यविवरण बही, फॉर्मों और दायर विवरणियों तथा बैंक द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों के द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर और सचिवालय लेखा परीक्षा के दौरान बैंक, इसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर हम यह सूचित करते हैं कि हमारे अभिमत में, बैंक द्वारा लेखा परीक्षा अवधि 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान यहां इसके नीचे दी गई सूची के सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया गया है और यह भी रिपोर्ट करते हैं कि उचित बोर्ड कार्यप्रणालियों और अनुपालन तंत्र की यहां इसके पश्चात की गई रिपोर्टिंग की अपेक्षाओं, ढंग और उसके अधीन व्यवस्था की गई है:

हमने बहियों, कागजात, कार्यविवरण बही, फॉर्मों और दायर की गई विवरणियों और तथा बैंक द्वारा 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान रखे गए अन्य अभिलेखों की निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार जांच पड़ताल की है:

- i. भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 ('अधिनियम') और उनके तहत बनाए गए भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 ('विनियम')
- ii. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम 1956 ('एससीआरए') और उनके तहत बनाए गए नियम;
- iii. निक्षेपागार अधिनियम, 1996 एवं उनके तहत बनाए गए विनियम एवं उप-विधियां;
- iv. विदेशी विनियम प्रबंधन अधिनियम, 1999 एवं उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों जहां तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रपार प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी वाणिज्यिक ऋणों का संबंध है;
- v. निम्नलिखित भारतीय विनियम और दिशानिर्देश जहां तक भारतीय प्रतिभूति एवं एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') का संबंध है:-
 - क) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहण का पर्याप्त अर्जन) विनियम, 2011; **(समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)**
 - ख) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (भेदिया व्यापार प्रतिबंध) विनियम, 2015;
 - ग) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (पूंजी निर्गम एवं प्रकटन अपेक्षा) विनियम, 2009; **(समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)**
 - घ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी हितलाभ) विनियम, 2021; **(समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)**

ड) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूति जारी करना एवं सूचीकरण) विनियम, 2021;

च) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की डीलिंग) विनियम, 2021; **(समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)**

छ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद) विनियम, 2018; **(समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)**

ज) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (निवेशक संरक्षण और शिक्षा निधि) विनियम, 2009;

झ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (रजिस्ट्रार टू इश्यू एंड शेयर ट्रांसफर एजेंट) विनियम, 1993 जहां तक बैंक पर लागू हो;

ञ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018;

बैंकों के लिए विशेष रूप से लागू अधिनियमों, कानूनों और विनियमों की सूची नीचे दी गई है:

- i. यथासंशोधित बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, यथासंशोधित
- ii. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी मास्टर निदेश, अधिसूचनाएं और दिशानिर्देश।

हमने बैंक और उसके अधिकारियों, प्रणालियों और बैंक के अन्य लागू अधिनियमों, कानूनों और विनियमों के तहत अनुपालन के लिए गठित तंत्र पर निर्भर किया।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

क) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक। **(बैंक पर लागू नहीं है)**

ख) भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (लिस्टिंग विनियमन)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों आदि के प्रावधानों का अनुपालन निम्नलिखित को छोड़कर किया है:

बैंक सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 17(1) (ख) के अंतर्गत यथा अपेक्षित निदेशक मंडल के कम से कम आधे सदस्यों को स्वतंत्र निदेशक के रूप में रखने की आवश्यकता का अनुपालन नहीं कर सका।

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

बैंक के निदेशक मंडल का विधिवत गठन कार्यकारी निदेशकों, गैर-कार्यकारी निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों के उचित संतुलन के साथ किया जाता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में हुए परिवर्तन, अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे। तथापि, बैंक अधिनियम, नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत अपेक्षित आश्रित निदेशकों की अपेक्षित संख्या में नियुक्ति नहीं कर पाया है।

सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठकों के लिए पर्याप्त नोटिस दिया जाता है, एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत नोट्स कम से कम सात दिन पहले भेजे जाते हैं, और बैठक से पहले एजेंडा आइटम पर और अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

बहुमत का निर्णय तब किया जाता है जब असंतुष्ट सदस्य के विचारों को कार्यवृत्त के भाग के रूप में कैप्चर और रिकॉर्ड किया जाता है

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुपालन की निगरानी और सुनिश्चित करने के लिए बैंक के आकार और संचालन के अनुरूप बैंक में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं हैं।

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि लेखा परीक्षा अवधि के दौरान, बैंक के पास निम्नलिखित विशिष्ट घटनाएं या कार्य थे जो उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में बैंक के मामलों पर असर डाल सकते हैं:

1. बैंक ने 3,101 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय, कर योग्य, स्थायी, अधीनस्थ, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से पेड-अप 8.10 % पर डिबेंचर के रूप में अतिरिक्त टियर 1 बांड बासेल III अनुरूप आबंटित किए हैं।
2. 10,000 करोड़ रुपये के गैर परिवर्तनीय, कर योग्य, पुनः मोचनीय, प्रतिभूति रहित, पूरी तरह से पेड-अप दीर्घकालिक बांड 7.54% पर डिबेंचर के रूप में आबंटित।
3. 10,000 करोड़ रुपये के गैर परिवर्तनीय, कर योग्य, पुनः प्रयोज्य, प्रतिभूति रहित, पूर्ण रूप से भुगतान किए गए दीर्घकालिक बांड 7.49% पर डिबेंचर के रूप में आबंटित।
4. 10,000 करोड़ रुपये के गैर परिवर्तनीय, कर योग्य, सतत, अधीनस्थ, प्रतिभूति रहित, पूर्ण रूप से भुगतान किए गए दीर्घकालिक टियर 2 बांड 7.81% पर बासेल III अनुरूप आबंटित।
5. 5,000 करोड़ रुपये के गैर परिवर्तनीय, कर योग्य, सतत, अधीनस्थ, प्रतिभूति रहित, पूर्ण

रूप से भुगतान किए गए दीर्घकालिक टियर 1 बांड 8.34 % बासेल III अनुरूप डिबेंचर के रूप में आबंटित।

6. 2,000 करोड़ रुपये के टियर 2 बांड का मोचन
7. टियर 2 बांड पर कॉल विकल्प का प्रयोग किया गया 4,115.90 करोड़ रुपये।
8. 4021 करोड़ रुपये के एटी 1 बांड पर कॉल विकल्प का प्रयोग किया।
9. 2,045 करोड़ रुपये के एटी 1 बांड पर कॉल विकल्प का प्रयोग किया।
10. 1251.30 करोड़ रुपये के एटी 1 बांड पर कॉल विकल्प का प्रयोग किया।

कृते **रागिनी चोकसी एंड कंपनी**

कंपनी सचिव

फर्म पंजीकरण संख्या: 92897

पीआर सं. 659/2020

रागिनी चोकसी

(पार्टनर)

एफसीएस संख्या: 2390

सी.पी. संख्या: 1436

UDIN: F002390F000339595

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

इस रिपोर्ट को हमारे सम तारीख के पत्र के साथ पढ़ा जाना चाहिए जो अनुलग्नक ए के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

अनुलग्नक 'ए'

प्रति

सदस्यगण,
भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट केंद्र, 14वां तल, स्टेट बैंक भवन
मैडम कॉमा रोड, मुंबई, महाराष्ट्र 400021

31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए हमारी सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट सम तारीख के पत्र के साथ पढ़ी जानी है।

1. सचिवीय रिकॉर्ड के रखरखाव की जिम्मेदारी बैंक के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर इन सचिवीय रिकॉर्ड पर एक राय व्यक्त करना है।
2. हमने लेखा परीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है जो सचिवीय रिकॉर्ड की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थे। सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हों। हम मानते हैं कि जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का हम पालन करते हैं, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने बैंक के वित्तीय अभिलेखों और बही-खातों की शुद्धता और उपयुक्तता की पुष्टि नहीं की है।
4. जहां कहीं भी आवश्यकता हुई है, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन अभ्यावेदन प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो बैंक की भावी व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता का है जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के मामलों का संचालन किया है।

रागिनी चोकशी एंड कंपनी के लिए

कंपनी सचिव

संस्था पंजीकरण: 92897

रागिनी चोकशी

(पार्टनर)

एफसीएस नंबर: 2390

सी पी नंबर: 1436

UDIN: F002390F000339595

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई, 2024

निदेशकों के अयोग्य न होने का प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) और अनुसूची त पैरा सी खंड (10) (i) के अनुसार

प्रति

सदस्यगण

भारतीय स्टेट बैंक

स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड,

मुंबई 400 021

हमारे भारतीय स्टेट बैंक (जिसे कि आगे 'बैंक' कहा गया है) जिसका केंद्रीय कार्यालय, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई 400 021 में स्थित है, के निदेशकों से प्राप्त संबंधित रजिस्ट्रारों, अभिलेखों, प्रपत्रों, विवरणियों और प्रकटीकरण की जांच की है, जिसे कि विनियम 34(3) के अनुसार भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के अनुसूची त पैरा सी खंड (10) (i) के साथ पढ़े जाने वाले इस प्रमाणपत्र को जारी करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा हमारे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

हमारे विचार से हमें प्राप्त जानकारी के अनुसार तथा आवश्यकतानुसार www.mca.gov.in पोर्टल पर निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) का सत्यापन स्थिति सहित तथा बैंक एवं उसके अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार हम यह प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए नीचे उल्लिखित बैंक के केंद्रीय बोर्ड में शामिल निदेशकों में से किसी को भी भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, या अन्य किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से रोकने के लिए अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।

क्र.सं. निदेशक का नाम	डीआईएन	बैंक में नियुक्ति की तिथि
1 श्री दिनेश कुमार खारा	06737041	09.08.2016
2 श्री चह्ला श्रीनिवासुलु शेटी	08335249	20.01.2020
3 श्री अश्विनी कुमार तिवारी	08797991	28.01.2021
4 श्री आलोक कुमार चौधरी	08480476	07.06.2022
5 श्री विनय एम तोन्से	06695367	21.11.2023
6 श्री केतन एस विक्रमसी	00282877	26.06.2020
7 श्री मृगांक एम परांजपे	02162026	26.06.2020
8 श्री राजेश कुमार दुबे	10040521	26.06.2023
9 श्री धर्मेन्द्र सिंह शिखावत	07404367	26.06.2023
10 श्री प्रफुल्ल पी छाजेड	03544734	21.12.2021
11 श्रीमती स्वाति गुप्ता	आबंटित नहीं किया गया है	08.05.2023
12 डॉ विवेक जोशी	02854207	15.11.2022
13 श्री अजय कुमार	07732926	14.07.2023

केंद्रीय बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/जारी करने की पात्रता सुनिश्चित करना बैंक के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारे सत्यापन के आधार पर एक राय व्यक्त करना है।

यह प्रमाणपत्र न तो बैंक की भावी व्यहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही प्रबंधन द्वारा बैंक के मामलों का संचालन करने की दक्षता या प्रभावशीलता संबंधित है।

रागिनी चोकशी एंड कंपनी के लिए

कंपनी सचिव

संस्था पंजीकरण: 92897

रागिनी चोकशी

(पार्टनर)

एफसीएस नंबर: 2390

सी पी नंबर: 1436

UDIN: F002390F000339452

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

कॉरपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अंतर्गत कॉरपोरेट अभिशासन आवश्यकताओं के अनुपालन पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रमाणपत्र

सेवा में

सदस्य गण

भारतीय स्टेट बैंक

1. यह प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2024 को हमारे करार पत्र की शर्तों के अनुसार जारी किया गया है।
2. हम मैसर्स के. सी. मेहता एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के संयुक्त सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक द्वारा कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है, जैसा कि विनियम 17 से 27 में निर्धारित किया गया है और उप विनियमन के खंड (बी) से (आई) और (टी) और सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (सूचीकरण विनियम) की अनुसूची त के विनियमन 46 और पैरा - 'सी', 'डी' और 'ई' (सूचीकरण विनियम) के (2) के अनुसार।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

3. बैंक का प्रबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है कि बैंक लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन करता है। इस उत्तरदायित्व में आंतरिक नियंत्रणों और प्रक्रियाओं का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव भी शामिल है ताकि लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

4. हमारी जिम्मेदारी कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बैंक द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन की जांच करने तक ही सीमित है। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही बैंक के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

5. हमने बैंक द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस आवश्यकताओं के अनुपालन पर उचित आधार प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा रखे गए लेखों की पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों और दस्तावेजों की जांच की है।
6. हमने कॉर्पोरेट गवर्नेंस के प्रमाणन पर मार्गदर्शन नोट और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) 9 द्वारा जारी ऑडिटिंग पर मानकों के अनुसार अपनी परीक्षा आयोजित की, जहां तक इस प्रमाण पत्र के उद्देश्य के लिए लागू होता है और आईसीएआई द्वारा जारी विशेष उद्देश्यों के लिए रिपोर्ट या प्रमाण पत्र पर मार्गदर्शन नोट के अनुसार, जिसके लिए आवश्यक है कि हम आईसीएआई के आचार संहिता द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें।
7. हमने गुणवत्ता नियंत्रण मानक (एसक्यूसी) 1. वित्तीय ऐतिहासिक जानकारी की लेखापरीक्षा एवं समीक्षा करने वाली संस्थाओं के लिए गुणवत्ता नियंत्रण तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए अन्य आश्वासन एवं संबद्ध सेवा जुड़ावों से संबंधित प्रयोज्य अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।

अभिमत

8. उपर्युक्त के अनुसार हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए पुष्टियों के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17 से 27 और विनियम 46 (2) के खंड (बी) से (आई) और अनुसूची V के पैराग्राफ सी और डी में निर्धारित कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है। सिवाय इसके कि

बैंक के पास के संदर्भ में अपने केंद्रीय बोर्ड में मंडल का कम से कम आधा हिस्सा स्वतंत्र निदेशक के रूप में नहीं था जैसा कि की लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17 (1) (बी) के तहत आवश्यक है।

हम स्पष्ट करते हैं कि इस तरह अनुपालन न तो बैंक की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के मामलों का संचालन किया है।

उपयोग पर प्रतिबंध

यह प्रमाण पत्र बैंक के सदस्यों को केवल कॉर्पोरेट अभिशासन से संबंधित लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकताओं को समझने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से संबोधित और प्रदान किया जाता है, और इसका उपयोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए देख-रेख के किसी भी दायित्व या किसी भी कर्तव्य को स्वीकार नहीं करते हैं या मानते हैं, जिसे यह प्रमाण पत्र दिखाया गया है या जिनके हाथों में यह लिखित रूप में हमारी पूर्व सहमति के बिना आ सकता है। इस प्रमाणपत्र की तिथि के बाद होने वाली किसी भी घटना या परिस्थितियों के लिए इस प्रमाणपत्र को अद्यतन करने के लिए हमारे पास कोई जिम्मेदारी नहीं है।

के सी मेहता एंड कंपनी एलएलपी के लिए

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या: 1062378W/W100829

चिराग बक्शी

पार्टनर

सदस्यता संख्या: 047164

UDIN: 24047164BKAKPQ5159

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं संवहनीयता रिपोर्ट

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट के बारे में:

बैंक की व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट (बीआरआर), वित्त वर्ष 2013 से वार्षिक आधार पर प्रकाशित की जाती है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 34(2) (एफ) सेबी परिपत्र संख्या सीआईआर/सीएफडी/सीएमडी/10/2015 दिनांक 04 नवंबर 2015 और सेबी अधिसूचना संख्या सेबी के साथ पठित /एलएडी-एनआरओ/जीएन/2021/22 दिनांक 5 मई 2021

बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए वार्षिक रिपोर्ट के एक भाग के रूप में व्यावसायिक उत्तरदायित्व और संवहनीयता रिपोर्ट (बीआरएसआर) को बीएससी और एनएससी पर शामिल करना अनिवार्य करता है (प्रत्येक के 31 मार्च को गणना की गई है)। 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपेक्षित मैपिंग के साथ बैंक की व्यावसायिक जिम्मेदारी और स्थिरता रिपोर्ट को बैंक की वेबसाइट <https://www.sbi.co.in> पर

निवेशक संबंध वार्षिक रिपोर्ट लिंक के तहत रखा गया है। इसकी एक प्रति प्राप्त करने में रुचि रखने वाला कोई भी शेयरधारक बैंक को लिख सकता है (ईमेल आईडी: dgm2.esgcfusbi.co.in और डाक पता: उप महाप्रबंधक (सीएसआर और स्थिरता), भारतीय स्टेट बैंक, 9वीं मंजिल, कॉर्पोरेट केंद्र, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई - 400 021



माँ प्रकृति की रक्षा करें



किसी दूसरे ग्रह का विकल्प नहीं है

भारतीय स्टेट बैंक मुख्य महाप्रबंधक के नेतृत्व में एक समर्पित ईएसजी और जलवायु वित्त इकाई (ईएसजी एंड सीएफयू) का शुभारंभ कर रहा है

भारत के 2070 के नेट जीरो लक्ष्य का समर्थन करते हुए, कार्बन न्यूट्रालिटी और नेट जीरो की दिशा में बैंक की संवहनीयता यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए एक विशेष व्यवस्था



भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च, 2024 को तुलन पत्र

(000 को छोड़ दिया गया है)

	अनुसूची संख्या	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार ₹
पूंजी एवं देयताएँ		(चालू वित्त वर्ष)	(पिछला वर्ष)
पूंजी	1	892,46,12	892,46,12
आरक्षित निधियाँ व अधिशेष	2	376354,07,25	326715,98,77
जमा राशियाँ	3	4916076,76,93	4423777,77,63
उधार राशियाँ	4	597560,90,78	493135,15,62
अन्य देयताएँ व प्रावधान	5	288809,73,42	272457,14,51
योग		6179693,94,50	5516978,52,65
आस्तियाँ			
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद और जमा राशियाँ	6	225141,69,61	247087,57,52
बैंकों में जमा-राशियाँ और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	7	85660,29,19	60812,04,28
निवेश	8	1671339,65,61	1570366,22,57
अग्रिम	9	3703970,85,40	3199269,29,68
अचल आस्तियाँ	10	42617,25,25	42381,80,31
अन्य आस्तियाँ	11	450964,19,44	397061,58,29
योग		6179693,94,50	5516978,52,65
आकस्मिक देयताएँ	12	2389320,82,36	1826574,12,43
वसूली के लिए बिल	-	67795,94,05	64531,07,67
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
लेखा टिप्पणियाँ	18		

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियाँ तुलन पत्र का अभिन्न भाग हैं।

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियाँ)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

निदेशक:

श्री केतन एस विकमसी
श्री मृगांक एम परांजपे
श्री धर्मेन्द्र सिंह शिखावत
श्री प्रफुल्ल पी छाजेड
श्रीमती स्वाति गुप्ता
श्री अजय कुमार

श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई, 2024

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते के सी मेहता एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 106237W/W100829

सीए चिराग बक्शी

भागीदार: स.क्र. 047164

कृते सूरी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 004283S

सीए संजीव आदित्य एम

भागीदार: स.क्र. 229694

कृते गोखले एंड साठे

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: स.क्र. 129389

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 103264N

सीए विनोद जैन

भागीदार: स.क्र. 081263

कृते एम सी भंडारी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 303002E

सीए अमित बिस्वास

भागीदार: स.क्र. 303002E

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 110758W/ W100377

सीए आनंद शर्मा

भागीदार: स.क्र. 129033

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 001411N

सीए अतुल अग्रवाल

भागीदार: स.क्र. 099374

कृते आर जी एन प्राइस एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 002785S

सीए पी.एम. वीरमणी

भागीदार: स.क्र. 023933

कृते वी सिंधी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 311017E

सीए सुदीप सिंधी

भागीदार स.क्र. 063785

कृते रवि राजन एंड कं. एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 009073N / N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: स.क्र. 512555

कृते जेएलएनयूएस एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा

भागीदार स. क्र. 401428

कृते रमा के गुप्ता एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार स. क्र. 073853

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र का अभिन्न भाग है

अनुसूची 1 - पूंजी

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
प्राधिकृत पूंजी:		
5000,00,00,000 शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 5000,00,00,000 शेयर ₹1 प्रति शेयर)	5000,00,00	5000,00,00
निर्गमित पूंजी:		
892,54,05,164 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,54,05,164 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर)	892,54,05	892,54,05
अभिदत्त एवं संदत्त पूंजी		
892,46,11,934 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,54,05,164 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर)	892,46,12	892,46,12
उपर्युक्त में 9,58,88,670 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर शामिल है (पिछले वर्ष 8,91,60,950 इक्विटी शेयर ₹1 प्रति शेयर) इन्हें 95,88,867 (पिछला वर्ष 89,16,095) वैश्विक रसीद के रूप में दर्शाया गया है		
योग	892,46,12	892,46,12

अनुसूची 2 - आरक्षित निधियाँ व अधिशेष

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. सांविधिक आरक्षित निधियाँ		
अथ शेष	100637,75,69	85568,02,08
वर्ष के दौरान परिवर्धन	18322,98,60	15069,73,61
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	118960,74,29	100637,75,69
II. पूंजी आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	15992,79,07	15759,98,23
वर्ष के दौरान परिवर्धन	326,21,04	232,80,84
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	16319,00,11	15992,79,07
III. शेयर प्रीमियम		
अथशेष	79115,47,68	79115,47,05
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	63
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	79115,47,68	79115,47,68
IV. निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	12271,38,17	7695,94,74
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	4575,43,43
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	749,08,05	-
	11522,30,12	12271,38,17

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
V. विदेशी मुद्रा रूपांतर आरक्षित		
अथशेष	12755,17,91	9960,78,78
वर्ष के दौरान परिवर्धन	788,76,47	2794,39,13
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	13543,94,38	12755,17,91
VI. राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियाँ*		
अथशेष	54088,42,53	51836,11,81
वर्ष के दौरान परिवर्धन	5120,62,38	2252,30,72
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	-	-
	59209,04,91	54088,42,53
VII. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	27756,25,90	23377,86,71
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	4578,34,93
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	200,61,20	199,95,74
	27555,64,70	27756,25,90
VIII. लाभ-हानि खाते का अधिशेष	50127,91,06	24098,71,82
योग	376354,07,25	326715,98,77

* नोट: राजस्व एवं अन्य आरक्षितियों में शामिल हैं

- (i) 5,00,00 हजार (पिछले वर्ष 5,00,00 हजार) एकीकरण एवं विकास निधि (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 36 के अंतर्गत रखी गई)
- (ii) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत विशेष आरक्षित निधियाँ 19527,05,76 हजार (पिछले वर्ष 17749,30,76 हजार)
- (iii) निवेश आरक्षित निधियाँ चालू वर्ष ₹3142,84,35 (पिछला वर्ष शून्य)

अनुसूची 3 - जमा-राशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
क. I. मांग जमा-राशियाँ		
(i) बैंकों से	5960,27,24	3449,99,90
(ii) अन्यो से	293617,61,43	295593,04,38
II. बचत बैंक जमा-राशियाँ	1661843,63,48	1588405,52,42
III. सावधि जमा-राशियाँ		
(i) बैंकों से	5197,59,09	6994,90,95
(ii) अन्यो से	2949457,65,69	2529334,29,98
योग	4916076,76,93	4423777,77,63
ख. I. भारत में शाखाओं की जमा-राशियाँ	4724335,65,10	4253570,79,60
II. भारत के बाहर स्थित शाखाओं की जमा-राशियाँ	191741,11,83	170206,98,03
योग	4916076,76,93	4423777,77,63

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र का अभिन्न भाग है

अनुसूची 4 - उधार-राशियाँ

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
(000 को छोड़ दिया गया है)		
I. भारत में उधार-राशियाँ		
(i) भारतीय रिज़र्व बैंक	97399,00,00	24956,00,00
(ii) अन्य बैंक	-	150,00,00
(iii) अन्य संस्थाएं एवं अभिकरण	57817,41,02	88372,10,40
(iv) बॉण्ड एवं डिबेंचर (पूँजी लिखतों के अतिरिक्त)	39718,00,00	19718,00,00
(v) पूँजी लिखतें:		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	50626,40,00	49842,70,00
ख. गौण ऋण	43174,00,00	39289,90,00
	93800,40,00	89132,60,00
योग	288734,81,02	222328,70,40
II. भारत के बाहर उधार-राशियाँ		
(i) भारत के बाहर उधार-राशियाँ तथा पुनर्वित्त	308826,09,76	270806,45,22
(ii) पूँजीगत लिखतें:	-	-
नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	308826,09,76	270806,45,22
कुल योग	597560,90,78	493135,15,62
उपर्युक्त I एवं II में प्रतिभूत उधार-राशियाँ सम्मिलित हैं	181331,85,62	129118,98,56

अनुसूची 5 - अन्य देयताएँ व प्रावधान

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
(000 को छोड़ दिया गया है)		
I. संदेय बिल	15663,55,27	27360,44,54
II. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	1126,59,56	4346,60,96
III. उपचित ब्याज	32315,57,67	27028,92,65
IV. आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	7,60,03	72
V. अन्य (प्रावधानों सहित)*	239696,40,89	213721,15,64
योग	288809,73,42	272457,14,51

* मानक आस्तियों के लिए 24112,56,90 हजार का विवेकशील प्रावधान शामिल है (पिछले वर्ष 25673,65,46 हजार)

अनुसूची 6 - नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियाँ

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
(000 को छोड़ दिया गया है)		
I. हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोट तथा स्वर्ण सहित)	18401,50,96	21409,48,82
II. भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियाँ		
(i) चालू खातों में	206740,18,65	225678,08,70
(ii) अन्य खातों में	-	-
योग	225141,69,61	247087,57,52

अनुसूची 7 - बैंकों में जमाराशियाँ व मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्त राशि

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में		
(i) बैंकों में जमाराशियाँ		
(क) चालू खातों में	-	-
(ख) अन्य जमा खातों में	-	-
(ii) मांग तथा अल्पकालीन सूचना पर प्राप्त राशि		
(क) बैंकों में	2550,00,00	7770,44,34
(ख) अन्य संस्थानों में	27266,70,25	-
योग	29816,70,25	7770,44,34
II. भारत के बाहर		
(i) चालू खातों में	44600,92,07	43379,39,74
(ii) अन्य जमा खातों में	2196,18,92	1122,11,64
(iii) मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	9046,47,95	8540,08,56
योग	55843,58,94	53041,59,94
कुल योग (I एवं II)	85660,29,19	60812,04,28

अनुसूची 8 - निवेश

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	1365740,19,30	1238328,92,16
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
(iii) शेयर	7199,25,77	14087,85,39
(iv) डिबेंचर और बॉण्ड	177647,08,12	213392,76,78
(v) अनुषंगियों तथा/अथवा संयुक्त उद्यमों में (इसमें सहयोगी सम्मिलित हैं)	15559,74,88	14050,23,13
(vi) अन्य (म्यूचुअल फंड की यूनिट इत्यादि)	38937,32,34	29076,31,69
योग	1605083,60,41	1508936,09,15
II. भारत के बाहर निवेश		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (इसमें स्थानीय प्राधिकरण सम्मिलित हैं)	31679,82,31	30059,19,62
(ii) विदेश में स्थापित अनुषंगियाँ तथा/अथवा संयुक्त उद्यम	5680,21,97	5680,21,97
(iii) अन्य निवेश (शेयर, डिबेंचर इत्यादि)	28896,00,92	25690,71,83
योग	66256,05,20	61430,13,42
कुल योग (I एवं II)	1671339,65,61	1570366,22,57
III. भारत में निवेश:		
(i) निवेशों का सकल मूल्य	1614852,06,26	1524189,29,58
(ii) घटाएँ: कुल प्रावधान/मूल्यहास	9768,45,85	15253,20,43
(iii) निवल निवेश (उपर्युक्त I के अनुसार)	1605083,60,41	1508936,09,15
IV. भारत के बाहर निवेश:		
(i) निवेशों का सकल मूल्य	67362,37,80	63208,84,72
(ii) घटाएँ: कुल प्रावधान/मूल्यहास	1106,32,60	1778,71,30
(iii) निवल निवेश (उपर्युक्त II के अनुसार)	66256,05,20	61430,13,42
कुल योग (III एवं IV)	1671339,65,61	1570366,22,57

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र का अभिन्न भाग है

अनुसूची 9 - अग्रिम

		(000 को छोड़ दिया गया है)	
		31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
क.	I. क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	217376,95,24	181809,89,57
	II. कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट तथा मांग पर प्रतिसंदेय ऋण	1001454,43,22	836849,24,83
	III. सावधि ऋण	2485139,46,94	2180610,15,28
योग		3703970,85,40	3199269,29,68
ख.	I. मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (इसमें बही ऋणों पर अग्रिम शामिल है)	2391775,49,19	2135804,65,54
	II. बैंक/सरकारी गारंटी द्वारा संरक्षित	193146,54,72	133100,11,33
	III. अप्रतिभूत	1119048,81,49	930364,52,81
योग		3703970,85,40	3199269,29,68
ग.	I. भारत में अग्रिम		
	(i) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	804184,20,86	697644,43,51
	(ii) सार्वजनिक क्षेत्र	252558,00,04	258891,40,67
	(iii) बैंक	276,89,81	447,11,05
	(iv) अन्य	2108978,83,43	1751489,67,48
योग		3165997,94,14	2708472,62,71
	II. भारत के बाहर अग्रिम		
	(i) बैंकों से प्राप्य	178879,83,35	151113,59,09
	(ii) अन्यो से प्राप्य		
	(क) क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	42424,38,12	42518,59,79
	(ख) सिंडीकेट ऋण	215890,02,77	210775,60,39
	(ग) अन्य	100778,67,02	86388,87,70
योग		537972,91,26	490796,66,97
कुल योग (ग-III एवं ग-II)		3703970,85,40	3199269,29,68

अनुसूची 10 - अचल आस्तियां

		(000 को छोड़ दिया गया है)	
		31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I.	परिसर (पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित)		
	पिछले वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत/पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित पर	35053,43,85	30453,14,11
	परिवर्धन:		
	- वर्ष के दौरान	63,52,52	28,76,48
	- पुनर्मूल्यांकन हेतु	-	6407,26,03
	कटौतियाँ:		
	- वर्ष के दौरान कटौतियाँ	111	6,81,67
	- वर्ष के दौरान पुनर्मूल्यांकन	58,18	1828,91,10
	अद्यतन मूल्यहास		
	- लागत पर	1317,45,31	1190,11,99
	- पुनर्मूल्यांकन पर	1428,89,56	1228,86,53
		32370,02,21	32634,45,33

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
II. अन्य अचल आस्तियां (इसमें फर्नीचर तथा फिक्सचर सम्मिलित हैं)		
पिछले वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत/पुनर्मूल्यांकन पर	40859,75,07	38171,83,29
वर्ष के दौरान परिवर्धन	3375,97,87	3354,44,78
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	661,12,88	666,53,00
अद्यतन मूल्यहास	33818,25,36	31393,47,30
	9756,34,70	9466,27,77
III. निर्माणाधीन आस्तियां (परिसर सहित)	490,88,34	281,07,21
कुल योग (I, II, एवं III)	42617,25,25	42381,80,31

अनुसूची 11 - अन्य आस्तियां

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	-	-
II. प्रोद्भूत ब्याज	45724,50,59	39191,05,69
III. अग्रिम कर भुगतान/स्रोत पर कर कटौती	23640,47,23	16517,16,78
IV. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	11431,46,52	10534,22,09
V. लेखन सामग्री तथा स्टैम्प	28,92,68	22,56,00
VI. दावों के निपटान से प्राप्त की गई गैर-बैंकिंग आस्तियां	56,10	56,10
VII. अन्य*	370138,26,32	330796,01,63
योग	450964,19,44	397061,58,29

* नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी में जमा रखे गए 270995,47,35 हजार (पिछले वर्ष 218591,19,47 हजार)

अनुसूची 12 - आकस्मिक देयताएँ

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	117868,87,40	90421,31,87
II. अंशतः प्रदत्त निवेशों/जोखिम निधि के लिए देयता	2174,05,04	1689,05,00
III. बकाया वादा विनिमय संविदाओं के संबंध में देयता	1349504,18,92	1039221,77,94
IV. ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियाँ		
(a) भारत में	190056,09,60	165143,90,45
(b) भारत के बाहर	94237,18,86	104910,29,06
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन तथा अन्य दायित्व	158349,94,55	151795,92,04
VI. अन्य मर्दे जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है*	477130,47,99	273391,86,07
योग	2389320,82,36	1826574,12,43

* 457300,22,95 हजार के डेरिवेटिव्स शामिल हैं (पिछले वर्ष 261587,05,11 हजार)

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ हानि खाता

		(000 को छोड़ दिया गया है)	
	अनुसूची संख्या	31.03.2024 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) ₹
I. आय			
अर्जित ब्याज	13	415130,65,55	332103,06,02
अन्य आय	14	51682,16,37	36615,59,76
योग		466812,81,92	368718,65,78
II. व्यय			
व्यय किया गया ब्याज	15	255254,82,88	187262,55,56
परिचालन व्यय	16	124860,81,35	97743,13,61
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय		25620,55,67	33480,51,25
योग		405736,19,90	318486,20,42
III. लाभ			
वर्ष के लिए निवल लाभ		61076,62,02	50232,45,36
जोड़ें: आगे लाया गया लाभ/(हानि)		24098,71,82	5881,40,49
योग		85175,33,84	56113,85,85
IV. विनियोजन			
सांविधिक आरक्षित निधियों को अंतरित		18322,98,60	15069,73,61
पूंजी आरक्षित निधियों को अंतरित		326,21,04	232,80,84
निवेश उतार-चढ़ाव निधि को अंतरित		(749,08,05)	4575,43,43
राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों को अंतरित		4920,59,36	2052,35,00
चालू वर्ष के लिए लाभांश		12226,71,83	10084,81,15
तुलन पत्र में आगे ले जाई गई शेष राशि		50127,91,06	24098,71,82
योग		85175,33,84	56113,85,85
V. प्रति शेयर आय (प्रति शेयर 1 रुपए का अंकित मूल्य)			
मूल (₹)			56.29
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)			56.29
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17	68.44	
लेखा टिप्पणियाँ	18	68.44	

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियाँ लाभ और हानि लेखा का अभिन्न अंग हैं।

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट बैंकिंग और अनुषंगियां)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार और प्रौद्योगिकी)

निदेशक:

श्री केतन एस विकमसी
श्री मृगांक एम परांजपे
श्री धर्मेन्द्र सिंह शिखावत
श्री प्रफुल्ल पी छाजेड़
श्रीमती स्वाति गुप्ता
श्री अजय कुमार

श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई, 2024

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते के सी मेहता एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 106237W/W100829

सीए चिराग बक्शी

भागीदार: स.क्र. 047164

कृते सूरी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 004283S

सीए संजीव आदित्य एम

भागीदार: स.क्र. 229694

कृते गोखले एंड साठे

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: स.क्र. 129389

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 103264N

सीए विनोद जैन

भागीदार: स.क्र. 081263

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

कृते एम सी भंडारी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 303002E

सीए अमित बिस्वास

भागीदार: स.क्र. 303002E

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 110758W/ W100377

सीए आनंद शर्मा

भागीदार: स.क्र. 129033

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 001411N

सीए अतुल अग्रवाल

भागीदार: स.क्र. 099374

कृते आर जी एन प्राइस एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 002785S

सीए पी.एम. वीरमणी

भागीदार: स.क्र. 023933

कृते वी सिंधी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 311017E

सीए सुंदीप सिंधी

भागीदार स.क्र. 063785

कृते रवि राजन एंड कं. एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 009073N / N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: स.क्र. 512555

कृते जेएलएनयूएस एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा

भागीदार स. क्र. 401428

कृते रमा के गुप्ता एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म पं. क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार स. क्र. 073853

अनुसूची

31 मार्च 2024 लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 13 - अर्जित ब्याज

	31.03.2024 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) ₹
I. अग्रिमों/बिलों पर ब्याज/बट्टा	288038,24,04	221400,64,68
II. निवेशों पर आय	108640,50,37	95928,26,71
III. भारतीय रिज़र्व बैंक तथा अन्य अंतर-बैंक निधियों के अधिशेष पर ब्याज	5090,19,24	3491,01,12
IV. अन्य	13361,71,90	11283,13,51
योग	415130,65,55	332103,06,02

अनुसूची 14 - अन्य आय

	31.03.2024 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) ₹
I. कमीशन, विनिमय और दलाली	28126,11,94	26244,65,58
II. निवेशों की बिक्री पर लाभ/ (हानि) (निवल)	6896,60,13	3290,00,26
III. निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ/ (हानि) (निवल)	4939,17,35	(4644,43,56)
IV. भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/ (हानि) (निवल)	(33,20,20)	(29,78,85)
V. विनिमय/डेरिवेटिव लेनदेनों पर लाभ/ (हानि) (निवल)	1715,15,09	2928,33,01
VI. विदेश/भारत में अनुषंगियों/कंपनियों तथा/या संयुक्त उद्यमों से लाभांशों इत्यादि के रूप में अर्जित आय	1961,61,63	855,10,80
VII. विविध आय ¹	8076,70,43	7971,72,52
योग	51682,16,37	36615,59,76

1 विविध आय में अपलिखित खातों में की गई 6933,56,32 हजार (पिछले वर्ष 7097,30,65 हजार) की वसूली शामिल है।

अनुसूची 15 - व्यय किया गया ब्याज

	31.03.2024 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) ₹
I. जमाराशियों पर ब्याज	221459,94,10	162418,04,53
II. भारतीय रिज़र्व बैंक/अंतर बैंक उधार राशियों पर ब्याज	22443,53,50	18080,16,02
III. अन्य	11351,35,28	6764,35,01
योग	255254,82,88	187262,55,56

अनुसूची 16 - परिचालन व्यय

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 को समाप्त वर्ष (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष (पिछला वर्ष) ₹
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान ²	78336,98,41	57291,84,28
II. भाड़ा, कर और लाइसेंसिंग	6081,83,48	5702,00,53
III. मुद्रण और लेखन सामग्री	824,47,35	705,42,59
IV. विज्ञापन व प्रचार	532,32,39	323,38,66
V. बैंक की संपत्ति पर मूल्यहास	3351,91,61	3297,27,04
VI. निदेशकों के शुल्क, भत्ते और व्यय	1,81,65	1,56,38
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों की फीस तथा व्यय सहित)	298,28,96	270,79,10
VIII. विधि प्रभार	346,23,70	271,61,16
IX. डाक व्यय, तार, टेलीफोन इत्यादि	662,12,53	536,54,31
X. मरम्मत और अनुरक्षण	1198,06,57	1069,68,01
XI. बीमा	6224,12,20	5758,03,98
XII. अन्य व्यय	27002,62,50	22514,97,57
योग	124860,81,35	97743,13,61

2 कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधानों में 7100,00,00 हजार (पिछले वर्ष शून्य) 5400,00,00 हजार (पिछले वर्ष शून्य) के प्रावधान के लिए असाधारण मदें शामिल हैं, जो सभी पेंशनभोगियों के लिए भविष्य लक्ष्य प्रभाव से 50% की समान दर से अनुमानित देयता के लिए हैं, जो पेंशन की मौजूदा दोहरी दर और 1700,00,000 हजार रुपये (पिछला वर्ष शून्य) के स्थान पर हैं जो नवम्बर, 2002 से पूर्व सेवानिवृत्त और पारिवारिक पेंशनभोगियों को अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत के स्थिरीकरण करने के कारण है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 17: महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

क. पृष्ठभूमि:

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई अथवा बैंक), बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा सांविधिक निकाय है, जो व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉरपोरेटों, सार्वजनिक निकायों एवं संस्थागत ग्राहकों को व्यापक श्रेणी के उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करता है। बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 एवं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा शासित होता है।

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों अर्थात बैंक के वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा उनकी प्रस्तुति में लागू किए जाने वाले विशिष्ट लेखा सिद्धांतों एवं लागू करने की विधियों को नीचे दिया गया है।

ख. तैयार करने का आधार:

बैंक की लेखांकन और रिपोर्टिंग नीतियाँ भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों (भारतीय जीएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित नियामक मानदंडों, निर्देशों और दिशानिर्देशों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के वैधानिक दिशा-निर्देशों और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों और भारत में बैंकिंग उद्योग में प्रचलित लेखा सामान्य व्यवहारों के अनुरूप हैं।

विदेश स्थित कार्यालयों के मामले में संबद्ध देश के सांविधिक प्रावधान एवं स्थानीय विधि ज्यादा विवेकपूर्ण होने पर उनका अनुपालन किया जाएगा।

बैंक के वित्तीय विवरण स्थिरता और संचय की मौलिक लेखा मान्यताओं के साथ, अवधिगत लागत परिपाटी, गोडंग कंसर्व अवधारणा, जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो, को ध्यान में रखते हुए लेखा की निरंतर प्रोद्धवन पद्धति के आधार पर तैयार किए गए हैं।

ये वित्तीय विवरण बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के अंतर्गत निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

ग. प्राक्कलनों का प्रयोग:

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन-मंडल को उन प्राक्कलनों और धारणाओं को प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है जिन्हें वित्तीय विवरणों की तिथि और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान रिपोर्ट की गई आय और व्यय के रूप में आस्तियों और देयताओं (आकस्मिक देनदारियों सहित) की कथित राशि में माना जाता है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रयुक्त किए गए प्राक्कलन विवेकपूर्ण और तर्कसंगत हैं। वास्तविक परिणाम इन प्राक्कलनों से अलग हो सकते हैं।

घ. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ:

1. राजस्व निर्धारण:

- 1.1 जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो, आय और व्यय की गणना सामान्यतः उपचय आधार पर की गई है।
- 1.2 ब्याज/छूट आय को लाभ और हानि खाते में निम्नलिखित के लिए वसूली आधार पर गणना में लिया गया है:
 - (i) विदेशी कार्यालयों के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक/संबंधित देश विनियामकों (जिसे सामूहिक रूप से विनियामक प्राधिकरण कहा गया है) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार निवेश सहित गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) से आय
 - (ii) रुपया डेरीवेटिव्स पर आय को ट्रेडिंग नाम दिया गया है।
- 1.3 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में किए गए निवेश की बिक्री पर और अचल आस्तियों की बिक्री पर लाभ को, इस संबंध में लागू करों और सांविधिक रिजर्व में अंतरण हेतु अपेक्षित राशि को घटाकर इकैपिटल रिजर्वफंड में विनियोजित किया जाता है।
- 1.4 परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में निवेश के अधिग्रहण पर छूट, यदि कोई हो, तो उसका लेखांकन निम्नानुसार किया जाता है:
 - i. ब्याज धारित प्रतिभूतियों पर आय विक्रय और शोधन के समय लेखांकन में लिया जाता है।
 - ii. शून्य कूपन प्रतिभूतियों पर प्राप्त आय का समायोजन, सतत आय के आधार पर प्रतिभूति की शेष अवधि के लिए किया गया है।
- 1.5 लाभांश आय की मान्यता लाभांश प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होने के दी जाती है।
- 1.6 साख पत्र (एलसी)/बैंक गारंटी (बीजी), आस्थगित भुगतान गारंटी, सरकारी व्यवसाय, एटीएम इंटरचेंज शुल्क और पुनर्गठित खाते पर अग्रिम शुल्क पर कमीशन को इस अवधि के दौरान आनुपातिक रूप से अर्जित आधार पर लेखांकन में लिया गया है। अन्य सभी कमीशन और शुल्क आय को उनकी प्राप्ति के आधार पर लेखांकन में लिया गया है।
- 1.7 विशेष आवास ऋण योजना के अंतर्गत प्रदत्त एकबारगी बीमा प्रीमियम (दिसंबर 2008 से जून 2009 तक) का परिशोधन 15 वर्षों की औसत ऋण अवधि में किया गया है।

- 1.8 बॉन्ड/ जमापत्र जारी करने के लिए भुगतान की गई दलाली, कमीशन को संबंधित बॉन्ड एवं जमापत्र की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है एवं इन्हें जारी करने पर हुए खर्च को अग्रिम रूप से प्रभारित किया गया है।
- 1.9 बैंक जब अपनी वित्तीय आस्तियों की बिक्री प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/पुनर्निर्माण कंपनी (आरसी) को बेचते समय अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों की पहचान रद्द करता है, तो वह इसे अपने खातों से हटा देता है और उन्हें निम्नानुसार लेखांकन में लेता है:
- यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य (एनबीवी) (बही मूल्य से प्रावधानों को घटाकर) से कम है, तो इस कमी को उस वर्ष के लाभ एवं हानि खाते को नामे किया जाता है।
 - यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य से ज्यादा है, तो अतिरिक्त प्रावधान की राशि को उसके प्राप्त होने वाले वर्ष में ही वापस कर लिया जाता है।

2. निवेश

निवेशों के वर्गीकरण एवं मूल्य निर्धारण पर भारतीय रिजर्व बैंक के नीचे दिए गए वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को लेखांकन में लिया जाता है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

2.1 वर्गीकरण:

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है अर्थात् परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) और व्यवसाय के लिए धारित (एचएफटी)।

तुलनपत्र में प्रकटीकरण के उद्देश्य से निवेशों का वर्गीकरण भारत में और भारत के बाहर के निवेश के रूप में किया गया है।

प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत निवेशों का पुनः वर्गीकरण (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ, (iii) शेयर, (iv) बॉन्ड एवं डिबेंचर, (v) अनुषंगियाँ एवं संयुक्त उद्यम और (vi) अन्य के रूप में किया गया है।

'भारत के बाहर के निवेशों' को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) अनुषंगियाँ एवं संयुक्त उद्यम और (iii) अन्य निवेश।

2.2 वर्गीकरण का आधार:

- जिन निवेशों को बैंक परिपक्वता तक रखना चाहता है, उन्हें परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- जिन निवेशों को सिद्धांततः क्रय तिथि से 90 दिनों के भीतर पुनर्विक्रय हेतु रखा गया है, उन्हें व्यवसाय के लिए रखे गए (एचएफटी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- जिन निवेशों को उपर्युक्त दो श्रेणियों में वर्गीकृत नहीं किया गया है, उन्हें विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- किसी निवेश को इसके क्रय के समय परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), व्यवसाय के लिए रखे गए (एचएफटी) या विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उसके पश्चात श्रेणियों में परिवर्तन विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया है।
- अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश को एचटीएम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, सिवाय उन निवेशों के जो विशेष रूप से इसके बाद के निपटान की दृष्टि से अधिग्रहित और आयोजित किए जाते हैं। इन निवेशों को एफएस के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2.3 मूल्यांकन:

- सभी प्रतिभूतियों में लेन-देन एक निपटान तिथि पर दर्ज किए जाते हैं और लागत एचटीएम श्रेणी के तहत निवेश को छोड़कर भारत और आसत लागत विधि पर निर्धारित की जाती है जो एफआईएओ आधार (फर्स्ट इन फर्स्ट आउट) पर आधारित हैं।
- (क) अभिदानों पर प्राप्त दलाली/कमीशन को लागत में से घटा दिया गया है। निवेश के अधिग्रहण के संबंध में प्रदत्त दलाली, कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) आदि को उसी के व्यय में शामिल कर लिया गया है और इन्हें लागत में शामिल नहीं किया गया है।
- (ख) ऋण लिखतों पर खंडित अवधि के लिए प्रदत्त/प्राप्त ब्याज को ब्याज व्यय/आय माना गया है और इन्हें लागत/विक्रय-प्रतिफल में शामिल नहीं किया गया है।

ii. परिपक्वता तक धारित श्रेणी के रूप में वर्गीकृत निवेशों का मूल्यांकन:

- (क) परिपक्वता तक धारित श्रेणी के निवेशों को अधिग्रहण लागत पर लेखे में लिया गया है। अधिग्रहण पर प्रदत्त कमीशन का परिशोधन नियत आय आधार पर परिपक्वता अवधि के लिए किया गया है। ऐसे प्रीमियम के परिशोधन को निवेश पर आय शीर्ष के अंतर्गत हिसाब में लिया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(ख) अनुषंगियों (देश और विदेश दोनों), संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में निवेश को अवधिगत लागत आधार पर मूल्यांकित किया गया है। प्रत्येक निवेश के मामले में अस्थायी से इतर कमी की पूर्ति के लिए अलग-अलग प्रावधान किया गया है।

(ग) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेश को रखाव लागत (अर्थात् बही मूल्य) आधार पर मूल्यांकित किया गया है।

iii. विक्रय के लिए उपलब्ध तथा व्यवसाय के लिए धारित श्रेणियों का मूल्यांकन:

एफएस एवं एचएफटी श्रेणियों के तहत रखे गए निवेशों का पुनर्मूल्यन विनियामक दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित बाजार मूल्य या उचित मूल्य के अनुसार किया गया है और प्रत्येक श्रेणी से संबद्ध प्रत्येक समूह जैसे (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूत (iii) शेयर (iv) बांड एवं डिबेंचर (v) अनुषंगी एवं संयुक्त उद्यम (vi) अन्य के लिए सिर्फ निवल मूल्यहास का प्रावधान किया गया है और निवल मूल्यवृद्धि को लेखे में नहीं लिया गया है।

iv. निवेश के अंतर-श्रेणी अंतरण पर मूल्यांकन नीति:

(क) एचटीएफ/एफएस श्रेणी से एचटीएम श्रेणी में प्रतिभूतियों का अंतरण, अंतरण की तिथि को अभिग्रहण लागत/बही मूल्य/बाजार मूल्य के न्यूनतम मूल्य पर किया जाता है। ऐसे अंतरण पर मूल्यहास, यदि कोई हो तो, उसके लिए पूर्ण प्रावधान किया जाता है।

(ख) एचटीएम श्रेणी से एफएस श्रेणी में प्रतिभूतियों का अंतरण अभिग्रहण मूल्य/बही मूल्य पर किया जाता है। अंतरण के तुरंत बाद इन प्रतिभूतियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और परिणामी मूल्यहास के लिए लाभ और हानि खाते में प्रावधान किया जाता है।

v. प्रतिभूति रसीदों पर प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को अनर्जक आस्तियां (वित्तीय आस्तियां) विक्रय के मामले में मूल्यांकन:

(क) एससी/आरसी को एनपीए की बिक्री के माध्यम से प्राप्त सुरक्षा प्राप्ति में निवेश को i) वित्तीय आस्ति के निवल बही मूल्य (बही मूल्य में से प्रावधान घटाकर) ii) प्रतिभूति रसीद के मोचन मूल्य, दोनों में जो भी कम हो, को लेखांकन में लिया जाता है।

(ख) प्रतिभूतिकरण कंपनी/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों का मूल्यांकन गैर-एसएलआर लिखतों पर लागू दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। तदनुसार, जिन मामलों में प्रतिभूतिकरण कंपनी/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों का परिशोधन संबंधित योजना के लिखतों के लिए आर्बटि वित्तीय आस्तियों की वास्तविक वसूली के अनुसार किया गया है, उन मामलों में आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी से प्राप्त निवल आस्ति मूल्य की गणना ऐसे निवेशों के मूल्यन के लिए की गई है।

vi. ट्रेजरी बिलों और वाणिज्यिक पत्रों का मूल्यांकन रखाव लागत आधार पर किया गया है।

2.4 निवेश (एनपीआई):

i. देशी कार्यालयों के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के आधार पर निवेश को निम्नानुसार अर्जक और अनर्जक श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

(क) ब्याज/किस्त (परिपक्वता राशि सहित) देय है और 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए बकाया है।

(ख) ईक्विटी शेयरों के मामले में, जहाँ अद्यतन तुलनपत्र की अनुपलब्धता के कारण किसी कंपनी के शेयरों का मूल्यांकन 1/- प्रति कंपनी किया गया है, वहाँ ऐसे ईक्विटी शेयरों को अनर्जक निवेश माना जाएगा।

(ग) यदि एक ही उधारकर्ता/सुविधा द्वारा प्राप्त की गई किसी ऋण सुविधा को अनर्जक परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है तो बैंक निवेश को अनर्जक निवेश के रूप में वर्गीकृत करता है। उपर्युक्त नियम आवश्यक परिवर्तनों के साथ उन अधिमानी शेयरों पर भी लागू होगा, जहाँ नियत लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है।

(घ) ऐसे डिबेंचरों/बांडों में निवेश जिसे अग्रिम माना गया है, पर एनपीआई के वही मानदंड लागू होंगे जो निवेश पर लागू होते हैं।

ii. विदेश स्थित कार्यालयों के मामले में अनर्जक निवेश हेतु वर्गीकरण एवं प्रावधान, स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों, इनमें से जो अधिक सख्त हों, के अनुसार किया गया है।

2.5 रेपो/रिवर्स रेपो लेनदेन के लिए लेखांकन:

बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक एवं बाजार भागीदारों के साथ रेपो/रिवर्स रेपो लेनदेन करता है। पुनर्खरीद लेनदेन प्रतिभूतियों को पुनर्खरीद करने के लिए एक समझौते के साथ प्रतिभूतियों को बेचकर उधार को दर्शाता है। प्रतिभूतियों की खरीद द्वारा उधार ली गई निधियाँ रिवर्स रेपो लेनदेन होते हैं।

- i. चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ लेनदेनों को संपार्श्विक उधार देने एवं लेने के लेनदेन के रूप में हिसाब में लिया गया है।
- ii. बाजार रेपो एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों में बेची गई (खरीदी गई) एवं पुनः खरीदी गई (पुनः बेची गई) प्रतिभूतियों को सामान्य एकमुश्त विक्रय (क्रय) लेनदेन के रूप में लेखांकन में लिया गया है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजाही को रेपो/रिवर्स रेपो खातों एवं दोतरफा प्रविष्टियों का उपयोग करके दर्शाया गया है। इन प्रविष्टियों को परिपक्वता की तिथि को प्रतिवर्तित किया गया है।
- iii. रेपो खाते में शेष को अनुसूची 4 'उधार' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
- iv. भारतीय रिजर्व बैंक के पास सभी प्रकार के रिवर्स रेपो, जिनमें चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत आने वाले रेपो शामिल हैं, को अनुसूची 6 भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष राशि (आरबीआई के पास नकदी और शेष राशि) (ii) की उप मद (ii) 'अन्य खातों में' के अंतर्गत प्रस्तुत किए जाते हैं।
- v. रिवर्स रेपो खाते में 14 दिनों तक की मूल अवधि के साथ शेष राशि को अनुसूची 7 (बैंकों के पास शेष और मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। मूल परिपक्वता वाले रिवर्स रेपो को 14 दिनों से अधिक लेकिन 1 वर्ष तक के लिए अनुसूची 9 'अग्रिम' के तहत नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर पुनर्भुगतान योग्य ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अन्य सभी रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 'अग्रिम' के तहत सावधि ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- vi. भारतीय रिजर्व बैंक अथवा अन्य रेपो लेनदेन उधार लेने की लागत एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों पर आय को क्रमशः ब्याज व्यय एवं ब्याज आय के रूप में लेखांकन में लिया गया है।

3. ऋण/अग्रिम और उन पर प्रावधान:

3.1 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों/निर्देशों के आधार पर ऋणों और अग्रिमों का वर्गीकरण निम्नानुसार अर्जक और अनर्जक के रूप में किया गया है:

- i. यदि सावधि ऋण में ब्याज और/अथवा मूलधन की किस्त 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए अतिदेय रहती है तो उसे अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- ii. ओवरड्राफ्ट या नकदी-ऋण अग्रिम में खाता असंगत (आउट ऑफ ऑर्डर) रहने अर्थात् बकाया शेष राशि लगातार 90 दिनों की अवधि के लिए संस्वीकृत सीमा/आहरण अधिकार से अधिक होने या तुलनपत्र की तिथि को लगातार 90 दिनों तक राशि जमा नहीं किए जाने अथवा उसी अवधि के दौरान देय ब्याज का भुगतान करने के लिए अपर्याप्त जमाराशियाँ होने पर उन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- iii. क्रय किए गए/बढ़ाकृत बिलों के संबंध में, बिल 90 दिनों की अवधि से अधिक अतिदेय रहने पर उन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- iv. कृषि अग्रिमों के मामले में यदि (क) अल्पावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन की किस्त या ब्याज दो फसल-मौसमों के लिए अतिदेय रहते हैं एवं (ख) दीर्घावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन या ब्याज एक फसल मौसम के लिए अतिदेय रहते हैं, उन्हें अनर्जक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

3.2 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर अनर्जक अग्रिमों को अवमानक (सब-स्टैंडर्ड), संदिग्ध (डाउटफुल) और हानिप्रद (लॉस) आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है:

- i. अवमानक: ऋण आस्ति, जो 12 महीनों या उससे कम अवधि के लिए अनर्जक है।
- ii. संदिग्ध: ऋण आस्ति, जो 12 महीनों की अवधि के लिए अवमानक रही है।
- iii. हानिप्रद: ऋण आस्ति, जिसमें हानि की पहचान की गई है, किंतु उस राशि को पूर्णतया बट्टे खाते नहीं डाला गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- 3.3 अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान विनियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित न्यूनतम प्रावधान मानदंड के अधीन किए गए हैं:

अवमानक आस्तियाँ:	
i.	कुल बकाया पर 15% का सामान्य प्रावधान
ii.	प्रारंभ से ही अप्रतिभूत ऋण जोखिमों के लिए 10% का अतिरिक्त प्रावधान (जहाँ प्रतिभूति की वसूली - मूल्य प्रारंभ से ही 10% से अधिक नहीं है)
iii.	इन्फ्रास्ट्रक्चर अग्रिम खातों, जहाँ एस्क्रो खाते आदि जैसे कुछ बचाव उपाय उपलब्ध हैं, से संबंधित प्रतिभूति-रहित ऋण जोखिम - 20% है।
संदिग्ध आस्तियाँ:	
- प्रतिभूत हिस्सा:	i. एक वर्ष तक - 25%
	ii. एक से तीन वर्ष - 40%
	iii. तीन वर्ष से अधिक - 100%
- अप्रतिभूत हिस्सा	100%
हानिप्रद आस्तियाँ:	
100%.	

- 3.4 विदेश स्थित कार्यालयों के संबंध में ऋण एवं अग्रिमों का वर्गीकरण एवं अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान, स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों इनमें से जो अधिक सख्त हों, के अनुसार किया गया है।
- 3.5 अग्रिमों में से विशिष्ट ऋण पर हानियों के लिए किए गए प्रावधानों, अप्राप्त ब्याज, भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) के प्राप्त दावों और बढ़ाकृत बिलों को घटा दिया गया है।
- 3.6 पुनर्चित/पुनः निर्धारित आस्तियों के लिए प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए हैं, जिसके अनुरूप संबंधित ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान के अलावा पुनर्चना के पहले एवं बाद ऋण/अग्रिम के उचित मूल्य के अंतर के लिए भी प्रावधान किया जाता है। उपरोक्त मामलों में अंकित मूल्य में कमी (डीएफवी) एवं छोड़ दिए गए ब्याज के लिए यदि कोई अतिरिक्त प्रावधान किया जाता है, तो वह राशि अग्रिम से घटा दी जाती है।
- 3.7 अनर्जक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत ऋण खातों को, विनियामकों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप होने पर ही अर्जक खाते के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है।
- 3.8 पूर्ववर्ती वर्षों में बड़े खाते में डाले गए ऋणों के सापेक्ष वसूली गई राशि का निर्धारण वसूल किए गए वर्ष में आय के रूप में किया गया है।

- 3.9 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अनर्जक आस्तियों पर विशिष्ट प्रावधान के अतिरिक्त मानक आस्तियों के लिए सामान्य प्रावधान भी किए गए हैं। ये प्रावधान तुलनपत्र की अनुसूची 5 के अन्य देयताएँ और प्रावधान- अन्य शीर्ष के अंतर्गत दिए गए हैं एवं निवल अनर्जक आस्तियों का निर्णय करने के लिए इनको संज्ञान में नहीं लिया जाता है।

- 3.10 बैंक पुनर्गठित विशिष्ट गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त प्रावधान भी करता है।

- 3.11 अनर्जक आस्तियों में वसूली का समायोजन निम्नलिखित प्राथमिकता के अनुसार किया जाता है:

- प्रभार, लागत, कमीशन आदि
- अप्राप्त ब्याज/ब्याज
- मूलधन

तथापि, राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के जरिए समझौता एवं समाधान/निपटान के मामलों में वसूलियों का समायोजन संबंधित समझौता/समाधान/निपटान की शर्तों के अनुसार किया जाता है। वाद दायर किए गए खातों में वसूली का समायोजन संबंधित न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है।

4. अस्थिर प्रावधान एवं प्रतिचक्रीय (काउंटर साइक्लिकल)

प्रावधान बफर:

बैंक में अग्रिमों, निवेश तथा सामान्य प्रयोजनों हेतु अनुकूल समय में प्रतिचक्रीय प्रावधान बफर तथा अस्थायी प्रावधानों के सृजन एवं उपयोग की नीति विद्यमान है। सृजन किए जाने वाले इन अस्थायी प्रावधान एवं प्रतिचक्रीय प्रावधान बफर की मात्रा का निर्धारण वित्त वर्ष के अंत में किया जाता है। प्रति चक्रीय प्रावधानों का प्रयोग केवल नीति में निर्दिष्ट असाधारण परिस्थितियों में, भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्वानुमति से किया जाता है।

5. देशवार ऋण-जोखिम के लिए प्रावधान:

आस्ति वर्गीकरण की स्थिति के अनुरूप किए गए विशिष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त पृथक देशवार ऋण जोखिम (अपने देश के अतिरिक्त) के लिए प्रावधान किए गए हैं। इन देशों का वर्गीकरण सात जोखिम श्रेणियों यथा - नगण्य, निम्न, सामान्य, उच्च, अति उच्च, प्रतिबंधित एवं ऋण में शामिल न होने वाले वर्गों में किया गया है तथा यह प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि प्रत्येक देश से संबंधित बैंक का देशवार ऋण जोखिम (निवल) कुल निधिक आस्तियों के 1% से अधिक नहीं होता है, तो ऐसे देशवार

ऋण जोखिम पर कोई प्रावधान नहीं रखा जाता है। इस प्रावधान को तुलनपत्र की अनुसूची 5 के अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है।

6. डेरीवेटिव्स:

- 6.1 बैंक विदेशी मुद्रा ऑप्शन, ब्याज दर स्वेप, मुद्रा स्वेप, पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर स्वेप और तुलनपत्र पर/ तुलनपत्र से इतर परिसंपत्तियों और देनदारियों को हेज करने के लिए अथवा व्यापारिक उद्देश्यों के लिए डेरीवेटिव करार करता है। तुलनपत्र की आस्तियों और देयताओं के लिए हेजिंग करने के प्रयोजन से निष्पादित की जाने वाली विनिमय संविदाएं इस प्रकार तैयार की जाती हैं कि तुलनपत्र की अंतर्निहित मद्दों का प्रभाव प्रतिकूल और प्रति संतुलनकारी हों। इन डेरीवेटिव लिखतों का प्रभाव अंतर्निहित आस्तियों के क्रय-विक्रय पर निर्भर करता है और इसे हेजिंग लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखांकन में लिया जाता है।
- 6.2 हेज संविदाओं के रूप में वर्गीकृत डेरीवेटिव संविदाओं को संचय के आधार पर दर्ज किया गया है। हेज संविदाओं की गणना तब तक बाजार के बही मूल्य के अनुसार नहीं की जाती, जब तक कि अंतर्निहित आस्तियाँ/देयताएं बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित न की गई हों।
- 6.3 उपर्युक्त के अतिरिक्त, सभी अन्य डेरीवेटिव संविदाएं उद्योग में प्रचलित सामान्यतया मान्य लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित की गई हैं। बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित डेरीवेटिव संविदाओं के संबंध में बाजार मूल्य में परिवर्तनों को परिवर्तन की अवधि में लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। डेरीवेटिव संविदाओं के अंतर्गत प्राप्य राशि, जो 90 दिनों से अधिक समय के लिए अतिदेय रहती है, को लाभ और हानि खाते से उचित खाता कुल प्राप्य राशियाँ में प्रतिवर्तित किया गया है। ऐसे मामलों में जहां डेरीवेटिव संविदाएं भविष्य में और अधिक निपटान के अवसर प्रदान करती हैं और यदि ये डेरीवेटिव संविदा के अतिदेय प्राप्य राशियाँ 90 दिनों से अधिक समय तक अदत्त रहने के कारण समाप्त न हो गई हों, तो भावी आगमों से संबंधित सकारात्मक एमटीएम को भी लाभ और हानि खाते से उचित खाता - सकारात्मक एमटीएम में प्रतिवर्तित किया जाता है।
- 6.4 संदत्त या प्राप्त ऑप्शन प्रीमियम को ऑप्शन अवधि की समाप्ति पर लाभ और हानि खाते में अंकित किया गया है। विक्रय किए गए ऑप्शनों पर प्राप्त प्रीमियम और क्रय किए गए ऑप्शनों पर संदत्त प्रीमियम की शेष राशि का फॉरेक्स ओवर द काउंटर (ओटीसी) ऑप्शनों के लिए बाजार मूल्य पर परिकलन करके बही में शामिल किया गया है।

- 6.5 सौदों के उद्देश्य से बाजार (एक्सचेंज) में क्रय-विक्रय किए जाने वाले डेरीवेटिवों में किए गए निवेश को बाजार द्वारा दी गई प्रचलित बाजार दरों के अनुसार मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ तथा हानि को लाभ और हानि खाते में दर्शाया गया है।

7. अचल आस्तियाँ, मूल्यहास और परिशोधन:

- 7.1 अचल आस्तियों का अंकन लागत में से संचित मूल्यहास/ परिशोधन घटाकर किया गया है सिवाय पूर्ण स्वामित्व वाले परिसरों का अंकन पुनर्मूल्यांकन की तारीख को संचित मूल्यहास घटाने के बाद उचित मूल्य होने के कारण पुनर्मूल्यांकित राशि पर किया गया है, अगर अन्यथा न उल्लिखित हो।
- 7.2 लागत में क्रय लागत तथा समस्त व्यय, जैसे कि स्थान की तैयारी, संस्थापन लागतें और आस्ति पर उसका उपयोग करने से पूर्व अदा की गई प्रोफेशनल फीस शामिल है। उपयोग की गई आस्तियों पर वहन किए गए अनुवर्ती व्यय/व्ययों को केवल तभी पूंजीकरण किया गया है, जब ये व्यय इन आस्तियों से होने वाले भावी लाभ को या इन आस्तियों की व्यावहारिक क्षमता को बढ़ाते हैं। देशी कार्यालयों की अचल आस्तियों का मूल्यहास आस्तियों की उपयोगिता अवधि के आधार पर निम्नानुसार स्ट्रेट लाइन मेथड पर किया गया है:

क्र. सं.	अचल आस्तियों का विवरण	मूल्यहास के लिए उपयोगिता अवधि
1	कंप्यूटर	3 वर्ष
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग है	3 वर्ष
3	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग नहीं है और सॉफ्टवेयर विकसित करने संबंधी व्यय	3 वर्ष
4	ऑटोमेटेड टैलर मशीन/कैश डिपॉजिट मशीन/ क्राइन डिस्पेंसर/क्राइन वेंडिंग मशीन	5 वर्ष
5	सर्वर	4 वर्ष
6	नेटवर्क उपकरण	5 वर्ष
7	अन्य प्रमुख अचल आस्तियाँ:	
	परिसर	60 वर्ष
	सुरक्षित जमा लॉकर	20 वर्ष
	फर्नीचर व फिक्सचर	10 वर्ष
	एयर कंडीशनर	8 वर्ष
	वाहन	5 वर्ष

- 7.3 वर्ष के दौरान (घरेलू परिचालनों हेतु) देशी परिचालनों से प्राप्त आस्तियों के संबंध में मूल्यहास वर्ष में आस्ति का उपयोग करने के दिनों के अनुपात के आधार पर प्रभारित किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- 7.4 आस्तियाँ जिनमें से प्रत्येक का मूल्य ₹1000/- से कम था, उन्हें क्रय वर्ष में ही बट्टे खाते में डाल दिया गया है।
- 7.5 पट्टाकृत परिसरों से संबद्ध पट्टा प्रीमियम, यदि कोई हो तो, को पट्टा अवधि में (परिसर एवं बेमियादी पट्टे पर भूमि को छोड़कर) परिशोधित किया गया है और परिचालन पट्टे पर ली गई आस्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे की अवधि में स्ट्रेट लाइन आधार पर लाभ एवं हानि खाते में व्यय के रूप में हिसाब में लिया गया है।
- 7.6 विदेश स्थित कार्यालयों की अचल आस्तियों पर मूल्यहास का प्रावधान संबंधित देशों के स्थानीय विनियमों/मानदंडों के अनुसार किया गया है।
- 7.7 बैंक प्रत्येक तीन वर्षों में पूर्ण स्वामित्व वाली अचल आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन करता है। पुनर्मूल्यांकन के कारण आस्ति के निवल बही मूल्य में वृद्धि को लाभ और हानि खाते में दिखाए बगैर पुनर्मूल्यांकन आरक्षित खाते में जमा किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्ति के अतिरिक्त मूल्यहास को लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित किया जाता है और पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों से अन्य राजस्व आरक्षित को विनियोजित किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्तियों पर मूल्यहास पुनर्मूल्यांकन के समय यथामूल्यांकित आस्तियों की शेष उपयोगी अवधि पर किया जाता है।

8. आस्तियों के मूल्य में कमी:

जब कभी घटनाएँ अथवा स्थितियों में परिवर्तन यह संकेत देते हैं कि किसी आस्ति की रखाव राशि की वसूली संदिग्ध है, तो ऐसी स्थिति में अचल आस्तियों के मूल्य में आई कमी की समीक्षा की जाती है। धारित और प्रयुक्त आस्तियों की वसूली हो पाएगी या नहीं इसे मापने के लिए आस्ति की रखाव राशि की तुलना आस्ति द्वारा अपेक्षित भविष्यगत निवल बट्टाकृत नकदी प्रवाह से करके ज्ञात की जाती है। यदि ऐसी आस्तियों को अपसामान्यता के योग्य पाया जाता है, तो अपसामान्यता का माप उस राशि के आधार पर किया जाता है, जो आस्ति की रखाव राशि और उसके उचित मूल्य के बीच का अंतर होता है।

9. विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का प्रभाव:

9.1 विदेशी मुद्रा लेनदेन:

- i. विदेशी मुद्रा लेनदेन को लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि के प्रयोग द्वारा सूचित मुद्रा में प्रारंभिक निर्धारण पर दर्ज किया गया है।

- ii. विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों की सूचना भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (एफईडीएआई) द्वारा अधिसूचित अंतिम (हाजिर/ वायदा) दरों का प्रयोग करके दी गई है।
- iii. विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मदों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, की सूचना लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके दी गई है।
- iv. विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आकस्मिक देयताओं की सूचना एफईडीएआई की अंतिम हाजिरी दर का प्रयोग करके दी गई है।
- v. व्यवसाय के लिए रखी गई बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर तथा वायदा संविदाओं को इनकी निर्धारित परिपक्वता के लिए एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।
- vi. उन विदेशी मुद्रा वायदा संविदाओं, जो व्यवसाय के लिए अपेक्षित नहीं हैं और तुलनपत्र की तिथि को बकाया हैं, का अंतिम हाजिर दर पर पुनः मूल्यांकन किया गया है। ऐसी वायदा विनिमय संविदा के प्रारंभ से उद्धृत प्रीमियम या बट्टे को संविदा की परिपक्वता अवधि के व्यय या आय के रूप में परिशोधित किया गया है।
- vii. मौद्रिक मदों के निपटान से उद्धृत विनिमय अंतर राशियों को आरंभ से दर्ज की गई दरों से भिन्न दरों पर उस अवधि, जिसमें ये दरें उद्धृत हुई हैं, की आय या व्यय के रूप में निर्धारित किया गया है।
- viii. मुद्रा वायदा व्यापार में विदेशी मुद्रा दरों की खुली स्थिति में हुए परिवर्तनों के कारण हुए लाभ/हानि को विदेशी मुद्रा समाशोधन गृह से प्रतिदिन निर्धारित किया जाता है और इस लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।

9.2 विदेशी परिचालन:

बैंक की विदेश स्थित शाखाओं और ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों (ओबीयू) को गैर-समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और प्रतिनिधि कार्यालयों को समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

i. गैर-समाकलित परिचालन:

- a. गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक और गैर-मौद्रिक दोनों विदेशी मुद्रा आस्तियों एवं देयताओं तथा आकस्मिक देयताओं को तुलनपत्र

तिथि को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों पर रूपांतरित किया गया है।

- b. गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की आय एवं व्यय को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित तिमाही की औसत अंतिम दर पर परिवर्तित किया गया है।
- c. निवेश का निपटान होने तक असमाकलित विदेशी परिचालनों से उद्धृत विनिमय अंतर-राशियों का संचयन विदेशी मुद्रा रूपांतरण आरक्षिति में किया गया है।
- d. विदेशी कार्यालयों की विदेशी मुद्रा में आस्तियां और देयताएं (विदेश स्थित कार्यालयों की स्थानीय मुद्रा के अलावा) तुलनपत्र की तिथि उस देश पर लागू हाजिर दर का प्रयोग करते हुए स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित किया गया है।

ii. समाकलन परिचालन:

- a. विदेशी मुद्रा लेनदेन को लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि के प्रयोग द्वारा सूचित मुद्रा में प्रारंभिक निर्धारण पर दर्ज किया गया है।
- b. समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक विदेशी मुद्रा आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तिथि को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों (हाजिर/वायदा) पर रूपांतरित किया गया है और परिणामी लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। आकस्मिक देयताएं हाजिर (स्पॉट) दर पर रूपांतरित की गई हैं।
- c. विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मदों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, की सूचना लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके दी गई है।

10. कर्मचारी हितलाभ:

10.1 अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ:

अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ यथा चिकित्सा हितलाभ, जिसको कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा के विनिमय में प्रदान किया जाना अपेक्षित है, जैसे अल्पावधि कर्मचारी हितलाभों की गैर-बट्टाकृत राशियों को कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा अवधि के दौरान लेखांकन में लिया गया है।

10.2 दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

i. नियत हितलाभ योजनाएं:

- a. बैंक भविष्य निधि योजना का परिचालन करता है। सभी पात्र कर्मचारी बैंक की भविष्य निधि योजना के अंतर्गत ये हितलाभ प्राप्त करने के हकदार हैं। बैंक निर्धारित कर्मचारियों के मूल वेतन एवं पात्र-भत्ते का 10% मासिक अंशदान करता है। इन अंशदानों को, इस उद्देश्य के लिए स्थापित न्यास को प्रेषित कर दिया जाता है तथा इसे लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। बैंक इस प्रकार के वार्षिक अंशदानों और उस पर ब्याज को संबंधित वर्ष के संदर्भ में व्यय मानता है। यदि कोई कमी हो, तो बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर उसका प्रावधान किया जाता है।
- b. बैंक ग्रेच्युटी और पेंशन जैसी नियत हितलाभ योजनाएँ परिचालित करता है।
 - बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को ग्रेच्युटी प्रदान करता है। यह हितलाभ कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति या नौकरी के दौरान मृत्यु हो जाने या नौकरी की समाप्ति पर एकमुश्त राशि के भुगतान के रूप में प्रदान किया जाता है। यह राशि बैंक की सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए देय 15 दिनों के मूल वेतन के समतुल्य राशि होती है, जो सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित उच्चतम सीमा के अधधीन रहती है। यह हितलाभ सेवा के पांच वर्ष पूरे होने पर ही प्राप्त होता है। बैंक इस राशि का आवधिक अंशदान, वार्षिक स्वतंत्र बाह्य बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर न्यासियों द्वारा नियंत्रित निधि में करता है।
 - बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को पेंशन प्रदान करता है। यह हितलाभ नियमानुसार मासिक भुगतान के रूप में प्रदान किया जाता है और यह भुगतान कर्मचारियों को नियमानुसार उनकी सेवानिवृत्ति, नौकरी के दौरान मृत्यु होने या नौकरी की समाप्ति पर किया जाता है। यह हितलाभ नियमों के अनुसार विभिन्न चरणों में प्राप्त होता है। बैंक एसबीआई पेंशन निधि नियमों के अनुसार पेंशन निधि में वेतन के 10% का मासिक अंशदान करता

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

है। पेंशन-देयता की गणना वार्षिक स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यन के आधार पर की जाती है और बैंक आवश्यक होने पर पेंशन विनियमों के अंतर्गत हितलाभों के भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक आधार पर इस निधि में अतिरिक्त अंशदान करता है।

- c. नियत हितलाभ प्रदान करने संबंधी लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि पर अग्रणीत बीमांकिक मूल्यन के आधार पर अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। बीमांकिक लाभ/हानि को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

ii. नियत अंशदान योजना:

बैंक ने 01 अगस्त 2010 को या उसके बाद बैंक में नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की है, जो एक नियत अंशदान योजना है। (ऐसे नए कर्मचारी बैंक की वर्तमान पेंशन योजना के सदस्य बनने के पात्र नहीं हैं।) इस योजना के अनुसार, ये कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% योगदान करते हैं, साथ ही मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 14% पर बैंक योगदान करता है। संबंधित कर्मचारी की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने तक इन अंशदानों को बैंक में जमा रखा जाएगा एवं इस जमा पर किसी चालू भविष्य निधि खाते के समकक्ष ब्याज दिया जाएगा। बैंक इन वार्षिक अंशदानों एवं इन पर दिए जाने वाले ब्याज को संबंधित वर्ष के खर्च के रूप में परिगणित करता है। स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन) की प्राप्ति पर समेकित अंशदान राशि को एनपीएस न्यास में अंतरित कर दिया जाता है।

iii. अन्य दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

- a. बैंक का प्रत्येक पात्र कर्मचारी प्रतिपूरित अनुपस्थिति, रजत जयंती सम्मान और अवकाश यात्रा-रियायत, सेवानिवृत्ति लाभ और पुनर्वासन भत्ते का पात्र होता है। इस प्रकार के दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ की लागत के लिए निधि बैंक द्वारा आंतरिक स्रोत से उपलब्ध कराई जाती है।
- b. अन्य दीर्घावधि हितलाभ के प्रावधान की लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि को बीमांकिक

मूल्यन की अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। पूर्ववर्ती सेवा लागत को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

- 10.3 विदेश स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के कर्मचारी हितों को संबंधित देशों के स्थानीय कानूनों/विनियमों के अनुसार मूल्यांकित एवं लेखांकित किया जाता है।

11. खंड रिपोर्टिंग

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक 17 के अनुसार व्यवसाय खंड को प्राथमिक रिपोर्ट खंड तथा भौगोलिक खंड को द्वितीयक रिपोर्टिंग खंड के रूप में मानता है।

12. आय पर कर:

बैंक द्वारा भुगतान की गई वर्तमान कर तथा आस्थगित कर व्यय की कुल राशि आय कर व्यय होता है। चालू वर्ष के कर तथा आस्थगित कर का निर्धारण आयकर अधिनियम 1961 तथा लेखा मानक 22, जो 'आय पर कर का लेखांकन' से संबंधित है, के अनुसार किया जाता है और ऐसा करते समय विदेश स्थित कार्यालयों द्वारा संबंधित देशों के कर नियमों के अनुसार भुगतान किए गए कर को भी शामिल किया जाता है। आस्थगित कर समायोजनों में वर्ष के दौरान आस्थगित कर आस्तियों या देयताओं में हुए परिवर्तन भी समाविष्ट हैं। आस्थगित कर-आस्तियों और देयताओं का आकलन वर्तमान वर्ष की कर योग्य आय और लेखा आय तथा अग्रणीत हानि के बीच के अवधिगत अंतर के प्रभाव पर विचार करते हुए किया गया है। आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तारीख को लागू या बाद में लागू कर दरों और कर नियमों द्वारा मापा जाता है। आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं में हुए परिवर्तन का प्रभाव लाभ और हानि खाते में प्रकट किया जाता है। क्या आस्थगित कर आस्तियों की वसूली निश्चित है, इस बारे में प्रबंधन के निर्णय के आधार पर उनको प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को लेखांकन में लिया जाता है और उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। अग्रणीत आस्थगित कर आस्तियों को गैर-आमेलित मूल्यहास और कर घाटा के रूप में तभी माना जाता है, जब यह निश्चित रूप से प्रमाण द्वारा समर्थित हो कि इस तरह की आस्थगित कर संपत्ति को भविष्य के लाभ के रूप में वसूल किया जा सकता है।

13. प्रति शेयर आय:

- 13.1 बैंक आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक - 20 प्रति शेयर आय के अनुसार प्रति शेयर मूल और कम हुई आय सूचित करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना ईक्यूटी शेयरधारकों

को प्राप्त उस वर्ष के कर पश्चात निवल लाभ को उस वर्ष के लिए शेष ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

- 13.2 कम की हुई प्रति शेयर आय से वह संभावित कमी सूचित होती है, जो ईक्विटी शेयरों को जारी करने हेतु प्रतिभूतियों अथवा अन्य संविदाओं को वर्ष के दौरान जारी करने या संपरिवर्तित करने का पर घटती है। कम की हुई प्रति शेयर आय की गणना वर्ष के अंत में ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और कम संभावना वाले ईक्विटी शेयरों के बीच तुलना करके की जाती है।

14 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां:

- 14.1 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के द्वारा जारी लेखा मानक 29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां के अनुरूप बैंक प्रावधान को तभी मानता है, जब उसमें पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व उत्पन्न हुआ हो और इससे देयता की पूर्ति करने के लिए आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का संभावित बहिर्गमन हो तथा जब देयता की राशि का सही आकलन किया जा सके।

- 14.2 निम्नलिखित के लिए किसी प्रावधान का समावेश नहीं किया गया है:

- पिछले परिणाम से उद्भूत किसी संभावित दायित्व के लिए और बैंक के नियंत्रण से बाहर होने वाले एक या अधिक अनिश्चित भावी परिणामों की प्राप्ति या अप्राप्ति से जिसकी पुष्टि की जा सकेगी, अथवा
- किसी वर्तमान दायित्व के लिए, जो पिछले परिणामों से उद्भूत है, किंतु उसे अभिज्ञान में नहीं लिया गया है, क्योंकि:-
 - यह संभव नहीं है कि दायित्व की पूर्ति हेतु आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का बहिर्गमन आवश्यक होगा, अथवा
 - दायित्व की पूर्ति हेतु राशि का सही आकलन नहीं किया जा सकता।

ऐसे दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया गया है। इन दायित्वों का मूल्यांकन नियमित अंतरालों पर किया जाता है। केवल उन अपवादात्मक परिस्थितियों जहां, कोई सही आकलन नहीं किया जा सकता, को छोड़कर ऐसे दायित्व के केवल उस अंश के लिए प्रावधान किया जाता है, जिसके आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना है।

- 14.3 बैंक के एंटरप्राइज-वाइड लॉयल्टी प्रोग्राम के संबंध में रिवॉर्ड पॉइंट्स के लिए प्रावधान बीमांकिक अनुमानों पर प्रदान किया जा रहा है।

- 14.4 दुर्वह संविदाओं के लिए प्रावधान तभी किया जाता है, जब किसी संविदा से बैंक को प्राप्त होने वाले संभावित लाभ संविदा के अंतर्गत भावी देयताओं की पूर्ति के अपरिहार्य व्ययों से कम हो। प्रावधान राशि का निर्धारण संविदा को समाप्त करने के संभावित न्यूनतम व्यय के वर्तमान मूल्य एवं संविदा को जारी रखने के संभावित निवल व्यय पर किया जाता है। प्रावधान की राशि का निर्धारण करने से पूर्व बैंक संविदा से जुड़ी आस्तियों पर नुकसान को लेखांकन में लेता है।

- 14.5 आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणों में शामिल नहीं किया गया है।

15. सर्राफा लेनदेन:

बैंक अपने ग्राहकों को बेचने के लिए परेषण आधार पर बहुमूल्य धातु बारों समेत सर्राफा का आयात करता है। ये आयात सामान्यता दुतरफा आधार पर होते हैं और ग्राहकों के लिए इनकी कीमत आपूर्तिकर्ता द्वारा मांगी गई कीमत के आधार पर तय होती है। बैंक इस तरह के सर्राफा लेनदेन पर शुल्क के रूप में आय प्राप्त करता है। इस शुल्क की गणना कमीशन आय के अंतर्गत होती है। बैंक सोना जमा करने के लिए लेता है और इस पर उधार भी देता है, जिसे जमा/अग्रिम, जो भी हो, माना जाता है। इसमें भुगतान किए गए/प्राप्त ब्याज की ब्याज व्यय/आय के रूप में श्रेणीबद्ध किया जाता है। स्वर्ण जमा, धातु ऋण अग्रिम तथा अंतिम स्वर्ण शेष को तुलन-पत्र की तिथि पर उपलब्ध बाजार दर पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

16. विशेष आरक्षित निधियां:

राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (i) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि भी शामिल है। बैंक के निदेशक मंडल ने एक संकल्प पारित कर इस आरक्षित निधि के सृजन के लिए अनुमोदन किया है और यह भी पुष्टि की है कि उसका इस विशेष आरक्षित निधि से आहरण करने की कोई मंशा नहीं है।

17. शेयर निर्गम व्यय:

शेयर निर्गम व्ययों को शेयर प्रीमियम खाते को प्रभारित किया जाता है।

18. नकद एवं नकद समतुल्य

नकद एवं नकद समतुल्य में भारतीय रिजर्व बैंक के पास का नकद एवं शेष, बैंकों में शेष तथा मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय धन शामिल है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची- 18- लेखा-टिप्पणियाँ

18.1 सांविधिक पूंजी

क. सांविधिक पूंजी की संरचना (बासेल III के अनुसार)

		(राशि करोड़ में)	
क्र.सं	मद	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार
i)	सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी	3,33,705.96	2,85,834.97
ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	50,471.40	49,692.70
iii)	टियर 1 पूंजी (i + ii)	3,84,177.36	3,35,527.67
iv)	टियर 2 पूंजी	75,846.02	73,051.40
v)	कुल पूंजी (टियर 1 + टियर 2)	4,60,023.38	4,08,579.07
vi)	कुल जोखिम भारित आस्तियाँ (आरडबल्यूए)	32,22,358.28	27,83,058.70
vii)	सीईटी 1 अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में सीईटी 1)	10.36%	10.27%
viii)	टियर 1 पूंजी अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूंजी)	11.93%	12.06%
ix)	टियर 2 पूंजी अनुपात (%) (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 2 पूंजी)	2.35%	2.62%
x)	जोखिम भारित आस्तियों के प्रति पूंजी अनुपात (सीआरएआर) (%) (आरडबल्यूए के प्रतिशत के रूप में कुल पूंजी)	14.28%	14.68%
xi)	उत्तोलन अनुपात	5.67%	5.52%
xii)	भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	56.92%	56.92%
xiii)	वर्ष के दौरान जुटाई गई चुकता इक्विटी पूंजी की राशि	शून्य	\$
xiv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई गैर-इक्विटी टियर 1 पूंजी की राशि: बासेल III अनुपालन सतत ऋण लिखत	8,101.00	15,133.00
xv)	वर्ष के दौरान जुटाई गई टियर 2 पूंजी की राशि: बासेल III अनुपालन ऋण पूंजी लिखत	10,000.00	4,000.00

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने 1 मार्च 2016 के परिपत्र सं. डीबीआर.न.बीपी.बीसी.83/21.06.201/2015-16 के माध्यम से बैंकों को पुनर्मूल्यांकन आरक्षित, विदेशी मुद्रा विनिमय आरक्षित और आस्थगित कर आस्तियों को सीईटी-ख पूंजी अनुपात के रूप में पूंजी पर्याप्तता की गणना करने हेतु विवेकाधिकार दिया है। बैंक ने उपरोक्त गणना में इस विकल्प का उपयोग किया है।

\$ वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंक ने 400 शेयरों के (राइट इश्यू 2008 के एक भाग के रूप में जारी) आबंटन में से ₹158/- प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम पर नकद के लिए ₹1/- के 7,93,630 इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं, जिनमें से स्वामित्व विवाद के समाधान के लिए स्थगित कर दिया गया था। प्राप्त ₹63,600/- की कुल सदस्यता में से ₹400/- को शेयर कैपिटल खाते में और ₹63,200/- को शेयर प्रीमियम खाते में स्थानांतरित कर दिया गया था। 31 मार्च 2024 तक 7,93,230 शेयरों का आबंटन स्थगित है।

ख. आरक्षित निधि से निकासी:

आरबीआई परिपत्र सं: डीबीआर सं.बीपी.बीसी. 102/21.04.048/2017-18 दिनांक 2 अप्रैल 2018 को सृजित बैंक में निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि से ₹749.08 करोड़ आहरित किए चूंकि यह एचएफटी तथा एफएस पोर्टफोलियो का 2 प्रतिशत से अधिक है।

ग. नवोन्मेशी बेमियादी ऋण लिखतें (आईपीडीआई)

जारी आईपीडीआई जो संमिश्र टियर-ख पूंजी के लिए पात्र है तथा बकाया हैं उन आईपीडीआई का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम सं.	बॉण्डों का स्वरूप	मूल राशि (करोड़ में)	जारी करने की तिथि	व्याज दर % प्रति वर्ष
i)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2019-20 श्रृंखला I	3,104.80	30.08.2019	8.75
ii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2019-20 श्रृंखला II	3,813.60	22.11.2019	8.50
iii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला I	4,000.00	09.09.2020	7.74
iv)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड श्रृंखला II	2,500.00	24.11.2020	7.73
v)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2021 श्रृंखला I	4,000.00	03.09.2021	7.72
vi)	एसबीआई बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2021 श्रृंखला I	6,000.00	18.10.2021	7.72
vii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2021 श्रृंखला III	3,974.00	14.12.2021	7.55
viii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला I	6,872.00	09.09.2022	7.75
ix)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला II	4,544.00	21.02.2023	8.20
x)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला III	3,717.00	09.03.2023	8.25
xi)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड श्रृंखला I 2023-24	3,101.00	14.07.2023	8.10
xii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, गैम-जमानती बासेल III एटी 1 बॉण्ड श्रृंखला I 2023-24	5,000.00	19.01.2024	8.34
कुल		50,626.40		

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

घ. गौण ऋण

बॉण्ड अप्रतिभूत, दीर्घावधि, अपरिवर्तनीय एवं सम मूल्य पर मोचनीय पर होते हैं। बकाया गौण ऋणों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	बॉण्डों का स्वरूप	मूल राशि (करोड़ में)	निर्गम तिथि / मोचन की तिथि	व्याज दर % प्रति वर्ष	परिपक्वता अवधि (माह में)
i)	ई-एसबीएम टियर II बासेल III अनुपालक	500.00	17.12.2014 17.12.2024	8.55	120
ii)	ई-एसबीपी टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला I)	950.00	22.01.2015 22.01.2025	8.29	120
iii)	ई-एसबीबीजे टियर II बासेल III अनुपालक	200.00	20.03.2015 20.03.2025	8.30	120
iv)	ई-एसबीएच टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला XIV)	393.00	31.03.2015 31.03.2025	8.32	120
v)	ई-एसबीएच टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला दत्त)	500.00	30.12.2015 30.12.2025	8.40	120
vi)	ई-एसबीएम टियर II बासेल III अनुपालक	300.00	31.12.2015 31.12.2025	8.40	120
vii)	ई-एसबीएम टियर II बासेल III अनुपालक	200.00	18.01.2016 18.01.2026	8.45	120
viii)	ई-एसबीएच टियर II बासेल III अनुपालक (श्रृंखला दत्तख)	200.00	08.02.2016 08.02.2026	8.45	120
ix)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III - टियर II बॉण्ड 2019-20	5,000.00	28.06.2019 28.06.2029	7.99	120
x)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III - टियर II बॉण्ड 2020-21	8,931.00	21.08.2020 21.08.2035	6.80	180
xi)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III - टियर II बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला II	7,000.00	21.09.2020 21.09.2030	6.24	120
xii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III - टियर II बॉण्ड 2020-21 श्रृंखला III	5,000.00	26.10.2020 26.10.2030	5.83	120
xiii)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2022-23 श्रृंखला III	4,000.00	23.09.2022 23.09.2037	7.57	180
xiv)	एसबीआई अपरिवर्तनीय, अप्रतिभूत बासेल III टियर II बॉण्ड 2023-2024 श्रृंखला II	10,000.00	02.11.2023 02.11.2038	7.81	180
योग		43,174.00			

18.2 आस्ति देयता प्रबंधन:

क. 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार आस्तियों व देयताओं की कुछ मदों की परिपक्वता पद्धति

	दिन 1	2 से 7 दिन	8 से 14 दिन	15 से 30 दिन	31 से अधिक तथा 2 माह तक	3 माह से अधिक तथा 6 माह तक	6 माह से अधिक तथा 1 वर्ष तक	1 वर्ष से अधिक तथा 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक तथा 5 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
जमा	62,388.64	91,980.91	48,883.19	76,745.22	96,162.50	73,330.72	2,231,442.7	10,91,758.84	13,08,824.69	4,99,189.18	13,43,668.61
	(62,021.01)	(81,883.25)	(45,827.82)	(64,120.64)	(88,688.79)	(60,036.93)	(1,82,952.43)	(10,66,628.66)	(9,63,143.94)	(5,25,512.40)	(12,82,981.91)
अग्रिम	48,490.57	20,243.78	18,200.46	63,527.57	79,495.23	59,539.62	1,77,491.33	2,58,065.63	14,21,478.78	4,99,508.52	10,57,929.36
	(43,124.35)	(18,214.44)	(16,962.84)	(41,105.18)	(79,902.61)	(60,557.90)	(1,89,565.69)	(2,38,645.46)	(11,55,432.84)	(4,33,665.73)	(9,22,092.26)
निवेश	401.67	4,656.47	2,612.69	12,025.91	20,920.94	29,133.31	47,085.63	1,41,889.43	3,121,03.33	2,13,496.44	8,87,013.84
	(355.75)	(1,278.98)	(4,552.48)	(17,717.98)	(50,026.23)	(25,047.13)	(62,332.71)	(1,86,969.71)	(2,61,846.37)	(2,38,318.28)	(7,21,920.61)
उधारियाँ	59,009.00	1,00,380.89	4,567.20	27,865.05	29,449.90	35,365.03	73,860.39	49,411.34	80,558.21	42,787.25	94,306.65
	(21.11)	(1,05,533.97)	(16,840.87)	(28,535.79)	(27,044.48)	(37,140.22)	(47,064.18)	(55,395.05)	(66,095.16)	(53,366.85)	(56,097.48)
विदेशी मुद्रा आस्तियाँ #	15,621.97	9,830.90	8,385.25	42,254.85	40,481.78	45,373.87	89,465.07	73,261.52	1,82,089.19	1,08,502.14	57,547.38
	(11,699.08)	(8,291.75)	(8,689.76)	(21,566.10)	(40,420.48)	(42,014.10)	(93,188.46)	(73,245.98)	(1,38,699.09)	(1,08,321.98)	(61,971.63)
विदेशी मुद्रा देयताएँ \$	23,328.17	7,999.52	7,797.35	36,812.27	42,343.85	45,723.86	1,11,574.02	96,735.79	99,192.23	64,387.38	19,293.86
	(24,828.68)	(10,034.84)	(9,639.00)	(30,962.01)	(44,476.12)	(50,917.06)	(74,840.99)	(82,402.52)	(74,915.44)	(54,743.19)	(28,376.65)

विदेशी मुद्रा आस्तियाँ, अग्रिमों तथा निवेशों को व्यक्त करती हैं।

\$ विदेशी मुद्रा देयताएँ उधारियों तथा जमाओं को व्यक्त करती हैं।

(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 31 मार्च 2023 के हैं)

ख. चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर):

i. स्टैंडएलोन एलसीआर

- चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) मानक को इस उद्देश्य के साथ शुरू किया गया है कि कोई बैंक भार-रहित उच्च गुणवत्ता चलनिधि आस्तियों (एचक्यूएलए) का पर्याप्त स्तर बनाए रखे है ताकि गंभीर तरलता दबाव परिदृश्य में 30 कैलेंडर दिन की समय अवधि के लिए बैंक की तरलता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्हें नकदी में परिवर्तित किया जा सकता है।

$$\text{एलसीआर} = \frac{\text{उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों का स्टॉक (एचक्यूएलए)}}{\text{अगले 30 कैलेंडर दिनों में कुल निवल नकदी बहिर्गमन}}$$

- तरल संपत्तियों में उच्च गुणवत्ता वाली वे आस्तियाँ होती हैं जिनका आसानी से नकदीकरण किया जा सकता है या किसी प्रकार के तनाव परिदृश्य में नकदी प्राप्त करने के लिए संपार्श्विक के रूप में उपयोग किया जा सकता है।
- एचक्यूएलए स्टॉक में दो प्रकार की आस्तियाँ शामिल होती हैं अर्थात स्तर 1 तथा स्तर 2 आस्तियाँ। स्तर 1 आस्तियाँ 0% हेयरकट (मार्जिन) के साथ जबकि लेवल 2ए और लेवल 2बी आस्तियाँ क्रमशः 15% और 50% हेयरकट के साथ होती हैं।
- कुल शुद्ध नकदी बहिर्प्रवाह, अगले 30 कैलेंडर दिनों के लिए कुल अनुमानित नकदी बहिर्प्रवाह में से कुल नकदी अंतरप्रवाह को घटाकर प्राप्त राशि है।
- कुल अपेक्षित नकदी बहिर्प्रवाह की गणना विभिन्न श्रेणियों या प्रकार की देनदारियों और तुलनपत्र बाह्य प्रतिबद्धताओं की बकाया शेष राशि को उस दर से गुणा है, जिस पर उनका चले जाना या आहारित किया जाना अनुमानित होता है।
- कुल अपेक्षित नकदी अंतरप्रवाह की गणना सांविदागत प्रायों की विभिन्न श्रेणियों के बकाया अधिशेष को उस दर से गुणा करके किया जाता है, जिस पर उनका अंतःप्रवाह अनुमानित है, यह अनुमानित नकदी बहिर्प्रवाह की औसत 75% तक की सीमा तक होता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

(₹ करोड़ में)

एलसीआर घटक	चलनिधि कवरेज अनुपात भारतीय स्टेट बैंक									
	31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही		31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही		30 सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही		30 जून 2023 को समाप्त तिमाही		31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही	
	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत)	कुल भारित मूल्य (औसत)
उच्च गुणवत्तावाली चल आस्तियां (एचव्यूएलए)										
1. उच्च गुणवत्तावाली कुल चल आस्तियां (एचव्यूएलए)		13,13,148		14,08,025		14,04,869		13,06,689		12,13,100
नकदी बहिर्वाह										
2. खुदरा जमा राशियां तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से प्राप्त जमा राशियां, जिनमें से:										
i) स्थिर जमा राशियां	9,73,866	48,693	9,63,926	48,196	9,44,720	47,236	9,23,641	46,182	9,08,572	45,429
ii) कम स्थिर जमा राशियां	22,91,273	2,29,127	22,43,331	2,24,333	21,93,991	2,19,399	21,38,128	2,13,813	21,03,084	2,10,308
3. अप्रत्याभूत थोक निधियन, जिनमें से										
i) परिचालन जमा राशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) गैर-परिचालन जमा राशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	12,70,853	7,46,617	12,47,741	7,33,139	12,18,166	7,08,070	11,38,468	6,61,586	10,48,772	6,07,493
iii) अप्रत्याभूत थोक निधियन, जिनमें से	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. प्रत्याभूत थोक निधियन	1,48,018	188	79,750	1,018	41,700	705	61,710	371	1,37,680	222
5. अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से										
i) डेरिवेटिव एक्सपोजर तथा अन्य संपार्श्विक आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह	4,13,077	4,13,077	3,46,797	3,46,797	3,64,470	3,64,470	3,58,677	3,58,677	3,92,263	3,92,263
ii) उधार उत्पादों पर निधियन की हानि से संबंधित बहिर्वाह	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) ऋण एवं चलनिधि सुविधाएं	1,15,723	33,872	1,15,286	34,180	1,04,535	31,828	83,873	18,372	78,921	13,327
6. अन्य संविदागत निधियन दायित्व	52,747	52,747	58,853	58,853	52,651	52,651	52,021	52,021	46,656	46,656
7. अन्य आकस्मिक निधियन दायित्व	9,50,450	38,029	9,65,578	38,483	9,30,697	37,315	9,26,306	37,027	7,94,503	30,705
8. कुल नकदी बहिर्वाह	62,16,008	15,62,351	60,21,262	14,85,000	58,50,930	14,61,674	56,82,824	13,88,049	55,10,451	13,46,403
नकदी अंतर्वाह										
9. प्रत्याभूत ऋण (उदा. रिवर्स रिपो)	4,445	-	8,722	-	33,127	-	27,901	-	15,796	-
10. पूर्णतः अर्जक एक्सपोजर से अंतर्वाह	5,35,048	4,94,161	4,49,525	4,16,254	4,84,517	4,51,006	4,87,450	4,55,660	5,07,787	4,75,478
11. अन्य नकदी अंतर्वाह	65,374	50,401	60,490	46,853	59,433	45,101	55,480	42,988	54,824	43,516
12. कुल नकदी अंतर्वाह	6,04,867	5,44,562	5,18,737	4,63,107	5,77,077	4,96,107	5,70,831	4,98,648	5,78,407	5,18,994
13. कुल एचव्यूएलए		13,13,148		14,08,025		14,04,869		13,06,689		12,13,100
14. कुल निवल नकदी बहिर्वाह		10,17,789		10,21,893		9,65,567		8,89,401		8,27,409
15. चलनिधि कवरेज अनुपात (%)		129.02%		137.79%		145.50%		146.92%		146.61%

आरबीआई परिपत्र संख्या आरबीआई/2014-15/529 डीबीआर क्रमांक बीपी.बीसी.80/21.06.201/ 2014-15 दिनांक 31 मार्च, 2015 में दिए गए दिशानिर्देश अनुसार, औसत भारित और अभारित राशियों की गणना साधारण दैनिक औसत तथा जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए 67 दिन डेटा बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए की गई है।

- बैंक की एलसीआर तीन माह (वित्त वर्ष 23-24 की चौथी तिमाही) के दैनिक औसत के आधार पर 129.02% है, यह नियामक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 100% की सीमा से अधिक है। तिमाही के लिए औसत एचक्यूएलए 13,13,148 करोड़ रुपए था, जिसमें 96.50% स्तर-1 की आस्तियाँ रहीं। स्तर 2 ए और स्तर 2 बी आस्तियाँ कुल एचक्यूएलए का क्रमशः 2.84% तथा 0.66% रही। तिमाही के दौरान भारत औसत एचक्यूएलए स्तर में 94,877 करोड़ रुपए की गिरावट मुख्य रूप से अतिरिक्त एसएलआर अधिशेष में गिरावट के कारण हुई। इसके अलावा भारत औसत शुद्ध नकदी बहिर्वाह स्थिति में तिमाही के दौरान 4,104 करोड़ रुपए की नगण्य गिरावट के साथ लगभग समान स्तर पर रही। डेरिवेटिव एक्सपोजर को लगभग मेल खाने वाले प्रवाह और बहिर्वाह की स्थिति के कारण महत्वपूर्ण नहीं माना गया है। तिमाही के दौरान, अमेरिकी डॉलर के लिए एलसीआर (विदेशी मुद्रा की महत्वपूर्ण मात्रा जो बैंक के तुलन पत्र का बैंक की बैलेंस शीट का 5% से अधिक है) औसतन 413.69% था।
- बैंक में तरलता प्रबंधन की व्यवस्था आस्ति एवं देयता प्रबंधन (एएलएम) नीति तथा विनियामक निर्धारण द्वारा सुनिश्चित की जाती है। देशी और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग ट्रेजरियाँ, आस्ति देयता प्रबंधन समिति (अल्को) को रिपोर्ट करती हैं। बैंक के बोर्ड द्वारा अल्को को वित्त पोषण रणनीतियों को तैयार करने का अधिकार दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निधीयन के स्रोत विवधिकृत हों तथा बैंक की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप हों। अल्को के सभी महत्वपूर्ण निर्णयों को आवधिक रूप में बोर्ड को रिपोर्ट किया जाता है। बैंक की तरलता आवश्यकताओं के निरंतर मूल्यांकन के लिए दैनिक/मासिक एलसीआर रिपोर्टिंग के अतिरिक्त बैंक दैनिक संचनात्मक तरलता विवरण तैयार किया जाता है।
- बैंक मुख्य रूप से अनिवार्य आवश्यकताओं के अलावा एसएलआर निवेश के रूप में एचक्यूएलए बनाए रखता रहा है। भली भांति विवधिकृत खुदरा जमाएँ कुल निधीयन स्रोतों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रबंधन का विचार है कि बैंक के पास संभावित भावी अल्पकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त तरलता कवर उपलब्ध है।

ii. समेकित एलसीआर

- 31 मार्च 2015 को जारी किए गए पूरक दिशानिर्देशों के माध्यम से आरबीआई ने 1 जनवरी 2016 से समेकित स्तर पर एलसीआर लागू करना निर्धारित किया है, तदनुसार, एलसीआर की गणना समूह स्तर पर की गई है। एलसीआर समूह में शामिल की गई संस्थाएं हैं: भारतीय स्टेट बैंक और सात विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ: कॉमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी मॉस्को, नेपाल एसबीआई बैंक लि., स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया) लिमिटेड, एसबीआई कनाडा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (मॉरीशस) लि., पीटी बैंक एसबीआई इन्डोनेशिया तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड और एक गैर बैंकिंग अनुषंगी (एनबीएस)- एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट सर्विसेस लि.।
- 31 मार्च 2024 को जनवरी, फरवरी और मार्च 2024 तीन महीनों के औसत के आधार पर एसबीआई समूह का एलसीआर 130.62% है, यह न्यूनतम सांविधिक आवश्यकता 100% से अधिक है। समूह मुख्य रूप से अनिवार्य आवश्यकताओं के अलावा एसएलआर निवेश के रूप में एचक्यूएलए बनाए रखता है। खुदरा जमा कुल धन स्रोतों का प्रमुख हिस्सा है, और इस तरह के धन स्रोत अच्छी तरह से विविध हैं। प्रबंधन का विचार है कि बैंक के पास संभावित भावी अल्पकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त तरलता कवर उपलब्ध है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

31.03.2024 को समाप्त तिमाही को समूह चलनिधि अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण (जनवरी-मार्च 2024)

(₹ करोड़ में)

जीएलसीआर घटक	चलनिधि कवरेज अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक समूह)									
	31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही		31 दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही		30 सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही		30 जून 2022 को समाप्त तिमाही		31 मार्च 2022 को समाप्त तिमाही	
	कुल अभारित मूल्य (औसत) **	अभारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत) **	अभारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत) **	अभारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत) **	अभारित मूल्य (औसत)	कुल अभारित मूल्य (औसत) **	अभारित मूल्य (औसत)
उच्च गुणवत्तावाली चल आस्तियां (एचव्यूएलए)										
1. उच्च गुणवत्तावाली कुल चलआस्तियां (एचव्यूएलए)	13,33,091		14,25,393		14,20,958		13,19,419		12,29,440	
नकदी बहिर्वाह										
2. खुदरा जमाराशियां तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से प्राप्त जमाराशियां, जिनमें से:										
i) स्थिर जमाराशियां	9,83,580	49,179	9,73,218	48,661	9,53,708	47,685	9,32,369	46,618	9,16,870	45,844
ii) कम स्थिर जमाराशियां	23,07,011	2,30,701	22,58,617	2,25,862	22,07,929	2,20,793	21,53,165	2,15,317	21,19,665	2,11,966
3. अप्रत्याभूत थोक निधीयन, जिनमें से										
i) परिचालन जमाराशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	225	56	230	57	216	53	246	61	227	57
ii) गैर-परिचालन जमाराशियां (सभी प्रतिपक्षकार)	12,76,114	7,49,851	12,52,935	7,36,431	12,22,809	7,10,853	11,41,412	6,63,575	10,52,154	6,09,695
iii) अप्रत्याभूत थोक निधीयन, जिनमें से	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. प्रत्याभूत थोक निधीयन	1,56,781	8,952	88,496	9,764	50,308	9,024	64,544	2,956	1,46,784	9,078
5. अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से										
i) डेरिवेटिव एक्सपोजर तथा अन्य संपार्श्विक आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह	4,13,228	4,13,228	3,46,959	3,46,959	3,64,624	3,64,624	3,58,820	3,58,820	3,92,411	3,92,411
ii) उधार उत्पादों पर निधीयन की हानि से संबंधित बहिर्वाह	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) ऋण एवं चलनिधि सुविधाएं	1,20,142	36,444	1,19,177	36,489	1,08,542	34,105	87,089	20,170	82,077	14,673
6. अन्य संविदागत निधीयन दायित्व	58,389	58,389	63,855	63,855	57,193	57,193	53,705	53,705	51,587	51,587
7. अन्य आकस्मिक निधीयन दायित्व	9,52,861	38,103	9,68,061	38,559	9,33,228	37,392	9,28,795	37,103	7,96,945	30,779
8. कुल नकदी बहिर्वाह	62,68,331	15,84,903	60,71,548	15,06,636	58,98,557	14,81,723	57,20,144	13,98,325	55,58,720	13,66,090
नकदी अंतर्वाह										
9. प्रत्याभूत ऋण (उदा. रिवर्स रिपो)	4,445	-	8,722	-	33,127	-	27,901	-	15,796	-
10. पूर्णतः अर्जक एक्सपोजर से अंतर्वाह	5,43,472	4,98,808	4,57,008	4,20,686	4,92,349	4,56,021	4,93,482	4,59,482	5,17,534	4,82,562
11. अन्य नकदी अंतर्वाह	80,505	65,532	75,384	61,747	73,426	59,093	59,813	47,321	69,899	58,591
12. कुल नकदी अंतर्वाह	6,28,422	5,64,340	5,41,114	4,82,433	5,98,901	5,15,115	5,81,197	5,06,803	6,03,230	5,41,153
13. कुल एचव्यूएलए	13,33,091		14,25,393		14,20,958		13,19,419		12,29,440	
14. कुल निवल नकदी बहिर्वाह	10,20,563		10,24,203		9,66,608		8,91,522		8,24,937	
15. चलनिधि कवरेज अनुपात (%)	130.62%		139.17%		147.00%		148.00%		149.03%	

** विदेशी बैंकिंग अनुबंधों, एसबीआई कार्ड्स एवं पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के लिए 3 महीने के मासिक औसत डेटा और एसबीआई (एकल) के लिए दैनिक औसत डेटा पर विचार किया गया है।

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के एलसीआर डेटा को मौजूदा नियामक दिशानिर्देशों के साथ संरेखित करने के लिए जीएलसीआर में शामिल किया गया है।

ग. निवल स्थिर निधीयन अनुपात:

i. एकल निवल स्थिर निधीयन अनुपात:

निवल स्थिर निधीयन अनुपात (एनएसएफआर) दिशानिर्देश भविष्य के फंडिंग तनाव के जोखिम को कम करने के लिए बैंकों को पर्याप्त रूप से स्थिर फंडिंग स्रोतों के साथ अपनी गतिविधियों के निधीयन की आवश्यकता द्वारा दीर्घकालिक समय अवधि में फंडिंग जोखिम में कमी सुनिश्चित करते हैं। एनएसएफआर को आवश्यक स्थिर फंडिंग की राशि के सापेक्ष उपलब्ध स्थिर फंडिंग की राशि के रूप में परिभाषित किया गया है।

$$\text{एनएसएफआर} = \frac{\text{उपलब्ध स्थिर निधीयन राशि (एसएफ)}}{\text{आवश्यक स्थिर निधीयन राशि (आरएसएफ)}} \geq 100\%$$

मात्रात्मक प्रकटीकरण: निम्नलिखित तालिकाओं में 31 मार्च 2024, 31 दिसंबर 2023, 30 सितंबर 2023 और 30 जून 2023 (अर्थात तिमाही अंत अवलोकन) के अनुसार एसबीआई (एकल) के एनएसएफआर घटकों के अभांरित और भांरित मूल्य शामिल हैं:

(₹ करोड़ में)

निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)										
एनएसएफआर घटक	31.03.2024 की स्थिति				भारित मूल्य	31.12.2023 की स्थिति				भारित मूल्य
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य					शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य				
	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1वर्ष	> 1वर्ष		परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1वर्ष	> 1वर्ष	
एएसएफ मद										
1. पूंजी: (2+3)	3,77,247	3,105	3,814	79,838	4,64,004	368954	1251	6918	76382	453506
2. विनियामक पूंजी	3,58,705	3105	3814	79,838	4,45,462	350340	1251	6918	76,382	4,34,892
3. अन्य पूंजी लिखतें	18,542	-	-	-	18,542	18,614	-	-	-	18,614
4. खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	16,02,459	5,88,512	6,22,429	5,49,524	30,74,694	15,93,150	5,94,165	6,10,677	5,64,644	30,75,423
5. स्थिर जमाएँ	4,43,077	1,82,809	1,93,742	1,41,632	9,13,196	4,69,216	1,68,175	1,96,319	1,47,299	9,31,958
6. घटा स्थिर जमाएँ	11,59,382	4,05,703	4,28,687	4,07,892	21,61,498	11,23,934	4,25,990	4,14,358	4,17,345	21,43,465
7. शोक निधियाँ: (8+9)	3,08,566	3,15,640	3,35,541	3,90,725	8,36,607	2,99,886	3,27,831	3,19,336	3,73,219	8,11,311
8. परिचालन जमाएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. अन्य शोक जमाएँ	3,08,566	3,15,640	3,35,541	3,90,725	8,36,607	2,99,886	3,27,831	3,19,336	3,73,219	8,11,311
10. अन्य देयताएँ: (11+12)	8,85,327	2,12,541	4,531	12,859		7,44,511	2,60,828	45,509	9,680	-
11. एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ		624	653	1,378			708	1,086	1,114	
12. उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इक्विटी	8,85,327	2,11,917	3,878	11,481	-	7,44,511	2,60,120	44,423	8,566	-
13. कुल एएसएफ (1+4+7+10)					43,75,305					43,40,239
आरएसएफ मद										
14. एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)					76,912					79,791
15. परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	15,926	38,182	-	1,770	27,939	23,931	31,581	-	3,413	29,462
16. निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	-	7,41,608	2,85,179	9,45,957	10,87,120	-	7,70,941	2,48,070	9,42,614	10,75,705
17. स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	26,311	-	-	2,631	-	5,069	-	-	506
18. गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	-	1,42,006	-	-	21,301	-	1,84,457	-	-	27,669
19. गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से ऋण जोखिम के लिए बेसल खस्र मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	5,73,291	2,85,179	4,82,649	7,42,957	-	5,81,415	2,48,077	4,77,209	7,24,928
20. ऋण जोखिम के लिए बेसल खस्र मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	4,82,649	3,13,722	-	-	-	4,77,209	3,10,186
21. निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	3,67,902	2,39,137	-	-	-	3,64,964	2,37,227
22. ऋण जोखिम के लिए बेसल खस्र मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,67,902	2,39,137	-	-	-	3,64,964	2,37,227
23. प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित इकिटियों सहित	-	-	-	95,406	81,094	-	-	-	1,00,441	85,375
24. अन्य आस्तियाँ: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	13,85,530	58,989	9,104	13,11,076	26,06,594	13,17,421	72,023	6,613	12,84,789	25,22,006
25. स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	53				45	-				-
26. डेरिवेटिव्स संविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियां तथा सीसीपी की चूक निधियाँ		-	-	-	1,092		-	-	-	1,092
27. एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ		-	-	2,439	1,363		-	-	2,980	1,491
28. पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ		86	70	369	525		92	90	375	557
29. उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	13,85,477	58,903	9,034	13,08,268	26,03,569	13,17,421	71,931	6,523	12,81,434	25,18,866
30. तुलन पत्र बाह्य मदें		10,65,598	-	-	43,665		10,62,210	-	-	43,368
31. कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					38,42,230					37,50,332
32. निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					113.87%					115.73%

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)

निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- एकल)										
एनएसएफआर घटक	31.03.2024 की स्थिति				भारित मूल्य	31.12.2023 की स्थिति				भारित मूल्य
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभाजित मूल्य					शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभाजित मूल्य				
	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1वर्ष	≥ 1वर्ष		परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1वर्ष	≥ 1वर्ष	
एएसएफ मद										
1) पूंजी: (2+3)	3,59,227	6,066	4,356	79,812	4,49,461	3,44,442	6,066	1,251	79,815	4,31,574
2) विनियामक पूंजी	3,40,726	6,066	4,356	79,812	4,30,960	3,26,027	6,066	1,251	79,815	4,13,160
3) अन्य पूंजी लिखतें	18,501	-	-	-	18,501	18,415	-	-	-	18,414
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	15,81,038	4,82,640	6,16,804	5,79,247	29,82,405	15,56,003	4,72,015	5,75,441	5,78,423	29,11,115
5) स्थिर जमाएँ	4,69,703	1,48,135	2,01,913	1,53,228	9,24,330	4,58,943	1,47,638	1,86,444	1,55,402	9,01,006
6) घटा स्थिर जमाएँ	11,11,335	3,34,505	4,14,891	4,26,019	20,58,075	10,97,060	3,24,377	3,88,997	4,23,021	20,10,109
7) थोक निधियाँ: (8+9)	2,82,954	3,79,559	3,44,413	4,34,291	8,86,297	2,94,031	3,54,638	3,02,464	4,74,994	9,07,477
8) परिचालन जमाएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9) अन्य थोक जमाएँ	2,82,954	3,79,559	3,44,413	4,34,291	8,86,297	2,94,031	3,54,638	3,02,464	4,74,994	9,07,477
10) अन्य देयताएँ: (11+12)	7,61,016	1,32,216	27,349	11,884	-	7,33,067	1,26,422	33,712	31,342	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ		1,466	824	2,118			33	1,046	-	
12) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इकिटी	7,61,016	1,30,750	26,525	9,766	-	7,33,067	1,26,389	32,666	31,342	-
13) कुल एएसएफ (1+4+7+10)					43,18,163					42,50,166
आरएसएफ मद										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तिया (एचक्यूएलए)					83,488					77,061
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	20,897	37,539	-	3,177	30,807	14,717	41,720	-	2,445	29,441
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	-	7,29,046	2,22,536	5,63,980	7,96,109	5,787	6,60,675	2,49,766	6,06,999	8,22,041
17) स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	30,426	-	-	3,043	-	6,934	-	-	693
18) गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	-	1,55,660	-	-	23,349	-	1,41,433	-	-	21,215
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण , जिसमें से	-	5,42,960	2,22,536	2,60,200	5,51,878	-	5,12,308	2,49,766	2,94,740	5,72,619
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खरख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	2,60,200	1,69,130	-	-	-	2,94,740	1,91,581
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	2,01,867	1,31,213	-	-	-	2,14,124	1,39,181
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खरख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	2,01,867	1,31,213	-	-	-	2,14,124	1,39,181
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं है, एक्सचेंज व्यापारित इकिटियों सहित	-	-	-	1,01,913	86,626	5,787	-	-	98,135	88,333
24) अन्य आस्तियाँ: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	12,02,987	72,127	4,092	15,85,817	26,58,137	13,00,570	49,832	3,383	14,92,735	26,46,725
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	-				-	-				-
26) डेरिवेटिव्स संविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चूक निधियाँ		-	-	-	1,603		-	-	-	1,088
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ		-	36	2,336	56		238	-	828	20
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ		145	80	546	771		2,073	741	2,602	5,416
29) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	12,02,987	71,982	3,976	15,82,935	26,55,707	13,00,570	47,521	2,642	14,89,305	26,40,201
30) तुलन पत्र बाह्य मंद		10,67,040	-	-	43,987		10,24,700	-	-	42,093
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					36,12,528					36,17,360
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					119.53%					117.49%

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं RBI/2017-18/178, DBR.BP.BC.No.106/21.04.098/2017-18 दिनांक 17 मई, 2018 में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तिमाही अंत के अनुवीक्षण को ऊपर टेम्पलेट में प्रस्तुत किया गया है।

चौथी तिमाही (विव 2024) के अंत में बैंक का एनएसएफआर 113.87% है और 1 अक्टूबर 2021 से प्रभावी भारतीय रिजर्व बैंक दिशानिर्देशों में निर्धारित 100% के न्यूनतम नियामक आवश्यकता से अधिक है। 31 मार्च 2023 तक, उपलब्ध स्थिर निधीयन राशि (एसएफ) की स्थिति ₹43,75,305 करोड़ रूपए और आवश्यक स्थिर फंडिंग (आरएसएफ) स्थिति ₹38,42,230 करोड़ थी। 31 दिसंबर 2023 की तुलना में 31 मार्च 2024 को कुल एसएफ और आरएसएफ के मूल्यों में वृद्धि हुई। एसएफ को पूंजी और देनदारियों के हिस्से के रूप में परिभाषित किया गया है जो एनएसएफआर के लिए विचार किए गए समय क्षितिज पर विश्वसनीय होने की उम्मीद है। किसी विशिष्ट संस्थान का आरएसएफ उस संस्थान द्वारा धारित विभिन्न परिसंपत्तियों की चलनिधि विशेषताओं और अवशिष्ट परिपक्वता के साथ-साथ उसके ऑफ-बैलेंस शीट (ओबीएस) एक्सपोजर का एक कार्य है।

बैंक में चलनिधि प्रबंधन बैंक की एएलएम नीति और विनियामक निर्धारण द्वारा सुनिश्चित की जाती है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ट्रेजरी परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (अल्को) को रिपोर्ट कर रहे हैं। एल्को को बैंक के बोर्ड द्वारा वित्त पोषण रणनीतियों को तैयार करने के लिए सशक्त बनाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निधीयन के स्रोत विविध हों तथा बैंक की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप हों। एल्को के सभी प्रमुख निर्णयों को समय-समय पर बैंक के बोर्ड को सूचित किया जा रहा है। दैनिक/ मासिक एलसीआर रिपोर्टिंग के अलावा, बैंक निरंतर आधार पर बैंक की तरलता आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए दैनिक संरचनात्मक चलनिधि विवरण तैयार करता है।

बैंक मुख्य रूप से अनिवार्य आवश्यकताओं के अलावा एसएलआर निवेश के रूप में एचक्यूएलए बनाए रखता है। खुदरा जमा कुल वित्त पोषण स्रोतों का बड़ा हिस्सा है, जो अच्छी तरह से विविध हैं। प्रबंधन का विचार है कि बैंक के पास अपनी तत्काल/संभावित भावी अल्पकालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त चलनिधि है।

ii. समेकित निवल स्थिर निधीयन अनुपात

आरबीआई के दिशानिर्देशों में दिसंबर 2021 तिमाही से एक समेकित स्तर पर एनएसएफआर के कार्यान्वयन को निर्धारित किया गया है और तदनुसार, एनएसएफआर की गणना समूह स्तर पर की गई है।

एनएसएफआर समूह में शामिल इकाइयां एसबीआई और सात विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ हैं। कॉमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी मास्को, नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया) लिमिटेड, एसबीआई कनाडा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (मॉरीशस) लिमिटेड, बैंक एसबीआई इंडोनेशिया और एसबीआई (यूके) लिमिटेड।

31 मार्च 2024 को एसबीआई समूह का एनएसएफआर 114.11% है, जो न्यूनतम विनियामक आवश्यकता 100% से अधिक है।

उपलब्ध स्थिर निधि (एसएफ) को पूंजी और देनदारियों के उस हिस्से के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एनएसएफआर द्वारा विचारित समय क्षितिज पर विश्वसनीय होने की उम्मीद है, जो एक वर्ष तक विस्तारित है। किसी विशिष्ट समूह का आवश्यक स्थिर निधि (आरएसएफ) उस समूह द्वारा धारित विभिन्न परिसंपत्तियों की तरलता विशेषताओं और अवशिष्ट परिपक्वताओं के साथ-साथ उसके ऑफ-बैलेंस शीट (ओबीएस) जोखिमों का एक कार्य है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)

प्रकटीकरण टेम्पलेट	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक- समूह)									
	31.03.2024 की स्थिति					31.12.2023 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य	भारित मूल्य			भारित मूल्य	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य	भारित मूल्य			भारित मूल्य
एनएसएफआर घटक	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष		परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	
एसएफ मद्										
1) पूंजी: (2+3)	3,85,707	3,105	3,814	89,039	4,81,664	3,77,578	1,251	6,918	85,228	4,70,976
2) विनियामक पूंजी	3,67,165	3,105	3,814	82,098	4,56,182	3,58,964	1,251	6,918	78,466	4,45,600
3) अन्य पूंजी लिखतें	18,542	-	-	6,941	25,482	18,614	-	-	6,762	25,375
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	16,20,936	5,95,749	6,30,122	5,50,270	31,06,637	16,11,259	6,02,215	6,16,776	5,65,383	31,06,308
5) स्थिर जमाएँ	4,57,467	1,87,161	1,98,364	1,42,369	9,36,094	4,83,405	1,73,065	2,00,268	1,48,032	9,54,532
6) घटा स्थिर जमाएँ	11,63,469	4,08,587	4,31,757	4,07,901	21,70,543	11,27,854	4,29,150	4,16,508	4,17,351	21,51,776
7) शोक निधियाँ: (8+9)	3,10,638	3,18,836	3,38,710	3,90,725	8,40,826	3,01,852	3,33,508	3,22,213	3,73,219	8,16,570
8) खुदरा एवं लघु व्यवसाय ग्राहकों द्वारा प्रदान की गई कम स्थिर गैर-परिपक्वता जमा राशियाँ तथा एक वर्ष से कम की शेष परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमा राशियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9) अन्य शोक जमाएँ	3,10,638	3,18,836	3,38,710	3,90,725	8,40,826	3,01,852	3,33,508	3,22,213	3,73,219	8,16,570
10) अन्य देयताएँ: (11+12)	8,86,573	2,18,109	4,531	12,859	-	7,45,870	2,64,532	45,509	9,680	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	624	653	1,378	-	-	708	1,086	1,113	-
12) उपयुक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इकिटी	8,86,573	2,17,485	3,878	11,481	-	7,45,870	2,63,824	44,423	8,566	-
13) कुल एसएफ (1+4+7+10)					44,29,127					43,93,854
आरएसएफ मद्										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियाँ (एचव्यूएलए)					77,865					80,709
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	16,329	38,182	1,249	1,770	28,765	24,553	31,581	1,331	3,413	30,439
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	32	7,47,666	2,87,215	9,78,582	11,16,083	32	7,77,069	2,50,744	9,74,322	11,04,128
17) स्तर 1 एचव्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	26,311	-	-	2,631	-	5,069	-	-	507
18) गैर-स्तर 1 एचव्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	-	1,44,984	-	-	21,748	-	1,87,918	-	-	28,188
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से ऋण जोखिम के लिए बेसल खस मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	32	5,76,371	2,87,215	4,84,458	7,46,722	32	5,84,082	2,50,744	4,78,737	7,28,622
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खस मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	167	-	4,84,395	3,14,965	-	166	-	4,78,668	3,11,242
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	3,97,370	2,62,741	-	-	-	3,93,846	2,60,332
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खस मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	3,90,158	2,58,054	-	-	-	3,86,627	2,55,640
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचव्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित ईकिटियाँ सहित	-	-	-	96,754	82,241	-	-	-	1,01,739	86,478
24) अन्य आस्तियाँ: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	13,85,866	59,012	9,104	13,18,896	26,14,772	13,17,835	72,935	6,988	12,91,819	25,30,737
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	53	-	-	-	45	-	-	-	-	-
26) डेरिवेटिव संविदा के लिए आरंभिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चूक निधियाँ	-	-	-	-	1,092	-	-	-	-	1,092
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ	-	22	-	2,439	1,387	-	19	-	2,980	1,540
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	86	70	369	525	-	93	90	375	557
29) उपयुक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	13,85,813	58,903	9,034	13,16,088	26,11,723	13,17,835	72,823	6,898	12,88,465	25,27,547
30) तुलन पत्र बाह्य मद्		10,67,971	-	-	43,956		10,63,957	-	-	43,612
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					38,81,441					37,89,625
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					114.11%					115.94%

(₹ करोड़ में)

प्रकटीकरण टेम्पलेट	निवल स्थिर निधीयन अनुपात (भारतीय स्टेट बैंक - समूह)									
	31.03.2024 की स्थिति					31.12.2023 की स्थिति				
	शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य					शेष परिपक्वता अवधि के आधार पर अभांरित मूल्य				
एनएसएफआर घटक	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य	परिपक्वता नहीं	< 6 माह	6 माह से < 1 वर्ष	≥ 1 वर्ष	भारित मूल्य
एसएसएफ मद										
1) पूंजी: (2+3)	3,67,558	6,066	4,356	88,878	4,66,859	3,52,523	6,066	1,251	88,577	4,48,418
2) विनियामक पूंजी	3,49,057	6,066	4,356	81,692	4,41,171	3,34,108	6,066	1,251	81,606	4,23,032
3) अन्य पूंजी लिखतें	18,501	-	-	7,187	25,688	18,415	-	-	6,971	25,386
4) खुदरा जमाएँ तथा लघु व्यवसाय ग्राहकों से जमाएँ: (5+6)	15,97,765	4,91,800	6,21,235	5,79,950	30,11,374	15,74,388	4,80,238	5,81,219	5,79,160	29,41,999
5) स्थिर जमाएँ	4,82,164	1,52,805	2,05,104	1,53,921	9,44,294	4,72,037	1,51,130	1,90,593	1,56,126	9,21,391
6) घटा स्थिर जमाएँ	11,15,600	3,38,995	4,16,131	4,26,029	20,67,080	11,02,351	3,29,108	3,90,626	4,23,034	20,20,607
7) धोक निधियाँ: (8+9)	2,85,234	3,84,985	3,46,576	4,34,291	8,91,232	2,95,029	3,57,120	3,07,079	4,74,994	9,11,525
8) परिचालन जमाएँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9) अन्य धोक जमाएँ	2,85,234	3,84,985	3,46,576	4,34,291	8,91,232	2,95,029	3,57,120	3,07,079	4,74,994	9,11,525
10) अन्य देवताएँ: (11+12)	7,62,037	1,35,889	27,349	11,884	-	7,34,210	1,29,762	33,712	31,342	-
11) एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	1,467	824	2,118	-	-	33	1,046	-	-
12) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य देयताएँ व इकिटी	7,62,037	1,34,423	26,525	9,766	-	7,34,210	1,29,729	32,666	31,342	-
13) कुल एसएसएफ (1+4+7+10)					43,69,465					43,01,942
आरएसएफ मद										
14) एनएसएफआर उच्च गुणवत्ता वाली कुल तरल आस्तियाँ (एचक्यूएलए)					84,579					78,114
15) परिचालन उद्देश्य से अन्य वित्तीय संस्थानों के पास रखी गई जमा राशियाँ	21,430	37,539	1,384	3,177	31,765	15,511	41,720	1,702	2,445	30,689
16) निष्पादक ऋण तथा प्रतिभूतियाँ: (17+18+19+21+23)	138	7,36,006	2,24,071	5,92,912	8,22,318	5,815	6,65,381	2,52,029	6,37,245	8,48,934
17) स्तर 1 एचक्यूएलए से प्रत्याभूत अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण	-	30,426	-	-	3,043	-	6,934	-	-	693
18) गैर-स्तर 1 एचक्यूएलए द्वारा प्रत्याभूत न किए गए अन्य वित्तीय संस्थानों को निष्पादित ऋण तथा वित्तीय संस्थानों को अप्रत्याभूत निष्पादित ऋण	108	1,58,595	-	-	23,806	-	1,43,533	-	-	21,530
19) गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट ग्राहकों को निष्पादित ऋण, खुदरा व लघु व्यवसाय ग्राहकों को ऋण तथा राष्ट्रीय, केंद्रीय बैंकों व पीएसई को ऋण, जिसमें से	30	5,46,984	2,24,071	2,61,648	5,55,628	28	5,14,914	2,52,029	2,95,906	5,75,835
20) ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	165	-	2,61,576	1,70,131	-	166	-	2,95,811	1,92,385
21) निष्पादक देशीय बंधक, जिसमें से:	-	-	-	2,27,920	1,52,000	-	-	-	2,41,402	1,61,011
22) ऋण जोखिम के लिए बेसल खख मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 35% या उससे कम जोखिम भार सहित	-	-	-	2,21,128	1,47,585	-	-	-	2,34,621	1,56,603
23) प्रतिभूतियाँ जिनमें चूक नहीं हुई है तथा एचक्यूएलए विशेषक नहीं हैं, एक्सचेंज व्यापारित इकिटियों सहित	-	-	-	1,03,343	87,842	5,787	-	-	99,937	89,865
24) अन्य आस्तियाँ: (25 से 29 पंक्तियों का योग)	12,03,303	72,306	5,033	15,93,596	26,67,352	13,00,898	50,092	4,281	14,99,593	26,55,069
25) स्वर्ण सहित भौतिक रूप से व्यापारित पण्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
26) डेरिवेटिव्स सविदा के लिए आंशिक मार्जिन के रूप में पोस्ट की गई आस्तियाँ तथा सीसीपी की चुक निधियाँ	-	-	-	-	1,603	-	-	-	-	1,088
27) एनएसएफआर डेरिवेटिव आस्तियाँ	-	-	36	2,336	59	-	316	-	828	112
28) पोस्ट किए गए परिवर्तन मार्जिन की कटौती से पहले एनएसएफआर डेरिवेटिव देयताएँ	-	145	80	546	771	-	2,073	741	2,602	5,416
29) उपर्युक्त श्रेणियों में शामिल न की गई अन्य सभी आस्तियाँ	12,03,303	72,161	4,917	15,90,714	26,64,920	13,00,898	47,703	3,540	14,96,163	26,48,453
30) तुलन पत्र बाह्य मदें		10,68,619	-	-	44,240		10,26,147	-	-	42,299
31) कुल आरएसएफ (14+15+16+24+30)					36,50,255					36,55,104
32) निवल स्थिर निधीयन अनुपात (%)					119.70%					117.70%

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं आरबीआई/2017-18/178, डीबीआर.बीपी.बीसी.सं.106/21.04.098/2017-18 दिनांक 17 मई, 2018 में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार तिमाही अंत के अनुवीक्षण को उपरोक्त टेम्पलेट में प्रस्तुत किया गया है। पूंजी और जमा से संबंधित एसएसएफ मदों को वित्तीय रिपोर्टिंग और प्रकटीकरण से संबंधित मौजूदा निर्देशों के साथ संरेखित करने के लिए पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

टिप्पणी: उपर्युक्त आंकड़े विदेशी बैंकिंग सहायक कंपनियों के प्रबंधन प्रमाणित आंकड़ों (जो समीक्षा/लेखापरीक्षा के अधीन नहीं हैं) और भारतीय स्टेट बैंक (एकल) के प्रासंगिक रिकार्डों के आधार पर संकलित किए गए हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

18.3 निवेश

क. निवेश पोर्टफोलियो की संरचना:

चालू वर्ष

31.03.2024 को निवेशों की संरचना	भारत में निवेश						भारत के बाहर निवेश				संपूर्ण बैंक	
	सरकारी प्रतिभूतियाँ	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	शेयर	डिबेंचर व बॉण्ड	अनुबंध और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत में कुल निवेश	सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	अनुबंध और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत के बाहर कुल निवेश	कुल निवेश
परिपक्वता तक धारित												
	10,65,696.16	-	8.00	16,620.41	7,792.63	1,580.00	10,91,697.20	778.07	5,680.22	133.90	6,592.19	10,98,289.39
	-	-	8.00	-	42.87	112.05	162.92	-	-	6.66	6.66	169.58
	10,65,696.16	-	-	16,620.41	7,749.76	1,467.95	10,91,534.28	778.07	5,680.22	127.24	6,585.53	10,98,119.81
बिक्री के लिए उपलब्ध												
	2,94,170.75	-	7,994.55	1,62,615.06	7,810.00	43,921.54	51,651.90	31,226.31	-	29,543.88	60,770.19	5,77,282.09
	8.42	-	7,952.8	2,349.66	-	6,452.17	9,605.53	324.56	-	775.11	1,099.67	10,705.20
	2,94,162.33	-	7,199.27	1,60,265.40	7,810.00	37,469.37	5,06,906.37	30,901.75	-	28,768.77	59,670.52	5,66,576.89
ट्रेडिंग के लिए धारित												
	5,881.70	-	-	761.26	-	-	6,642.96	-	-	-	-	6,642.96
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	5,881.70	-	-	761.26	-	-	6,642.96	-	-	-	-	6,642.96
कुल निवेश												
	13,65,748.61	-	8,002.55	1,79,996.73	15,602.63	45,501.54	16,14,852.06	32,004.38	5,680.22	29,677.78	67,362.38	16,82,214.44
	-	-	692.30	1,128.52	-	-	1,820.82	-	-	-	-	1,820.82
	13,65,740.19	-	7,199.27	1,77,647.07	15,559.76	38,937.32	16,05,083.61	31,679.82	5,680.22	28,896.01	66,256.05	16,71,339.66

* इसमें एनआईसीआरए शामिल है शॉर्ट सेल

(₹ करोड़ में)

31.03.2023 को निवेशों की संरचना	भारत में निवेश					भारत के बाहर निवेश					संपूर्ण बैंक	
	सरकारी प्रतिभूतियाँ	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	शेयर डिबेंचर व बॉण्ड	अनुबंध और/या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत में कुल निवेश	सरकारी प्रतिभूतियाँ (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	अनुबंधियाँ /या संयुक्त उद्यम	अन्य	भारत के बाहर कुल निवेश	कुल निवेश	
परिपक्वता तक धारित	सकल	9,20,090.06	-	8.00	31,374.37	6,283.10	1,645.38	9,59,400.91	804.03	5,680.22	133.90	9,66,019.06
	घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई) के लिए प्रावधान	-	-	8.00	-	42.87	-	50.87	-	-	6.66	57.53
	निवल	9,20,090.06	-	-	31,374.37	6,240.23	1,645.38	9,59,350.04	804.03	5,680.22	127.24	9,65,961.53
	बिक्री के लिए उपलब्ध											
ट्रेडिंग के लिए धारित	सकल	3,21,270.14	-	15,023.56	1,86,512.77	7,810.00	34,457.85	5,65,074.32	29,703.87	-	26,886.83	6,21,665.02
	घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान	2,701.98	-	976.66	4,494.37	-	7,026.91	15,199.92	448.70	-	1,323.35	16,971.97
	निवल	3,18,568.17	-	14,046.90	1,82,018.40	7,810.00	27,430.94	5,49,874.40	29,255.17	-	25,563.48	6,04,693.05
	सकल	(326.93) ®	-	40.99	-	-	-	(285.94)	-	-	-	(285.94)
कुल निवेश	घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई हेतु प्रावधान	2.37	-	0.04	-	-	-	2.41	-	-	-	2.41
	निवल	(329.30)	-	40.95	-	-	-	(288.35)	-	-	-	(288.35)
	कुल निवेश											
	सकल	12,41,033.27	-	15,072.55	217,887.14	14,093.10	36,103.23	15,241,892.29	30,507.90	5,680.22	27,020.73	15,87,398.14
कुल निवेश	घटाएँ: अलाभकारी निवेशों (एनपीआई)* के लिए प्रावधान	-	-	741.17	2,325.38	-	-	3,066.55	-	-	-	3,066.55
	घटाएँ: मूल्यहास तथा एनपीआई के लिए प्रावधान	2,704.35	-	243.53	2,168.99	42.87	7,026.91	12,186.65	448.70	-	1,330.01	13,965.36
	निवल	12,38,328.92	-	14,087.85	2,13,392.77	14,050.23	29,076.32	15,08,936.09	30,059.20	5,680.22	25,690.72	15,70,366.23
	कुल निवेश											

* इसमें एनआईसीआरए शामिल है शॉर्ट सेल

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- i. ₹1,97,965.23 करोड़ के अंकित मूल्य की प्रतिभूतियाँ (पिछले वर्ष ₹2,19,371.58 करोड़) को विलियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल/एनएससीसीएल/एमसीएक्स/एनएसईआईएल/बीएसई) के पास प्रतिभूति निपटान के लिए मार्जिन के रूप में रखा गया है।
- ii. 25 जुलाई 2023 को, बैंक ने एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड नामक एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल किया है। 3 अगस्त 2023 को, बैंक ने ₹0.10 करोड़ की पूंजी डाली है। कंपनी कॉरपोरेट डेट मार्केट डेवलपमेंट फंड (सीडीएमडीएफ) के लिए ट्रस्टीशिप सेवाएं प्रदान करेगी।
- iii. 7 फरवरी 2024 को बैंक ने वेंचर कैपिटल फंड के लिए स्टेप-डाउन सब्सिडियरी एसबीआईसीएपी वेंचर्स लिमिटेड, एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी की 100% हिस्सेदारी ₹708.07 करोड़ में हासिल कर ली है। पहले यह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी थी।
- iv. 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, बैंक ने एक सहायक कंपनी एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में ₹489.67 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी लगाई है। कंपनी ने कर्मचारियों को ईएसओपी भी आवंटित किया है और परिणामस्वरूप, बैंक की हिस्सेदारी 69.95% से घटकर 69.11% हो गई है।
- v. 8 दिसंबर 2023 को बैंक ने एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईसीएपीएस) की पूरी 20% हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में बैंक की हिस्सेदारी 60% से बढ़कर 80% हो गई है। लेन-देन के लिए भुगतान किया गया प्रतिफल ₹229.52 करोड़ है।
- vi. 10 मई 2023 को, बैंक ने 8 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में ₹82.16 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी का आनुपातिक हिस्सा डाला है।
- vii. 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं डीओआर.एसटीआर.आरईसी.85/21.04.048/2023-24 दिनांक 27 मार्च 2024 के अनुसरण में वैकल्पिक निवेश निधियों (एआईएफ) में निवेश के लिए ₹123.34 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

ख. निवेश पर मूल्यहास और निवेश उतार-चढ़ाव रिजर्व के लिए घटना-बढ़ता प्रावधान:

i. निवेश पर मूल्यहास की दिशा में प्रावधानों में बदलाव:

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष की शुरुआत में शेष	16,238.34	10,825.22
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	331.32	6,561.52
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग किया गया प्रावधान	-	-
जोड़ें: विदेशी मुद्रा पुनर्मूल्यांकन समायोजन	-8.64	506.78
कम: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधान को बड़े खाते में डालना/वापस	6,240.53	1,654.18
वर्ष के अंत में शेष	10,320.49	16,238.34

(एलआईसीआर को छोड़कर)

ii. घटते बढ़ते निवेश आरक्षित निधि (इन्वेस्टमेंट प्लक्चुरेशन रिजर्व) में उतार-चढ़ाव:

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष	12,271.38	7,695.95
जोड़ें: वर्ष के दौरान अंतरित राशि	-	4,575.43
घटाएं: आहरण	749.08	-
अंतिम शेष	11,522.30	12,271.38
एफएस और एचएफटी श्रेणी में निवेश का अंतिम शेष	5,76,115.05	6,13,569.08
एफएस और एचएफटी श्रेणी में निवेश के अंतिम शेष के प्रतिशत के रूप में आईएफआर में अंतिम शेष	2.00%	2.00%

ग. एचटीएम श्रेणी को/से प्रतिभूतियों की बिक्री और अंतरण:

वर्ष के आरंभ में एचटीएम श्रेणी को/से प्रतिभूतियों की बिक्री और अंतरण का मूल्य एचटीएम श्रेणी में रखे गए निवेश के बुक वैल्यू के 5% से अधिक नहीं है।

घ. गैर-सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश पोर्टफोलियो:**i. गैर-निष्पादित गैर-एसएलआर निवेश:**

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
प्रारंभिक शेष	3,215.69	2,276.71
वर्ष के दौरान वृद्धि	5.50	1,889.18
वर्ष के दौरान कमी	1,396.20	950.20
अंतिम शेष	1,824.98	3,215.69
उपरोक्त पर कुल प्रावधान	1,820.82	3,066.55

ii. गैर एसएलआर निवेशों की निर्गमकर्ता संरचना:

बैंक के गैर-एसएलआर निवेशों की निर्गमकर्ता संरचना निम्नानुसार है:

क्र. सं.	निर्गमकर्ता	राशि		निजी प्लेसमेंट की सीमा		निवेश ग्रेड से नीचे प्रतिभूतियों की सीमा*		रेटिंग रहित प्रतिभूतियों की सीमा*		असूचीबद्ध प्रतिभूतियों की सीमा*	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i	सार्वजनिक उपक्रम	38,279.77	42,703.40	28,154.55	28,663.04	-	-	-	-	-	-
ii	वित्तीय संस्थाएं	1,12,966.27	1,49,308.37	71,839.06	84,520.37	100.00	145.00	-	-	-	-
iii	बैंक	27,558.41	18,833.65	15,853.58	11,356.69	23.62	23.62	23.62	23.62	23.62	23.62
iv	निजी कॉर्पोरेट्स	74,073.77	74,364.75	25,583.41	30,051.60	1,991.30	641.37	1,966.70	293.79	375.00	375.00
v	अनुषंगियां/ संयुक्त उद्यम **	21,282.84	19,773.32	-	-	-	-	-	-	-	-
vi	अन्य	42,307.77	41,381.38	3,723.36	3,712.26	2,605.13	2,878.45	133.67	133.67	-	-
vii	मूल्यहास के लिए किया गया प्रावधान एलआईसीआरए सहित	10,866.36	14,327.56	24.58	44.40	22.09	45.04	220.29	67.62	398.62	-
कुल		3,05,599.47	3,32,037.31	1,45,129.38	1,58,259.56	4,697.96	3,643.40	1,903.70	383.46	398.62	398.62

* इक्विटी, इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड, वेंचर कैपिटल, स्टेट आस्तियों से समर्थित प्रतिभूतियां, केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियां तथा एआरसीआईएल में निवेशों को इन श्रेणियों के अंतर्गत अलग नहीं किया जाता है क्योंकि इन्हें रेटिंग/सूचीकरण दिशानिर्देशों से छूट प्राप्त है।

** अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों में निवेशों को विभिन्न श्रेणियों में अलग नहीं किया गया है क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक के संगत दिशानिर्देशों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ड. चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) सहित रेपो लेनदेन (अंकित मूल्य पर):

वर्ष के दौरान एलएएफ सहित रेपो और रिवर्स रेपो के अधीन विक्रय एवं क्रय की गई प्रतिभूतियों का विवरण निम्नानुसार है:

चालू वर्ष

विवरण	(₹ करोड़ में)			
	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	31 मार्च 2024 तक बकाया
रेपो के अधीन बिक्री की गई प्रतिभूतियां				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	845.22	2,46,953.60	88,320.56	2,05,503.00
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	5,736.21	10,922.28	8,194.94	10,540.40
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	454.94	5.82	-
रिवर्स रेपो के अधीन खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	399.91	1,06,979.10	19,351.35	26,013.06
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	92.81	2.98	-
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	-	-	-

पिछला वर्ष

विवरण	(₹ करोड़ में)			
	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	31 मार्च 2023 तक बकाया
रेपो के अधीन बिक्री की गई प्रतिभूतियां				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	93,497.57	2,37,396.58	1,74,620.06	1,13,511.04
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	5,529.94	10,152.71	8,519.34	8,048.12
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	456.39	5.51	-
रिवर्स रेपो के अधीन खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	530.51	2,52,034.07	27,868.78	7,395.44
ii. कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	100.18	1.28	-
iii. कोई अन्य प्रतिभूति	-	-	-	-

18.4. संपत्ति की गुणवत्ता

क. धारित अग्रिमों और प्रावधानों का वर्गीकरण:

चालू वर्ष
(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	मानक अग्रिम	अवमानक अग्रिम	संदिग्ध अग्रिम	हानि अग्रिम	कुल गैर-निष्पादित अग्रिम	कुल
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
क. आरंभिक शेष	31,78,314.03	12,665.08	51,204.29	27,058.41	90,927.78	32,69,241.81
ख. जोड़ें: वर्ष के दौरान वृद्धि					20,316.90	5,25,261.06
ग. घटाएं: वर्ष के दौरान कमी *					26,968.35	26,968.35
अंतिम शेष (क+ख-ग)	36,83,258.18	14,996.69	41,552.12	27,727.52	84,276.33	37,67,534.51
* सकल एनपीए में कमी के कारण:						
i) उन्नयन (अपग्रेडेशन)					3,236.50	3,236.50
ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूलियों को छोड़कर)					7,570.48	7,570.48
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते					-	-
iv) उपर्युक्त (iii) के अंतर्गत बट्टेखाते के अतिरिक्त अन्य					16,161.37	16,161.37
प्रावधान (अस्थिर प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	25,673.65	2,551.32	39,659.80	27,058.41	69,269.53	94,943.18
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					9,469.33	9,469.33
घटाएं: अतिरिक्त प्रावधानों का प्रत्यावर्तन/ राइट-ऑफ ऋण					15,705.22	17,266.32
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	24,112.57 ^{ss}	2,926.45	32,379.65	27,727.52	63,033.64	87,146.19
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		10,113.76	11,352.88	-	21,466.64	
जोड़ें: वर्ष के दौरान नवीन बढ़ोतरी					10,847.57	
घटाएं: वर्ष के दौरान कमी					11,263.13	
अंतिम शेष		12,070.23	8,980.85	-	21,051.08 ^s	

\$ निवल एनपीए की गणना के लिए 191.61 करोड़ रुपये अस्थिर प्रावधानों को घटाया गया है।

\$\$ विनियामक आवश्यकता के अतिरिक्त और उससे अधिक पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियों पर ₹6,385.00 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल नहीं है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

पिछला वर्ष

	मानक अग्रिम	अवमानक अग्रिम	संदिग्ध अग्रिम	हानि अग्रिम	कुल गैर-निष्पादित अग्रिम	कुल
31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष						(₹ करोड़ में)
सकल मानक अग्रिम और एनपीए						
क. आरंभिक शेष	27,06,647.54	15,453.17	68,592.40	27,977.80	1,12,023.37	28,18,670.91
ख. जोड़ें: वर्ष के दौरान वृद्धि					18,420.64	4,90,087.13
ग. घटाएं: वर्ष के दौरान कमी *					39,516.23	39,516.23
अंतिम शेष (क+ख-ग)	31,78,314.03	12,665.08	51,204.29	27,058.41	90,927.78	32,69,241.81
* सकल एनपीए में कमी के कारण:						
i) उन्नयन (अपग्रेडेशन)					3,233.50	3,233.50
ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूलियों को छोड़कर)					12,221.46	12,221.46
iii) तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते					-	-
iv) उपर्युक्त (iii) के अंतर्गत बट्टेखाते के अतिरिक्त अन्य					24,061.27	24,061.27
प्रावधान (अस्थिर प्रावधानों को छोड़कर)						
धारित प्रावधानों का प्रारंभिक शेष	19,972.61	4,486.76	51,401.49	27,977.80	83,866.05	1,03,838.66
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए नए प्रावधान					9,190.34	14,891.38
घटाएं: अतिरिक्त प्रावधानों का प्रत्यावर्तन/राइट-ऑफ ऋण					23,786.86	23,786.86
धारित प्रावधानों का अंतिम शेष	25,673.65 ^{ss}	2,551.32	39,659.80	27,058.41	69,269.53	94,943.18
निवल एनपीए						
प्रारंभिक शेष		10,966.41	16,999.30	-	27,965.71	
जोड़ें: वर्ष के दौरान नवीन बढ़ोतरी					9,230.19	
घटाएं: वर्ष के दौरान कमी					15,729.26	
अंतिम शेष		10,113.76	11,352.88	-	21,466.64 ^s	

\$ निवल एनपीए की गणना के लिए ₹191.61 करोड़ रुपए अस्थिर प्रावधानों को घटाया गया है।

\$\$ विनियामक आवश्यकता के अतिरिक्त पुनर्संचित मानक आस्तियों पर ₹7,642.38 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल है।

अस्थिर (फ्लोटिंग) प्रावधान:

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
विवरण		(₹ करोड़ में)
प्रारंभिक शेष	193.75	193.75
जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान आहरित राशि	-	-
अस्थिर प्रावधानों का अंतिम शेष	193.75	193.75

तकनीकी बट्टे खाते में डाली गई राशि और उस पर की गई वसूलियां:

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाले गए खातों का प्रारंभिक शेष	--	--
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी / विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाली गई राशि	--	--
घटाएं: वर्ष के दौरान पूर्व के तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते से की गई वसूलियां	--	--
अंतिम शेष	--	--

(₹ करोड़ में)

आस्ति गुणवत्ता अनुपात:

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
सकल अग्रिम की तुलना में सकल एनपीए	2.24%	2.78%
निवल अग्रिम की तुलना में निवल एनपीए	0.57%	0.67%
औका को छोड़कर प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	75.02%	76.39%
औका सहित प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	91.89%	91.91%

औका बैलेंस शीट की सफाई के स्पष्ट उद्देश्य के साथ ₹1,75,202.14 करोड़ की राशि के एडवांस अंडर कलेक्शन अकाउंट नामक एक अलग शीर्ष में पूरी तरह से प्रदान की गई और हस्तांतरित सीमा तक खातों का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें से ₹9,690.02 करोड़ रुपये का एयूसीए 10 वर्ष से अधिक पुराना है; ₹81,709.50 करोड़ 5 वर्ष से अधिक लेकिन 10 वर्ष से कम पुराना है और ₹83,802.62 करोड़ की राशि औका 5 वर्ष से कम पुराना है।

ख. क्षेत्रवार अग्रिम

क्र. सं.	क्षेत्र	चालू वर्ष			पिछला वर्ष		
		बकाया कुल अग्रिम	कुल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का%	बकाया कुल अग्रिम	सकल एनपीए	उस क्षेत्र में कुल अग्रिमों के लिए सकल एनपीए का%
अ	प्राथमिकता क्षेत्र						
1	कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	3,02,705.43	29,169.55	9.64	2,56,044.09	29,587.72	11.56
2	उद्योग क्षेत्र प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में पात्र	1,26,230.54	5,725.61	4.54	1,08,965.94	5,550.08	5.09
3	सेवाएँ	1,96,081.81	5,829.68	2.97	1,61,450.44	4,045.64	2.51
4	व्यक्तिगत ऋण	2,09,771.10	2,270.63	1.08	1,99,327.20	2,188.53	1.10
	उप-योग (अ)	8,34,788.88	42,995.48	5.15	7,25,787.67	41,371.97	5.70
इ	नैर-प्राथमिकता क्षेत्र						
1	कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	2,472.13	151.19	6.12	2,894.08	198.08	6.84
2	उद्योग	8,43,110.36	23,652.72	2.81	7,51,106.55	29,716.22	3.96
3	सेवाएँ	9,42,305.33	10,193.16	1.08	8,08,091.42	14,373.75	1.78
4	व्यक्तिगत ऋण	11,44,857.80	7,283.78	0.64	9,81,362.09	5,267.76	0.54
	उप-योग (इ)	29,32,745.63	41,280.86	1.41	25,43,454.14	49,555.81	1.95
उ	कुल (अ+इ)	37,67,534.51	84,276.33	2.24	32,69,241.81	90,927.78	2.78

(₹ करोड़ में)

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ग. विदेशी आस्तियां, एनपीए और राजस्व:

		(₹ करोड़ में)	
क्र.सं.	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	कुल आस्तियां	6,65,740.67	6,07,517.76
2	कुल एनपीए (सकल)	1,498.04	1,951.47
3	कुल राजस्व	39,709.56	20,735.96

घ. समाधान योजना और पुनर्संरचना:

i. आरबीआई परिपत्र डीबीआर सं.बीपी.बीसी.45/21.04.048/2018-19 दिनांक 7 जून 2019 के अनुसार अग्रिमों की पुनर्संरचना:

समाधान योजना और पुनर्संरचना के अधीन आस्तियों का आस्ति वर्गीकरण	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	उधारकर्ताओं की संख्या	बकाया राशि (करोड़ रुपये में)	उधारकर्ताओं की संख्या	बकाया राशि (करोड़ रुपये में)
मानक	1	23	2	577
अवमानक	1	12	1	137
संदिग्ध	1	271	6	988
कुल	3	306	9	1,702

ii. पुनर्संरचना प्रक्रिया के दौरान ऋण को इक्विटी में परिवर्तन के कारण शेयरों का अधिग्रहण:

पुनर्संरचना प्रक्रिया के दौरान ऋण को इक्विटी में परिवर्तन के माध्यम से इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण से पूंजी बाजार एक्सपोजर, पैरा बैंकिंग कार्यकलापों और अंतर-समूह एक्सपोजर के संबंध में निर्धारित विनियामक सीमा/ प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं हुआ है।

iii. एमएसएमई पुनर्संरचना:

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं. डीबीआर. सं. बीपी.बीसी. 18/21.04.048/2018-19 दिनांक 1 जनवरी 2019 के अनुसार पुनर्संरचित एमएसएमई खातों का विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पुनर्संरचित खातों की संख्या	50,248	85,738
सकल बकाया (₹ करोड़ में)	5,840.92	7,406.84

ड. आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण में विचलन:

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं डीओआर.एसीसी.आरईसी. सं.74/21.04.018/2022-23 दिनांक 11 अक्तूबर 2022 में उल्लिखित शर्तों के आधार पर 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आरबीआई की पर्यवेक्षी प्रक्रिया के संबंध में आस्ति वर्गीकरण और एनपीए के लिए प्रावधानीकरण में विचलन के संबंध में प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं है।

च. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं डीओआर.एसटीआर.आरईसी 51/21.04.048/ 2021-22 दिनांक 24 सितंबर 2021 के अनुसार ऋण खातों (एसएमए और एनपीए) के अंतरण का प्रकटीकरण:

द्वितीयक बाजार में ऋणों का अंतरण विदेशी क्षेत्राधिकार में एक नियमित परिघटना है। इसके अतिरिक्त, ऋणों में एक मजबूत द्वितीयक बाजार को बढ़ावा देने के लिए ऋण जोखिम के अंतरण को नियंत्रित करने वाले व्यापक आरबीआई दिशानिर्देशों के आशय पर विचार करते हुए, यहां दिए गए

प्रकटीकरण में केवल घरेलू द्वितीयक बाजार लेनदेन शामिल हैं।

ऋणों की बिक्री:

- i. 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान अंतरित अनुपयोज्य आस्तियों का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	एआरसी को	अनुमत अंतरितियों को	अन्य अंतरितियों को
खारों की संख्या	24	12	-
अंतरित ऋण की सकल बकाया मूलधन (₹ करोड़ में)	7,541.73	181.42	-
अंतरित ऋणों की भारत औसत अवशिष्ट अवधि (वर्ष)	0.82	-	-
अंतरित ऋणों का निवल बही मूल्य (अंतरण के समय) (₹ करोड़ में)	34.94	-	-
कुल प्रतिफल (₹ करोड़ में)	2,127.88	41.64	-
पिछले वर्षों में अंतरित खारों के संबंध में वसूल किया गया अतिरिक्त प्रतिफल (₹ करोड़ में)	383.29	-	-

₹1,122.18 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान (पिछले वर्ष ₹2,628.41 करोड़) प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/ पुनर्निर्माण कंपनी (आरसी) को एनपीए की बिक्री पर लाभ और हानि खाते में जमा किया गया।

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, प्रतिभूति प्राप्ति (एसआर) में किया गया निवेश ₹674.18 करोड़ था।

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रतिभूति प्राप्ति को दी गई रेटिंग की विभिन्न श्रेणियों के लिए प्रतिभूति प्राप्ति प्रदान की जाती हैं और इसलिए बही मूल्य शून्य है।

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार प्रतिभूति प्राप्ति पर रखा गया प्रावधान ₹6,421.16 करोड़ (31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार, यह ₹7,009.38 करोड़ था)

- ii. बैंक ने कोई विशेष उल्लेख खाता और चूक रहित ऋण का अंतरण नहीं किया है।

ऋण खरीद:

- iii. बैंक ने किसी दबावग्रस्त ऋण का अधिग्रहण नहीं किया है।

- iv. बैंक ने एनबीएफसी/एचएफसी/एमएफआई से ऋण एक्सपोजर के अंतरण के अंतर्गत प्रत्यक्ष समनुदेशन मार्ग से चूक रहित ऋणों की मानक आस्तियों की खरीद की है। बैंक ने प्रतिभूत गृह ऋण और प्रतिभूत और अप्रतिभूत एसएमई और एबीयू ऋणों की खरीद की है।

समनुदेशन के माध्यम से 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान अधिग्रहीत बिना चूक ऋणों का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	एससीबी, आरआरबी, यूसीबी, एसआईसीबी, डीसीसीबी, एआ-ईएफआई, एसएफबी और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) सहित एनबीएफसी से		एआरसी से	
	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण	प्रतिभूत ऋण	अप्रतिभूत ऋण
अधिग्रहण किए गए ऋण के सकल मूलधन का बकाया (₹ करोड़ में)	7,599.31	13,317.08	-	-
भुगतान किया गया कुल प्रतिफल (₹ करोड़ में)	6,797.64	11,870.64	-	-
अर्जित ऋणों की भारत औसत परिपक्वता अवधि (वर्ष)	8.52	1.59	-	-
प्रवर्तक द्वारा भारत औसत होल्डिंग अवधि (वर्ष)	1.16	0.56	-	-
प्रवर्तक द्वारा लाभकारी आर्थिक हित का प्रतिधारण	10.55%	10.86%	-	-
मूर्त प्रतिभूत कवरेज	328.30%	लागू नहीं	-	-

- v. अधिग्रहीत ऋणों की रेटिंग नहीं की जाती है क्योंकि ये कॉर्पोरेट उधारकर्ता नहीं हैं।

- vi. प्रत्यक्ष समनुदेशन के अंतर्गत पूल रेटिंग अनिवार्य नहीं है तदनुसार, उद्योग प्रथाओं और बैंक की समानुदेशन नीति के अनुसार हानि अनुमान बाहरी एजेंसियों से प्राप्त किए गए हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ख. वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी के मामले और किए गए प्रावधान:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी मामलों की संख्या	1,586	2,755
धोखाधड़ी में शामिल राशि (करोड़ में)	3,406.87	4,878.18
ऐसी धोखाधड़ियों के लिए किए गए प्रावधान की राशि (करोड़ रुपये में)	3,406.87	4,878.18
वर्ष के अंत में 'अन्य रिजर्वों' से नामे किए गए अपरिशोधन प्रावधान की राशि (करोड़ रुपये में)	शून्य	शून्य

उपर्युक्त के अतिरिक्त, 31.03.2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने 13,158 डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी की सूचना दी, जिसकी राशि ₹ 88.91 करोड़ है। इन धोखाधड़ी में ग्राहकों द्वारा स्वयं वन टाइम पासवर्ड, कार्ड वेरिफिकेशन वैल्यू, पासवर्ड आदि जैसे क्रेडेंशियल्स शेयर करने के उदाहरण शामिल हैं या जहां बैंक को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

ग. कोविड- 19 संबंधी दबाव का समाधान:

आरबीआई परिपत्र डीओआर सं. बीपी.बीसी/3/21.04.048/2020-21 दिनांक 06 अगस्त, 2020 (समाधान फ्रेमवर्क 1.0) और डीओआर. एसटीआर11/21.04.048/2021-22 दिनांक 05 मई, 2021 (समाधान ढांचा 2.0) के अनुसार 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार समाधान योजना का विवरण

(करोड़ में)					
	(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)
उधारकर्ता के प्रकार	समाधान योजना को लागू करने के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का कुल एक्सपोजर - पिछली छमाही के अंत में स्थिति	(क) में से, कुल ऋण जो छमाही के दौरान एनपीए में फिसल गया	(क) में से छमाही के दौरान बढ़े खाते में डाली गई राशि	(क) में से छमाही के दौरान उधारकर्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि	समाधान योजना को लागू करने के परिणामस्वरूप मानक के रूप में वर्गीकृत खातों का कुल एक्सपोजर - वर्तमान छमाही के अंत में स्थिति
वैयक्तिक ऋण	12,888	1,015	-	824	11,049
कॉर्पोरेट व्यक्ति	7,966	459	-	1,277	6,230
इनमें से, एमएसएमई	6,987	459	-	1,114	5,414
अन्य	-	-	-	-	-
कुल	20,854	1,474	-	2,101	17,279

(समाधान फ्रेमवर्क 1.0 के तहत सितंबर 2021 को समाप्त छमाही के दौरान लागू पुनर्गठन शामिल है)

18.5 एक्सपोजर

बैंक आस्ति मूल्य में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को ऋण प्रदान करता है।

क) स्थावर संपदा (रियल इस्टेट) क्षेत्र

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(₹ करोड़ में)		
I प्रत्यक्ष एक्सपोजर		
i) आवासीय बंधक		
ऋणकर्ता के कब्जे में या कब्जे में आने वाली या किराए पर दी गई आवासीय संपत्ति के बंधक द्वारा पूरी तरह सुरक्षित ऋण।	7,14,143.23	5,50,747.02
जिसमें से आवासीय इकाई खरीदने/निर्माण के लिए प्रति परिवार महानगरीय क्षेत्रों (जनसंख्या = 10 लाख) में ₹35 लाख (पिछला वर्ष ₹35 लाख) तथा अन्य केंद्रों पर ₹25 लाख (पिछला वर्ष ₹25 लाख) है।	2,76,083.66	2,51,213.68
ii) वाणिज्यिक स्थावर संपदा		
वाणिज्यिक स्थावर संपदा पर बंधक द्वारा प्रतिभूत (कार्यालय भवन, खुदरा क्षेत्र, बहु-उद्देशीय वाणिज्यिक परिसर, बहु-परिवार आवासीय भवन, बहु-किराएदार वाणिज्यिक परिसर, औद्योगिक या माल गोदाम स्थान, होटल, भूमि अधिग्रहण, विकास और निर्माण इत्यादि) गैर-निधि आधारित सीमा (एनएफबी) भी इस एक्सपोजर में शामिल है।	71,840.90	50,409.72
iii) बंधक समर्थित प्रतिभूतियों (एमबीएस) में निवेश तथा अन्य प्रतिभूतकृत एक्सपोजर:		
क) आवासीय	-	-
ख) वाणिज्यिक स्थावर संपदा	-	-
II अप्रत्यक्ष एक्सपोजर		
राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) तथा आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) में निधि आधारित और गैर-निधि आधारित एक्सपोजर	1,61,873.44	1,28,006.76
स्थायर संपदा क्षेत्र में कुल एक्सपोजर	9,47,857.57	7,29,163.50

ख) पूंजी बाजार:

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(₹ करोड़ में)		
1) इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बांडों, परिवर्तनीय डिबेंचर और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में प्रत्यक्ष निवेश, जिसका कॉर्पोरेट ऋण में निवेश नहीं किया जाता है।	6,893.84	16,870.59
2) शेयरों / बांड / डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या शेयरों (आईपीओ / ईएसओपी सहित), परिवर्तनीय बांड, परिवर्तनीय डिबेंचर और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड की इकाइयों में निवेश के लिए व्यक्तियों को बेजमानती आधार पर अग्रिम।	106.66	65.73
3) किसी अन्य प्रयोजन के लिए अग्रिम जिसमें शेयर या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया जाता है।	-	-
4) किसी अन्य प्रयोजन के लिए ऐसे अग्रिम जिनके लिए शेयरों या परिवर्तनीय बांडों या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनितों की संपार्श्विक प्रतिभूति दी गई है, अर्थात् जिसमें शेयरों / परिवर्तनीय बांड / परिवर्तनीय डिबेंचर / इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों के अलावा प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिम की राशि की पूर्ण प्रतिभूति के रूप में अपर्याप्त है।	642.57	2,149.02
5) शेयर दलालों को प्रतिभूत और प्रतिभूति रहित अग्रिम और शेयर दलालों और बाजार नियामकों की ओर से जारी गारंटीयाँ	29,678.27	4,106.64
6) संसाधन वृद्धि की अपेक्षा से नई कंपनी की इक्विटी में प्रमोटर के हिस्से को पूरा करने के लिए कॉर्पोरेटों को शेयरों/बांडों/डिबेंचर या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या बिना जमानत के संस्वीकृत ऋण।	-	-
7) अपेक्षित इक्विटी प्रवाह/शेयर निर्गमों की प्रतिभूति पर कंपनियों को दिए गए पूरक ऋण।	-	-
8) शेयरों या परिवर्तनीय बांड या परिवर्तनीय डिबेंचर या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंड के यूनितों के प्राथमिक निर्गम के संबंध में बैंकों द्वारा किया गया हमीदारी कारोबार।	-	-
9) शेयर दलालों को मार्जिन क्रय-विक्रय के लिए वित्तपोषण।	-	-
10) वेंचर कैपिटल फंड से संबंधित एक्सपोजर (पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों)	4,795.07	4,302.21
पूंजी बाजार में कुल एक्सपोजर	42,116.41	27,494.19

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ग) जोखिम श्रेणीवार देशगत एक्सपोजर:

भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के देशगत एक्सपोजर को निम्नलिखित तालिका में सूचीबद्ध विभिन्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

जोखिम श्रेणी	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च 2023 तक की स्थिति के अनुसार	
	निवल निधिकृत एक्सपोजर	किया गया प्रावधान	निवल निधिकृत एक्सपोजर	किया गया प्रावधान
नगण्य	2,542.18	शून्य	404.93	शून्य
बहुत कम	2,48,017.45	246.91	2,25,110.30	196.15
कम	79,789.39	शून्य	62,630.30	शून्य
मध्यम	32,082.57	शून्य	33,154.94	शून्य
अधिक	24,736.25	शून्य	22,138.32	शून्य
अत्यधिक	6,327.27	शून्य	5,799.64	शून्य
प्रतिबंधित	9,318.34	शून्य	5,465.54	शून्य
कुल	4,02,813.45	246.91	3,54,703.98	196.15

यूएसए को छोड़कर किसी भी अन्य देश में बैंक का देशगत एक्सपोजर (निवल निधिकृत) उसकी कुल आस्तियों के 1% से अधिक नहीं है, अतः यूएसए के लिए देशगत एक्सपोजर का प्रावधान किया गया है।

घ) प्रतिभूति रहित अग्रिम:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंक के कुल अप्रतिभूत अग्रिम	11,19,048.81	9,30,364.53
जिसमें से अधिकार शेयरों, लाइसेंसों, प्राधिकार आदि जैसी अमूर्त प्रतिभूतियों पर प्रभार के प्रति देय अग्रिम बकाया।	Nil	Nil
ऊपर दी गई ऐसी अमूर्त प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य	Nil	Nil

ङ) फैक्टरिंग एक्सपोजर:

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार बैंक के फैक्टरिंग एक्सपोजर ₹38,570.64 करोड़ है। (पिछला वर्ष ₹28,565.16 करोड़) है।

च) इंद्रा-ग्रुप एक्सपोजर:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
इंद्रा-ग्रुप एक्सपोजर की कुल राशि	64,039.95	55,540.06
शीर्ष-20 इंद्रा-ग्रुप एक्सपोजर की कुल राशि	64,039.95	55,540.06
ऋणकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोजर की तुलना में इंद्रा-ग्रुप एक्सपोजर का प्रतिशत	1.15%	1.09%
अंतर-समूह एक्सपोजर सीमा के उल्लंघन और उस पर नियामक कार्रवाई का विवरण	शून्य	\$

\$ वित्त वर्ष 2022-23 में, बैंक ने आरबीआई परिपत्र क्र. डीबीओडी नं. बीपीबीसी 96/21.06.102/2013-14 दिनांक 11 फरवरी, 2014 में निर्दिष्ट समग्र समूह एक्सपोजर सीमा का उल्लंघन किया है। सभी समूह इकाइयों (निधि आधारित व गैर-निधि आधारित) के प्रदत्त पूंजी तथा आरक्षित निधियों सहित निर्दिष्ट 20% की तुलना में बैंक ने 30 सितंबर 2022 से 23 दिसंबर 2022 तक 83 दिनों के लिए 20.62% का एक्सपोजर लिया था। इस उल्लंघन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 25 सितंबर 2023 को (0.30 करोड़ रुपये का अर्थ दंड लगाया।

छ) अरक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर:

- 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ₹250.67 करोड़ की राशि (पिछले वर्ष ₹239.18 करोड़) मुद्रा जनित ऋण जोखिम के लिए रखी गई है।
- मुद्रा जनित ऋण जोखिम के लिए ₹533.46 करोड़ की राशि (पिछला वर्ष ₹420.39 करोड़) पूँजी आबंटन किया गया।

ज) बैंक द्वारा एकल ऋणकर्ता और समूह ऋणकर्ता एक्सपोजर सीमा का उल्लंघन:

बैंक ने आरबीआई द्वारा निर्धारित एकल ऋणकर्ता एक्सपोजर और समूह ऋणकर्ता एक्सपोजर विवेकपूर्ण सीमा का उल्लंघन नहीं किया है।

18.6 जमाराशियों, अग्रिमों, एक्सपोजर और अलाभकारी आस्तियों का संकेंद्रण:**अ) जमाराशियों का संकेंद्रण:**

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमाराशियाँ (₹ करोड़ में)	2,33,073.04	1,76,611.88
बैंक की कुल जमाराशियों में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमाराशियों का प्रतिशत	4.74%	3.99%

आ) अग्रिमों का संकेंद्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल अग्रिम (₹ करोड़ में)	4,17,625.39	4,01,754.30
बैंक के कुल सकल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं के अग्रिमों का प्रतिशत	11.08%	12.29%

इ) एक्सपोजर का संकेंद्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बीस सबसे बड़े उधारकर्ता/ग्राहक (₹ करोड़ में) का कुल एक्सपोजर	5,72,651.53	5,55,744.92
बैंक के कुल एक्सपोजर की तुलना में बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के एक्सपोजर का प्रतिशत	10.31%	10.95%

ई) अलाभकारी आस्तियों का संकेंद्रण:

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल सकल एनपीए में शीर्ष सबसे बड़े बीस एनपीए का कुल एक्सपोजर (करोड़ में)	20,415.45	19,716.80
कुल सकल एनपीए में बीस सबसे बड़े एनपीए खातों में एक्सपोजर का प्रतिशत	24.22%	21.68%

18.7 डेरिवेटिव**अ. वायदा दर करार (एफआरए)/ब्याज दर स्वैप (आईआरएस):**

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i) अदला-बदली करारों की अनुमानित मूलराशि #	7,48,317.86	8,43,159.96
ii) करार के अधीन प्रतिपक्ष द्वारा अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने पर होनेवाली हानियाँ	3,399.77	4,058.55
iii) स्वैप में शामिल होने पर बैंक द्वारा अपेक्षित संपार्श्विक	-	-
iv) स्वैप से उत्पन्न होने वाले ऋण जोखिम का संकेंद्रण	Not significant	Not significant
v) स्वैप बही का उचित मूल्य	(2,925.93)	(2,854.08)

इसमें बैंक के अपने विदेशी कार्यालयों के साथ किए गए 50,517.50 की आईआरएस/एफआरए राशि (पिछले वर्ष ₹40,744.08 करोड़) शामिल नहीं है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

31 मार्च 2024 को वायदा दर करार या ब्याज दर स्वेप की प्रकृति और शर्तें नीचे दी गई हैं:

लिखत	प्रकृति	संख्या	आनुमानिक मूलधन	आधार	शर्तें
आईआरएस	हेजिंग	146	57,560.06	एसओएफआर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
आईआरएस	हेजिंग	9	233.53	एसओएफआर	अस्थिर प्राप्य बनाम स्थिर देय
आईआरएस	ट्रेडिंग	6,818	2,49,854.34	मिबोर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
आईआरएस	ट्रेडिंग	7,074	2,56,578.16	मिबोर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
आईआरएस	ट्रेडिंग	145	23,257.95	एमओडी मिफोर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
आईआरएस	ट्रेडिंग	52	3,702.67	एमओडी मिफोर	अस्थिर देय बनाम स्थिर प्राप्य
आईआरएस	ट्रेडिंग	132	14,754.00	एमओडी मिफोर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
आईआरएस	ट्रेडिंग	32	21,330.17	एसओएफआर	स्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
आईआरएस	ट्रेडिंग	19	11,384.78	एसओएफआर	अस्थिर देय बनाम अस्थिर प्राप्य
आईआरएस	ट्रेडिंग	183	1,05,131.34	एसओएफआर	स्थिर प्राप्य बनाम अस्थिर देय
आईआरएस	ट्रेडिंग	6	4,530.86	एसओएफआर	अस्थिर प्राप्य बनाम स्थिर देय
योग		14,616	7,48,317.86		

आ. बाजार में क्रय-विक्रय किए गए ब्याज दर डेरिवेटिव:

क्र.सं. विवरण		चालू वर्ष	(₹ करोड़ में) पिछला वर्ष
1	वर्ष के दौरान किए गए एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की आनुमानिक मूल राशि (लिखत वार)		
	क. ब्याज दर फ्यूचर्स	शून्य	शून्य
	ख. भारत सरकार की 10 वर्षीय प्रतिभूतियां	15,275.42	13,718.42
2	वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की आनुमानिक मूल राशि (लिखत वार)		
	क. ब्याज दर फ्यूचर्स	शून्य	शून्य
	ख. 10 वर्षीय भारत सरकार की प्रतिभूतियां	शून्य	165.00
3	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव की आनुमानिक मूल राशि जो बकाया है और अत्यधिक प्रभावी नहीं है (लिखत वार)	ला.न.	ला.न.
4	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरिवेटिव का मार्क-टू-मार्केट मूल्य जो बकाया है और अत्यधिक प्रभावी नहीं है। (लिखत वार)	ला.न.	ला.न.

इ. डेरिवेटिव में जोखिम एक्सपोजर:

गुणात्मक जोखिम एक्सपोजर

- i) बैंक वर्तमान में ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव के साथ-साथ ब्याज दर फ्यूचर्स और एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव का भी लेनदेन करता है।

बैंक द्वारा लेनदेन किए जाने वाले ब्याज दर डेरिवेटिव में रुपया ब्याज दर स्वेप, विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वेप और वायदा दर करार, कैप, फ्लोर और कॉलर शामिल हैं।

बैंक द्वारा लेनदेन किए जानेवाले मुद्रा डेरिवेटिव में मुद्रा स्वेप, रुपया डॉलर ऑप्शन्स और क्रॉस-करेंसी ऑप्शन्स शामिल हैं।

बैंक आरबीआई द्वारा अनुमत नॉन-डेलिवरबल ऑप्शन्स और नॉन-डेलिवरबल फारवर्ड्स में भी लेनदेन करता है।

बैंक के ग्राहकों को अपने एक्सपोजर को हेज करने के लिए उत्पादों की पेशकश की जाती है और बैंक ऐसे एक्सपोजर को कवर करने के लिए डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट भी करता है। डेरिवेटिव का उपयोग बैंक द्वारा व्यापार के साथ-साथ तुलन पत्र मर्दों के हेजिंग के लिए किया जाता है।

बैंक यूएस डालर/भारतीय रुपए में ऑप्शन पोजीशन भी चलाता है, जिसे विभिन्न प्रकार की हानि सीमाओं और ग्रीक सीमाओं के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है।
- ii) डेरिवेटिव लेनदेनों में बाजार जोखिम होता है, बैंक को संभावित नुकसान, अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों और क्रेडिट जोखिम में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप प्रतिपक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने पर बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित बैंक की डेरिवेटिव्स नीति डेरिवेटिव लेनदेन शुरू करने के लिए बाजार जोखिम मापदंडों (ग्रीक सीमाएं, हानि सीमाएं, कट-लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमाएं, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01 आदि) के साथ-साथ ग्राहक पात्रता मानदंड (क्रेडिट रेटिंग, संबंध की अवधि, सीमाएं और ग्राहक उपयुक्तता और नीति की उपयुक्तता (सीएस) आदि) निर्धारित करती है। ऋण जोखिम को केवल पॉलिसी में निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले प्रतिपक्षों के साथ डेरिवेटिव लेनदेन शुरू करके नियंत्रित किया जाता है। प्रतिपक्षों के लिए दायित्वों को पूरा करने की उनकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए उचित सीमाएं निर्धारित की जाती हैं और बैंक प्रत्येक प्रतिपक्ष के साथ आईएसडीए करार करता है।
- iii) बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एलसीओ) इन जोखिमों के कुशल प्रबंधन की देखरेख करती है। बैंक का बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान करता है, मापन करता है, निगरानी करता है, इन जोखिमों को नियंत्रित करने और प्रबंधित करने में एल्को की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को नीति संबंधी निर्देशों सहित अनुपालन की रिपोर्ट देता है।
- iv) डेरिवेटिव के लिए लेखांकन नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है, जिसका विवरण अनुसूची 17: महत्वपूर्ण लेखा नीतियों (एसएपी) के तहत प्रस्तुत किया गया है।
- v) ब्याज दर स्वेप का उपयोग मुख्य रूप से आस्तियों और देयताओं की हेजिंग के लिए किया जाता है।
- vi) अधिकांश स्वेप प्रथम श्रेणी के प्रतिपक्ष बैंकों के साथ किए गए थे।
- vii) डेरिवेटिव लेनदेन में स्वेप शामिल होते हैं जिन्हें आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाता है। स्वेप को ट्रेडिंग या हेजिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- viii) डेरिवेटिव सौदे केवल उन्हीं इंटरबैंक प्रतिभागियों के साथ किए जाते हैं जिनके लिए प्रतिपक्ष जोखिम सीमाएं स्वीकृत की गई हैं। इसी प्रकार, डेरिवेटिव सौदे केवल उन कॉरपोरेटों के साथ किए जाते हैं जिनके लिए क्रेडिट एक्सपोजर सीमा संस्वीकृत है। डेरिवेटिव लेन-देनों के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को मामला दर मामला आधार पर ऋण संस्वीकृति के शर्तों के एक भाग के रूप में निर्धारित किया जाता है। ऐसी संपार्श्विक आवश्यकताओं को सामान्य क्रेडिट मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर निर्धारित किया जाता है। बैंक कुछ मामलों में जोखिम कम करने के उपाय के रूप में लेनदेन को समाप्त करने का अधिकार रखता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

मात्रात्मक जोखिम एक्सपोजर

(₹ करोड़ में)

विवरण	मुद्रा डेरिवेटिव		ब्याज दर डेरिवेटिव	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I. डेरिवेटिव (आनुमानिक मूल राशि)				
(क) हेजिंग के लिए	12,045.74	8,389.39 [@]	57,751.90	47,965.32 [#]
(ख) ट्रेडिंग के लिए *	15,56,113.28	11,91,495.97	6,90,565.96	7,95,194.64
II. बाजार के बही मूल्य की स्थिति के अनुसार अंकित				
(क) आस्ति (+)	6,055.27	7,575.32	3,399.77	4,058.55
(ख) देयता (-)	9,753.69	11,160.26	2,899.14	4,196.40
III. ऋण एक्सपोजर	49,567.78	41,469.48	9,972.98	10,545.92
IV. ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभाव्य प्रभाव (100*पीवी01)				
(क) हेजिंग डेरिवेटिव पर	6.73	19.72	1,985.57	1,585.10
(ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर	1,031.40	497.23	294.50	274.68
V. वर्ष के दौरान अधिकतम और न्यूनतम 100*पीवी 01				
(क) हेजिंग पर -				
अधिकतम	18.51	29.22	2,053.57	1,637.88
न्यूनतम	6.71	7.60	1,407.18	1,255.24
(ख) व्यापार पर -				
अधिकतम	464.33	876.56	186.44	528.42
न्यूनतम	1,035.25	497.23	417.03	246.90

[@] बैंक के अपने विदेश स्थित कार्यालयों के साथ किए गए ₹1,831.10 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2,027.92 करोड़) की राशि के स्वैप को छोड़कर।

[#] बैंक के अपने विदेश स्थित कार्यालयों के साथ किए गए ₹50,517.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹40,744.08 करोड़) आईआरएस/एफआरए की राशि को छोड़कर।

* बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों के साथ किए गए ₹2,835.68 करोड़ (पिछले वर्ष ₹86.38 करोड़) के करेंसी डेरिवेटिव और एनडीए ₹5895.67 करोड़ (पिछले वर्ष ₹5,286.71 करोड़) इसमें शामिल नहीं हैं।

- 31 मार्च, 2024 तक वैश्विक बाजार इकाई और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह के बीच डेरिवेटिव की बकाया आनुमानिक राशि ₹50,517.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹40,744.08 करोड़) है और 31 मार्च 2024 तक भारतीय स्टेट बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों के बीच किए गए डेरिवेटिव व्यापार की राशि ₹1831.10 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2,027.92 करोड़) है।
- ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया आनुमानिक राशि, जो बाजार-बही मूल्य के अनुसार अंकित (एमटीएम), नहीं की गई है, किंतु जहां 31 मार्च, 2024 तक विचाराधीन आस्ति/देयताओं जिनका बाजार-बही मूल्य के अनुसार अंकन नहीं किया गया है, की राशि ₹85,426.07 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1,16,255.32 करोड़) है।

ई. ऋण चूक स्वैप:

बैंक किसी ऋण चूक स्वैप में शामिल नहीं हुआ है।

18.8. प्रतिभूतिकरण से संबंधित प्रकटीकरण

बैंक ने किसी मानक आस्ति का प्रतिभूतिकरण नहीं किया है।

18.9. तुलन-पत्र से इतर प्रायोजित विशेष प्रयोजन संस्थाएं (एसपीवी)

बैंक ने कोई तुलन-पत्र बाह्य विशेष प्रयोजन संस्था शुरू नहीं की है।

18.10. जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डीईएफ) को अंतरित की गई दावा न की गई देयताएँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
डीईए निधि को अंतरित राशियों का प्रारंभिक शेष	8,952.21	4,513.87
जोड़ें: डीईए निधि में अंतरित राशि	6,038.85	6,970.26
कम: डीईए निधि द्वारा प्रतिपूर्ति की गई राशि	567.59	2,531.92
डीईए निधि को अंतरित राशियों का अंतिम शेष	14,423.47	8,952.21

डीईए निधि में अंतरित राशि अनुसूची 12-आकस्मिक देयता-अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है, के अंतर्गत शामिल हैं।

18.11. शिकायतों का प्रकटीकरण

क) बैंक द्वारा ग्राहकों से एवं लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त शिकायतों तथा उनके निवारण की सार रूप में सूचना:

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंक को अपने ग्राहकों से प्राप्त शिकायतें		
1 वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	1,35,112	1,82,212
2 वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	32,33,561	38,63,085
3 वर्ष के दौरान समाधान की गई शिकायतों की संख्या	32,37,250	39,10,185
3.1 जिनमें से बैंक द्वारा अस्वीकृत शिकायतों की संख्या	69,877	1,72,002
4 वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	1,31,423	1,35,112
लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त बैंक द्वारा संघार्य शिकायतें		
5 लोकपाल के कार्यालय से प्राप्त बैंक द्वारा संघार्य शिकायतों की संख्या	31,719 @	31,038 #
5.1 क्र. 5 में से, लोकपाल के कार्यालय द्वारा बैंक के पक्ष में अधिनिर्णित शिकायतों की संख्या	12,681	12,653
5.2 क्र. 5 में से, ऐसे शिकायतों की संख्या जिसका निपटान लोकपाल कार्यालय द्वारा समझाने/मध्यस्थता/परामर्श के माध्यम से किया गया	17,456	17,356
5.3 क्र.5 में से, ऐसे शिकायतों की संख्या जिसका निपटान लोकपाल के कार्यालय द्वारा बैंक के विरुद्ध अधिनिर्णय देकर किया गया	6	3
6 निर्धारित अवधि में कार्यान्वित नहीं किए गए अधिनिर्णयों की संख्या (अपील किए गए को छोड़कर)	0	0

@ वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में लंबित शिकायतें जिनको वित्त वर्ष 2023-24 में आगे ले जाया गया, भी इसमें शामिल है।

वित्त वर्ष 2021-22 के अंत में लंबित शिकायतें जिनको वित्त वर्ष 2022-23 में आगे ले जाया गया, वे भी शामिल है।

नोट: संघार्य शिकायतों का आशय उन शिकायतों से है जो समन्वित बैंकिंग लोकपाल योजना, 2021 (विगत में बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006) में विशेषकर उल्लिखित हैं तथा योजना के अधीन शामिल हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ख) ग्राहकों से बैंक को प्राप्त होने वाली शिकायतों के पांच प्रमुख आधार:

चालू वर्ष:

शिकायतों के आधार, (अर्थात किस विषय से शिकायतें संबंधित हैं)	वर्ष के आरंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में वृद्धि/कमी %	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	क्र. 5 में से, कितनी शिकायतें 30 से अधिक दिनों से लंबित हैं
1	2	3	4	5	6
इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल/ इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग	83,450	21,90,461	4.39	1,01,483	37,233
एटीएम/डेबिट कार्ड	49,435	9,57,342	-35.95	25,680	5,240
खाता परिचालन	92	18,452	-21.03	474	-
अग्रिम	7	7,052	-52.95	146	-
प्रभार/अधिक प्रभार की वसूली	38	6,906	-77.62	144	-
अन्य	2,090	53,348	-72.41	3,496	-
योग	1,35,112	32,33,561	-16.30	1,31,423	42,473

पिछला वर्ष:

शिकायतों के आधार, (अर्थात किस विषय से शिकायतें संबंधित हैं)	वर्ष के आरंभ में लंबित शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	पिछले वर्ष की तुलना में प्राप्त शिकायतों की संख्या में वृद्धि/कमी %	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	क्र. 5 में से, कितनी शिकायतें 30 से अधिक दिनों से लंबित हैं
1	2	3	4	5	6
इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल/ इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग	97,236	20,98,317	56.17	83,450	62,242
एटीएम/डेबिट कार्ड	65,097	14,94,562	-20.66	49,435	-
चेक बुक संबंधी	1,694	22,638	10.80	19	-
प्रभार/अधिक प्रभार की वसूली	3,766	30,856	-44.18	38	-
खाता परिचालन	8,339	23,366	-4.74	92	-
अन्य	6,080	1,93,346	54.37	2,078	1,909
योग	1,82,212	38,63,085	11.88	1,35,112	64,151

ग) आरबीआई लोकपाल के अक्टूबर 2022 के वार्षिक सम्मेलन में नीति संबंधी कार्रवाई बिंदु के संदर्भ में प्राप्त प्रथम उपाय शिकायतें और की गई कार्रवाई का प्रकटीकरण:

सेवा की कमी से संबंधित शिकायतों को छोड़कर ऐसी शिकायत जो रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना-2021 (आरबी - आईओएस) के खंड 10 के तहत, बैंकिंग लोकपाल द्वारा गैर-विचारणीय के रूप में अस्वीकार किए जाते हैं तथा शिकायतकर्ताओं को सीधे संबंधित विनियमित इकाई से संपर्क करने हेतु सूचित की जाती हैं उन्हें प्रथम उपाय शिकायत कहा जाता है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, आरबी-आईओ को कुल 23,029 प्रथम उपाय शिकायतें (एफआरसी) प्राप्त हुईं।

प्रथम उपाय शिकायतों (एफआरसी) में कमी सुनिश्चित करने के लिए, बैंक ने निम्नानुसार पहल की हैं:

- आरबी-आईओएस स्कीम की मुख्य विशेषताएं सभी शाखाओं, एटीएम कियोस्क में प्रदर्शित की गई हैं और एटीएम, बैंक की वेबसाइट, इंटरनेट बैंकिंग वेबपेज और योनो ऐप पर डिजिटल रूप से प्रदर्शित की गई हैं।
- बैंक ग्राहक जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार करता है जिससे कि ग्राहक बैंक द्वारा प्रदान किए गए समाधान से संतुष्ट नहीं होने पर आरबीआई लोकपाल से संपर्क कर सकता है।

18.12. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगाए गए अर्थ दंडों का प्रकटीकरण

- अ) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46(4)(आई) और 51(1) के साथ पठित धारा 47-(1)(सी) के प्रावधानों के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अर्थ दंड लगाया है:
1. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 25 सितंबर 2023 को 'ऋण और अग्रिम- सांविधिक और अन्य प्रतिबंध' और 'इंट्रा-ग्रुप लेनदेन और एक्सपोजर के प्रबंधन पर दिशानिर्देश' पर जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए क्रमशः ₹1 करोड़ और ₹0.30 करोड़ का अर्थदंड लगाया।
 2. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 26 फरवरी 2024 को बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 19(2) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए ₹1 करोड़ तथा जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि स्कीम, 2014 के साथ पठित बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 26 ए (2) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए ₹1 करोड़ का अर्थदंड लगाया।
- ब) भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 तथा सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (एसजीएल की बाउंसिंग के लिए) के अंतर्गत उल्लंघन के लिए कोई अर्थ दंड नहीं लगाया गया है।
- (स) रिवर्स रेपो लेनदेन में कोई चूक नहीं की गई है।

18.13. अन्य प्रकटीकरण

क) व्यवसाय अनुपात:

क्र.सं. विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i. कार्यशील निधियों की तुलना में ब्याज आय का प्रतिशत	7.07%	6.35%
ii. कार्यशील निधियों की तुलना में ब्याजेतर आय का प्रतिशत	0.88%	0.70%
iii. जमाओं की लागत (घरेलू)	4.81%	3.99%
iv. निवल ब्याज मार्जिन	3.28%	3.37%
v. कार्यशील निधियों की तुलना में परिचालन लाभ का प्रतिशत	1.48%	1.60%
vi. आस्तियों पर प्रतिफल (निवल आस्ति आधार पर)	1.36%	0.96%
vii. प्रति कर्मचारी व्यवसाय (जमाराशि एवं अग्रिम) (करोड़ में)	34.10	29.78
viii. प्रति कर्मचारी लाभ (लाख में)	26.20	21.23

ख) बैंक-बीमा (बैंकाश्योरेंस) व्यवसाय:

बीमा ब्रोकिंग, एजेंसी और बैंकाश्योरेंस व्यवसाय के संबंध में अर्जित फीस/दलाली।

कंपनी का नाम	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	2,232.16	2,039.92
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	436.04	397.64
अवीवा	1.46	0.29
एनटीयूसी और मनुलाइफ फाइनेंशियल लिमिटेड	0.33	0.12
टोकियो मरीन और ऐस	0.29	0.45
यूनिट ट्रस्ट और एलआईसी	0.13	0.01
आईफास्ट	0.07	0.11
एआईए सिंगापुर	-	0.01
योग	2,670.48	2,438.55

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ग) विपणन व वितरण:

विपणन तथा वितरण कार्य (बैंकाशेयोरेंस व्यवसाय को छोड़कर) के संबंध में प्राप्त फीस/पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है:

कंपनी का नाम	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसबीआई म्यूचुअल फंड	915.55	877.69
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	231.24	263.86
राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली	19.80	17.89
एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड.	7.12	5.22
अन्य म्यूचुअल फंड	41.22	33.30
अन्य (पीएमएस, बॉन्ड, कॉर्पोरेट एफडी आदि)	7.41	5.35
कुल	1,222.34	1,203.31

घ) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋणान्वयन प्रमाणपत्र (पीएसएलसी):

वर्ष के दौरान बैंक ने निम्नलिखित पीएसएलसी की खरीदी की हैं:

(₹ करोड़ में)				
श्रेणी	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
	क्रय	विक्रय	क्रय	विक्रय
पीएसएलसी सूक्ष्म उद्यम	42,750.00	-	78,249.00	-
पीएसएलसी कृषि	8,660.00	15,510.00	25,240.00	-
पीएसएलसी सामान्य	47,145.25	-	7,439.00	-
पीएसएलसी लघु एवं सीमांत किसान	99,573.75	-	91,072.00	-
योग	1,98,129.00	15,510.00	2,02,000.00	-

ङ) प्रावधान एवं आकस्मिकताएँ:

लाभ एवं हानि खाते में व्यय शीर्ष के अंतर्गत दिखाए गए प्रावधान और आकस्मिकताएं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

लाभ एवं हानि खाते में नामे किए गए प्रावधान	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कर हेतु प्रावधान		
- चालू कर	22,871.63	21,223.93
- सृजित आस्थगित कर आस्ति	(2,165.29)	(4,250.74)
निवेशों पर मूल्यहास के लिए प्रावधान	(593.18)	1,513.84
अलाभकारी आस्तियों के लिए प्रावधान	9,469.33	9,190.34
पुनर्चित आस्तियों के लिए प्रावधान	48.30	(46.41)
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	(1,340.87)	5,618.55
अन्य प्रावधान	(2,669.36)	231.01
योग	25,620.56	33,480.52

च) आईएफआरएस अनुपालित भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एस) का कार्यान्वयन:

आरबीआई ने अपने परिपत्र संख्या डीबीआर- बीपी.बीसी. सं.29/21.07.001/2018-19 दिनांक 22 मार्च 2019 के अंतर्गत आगामी सूचना तक आईएनडी एस कार्यान्वयन स्थगित कर दिया है। तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक सभी बैंकों से अपेक्षा करता है कि वे प्रत्येक छमाही में प्रोफार्मा आईएनडी एस वित्तीय विवरण प्रस्तुत करें। तदनुसार, बैंक में आईएनडी-एस के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित प्रबंध निदेशक (आर, सी एंड एसएआरजी) की अध्यक्षता वाली स्टेयरिंग समिति के अनुमोदन के बाद बैंक हर छमाही में प्रोफार्मा आईएनडी एस वित्तीय विवरण तैयार कर रहा है और आरबीआई को प्रस्तुत कर रहा है।

छ) डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
डीआईसीजीसी बीमा प्रीमियम का भुगतान	4,899.79	4,407.22
डीआईसीजीसी प्रीमियम भुगतान का बकाया	-	-

ज) बैंक कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन में बढ़ोतरी के कारण खर्च के परिशोधन पर प्रकटीकरण:

पारिवारिक पेंशन योजना के संबंध में तुलन-पत्र में कोई अपरिशोधित खर्च नहीं है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

18.14. लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण आवश्यकताएं

क. लेखांकन मानक 5: अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि, पूर्व अवधि मदें और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन:

- वर्ष के दौरान, कोई महत्वपूर्ण पूर्व अवधि आय/व्यय मद नहीं थे।
- पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

ख. लेखा मानक - 15 कर्मचारी हितलाभ:

ऊपर सूचीबद्ध कर्मचारी हितलाभ भारत में कार्यरत कर्मचारियों के संबंध में हैं। विदेश परिचालनों के कर्मचारी उपर्युक्त योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

i. नियत हितलाभ योजनाएँ

1. कर्मचारी पेंशन तथा ग्रेच्युटी योजना

नीचे दी गई तालिका, बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के अनुसार नियत हितलाभ पेंशन योजना तथा ग्रेच्युटी की स्थिति को स्पष्ट करती है:-

विवरण	पेंशन योजना		ग्रेच्युटी योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(₹ करोड़ में)				
नियत हितलाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन				
1 अप्रैल आरंभिक नियत हितलाभ दायित्व	1,56,966.26	1,46,124.99	12,390.48	12,714.22
वर्तमान सेवा लागत	956.93	972.83	471.41	464.79
ब्याज लागत	11,537.02	10,740.19	926.81	924.32
विगत सेवा लागत (निहित लाभ)	7,100.00	-	-	-
बीमांकिक (लाभ)/हानियाँ	26,225.01	9,824.44	570.84	44.75
प्रदत्त लाभ	(5,165.42)	(4,848.06)	(1,525.60)	(1,757.60)
बैंक द्वारा प्रत्यक्ष भुगतान	(6,674.84)	(5,848.13)	-	-
31 मार्च 2023 को अंतिम नियत हितलाभ दायित्व	1,90,944.96	1,56,966.26	12,833.94	12,390.48
योजना आस्तियों में परिवर्तन				
1 अप्रैल को योजना आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	1,33,148.54	1,30,590.73	11,065.66	10,925.06
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ	9,786.42	9,598.42	827.71	794.25
नियोक्ता द्वारा अंशदान	7,634.52	2,171.59	1,324.82	1,440.65
कर्मचारियों द्वारा अनुमानित अंशदान	-	0.10	0.09	-
प्रदत्त हितलाभ	(5,165.42)	(4,848.06)	(1,525.60)	(1,757.60)
योजना आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि) - अनुभव के कारण	6,239.91	(4,364.24)	447.04	(336.70)
31 मार्च 2023 को योजना आस्तियों के उचित मूल्य का इतिशेष	1,51,643.97	1,33,148.54	12,139.72	11,065.66
दायित्व के वर्तमान मूल्य तथा योजना आस्तियों के उचित मूल्य का समाधान				
31 मार्च 2024 को निधिक दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,90,944.96	1,56,966.26	12,833.94	12,390.48
31 मार्च 2024 को योजना आस्तियों का उचित मूल्य	1,51,643.97	1,33,148.54	12,139.72	11,065.66
वित्तपोषित स्थिति कमी/(अधिशेष)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता इतिशेष	-	-	-	-

विवरण	पेंशन योजना		ग्रेच्युटी योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82
तुलन-पत्र में शामिल की गई राशि				
देयताएँ	1,90,944.96	1,56,966.26	12,833.94	12,390.48
आस्तियाँ	1,51,643.97	1,33,148.54	12,139.72	11,065.66
तुलनपत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत (निहित) इतिशेष	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता इतिशेष	-	-	-	-
लेखे में शामिल कुल देयताएँ/(आस्तियाँ)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82
लाभ और हानि खाते में शामिल निवल लागत				
वर्तमान सेवा लागत	956.93	972.83	471.41	464.79
ब्याज लागत	11,537.02	10,740.19	926.81	924.32
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ	(9,786.42)	(9,598.42)	(827.71)	(794.25)
कर्मचारियों द्वारा अनुमानित अंशदान	-	(0.10)	(0.09)	-
लेखे में ली गई विगत सेवा लागत (परिशोधित)	-	-	-	-
लेखे में ली गई विगत सेवा लागत (निहित लाभ)	7,100.00	-	-	-
लेखे में शामिल की गई वर्ष के दौरान निवल बीमांकिक हानियाँ (लाभ)	19,985.10	14,188.68	123.80	381.45
अनुसूची 16 कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान में शामिल की गई नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत	29,792.63	16,303.18	694.22	976.31
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ और वास्तविक प्रतिलाभ का समाधान				
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ	9,786.42	9,598.42	827.71	794.25
योजना आस्तियों पर वास्तविक लाभ/हानि - अनुभव के आधार पर	6,239.91	(4,364.24)	447.04	(336.70)
योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिलाभ	16,026.33	5,234.18	1,274.75	457.55
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति) के आरंभिक अधिशेष व इतिशेष का समाधान				
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार निवल प्रारंभिक देयता/(आस्ति)	23,817.72	15,534.26	1,324.82	1,789.16
लाभ और हानि खाते में शामिल व्यय	29,792.63	16,303.18	694.22	976.31
बैंक द्वारा सीधे प्रदत्त	(6,674.84)	(5,848.13)	-	-
अन्य प्रावधानों को डेबिट	-	-	-	-
आरक्षित निधियों में शामिल	-	-	-	-
नियोक्ता का अंशदान	(7,634.52)	(2,171.59)	(1,324.82)	(1,440.65)
तुलन-पत्र में शामिल की गई निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	694.22	1,324.82

(₹ करोड़ में)

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार पेंशन निधि तथा ग्रेच्युटी निधि की योजना आस्तियों के अंतर्गत किए गए निवेश निम्नानुसार हैं:

आस्तियों की श्रेणी	पेंशन निधि योजना आस्तियों का %		ग्रेच्युटी निधि योजना आस्तियों का %	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियाँ	13.82%	19.11%	15.25%	19.06%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	36.25%	35.14%	34.25%	35.24%
ऋण प्रतिभूतियाँ, पूँजी बाजार प्रतिभूतियाँ एवं बैंक जमा	28.36%	30.85%	26.14%	29.35%
ईटीएफ तथा म्यूचुअल फंड	15.06%	11.61%	13.22%	10.99%
बीमाकर्ता प्रबंधित निधियां	1.10%	1.17%	10.05%	3.30%
अन्य	5.41%	2.12%	1.09%	2.06%
योग	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन;

विवरण	पेंशन योजनाएँ		ग्रेच्युटी योजनाएँ	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.23%	7.53%	7.21%	7.48%
योजना आस्ति पर प्रतिलाभ की प्रत्याशित दर	7.23%	7.53%	7.21%	7.48%
वैतन बढ़ोतरी दर	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
पेंशन बढ़ोतरी दर	2.00%	2.00%	लागू नहीं	लागू नहीं
पलायन दर	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
रोजगार के दौरान मृत्यु संख्या सारणी	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)
रोजगार के पश्चात मृत्यु संख्या सारणी	IALM 2006-08 (अल्टीमेट)	IALM 2006-08 (अल्टीमेट)	लागू नहीं	लागू नहीं

योजना में अधिशेष / कमी

पेंशन

	(₹ करोड़ में)				
तुलन - पत्र में ली गई राशि	31-03-2020 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत में देयता	1,09,830.37	1,25,806.37	1,46,124.99	1,56,966.26	1,90,944.96
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	97,458.52	1,06,445.86	1,30,590.73	1,33,148.54	1,51,643.97
अंतर	12,371.85	19,360.51	15,534.26	23,817.72	39,300.99
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता	-	-	-	-	-
तुलन-पत्र में ली गई राशि	12,371.85	19,360.51	15,534.26	23,817.72	39,300.99

विगत (एक्सपिरियंस) समायोजन

(₹ करोड़ में)

तुलन - पत्र में ली गई राशि	31-03-2020 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
योजना देयता पर (लाभ)/ हानि	4,078.53	12,528.38	4,162.26	8,997.32	21,009.20
योजना आस्ति पर (हानि)/ लाभ	1,550.28	3,705.91	(436.95)	(4,364.24)	6,239.91

योजना में अधिशेष/कमी**ग्रेच्युटी योजना**

(₹ करोड़ में)

तुलन - पत्र में ली गई राशि	31-03-2020 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत में देयता	12,852.56	13,447.17	12,714.22	12,390.48	12,833.94
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	10,570.95	10,950.23	10,925.06	11,065.66	12,139.72
अंतर	2,281.61	2,496.94	1,789.16	1,324.82	694.22
लेखे में नहीं ली गई विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
लेखे में नहीं ली गई अस्थायी देयता	-	-	-	-	-
तुलन-पत्र में ली गई राशि	2,281.61	2,496.94	1,789.16	1,324.82	694.22

विगत (एक्सपिरियंस) समायोजन

(₹ करोड़ में)

तुलन - पत्र में ली गई राशि	31-03-2020 को समाप्त वर्ष	31-03-2021 को समाप्त वर्ष	31-03-2022 को समाप्त वर्ष	31-03-2023 को समाप्त वर्ष	31-03-2024 को समाप्त वर्ष
योजना देयता पर (लाभ)/हानि	382.17	1,053.04	366.15	138.91	542.28
योजना आस्ति पर (हानि)/लाभ	249.84	331.37	(76.85)	(336.70)	447.04

अगले वर्ष के लिए पेंशन तथा ग्रेच्युटी निधि के लिए अनुमानित अंशदान क्रमशः ₹8,250.00 करोड़ तथा ₹694.22 करोड़ है।

चूंकि योजनागत आस्ति को सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल कर्व के आधार पर बाजार के लिए मार्क किया गया है, अनुमानित प्राप्ति की गणना डिस्काउंट दर पर की गई है।

बीमांकिक मूल्यांकन में प्रतिफलित भावी वेतन वृद्धि का पूर्वानुमान, मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा रोजगार-बाजार में आपूर्ति और मांग की स्थिति जैसे अन्य संगत कारकों को ध्यान में रखकर किया गया है। ये अनुमान दीर्घकालिक हैं तथा सीमित विगत अनुभव/ निकट भविष्य पर आधारित नहीं हैं। अनुभवजन्य साक्ष्य भी बताते हैं कि दीर्घकालिक अवधि में लगातार, उच्च वेतन वृद्धि दर संभव नहीं है, लेखा-परीक्षकों ने इन्हें स्वीकार किया है।

2. कर्मचारी भविष्य निधि

बैंक के भविष्य निधि न्यास से हुई ब्याज की कमी के संबंध में नियतिवादी दृष्टिकोण के अनुसार संचालित बीमांकिक मूल्यांकन निरंक देयता दर्शाता है। अतः वित्तीय वर्ष 2023-24 में किसी भी तरह का प्रावधान नहीं किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

निम्नलिखित तालिका बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकक द्वारा किया गया बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य निधि की स्थिति को दर्शाती है:

विवरण	भविष्य निधि (₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हितलाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को नियत हितलाभ दायित्व योजना की आरंभिक राशि	38,236.80	36,730.00
वर्तमान सेवा लागत	2,123.44	1,480.33
ब्याज लागत	3,087.84	2,762.87
कर्मचारी अंशदान (वीपीएफ सहित)	2,822.83	1,952.97
बीमांकिक हानि / (लाभ)	(3.96)	-
प्रदत्त लाभ	(4,439.74)	(4,689.37)
31 मार्च को नियत हितलाभ दायित्व योजना का इतिशेष	41,827.21	38,236.80
योजना आस्तियों में परिवर्तन		
1 अप्रैल को योजना आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	39,210.05	37,632.85
योजना आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ	3,087.84	2,762.87
अंशदान	4,946.27	3,433.30
अनर्जक निवेशों की परिपक्वता पर हानि के लिए प्रावधान	-	-
प्रदत्त हितलाभ	(4,439.74)	(4,689.37)
योजना आस्तियों पर बीमांकिक लाभ / (हानि)	(203.43)	70.40
31 मार्च को योजना आस्तियों के उचित मूल्य का इतिशेष	42,600.99	39,210.05
दायित्व के वर्तमान मूल्य तथा योजना आस्तियों के उचित मूल्य का समाधान		
वर्ष के अंत में निधिक दायित्व का वर्तमान मूल्य	41,827.21	38,236.80
वर्ष के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	42,600.99	39,210.05
निधियन की स्थिति कमी/(अधिशेष)	(773.78)	(973.25)
तुलन पत्र में शामिल नहीं की गई निवल आस्ति	773.78	973.25
लाभ और हानि खाते में शामिल निवल लागत		
वर्तमान सेवा लागत	2,123.44	1,480.33
ब्याज लागत	3,087.84	2,762.87
योजना-आस्तियों पर प्रत्याशित प्रतिलाभ	(3,087.84)	(2,762.87)
ब्याज में आई कमी को वापस किया गया	-	-
अनुसूची 16 'कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान' में शामिल की गई नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत।	2,123.44	1,480.33
तुलन-पत्र में शामिल की गई प्रारम्भिक एवं अंतिम निवल देयता / (आस्ति) का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारम्भिक निवल देयता	-	-
उपरोक्तानुसार व्यय	2,123.44	1,480.33
नियोक्ता का अंशदान	(2,123.44)	(1,480.33)
तुलन-पत्र में शामिल की गई निवल देयता / (आस्ति)	-	-

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार भविष्य निधि की योजना आस्तियों के अंतर्गत निवेश निम्नानुसार हैं:

आस्तियों की श्रेणी	भविष्य निधि योजना आस्तियों का %	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियाँ	18.10%	28.36%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	34.96%	31.82%
ऋण प्रतिभूतियाँ, पूंजी बाजार प्रतिभूतियाँ और बैंक जमा	32.29%	30.12%
म्यूचुअल फंड	8.83%	6.99%
अन्य	5.82%	2.71%
योग	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
सुनिश्चित प्रतिलाभ	8.15%	8.10%
पलायन दर	2.00%	2.00%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
मृत्यु दर सारणी	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)

एसबीआई कर्मचारी भविष्य निधि के अंतर्गत देयता पर सुनिश्चित प्रतिलाभ दर लागू है, जो नीचे बताई गई दो दरों में से किसी से कम नहीं होगी:

- (क) पूर्ववर्ती वर्ष (पूर्ववर्ती 31 मार्च को समाप्त) में बारह माह के लिए नई सावधि जमाओं के लिए बैंक द्वारा उद्धृत औसत मानक दर (एक चौथाई प्रतिशत ऊपर या नीचे समायोजित) से आधा प्रतिशत अधिक; या
- (ख) तीन प्रतिशत वार्षिक, बशर्ते कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित किया जाए।

ii. नियत अंशदान योजना

01 अगस्त 2010 या उसके बाद बैंक की सेवा में आने वाले सभी श्रेणी के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए बैंक ने नियत अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) लागू की है। इस योजना का प्रबंधन नई पेंशन प्रणाली (एनपीएस) न्यास द्वारा पेन्शन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में किया जाता है। एनपीएस के लिए, राष्ट्रीय प्रतिभूति निक्षेपागार लि. को केंद्रीय रिकार्ड कीर्पिंग एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में ₹1,552.41 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1,296.27 करोड़) का अंशदान किया।

iii. दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ (अनिधिकृत देयताएँ):

(क) संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियाँ (अर्जित अवकाश)

निम्नलिखित तालिका में बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकक द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार संचयी क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियों (अर्जित अवकाश) की स्थितियाँ दर्शायी गई हैं:

विवरण	संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियाँ (अर्जित अवकाश)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
परिभाषित हितलाभ दायित्व की वर्तमान राशि में बदलाव		
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार परिभाषित प्रारंभिक हितलाभ दायित्व	11,068.33	10,372.37
वर्तमान सेवा लागत	363.76	328.35
ब्याज लागत	827.91	754.07
बीमांकिक हानियाँ/(लाभ)	2,372.84	743.71
प्रदत्त लाभ	(1,088.88)	(1,130.17)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार सुनिश्चित निवल देयता इतिशेष	13,543.96	11,068.33
लाभ एवं हानि खाते में शामिल निवल लागत		
वर्तमान सेवा लागत	363.76	328.35
ब्याज लागत	827.91	754.07
बीमांकिक (लाभ)/हानियाँ	2,372.84	743.71
अनुसूची 16 -कर्मचारियों को भुगतान एवं उनके लिए प्रावधान में शामिल परिभाषित हितलाभ योजनाओं की कुल लागत	3,564.51	1,826.13
तुलन-पत्र में शामिल की गई प्रारंभिक एवं अंतिम निवल देयता / (आस्ति) का समाधान		
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार प्रारंभिक निवल देयता	11,068.33	10,372.37

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियाँ (अर्जित अवकाश)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
उपरोक्तानुसार व्यय	3,564.51	1,826.13
नियोजक का अंशदान	-	-
नियोजक द्वारा प्रदत्त प्रत्यक्ष लाभ	(1,088.88)	(1,130.17)
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति)	13,543.96	11,068.33
प्रमुख बीमांकिक आकलन		
विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%
मृत्यु दर सारणी	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)

(ख) अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हितलाभ

बैंक द्वारा नियुक्त स्वतंत्र बीमांकक द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हितलाभों जैसे अवकाश किराया तथा गृह यात्रा किराया रियायत (नकदीकरण/उपयोग), सिल्वर जुबली अवार्ड, अधिवर्षिता एवं सेवानिवृत्ति पर स्थायी निवास स्थान जाने हेतु यात्रा और अन्य व्यय के लिए ₹193.85 करोड़ (पिछले वर्ष ₹20.57 करोड़) की राशि प्रदान की गई है और इसे लाभ और हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान के तहत शामिल किया गया है।

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%
मृत्यु दर सारणी	IALM 2012-14 (अर्बन)	IALM 2012-14 (अर्बन)

ग) लेखा मानक - 17 खंडवार सूचना

1. खंड अभिनिर्धारण

1. प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

निम्नलिखित बैंक के प्राथमिक खंड हैं:-

- ट्रेजरी
- कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग
- खुदरा बैंकिंग
- अन्य बैंकिंग व्यवसाय

बैंक की वर्तमान लेखा एवं सूचना प्रणाली में उपरोक्त खंडों के लिए अलग से आंकड़े संग्रहण व एक्ट्रैक्ट करने की व्यवस्था नहीं है। तथापि, वर्तमान आंतरिक, संगठनात्मक तथा प्रबंधकीय रिपोर्टिंग संरचना एवं प्राथमिक खंडों में निहित जोखिम व प्रतिलाभ के आधार पर निम्नलिखित के अनुसार उनकी गणना की गई है:-

i. ट्रेजरी

ट्रेजरी खंड में संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो और विदेशी विनिमय व डेरिवेटिव्स संविदाओं में ट्रेडिंग शामिल हैं। ट्रेजरी खंड की आय में मुख्य रूप से फीस तथा ट्रेडिंग परिचालनों से होने वाले लाभ या हानि तथा निवेश पोर्टफोलियो की ब्याज-आय शामिल होती है।

ii. कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग

कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग खंड में कॉर्पोरेट लेखा समूह, वाणिज्यिक लेखा समूह तथा दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह की ऋण गतिविधियाँ शामिल हैं। इनमें कॉर्पोरेट और संस्थागत ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋण व लेन-देन सेवाएँ तथा विदेश स्थित कार्यालयों के गैर-ट्रेजरी परिचालन भी शामिल हैं।

iii. खुदरा बैंकिंग

खुदरा बैंकिंग खंड में खुदरा शाखाएँ आती हैं, जिसमें प्राथमिक रूप से इन शाखाओं से बैंकिंग संबंध रखने वाले कॉर्पोरेट ग्राहकों को ऋण उपलब्ध कराने सहित वैयक्तिक बैंकिंग गतिविधियाँ शामिल हैं। इस खंड में एजेंसी व्यवसाय व एटीएम भी शामिल हैं।

iv. अन्य बैंकिंग व्यवसाय

उपर्युक्त (i) से (iii) के अंतर्गत वर्गीकृत न किए गए खंड इस प्राथमिक खंड के अंतर्गत वर्गीकृत किए गए हैं।

II. द्वितीयक (भौगोलिक खंड)

- i) देशीय परिचालन - भारत में परिचालन करने वाली शाखाएँ/कार्यालय
- ii) विदेशी परिचालन - भारत के बाहर परिचालन करने वाली शाखाएँ/कार्यालय तथा भारत में परिचालन करने वाली समुद्र पार बैंकिंग इकाइयाँ।

III. अंतर-खंडीय अंतरणों का मूल्य-निर्धारण

खुदरा बैंकिंग खंड मुख्य संसाधन संग्रहण (मोबिलाईसिंग) इकाई है। कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग तथा ट्रेजरी खंड खुदरा बैंकिंग से निधि प्राप्त करते हैं। बाजार संबंधित निधि अंतरण मूल्य निर्धारण (एमआरएफटीपी) का पालन किया जाता है जिसके अंतर्गत निधियन केंद्र नामक एक पृथक इकाई सृजित की गई है। निधियन केंद्र व्यवसाय इकाइयों द्वारा जमा अथवा उधार के रूप में सृजित की जाने वाली निधियों का कल्पित क्रय करती है तथा आस्तियाँ सृजित करने वाली व्यवसाय इकाइयों को निधियों का कल्पित विक्रय करती है।

IV. व्यय, आस्तियों और देयताओं का आबंटन

सीधे कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग एवं खुदरा बैंकिंग परिचालनों अथवा राजकोषीय परिचालन खंड से संबंधित कॉर्पोरेट केंद्र की संस्थापनाओं में किए गए खर्च को उसी अनुसार आबंटित किया गया है। सीधे-सीधे न जुड़े हुए खर्च को प्रत्येक खंड के कर्मचारियों की संख्या/सीधे संबंध रखने वाले व्यय के अनुपात के आधार पर आबंटित किया गया है।

बैंक में कुछ ऐसी सामान्य आस्तियाँ और देयताएँ होती हैं जिन्हें किसी खंड में शामिल नहीं किया जा सकता, उन्हें अन-आबंटित श्रेणी में रखा गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2. खंडवार सूचना

भाग क: प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

(₹ करोड़ में)

व्यवसाय खंड	ट्रेजरी	कॉरपोरेट / थोक बैंकिंग	रिटेल बैंकिंग		योग	अन्य बैंकिंग परिचालन	योग
			डिजिटल बैंकिंग	अन्य रिटेल बैंकिंग			
राजस्व (अपवादात्मक मदों से पूर्व)	1,25,552.27 (1,01,933.92)	1,30,257.54 (98,038.91)	5,149.22 (3,697.02)	2,03,630.78 (1,63,216.12)	2,08,780.00 (1,66,913.14)	- (-)	4,64,589.81 (3,66,885.97)
गैर-आबंटित राजस्व							2,223.01 (1,832.69)
कुल राजस्व							4,66,812.82 (3,68,718.66)
परिणाम (अपवादात्मक मदों से पूर्व)	16,187.30 (9,470.88)	40,474.40 (29,049.75)	7,685.55 (5,020.54)	31,863.16 (28,218.94)	39,548.71 (33,239.48)	- (-)	96,210.41 (71,760.11)
घटाएँ: अपवादात्मक मदें							7,100.00 (-)
परिणाम (अपवादात्मक मदों के पश्चात)							89,110.41 (71,760.10)
गैर-आबंटित आय (+) / व्यय (-) - निवल							-7,327.45 (-4,554.47)
कर पूर्व लाभ							81,782.96 (67,205.64)
कर							20,706.34 (16,973.19)
असाधारण लाभ							शून्य शून्य
निवल लाभ							61,076.62 (50,232.45)
अन्य सूचना:							
खंडवार आस्तियाँ	17,99,263.94 (16,65,482.35)	17,13,722.56 (14,92,904.65)	74,123.60 (52,647.74)	25,33,651.57 (25,57,802.67)	26,07,775.17 (23,10,450.41)	- (-)	61,20,761.67 (54,68,837.41)
अन-आबंटित आस्तियाँ							58,932.27 (48,141.12)
कुल आस्तियाँ							61,79,693.94 (55,16,978.53)
खंडवार देयताएँ	16,20,651.34 (15,24,002.00)	16,26,313.44 (14,57,595.81)	6,94,818.32 (4,90,464.77)	16,70,042.28 (15,62,424.59)	23,64,860.60 (20,52,889.36)	- (-)	56,11,825.38 (50,34,487.17)
अन-आबंटित देयताएँ							1,90,622.03 (1,54,882.91)
कुल देयताएँ							58,02,447.41 (51,89,370.08)

(कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पिछले वर्ष के हैं)

भाग ख: द्वितीयक (भौगोलिक खंड)

(₹ करोड़ में)

विवरण	देशीय		विदेशी		योग	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
राजस्व (अपवादात्मक मदों से पूर्व) #	4,27,103.26	3,47,982.70	39,709.56	20,735.96	4,66,812.82	3,68,718.66
निवल लाभ #	49,032.85	43,966.38	12,043.77	6,266.07	61,076.62	50,232.45
आस्तियाँ *	55,13,953.27	49,09,460.77	6,65,740.67	6,07,517.76	61,79,693.94	55,16,978.53
देयताएँ *	51,36,706.74	45,81,852.33	6,65,740.67	6,07,517.76	58,02,447.41	51,89,370.09

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु

* 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

भारतीय रिजर्व बैंक परिपत्र डीओआर.एयूटी.आरईसी12/22.01.001/2022-23 दिनांक 07 अप्रैल, 2022 के अनुसार लेखा मानक 17 खंड रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण के उद्देश्य से 'डिजिटल बैंकिंग' को 'रिटेल बैंकिंग खंड' के अंतर्गत एक उप-समूह के रूप में निर्धारित किया गया है।

द. लेखा मानक - 18 संबंधित पक्ष प्रकटीकरण

1. संबंधित पक्ष

ए. अनुषंगियाँ

i. विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. कॉमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, माँस्को
2. एसबीआई कनाडा बैंक
3. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया)
4. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड
5. एसबीआई (मॉरीशस) लि.
6. पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
7. नेपाल एसबीआई बैंक लि.

ii. देशीय गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
2. एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.
3. एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड
4. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
5. एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
6. एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड
7. एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड
8. एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड
9. एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

10. एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड
11. एसबीआई एसजी - ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
12. एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड
13. एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड
14. एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
15. एसबीआई इंफ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन अधीन)
16. एसबीआई फाउंडेशन
17. स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड
18. एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड (निगमन तिथि 25 जुलाई, 2023)

iii. विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ

1. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि.
2. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विकोस लिमिटेड
3. नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड

बी. संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियाँ

1. सी-ऐज टेक्नोलॉजीज लि.
2. एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
3. एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
4. मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लि.
5. मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि.
6. ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लि.
7. ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.

सी. सहयोगी

i. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

1. आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक
2. अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
3. छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
4. इलाकाई देहाती बैंक
5. मध्यांचल ग्रामीण बैंक
6. मेघालय ग्रामीण बैंक

7. मिजोरम ग्रामीण बैंक
8. नागालैंड ग्रामीण बैंक
9. सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
10. उत्कल ग्रामीण बैंक
11. उत्तराखंड ग्रामीण बैंक
12. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
13. राजस्थान मरुधर ग्रामीण बैंक
14. तेलंगाना ग्रामीण बैंक

ii. अन्य

1. द विलियरिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
2. बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड
3. यस बैंक लिमिटेड
4. इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज(इंडिया) प्रा. लि.
5. जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
6. एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड (परिसमापन के अधीन)

डी. बैंक के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

1. श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष
2. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, ग्लोबल मार्केट्स व प्रौद्योगिकी)
3. श्री स्वामीनाथन जानकीरामन, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ) (26 जून 2023 तक)
4. श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)
5. श्री आलोक चौधरी (जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)
6. श्री विनय एम. तोन्से (रिटेल व्यवसाय एवं परिचालन) (21 नवंबर 2023 से)

2. वर्ष के दौरान जिन पक्षकारों के साथ लेनदेन किए गए

लेखा मानक (एस) 18 के अनुच्छेद 9 के अंतर्गत सरकार-नियंत्रित उद्यम के संबंधित पक्ष के संबंध में कोई प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं है। इसके अतिरिक्त, लेखा मानक 18 के अनुच्छेद 5 के अंतर्गत प्रमुख प्रबंधन कार्मिक तथा प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के संबंधियों सहित बैंक-ग्राहक संबंध की प्रकृति वाले लेनदेनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

3. लेनदेन एवं शेष राशियाँ

विवरण	(₹ करोड़ में)					
	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक एवं उनके संबंधी	योग	सहयोगी/ संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक एवं उनके संबंधी	योग
तक बकाया	31 मार्च 2024			31 मार्च 2023		
उधार राशि	-	-	-	-	-	-
जमा राशि	1,938.05	-	1,938.05	4,942.43	-	4,942.43
अन्य देयताएँ	72.23	-	72.23	66.09	-	66.09
बैंकों में जमाराशियाँ तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	4.55	-	4.55	0.17	-	0.17
अग्रिम	1,868.59	-	1,868.59	1,007.14	-	1,007.14
निवेश	7,925.54	-	7,925.54	7,925.54	-	7,925.54
अन्य आस्तियाँ	377.71	-	377.71	196.03	-	196.03
गैर-निधि प्रतिबद्धता (एलसी/बीजी)	96.23	-	96.23	22.53	-	22.53
अधिकतम बकाया	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान			वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान		
उधार राशि	850.00	-	850.00	-	-	-
जमा राशि	6,410.68	-	6,410.68	5,269.99	-	5,269.99
अन्य देयताएँ	97.67	-	97.67	66.12	-	66.12
बैंकों में जमाराशियाँ तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	8.64	-	8.64	2.56	-	2.56
अग्रिम	2,204.87	-	2,204.87	1,152.51	-	1,152.51
निवेश	7,925.54	-	7,925.54	10,756.28	-	10,756.28
अन्य आस्तियाँ	417.29	-	417.29	444.64	-	444.64
गैर-निधि प्रतिबद्धता (एलसी/बीजी)	96.23	-	96.23	22.53	-	22.53
वर्ष के दौरान	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान			वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान		
ब्याज आय	133.61	-	133.61	111.19	-	111.19
ब्याज खर्च	143.67	-	143.67	80.69	-	80.69
डिविडेंड से अर्जित आय	25.99	-	25.99	20.81	-	20.81
अन्य आय	3.51	-	3.51	3.16	-	3.16
अन्य खर्च	33.59	-	33.59	13.17	-	13.17
भूमि/भवन व अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/(हानि)	(0.02)	-	(0.02)	(0.12)	-	(0.12)
प्रबंधन संविदाएँ	-	2.21	2.21	-	2.21	2.21

वर्ष के दौरान संबंधित पक्षकार से महत्वपूर्ण लेनदेन नहीं हुआ है।

ई. लेखा-मानक - 19 'पट्टा'

- i. परिचालन पट्टे पर परिसरों में मुख्यतः कार्यालय परिसर और स्टाफ आवास शामिल हैं, इन पट्टों को नवीकृत करने का विकल्प बैंक के पास है:-
- ii. गैर-निरस्तीकरण योग्य परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसरों की देयता का ब्योरा नीचे प्रस्तुत किया गया है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार
1 वर्ष तक	58.39	37.34
1 वर्ष से 5 वर्ष तक	25.88	31.97
5 वर्ष से अधिक	8.90	5.99
योग	93.17	75.30

- iii. परिचालन पट्टों के संबंध में लाभ एवं हानि खाते में शामिल की गई राशि ₹4,412.43 करोड़ (पिछला वर्ष ₹4,104.59 करोड़)।

एफ. लेखा मानक - 20 प्रति शेयर उपार्जन

बैंक, लेखा मानक 20, प्रति शेयर उपार्जन के अनुसार प्रत्येक इक्विटी शेयर पर मूल और कम की गई आय रिपोर्ट करता है। प्रतिशेयर मूलआय की गणना, वर्ष के दौरान, कर पश्चात निवल आय को बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से भाग देकर निकाली गई है।

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
मूल तथा कम किए गए		
वर्ष के प्रारंभ में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,534
वर्ष के दौरान जारी इक्विटी शेयरों की संख्या	शून्य	400
वर्ष के अंत तक बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,934
प्रति शेयर मूल आय की गणना के लिए प्रयुक्त भारित औसत इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,707
प्रति शेयर कम की गई आय की गणना के लिए प्रयुक्त भारित औसत शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,707
निवल लाभ/ (हानि) (₹ करोड़ में)	61,076.62	50,232.45
प्रति शेयर मूल आय (₹)	68.44	56.29
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)	68.44	56.29
प्रति शेयर सांकेतिक मूल्य (₹)	1.00	1.00

जी. लेखा मानक - 22 आय पर कर का लेखांकन**क. वर्तमान कर:-**

बैंक ने वर्ष के दौरान लाभ एवं हानि खाते में ₹22,871.63 करोड़ (पिछले वर्ष ₹21,223.92 करोड़) वर्तमान कर के रूप में डेबिट किए हैं। भारत में वर्तमान कर की गणना, विदेशी अधिकार क्षेत्र में भुगतान किए गए कर के लिए उपयुक्त छूट प्राप्त कर लेने के बाद आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार की गई है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

ख. आस्थगित कर:-

बैंक ने वर्ष के दौरान लाभ एवं हानि खाते से ₹2,165.29 करोड़ आस्थगित कर के रूप में क्रेडिट किए हैं। (पिछले वर्ष ₹4,250.74 करोड़ क्रेडिट किया गया)

बैंक की बकाया निवल आस्थगित कर आस्तियाँ (डीटीए) ₹11,423.87 करोड़ (पिछले वर्ष निवल डीटीए ₹10,534.21 करोड़) रहीं, जिसमें 'अन्य देयताएं एवं प्रावधान' के अंतर्गत ₹7.60 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.01 करोड़) की डीटीएल तथा 'अन्य आस्तियाँ' के अंतर्गत ₹11,431.47 करोड़ (पिछले वर्ष निवल डीटीए ₹10,534.22 करोड़) की 'आस्थगित कर आस्तियाँ' (डीटीए) शामिल है। डीटीए और डीटीएल की प्रमुख मदों का ब्योरा नीचे प्रस्तुत किया गया है:

विवरण	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार
(₹ करोड़ में)		
आस्थगित कर आस्तियाँ (डीटीए)		
दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ के लिए प्रावधान	13,645.91	9,105.22
अग्रिमों के लिए प्रावधान	5,910.46	6,244.09
अन्य आस्तियों/अन्य देयताओं के लिए प्रावधान	3,033.08	3,736.75
विदेशी मुद्रा परिवर्तन आरक्षित निधि पर	1,101.26	1,686.01
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	404.19	352.03
विदेशी कार्यालयों से	432.86	476.14
योग	24,527.76	21,600.24
आस्थगित कर देयताएँ (डीटीएल)		
प्रतिभूतियों पर उपचित ब्याज किंतु देय नहीं	7,191.40	6,598.88
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1)(viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि	4,914.57	4,467.14
आईसीडीएस - आयकर रिफंड पर उपचित और प्राप्त नहीं हुआ ब्याज	990.32	-
विदेशी कार्यालयों से	7.60	0.01
योग	13,103.89	11,066.03
निवल आस्थगित कर आस्तियाँ / (देयताएँ)	11,423.87	10,534.21

वित्त वर्ष 2019-20 से बैंक ने कराधान विधि (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा लागू अनुसार आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115 बीए के अंतर्गत अनुमत निचली कर दर के विकल्प को चुना है।

एच. लेखा मानक-27 संयुक्त उद्यमों में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग

निवेशों में ₹28.06 करोड़ (पिछले वर्ष ₹28.06 करोड़) शामिल हैं जो संयुक्त रूप से नियंत्रित निम्नलिखित कंपनियों में बैंक के हिस्से को दर्शाता है:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	राशि करोड़ ₹ में	देश	धारिता %
1	सी-एज टेक्नोलॉजीज लि.	4.90 (4.90)	भारत	49% (49%)
2	एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.	18.57 (18.57)	भारत	45% (45%)
3	एसबीआई मैकैरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.	0.03 (0.03)	भारत	45% (45%)
4	मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लि.	2.25 (2.25)	सिंगापुर	45% (45%)
5	मैकैरी एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि.	- (-)	बर्मुडा	45% (45%)
6	ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लि.	2.30 (2.30)	भारत	50% (50%)
7	ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.	0.01 (0.01)	भारत	50% (50%)
	कुल	28.06 (28.06)		

मैकैरी एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट पीटीई लि. के माध्यम से अप्रत्यक्ष होल्डिंग के आधार पर कम्पनी ने निवेश पर 100% प्रावधान किया है।
(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं)

लेखांकन मानक - 27 की अपेक्षा के अनुरूप, संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में बैंक के हिस्से से संबंधित आस्तियों, देयताओं, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं व प्रतिबद्धताओं की कुल राशि निम्नानुसार दर्शाई गई है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार
देयताएँ		
पूँजी और आरक्षित निधियाँ	244.45	220.31
जमा-राशियाँ	-	-
उधार-राशियाँ	-	-
अन्य देयताएँ एवं प्रावधान	52.47	41.58
योग	296.92	261.89
आस्तियाँ		
नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा-राशियाँ	-	-
बैंकों में जमा-राशियाँ और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	157.53	147.43
निवेश	22.01	22.71
अग्रिम	-	-
अचल आस्तियाँ	32.85	20.40
अन्य आस्तियाँ	84.53	71.35
योग	296.92	261.89
पूँजी प्रतिबद्धताएँ		
अन्य आकस्मिक देयताएँ	1.49	1.49
आय		
अर्जित ब्याज	10.16	8.27
अन्य आय	218.30	188.40
योग	228.46	196.67
व्यय		
व्यय किया गया ब्याज	-	0.18
परिचालन व्यय	164.34	152.52
प्रावधान एवं आकस्मिकताएँ	17.51	15.18
योग	181.85	167.88
लाभ	46.61	28.79

ख. लेखा मानक - 28 'आस्तियों की क्षति'

बैंक प्रबंधन की दृष्टि में, वर्ष के दौरान गैर-मौद्रिक आस्तियों की क्षति का कोई संकेत नहीं है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2. लेखांकन मानक-29 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक आस्तियाँ'

आकस्मिक देयताओं का विवरण

क्रम सं.	विवरण	संक्षिप्त विवरण
1	बैंक के विरुद्ध दावे जो ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं हैं।	व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में बैंक विभिन्न कार्यवाहियों में एक पक्ष है। बैंक की यह अपेक्षा नहीं है कि इन कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप बैंक की वित्तीय स्थितियों, परिचालन परिणामों या नकदी प्रवाह पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कुछ मामलों में कर निधारण अपीलें विचाराधीन हैं तथा बैंक उन विभिन्न मामलों में भी एक पक्ष है।
2	अंशतः प्रदत्त निवेशों/उद्यम निधि पर देयताएँ	यह मद, अंशतः प्रदत्त निवेशों के लिए अप्रदत्त शेष राशि की देयता को दर्शाती है। इसमें उद्यम पूंजी निधियों हेतु अनाहरित प्रतिबद्धताएँ भी शामिल हैं।
3	बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएँ	बैंक अपने सामान्य व्यावसायिक कार्यकलाप के भाग के रूप में, भविष्य की किसी तारीख को पूर्व-निर्धारित दर पर मुद्रा परिवर्तन के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाएँ करता है। वायदा मुद्रा विनिमय संविदाएँ, संविदागत दर पर निर्धारित तारीख को विदेशी मुद्रा खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्धता होती है। कल्पित राशि को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। अपने ग्राहकों के साथ किए गए लेनदेन के संबंध में संतुलन साधने के लिए सामान्यतः बैंक अंतर-बैंक बाजार में प्रतिसंतुलन लेनदेन करता है। इसका परिणाम बड़ी संख्या में बकाया लेनदेन होता है, और इसलिए संविभाग की सकल कल्पित मूल राशि की मात्रा भी बहुत बढ़ जाती है, जबकि निवल बाजार जोखिम बहुत कम होता है।
4	ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियाँ, स्वीकृतियाँ, पृष्ठांकन तथा अन्य दायित्व	अपनी सामान्य वाणिज्यिक बैंकिंग कार्यकलापों के एक भाग के रूप में बैंक, अपने ग्राहकों की ओर से प्रलेखी ऋण तथा गारंटियाँ जारी करता है। प्रलेखी ऋण से बैंक के ग्राहकों की ऋण-अवस्थिति बढ़ती है। गारंटियाँ सामान्यतः बैंक की ओर से अप्रतिसंहरणीय (जिसे वापस न लिया जा सके) आश्वासन होता है कि यदि ग्राहक अपने वित्तीय या निष्पादन दायित्वों को पूरा करने में असफल रहता है तो बैंक उनका भुगतान करता है।
5	अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है।	बैंक अपने लिए तथा ग्राहकों की ओर से अंतर-बैंक सहभागियों के साथ मुद्रा विकल्प, वायदा दर करार, विदेशी मुद्रा विनिमय तथा ब्याज दर स्वेप में शामिल होता है। मुद्रा स्वेप, पूर्व-निर्धारित दरों के आधार पर ब्याज/मूल राशि के माध्यम से एक मुद्रा से दूसरी मुद्रा में विनिमय का नकदी प्रवाहों के परिवर्तन की प्रतिबद्धता है। ब्याज दर स्वेप, ब्याज की स्थिर तथा अस्थिर दर नकदी प्रवाहों के विनिमय की प्रतिबद्धताएँ हैं। कल्पित राशियाँ, जो आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज की जाती हैं, संविदाओं के ब्याज अंश की गणना के लिए बैंचमार्क के रूप में प्रयोग की जाने वाली विशिष्ट राशियाँ हैं। आगे, इसमें संविदाओं की ऐसी अनुमानित राशि भी शामिल है जो पूंजी खाते में डाली जानी है और जिसका प्रावधान नहीं किया गया, बैंक द्वारा सहयोगियों एवं अनुषंगियों की ओर से जारी चुकोती आश्वासन पत्र, जमाकर्ता शिक्षण एवं जागरूकता निधि खाते के अंतर्गत बैंक की देयताएँ और अन्य विविध आकस्मिक देयताएँ भी शामिल हैं।

उपर्युक्त आकस्मिक देयताएँ यथास्थिति, न्यायालय/मध्यस्थता/न्यायालय के बाहर समझौते, अपीलों के निपटान, राशियों की मांग, संविदागत बाध्यताओं की शर्तों, संबंधित पक्षों द्वारा माँग और उसे उद्भूत करने के दायित्व, जैसा भी मामला हो, पर आधारित हैं।

आकस्मिक देयताओं के प्रति प्रावधानों में उतार-चढ़ाव

आकस्मिक देयताओं के प्रति प्रावधानों में उतार-चढ़ाव को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	(₹ करोड़ में)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरंभिक अधिशेष	3,109.95	3,664.18
वर्ष के दौरान जुड़ी राशि	127.22	143.54
घटाएँ: वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	534.11	86.59
घटाएँ: वर्ष के दौरान उपयोग न की गई राशि की वापसी	99.38	611.18
अंतिम शेष	2,603.68	3,109.95

18.15 अतिरिक्त प्रकटन

क. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भुगतान

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को मूल राशि या ब्याज के विलम्बित भुगतान का कोई मामला रिपोर्ट नहीं किया गया है।

ख. चुकौती आश्वासन पत्र

बैंक ने अपनी एक विदेशी अनुषंगी, बैंक एसबीआई इंडोनेशिया के लिए गवर्नर, बैंक ऑफ इंडोनेशिया को चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया है। एक विदेशी अनुषंगी, एसबीआई कनाडा बैंक के लिए वित्त मंत्री, ओटावा, ओंटारियो, कनाडा को चुकौती आश्वासन पत्र दिया गया है। 31 मार्च 2024 को इन चुकौती आश्वासन पत्र की समेकित राशि ₹2,085.13 करोड़ (250 मिलियन अमेरिकी डॉलर) (पिछले वर्ष ₹2054.25 करोड़) है।

बैंक ने नागालैंड ग्रामीण बैंक के लिए मुद्रा लिमिटेड को ₹0.71 करोड़ तथा लागू ब्याज और शुल्क के लिए 22 नवंबर 2023 को चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया है जो जारी करने के तीन वर्ष की अवधि तक तथा पुनर्वित्त देयताओं की चुकौती के लिए मुद्रा लिमिटेड द्वारा नो ड्यू सर्टिफिकेट जारी करने तक, जो भी बाद में हो, लागू है।

ग. अंतर कार्यालय खाते

शाखाओं, नियंत्रक कार्यालयों और स्थानीय प्रधान कार्यालयों, कॉर्पोरेट केंद्र तथा कॉर्पोरेट केंद्र की संस्थापनाओं के बीच अंतर कार्यालय खातों का निरंतर आधार पर समाधान किया जा रहा है तथा चालू वर्ष के लाभ और हानि खाते की राशि पर इसका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

इ. दिवाला एवं दिवालियापन कोड (आईबीसी) के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल खातों पर प्रावधान:

दिवाला एवं दिवालियापन कोड (आईबीसी) के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल खातों पर प्रावधान के लिए आरबीआई के पत्रांक डीबीआर. सं.बीपी. 15199/21.04.048/2016-17 तथा डीबीआर. सं.बीपी. 1906/21.04.048/2017-18 क्रमशः दिनांक 23 जून 2017 तथा 28 अगस्त 2017 के अनुसार बैंक ने 31 मार्च 2024 को कुल ₹3,783.03 करोड़ (कुल बकाया का 100%) (पिछले वर्ष ₹3,935.48 करोड़ कुल बकाया का 100%) का प्रावधान किया है।

च. वेतन संशोधन के लिए प्रावधान:

नवंबर, 2022 से प्रभावी वेतन समझौते के तहत बैंक ने ₹15,877.09 करोड़ की देय राशि का प्रावधान किया है। 8 मार्च 2024 को 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते और 9वें संयुक्त नोट पर हस्ताक्षर करने के पश्चात, मार्च 2024 के महीने के दौरान वेतन संशोधित किया गया और तदनुसार ₹14,134.86 करोड़ के प्रावधान का उपयोग किया गया। ₹1,742.23 करोड़ का बैलेंस पेंशनभोगियों/परिवार पेंशनभोगियों के लिए शेष वेतन संशोधन और अनुग्रह राशि के रूप में अभी संवितरित किए जाने हैं।

छ. अपवादात्मक मदें

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की अवधि तक बैंक ने निम्नलिखित को अपवादात्मक मदों के रूप में मान्यता दी है:

क. पेंशन की गणना की मौजूदा दोहरी दर के स्थान पर, सभी पेंशनभोगियों के लिए 50% की समान दर पर पेंशन के कारण अनुमानित देनदारी के लिए ₹5,400 करोड़ का प्रावधान।

ख. नवंबर 2002 से पहले के सेवानिवृत्त लोगों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत हेतु ₹1,700 करोड़ रुपये का प्रावधान।

ज. सेंट्रल बोर्ड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 1370% की दर से ₹13.70 प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया है।

झ. वर्तमान वर्ष वर्गीकरण की पुष्टि करने के लिए जहां भी आवश्यक है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनर्वर्गीकृत किया गया है। जिन मामलों में भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों/लेखा मानकों के संदर्भ में पहली बार प्रकटन किया गया है, वहां पिछले वर्ष के आंकड़ों का उल्लेख नहीं किया गया है।

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण

(000 को छोड़ दिया गया है)		
विवरण	31.03.2024 को समाप्त वर्ष ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष ₹
परिचालन कार्यकलाप से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ / (हानि)	81782,96,36	67205,63,25
समायोजन:		
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	3351,91,61	3297,27,04
अचल आस्तियों के विक्रय पर (लाभ) / हानि (निवल)	33,20,20	29,78,85
निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर (लाभ) / हानि (निवल)	(4939,17,35)	4644,43,56
अनर्जक आस्तियों और उचित मूल्य में आई कमी के लिए प्रावधान	9517,62,67	9143,92,59
मानक आस्तियों पर प्रावधान	(1340,86,63)	5618,54,85
अनर्जक निवेश पर प्रावधान	(593,18,23)	1513,84,35
आकस्मिक देयताओं के लिए प्रावधान सहित अन्य प्रावधान	(2669,36,48)	231,01,57
अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों, सहयोगियों में किए गए निवेश से आय	(1961,61,63)	(855,10,80)
पूँजीगत लिखतों पर प्रदत्त ब्याज	9550,46,11	6387,15,64
	92731,96,63	97216,50,90
समायोजन:		
जमाराशियों में वृद्धि / (कमी)	492298,99,29	372243,65,37
पूँजीगत लिखतों के अलावा उधार राशियों में वृद्धि / (कमी)	99757,95,17	49958,77,64
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों को छोड़कर अन्य निवेशों में (वृद्धि) / कमी	(93931,55,71)	(94349,41,25)
अग्रिमों में (वृद्धि) / कमी	(514219,18,39)	(474446,62,98)
अन्य देयताओं में वृद्धि / (कमी)	15971,11,15	31320,55,51
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	(44811,28,24)	(57942,51,27)
	47797,99,90	(75999,06,08)
कर वापसी / (प्रदत्त कर)	(28776,10,67)	(15352,75,44)
परिचालन कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	अ 19021,89,23	(91351,81,52)
निवेश कार्यकलाप से नकदी प्रवाह:		
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेश	(1509,51,75)	(729,62,26)
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में निवेशों से आय	1961,61,63	855,10,80
अचल आस्तियों में (वृद्धि)	(3505,01,66)	(3422,52,21)
निवेश कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	ब (3052,91,78)	(3297,03,67)

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2024 को समाप्त वर्ष ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष ₹
वित्तपोषण कार्यक्रमों से नकदी प्रवाह		
शेयर प्रीमियम सहित इक्विटी शेयर के निर्गम से प्राप्त राशि	-	64
पूँजीगत लिखतों का निर्गम	18101,00,00	19133,00,00
पूँजीगत लिखतों का मोचन	(13433,20,00)	(2000,00,00)
पूँजीगत लिखतों पर प्रदत्त ब्याज	(8438,35,77)	(5594,52,73)
प्रदत्त लाभांश	(10084,81,15)	(6336,72,16)
वित्तपोषण कार्यक्रमों से प्राप्त / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	स (13855,36,92)	5201,75,75
अंतरण आरक्षित निधियों पर विनिमय परिवर्तनों का प्रभाव	द 788,76,47	2794,39,13
नकदी एवं नकदी समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (अ+ब+स+द)	2902,37,00	(86652,70,31)
1 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य	307899,61,80	394552,32,11
31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य	310801,98,80	307899,61,80
नोट:		
1. नकदी और नकदी समतुल्यों के घटकों की स्थिति:	31.03.2024	31.03.2023
नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में जमा राशियाँ	225141,69,61	247087,57,52
बैंकों के पास जमा राशियाँ और मांग एवं अल्पसूचना पर प्राप्त राशि	85660,29,19	60812,04,28
	310801,98,80	307899,61,80
2. परिचालन कार्यक्रमों से प्राप्त नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष पद्धति से रिपोर्ट किया गया है।		

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियाँ तुलन पत्र का अभिन्न भाग हैं।

श्री विनय एम तोन्से

प्रबंध निदेशक

(खुदरा व्यापार और परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी

प्रबंध निदेशक

(जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी

प्रबंध निदेशक

(कॉर्पोरेट बैंकिंग और अनुषंगियाँ)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी

प्रबंध निदेशक

(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी)

निदेशक:

श्री केतन एस विक्रमसी

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री धर्मेन्द्र सिंह शिखावत

श्री प्रफुल्ल पी छाजेड

श्रीमती स्वाति गुसा

श्री अजय कुमार

श्री दिनेश कुमार खारा

अध्यक्ष

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते के सी मेहता एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 106237W/W100829

सीए चिराग बक्शी
भागीदार: स.क्र. 047164

कृते सूरि एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 004283S

सीए संजीव आदित्य एम
भागीदार: स.क्र. 229694

कृते गोखले एंड साठे
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 103264W

सीए राहुल जोगलेकर
भागीदार: स.क्र. 129389

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 002304N

सीए विनोद जैन
भागीदार: स.क्र. 081263

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई, 2024

कृते एम सी भंडारी एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 303002E

सीए अमित बिस्वास
भागीदार: स.क्र. 052296

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 110758W/W100377

सीए आनंद शर्मा
भागीदार: स.क्र. 129033

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 001411N

सीए अतुल अग्रवाल
भागीदार: स.क्र. 099374

कृते आर जी एन प्राइस एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 002785S

सीए पी.एम. वीरमणी
भागीदार: स.क्र. 023933

कृते वी सिंधी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 311017E

सीए सुदीप सिंधी
भागीदार: स.क्र. 063785

कृते रवि राजन एंड कं. एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 009073N/N500320

सीए सुमित कुमार
भागीदार: स.क्र. 512555

कृते जे एल एन यू एस एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा
भागीदार: स. क्र. 401428

कृते रमा के गुप्ता एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता
भागीदार: स. क्र. 073853

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति

भारत के राष्ट्रपति,

भारतीय स्टेट बैंक के एकल वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

अभिमत

1. हमने भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के संलग्न एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2024 के तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण, और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के सारांश सहित एकल वित्तीय विवरणों के नोट्स और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है जिनमें उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रिटर्न शामिल हैं:
 - i. केन्द्रीय कार्यालय, 17 स्थानीय प्रधान कार्यालय, विश्व बाजार इकाई, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय समूह, कॉरपोरेट लेखा समूह (केन्द्रीय), वाणिज्यिक ग्राहक समूह (केन्द्रीय), तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह (केन्द्रीय), केन्द्रीय लेखा कार्यालय और 20 शाखाओं की हमने लेखापरीक्षा की है;
 - ii. 5,999 भारतीय शाखाएं, जिनकी लेखापरीक्षा संबंधित सांविधिक लेखापरीक्षकों ने की है;
 - iii. विदेश स्थित 35 शाखाएं जिनकी लेखा-परीक्षा संबंधित स्थानीय लेखा-परीक्षकों ने की।

हमारे एवं अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षित शाखाओं का चयन बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है। तुलनपत्र, लाभ-हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरण में उन 19149 भारतीय शाखाओं (अन्य लेखा यूनिट सहित) की विवरणियां तथा वे जो लेखापरीक्षा के विषय नहीं थे, भी शामिल हैं। इन अलेखापरीक्षित शाखाओं का हिस्सा अग्रिमों में 23.41%, जमाराशियों में 38.60%, ब्याज आय में 18.37% तथा ब्याज व्यय में 34.66% है।

हमारे अभिमत में तथा जहाँ तक हमें जानकारी है व हमें दी गई विवरणात्मक जानकारी के अनुसार, उपर्युक्त केवल बैंक के वित्तीय विवरणों में बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के अंतर्गत अपेक्षित जानकारी बैंक द्वारा उसी ढंग से दी गई है जैसी उससे अपेक्षित है और यह भारत में सामान्यतया मान्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप है और:

- क) तुलन पत्र, संबंधित नोटों के साथ पठित एक पूर्ण और निष्पक्ष तुलन पत्र है जिसमें सभी आवश्यक विवरण शामिल हैं। इसे उचित रूप से तैयार गया है ताकि 31 मार्च, 2024 तक बैंक की स्थिति के बारे में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदर्शित किया जा सके।
- ख) लाभ और हानि खाता, संबंधित टिप्पणियों के साथ पठित, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ का सम्यक संतुलन दिखाता है; और
- ग) नकदी प्रवाह विवरण उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए एक सही और उचित विवरण प्रस्तुत करता है।

अभिमत का आधार

2. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार पूरी की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारियों की और अधिक जानकारी हमारी रिपोर्ट के बैंक के एकल वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियां भाग में दी गई है। हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार बैंक से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, जो भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानक और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के प्रावधान और समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी परिपत्र और दिशानिर्देश भी शामिल हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले

3. महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे व्यावसायिक विवेक के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के केवल बैंक के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन मामलों का बैंक के एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के परिप्रेक्ष्य में समग्र रूप से समाधान कर लिया गया है और इससे संबंधित जानकारी हमने अपने अभिमत में शामिल कर ली है और हमने इन मामलों पर कोई अलग अभिमत नहीं दिया है। हमने निम्नलिखित मामलों का निर्धारण अत्यंत महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले के रूप में अपनी रिपोर्ट में किया है:

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं. महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले	लेखापरीक्षकों का उत्तर
i. अग्रिमों का वर्गीकरण, आय निर्धारण और अनर्जक अग्रिमों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (संदर्भ: वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 की नोट 3 के साथ पठित अनुसूची 9)	आईआरएसी मानदंडों और आरबीआई द्वारा जारी अन्य संबंधित परिपत्रों/निर्देशों और बैंक की आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में अग्रिमों के प्रति हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में नमूना आधार पर नियंत्रणों का परीक्षण शामिल है,
अग्रिमों में बिल की खरीद और डिस्काउंट, कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, मांग पर प्रस्तुत ऋण तथा मियादी ऋण शामिल हैं। इन्हें आगे बैंक/ सरकारी गारंटी एवं प्रतिभूति रहित (बही ऋण के विरुद्ध ऋण सहित) प्रतिभूति और आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।	क. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं के संबंध में आईआरएसी मानदंडों के अनुसार आय निर्धारण, अर्जक और अनर्जक अग्रिम वर्गीकरण तथा प्रावधान करने के लिए सिस्टम में दिए गए डेटा की यथार्थता;
अग्रिम बैंक की कुल संपत्ति का 59.94 प्रतिशत है। वे, अन्य बातों के अलावा, आय निर्धारण, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान मानदंडों (आईआरएसी) और आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं जो विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर, अग्रिमों को निष्पादित और गैर-निष्पादित अग्रिमों (एनपीए) में वर्गीकृत करने से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, अग्रिमों का वर्गीकरण और उसका प्रावधान स्थानीय नियमों या आरबीआई दिशानिर्देशों, जो भी अधिक कठोर हो, के अनुसार किया जाता है। बैंक इन अग्रिमों को अपनी लेखांकन नीति संख्या 3 के अनुसार आईआरएसी मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत करता है।	ख. बैंक की नीतियों और कार्यविधियों के अनुसार मॉनीटरिंग व्यवस्था की उपलब्धता और प्रभावकारिता जैसे आंतरिक लेखापरीक्षा, सिस्टम ऑडिट, क्रेडिट ऑडिट और दैनिक संगामी लेखापरीक्षा;
अर्जक और अनर्जक अग्रिमों की पहचान की उचित व्यवस्था विद्यमान होनी चाहिए का सत्यापन भी शामिल है। बैंक अग्रिमों से संबंधित सभी लेनदेनों के खाते बैंक की अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली (आईटी सिस्टम) यानी कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) में होनी चाहिए जिनसे अर्जक या अनर्जक अग्रिमों की पहचान होती हो।	ग. भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों/दिशानिर्देशों/न्यायिक घोषणाओं के अनुपालन के संबंध में नमूना आधार पर तनावग्रस्त अग्रिमों सहित अग्रिमों की जांच;
इसके अतिरिक्त, एनपीए वर्गीकरण और प्रावधान की गणना (विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर) एक अन्य आईटी प्रणाली अर्थात् सेंट्रलाइज्ड क्रेडिट डेटा प्रोसेसिंग (सीसीडीपी) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाती है।	घ. हमने एनपीए का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन पर मुहर लगाने तथा उनके संबंध में प्रावधान करने के लिए सीबीएस और सीसीडीपी में अंतर्निहित व्यावसायिक तर्कों/मापदंडों के संबंध में आईएडी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली लेखा परीक्षा की रिपोर्टों पर भरोसा किया है।
यदि, एकल से या समग्र रूप से, आईआरएसी मानदंडों का ठीक से पालन नहीं किया जाता है, तो इन अग्रिमों (प्रावधानों का निवल) का वहन मूल्य वास्तव में गलत बताया जा सकता है।	ङ. हमने उपरोक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सीसीडीपी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयारी सॉफ्टवेयर में प्रगति की मैपिंग का परीक्षण किया।
लेन-देन की प्रकृति, नियामक आवश्यकताओं, वर्तमान व्यवसाय परिवेश, प्रतिभूतियों के मूल्यांकन और प्रावधानों की गणना में शामिल अनुमान/निर्णय को ध्यान में रखते हुए, यह एकल वित्तीय विवरण इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च महत्व का मामला है। इन पहलुओं पर विचार करते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला माना है।	च. हमने बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण के निगरानी तंत्र के अनुसार आयोजित विभिन्न लेखा परीक्षाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने और विभिन्न लेखा परीक्षाओं के अनुपालन के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावकारिता की जांच की है।
तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा शेष राशि की भौतिकता के कारण आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और अग्रिमों से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित थी।	छ. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं की सारभूत कार्यविधियों के पालन में हमने बड़े अग्रिमों/दबाव वाले अग्रिमों की जांच की है जबकि अन्य अग्रिमों की नमूना आधार पर जांच की गई है। हमने बैंक प्रबंध मंडल द्वारा उपलब्ध कराई गई स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा के आधार पर भी जांच की है।
	ज. हमने एनपीए की पहचान और आय के प्रतिवर्तन और प्रावधान के निर्माण की प्रक्रिया का मूल्यांकन और आकलन किया;
	झ. हमने इसमें अन्य सांविधिक शाखा लेखापरीक्षकों की लेखापरीक्षा रिपोर्टों की भी सहायता ली है जिनके साथ हमने इस विषय में विशेष रूप से पत्राचार/संवाद भी किया।
	ट. बैंक ने प्रक्रियाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की है। हमने इन मानक संचालन प्रक्रियाओं पर भरोसा किया है और इन मानक संचालन प्रक्रियाओं के आधार पर अपना परीक्षण किया है।

क्र.सं. महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले**लेखापरीक्षकों का उत्तर**

- ii. निवेशों का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनर्जक निवेशों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (अनुसूची 8 अनुसूची 17 के नोट 2 के वित्तीय विवरण के साथ पठित।)
- निवेश में बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूति, बॉण्ड, डिबेंचर, शेयर, प्रतिभूति प्राप्ति और अन्य अनुमोदित प्रतिभूति में किया गया निवेश शामिल है।
- निवेशों का बैंक की कुल परिसंपत्तियों में 27.05% हिस्सा है। ये भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों द्वारा निर्देशित होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के इन निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ निवेशों का मूल्यांकन, निवेशों का वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान, तदनुसूची आय की मान्यता न दिए जाने और इसके विरुद्ध प्रावधान शामिल हैं।
- उपर्युक्त प्रतिभूतियों की प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित विधि के अनुसार किया जाना है जिसमें विभिन्न स्रोतों जैसे कि एफआईएमडीए दर्जे, बीएसई/एनएसई पर उद्धृत दर्जे, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों आदि से आंकड़ों/सूचनाओं का संग्रह शामिल है। मूल्यांकन, लेन-देन की मात्रा, हस्तगत निवेशों की मात्रा और विनियामक फोकस की डिग्री में शामिल निर्णय की जटिलताओं और सीमा को ध्यान में रखते हुए, इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है।
- तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा निवेश के मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित है।
- भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/निर्देशों के संदर्भ में निवेश के प्रति हमारे लेखा परीक्षा दृष्टिकोण में मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर निष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आंतरिक नियंत्रणों और वास्तविक लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की समझ शामिल थी। विशेष रूप से:
- क. हमने मूल्यांकन, वर्गीकरण, एनपीआई की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान / मूल्यहास के बारे में प्रासंगिक आरबीआई दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया और इसे समझ लिया।
- ख. इन निवेशों का उचित मूल्य जानने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का आकलन और मूल्यांकन किया गया;
- ग. हस्तगत निवेशों के चुनिंदा नमूने के लिए इनके ठीक होने और भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों का अनुपालन किए जाने तथा भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र में प्रत्येक श्रेणी की प्रतिभूति का मूल्यांकन फिर से करने संबंधी निर्देशों के पालन की स्थिति की भी जांच की गई। नमूनों का चयन यह सुनिश्चित करने के बाद ही किया गया है कि सभी श्रेणियों के निवेशों का (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर) नमूने में समावेश हो जाए;
- घ. एनपीआई और आय के तदनुसूची रिवर्सल एवं प्रावधान राशि की गणना की प्रक्रिया की जांच और मूल्यांकन किया;
- ङ. सारभूत लेखापरीक्षा कार्यविधियों का पालन किया गया है जिससे भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार प्रावधान राशि और मूल्यहास के लिए भी प्रावधान राशि की अलग से फिर से गणना की जा सके। तदनुसार हमने प्रत्येक श्रेणी के निवेशों के चुनिंदा नमूने एकत्रित किए और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार एनपीआई की गणना की जांच की तथा उन चुनिंदा नमूना एनपीआई के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों के अनुसार किए गए प्रावधान की राशि की भी फिर से गणना की;
- च. निवेश ऐप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के बीच निवेशों की मैपिंग की जांच की जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण की अपेक्षाओं का कैसे अनुपालन किया गया है।

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं. महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले	लेखापरीक्षकों का उत्तर
iii. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों सहित कतिपय मुकदमों के संबंध में प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों का आकलन, अन्य पक्षों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है (अनुसूची 12 वित्तीय विवरणों के लिए अनुसूची 18 के नोट 18.13 के साथ पठित) प्रावधान के स्तर का आकलन करने के लिए उच्च स्तर के निर्णय की आवश्यकता होती है। बैंक का मूल्यांकन मामले के तथ्यों, उनके अपने फैसले, पिछले अनुभव, और कानूनी और स्वतंत्र कर सलाहकारों से सलाह द्वारा समर्थित है, जहां भी आवश्यक माना जाता है। तदनुसार, अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम बैंक के रिपोर्ट किए गए लाभ और तुलन पत्र में प्रस्तुत मामलों की स्थिति को काफी प्रभावित कर सकते हैं। हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता होती है। तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों और इसमें शामिल कानून के निर्णयों / व्याख्या के विश्लेषण पर केंद्रित थी।	हमारी लेखापरीक्षा कार्यविधि में शामिल है: क. लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना ताकि हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन किया जा सके जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं; ख. लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक की स्थिति सहित मुकदमों/कर आकलनों की वर्तमान स्थिति को समझना; ग. विभिन्न कर प्राधिकरणों/ न्यायिक मंचों से प्राप्त हाल के आदेशों और / या संचार की जांच करना और उन पर अनुवर्ती कार्रवाई करना; घ. इसमें प्रस्तुत आधारों के संदर्भ में विचाराधीन विषय वस्तु की योग्यता का मूल्यांकन करना और हमारे आंतरिक कर विशेषज्ञों की राय सहित उपलब्ध स्वतंत्र कानूनी / कर सलाह; ड. चर्चाओं के माध्यम से बैंक के विवादों के मूल्यांकन की समीक्षा और विश्लेषण, विचाराधीन विषय वस्तु के ब्यौरे का संग्रह, संभावित परिणाम और उन मुद्दों पर परिणामी संभावित बहिर्वाह; और च. महत्वपूर्ण मुकदमों और कराधान मामलों से संबंधित प्रकटीकरण का सत्यापन।
iv. कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों का मूल्यांकन: बैंक ने बीमांकिक आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों को मान्यता दी है। पेंशन और ग्रेच्युटी दायित्वों को बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बैंक की भविष्य निधि योजना में कमी, यदि कोई हो, बीमांकिक आधार पर भी प्रदान की जाती है। बैंक सालाना स्वतंत्र बाह्य बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित फंड में समय-समय पर योगदान देता है। गैर-वित्तपोषित दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों में क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति, रजत जयंती पुरस्कार, अवकाश यात्रा रियायत, सेवानिवृत्ति पुरस्कार और पुनर्वास भत्ता शामिल हैं। गैर-वित्त पोषित दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है। कर्मचारी लाभ दायित्वों का बीमांकिक मूल्यांकन बाजार की स्थितियों और बनाई गई धारणाओं पर निर्भर करता है। मुख्य लेखा परीक्षा मामला विशेष रूप से निम्नलिखित प्रमुख धारणाओं से संबंधित है: छूट दर, मुद्रास्फीति की उम्मीदें और जीवन प्रत्याशा धारणाएं। इन मान्यताओं की स्थापना जटिल है और तीसरे पक्ष के बीमांकिक के समर्थन से महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।	हमने कार्यप्रणाली और महत्वपूर्ण मान्यताओं पर शासन और नियंत्रण का परीक्षण किया, जिसमें प्रबंधन के विशेषज्ञों के उपयोग के संबंध में भी शामिल है। हमने बाहरी बीमांकिक विशेषज्ञ की रिपोर्टों की जांच की और वित्तीय और जनसांख्यिकीय दोनों में उपयोग की जाने वाली प्रमुख बीमांकिक मान्यताओं की समीक्षा की, और कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों के बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रदान किए गए इनपुट डेटा की समीक्षा सहित इन मान्यताओं को प्राप्त करने के लिए लागू पद्धति पर विचार किया। इसके अलावा, हमने परिभाषित लाभ दायित्वों के मूल्यांकन में प्रमुख मान्यताओं पर संवेदनशीलता विश्लेषण की जांच की है। हमने परिभाषित लाभ दायित्व के मूल्यांकन में शामिल प्रबंधन विशेषज्ञ की निष्पक्षता और क्षमता का भी मूल्यांकन किया। हमने देनदारी का अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल की गई पद्धति की उपयुक्तता का आकलन किया और गणना की सटीकता का परीक्षण किया।

एकल वित्तीय विवरण और उन पर लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन के अतिरिक्त अन्य सूचना

4. बैंक का निदेशक मंडल अन्य सूचना तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य सूचना में कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट शामिल है जिसे हमने इस रिपोर्ट के जारी करते समय प्राप्त किया था। अन्य सूचना में वार्षिक प्रतिवेदन में अनुलग्नकों सहित निदेशकों का प्रतिवेदन भी शामिल है, लेकिन इसमें एकल वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन शामिल नहीं है, जिसे इस लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की आशा है।

एकल वित्तीय विवरणों पर हमारी राय बेसल III प्रकटीकरण के तहत अन्य जानकारी और स्तंभ 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करती है और हम उस पर आश्वासन निष्कर्ष के किसी भी रूप को व्यक्त नहीं करते हैं और व्यक्त नहीं करेंगे।

केवल बैंक के वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखापरीक्षा के संबंध में हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऊपर चिह्नित अन्य सूचना को पढ़ें और ऐसा करते समय यह विचार करें कि क्या अन्य सूचना केवल बैंक के वित्तीय विवरणों से वस्तुपरक रूप से असंगत है अथवा लेखापरीक्षा के दौरान या अन्यथा प्राप्त की गई हमारी जानकारी वस्तुपरक रूप से त्रुटिपूर्ण प्रतीत होती है।

यदि, हमें इस लेखापरीक्षा की तिथि से पहले प्राप्त अन्य सूचना पर किए गए हमारे कार्य के आधार पर निष्कर्ष देना हो तो इस अन्य सूचना को वस्तुगत दृष्टि से त्रुटिपूर्ण कहा जा सकता है। हमसे अपेक्षित है कि हम इस तथ्य की सूचना दें। हमारे पास इस मामले में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

बैंक के एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और अभिशासन से जुड़े सदस्यों के दायित्व

5. बैंक का निदेशक मंडल इन एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में जिम्मेदार है जो भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बैंक की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह का एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानक, लागू सीमा तक, और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्र और दिशानिर्देश के उपबंध भी शामिल हैं। इस उत्तरदायित्व में बैंक की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए उपर्युक्त अधिनियमों के उपबंधों के अनुसार और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव भी शामिल है; चयन और उपयुक्त लेखांकन नीतियों का अनुप्रयोग; निर्णय और अनुमान

आकलन जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और डिजाइन, कार्यान्वयन और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और त्रुटियों से मुक्त होते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी से हो या त्रुटियों के कारण।

बैंक के एकल वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय प्रबंधन का दायित्व है कि वह बैंक को एक कार्यशील संस्था के रूप में बने रहने की क्षमता का मूल्यांकन करे और जहाँ लागू हो, कार्यशील संस्था से संबंधित विषय प्रकट करते हुए, कार्यशील संस्था के स्वरूप के आधार पर लेखा तैयार करे, जब तक बैंक का परिसमापन या परिचालन समाप्त करने की मंडल प्रबंधन की मंशा नहीं हो, या ऐसा करने के सिवाय दूसरा कोई विकल्प उसके पास न हो।

बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली पर नजर रखना निदेशक बोर्ड की जिम्मेदारी भी है।

एकल वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियाँ

6. हमारा उद्देश्य इसका उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि बैंक के एकल वित्तीय विवरण, संपूर्ण रूप से, धोखाधड़ी या त्रुटिवश किसी भी प्रकार की गलत बयानी से मुक्त हों, और अपने अभिमत के साथ लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करना। उचित आश्वासन आश्वासन का एक उच्च स्तर है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित एक लेखापरीक्षा हमेशा एक भौतिक गलत बयानी का पता लगाएगा जब यह मौजूद है। गलत बयानी, धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और उन्हें ठोस माना जाएगा यदि अलग या समग्र रूप से बैंक के एकल वित्तीय विवरणों के आधार पर इनके उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों पर प्रभाव डालती है।

एसए के अनुरूप की गई लेखापरीक्षा के अनुसार हम लेखापरीक्षा के सभी स्तरों पर व्यावसायिक विवेक और व्यावसायिक संशय बनाए रखते हैं। निम्नलिखित भी इसके दायरे में हैं:

- बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में निहित गलत बयानी के जोखिमों की पहचान और समीक्षा करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के अनुरूप लेखापरीक्षा कार्यविधि डिजाइन करना और उसपर कार्यवाई करना और लेखापरीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो कि हमारे अभिमत का पर्याप्त तथा संगत आधार बने। धोखाधड़ी के कारण की गई गलत बयानी के पहचान न करने का जोखिम, त्रुटिवश की गई गलत बयानी से भारी हो सकता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन भूल-चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

की अधिकता भी हो सकती है।

- परिस्थितियों के अनुरूप लेखा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना।
- उपयोग में लाई गई लेखा नीतियों की युक्तिसंगतता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा प्राक्कलनों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- प्रबंधन द्वारा कार्यशील बैंक आधार पर लेखा रखने की उपयुक्तता पर निष्कर्ष के रूप में तथा प्राप्त लेखापरीक्षा प्रमाण के आधार पर, कि क्या ऐसी घटना या परिस्थिति के आधार पर कोई तात्त्विक अनिश्चितता विद्यमान है, जिससे कार्यशील बैंक के रूप में जारी रहने की बैंक की क्षमता पर संशय होता हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालें कि तात्त्विक अनिश्चितता पाई गई है तो हमें केवल बैंक के वित्तीय विवरणों में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में संबंधित प्रकटीकरणों की ओर ध्यान देना अपेक्षित होगा या प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं हैं तो हमारे अभिमत को संशोधित करना अपेक्षित होगा। हमारे निष्कर्ष लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक के लेखापरीक्षा प्रमाण पर निर्भर हैं। हालांकि भविष्य की घटनाओं या परिस्थितियों के कारण बैंक कार्यशील संस्था के रूप में नहीं भी बना रह सकता है।
- प्रकटीकरण सहित, बैंक के एकल वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति तथा विषयवस्तु एवं बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में अंतर्निहित लेनदेनों तथा घटनाओं का सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत किया गया है, इसका मूल्यांकन करना।

बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की मात्रा, अलग-अलग रूप से या समग्र रूप से जिससे कि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर आर्थिक निर्णय लेनेवाले जानकार उपयोगकर्ता संभवतः प्रभावित हो सकते हैं। (i) हमारी लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाते समय और हमारे कार्य के परिणाम का मूल्यांकन करते समय तथा (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई गलत बयानी का मूल्यांकन करते समय हम मात्रात्मक विषयवस्तु और गुणात्मक घटकों पर विचार करते हैं।

हम, अभिशासन से जुड़े सदस्यों को अन्य बातों के साथ-साथ लेखापरीक्षा के योजनाबद्ध क्षेत्र और उसकी अवधि, लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण परिणाम और लेखापरीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में पाई गई महत्वपूर्ण कमियों के बारे में अवगत कराते हैं।

हम, अभिशासन से जुड़े सदस्यों को एक विवरणी भी प्रस्तुत करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता के बारे में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है और उन्हें अपने संबंधों तथा अन्य मामलों की

जानकारी दी गई है जो हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले हैं और जहां लागू हो, वहां उससे संबंधित सावधानियों की भी जानकारी दी गई है।

अभिशासन के साथ जुड़े सदस्यों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के एकल वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले हैं। हम लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में इन महत्वपूर्ण मामलों का वर्णन करते हैं बशर्ते कि लागू कानून या विनियमों में इनके सार्वजनिक प्रकटीकरण पर रोक नहीं लगाई गई हो या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम निर्णय लेते हैं कि हमारी रिपोर्ट में इस मामले की सूचना न दी जाए क्योंकि उसके विपरीत नतीजे जनहित के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

अन्य मामले

7. हमने एकल वित्तीय विवरण में शामिल 6034 शाखाओं (35 विदेश स्थित शाखाओं सहित) के वित्तीय विवरणों/ सूचनाओं की लेखापरीक्षा नहीं की है जिसमें 31 मार्च 2024 को समाप्त बैंक के कुल आस्तियों का ₹23,18,952 करोड़ और कुल राजस्व का ₹1,77,712 करोड़ शामिल है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/ सूचनाओं की लेखापरीक्षा, शाखा के लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है जिसे हमें उपलब्ध कराया गया है और हमारे अभिमत में इन शाखाओं के संबंध में दी गई जानकारी एवं प्रकटीकरण पूर्णतः उन शाखा लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित हैं। उपर्युक्त मामले के संबंध में हमारी राय में संशोधन नहीं किया गया है।

अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

8. तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खाता बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तैयार किए गए हैं और ये भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बने विनियमों के उपबंधों के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं।

उपर्युक्त पैरा 6 से 8 में दर्शाई गई लेखा परीक्षा की सीमाओं के अध्यक्षीन और जैसा कि भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा अपेक्षित है, और इसमें अपेक्षित प्रकटीकरण की सीमाओं के अध्यक्षीन और जैसा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 30 की उप-धारा (3) द्वारा अपेक्षित है, हम रिपोर्ट करते हैं कि

- क) हमने जहाँ भी कोई जानकारी और स्पष्टीकरण माँगा है, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन से हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक था, हमें वह जानकारी और स्पष्टीकरण दिया गया है और हमने उसे संतोषजनक पाया है;

- ख) हमारी जानकारी में आए बैंक के लेन-देन बैंक के अधिकार-क्षेत्र में ही हैं; और
- ग) बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से उचित पाई गई हैं।
- घ) लाभ और हानि खाता 31.3.2024 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ की वास्तविक शेष राशि को दर्शाता है।
9. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:
- क. हमारे अभिमत में, विधि द्वारा अपेक्षित खाते बैंक द्वारा रखी गई हैं, क्योंकि ऐसा उन खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है और जिन शाखाओं में हम नहीं जा सके उन शाखाओं की हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से पर्याप्त विवरणियाँ हमें प्राप्त हुई हैं।
- ख. इस रिपोर्ट में शामिल तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता और इस रिपोर्ट में सम्मिलित नकदी प्रवाह विवरण लेखा बहियों और हमारे द्वारा नहीं देखी गई शाखाओं से प्राप्त विवरणियों के अनुरूप हैं।
- ग. हमारे अभिमत में बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 29 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के प्रावधानों के अनुसार बैंक के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित कार्यालयों के खातों की रिपोर्टें हमें भेजी गई हैं और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा ठीक से शामिल किया गया है; तथा
- घ. हमारे अभिमत के अनुसार, तुलनपत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण लागू लेखा मानकों के अनुरूप हैं कि ये भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों से असंगत नहीं हैं।
10. जैसा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में वैधानिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) की नियुक्ति- एससीए के लिए रिपोर्टिंग दायित्व पर दिनांक 27 अप्रैल, 2021 के पत्र संख्या डीओएस. एआरजी/एसईसी.01/08.91.001/2021-22 सं. 6270/08.91.001/2019-20 द्वारा अपेक्षित है, हम उपरोक्त पत्र के पैराग्राफ 2 में निर्दिष्ट मामलों पर आगे रिपोर्ट करते हैं
- क. हमारी राय में, उपरोक्त एकल वित्तीय विवरण आईसीएआई द्वारा जारी लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, और आरबीआई द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों से असंगत नहीं हैं।
- ख. वित्तीय लेन-देन या ऐसे मामलों पर कोई टिप्पणी या टिप्पणियाँ नहीं हैं जिनका बैंक के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- ग. चूंकि बैंक कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत नहीं है, इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 की उप-धारा (2) के तहत बैंक के निदेशक होने से अयोग्यता बैंक पर लागू नहीं होती है।
- घ. खातों के रखरखाव और उससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित कोई योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।
- ड. वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हमारी रिपोर्ट अनुबंध-क में दी गई है इस रिपोर्ट में 31 मार्च, 2024 के रूप में एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक असंशोधित राय व्यक्त की गई है।

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते के सी मेहता एंड कंपनी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 106237W/W100829

सीए चिराग बक्शी

भागीदार: स.क्र. 047164
यूडीआईएन: 24047164BKAKPO1118

कृते सूरि एंड कंपनी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 004283S

सीए संजीव आदित्य एम

भागीदार: स.क्र. 229694
यूडीआईएन: 24229694BKARMO1542

कृते गोखले एंड साठे

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: स.क्र. 129389
यूडीआईएन: 24129389BKASPR8299

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 002304N

सीए विनोद जैन

भागीदार: स.क्र. 081263
यूडीआईएन: 24081263BKGYUV2042

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

कृते एम सी भंडारी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 303002E

सीए अमित बिस्वास

भागीदार: स.क्र. 052296
यूडीआईएन: 24129033BKAANY7294

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 110758W/ W100377

सीए आनंद शर्मा

भागीदार: स.क्र. 129033
यूडीआईएन: 24129033BK--NY7294

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 001411N

सीए अतुल अग्रवाल

भागीदार: स.क्र. 099374
यूडीआईएन: 24099374BKALZG1965

कृते आर जी एन प्राइस एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 002785S

सीए पी.एम. वीरमणी

भागीदार: स.क्र. 023933
यूडीआईएन: 24023933BKCMZQ8159

कृते वी सिंधी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 311017E

सीए सुदीप सिंधी

भागीदार स.क्र. 063785
यूडीआईएन: 24063785BKFFTF8193

कृते रवि राजन एंड कं. एलएलपी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 009073N / N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: स.क्र. 512555
यूडीआईएन: 24512555BKFTPY8277

कृते जे एल एन यू एस एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा

भागीदार स. क्र. 401428
यूडीआईएन: 24401428BKEFLA5095

कृते रमा के गुप्ता एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार स. क्र. 073853
यूडीआईएन: 24073853BKHCVC7674

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक 'क'

(इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' अनुभाग के अंतर्गत पैराग्राफ 11(ई) में संदर्भित)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पत्र डीओएस. एआरजी. संख्या 6270/08.91.001/2019-20 दिनांक 17 मार्च, 2020 (यथा संशोधित) (आरबीआई पत्राचार) द्वारा आवश्यक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट।

हमने 31 मार्च, 2024 तक भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है, जो उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के साथ संयोजन के रूप में है जिसमें बैंक की शाखाओं की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शामिल हैं।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

बैंक का प्रबंधन बैंक द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में उल्लिखित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करता है। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जिसमें बैंक की नीतियों का पालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी शामिल है, जैसा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों और दिशानिर्देशों के तहत अपेक्षित है।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट (मार्गदर्शन नोट) और आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा पर मानक (एसए) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की, जो आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर लागू

होती है। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट की आवश्यकता है कि हम नैतिक आवश्यकताओं और योजना का पालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित हैं और बनाए रखे गए थे और क्या इस तरह के नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग और उनकी परिचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं लेखापरीक्षा के फैसले पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री गलत बयानी के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं और शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य, नीचे दिए गए अन्य मामलों के पैराग्राफ में उल्लिखित अपनी रिपोर्टों के संदर्भ में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर हमारी लेखा परीक्षा अभिमत के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर बैंक के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो उचित विस्तार से, बैंक की परिसंपत्तियों के लेनदेन और स्वभाव को सही और पर्याप्त प्रतिबिंबित करती हैं; (2) उचित आश्वासन प्रदान करें कि लेन-देन को आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति देने के लिए आवश्यक के रूप में दर्ज किया जाता है, और यह कि बैंक की प्राप्तियां और व्यय केवल बैंक के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं; और (3) बैंक की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या स्वभाव की रोकथाम या समय पर पता लगाने के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करना जो वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव डाल सकता है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक 'क'

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें नियंत्रणों की मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना शामिल है। त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण गलत बयानी हो सकती है और इसका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, शर्तों में परिवर्तन या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं।

अभिमत

हमारी राय में और हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार और नीचे दिए गए अन्य मामलों के पैराग्राफ में संदर्भित शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार के आधार पर, बैंक ने सभी भौतिक मामलों में, वित्तीय

रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक और वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2024 तक तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे जो आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए बैंक द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण पर आंतरिक नियंत्रण के लिए आंतरिक नियंत्रण के लिए मानदंड पर आधारित हैं।

अन्य मामले

हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट जहां तक यह 955 शाखाओं की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की प्रचालनात्मक प्रभावशीलता से संबंधित है, उन शाखाओं के संबंधित शाखा लेखा परीक्षकों की संबंधित रिपोर्टों पर आधारित है।

इस मामले के संबंध में हमारी राय में संशोधन नहीं किया गया है।

इस तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते के सी मेहता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 106237W/W100829

सीए चिराग बक्शी

भागीदार: स.क्र. 047164
यूडीआईएन: 24047164BK-KPO1118

कृते सूरि एंड कंपनी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 004283S

सीए संजीव आदित्य एम

भागीदार: स.क्र. 229694
यूडीआईएन: 24229694BK-RMO1542

कृते गोखले एंड साठे

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 103264W

सीए राहुल जोगलेकर

भागीदार: स.क्र. 129389
यूडीआईएन: 24129389BK-SPR8299

कृते विनोद कुमार एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 103264N

सीए विनोद जैन

भागीदार: स.क्र. 081263
यूडीआईएन: 24081263BKG YUV2042

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

कृते एम सी भंडारी एंड कंपनी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 303002E

सीए अमित बिस्वास

भागीदार: स.क्र. 052296
यूडीआईएन: 24052296BKFZHR5371

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 110758W/ W100377

सीए आनंद शर्मा

भागीदार: स.क्र. 129033
यूडीआईएन: 24129033BKAANY7294

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 001411N

सीए अतुल अग्रवाल

भागीदार: स.क्र. 099374
यूडीआईएन: 24099374BK-LZG1965

कृते आर जी एन प्राइस एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 002785S

सीए पी.एम. वीरमणी

भागीदार: स.क्र. 023933
यूडीआईएन: 24023933BKXMQ8159

कृते वी सिंधी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 311017E

सीए सुदीप सिंधी

भागीदार स.क्र. 063785
यूडीआईएन: 24063785BKFFTF8193

कृते रवि राजन एंड कं. एलएलपी

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 009073N / N500320

सीए सुमित कुमार

भागीदार: स.क्र. 512555
यूडीआईएन: 24512555BKFTPY8277

कृते जे एल एन यू एस एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 101543W

सीए शलभ कुमार डागा

भागीदार स. क्र. 401428
यूडीआईएन: 24401428BKEFL-5095

कृते रमा के गुप्ता एंड कं.

सनदी लेखाकार
फर्म पं. क्र. 005005C

सीए रमाकांत गुप्ता

भागीदार स. क्र. 073853
यूडीआईएन: 24073853BKHCVC7674

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र

(000 को छोड़ दिया गया है)

	अनुसूची संख्या	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
पूंजी एवं देयताएँ			
पूंजी	1	892,46,12	892,46,12
आरक्षित निधियाँ व अधिशेष	2	414046,71,03	358038,85,69
अल्प मर्दों पर ब्याज	2अ	15617,96,24	12836,61,94
जमा राशियाँ	3	4966537,48,72	4468535,50,68
उधार राशियाँ	4	639609,50,29	521151,94,98
अन्य देयताएँ व प्रावधान	5	697074,67,57	592962,92,29
योग		6733778,79,97	5954418,31,70
आस्तियाँ			
नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद और जमाराशियाँ	6	225356,33,61	247321,04,97
बैंकों में जमा-राशियाँ और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	7	101215,96,74	70990,86,00
निवेश	8	2110548,22,59	1913107,85,64
अग्रिम	9	3784272,67,05	3267902,12,73
अचल आस्तियाँ	10	44708,17,73	44407,38,10
अन्य आस्तियाँ	11	467677,42,25	410689,04,26
योग		6733778,79,97	5954418,31,70
आकस्मिक देयताएँ	12	2397594,80,24	1835524,38,19
वसूली के लिए बिल		67823,22,53	64571,94,48
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
लेखा टिप्पणियाँ	18		

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियाँ तुलन पत्र का अभिन्न भाग हैं

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार
एवं प्रौद्योगिकी)इसी तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते के सी मेहता एंड कं एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.सं. 106237W/W100829श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्षश्री चिराग बक्शी
भागीदार
सदस्यता सं. 047164स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई 2024

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्रका अभिन्न भाग हैं

अनुसूची 1 - पूंजी

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
प्राधिकृत पूंजी:		
5000,00,00,000 शेयर 1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 5000,00,00,000 शेयर 1 प्रति शेयर)	5000,00,00	5000,00,00
निर्गमित पूंजी:		
892,54,05,164 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,54,05,164 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर)	892,54,05	892,54,05
अभिदत्त तथा संदत्त पूंजी:		
892,46,11,934 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर (पिछला वर्ष 892,46,11,934 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर)	892,46,12	892,46,12
उपर्युक्त में 9,58,88,670 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर शामिल है (पिछले वर्ष 8,91,60,950 इक्विटी शेयर 1 प्रति शेयर)		
इन्हें 95,88,867 (पिछला वर्ष 89,16,095) वैश्विक रसीद के रूप में व्यक्त किया गया है		
योग	892,46,12	892,46,12

अनुसूची 2 - आरक्षित निधियाँ व अधिशेष

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. सांविधिक आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	102309,50,32	86939,14,12
वर्ष के दौरान परिवर्धन	18716,88,31	15370,39,97
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	- 121026,38,63	3,77 102309,50,32
II. पूंजी आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	16002,62,67	15769,81,83
वर्ष के दौरान परिवर्धन	326,21,04	232,80,84
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	- 16328,83,71	- 16002,62,67
III. शेयर प्रीमियम		
अथशेष	79115,47,68	79115,47,05
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	63
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	- 79115,47,68	- 79115,47,68
IV. निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	12271,38,17	7695,94,74
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	4575,43,43
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	749,08,05 11522,30,12	- 12271,38,17
V. विदेशी मुद्रा रूपांतर आरक्षित		
अथशेष	14331,74,49	11256,69,03
वर्ष के दौरान परिवर्धन	861,03,95	3075,05,46
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	85,08,14 15107,70,30	- 14331,74,49

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्रका अभिन्न भाग हैं

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
VI. राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	63982,58,04	59873,25,90
वर्ष के दौरान परिवर्धन	7346,49,41	4352,07,11
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	356,86,54	70972,20,91
		242,74,97
		63982,58,04
VII. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियाँ		
अथशेष	27756,25,90	23377,86,71
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	4578,34,93
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	200,61,20	27555,64,70
		199,95,74
		27756,25,90
VIII. समेकन पर पूंजी आरक्षित		
अथशेष	345,98,14	273,03,96
वर्ष के दौरान परिवर्धन	146,95,21	72,94,18
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	93,96,30	398,97,05
		-
		345,98,14
IX. लाभ-हानि खाते का अधिशेष	72019,17,93	41923,30,28
योग	414046,71,03	358038,85,69

शुद्ध समेकन समायोजन

नोट: राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियाँ में शामिल हैं

- (i) एकीकरण एवं विकास निधि (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 36 के अंतर्गत रखी गई) के ₹5,00,00 हजार (पिछले वर्ष ₹5,00,00 हजार)
- (ii) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत विशेष आरक्षित निधियाँ ₹19527,05,76 हजार (पिछले वर्ष ₹17749,30,76 हजार)
- (iii) निवेश आरक्षित निधियाँ चालू वर्ष शून्य (पिछला वर्ष शून्य)
- (iv) डिबेंचर रिडेम्पशन रिजर्व ₹4,83,74 हजार (पिछले वर्ष शून्य)

अनुसूची 2ए- अल्प मर्दों पर ब्याज

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
वर्ष के प्रारंभ में अल्प मर्दों पर ब्याज	12836,61,94	11207,42,28
बाद में वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी	2781,34,30	1629,19,66
तुलन पत्र की तिथि पर अल्प मर्दों पर ब्याज	15617,96,24	12836,61,94

अनुसूची 3- जमा राशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
ए) I) मांग जमा-राशियाँ		
(i) बैंकों से	5745,87,30	3160,40,31
(ii) अन्यो से	303531,70,50	302572,94,64
II) बचत बैंक जमा-राशियाँ	1673652,24,52	1600786,08,97
III) सावधि जमा-राशियाँ		
(i) बैंकों से	5107,34,24	7611,65,56
(ii) अन्यो से	2978500,32,16	2554404,41,20
योग	4966537,48,72	4468535,50,68
बी) i) भारत में शाखाओं की जमा-राशियाँ	4718596,72,73	4248617,47,94
ii) भारत के बाहर स्थित शाखाओं की जमा-राशियाँ	247940,75,99	219918,02,74
योग	4966537,48,72	4468535,50,68

अनुसूची 4 - उधार राशियाँ

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I) भारत में उधार-राशियाँ		
(i) भारतीय रिजर्व बैंक	98806,56,00	26467,44,00
(ii) अन्य बैंक	18549,19,38	12929,14,36
(iii) अन्य संस्थाएं एवं अभिकरण	74966,15,25	98387,56,25
(iv) बॉन्ड एवं डिबेंचर (पूँजी लिखतों के अतिरिक्त)	42703,00,00	23073,00,00
(v) पूँजी लिखत:		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	50626,40,00	49842,70,00
ख. गौण ऋण	45684,00,00	96310,40,00
योग	331335,30,63	251379,74,61
II) भारत के बाहर उधार-राशियाँ		
(i) भारत के बाहर उधार-राशियाँ तथा पुनर्वित्त	307895,83,81	269482,49,31
(ii) पूँजीगत लिखतें:		
क. नवोन्मेषी सतत ऋण लिखतें (आईपीडीआई)	-	-
ख. गौण ऋण	378,35,85	289,71,06
योग	308274,19,66	269772,20,37
कुल योग	639609,50,29	521151,94,98
उपर्युक्त I व II में प्रतिभूत उधार-राशियाँ सम्मिलित हैं।	209699,57,92	147932,42,29

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्रका अभिन्न भाग हैं

अनुसूची 5- अन्य देयताएँ व प्रावधान

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. संदेय बिल	15700,29,22	27408,12,08
II. अंतर-बैंक समायोजन (निवल)	491,12,80	235,50,41
III. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	1126,59,56	4346,60,96
IV. उपचित ब्याज	32861,61,48	27495,02,55
V. आस्थगित कर देयताएँ (निवल)	23,20,84	3,80,18
VI. बीमा व्यवसाय में पॉलिसीधारकों से संबंधित देयता	392280,43,19	308442,71,80
VII. मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	24851,72,15	26332,69,39
VIII. अन्य (प्रावधानों सहित)	229739,68,33	198698,44,92
योग	697074,67,57	592962,92,29

अनुसूची 6 - नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियाँ

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोट तथा स्वर्ण सहित)	18589,64,78	21628,41,77
II. भारतीय रिज़र्व बैंक में जमाराशियाँ		
i) चालू खाते में	206747,68,83	225692,63,20
ii) अन्य खातों में	19,00,00	-
योग	225356,33,61	247321,04,97

अनुसूची 7 - बैंकों में जमाराशियाँ व मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में		
i) बैंकों में जमाराशियाँ		
क. चालू खातों में	2510,86,89	1262,19,41
ख. अन्य जमा खातों में	5211,21,81	4395,41,30
(ii) मांग तथा अल्पकालीन सूचना पर प्राप्य राशि		
क. बैंकों में	2550,00,00	7770,44,34
ख. अन्य संस्थानों में	26988,48,58	-
योग	37260,57,28	13428,05,05
II. भारत के बाहर		
(i) चालू खातों में	45740,69,59	44397,86,48
(ii) अन्य जमा खातों में	2279,82,71	1816,80,21
(iii) मांग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	15934,87,16	11348,14,26
योग	63955,39,46	57562,80,95
कुल योग (I एवं II)	101215,96,74	70990,86,00

अनुसूची 8 - निवेश

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. भारत में निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	1515043,86,92	1357221,39,54
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	37831,75,34	34762,19,16
(iii) शेयर	149287,03,20	105133,88,56
(iv) डिबेंचर व बॉन्ड	258588,02,77	285134,41,60
(v) अनुषंगी एवं सहयोगी #	17498,56,00	16013,18,97
(vi) अन्य (म्यूचुअल फंड की यूनिट इत्यादि)	60206,81,47	49582,88,89
योग	2038456,05,70	1847847,96,72
II. भारत के बाहर निवेश:		
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (इसमें स्थानीय प्राधिकरण सम्मिलित हैं)	39158,82,63	34915,98,39
(ii) सहयोगी #	177,01,73	176,02,39
(iii) अन्य निवेश (शेयर, डिबेंचर इत्यादि)	32756,32,53	30167,88,14
योग	72092,16,89	65259,88,92
कुल योग (I एवं II)	2110548,22,59	1913107,85,64
III. भारत में निवेश:		
(i) निवेशों का सकल मूल्य	2048553,64,07	1863706,45,82
(ii) घटाएं: कुल प्रावधान/मूल्यहास	10097,58,37	15858,49,10
निवल निवेश (उपर्युक्त ख के अनुसार)	2038456,05,70	1847847,96,72
IV. भारत के बाहर निवेश:		
(i) निवेशों का सकल मूल्य	73239,42,67	67114,39,22
(ii) घटाएं: कुल प्रावधान/मूल्यहास	1147,25,78	1854,50,30
निवल निवेश (उपर्युक्त ख के अनुसार)	72092,16,89	65259,88,92
कुल योग (III एवं IV)	2110548,22,59	1913107,85,64
सहयोगियों में निवेश (भारत में और भारत के बाहर)		
सहयोगियों में इक्विटी निवेश	10185,83,24	9969,61,06
जोड़ें: सहयोगियों के अधिग्रहण पर गुडविल	172,55,25	286,07,51
घटाएं: एसोसिएट के अधिग्रहण पर पूंजी रिजर्व	937,59,94	917,06,12
घटाएं: कमी के लिए प्रावधान	-	-
सहयोगियों के निवेश में लागत	9420,78,55	9338,62,45
जोड़ें: अधिग्रहण के बाद लाभ/ (हानि) और सहयोगियों के रिजर्व (इक्विटी विधि)	8250,79,18	6846,58,91
योग	17671,57,73	16185,21,36

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्रका अभिन्न भाग हैं

अनुसूची 9 - अग्रिम

(000 को छोड़ दिया गया है)		
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
क. i) क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	220192,41,93	183065,47,36
ii) कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट तथा मांग पर प्रतिसंदेय ऋण	1040784,73,28	868417,22,37
iii) सावधि ऋण	2523295,51,84	2216419,43,00
योग	3784272,67,05	3267902,12,73
ख. i) मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (इसमें बही ऋणों पर अग्रिम शामिल है)	2418590,80,98	2161700,28,29
ii) बैंक/सरकारी गारंटी द्वारा संरक्षित	193378,45,27	133206,97,67
iii) अप्रतिभूत	1172303,40,80	972994,86,77
योग	3784272,67,05	3267902,12,73
ग. I) भारत में अग्रिम		
i) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	804184,20,86	697644,43,51
ii) सार्वजनिक क्षेत्र	252633,74,04	258922,87,67
iii) बैंक	592,13,56	512,50,14
iv) अन्य	2143154,28,50	1777189,17,67
योग	3200564,36,96	2734268,98,99
II) भारत के बाहर अग्रिम		
i) बैंकों से प्राप्य	181073,38,29	152095,52,24
ii) अन्यो से प्राप्य		
क. क्रय किए गए और बढ़ाकृत बिल	42424,38,12	42531,12,88
ख. सिंडीकेट ऋण	230369,08,55	223887,33,49
ग. अन्य	129841,45,13	115119,15,13
योग	583708,30,09	533633,13,74
कुल योग ग (I) एवं ग (II)	3784272,67,05	3267902,12,73

अनुसूची 10 - अचल आस्तियां

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹		31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹	
I. परिसर (पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित)				
पिछले वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत/पुनर्मूल्यांकित परिसरों सहित पर	35945,97,65		31336,60,87	
परिवर्धन:				
- वर्ष के दौरान	82,62,19		37,83,52	
- पुनर्मूल्यांकन हेतु	-		6407,26,03	
कटौतियाँ:				
- वर्ष के दौरान	4,10,74		6,81,67	
- पुनर्मूल्यांकन हेतु	58,18		1828,91,10	
अद्यतन मूल्यहास:				
- लागत पर	1456,84,39		1317,07,16	
- पुनर्मूल्यांकन पर	1428,89,56		33138,16,97	1228,86,53
			33400,03,96	
Iए. निर्माणाधीन परिसर	528,43,41		317,54,60	
II. अन्य अचल आस्तियां (इसमें फर्नीचर तथा फिक्सचर सम्मिलित हैं)				
पिछले वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत/पुनर्मूल्यांकन पर	44177,26,23		41202,17,83	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	3832,00,94		3771,90,49	
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	1033,93,67		796,82,09	
अद्यतन मूल्यहास	36342,87,53		10632,45,97	33883,53,97
			10293,72,26	
IIए. पट्टे पर संपत्ति				
पिछले वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत/पुनर्मूल्यांकन पर	505,90,27		397,94,02	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	136,00,71		178,41,34	
वर्ष के दौरान कटौतियाँ	20,13,06		70,45,09	
अद्यतन मूल्यहास (प्रावधानों सहित)	255,11,77		175,85,03	
	366,66,15		330,05,24	
घटाएँ: पट्टा समायोजन खाता	-		-	330,05,24
योग (I, Iए, II और IIए)	44665,72,50		44341,36,06	
III. निर्माणाधीन आस्तियां (परिसर सहित) निवल प्रावधान	42,45,23		66,02,04	
योग (I, Iए, II, IIए और III)	44708,17,73		44407,38,10	

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्रका अभिन्न भाग हैं

अनुसूची 11 - अन्य आस्तियां

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अंतर-कार्यालय समायोजन (निवल)	-	-
II. अंतर-बैंक समायोजन (निवल)	-	-
III. प्रोद्भूत ब्याज	50841,18,94	43381,20,67
IV. अग्रिम कर भुगतान/ स्रोत पर कर कटौती	23989,77,60	16889,73,62
V. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	12140,69,81	11136,38,22
VI. लेखन सामग्री तथा स्टैम्प	64,03,68	65,02,79
VII. दावों के निपटान से प्राप्त की गई गैर-बैंकिंग आस्तियां	5,34,51	99,23
VIII. नाबार्ड/ सिडबी/ एनएचबी के पास राखी गयी जमा राशि	270995,47,35	218591,19,47
IX. समेकन पर गुडविल	1405,96,08	1538,36,27
X. अन्य	108234,94,28	119086,13,99
योग	467677,42,25	410689,04,26

अनुसूची 12 - आकस्मिक देयताएँ

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. बैंक के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	118414,15,26	90987,81,73
II. अंशतः प्रदत्त निवेशों/ जोखिम निधि के लिए देयता	2850,31,79	2400,05,44
III. बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के बाबत देयता	1350960,66,04	1041453,84,63
IV. ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियाँ		
(अ) भारत में	190051,98,73	165126,25,47
(ब) भारत के बाहर	94832,38,44	105405,64,27
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन तथा अन्य दायित्व	158624,60,01	152189,82,54
VI. अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	481860,69,97	277960,94,11
योग #	2397594,80,24	1835524,38,19

\$ 457759,84,28 हजार (पिछले वर्ष ₹261767,19,24 हजार) के डेरिवेटिव सहित

₹1,49,15 हजार (पिछले वर्ष ₹1,49,15 हजार) संयुक्त उद्यमों की आकस्मिक देयता में हिस्सेदारी से संबंधित है

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता

		(000 को छोड़ दिया गया है)	
	अनुसूची संख्या	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष)	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष)
I. आय			
अर्जित ब्याज	13	439188,51,23	350844,58,01
अन्य आय	14	155386,39,22	122533,56,11
योग		594574,90,45	473378,14,12
II. व्यय			
व्यय किया गया ब्याज	15	259736,04,81	189980,81,67
परिचालन व्यय	16	235893,83,88	189814,48,59
प्रावधान और आकस्मिक व्यय		30806,75,67	37024,40,87
योग		526436,64,36	416819,71,13
III. लाभ			
निवल लाभ वर्ष के लिए (सहयोगियों एवं आधे से कम हिस्सेदारी वाली संस्थाओं के लाभ में अंश के समायोजन से पूर्व)		68138,26,09	56558,42,99
जोड़ें: सहयोगियों के लाभ / (हानि) में शेयर		1405,15,43	1191,45,21
घटाएँ: अल्प मदों पर ब्याज		2458,74,91	2101,70,92
समूह का निवल लाभ		67084,66,61	55648,17,28
आगे लाया गया लाभ / (हानि)		41923,30,28	20394,35,05
योग		109007,96,89	76042,52,33
IV. विनियोजन			
सांविधिक आरक्षित निधियों को अंतरण		18716,88,31	15370,39,97
पूंजी आरक्षित निधियों को अंतरण		326,21,04	232,80,84
निवेश उतार-चढ़ाव निधि में अंतरण		(749,08,05)	4575,43,43
राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों को अंतरित		6456,91,82	3854,26,53
चालू वर्ष के लिए डिविडेंड		12226,71,83	10084,81,15
डिविडेंड पर कर		11,14,01	1,50,13
तुलन पत्र में आगे ले जाई गई शेष राशि		72019,17,93	41923,30,28
योग		109007,96,89	76042,52,33
V. प्रति शेयर मूल आय (प्रति शेयर 1 रुपए का अंकित मूल्य)			
मूल (₹ में)		75.17	62.35
कम की गई (₹ में)		75.17	62.35
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
लेखा टिप्पणियाँ	18		

उपर्युक्त संदर्भित अनुसूचियाँ लाभ और हानि लेखा का अभिन्न अंग हैं।

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)

इसी तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते के सी मेहता एंड कं एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.सं. 106237W/W100829

श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष

श्री चिराग बक्शी
भागीदार
सदस्यता सं. 047164

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई 2024

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची - 13 अर्जित ब्याज

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. अग्रिमों/बिलों पर ब्याज/बट्टा	297310,15,03	228740,74,65
II. निवेशों पर आय	122378,19,49	106824,85,28
III. भारतीय रिज़र्व बैंक तथा अन्य अंतर-बैंक निधियों के अधिशेष पर ब्याज	5941,79,87	3916,45,69
IV. अन्य	13558,36,84	11362,52,39
योग	439188,51,23	350844,58,01

अनुसूची 14 - अन्य आय

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कमीशन, विनिमय और दलाली	28349,70,13	25913,29,95
II. निवेशों की बिक्री पर लाभ/ (हानि) (निवल)	8890,08,56	5158,08,59
III. निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ/ (हानि) (निवल)	4892,78,72	(4922,60,98)
IV. भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/ (हानि) (निवल)	(25,20,54)	(29,03,16)
V. विनिमय लेनदेनों पर लाभ/ (हानि) (निवल)	1785,87,15	3029,10,05
VI. विदेश/भारत में सहयोगियों से लाभांश	5,57,19	2,66,25
VII. क्रेडिट कार्ड सदस्यता/सेवा शुल्क	8263,80,99	6800,41,06
VIII. बीमा प्रीमियम आय (निवल)	86810,17,75	70751,51,78
IX. बट्टे खाते में की गयी वसूली	7443,72,73	7728,67,19
X. विविध आय	8969,86,54	8101,45,38
योग	155386,39,22	122533,56,11

अनुसूची 15 - व्यय किया गया ब्याज

	(000 को छोड़ दिया गया है)	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. जमा राशियों पर ब्याज	223278,71,35	163518,78,32
II. भारतीय रिज़र्व बैंक/अंतर बैंक उधार राशियों पर ब्याज	22864,56,43	18317,50,75
III. अन्य	13592,77,03	8144,52,60
योग	259736,04,81	189980,81,67

अनुसूची 16 - परिचालन व्यय

(000 को छोड़ दिया गया है)

	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार (चालू वर्ष) ₹	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार (पिछला वर्ष) ₹
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधान #	83671,18,67	61920,91,12
II. भाड़ा, कर और लाइसेंसिंग	6546,16,69	6103,05,83
III. मुद्रण और लेखन सामग्री	922,53,21	810,68,23
IV. विज्ञापन व प्रचार	3449,09,95	3419,26,91
V. (अ) अचल संपत्तियों पर मूल्यहास (लीज आस्तियों को छोड़कर)	3763,21,21	3644,79,49
(ब) लीज आस्तियों पर मूल्यहास	85,91,24	50,80,37
VI. निदेशकों के शुल्क, भत्ते और व्यय	15,41,95	13,18,37
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों की फीस तथा व्यय सहित)	314,05,03	284,82,75
VIII. विधि प्रभार	659,53,66	516,43,62
IX. डाक व्यय, तार, टेलीफोन इत्यादि	890,52,21	766,06,89
X. मरम्मत और अनुरक्षण	1448,82,92	1305,59,44
XI. बीमा	5389,01,01	5340,69,01
XII. क्रेडिट कार्ड परिचालन से जुड़े अन्य परिचालन व्यय	4410,94,08	3876,89,74
XIII. बीमा परिचालन व्यवसाय से जुड़े अन्य व्यय	96699,67,92	78227,18,14
XIV. अन्य व्यय	27627,74,13	23534,08,68
योग	235893,83,88	189814,48,59

कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिए प्रावधानों में ₹7100,00,00 हजार (पिछले वर्ष शून्य) ₹5400,00,00 हजार (पिछले वर्ष शून्य) के प्रावधान के लिए असाधारण मदें शामिल हैं, जो सभी पेंशनभोगियों के लिए भविष्य लक्ष्य प्रभाव से 50% की समान दर से अनुमानित देयता के लिए हैं, जो पेंशन की मौजूदा दोहरी दर और ₹1700,00,000 हजार (पिछला वर्ष शून्य) के स्थान पर हैं जो नवम्बर, 2002 से पूर्व सेवानिवृत्त और पारिवारिक पेंशनभोगियों को अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत के स्थिरीकरण करने के कारण है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 17- महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ (समेकित)

क. पृष्ठभूमि:

भारतीय स्टेट बैंक ('एसबीआई' या 'बैंक'), बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा सांविधिक निकाय है, जो व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉर्पोरेट, सार्वजनिक निकायों एवं संस्थागत ग्राहकों को विभिन्न उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करता है। यह बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 एवं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 द्वारा शासित होता है।

भारतीय स्टेट बैंक समूह ('एसबीआई समूह' या 'समूह') में एसबीआई, 26 अनुषंगियाँ, 7 संयुक्त उद्यम और 19 सहयोगी शामिल हैं।

एसबीआई समूह की महत्वपूर्ण लेखा नीतियों अर्थात् एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार तथा प्रस्तुत करने में लागू किए जाने वाले विशिष्ट लेखा सिद्धांत एवं विधियाँ नीचे दी जा रही हैं।

ख. तैयार करने का आधार:

एसबीआई समूह की लेखा और रिपोर्टिंग नीतियाँ भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (भारतीय जीएएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित नियामक मानदंडों, निर्देशों और दिशानिर्देशों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के वैधानिक दिशा-निर्देशों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम 1996, कंपनी अधिनियम 2013, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक और भारत में बैंकिंग उद्योग में प्रचलित लेखा पद्धतियाँ शामिल हैं।

विदेश स्थित कार्यालयों के मामले में संबद्ध देश के सांविधिक प्रावधान एवं स्थानीय कानून ज्यादा विवेकपूर्ण होने पर उनका अनुपालन किया जाएगा।

बैंक के समेकित वित्तीय विवरण को परंपरागत लागत परिपाटी तरीके से तैयार किया जाता है जिसमें लाभकारी कारोबार वाले संस्थान के मौलिक लेखा आकलन, स्थिरता एवं उपचय, जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो, को ध्यान में रखा जाता है।

ये समेकित वित्तीय विवरण आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के तहत निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

ग. प्राक्कलनों का प्रयोग:

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन-मंडल, वित्तीय विवरणों की तिथि पर आस्तियों और देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) की सूचित राशि तथा सूचना अवधि के दौरान सूचित आय एवं व्यय में प्रतिफलित प्राक्कलन और पूर्वानुमान करने की आवश्यकता होती है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में इस्तेमाल किया गया प्राक्कलन विवेकपूर्ण और तर्कसंगत हैं। वास्तविक परिणाम इन प्राक्कलनों से अलग हो सकते हैं।

घ. समेकन का आधार:

1. एसबीआई समूह के समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित विषय शामिल हैं:

- क. भारतीय स्टेट बैंक (मूल कंपनी) के वित्तीय विवरण।
- ख. अनुषंगियों की आस्ति/देयता/आय/व्यय का मूल कंपनी की इन्हीं मदों से अक्षरशः समेकन किया गया है। आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 21 समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार असमरूप लेखा नीतियों के लिए, जहां आवश्यक है वहां, सभी अंतः समूह महत्वपूर्ण बकाया लेनदेन के कारण अप्राप्त लाभ एवं समायोजन को हटाना।
- ग. संयुक्त उद्यम निकायों की आस्ति/देयता/आय/व्यय के समानुपातिक भाग का समेकन आसीएआई द्वारा जारी संयुक्त उद्यमों में हितों पर वित्तीय सूचना के एसएस 27 के अनुसार किया गया है।

घ. 'सहयोगियों' में किए गए निवेश का लेखांकन आसीएआई द्वारा जारी 'समेकित वित्तीय विवरणों में सहयोगियों में निवेश हेतु लेखांकन' के लेखा मानक 23 की इक्विटी पद्धति के अनुसार किया गया है।

- 2. अनुषंगी कंपनियों में समूह के निवेश की लागत तथा अनुषंगियों की इक्विटी में समूह के अंश के बीच के अंतर को वित्तीय विवरणों में साख/पूंजी आरक्षित निधि के रूप में दिखाया गया है।
- 3. समेकित अनुषंगियों की निवल आस्तियों में अल्पांश हित निम्नवत है:

क. जिस तिथि को अनुषंगी के इक्विटी शेयरों में निवेश किया गया है उस तिथि को अल्पांश शेयरधारकों के कारण इक्विटी की राशि और,

ख. मूल कंपनी और अनुषंगी के बीच संबंध स्थापित होने की तिथि से आय आरक्षितियों/ हानि (इक्विटी) में अल्पांश शेयर का उतार-चढ़ाव।

ङ. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ:

1. आय निर्धारण:

1.1 आय और व्यय की उपचय आधार पर (जहाँ अन्यथा न कहा गया हो) गणना की जाती है।

1.2 ब्याज/छूट आय को लाभ और हानि खाते में निम्नलिखित के लिए वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है:

(क) भारतीय रिजर्व बैंक/विदेश स्थित कार्यालयों के मामलों में संबंधित देश के विनियामकों (इसके पश्चात् सामूहिक रूप से विनियामक प्राधिकारी के रूप में संदर्भित) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार निवेश सहित अलाभकारी आस्तियों से आय

(ख) रुपया डेरीवेटिव्स पर आय जिसे ट्रेडिंग नाम दिया गया है।

- 1.3 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक की परिपक्वता तक धारित श्रेणी के निवेशों की बिक्री तथा बैंक द्वारा धारित अचल आस्तियों की बिक्री पर होने वाले लाभ को, प्रयोज्य करें और सांविधिक आरक्षित निधि में अंतरित की जाने वाली निवल राशि घटाने के बाद आरक्षित पूंजी खाते में विनियोजित किया जाता है।

परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी के निवेशों अधिग्रहण पर छूट को निम्नानुसार हिसाब में लिया जाता है:

क. ब्याज युक्त प्रतिभूतियों पर इसे बिक्री/मोचन के समय हिसाब में लिया जाता है।

ख. शून्य कूपन वाली प्रतिभूतियों पर इसे सतत आय आधार पर प्रतिभूति की शेष अवधि के लिए हिसाब में लिया जाता है।

- 1.4 लाभांश को प्राप्त करने का अधिकार लागू होने पर लाभांश आय को हिसाब में लिया जाता है।

- 1.5 इस अवधि में साख-पत्र/बैंक गारंटी, आस्थगित भुगतान गारंटियों, सरकारी व्यवसाय, एटीएम इंटरचेंज शुल्क और 'पुनर्संचित खाते पर अग्रिम शुल्क' पर कमीशन को उपचय आधार पर आनुपातिक रूप से हिसाब में लिया गया है। अन्य सभी कमीशन और शुल्क आय को उनकी प्राप्ति के आधार पर हिसाब में लिया गया है।

- 1.6 विशेष आवास ऋण योजना के अंतर्गत प्रदत्त एकबारगी बीमा प्रीमियम (दिसंबर 2008 से जून 2009 तक) का परिशोधन 15 वर्षों की औसत ऋण अवधि में किया गया है।

- 1.7 बॉन्ड/जमापत्र जारी करने के लिए अदा की गई गई दलाली, कमीशन आदि को संबंधित बॉन्ड एवं जमापत्र की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है एवं इन्हें जारी करने पर हुए खर्च को अग्रिम रूप से लिया जाता है।

- 1.8 जब बैंक अपनी वित्तीय आस्तियों की बिक्री प्रतिभूतिकरण कंपनी/रीकस्ट्रक्शन कंपनी को करता है, तो वह इन आस्तियों को अपने खातों से हटा देता है और उन्हें निम्नानुसार हिसाब में लेता है:

- यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य (बही मूल्य से प्रावधानों को घटाकर) से कम है, तो इस कमी को उस वर्ष के लाभ एवं हानि खाते को नामे किया जाता है।
- यदि विक्रय मूल्य निवल बही मूल्य से ज्यादा है, तो अतिरिक्त प्रावधान की राशि को उसके प्राप्त होने वाले वर्ष में ही वापस कर लिया जाता है।

- 1.9 निर्गम-प्रबंधन और परामर्श शुल्क, समूह के मर्चेट बैंकिंग व्यवसाय के मामले में ग्राहक से हुए करार के अनुसार हिसाब में लिया जाता है। शुल्क आय को तथी हिसाब में लिया जाता है जबकि करार में

उल्लिखित लक्ष्य पूरा/निष्पादित कर दिया जाता है।

- 1.9.1 सुपुर्द नियत-कार्य के पूरा होने के बाद प्राइवेट प्लेसमेंट फीस को हिसाब में लिया जाता है।

- 1.9.2 शेयर दलाली कार्यकलाप से संबंधित दलाली आय को लेनदेन करने की तिथि पर शामिल किया गया है और उसमें स्टॉप शुल्क एवं लेनदेन संबंधी व्यय शामिल है तथा योजना के लिए दी गई प्रोत्साहन राशियां शामिल नहीं है।

- 1.9.3 पब्लिक इश्यू से संबंधित कमीशन को पब्लिक इश्यू आवंटन पूरा होने पर/मध्यस्थ से सूचना प्राप्त होने के बाद हिसाब में लिया जाता है।

- 1.9.4. पब्लिक इश्यू/म्यूचुअल फंड/अन्य प्रतिभूतियों से संबंधित ब्रोकरेज को ग्राहकों/बिचौलियों से राशि और सूचना प्राप्त होने के बाद हिसाब में लिया जाता है।

- 1.9.5. निक्षेपागार आय- वार्षिक अनुरक्षण प्रभार को उपचय आधार पर तथा लेनदेन प्रभार को लेनदेन की संव्यवहार तिथि को हिसाब में लिया जाता है।

- 1.10. समूह के परिसंपत्ति प्रबंधन व्यवसाय के मामले में प्रबंधन शुल्क, प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) के प्रतिशत के रूप में लिया जाता है और इसे प्रोद्घवन आधार पर मान्यता प्राप्त है। चार्ज की जा सकने वाली मैनेजमेंट फीस की अधिकतम राशि लागू सेबी नियमों के अधीन है। एआईएफ योजना के मामले में, प्रबंधन शुल्क को प्रोद्घवन आधार पर प्रस्ताव दस्तावेज में परिभाषित किया गया है।

- 1.10.1. पोर्टफोलियो परामर्श सेवाओं, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं और वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) से प्राप्त प्रबंधन शुल्क को करार के शर्तों के अनुसार, उपचय आधार पर शामिल किया गया है।

इन अनुबंधों में एक एकल प्रदर्शन दायित्व (विशिष्ट सेवाओं की श्रृंखला) शामिल है जो समय के साथ संतुष्ट होता है और अर्जित प्रबंधन शुल्क और / या सलाहकार शुल्क को परिवर्तनीय विचार माना जाता है।

यदि अनुबंध में वादा किए गए राशि में एक परिवर्तनीय राशि शामिल है, तो कंपनी उस राशि की मात्रा का अनुमान लगाती है जिसके लिए वह ग्राहक को वादा की गई सेवाओं को प्रदान करने के बदले में हकदार होगी। डिस्काउंट, छूट, धनवापसी, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस या अन्य समान वस्तुओं के कारण प्रतिफल की राशि भिन्न हो सकती है। वादा किया गया राशि भी भिन्न हो सकता है यदि राशि के लिए एक पात्रता भविष्य में होने या न होने पर निर्भर है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

- 1.10.2. निर्धारित दरों (यदि कोई हो) से अधिक योजनाओं के व्यय को सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार कंपनी द्वारा वहन किया जाना अपेक्षित है और इस प्रकार, लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। पीएमएस/एआईएफ योजना के मामले में, संविदा के आधार पर, व्यय, यदि कोई हो, लाभ और हानि खाते में प्रभारित किए जाते हैं।
- 1.10.3. लागू नियमों के अनुरूप कंपनी द्वारा भुगतान की गई ब्रोकरेज को संविदात्मक अवधि में लाभ और हानि खाते में चार्ज किया जा रहा है। नई निधि पेशकश के मामले में, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 की अपेक्षाओं के अनुसार व्यय उस वर्ष में लाभ और हानि खाते से प्रभारित किए जाते हैं जिसमें वे किए जाते हैं।
- 1.11. समूह के क्रेडिट कार्ड व्यवसाय के मामले में सदस्यता सेवाओं के प्रावधान से अर्जित आय को सदस्यता अवधि में आय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें अपेक्षित रिवर्सल / रद्दीकरण के विचार के उचित मूल्य पर 12 महीने शामिल होते हैं।
 - 1.11.1 अन्य सेवा राजस्व में कार्ड धारकों को प्रदान की जाने वाली मूल्यवर्धित सेवाएं शामिल हैं। अन्य सेवा राजस्व को उसी अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित लेनदेन होते हैं या सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
 - 1.11.2. इंटरचेंज शुल्क अधिग्रहणकर्ताओं से एकत्र किए जाते हैं और नेटवर्क भागीदारों द्वारा जारीकर्ताओं को भुगतान किया जाता है ताकि सेवाओं को प्रदान करने के लिए किए गए लागत के हिस्से के लिए जारीकर्ताओं को प्रतिपूर्ति की जा सके, जो अधिग्रहणकर्ताओं और व्यापारियों सहित सिस्टम में सभी प्रतिभागियों को लाभान्वित करते हैं। इंटरचेंज आय से राजस्व को तब पहचाना जाता है जब संबंधित लेनदेन होता है, या सेवा प्रदान की जाती है।
 - 1.11.3. कुल अनिर्धारित प्राप्तिओं को, जिन्हें पूर्ण एवं सही सूचना के अभाव में ग्राहकों के खातों में जमा या समायोजित नहीं किया जा सका, तुलनपत्र में देयता के रूप में समझा गया है। तीन साल से अधिक पुरानी अनसुलझी अज्ञात प्राप्तिओं को तुलनपत्र की की तारीख पर अन्य आय के रूप में वापस लिखा जाता है। तीन वर्षों से अधिक की अवधि वाले चेक की देयता को आय के रूप में प्रतिलेखन किया गया है।
 - 1.11.4. अन्य सभी आय/सेवा शुल्क संबंधित लेनदेन के समय दर्ज किए गए हैं।
- 1.12 समूह के फैक्ट्रिंग व्यवसाय के मामले में फैक्ट्रिंग प्रभार, कंपनी द्वारा निर्धारित लागू दरों पर ऋणों के फैक्ट्रिंग पर अर्जित किए जाते हैं। प्रसंस्करण शुल्क को आय के रूप में केवल तभी मान्यता दी जाती है जब दस्तावेजों के निष्पादन के बाद इसकी प्राप्ति की उचित निश्चितता हो। सुविधा निरंतरता शुल्क (एफसीएफ) की गणना की जाती है और सभी लाइव मानक खातों पर पूरे अगले वित्तीय वर्ष के लिए मई के महीने में चार्ज किया जाता है। 01 मई की तारीख को एफसीएफ के संचय की तारीख के रूप में माना जाता है।
- 1.13 समूह जीवन बीमा व्यवसाय के मामले में, पॉलिसी धारकों से देय होने पर, असंबद्ध व्यवसाय प्रीमियम (सेवाकर को घटाने के बाद) को आय के रूप में लिया जाता है। संबद्ध व्यवसाय के मामले में, प्रीमियम आय का निर्धारण उससे जुड़ी यूनिट के आवंटन के समय किया जाता है। वैरिएबल बीमा उत्पादों (वीआईपी) के मामले में प्रीमियम आय को उस तारीख से आय के रूप में लिया जाता है, जिस तारीख से पॉलिसी मूल्य जमा किया जाता है। कालातीत पॉलिसियों को जब तक पुनः प्रवर्तित नहीं किया जाता, तब तक ऐसी पॉलिसियों के वसूल न किए गए प्रीमियम को हिसाब में नहीं लिया जाता है।
 - 1.13.1. टॉप-अप प्रीमियम को एकल प्रीमियम के रूप में समझा गया है।
 - 1.13.2. संबद्ध निधियों से आय जिसमें निधि प्रबंधन प्रभार, पॉलिसी प्रबंधन प्रभार, मृत्यु प्रभार आदि शामिल हैं: पॉलिसी के निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार संबद्ध निधि से वसूल किए गए हैं और वसूली होने पर शामिल किए गए हैं।
 - 1.13.3. इक्विटी प्रतिभूतियों, म्यूचुअल फंडों की इकाइयों, इक्विटी एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) के संबंध में प्राप्त लाभ और हानि की गणना शुद्ध बिक्री आय और उनकी लागत के बीच के अंतर के रूप में की जाती है। ऋण प्रतिभूतियों के संबंध में, प्राप्त लाभ और हानियों की गणना शुद्ध बिक्री आय या मोचन आय और भारित औसत परिशोधित लागत के बीच के अंतर के रूप में की जाती है। इक्विटी शेयरों के संबंध में लागत, म्यूचुअल फंड इक्विटी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट्स ट्रस्ट (आरईआईटी) की इकाइयों की गणना भारित औसत विधि का उपयोग करके की जाती है।
 - 1.13.4. प्रतिभूतियाँ उधार देने और लेने की योजना के तहत इक्विटी शेयर उधार देने पर प्राप्त शुल्क को सीधी रेखा पद्धति के आधार पर उधार देने की अवधि के दौरान आय के रूप में माना जाता है।
 - 1.13.5. पुनर्बीमा पर दिए गए प्रीमियम को पुनः बीमा संधि या पुनः बीमाकर्ता के साथ सैद्धांतिक व्यवस्था की शर्तों के अनुसार गिना जाता है।

1.13.6. दिए गए लाभ:

- जहां प्रयोज्य हो, दावा-व्यय में पॉलिसी लाभ एवं दावा निपटान व्यय शामिल होते हैं।
- मृत्यु और अनुवृद्धि से संबंधित दावों की सूचना प्राप्त होने पर उन्हें हिसाब में लिया जाता है। अवधि के अंत की सूचनाओं पर ऐसे दावों की गणना के लिए विचार किया जाता है।
- परिपक्वता से संबंधित दावों को पॉलिसी की परिपक्वता तिथि को हिसाब में लिया जाता है।
- उत्तरजीविता और वार्षिकी लाभों की गणना उस समय की जाती है, जब से देय होते हैं।
- अभ्यर्पणों एवं आहरण को सूचित किए जाने पर हिसाब में लिया जाता है। अभ्यर्पणों में व्यपगत पॉलिसियों पर देय राशि सम्मिलित होती है और इसे देय होने पर हिसाब में लिया जाता है। अभ्यर्पणों, आहरण और पॉलिसी व्यपगत होने पर प्रकटीकरण वसूली योग्य प्रभाओं को घटाकर किया जाता है।
- न्यायिक प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत विवादित दावों का उनके द्वारा निराकरण करने पर प्रबंधन के विवेकानुसार इन दावों के संबंध में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करके निपटान करने के लिए प्रावधान किया गया है।
- पुनर्बीमाकर्ताओं से वसूल की जाने वाली राशियों को संबंधित दावों की अवधि के लिए हिसाब में लिया जाता है और उन्हें दावों से घटाया जाता है।

1.13.7. कमीशन जैसे अधिग्रहण खर्च, चिकित्सा शुल्क आदि ऐसे खर्च हैं जो मुख्य रूप से नए एवं नवीकृत बीमा संविदाओं के अधिग्रहण से संबंधित होते हैं और व्यय के समय ही इनका भुगतान कर दिया जाता है।

1.13.8. **बीमा पॉलिसियों के लिए देयता:** सभी जीवन बीमा पॉलिसियों के बीमांकिक देयता की गणना बीमा अधिनियम, 1938 के अनुसार नियुक्त एक्चुअरी द्वारा और समय-समय पर आईआरडीआई द्वारा जारी नियमों और विनियमों और परिपत्रों और भारतीय बीमांकिक संस्थान द्वारा जारी प्रासंगिक मार्गदर्शन नोट्स और / या बीमांकिक अभ्यास मानकों (एपीएस) के अनुसार की गई है।

1.13.9. भविष्य के विनियोजन के लिए धनराशि

गैर-संबद्ध व्यवसाय के संबंध के लिए, भविष्य के विनियोजन (एफएफए) खाते के लिए निधियों में शेष राशि निधियों का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका आवंटन या तो भाग लेने वाले पॉलिसीधारकों के लिए

या शेयरधारकों के लिए किया गया है जो बैलेंस शीट की तारीख में निर्धारित नहीं किया गया है। फंड में और उससे हस्तांतरण कंपनी के पॉलिसीधारकों के फंड में उत्पन्न होने वाली प्रत्येक लेखांकन अवधि में व्यय और विनियोजन पर आय की अधिक या कमी को दर्शाता है। भागीदार पॉलिसियों के संबंध में पॉलिसीधारक को किसी भी आवंटन से आवश्यक अनुपात में शेयरधारकों के हस्तांतरण में वृद्धि होगी।

1.14 समूह साधारण बीमा व्यवसाय के मामले में स्वीकृत पुनर्बीमा (माल एवं सेवा कर घटाने के बाद) सहित प्रीमियम को जोखिम प्रारंभ होने की तिथि से बही में दर्ज किया जाता है। यदि प्रीमियम को किस्तों में वसूल किया जाता है, तो देय किस्त की सीमा तक की राशि को किस्त की देय तिथि पर दर्ज किया जाता है। प्रत्यक्ष व्यवसाय और स्वीकृत पुनर्बीमा पर प्राप्त प्रीमियम (पुनर्नियोजन प्रीमियम सहित) की सेवा कर घटाने के बाद 1/365 पद्धति के अनुसार सकल आधार पर संविदा अवधि या जोखिम अवधि, जो भी उपयुक्त हो, में आय के रूप में दिखाया गया है। प्रीमियम में कोई भी पुनरीक्षण होने पर वह जोखिम की बकाया अवधि या संविदा अवधि हेतु मही मान्य रहती है। पॉलिसियों के रद्द होने से प्रीमियम आय में होने वाले समायोजनों को उस अवधि में दिखाया गया है जिसमें वह रद्द की गई है।

1.14.1. बंद किए गए पुनर्बीमा पर प्राप्त कमीशन को उस अवधि में आय के रूप में दिखाया गया है जिस अवधि में पुनर्बीमा जोखिम बंद की गई है। पुनर्बीमा संधियों के अंतर्गत लाभ कमीशन, जहां कहीं लागू हो, को लाभ के अंतिम निर्धारण वाले वर्ष में आय के रूप में दिखाया गया है, जिस प्रकार पुनर्बीमाकर्ता द्वारा सूचित किया गया है और उसे बंद की गई पुनर्बीमा पर प्राप्त कमीशन के साथ रखा गया है।

पुनर्बीमा संधियों के तहत स्लाइडिंग स्केल कमीशन, जहां भी लागू हो, को पुनर्बीमा संधि शर्तों के अनुसार आय के रूप में मान्यता दी जाती है, जैसा कि पुनर्बीमाकर्ताओं द्वारा पुष्टि की गई है और पुनर्बीमा पर कमीशन के साथ संयुक्त है।

1.14.2. बंद की गई आनुपातिक पुनर्बीमा पॉलिसी के संबंध में, पुनर्बीमा की गई पुनर्बीमा पॉलिसी की लागत, संविदा अवधि या जोखिम की अवधि पर जोखिम के प्रारंभ पर आरंभ होती है। गैर-आनुपातिक पुनर्बीमा लागत को देय होने के समय दिखाया गया है। गैर-आनुपातिक पुनर्बीमा व्यवस्थाओं के अनुसार हिसाब लिया गया है। अन्य कोई अनुवर्ती संशोधन होने पर, प्रीमियमों को वापस या निरस्त करने को उस अवधि में दिखाया गया है जिसमें वह देय होता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

1.14.3. पुनर्बीमा प्राप्य स्वीकृतियों को बीमाकर्ताओं से वापस प्राप्त लाभ के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

1.14.4. अधिग्रहण लागत जैसे कमीशन, पॉलिसी निर्गम व्यय आदि ऐसी लागत हैं जो मुख्य रूप से नए एवं नवीकरण व्यवसाय संविदाओं के अधिग्रहण से संबंधित हैं और उस अवधि में व्यय की गई है जिस अवधि के लिए वह हुई हैं। अधिग्रहण लागत निर्धारण मुख्यतया लागत और बीमा संविदाओं के निष्पादन (अर्थात् जोखिम की शुरुआत) के आधार पर किया जाता है। अधिग्रहण लागत के रूप में निर्धारण के लिए प्राथमिक परीक्षण लागत और बीमा अनुबंधों के निष्पादन (यानी जोखिम की शुरुआत) के बीच अनिवार्य संबंध है। लंबी अवधि की मोटर बीमा पॉलिसियों के मामले में कमीशन आईआरडीआई द्वारा अनिवार्य के रूप में वर्ष के लिए आवंटित प्रीमियम पर लागू दरों पर खर्च किया जाता है।

1.14.5. अग्रिम रूप से प्राप्त प्रीमियम जो जोखिम की शुरुआत से पहले प्राप्त प्रीमियम का होता है, उसे वित्तीय विवरणों में 'अन्य देनदारियों और प्रावधान' शीर्षक के तहत अलग से दिखाया जाता है और जोखिम शुरू होने की तारीख को आय के रूप में दर्ज किया जाता है।

अनपेक्षित जोखिम के लिए रिजर्व, लिखित शुद्ध प्रीमियम का वह हिस्सा है (यानी, पुनर्बीमा का प्रीमियम शुद्ध) जो अनुबंध अवधि के आधार पर या जोखिम अवधि के आधार पर सफल लेखा अवधि के लिए जिम्मेदार है और आवंटित किया जाना है, जो भी उपयुक्त हो। इस तरह के रिजर्व की गणना 1/365 आधार के तहत आनुपातिक आधार पर की जाती है, जो परिपत्र संख्या आईआरडीए/एफएंडए/सीआईआर/सीपीएम/056/03/2016 दिनांक 4 अप्रैल 2016 के अनुसार न्यूनतम आरक्षित आवश्यकताओं के अधीन है।

1.14.6. यदि लेखा अवधि के अंत में असमाप्त जोखिमों के संबंध में अपेक्षित शुद्ध दावा लागतों की अंतिम राशि (एक्चुअरी द्वारा परिकलित और प्रमाणित), संबंधित व्यय और रखरखाव लागत (दावा प्रबंधन से संबंधित) संबंधित प्रीमियम के योग से अधिक है तो उसे बाद की लेखा अवधि के लिए असमाप्त जोखिम के लिए आरक्षित निधि के रूप में प्रीमियम की कमी के रूप में मान्यता दी जाती है।

प्रीमियम की कमी की गणना वार्षिक आधार पर और कंपनी स्तर पर की जाती है।

1.14.7. नुकसान की घटना की सूचना मिलने पर उसे दावा माना जाता है। दावे को नुकसान होने की सूचना प्राप्त होने पर उपलब्ध सूचना और विगत अनुभव के आधार पर

प्रबंधन द्वारा यथा अनुमानित देय दावा राशि के लिए प्रावधान करके हिसाब लगाया जाता है। इस तरह के प्रावधान की समीक्षा/संशोधन जरूरी होने पर अतिरिक्त जानकारी के आधार पर की जाती है। पुनर्बीमा और सह-बीमा व्यवस्था की शर्तों के तहत पुनः बीमाकर्ताओं/सह-बीमाकर्ताओं से प्राप्त/प्राप्य राशियों को क्रमशः दावे की मान्यता के साथ मान्यता दी जाती है। तुलन पत्र की तिथि पर देय बकाया दावों का प्रावधान प्रबंधन द्वारा अनुमानित पुनर्बीमा, बचाव मूल्य और अन्य वसूलियों का नेट है। भुगतान किए गए दावे (बीमाधारक द्वारा बनाए गए बचाव के मूल्य और दावों पर भुगतान किए गए ब्याज, यदि कोई हो, सहित वसूलियों का निवल) भुगतान के लिए अनुमोदित होने पर लाभ और हानि खाते से शुल्क लिया जाता है। जहां कंपनी द्वारा निस्तारण का अधिग्रहण किया जाता है, ऐसे बिक्री के समय बचाव की बिक्री से वसूली को मान्यता दी जाती है।

1.14.8. लेखा वर्ष के अंत से पहले दावे देयताओं के संबंध में हो सकने वाले प्रावधान, लेकिन जो कि:

- अभी तक रिपोर्ट या दावा नहीं किया गया (आईबीएनआर) या
- पर्याप्त रूप से रिपोर्ट नहीं की गई यानी संभावित दावा राशि (आईबीएनईआर) का उचित अनुमान लगाने के लिए अपर्याप्त जानकारी के साथ रिपोर्ट की गई,

इंस्टिट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए बीमांकिक अभ्यास मानकों और मार्गदर्शन नोट्स और आईआरडीआई के नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार बीमांकिक सिद्धांतों के आधार पर नियुक्त बीमांकक द्वारा निर्धारित राशि के अनुसार प्रावधान किया गया है।

1.15 समूह अभिरक्षा और निधि लेखा सेवाओं के मामले में आय (माल और सेवा कर घटाकर) को तभी मान्यता दी जाती है जब इसे विश्वसनीय रूप से आकलन किया जा सके और यह संभावना है कि आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे। अभिरक्षा शुल्क, निधि लेखा शुल्क और संदर्भ शुल्क को करार की शर्तों के अनुसार उपचय के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

1.16 समूह के पेंशन निधि व्यवसाय के मामले में प्रबंधन शुल्क को संबंधित योजनाओं के साथ सहमत विशिष्ट दरों पर मान्यता दी जाती है, जो प्रत्येक योजना की दैनिक बकाया परिसंपत्तियों पर लागू होती है और यह पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा जारी विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप है। प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) बिजनेस यानी खाता खोलने की फीस

और योगदान प्रसंस्करण शुल्क से कमीशन आय को ग्राहकों से प्राप्त योगदान और स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन) के सृजन के आधार पर मान्यता दी जाती है। कंपनी लाभ और हानि खाते में माल और सेवा कर का शुद्ध राजस्व प्रस्तुत करती है।

1.17 समूह ट्रस्टीशिप व्यवसाय के मामले में, म्यूचुअल फंड ट्रस्टीशिप फीस का निर्धारण संबंधित योजनाओं के लिए सहमत की गई विशिष्ट दरों पर किया गया है और प्रत्येक योजना की औसत दैनिक आस्तियों के आधार पर लागू की गई है (अंतर योजना निवेश, स्थायी जमाशायियों में निवेश, आस्ति प्रबंधन कंपनी द्वारा किए गए निवेश और आस्थगित राजस्व व्यय, जहां कहीं लागू हो, को छोड़कर), तथा सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अंतर्गत निर्दिष्ट की गई सीमाओं के अनुरूप है।

1.17.1. कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप स्वीकृति शुल्क को ट्रस्टीशिप असाइनमेंट की स्वीकृति या निष्पादन, जो भी पहले हो, पर मान्यता दी जाती है। कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप सेवा प्रभार को ग्राहकों के साथ किए गए ट्रस्टीशिप अनुबंधों/समझौते की शर्तों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

1.17.2. "वसीयत" सेवाओं से प्राप्त आय का निर्धारण तब किया जाता है जब शुल्क प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हो जाता है, इसलिए ऐसे आय निर्धारणों की निश्चितता इस समय ऐसे अधिकार प्राप्त होने पर हो जाती है।

1.18 समूह के मर्चेन्ट एक्वायरिंग बिजनेस (एमएबी) के मामले में आय की गणना को छूट, जीएसटी और अन्य लागू करों को छोड़कर प्रदान की गई सेवाओं के लिए प्राप्त या प्राप्य प्रतिफल के आधार पर मापा जाता है और सेवाओं के प्रदर्शन के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

1.18.1. पीओएस लगाने से होने वाले राजस्व को या तो सेवा प्रदान करने की अवधि के दौरान या अनुबंधों में निर्दिष्ट दरों और शर्तों के अनुसार अवधि के दौरान संसाधित किए गए लेनदेन की संख्या के आधार पर हिसाब में लिया जाता है। व्यापारी द्वारा अनुबंध शर्तों के आधार पर मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर), मासिक किराए और प्रतिबद्धता शुल्क के लिए भुगतान किया जाता है और इसे परिचालन से हुई आय माना जाता है।

1.18.2. रखरखाव परिनियोजन अनुबंध के कारण प्राप्त आय जो उपचित नहीं की जा सकी को आस्थगित आय के रूप में रखा जाता है तथा राजस्व मान्यता मानदंड पूरे होने तक देनदारियों में शामिल किया जाता है। वह उपचित आय जिसकी बिलिंग नहीं हुई है, उन्हें संविदा की शर्तों के अनुसार किए गए कार्य पर मान्यताप्राप्त राजस्व के रूप में गिना जाता है लेकिन बाद की अवधि में इसकी बिलिंग होती है।

1.18.3. राजस्व को उस हद तक मान्यता दी जाती है, जहां तक यह संभव है कि आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे, और राजस्व को विश्वस्त रूप से मापा जा सकता है।

2. निवेश:

निवेश वर्गीकरण और मूल्यांकन पर आरबीआई के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को हिसाब में निम्नानुसार लिया जाता है:

2.1 वर्गीकरण:

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है अर्थात् परिपक्वता तक धारित (एचटीएम), विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) और व्यवसाय के लिए धारित (एचएफटी)।

तुलनपत्र में प्रकटीकरण के उद्देश्य से निवेशों का वर्गीकरण भारत में और भारत के बाहर के निवेश के रूप में किया गया है।

प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत निवेशों का पुनः वर्गीकरण (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ, (iii) शेयर, (iv) बॉन्ड एवं डिबेंचर, (v) अनुषंगियाँ एवं सहयोगियों और (vi) अन्य के रूप में किया गया है। 'भारत के बाहर के निवेशों' को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है- (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ, (ii) विदेश स्थित अनुषंगियाँ एवं/अथवा संयुक्त उद्यम और (iii) अन्य निवेश।

2.2 वर्गीकरण का आधार:

- बैंक जिन निवेशों को परिपक्वता तक रखना चाहता है, उन्हें परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- जिन निवेशों को सिद्धांततः क्रय तिथि से 90 दिनों के भीतर पुनर्विक्रय हेतु रखा गया है, उन्हें व्यवसाय के लिए रखे गए (एचएफटी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- जिन निवेशों को उपर्युक्त दो श्रेणियों में वर्गीकृत नहीं किया गया है, उन्हें विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- किसी निवेश को इसके क्रय के समय परिपक्वता तक धारित, विक्रय के लिए उपलब्ध या व्यवसाय के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उसके पश्चात श्रेणियों में परिवर्तन विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया है।
- जिन निवेशों को बाद में बेच देने के उद्देश्य से ही खरीदा और रखा जाता है, उनको छोड़कर अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों में किए गए निवेशों को परिपक्वता तक धारित निवेश के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे निवेशों को विक्रय के लिए उपलब्ध (एफएस) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.3 मूल्यांकन:

- i. सभी प्रतिभूतियों के लेनदेन को निपटान की तिथि पर दर्ज किया जाता है। एसबीआई द्वारा एचएफटी एवं एएफएस श्रेणी के अंतर्गत निवेश लागत का निर्धारण समूह इकाईयों द्वारा भारित औसत लागत पद्धति द्वारा किया जाता है तथा 'परिपक्वता तक धारित' निवेश को 'पहले आओ पहले जाओ' आधार पर निर्धारित किया जाता है अन्य समूह इकाईयों द्वारा इसे भारित औसत लागत पद्धति द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(क) सब्सक्रिप्शन पर प्राप्त दलाली/कमीशन को लागत में से घटा दिया जाता है। निवेश के अधिग्रहण के संबंध में प्रदत्त दलाली, कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) आदि को उसी समय के व्यय में शामिल कर लिया गया है और इन्हें लागत में शामिल नहीं किया गया है।

(ख) ऋण लिखतों पर खंडित अवधि के लिए प्रदत्त/प्राप्त ब्याज को ब्याज व्यय/आय माना गया है और इन्हें लागत/विक्रय-प्रतिफल में शामिल नहीं किया गया है।

ii. 'परिपक्वता तक धारित' श्रेणी के रूप में वर्गीकृत निवेशों का मूल्यांकन:

(क) परिपक्वता तक धारित श्रेणी के निवेशों की गणना अधिग्रहण लागत में की जाती है। अधिग्रहण पर प्रदत्त कमीशन, अगर कोई, का परिशोधन नियत आय आधार पर परिपक्वता अवधि के लिए किया गया है। ऐसे प्रीमियम के परिशोधन को निवेश पर आय शीर्ष के अंतर्गत हिसाब में लिया गया है।

(ख) प्रत्येक निवेश के मामले में अस्थायी से इतर कमी की पूर्ति के लिए अलग-अलग प्रावधान किया गया है।

(ग) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेश को आईसीएआई के एस 23 के अनुसार इक्विटी लागत आधार पर मूल्यांकित किया गया है।

iii. विक्रय के लिए उपलब्ध तथा व्यवसाय के लिए धारित श्रेणियाँ:

विक्रय हेतु उपलब्ध (एएफएस) एवं व्यवसाय के लिए धारित (एचएफटी) श्रेणियों के तहत रखे गए निवेशों को विनियामक दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित बाजार मूल्य या उचित मूल्य के अनुसार पुनर्मूल्यन किया गया है और प्रत्येक श्रेणी से संबद्ध प्रत्येक समूह (जैसे (i) सरकारी प्रतिभूतियाँ (ii) अन्य

अनुमोदित प्रतिभूतियाँ (iii) शेयर (iv) बांड एवं ऋणपत्र (v) अनुषंगी एवं संयुक्त उद्यम (vi) अन्य) के लिए सिर्फ निवल मूल्यहास का प्रावधान किया गया है और निवल मूल्यवृद्धि को लेखे में नहीं लिया गया है।

iv. निवेशों का अंतर-श्रेणी अंतर होने पर मूल्यांकन नीति:

(क) जब एचटीएफ/एएफएस श्रेणी से एचटीएम श्रेणी में प्रतिभूतियों का अंतरण किया जाता है तो उसे अंतरण की तिथि को अभिग्रहण लागत/बही मूल्य/बाजार मूल्य के न्यूनतम मूल्य पर किया जाता है। ऐसे अंतरण पर मूल्यहास, यदि कोई होने पर, उसके लिए पूर्ण प्रावधान किया जाता है।

(ख) एचटीएम श्रेणी से एएफएस श्रेणी में प्रतिभूतियों का अंतरण अभिग्रहण मूल्य/बही मूल्य पर किया जाता है। अंतरण के तुरंत बाद इन प्रतिभूतियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और परिणामी मूल्यहास के लिए लाभ और हानि खाते में प्रावधान किया जाता है।

v. प्रतिभूति रसीदों पर प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी)/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) को अनर्जक आस्तियाँ (वित्तीय आस्तियाँ) बेचे जाने के मामले में मूल्यांकन:

(क) प्रतिभूति रसीद में निवेश को एससी/आरसी को एनपीए बिक्री के आधार पर प्राप्त किया जाता है, तथा इसे i) वित्तीय आस्ति के निवल बही मूल्य (बही मूल्य में से प्रावधान घटाकर) ii) प्रतिभूति रसीद के मोचन मूल्य, दोनों में जो भी कम हो, की हिसाब में लिया जाता है।

(ख) प्रतिभूतिकरण कंपनी/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों का मूल्यांकन गैर-एसएलआर लिखतों पर लागू दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। तदनुसार, जिन मामलों में प्रतिभूतिकरण कंपनी/आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों का परिशोधन संबंधित योजना के लिखतों के लिए आबंटित वित्तीय आस्तियों की वास्तविक वसूली के अनुसार किया गया है, उन मामलों में आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी से प्राप्त निवल आस्ति मूल्य की गणना ऐसे निवेशों के मूल्यन के लिए की गई है।

vi) **ट्रेजरी बिलों और वाणिज्यिक पत्रों का मूल्यांकन रखाव लागत आधार पर किया गया है।**

2.4 निवेश (एनपीआई)

- i. घरेलू कार्यालयों के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के आधार पर निवेश को अर्जक और अनर्जक श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
 - (क) ब्याज/किस्त (परिपक्वता राशि सहित) देय है और 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए बकाया है।
 - (ख) इक्विटी शेयरों के मामले में, जहाँ अद्यतन तुलनपत्र की अनुपलब्धता के कारण किसी कंपनी के शेयरों का मूल्यांकन ₹1 प्रति कंपनी किया गया है, वहाँ ऐसे इक्विटी शेयरों को अनर्जक निवेश माना जाएगा।
 - (ग) यदि इकाई द्वारा ली गई कोई ऋण-सुविधा बैंक-बही में अनर्जक आस्ति हो गई हो, तो ऐसी स्थिति में उसी इकाई/जारीकर्ता द्वारा जारी किसी भी प्रतिभूति में निवेश को अनर्जक निवेश माना जाएगा। उपर्युक्त नियम आवश्यक परिवर्तनों के साथ उन अधिमानी शेयरों पर भी लागू होगा, जहाँ नियत लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है।
 - (घ) ऐसे डिबेंचरों/बांडों में निवेश, जिसे अग्रिम माना गया है, पर भी अनर्जक निवेश के वही एनपीआई मानदंड लागू होंगे जो निवेश पर लागू होते हैं।
- ii. विदेश स्थित कार्यालयों के मामले में अनर्जक निवेश हेतु वर्गीकरण एवं प्रावधान, स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों, इनमें से जो अधिक सख्त हों, के अनुसार किया गया है।

2.5 रेपो/रिवर्स रिपो लेनदेन के लिए लेखांकन:

- बैंक, चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत भारतीय रिजर्व बैंक एवं मार्केट पार्टिसिपेंट्स के साथ पुनर्खरीद / रिवर्स पुनर्खरीद लेनदेन करता है। पुनर्खरीद लेनदेन का अर्थ है लेन-देन प्रतिभूतियों को पुनर्खरीद करने के समझौते के साथ प्रतिभूतियों को बेचकर उधार लेना। दूसरी तरफ, रिवर्स रेपो लेनदेन का अर्थ है प्रतिभूतियों को खरीद कर धनराशि उधार देना।
- (क) चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ के लेनदेनों को संपार्श्विक उधार देने एवं उधार लेने के लेनदेन के रूप में हिसाब में लिया गया है।
 - (ख) मार्केट रेपो एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों में बेची गई (खरीदी गई) एवं पुनः खरीदी गई (पुनः बेची गई) प्रतिभूतियों को सामान्य एकमुश्त विक्रय (क्रय) लेनदेन के रूप में हिसाब में

लिया गया है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजही को रिपो/रिवर्स रिपो खातों एवं दुतरफा प्रविष्टियों का उपयोग करके दर्शाया गया है। इन प्रविष्टियों को परिपक्वता की तिथि को रिवर्स कर दिया जाता है।

- (ग) रेपो खाते की शेष राशि को अनुसूची - 4 (उधार-राशियाँ) के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- (घ) रिवर्स रेपो खाते में 14 दिनों या उससे कम की मूल अवधि के साथ अनुसूची 7 (बैंकों के पास बकाया तथा कॉल और शॉर्ट नोटिस पर धनराशि) के तहत वर्गीकृत किया गया है। 14 दिनों से अधिक लेकिन 1 वर्ष तक की मूल परिपक्वता वाले रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 (अग्रिम) के तहत नकद क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और मांग पर चुकाने योग्य ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अन्य सभी रिवर्स रेपो को अनुसूची 9 (अग्रिम) के तहत सावधि ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- (ङ) भारतीय रिजर्व बैंक अथवा अन्य के पास रेपो लेनदेन की उधार लेने की लागत एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों पर आय को क्रमशः ब्याज व्यय एवं ब्याज आय के रूप में हिसाब में लिया गया है।

- 2.6 जीवन और सामान्य बीमा सहायक कंपनियों के मामले में, निवेश की गणना, बीमा अधिनियम 1938, आईआरडीएआई (निवेश) विनियम, 2016 और आईआरडीए (वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति और बीमा कंपनियों की लेखा परीक्षा की रिपोर्ट) विनियम, 2002, कंपनी की निवेश नीति और आईआरडीएआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विभिन्न अन्य परिपत्र / अधिसूचनाएं के अनुसार किया जाता है।

(i) गैर-संबद्ध बीमा व्यवसाय और साधारण बीमा व्यवसाय से संबंधित निवेश का मूल्यांकन:

- सरकारी प्रतिभूतियों एवं मनी मार्केट सहित सभी ऋण प्रतिभूतियों का अवधिगत लागत के आधार पर प्रीमियम के परिशोधन के अध्यक्ष उल्लेख किया गया है।
- सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का तुलनपत्र की तारीख को उचित मूल्य पर आकलन किया गया है। उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई (बीएसई) पर बाजार बंद होने के समय उपचय आखिरी मूल्य में से निचले मूल्य को शामिल किया जाता है। अगर एनएसई बाजार बंद मूल्य उपलब्ध नहीं है तो, सकर्केट्री एक्सचेंज अर्थात बीएसई लिमिटेड (बीएसई) का मूल्य लिया जाता है।
- असूचीबद्ध इक्विटी प्रतिभूतियों, इक्विटी संबंधित लिखतों और प्रिफरेंस शेयरों का आकलन अवधिगत लागत आधार पर किया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

- प्रतिभूति उधार देने और उधार लेने (एसएलबी) के मामले में, उधार दिए गए इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन यथा उल्लिखित इक्विटी शेयरों की मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया जाता है।
- आईआरडीआई द्वारा यथा निर्दिष्ट 'इक्विटी' के तहत वर्गीकृत अतिरिक्त टियर-1 (बेसल-III अनुपालक) बेमियादी बॉण्ड का मूल्यांकन क्रिसिल से प्राप्त मूल्य के आधार पर किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड यूनिटों में निवेश का जीवन बीमा में पिछले दिन के निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) पर और साधारण बीमा में तुलनपत्र की तारीख को मूल्यांकन किया जाता है।
- वैकल्पिक निवेश निधियों के निवेश का मूल्यांकन नवीनतम उपलब्ध एनएवी के आधार पर किया जाता है।
- आरईआईटी/इनविट यूनिट में निवेश का बाजार मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है (अंतिम उद्धृत मूल्य 30 दिनों के बाद का नहीं होना चाहिए)। बाजार मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राथमिक एक्सचेंज यानी एनएसई पर समापन मूल्य पर विचार किया जाता है। अगर एनएसई क्लोजिंग प्राइस किसी सिक्क्योरिटी के लिए उपलब्ध नहीं है, तो वैल्यूएशन के लिए बीएसई क्लोजिंग प्राइस का इस्तेमाल किया जाता है। जहां पिछले 30 दिनों के लिए बाजार भाव उपलब्ध नहीं है, यूनिटों का मूल्यांकन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित इकाइयों के नवीनतम एनएवी (6 महीने से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार किया जाता है।

शेयरधारकों के निवेशों और गैर-संबद्ध पॉलिसी धारकों के निवेशों के संबंध में सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों और म्यूचुअल फंड यूनिटों, एआईएफ एवं आरईआईटी/इनविट की यूनिट के उचित मूल्य में परिवर्तन के कारण होने वाले वसूल नहीं हुए लाभ या हानियों को तुलनपत्र में क्रमशः "आय और अन्य आरक्षितियां (अनुसूची 2)" में और "बीमा व्यवसाय में पॉलिसी धारकों से संबंधित देयताएं (अनुसूची 5)" में शामिल किए गए हैं।

(ii) संबद्ध व्यवसाय से संबंधित निवेश का मूल्यांकन:

- एक वर्ष से अधिक की शेष परिपक्वता अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन क्रेडिट रेटिंग इन्फोर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड (क्रिसिल) से प्राप्त मूल्यों पर किया जाता है। एक वर्ष या उससे कम की शेष परिपक्वता अवधि वाली सरकारी और अन्य ऋण प्रतिभूतियों का मूल्यांकन परिपक्वता आय के आधार पर किया जाता है तथा जहां पर आय की गणना क्रिसिल द्वारा प्रतिभूति को अल्पावधि वर्गीकृत करने के दिन पर उपलब्ध कराए गए बाजार मूल्य

पर किया जाता है। अगर प्रतिभूति को उसकी अल्पावधि समय के दौरान खरीदा गया है तो उसका मूल्यांकन परिपक्वता पर आय पद्धति का प्रयोग कर परिशोधित लागत पर किया जाता है। ऑप्शन विकल्प वाली प्रतिभूतियों के मामले में, इस प्रयोजन हेतु सबसे पहली कॉल ऑप्शन/पुट ऑप्शन वाली तारीख को परिपक्वता तारीख माना जाएगा। मनी मार्केट प्रतिभूतियों का परंपरागत लागत पर मूल्यांकन किया जाता है बशर्ते कि प्रीमियम का परिशोधन या आय पर छूट की वृद्धि परिपक्वता आधार पर आय से हो।

- सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का तुलनपत्र की तारीख को उचित मूल्य पर आकलन किया जाता है। उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुंबई (बीएसई) पर बाजार बंद होने के समय उपचय आखिरी मूल्य में से निचले मूल्य को शामिल किया जाता है। अगर एनएसई बाजार बंद मूल्य उपलब्ध नहीं है तो, सककेड्री एक्सचेंज अर्थात बीएसई लिमिटेड (बीएसई) का मूल्य लिया जाता है।
- असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों, इक्विटी संबद्ध लिखत एवं प्रिफरेंस शेयर को परंपरागत लागत आधार पर मापा जाता है।
- प्रतिभूति उधार देने और उधार लेने के मामले में (एसएलबी), उधार दिए गए इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन नीति के अनुसार किया जाता है जैसा ऊपर उल्लेख किया गया है।
- आईआरडीआई द्वारा यथा निर्दिष्ट 'इक्विटी' के तहत वर्गीकृत अतिरिक्त टियर-1 (बेसल-III अनुपालक) बेमियादी बॉण्ड का मूल्यांकन क्रिसिल से प्राप्त मूल्य के आधार पर किया जाता है।
- म्यूचुअल फंड यूनिटों में किए गए निवेशों का मूल्यांकन पिछले दिन के निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) पर किया जाता है।
- आरईआईटी/इनविट की इकाइयों में निवेश का बाजार मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है (अंतिम उद्धृत मूल्य 30 दिनों के बाद का नहीं होना चाहिए)। बाजार मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राथमिक एक्सचेंज यानी एनएसई पर समापन मूल्य पर विचार किया जाता है। अगर एनएसई क्लोजिंग प्राइस किसी सिक्क्योरिटी के लिए उपलब्ध नहीं है, तो वैल्यूएशन के लिए बीएसई क्लोजिंग प्राइस का इस्तेमाल किया जाता है। जहां पिछले 30 दिनों के लिए बाजार भाव उपलब्ध नहीं है, यूनिटों का मूल्यांकन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित इकाइयों के नवीनतम एनएवी (6 महीने से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार किया जाता है।

- उचित मूल्य में परिवर्तनों के कारण होने वाले अवसूल लाभों या हानियों को लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है।

3. ऋण/अग्रिम और उन पर प्रावधान:

3.1 भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों/निर्देशों के आधार पर ऋणों और अग्रिमों का वर्गीकरण निम्नानुसार अर्जक और अनर्जक के रूप में किया गया है:

- अगर ब्याज और/अथवा मूलधन की किस्त 90 दिनों से अधिक अवधि के लिए अतिदेय रहती है; तो सावधि ऋण को अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- ओवरड्राफ्ट या नकदी-ऋण अग्रिम के संबंध में खाता असंगत (आउट ऑफ ऑर्डर) रहने अर्थात् बकाया शेष राशि लगातार 90 दिनों की अवधि के लिए संस्वीकृत सीमा/आहरण अधिकार से अधिक हो जाने या तुलनपत्र की तिथि तक लगातार 90 दिनों तक किसी भी राशि को जमा नहीं किए जाने अथवा ये जमाराशियाँ उसी अवधि के दौरान देय ब्याज का भुगतान करने के लिए अपर्याप्त होने पर इन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है;
- क्रय किए गए/बट्टाकृत बिलों के संबंध में, बिल 90 दिनों की अवधि से अधिक अतिदेय रहने पर उन्हें अनर्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है;
- कृषि अग्रिमों के मामले में यदि (क) अल्पावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन की किस्त या ब्याज दो फसल-मौसमों के लिए अतिदेय रहते हैं एवं (ख) दीर्घावधि फसलों के लिए जहाँ मूलधन या ब्याज एक फसल मौसम के लिए अतिदेय रहते हैं, उन्हें अनर्जक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

3.2 अनर्जक अग्रिमों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर अवमानक, संदिग्ध और हानिप्रद आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है:

- अवमानक: कोई ऋण आस्ति, जो 12 महीनों या उससे कम अवधि के लिए अनर्जक है।
- संदिग्ध: कोई ऋण आस्ति, जो 12 महीनों की अवधि के लिए अवमानक रही है।
- हानिप्रद: कोई ऋण आस्ति, जिसमें हानि की पहचान की गई है, किंतु उस राशि को पूर्णतया बट्टे खाते नहीं डाला गया है।

3.3 विनियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान किए गए हैं और ये निम्नलिखित न्यूनतम प्रावधान मानदंड के अधीन हैं:

अवमानक आस्तियाँ:	i.	कुल बकाया पर 15% का सामान्य प्रावधान
	ii.	प्रारंभ से ही अप्रतिभूत ऋण जोखिमों के लिए 10% का अतिरिक्त प्रावधान (जहाँ प्रतिभूति की वसूली - मूल्य प्रारंभ से ही 10% से अधिक नहीं है)
	iii.	इन्फ्रास्ट्रक्चर अग्रिम खातों, जहाँ एस्क्रो खाते आदि जैसे कुछ बचाव उपाय उपलब्ध हैं, से संबंधित प्रतिभूति-रहित ऋण जोखिम - 20%

संदिग्ध आस्तियाँ:	
- प्रतिभूत हिस्सा	i. एक वर्ष तक - 25%
	ii. एक से तीन वर्ष - 40%
	iii. तीन वर्ष से अधिक - 100%
- अप्रतिभूत हिस्सा	100%
हानिप्रद आस्तियाँ:	
	100%

3.4 विदेश स्थित कार्यालयों के संबंध में, ऋण एवं अग्रिमों का वर्गीकरण एवं अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान, स्थानीय विनियमों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों इनमें से जो अधिक सख्त हों, के अनुसार किया गया है।

3.5 अग्रिमों में से विशिष्ट ऋण पर हानियों के लिए किए गए प्रावधानों, अप्राप्त ब्याज, भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) के प्राप्त दावों और बट्टाकृत बिलों को घटा दिया गया है।

3.6 पुनर्चित/पुनः निर्धारित आस्तियों के लिए प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए हैं, जिसके अनुरूप संबंधित ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान के अलावा पुनर्चना के पहले एवं बाद ऋण/अग्रिम के उचित मूल्य के अंतर के लिए भी प्रावधान किया जाता है। उपरोक्त मामलों में अंकित मूल्य में कमी एवं छोड़ दिए गए ब्याज के लिए यदि कोई अतिरिक्त प्रावधान किया जाता है, तो वह राशि अग्रिम से घटा दी जाती है।

3.7 अनर्जक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत ऋण खातों के मामले में, विनियामकों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप होने पर ही किसी खाते को अर्जक खाते के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है।

3.8 पूर्ववर्ती वर्षों में बट्टे खाते में डाले गए ऋणों के सापेक्ष वसूली गई राशि का निर्धारण वसूल किए गए वर्ष में आय के रूप में किया गया है।

3.9 अनर्जक आस्तियों पर विशिष्ट प्रावधान के अतिरिक्त मानक आस्तियों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार सामान्य प्रावधान भी किए गए हैं। ये प्रावधान तुलनपत्र की अनुसूची 5 के अन्य देयताएँ और प्रावधान- अन्य शीर्ष के अंतर्गत दिए गए हैं एवं निवल अनर्जक आस्तियों का निर्णय करने के लिए इनको संज्ञान में नहीं लिया जाता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

3.10 बैंक द्वारा विशिष्ट गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त प्रावधान भी किया जाता है।

3.11 अनर्जक आस्तियों में वसूली का समायोजन निम्नलिखित प्राथमिकता के अनुसार किया जाता है:

क. प्रभार, लागत, कमीशन आदि

ख. अप्राप्त ब्याज/ब्याज

ग. मूलधन

तथापि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के जरिए समझौता एवं समाधान/निपटान के मामलों में वसूलियों का समायोजन संबंधित समझौता/समाधान/निपटान की शर्तों के अनुसार किया जाता है। वाद दायर किए गए खातों में वसूली का समायोजन संबंधित न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है।

4. अस्थिर प्रावधान एवं प्रतिचक्रीय (काउंटर साइक्लिकल) प्रावधान बफर:

बैंक में अग्रिमों, निवेश तथा सामान्य प्रयोजनों हेतु अच्छे समय में प्रतिचक्रीय प्रावधान बफर तथा अस्थायी प्रावधानों के सृजन एवं उपयोग की नीति विद्यमान है। सृजन किए जाने वाले इन अस्थायी प्रावधान एवं प्रतिचक्रीय प्रावधान बफर की मात्रा का निर्धारण वित्त वर्ष के अंत में किया जाता है। प्रतिचक्रीय प्रावधानों का प्रयोग केवल नीति में निर्दिष्ट असाधारण परिस्थितियों में, भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्वानुमति से किया जाता है।

5. बैंकिंग इकाईयों के लिए देशवार ऋण-जोखिम के लिए प्रावधान:

आस्ति वर्गीकरण की स्थिति के अनुरूप किए गए विशिष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त पृथक देशवार ऋण जोखिम (निजी देश के अलावा) के लिए प्रावधान किए गए हैं। इन देशों का वर्गीकरण सात जोखिम श्रेणियों यथा - नगण्य, कम, सामान्य, अधिक, अत्यधिक, प्रतिबंधित एवं ऋण में शामिल न होने वाले वर्गों में किया गया है तथा यह प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि प्रत्येक देश से संबंधित बैंक का देशवार ऋण जोखिम (निवल) कुल निधिक आस्तियों के 1% से अधिक नहीं होता है, तो ऐसे देशवार ऋण जोखिम पर कोई प्रावधान नहीं रखा जाता है। इस प्रावधान को तुलनपत्र की अनुसूची 5 के अन्य देयताएं और प्रावधान - अन्य शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है।

6. डेरीवेटिव्स:

6.1 विदेशी मुद्रा ऑप्शन, ब्याज दर स्वेप, मुद्रा स्वेप, पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर स्वेप और तुलनपत्र से बाहर/बैलेंस शीट से इतर परिसंपत्तियों और देनदारियों को हेज करने के लिए या व्यापारिक उद्देश्यों के लिए बैंक द्वारा डेरीवेटिव करार किया जाता है। तुलनपत्र

की आस्तियों और देयताओं के लिए हेजिंग करने के प्रयोजन से निष्पादित की जाने वाली विनिमय संविदाएं इस प्रकार तैयार की जाती हैं कि तुलनपत्र की अंतर्निहित मद्दों का प्रभाव प्रतिकूल और प्रति संतुलनकारी हो। इन डेरीवेटिव लिखतों का प्रभाव अंतर्निहित आस्तियों के क्रय-विक्रय पर निर्भर करता है और इसे हेजिंग लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार हिसाब में लिया जाता है।

6.2 हेज के रूप में वर्गीकृत डेरीवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को संचय के आधार पर दर्ज किया गया है। हेज कॉन्ट्रैक्ट्स की गणना तब तक बाजार के बही मूल्य के अनुसार नहीं की जाती, जब तक कि अंतर्निहित आस्तियों/देयताएं बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित न की गई हों।

6.3 उपर्युक्त के सिवाय, सभी अन्य डेरीवेटिव संविदाएं उद्योग में प्रचलित सामान्यतया मान्य लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित की गई हैं। बाजार के बही मूल्य के अनुसार अंकित डेरीवेटिव संविदाओं के संबंध में बाजार मूल्य में परिवर्तनों को परिवर्तन की अवधि में लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। डेरीवेटिव संविदाओं के अंतर्गत प्राप्य राशि, जो 90 दिनों से अधिक समय के लिए अतिदेय रहती है, को लाभ और हानि खाते से उचंती खाता - क्रिस्टलाइज्ड रिसीवेबल्स में प्रतिवर्तित किया गया है। ऐसे मामलों में जहां डेरीवेटिव संविदाएं भविष्य में और अधिक निपटान के अवसर प्रदान करती हैं और यदि ये डेरीवेटिव संविदा के अतिदेय प्राप्य राशियाँ 90 दिनों से अधिक समय तक अदत्त रहने के कारण समाप्त न हो गई हो, तो भावी आगमों से संबंधित सकारात्मक एमटीएम को भी लाभ और हानि खाते से उचंती खाता - पॉजिटिव एमटीएम में प्रतिवर्तित किया जाता है।

6.4 संदत्त या प्राप्त ऑप्शन प्रीमियम को ऑप्शन अवधि की समाप्ति पर लाभ और हानि खाते में अंकित किया गया है। विक्रय किए गए ऑप्शनों पर प्राप्त प्रीमियम और क्रय किए गए ऑप्शनों पर संदत्त प्रीमियम की शेष राशि का फॉरेक्स ओवर द काउंटर (ओटीसी) ऑप्शनों के लिए बाजार मूल्य पर परिकलन करके बही में शामिल किया गया है।

6.5 सौदों के उद्देश्य से एक्सचेंज ट्रेडेड डेरीवेटिव्स में क्रय-विक्रय किए जाने वाले डेरीवेटिवों में किए गए निवेश को बाजार द्वारा दी गई प्रचलित बाजार दरों के अनुसार मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ तथा हानि को लाभ और हानि खाते में दर्शाया गया है।

7. अचल आस्तियाँ, मूल्यहास और परिशोधन:

7.1 अचल आस्तियों का अंकन लागत में से संचित मूल्यहास/परिशोधन घटाकर किया गया है। पुनर्मूल्यांकन की तारीख को संचित मूल्यहास घटाने के बाद उचित मूल्य होने के कारण पूर्ण स्वामित्व वाले परिसरों का अंकन पुनर्मूल्यांकित राशि पर किया गया है।

- 7.2 लागत में क्रय लागत तथा समस्त व्यय, जैसे कि स्थान की तैयारी, संस्थापन लागतें और आस्ति पर उसका उपयोग करने से पूर्व अदा की गई प्रोफेशनल फीस शामिल है। उपयोग की गई आस्तियों पर वहन किए गए अनुवर्ती व्यय/व्ययों को केवल तभी पूंजीकरण किया गया है, जब ये व्यय इन आस्तियों से होने वाले भावी लाभ को या इन आस्तियों की व्यावहारिक क्षमता को बढ़ाते हैं। देशी कार्यालयों की अचल आस्तियों का मूल्यहास आस्तियों की उपयोगिता अवधि के आधार पर निम्नानुसार सीधी रेखा पद्धति पर किया गया है:

क्र. सं.	अचल आस्तियों का विवरण	उपयोगिता अवधि
1	कंप्यूटर	3 वर्ष
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग है	3 वर्ष
3	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जो कंप्यूटर हार्डवेयर का अभिन्न अंग नहीं है और सॉफ्टवेयर विकसित करने का खर्च	3 वर्ष
4	ऑटोमेटेड टैलर मशीन/कैश डिपॉजिट मशीन/ क्राइन डिस्पेंसर/क्राइन वेंडिंग मशीन	5 वर्ष
5	सर्वर	4 वर्ष
6	नेटवर्क उपकरण	5 वर्ष
7	अन्य प्रमुख अचल आस्तियां:	
	परिसर	60 वर्ष
	सुरक्षित जमा लॉकर	20 वर्ष
	फर्नीचर व फिक्सचर	10 वर्ष
	एयर कंडीशनर	8 वर्ष
	वाहन	5 वर्ष

- 7.3 वर्ष के दौरान देशी परिचालनों से प्राप्त आस्तियों के संबंध में मूल्यहास वर्ष में आस्ति का उपयोग करने के दिनों के अनुपात के आधार पर प्रभारित किया गया है।
- 7.4 आस्तियाँ जिनमें से प्रत्येक का मूल्य ₹1000 से कम था, उन्हें क्रय वर्ष में ही बट्टे खाते में डाल दिया गया है।
- 7.5 पट्टाकृत परिसरों से संबद्ध पट्टा प्रीमियम, यदि कोई हो तो, को पट्टा अवधि में (परिसर एवं बेमियादी पट्टे पर भूमि को छोड़कर) परिशोधित किया गया है और परिचालन पट्टे पर ली गई आस्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे की अवधि में सीधी रेखा आधार पर लाभ एवं हानि खाते में व्यय के रूप में हिसाब में लिया गया है।
- 7.6 विदेश स्थित कार्यालयों की अचल आस्तियों पर मूल्यहास का प्रावधान संबंधित देशों के स्थानीय विनियमों/मानदंडों के अनुसार किया गया है।
- 7.7 बैंक प्रत्येक तीन वर्षों में पूर्ण स्वामित्व की अचल आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन करता है। पुनर्मूल्यांकन के कारण आस्ति के निवल बही मूल्य में वृद्धि को पुनर्मूल्यांकन आरक्षित खाते में जमा किया

जाता है। इन्हें लाभ और हानि खाते में नहीं दिखाया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्ति के मूल्यहास को लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित किया जाता है और पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों से अन्य राजस्व आरक्षित को विनियोजित किया जाता है। पुनर्मूल्यांकित आस्तियों पर मूल्यहास पुनर्मूल्यांकन के समय यथामूल्यांकित आस्तियों की शेष उपयोगी अवधि पर किया जाता है।

8. पट्टे:

ऊपर पैरा 3 में निर्धारित किए गए अनुसार आस्ति वर्गीकरण और अग्रिमों के लिए लागू प्रावधानीकरण मानदंड वित्तीय पट्टों पर भी लागू हैं।

9. आस्तियों के मूल्य में कमी:

जब कभी घटनाएँ अथवा स्थितियों में परिवर्तन यह संकेत देते हैं कि किसी आस्ति की उचित राशि की वसूली होना संभव नहीं है, तो ऐसी स्थिति में अचल आस्तियों के मूल्य में आई कमी की समीक्षा की जाती है। धारित और प्रयुक्त आस्तियों की वसूली हो पाएगी या नहीं इसे मापने के लिए आस्ति की उचित राशि की तुलना आस्ति द्वारा अपेक्षित भविष्यगत निवल बट्टाकृत नकदी प्रवाह से करके ज्ञात की जाती है। यदि ऐसी आस्तियों को अपसामान्यता के योग्य पाया जाता है, तो अपसामान्यता का माप उस राशि के आधार पर किया जाता है, जो आस्ति की उचित राशि और उसके उचित मूल्य के बीच का अंतर होता है।

10. विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का प्रभाव:

10.1 विदेशी मुद्रा लेनदेन:

- विदेशी मुद्रा लेनदेन को प्रारंभिक निर्धारण पर सूचित मुद्रा में रिकॉर्ड किया जाता है तथा इसके लिए लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि का प्रयोग किया जाता है।
- विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों को भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (एफईडीआई) द्वारा अधिसूचित अंतिम (फॉरवर्ड/स्पॉट) दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मदों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आकस्मिक देयताओं की सूचना एफईडीआई की अंतिम स्पॉट रेट का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।
- व्यवसाय के लिए रखी गई बकाया विदेशी मुद्रा स्पॉट एवं फॉरवर्ड संविदाओं को इनकी निर्धारित परिपक्वता के लिए एफईडीआई द्वारा अधिसूचित मुद्रा विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है और परिणामी लाभ या हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

- vi. वह विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड संविदाएं, जो व्यवसाय के लिए अपेक्षित नहीं हैं और तुलनपत्र की तिथि को बकाया हैं, को क्लोजिंग स्पॉट दर पर पुनः मूल्यांकन किया जाता है। ऐसी फॉरवर्ड एक्सचेंज संविदा के प्रारंभ से उत्पन्न प्रीमियम या बट्टे को संविदा की परिपक्वता अवधि के व्यय या आय के रूप में परिशोधित किया गया है।
- vii. आरंभ में दर्ज की गई दरों से भिन्न दरों पर मौद्रिक मर्दों के निपटान से उत्पन्न विनिमय अंतर राशियों को उसी अवधि की आय या व्यय के रूप में निर्धारित किया गया है, जिसमें ये अंतर उत्पन्न हुआ है।
- viii. मुद्रा वायदा व्यापार में विदेशी मुद्रा दरों की खुली स्थिति में हुए परिवर्तनों के कारण हुए लाभ/हानि को विदेशी मुद्रा समाशोधन गृह से प्रतिदिन निर्धारित किया जाता है और इस लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है।

10.2 विदेशी परिचालन:

बैंक की विदेश स्थित शाखाओं और ओवरसीज बैंकिंग इकाइयों (ओबीयू) को गैर-समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और प्रतिनिधि कार्यालयों को समाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क. गैर-समाकलित परिचालन:

- i. गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक और गैर-मौद्रिक दोनों विदेशी मुद्रा आस्तियों एवं देयताओं तथा आकस्मिक देयताओं को तुलनपत्र तिथि को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों पर रूपांतरित किया गया है।
- ii. गैर समाकलित विदेशी परिचालनों की आय एवं व्यय को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित तिमाही की औसत अंतिम दर पर परिवर्तित किया गया है।
- iii. निवेश का निपटान होने तक असमाकलित विदेशी परिचालनों से उद्भूत विनिमय अंतर- राशियों का संचयन विदेशी मुद्रा रूपांतरण आरक्षिति में किया गया है।
- iv. विदेशी कार्यालयों की विदेशी मुद्रा में आस्तियां और देयताएं (विदेश स्थित कार्यालयों की स्थानीय मुद्रा के अलावा) तुलनपत्र की तिथि उस देश पर लागू हाजिर दर का प्रयोग करते हुए स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित किया गया है।

ख. समाकलन परिचालन:

- i. विदेशी मुद्रा लेनदेन को प्रारंभिक निर्धारण पर सूचित मुद्रा में रिकॉर्ड किया जाता है तथा इसके लिए लेनदेन की तिथि को सूचित मुद्रा एवं विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर की विदेशी मुद्रा राशि का प्रयोग किया जाता है।
- ii. समाकलित विदेशी परिचालनों की मौद्रिक विदेशी मुद्रा आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तिथि को एफईडीआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों (हाजिर/वायदा) पर रूपांतरित किया गया है और परिणामी लाभ/हानि को लाभ और हानि खाते में शामिल किया गया है। आकस्मिक देयताएं हाजिर (स्पॉट) दर पर रूपांतरित की गई हैं।
- iii. विदेशी मुद्रा गैर मौद्रिक मर्दों, जो अवधिगत लागत के आधार पर ली गई हैं, को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित मुद्रा विनिमय दरों का प्रयोग करके रिपोर्ट की जाती है।

11. कर्मचारी हितलाभ:

11.1 अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ:

अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ यथा चिकित्सा हितलाभ, जिसको कि कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा के विनिमय में प्रदान किया जाना अपेक्षित है, ऐसे अल्पावधि कर्मचारी हितलाभों की गैर-बट्टाकृत राशियों को कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा अवधि के दौरान हिसाब में लिया जाता है।

11.2 दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

i. नियत हितलाभ योजनाएं:

- क. भारतीय स्टेट बैंक भविष्य निधि योजना का परिचालन करता है। सभी पात्र कर्मचारी बैंक की भविष्य निधि योजना के अंतर्गत ये हितलाभ प्राप्त करने के हकदार हैं। बैंक निर्धारित दर पर (वर्तमान समय में कर्मचारियों के मूल वेतन एवं पात्र-भत्ते का 10%) मासिक अंशदान करता है। इन अंशदान को, इस उद्देश्य के लिए स्थापित न्यास को प्रेषित कर दिया जाता है तथा इसे लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है। बैंक इस प्रकार के वार्षिक अंशदानों और उस पर ब्याज को संबंधित वर्ष के संदर्भ में व्यय मानता है। यदि कोई कमी हो, तो बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर उसका प्रावधान किया जाता है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड भविष्य निधि में योगदान करती है। भविष्य निधि का संचालन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। योजनाओं के अधीन संदत्त या संदेय अभिदाय उस अवधि के दौरान लाभ और हानि खाते में प्रभावित किया जाता है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, वैधानिक दर के अनुसार ब्याज देयता की तुलना में अंशदान पर देय ब्याज पर देय ब्याज की कमी को मान्यता देने के लिए एक स्वतंत्र लेखा द्वारा वार्षिक आधार पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है।

- ख. समूह की इकाइयां अलग-अलग ग्रेच्युटी योजनाएं संचालित करती हैं, जो परिभाषित लाभ योजनाएं हैं। समूह की संस्थाएं सभी पात्र कर्मचारियों को ग्रेच्युटी प्रदान करती हैं। यह लाभ सांविधिक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित सीमा के अध्यक्षीन सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए देय 15 दिनों के मूल वेतन के समतुल्य सेवा समाप्ति पर अथवा रोजगार समाप्त होने पर निहित कर्मचारियों को एकमुश्त भुगतान के रूप में है। पांच वर्ष की सेवा पूरी होने पर वेस्टिंग होती है। एसबीआई वार्षिक किए गए एक स्वतंत्र बाहरी बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित फंड में आवधिक योगदान देता है।
- ग. बैंक सभी पात्र कर्मचारियों को पेंशन प्रदान करता है। यह हितलाभ नियमानुसार मासिक भुगतान के रूप में प्रदान किया जाता है और यह भुगतान कर्मचारियों को नियमानुसार उनकी सेवानिवृत्ति, नौकरी के दौरान मृत्यु होने या नौकरी की समाप्ति पर किया जाता है। यह हितलाभ नियमों के अनुसार विभिन्न चरणों में प्राप्त होता है। बैंक एसबीआई पेंशन निधि नियमों के अनुसार पेंशन निधि में वेतन के 10% का मासिक अंशदान करता है। पेंशन-देयता की गणना वार्षिक स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यन के आधार पर की जाती है और बैंक आवश्यक होने पर पेंशन विनियमों के अंतर्गत हितलाभों के भुगतान को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक आधार पर इस निधि में अतिरिक्त अंशदान करता है।
- घ. नियत हितलाभ प्रदान करने संबंधी लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि पर बीमांकिक मूल्यन के आधार पर अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। बीमांकिक लाभ/हानि को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और

उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

ii. नियत अंशदान योजना:

बैंक ने 01 अगस्त 2010 को या उसके बाद बैंक में नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक नई पेंशन योजना लागू की है, जो एक नियत अंशदान योजना है और ऐसे नए कर्मचारी बैंक की वर्तमान पेंशन योजना के सदस्य बनने के पात्र नहीं हैं। इस योजना के अनुसार, कवर किए गए कर्मचारी इस योजना में अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% योगदान करते हैं, साथ ही एसबीआई का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 14% है। संबंधित कर्मचारियों की पंजीकरण प्रक्रियाओं के पूरा होने तक, इन अंशदानों को भारतीय स्टेट बैंक में जमा राशियों के रूप में रखा जाता है और भविष्य निधि शेष के चालू खाते की दर पर ही ब्याज अर्जित किया जाता है। एसबीआई ऐसे वार्षिक योगदान और ब्याज को उस वर्ष में व्यय के रूप में मान्यता देता है जिससे वे संबंधित हैं। स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन) प्राप्त होने पर, समेकित योगदान राशि एनपीएस ट्रस्ट को हस्तांतरित कर दी जाती है।

iii. अन्य दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ:

- क. बैंक का प्रत्येक पात्र कर्मचारी प्रतिपूरित अनुपस्थिति, रजत जयंती सम्मान और अवकाश यात्रा-रियायत, सेवानिवृत्ति लाभ और पुनर्वासन भत्ते का पात्र होता है। इस प्रकार के दीर्घावधि कर्मचारी हितलाभ की लागत के लिए निधि बैंक द्वारा आंतरिक स्रोत से उपलब्ध कराई जाती है।
- ख. अन्य दीर्घावधि हितलाभ के प्रावधान की लागत का निर्धारण प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि को बीमांकिक मूल्यन की अनुमानित यूनिट ऋण पद्धति के प्रयोग से किया जाता है। पूर्ववर्ती सेवा लागत को लाभ और हानि में तुरंत शामिल कर दिया जाता है और उन्हें आस्थगित नहीं किया जाता है।

11.3 विदेश स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के कर्मचारी हितों को संबंधित देशों के स्थानीय कानूनों/विनियमों के अनुसार मूल्यांकित एवं लेखांकित किया जाता है।

12. सेगमेंट रिपोर्टिंग:

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक 17 के अनुसार व्यवसाय खंड को प्राथमिक रिपोर्ट सेगमेंट तथा भौगोलिक सेगमेंट को द्वितीयक रिपोर्टिंग सेगमेंट के रूप में मानता है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित लाभ हानि खाता का अभिन्न भाग है

13. आय पर कर:

समूह द्वारा वहन किए गए वर्तमान कर, आस्थगित कर और अनुषंगी लाभ कर व्यय की कुल राशि आयकर व्यय होती है। चालू वर्ष के कर तथा आस्थगित कर का निर्धारण आयकर अधिनियम 1961 तथा लेखा मानक 22, जो 'आय पर कर का लेखांकन' से संबंधित है, के अनुसार किया जाता है और ऐसा करते समय विदेश स्थित कार्यालयों द्वारा संबंधित देशों के कर नियमों के अनुसार भुगतान किए गए कर को भी शामिल किया जाता है। आस्थगित कर समायोजनों में वर्ष के दौरान आस्थगित कर आस्तियों या देयताओं में हुए परिवर्तन भी समाविष्ट हैं। आस्थगित कर-आस्तियों और देयताओं का आकलन वर्तमान वर्ष की कर योग्य आय और लेखा आय तथा अग्रणीत हानि के बीच के अवधिगत अंतर के प्रभाव पर विचार करते हुए किया गया है। आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं को तुलनपत्र की तारीख को लागू या बाद में लागू कर दरों और कर नियमों द्वारा मापा जाता है।

आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं में हुए परिवर्तन का प्रभाव लाभ और हानि खाते में प्रकट किया जाता है। क्या आस्थगित कर आस्तियों की वसूली निश्चित है, इस बारे में प्रबंधन के निर्णय के आधार पर उनको प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को हिसाब में लिया जाता है और उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। अग्रणीत आस्थगित कर आस्तियों को गैर-आमेलित मूल्यहास और कर घाटा के रूप में तभी माना जाता है, जब यह निश्चित रूप से प्रमाण द्वारा समर्थित हो कि इस तरह की आस्थगित कर संपत्ति को भविष्य के लाभ के रूप में वसूल किया जा सकता है।

समेकित वित्तीय विवरण में, आयकर व्यय, उनके लागू कानूनों के अनुसार, मूल कंपनी और उसकी अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित कर व्यय की कुल राशि है।

14. प्रति शेयर आय:

14.1 बैंक आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक - 20 प्रति शेयर आय के अनुसार प्रति शेयर मूल और कम हुई आय सूचित करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना ईक्विटी शेयरधारकों को प्राप्त उस वर्ष के कर पश्चात निवल लाभ को उस वर्ष के लिए शेष ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

14.2 कम की हुई प्रति शेयर आय से वह संभावित कमी सूचित होती है, जो ईक्विटी शेयरों को जारी करने हेतु प्रतिभूतियों अथवा अन्य संविदाओं को वर्ष के दौरान जारी करने या संपरिवर्तित करने पर घटती है। कम की हुई प्रति शेयर आय की गणना ईक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और कम संभावना वाले ईक्विटी शेयरों के बीच तुलना करके की जाती है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां:

15.1 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के द्वारा जारी लेखा मानक 29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियों के अनुरूप बैंक प्रावधान को तभी मानता है, जब उसमें पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व उत्पन्न हुआ हो और इससे देयता की पूर्ति करने के लिए आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का संभावित बहिर्गमन हो तथा जब देयता की राशि का सही आकलन किया जा सके।

15.2 निम्नलिखित के लिए किसी प्रावधान का समावेश नहीं किया गया है:

- पिछले परिणामों से उत्पन्न किसी संभावित दायित्व के लिए और बैंक के नियंत्रण से बाहर होने वाले एक या अधिक अनिश्चित भावी परिणामों की प्राप्ति या अप्राप्ति से जिसकी पुष्टि की जा सकेगी, अथवा
- किसी वर्तमान दायित्व के लिए, जो पिछले परिणामों से उत्पन्न हुआ है, किंतु उसे संज्ञान में नहीं लिया गया है, क्योंकि:
 - यह संभव नहीं है कि दायित्व की पूर्ति हेतु आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों का बहिर्गमन आवश्यक होगा, अथवा
 - दायित्व की पूर्ति हेतु राशि का सही आकलन नहीं किया जा सकता।

ऐसे दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया गया है। इन दायित्वों का मूल्यांकन नियमित अंतरालों पर किया जाता है। केवल उन अपवादात्मक परिस्थितियों जहां, कोई सही आकलन नहीं किया जा सकता, को छोड़कर ऐसे दायित्व के केवल उस अंश के लिए प्रावधान किया जाता है, जिसके आर्थिक लाभों से जुड़े संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना है।

15.3 एसबीआई के एंटरप्राइज वाइड लॉयल्टी प्रोग्राम के संबंध में रिवॉइ प्वाइंट्स का प्रावधान एक्चुरियल अनुमानों के आधार पर किया जा रहा है।

15.4 जब किसी संविदा से बैंक द्वारा प्राप्त किए जाने वाले अपेक्षित लाभ, उस संविदा के अधीन भावी दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं तो अवधिक संविदाओं के लिए उपबंध मान्य होते हैं। प्रावधान राशि का निर्धारण संविदा को समाप्त करने के संभावित न्यूनतम व्यय के वर्तमान मूल्य एवं संविदा को जारी रखने के संभावित निवल व्यय पर किया जाता है। प्रावधान की राशि का निर्धारण करने से पूर्व बैंक द्वारा संविदा से जुड़ी आस्तियों पर नुकसान को हिसाब में लिया जाता है।

15.5 आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणों में शामिल नहीं किया गया है।

16. सर्राफा लेनदेन:

बैंक अपने ग्राहकों को बेचने के लिए परेषण आधार पर बहुमूल्य धातुओं की छड़ों समेत सर्राफा का आयात करता है। ये आयात सामान्यता दुतरफा आधार पर होते हैं और ग्राहकों के लिए इनकी कीमत आपूर्तिकर्ता द्वारा मांगी गई कीमत के आधार पर तय होती है। बैंक इस तरह के सर्राफा लेनदेन पर शुल्क के रूप में आय प्राप्त करता है। इस शुल्क की गणना कमीशन आय के अंतर्गत होती है। बैंक द्वारा सोना जमा किया जाता है और इस पर उधार भी देता है, जिसे जमा/अग्रिम (जो भी हो) माना जाता है। इसमें भुगतान किए गए/प्राप्त ब्याज को ब्याज व्यय/आय के रूप में श्रेणीबद्ध किया जाता है। स्वर्ण जमा, धातु ऋण अग्रिम तथा अंतिम स्वर्ण शेष को तुलन-पत्र की तिथि पर उपलब्ध बाजार दर पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

17. विशेष आरक्षित निधियां:

राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(i) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि भी शामिल है। बैंक के निदेशक मंडल ने एक संकल्प पारित कर इस आरक्षित निधि के सृजन के लिए अनुमोदन किया है और यह भी पुष्टि की है कि उसका इस विशेष आरक्षित निधि से आहरण करने की कोई मंशा नहीं है।

18. शेयर निर्गम व्यय:

शेयर निर्गम व्ययों हेतु शेयर प्रीमियम खाते को प्रभारित किया जाता है।

19. नकद एवं नकद समतुल्य:

नकद एवं नकद समतुल्य में भारतीय रिजर्व बैंक के पास का नकद एवं शेष, बैंकों में शेष तथा मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय धन शामिल है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

अनुसूची 18 - लेखा टिप्पणियां:

1. समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में शामिल अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों/सहयोगियों की सूची:

1.1 समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु शामिल की गई 26 अनुषंगियों, 7 संयुक्त उद्यम एवं 19 सहयोगियों जिनमें वर्ष के दौरान विलय/एक्जिट की संबंधित तिथियों से/तक (जो मुख्य संस्था भारतीय स्टेट बैंक के साथ समूह बनाते हैं) 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शामिल हैं, का विवरण निम्नानुसार है:

अ) अनुषंगियां:

क्रमांक सहायक का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
2) एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
3) एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
4) एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
5) एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	भारत	72.17	72.17
6) एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
7) एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड (25.07.2023 से)	भारत	100.00	-
8) एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
9) एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड *	भारत	74.00	74.00
10) एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	92.44	92.51
11) स्टेट बैंक ऑपरेशन्स सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
12) एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	55.42	55.45
13) एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	69.11	69.95
14) एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	68.63	68.98
15) एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्रा. लिमिटेड *	भारत	65.00	65.00
16) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड *	भारत	62.21	62.53
17) एसबीआई फंड मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड *	मॉरीशस	62.21	62.53
18) कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	रूस	100.00	100.00
19) एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	100.00	100.00
20) भारतीय स्टेट बैंक (कैलीफोर्निया)	अमेरिका	100.00	100.00
21) भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	यूके	100.00	100.00
22) भारतीय स्टेट बैंक सर्विकोस लिमिटाडा	ब्राजील	100.00	100.00
23) एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मॉरीशस	96.60	96.60
24) पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	99.56	99.56
25) नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	55.00	55.00
26) नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड	नेपाल	55.00	55.00

@ उन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है जो शेयरधारकों के समझौते के अनुसार संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं हैं। हालाँकि, इन्हें सहायक कंपनियों के रूप में एस 21 समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार समेकित किया जाता है क्योंकि इन कंपनियों में एसबीआई की हिस्सेदारी 50% से अधिक है।

ब) संयुक्त उद्यम:

क्रमांक	संयुक्त उद्यम का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1)	सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	भारत	49.00	49.00
2)	एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	भारत	45.00	45.00
3)	एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	45.00	45.00
4)	मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई. लिमिटेड	सिंगापुर	45.00	45.00
5)	मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड	बरमुडा	45.00	45.00
6)	ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50.00	50.00
7)	ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50.00	50.00

स) सहयोगी:

क्रमांक	सहयोगी का नाम	निगमन देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1)	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35.00	35.00
2)	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
3)	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
4)	एलावई देहाती बैंक	भारत	35.00	35.00
5)	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
6)	मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
7)	मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
8)	नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
9)	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
10)	उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
11)	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
12)	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
13)	राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
14)	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35.00	35.00
15)	भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड	भारत	20.05	20.05
16)	यस बैंक लिमिटेड	भारत	26.13	26.14
17)	बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	भूटान	20.00	20.00
18)	इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	भारत	19.70	19.70
19)	जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड	भारत	22.75	23.02

क) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, एसबीआई ने एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी) से निम्नलिखित समूह कंपनियों में हिस्सेदारी हासिल की है:

- 229.52 करोड़ रुपए में एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई की अनुषंगी) में 20% हिस्सेदारी।
- 708.07 करोड़ रुपए में एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की अनुषंगी) में 100% हिस्सेदारी।

उपरोक्त लेन-देन के बाद एसबीआई समूह की हिस्सेदारी समान बनी हुई है।

ख) एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड को 25 जुलाई 2023 को बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया है और 3 अगस्त 2023 को बैंक ने 0.10 करोड़ की पूंजी लगाई है। कंपनी कॉर्पोरेट डेट मार्केट डेवलपमेंट फंड (सीडीएमडीएफ) को ट्रस्टीशिप सेवाएं प्रदान करेगी।

ग) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, एसबीआई ने एसबीआई की अनुषंगी कंपनी एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में 489.67 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजी लगाई है। इसके अलावा, सहायक कंपनी ने अपने पात्र कर्मचारियों को कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत 10 रुपए प्रति शेयर के 27,80,701 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। परिणामस्वरूप, एसबीआई की हिस्सेदारी 69.95% से घटकर 69.11% हो गई है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

- घ) अनुमोदित कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत विकल्पों के प्रयोग के अनुसरण में, निम्नलिखित समूह संस्थाओं ने अपने पात्र कर्मचारियों को इक्विटी शेयर जारी किए हैं:
- एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 10 प्रति शेयर के 48,94,130 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई कार्ग्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 68.98% से घटकर 68.63% हो गई है।
 - एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 10 प्रति शेयर के 5,70,706 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 55.45% से घटकर 55.42% हो गई है।
 - एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 1 प्रति शेयर के 26,15,829 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। नतीजतन, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 62.53% से घटकर 62.21% हो गई है और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड में एसबीआई समूह की हिस्सेदारी 62.53% और 92.51% से घटकर क्रमशः 62.21% और 92.44% हो गई है।
 - यस बैंक लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹2 के 1,31,06,772 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। नतीजतन, यस बैंक लिमिटेड में एसबीआई की हिस्सेदारी 26.14% से घटकर 26.13% हो गई है।
- ङ) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, एसबीआई ने अपने द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में अतिरिक्त पूंजी डाली है:

विवरण	(₹ करोड़ में)
राशि	
अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	0.12
एलाक्काई देहाती बैंक	26.30
झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	7.90
मध्यांचल ग्रामीण बैंक	22.94
मिजोरम ग्रामीण बैंक	2.89
नागालैंड ग्रामीण बैंक	0.82
उत्कल ग्रामीण बैंक	10.29
उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	10.90
कुल	82.16

उपरोक्त पूंजी निवेश के बाद भी एसबीआई समूह की हिस्सेदारी समान बनी हुई है।

- च) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, एसबीआई की सहयोगी कंपनी जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने अपने इक्विटी शेयरों का राइट इश्यू पेश किया है, जिसमें एसबीआई ने भाग नहीं लिया। परिणामस्वरूप, उक्त सहयोगी बैंक में एसबीआई की हिस्सेदारी 23.02% से घटकर 22.75% रह गई है।
- छ) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआई की अनुषंगी कंपनी) ने 7 फरवरी 2024 को गिफ्ट सिटी- गांधीनगर में एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड नाम से एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी शामिल की है। 31 मार्च 2024 तक, 'फंड मैनेजमेंट एंटीटी' (एफएमई) के रूप में कारोबार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) से लाइसेंस अनुमोदन प्रक्रिया में है। अनुमोदन के बाद, सहायक कंपनी में पूंजी डाली जाएगी और एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों में इसे समूह की अनुषंगी माना जाएगा।
- ज) एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी और एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड, एक सहयोगी कंपनी जिसमें समूह की 26% हिस्सेदारी है, परिसमापन के अधीन हैं और इसलिए, लेखांकन मानक 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी में समेकन के लिए विचार नहीं किया जा रहा है।
- झ) चूंकि एसबीआई फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी कंपनी है कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 7 (2) के तहत निर्गमित), एसबीआई फाउंडेशन को लेखा मानक 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में समेकन के लिए विचार नहीं किया जा रहा है।
- 1.2 समूह के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए समेकित वित्तीय विवरणों में एक अनुषंगी कंपनी (एसबीआई कनाडा बैंक) और एक सहयोगी (बैंक ऑफ भूतान लिमिटेड) के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण शामिल हैं, जिनके परिणाम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

2. लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण

2.1 लेखा मानक 5- अवधि के लिए निवल लाभ या हानि, पूर्व अवधि की मदे और लेखा नीतियों में परिवर्तन

- वर्ष के दौरान, महत्वपूर्ण पूर्व अवधि आय/व्यय के मद नहीं थे।
- 2023-2024 के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण लेखा नीतियों में पिछले वित्तीय वर्ष 2022-2023 की तुलना में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

2.2 लेखा मानक- 15 कर्मचारी हित लाभ:

2.2.1 परिभाषित हित लाभ योजनाएं

2.2.1.1 कर्मचारी पेंशन योजना और उपदान योजनाएं

निम्नलिखित तालिका एस 15 (संशोधित 2005) के तहत आवश्यक नियत हित लाभ पेंशन योजनाओं और उपदान योजना की स्थिति निर्धारित करती है: (₹ करोड़ में)

विवरण	पेंशन योजनाएं		उपदान योजनाएं	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन				
1 अप्रैल को आरंभिक नियत हित लाभ दायित्व	1,56,966.26	1,46,124.99	12,759.77	13,035.01
वर्तमान सेवा लागत	956.93	972.83	510.49	499.72
ब्याज लागत	11,537.02	10,740.19	953.63	943.85
पिछली सेवा लागत (निहित लाभ)	7,100.00	-	8.48	-
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	-	-	-	(0.27)
बीमांकिक हानि/(लाभ)	26,225.01	9,824.44	596.59	66.56
भुगतान किया गया लाभ	(5,165.42)	(4,848.06)	(1,559.11)	(1,785.10)
एसबीआई द्वारा प्रत्यक्ष भुगतान	(6,674.84)	(5,848.13)	-	-
31 मार्च को अंतिम नियत लाभ दायित्व	1,90,944.96	1,56,966.26	13,269.85	12,759.77
योजना आस्तियों में परिवर्तन				
1 अप्रैल को योजनागत आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	1,33,148.54	1,30,590.73	11,397.87	11,222.46
योजना आस्तियों पर संभावित लाभ	9,786.42	9,598.42	852.08	812.65
नियोक्ता द्वारा अंशदान	7,634.52	2,171.59	1,407.55	1,486.86
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	-	0.10	0.09	-
भुगतान किया गया लाभ	(5,165.42)	(4,848.06)	(1,559.11)	(1,785.10)
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	6,239.91	(4,364.24)	458.61	(339.00)
31 मार्च को योजनागत आस्तियों का अंतिम उचित मूल्य	1,51,643.97	1,33,148.54	12,557.09	11,397.87
दायित्व के वर्तमान मूल्य और योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का मिलान				
वर्ष के अंत में वित्तपोषित दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,90,944.96	1,56,966.26	13,269.85	12,759.77
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,51,643.97	1,33,148.54	12,557.09	11,397.87
घाटा/(अधिशेष)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90
अज्ञात पिछली सेवा लागत (निहित) समापन शेष	-	-	-	-
गैर मान्यता प्राप्त संक्रमणकालीन देयता समापन शेष	-	-	-	-
निवल देयता/(परिसंपत्ति)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

विवरण	पेंशन योजनाएं		उपादान योजनाएं	
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि				
देयताएँ	1,90,944.96	1,56,966.26	13,269.85	12,759.77
आस्तियाँ	1,51,643.97	1,33,148.54	12,557.09	11,397.87
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90
गैर-मान्यताप्राप्त पिछली सेवा लागत (निहित) समापन शेष	-	-	-	-
गैर-मान्यता प्राप्त संक्रमणकालीन देयता समापन शेष	-	-	-	-
निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत				
वर्तमान सेवा लागत	956.93	972.83	510.49	499.72
ब्याज लागत	11,537.02	10,740.19	953.63	943.85
योजनागत आस्तियों पर संभावित लाभ	(9,786.42)	(9,598.42)	(852.08)	(812.65)
कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	-	(0.10)	(0.09)	-
पिछली सेवा लागत (परिशोधन) मान्यता प्राप्त	-	-	-	-
पिछली सेवा लागत (निहित लाभ) मान्यता प्राप्त	7,100.00	-	8.48	-
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त निवल बीमांकिक हानियाँ/(लाभ)	19,985.10	14,188.68	137.98	405.56
अनुसूची 16 में शामिल नियत लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	29,792.63	16,303.18	758.41	1,036.48
प्रत्याशित प्रतिलाभ और योजनागत आस्तियों पर वास्तविक लाभ का मिलान				
योजनागत आस्तियों पर संभावित लाभ	9,786.42	9,598.42	852.08	812.65
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	6,239.91	(4,364.24)	458.61	(339.00)
योजनागत आस्तियों पर वास्तविक लाभ	16,026.33	5,234.18	1,310.69	473.65
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति) के आरंभिक व अधिशेष का समाधान				
1 अप्रैल के अनुसार निवल प्रारंभिक देयता/ (आस्ति)	23,817.72	15,534.26	1,361.90	1,812.55
लाभ एवं हानि खाते में शामिल व्यय	29,792.63	16,303.18	758.41	1,036.48
एसबीआई द्वारा सीधे भुगतान किया गया	(6,674.84)	(5,848.13)	-	-
अन्य प्रावधान के लिए नामे डाला गया	-	-	-	-
आरक्षित निधियों में शामिल	-	-	-	-
निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित देयता	-	-	-	(0.27)
नियोक्ता का अंशदान	(7,634.52)	(2,171.59)	(1,407.55)	(1,486.86)
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता/(आस्ति)	39,300.99	23,817.72	712.76	1,361.90

31 मार्च 2024 को उपदान निधि और पेंशन निधि की योजनागत आस्ति के तहत किए गए निवेश इस प्रकार हैं:

आस्ति की श्रेणी	पेंशन फंड	ग्रेच्युटी फंड
	योजनागत आस्ति का %	योजनागत आस्ति का %
केंद्र सरकार प्रतिभूति	13.82%	14.74%
राज्य सरकार प्रतिभूति	36.25%	33.11%
ऋण प्रतिभूतियां, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियां और बैंक जमाराशियाँ	28.36%	25.27%
ईटीएफ और म्यूचुअल फंड	15.06%	12.78%
बीमाकर्ता प्रबंधित फंड	1.10%	13.04%
अन्य	5.41%	1.06%
कुल	100.00%	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन:

विवरण	पेंशन योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.23%	7.53%
योजना आस्ति पर प्रत्याशित प्रतिलाभ दर	7.23%	7.53%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पेंशन वृद्धि दर	2.00%	2.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

विवरण	ग्रेच्युटी योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
योजना आस्ति पर प्रत्याशित प्रतिलाभ दर	7.21%	7.48%
वेतन वृद्धि दर	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

अगले वर्ष के लिए पेंशन और उपदान निधि में अपेक्षित अंशदान क्रमशः ₹8,250.00 करोड़ और ₹745.92 करोड़ है।

एसबीआई के मामले में, योजना आस्तियों को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त प्रतिलाभ के आधार पर विपणन हेतु चिह्नित किया गया है, अपेक्षित दर को बढ़ा दर के समान रखा गया है।

बीमांकिक मूल्यांकन में शामिल भविष्य के वेतन वृद्धि के अनुमान मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति और मांग जैसे अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखते हैं। इस तरह के अनुमान बहुत लंबी अवधि के हैं और सीमित अतीत के अनुभव/तत्काल भविष्य पर आधारित नहीं हैं। अनुभवजन्य साक्ष्य यह भी बताते हैं कि बहुत लंबी अवधि में, लगातार उच्च वेतन वृद्धि दर संभव नहीं है। उक्त अनुमानों और आकलन पर लेखा परीक्षकों ने विश्वास किया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.2.1.2 कर्मचारी भविष्य निधि

भविष्य निधि ट्रस्ट में ब्याज की कमी के संबंध में किया गया बीमांकिक मूल्यांकन शून्य देयता को दर्शाता है, इसलिए वित्त वर्ष 2023-24 में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

निम्नलिखित तालिका स्वतंत्र बीमांककों द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार भविष्य निधि की स्थिति को निर्धारित करती है:

विवरण	भविष्य निधि	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को आरंभिक नियत हित लाभ दायित्व	39,138.17	37,507.53
वर्तमान सेवा लागत	2,170.31	1,519.50
ब्याज लागत	3,165.52	2,825.03
कर्मचारी अंशदान (वीपीएफ सहित)	2,925.93	2,038.86
बीमांकिक हानियाँ/(लाभ)	(5.03)	1.00
भुगतान किया गया लाभ	(4,511.07)	(4,753.75)
31 मार्च को समाप्त नियत हित लाभ दायित्व	42,883.83	39,138.17
योजना आस्ति में परिवर्तन		
1 अप्रैल योजनागत आस्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	40,122.71	38,426.83
योजनागत आस्तियों पर संभावित लाभ	3,180.68	2,820.87
अंशदान	5,096.24	3,558.36
अनर्जक निवेश की परिपक्वता पर हानि का प्रावधान	-	-
भुगतान किया गया लाभ	(4,511.07)	(4,753.75)
योजनागत आस्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	(203.43)	70.40
31 मार्च तक योजनागत आस्तियों का अंतिम उचित मूल्य	43,685.13	40,122.71
दायित्व के वर्तमान मूल्य और योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य का समाधान		
31 मार्च को वित्तपोषित दायित्वका वर्तमान मूल्य	42,883.83	39,138.17
31 मार्च को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	43,685.13	40,122.71
घाटा/(अधिशेष)	(801.30)	(984.54)
तुलन-पत्र में गैर-मान्यता प्राप्त निवल आस्ति	801.30	984.54
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत		
वर्तमान सेवा लागत	2,170.31	1,519.50
ब्याज लागत	3,165.52	2,825.03
योजनागत आस्तियों पर संभावित लाभ	(3,180.68)	(2,820.87)
परिवर्ती ब्याज की कमी	-	-
अनुसूची 16 में शामिल नियत हित लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	2,155.15	1,523.66
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता/(आस्ति) आरंभिक और अंतिम शेष का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारंभिक निवल देयता	-	-
उपरोक्त के अनुसार व्यय	2,155.15	1,523.66
नियोक्ता का अंशदान	(2,155.15)	(1,523.66)
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता / (आस्ति)	-	-

31 मार्च 2024 को भविष्य निधि की योजनागत आस्ति के तहत निवेश इस प्रकार हैं:

आस्ति की श्रेणी	भविष्य निधि
	योजनागत आस्ति का %
केंद्र सरकार प्रतिभूति	18.23%
राज्य सरकार प्रतिभूति	34.77%
ऋण प्रतिभूतियां, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियां और बैंक जमाराशियाँ	32.35%
म्यूचुअल फंड	8.61%
अन्य	6.04%
कुल	100.00%

प्रमुख बीमांकिक आकलन

विवरण	पेंशन योजना	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
गारंटीकृत प्रतिलाभ	8.15%	8.10%
पलायन दर	2.00%	2.00%
वेतन वृद्धि	6.00%	6.00%

- i) एसबीआई कर्मचारी भविष्य निधि के तहत देयता पर गारंटीकृत प्रतिलाभ लागू है जो नीचे दिए गए बिंदुओं से कम नहीं हो सकता:
- क) पूर्ववर्ती वर्ष (31 मार्च को समाप्त होने वाला) में बारह महीनों के लिए निर्धारित नई जमाराशियों के लिए बैंक द्वारा उद्धृत औसत मानक दर (ब्याज एक चौथाई प्रतिशत तक ऊपर या नीचे समायोजित) से आधा प्रतिशत अधिक; या
- ख) प्रति वर्ष तीन प्रतिशत, कार्यकारी समिति के अनुमोदन के अधीन।
- ii) किसी ट्रस्ट द्वारा संचालित एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के भविष्य निधि के नियमों के अनुसार, यदि ट्रस्ट बोर्ड निवेश पर कम प्रतिफल या किसी अन्य कारण से, सरकार द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि के पैरा 60 के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के लिए घोषित दर पर ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है, तो उस कमी को कंपनी द्वारा पूरा किया जाएगा।

2.2.2 नियत अंशदान योजनाएं**2.2.2.1 कर्मचारी भविष्य निधि**

समूह द्वारा भविष्य निधि योजना हेतु ₹64.17 करोड़ (पिछले वर्ष ₹48.57 करोड़) की राशि का अंशदान दिया गया है (नोट 2.2.1.2 में शामिल संस्थाओं को छोड़कर) और इसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

2.2.2.2 नियत अंशदान पेंशन योजना

एसबीआई की एक नियत अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) है जो 1 अगस्त 2010 को या उसके बाद एसबीआई में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सभी श्रेणियों के लिए लागू है। इस योजना का प्रबंधन पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एनपीएस ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। नेशनल सिविलीटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड को एनपीएस के लिए सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, एसबीआई ने ₹1,552.41 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1,296.27 करोड़) का अंशदान दिया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

2.2.2.3 परिभाषित योगदान योजनाओं के लिए समूह (एसबीआई को छोड़कर) द्वारा निम्नलिखित राशि प्रदान की जाती है:

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक	दीर्घकालिक कर्मचारियों के लाभ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	पीएफ अधिनियम के तहत कर्मचारी पेंशन योजना	44.06	37.39
2	राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली	10.32	16.84
3	अन्य	14.80	13.25
कुल		69.18	67.48

2.2.3 दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ (अनिधिक दायित्व):

2.2.3.1 संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश)

निम्नलिखित तालिका स्वतंत्र बीमाकर्तों द्वारा बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश) की स्थिति निर्धारित करती है:

विवरण	संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश)	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत हित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
1 अप्रैल को प्रारंभिक नियत हित लाभ दायित्व	11,078.32	10,381.62
वर्तमान सेवा लागत	365.78	330.20
ब्याज लागत	828.31	754.41
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	-	(0.19)
बीमांकिक हानियाँ/(लाभ)	2,378.98	749.41
भुगतान किया गया लाभ	(1,096.60)	(1,137.13)
31 मार्च को समाप्त नियत हित लाभ दायित्व	13,554.79	11,078.32
लाभ एवं हानि खाते में मान्यता प्राप्त शुद्ध लागत		
वर्तमान सेवा लागत	365.78	330.20
ब्याज लागत	828.31	754.41
बीमांकिक (लाभ)/हानि	2,378.98	749.41
अनुसूची 16 में शामिल नियत हित लाभ योजनाओं की कुल लागत कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान	3,573.07	1,834.02
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त निवल देयता /(आस्ति) के आरंभिक और इतिशेष का समाधान		
1 अप्रैल को प्रारंभिक निवल देयता	11,078.32	10,381.62
उपरोक्त के अनुसार व्यय	3,573.07	1,834.02
देयता निवर्तमान संयुक्त उद्यम से संबंधित है	-	(0.19)
नियोक्ता का अंशदान	-	-
नियोक्ता द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	(1,096.60)	(1,137.13)
तुलन-पत्र में शामिल निवल देयता /(आस्ति)	13,554.79	11,078.32

प्रमुख बीमांकिक आकलन:

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
बढ़ा दर	7.21%	7.48%
वेतन वृद्धि	6.00%	6.00%
पलायन दर	2.00%	2.00%

संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति (अर्जित अवकाश) (उपरोक्त तालिका में शामिल संस्थाओं को छोड़कर)

समूह द्वारा ₹62.56 करोड़ (पिछले वर्ष ₹45.39 करोड़) की राशि (उपरोक्त तालिका में शामिल संस्थाओं को छोड़कर) अर्जित अवकाश (नकदीकरण) के लिए प्रदान किए गए हैं, जिसमें सेवानिवृत्ति के समय अवकाश नकदीकरण शामिल है और इसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

2.2.3.2 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हित लाभ

समूह द्वारा ₹198.87 करोड़ (पिछले वर्ष ₹28.68 करोड़) की राशि अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी हित लाभ जैसे अवकाश यात्रा और गृह यात्रा रियायत (नकदीकरण/लाभ), रजत जयंती/दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार, सेवानिवृत्ति पर पुनर्वास व्यय और सेवानिवृत्ति पुरस्कार के लिए प्रदान किए गए हैं, जिसे लाभ एवं हानि खाते में कर्मचारियों के लिए भुगतान और प्रावधान शीर्ष के तहत शामिल किया गया है।

2.2.4 ऊपर सूचीबद्ध कर्मचारी हित लाभ भारत में स्थित समूह के कर्मचारियों के संबंध में हैं। विदेशी परिचालनों के कर्मचारी उपर्युक्त योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

2.3 लेखा मानक-17 खण्ड रिपोर्टिंग:

2.3.1 खंड अभিনিर्धारण

क) प्राथमिक (व्यवसाय खंड)

समूह के प्राथमिक खंड निम्नलिखित हैं:

- ट्रेजरी
- कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग
- खुदरा बैंकिंग
- बीमा व्यवसाय
- अन्य बैंकिंग व्यवसाय

समूह की वर्तमान लेखा और सूचना प्रणाली में उपर्युक्त खंडों के संबंध में अलग से डेटा को कैप्चर करने और प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं है। हालाँकि, वर्तमान आंतरिक, संगठनात्मक और प्रबंधकीय रिपोर्टिंग संरचना और उनके जोखिम और रिटर्न की प्रकृति के आधार पर, प्राथमिक खंडों के आंकड़ों की गणना निम्नानुसार की गई है:

- क) ट्रेजरी:** ट्रेजरी खंड में संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो और विदेशी विनिमय व डेरिवेटिव संविदाओं में व्यापार शामिल है। ट्रेजरी खंड की आय में मुख्य रूप से फीस तथा ट्रेडिंग परिचालनों से होनेवाले लाभ या हानि और निवेश पोर्टफोलियो की ब्याज आय शामिल होती है।
- ख) कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग:** कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग खंड में कॉर्पोरेट लेखा समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह और दबावग्रस्त आस्ति समाधान समूह की ऋण गतिविधियां शामिल हैं। इनमें कॉर्पोरेट और संस्थागत ग्राहकों को ऋण और लेन-देन सेवाएं प्रदान करना शामिल है और इसके अलावा विदेश स्थित कार्यालयों/इकाइयों के गैर-ट्रेजरी परिचालन शामिल हैं।
- ग) खुदरा बैंकिंग:** खुदरा बैंकिंग खंड में खुदरा शाखाएं शामिल हैं, जिसमें मुख्य रूप से वैयक्तिक बैंकिंग गतिविधियां शामिल हैं, जिसमें इन शाखाओं के साथ बैंकिंग संबंध रखने वाले कॉर्पोरेट ग्राहकों को उधार गतिविधियां शामिल हैं। इस खंड में एजेंसी व्यवसाय और एटीएम भी शामिल हैं।
- घ) बीमा व्यवसाय:** बीमा व्यवसाय खंड में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के परिणाम शामिल हैं।
- ड) अन्य बैंकिंग व्यवसाय:** उपरोक्त (क) से (घ) के तहत वर्गीकृत नहीं किए गए खंडों को इस प्राथमिक खंड के तहत वर्गीकृत किया गया है।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

इस खंड में समूह के एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अलावा अन्य सभी गैर-बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यमों के परिचालन भी शामिल हैं।

ख) द्वितीयक (भौगोलिक खंड):

क) घरेलू परिचालन: भारत में परिचालित शाखाएं, अनुषंगियाँ और संयुक्त उद्यम।

ख) विदेशी परिचालन: शाखाएं, अनुषंगियाँ और संयुक्त उद्यम जिनका परिचालन भारत के बाहर है और ऑफशोर बैंकिंग इकाइयां जिनका परिचालन भारत में है।

ग) अंतर-खंडीय अंतरण का मूल्य निर्धारण

खुदरा बैंकिंग खंड प्राथमिक संसाधन जुटाने वाली इकाई है। कॉर्पोरेट/थोक बैंकिंग और ट्रेजरी खंड खुदरा बैंकिंग से निधि प्राप्त करते हैं। बाजार से संबंधित फंड ट्रांसफर प्राइसिंग (एमआरएफटीपी) का अनुसरण किया जाता है जिसके तहत फंडिंग सेंटर नामक एक अलग इकाई बनाई गई है। फंडिंग सेंटर काल्पनिक रूप से धन खरीदता है जो व्यावसायिक इकाइयां जमा या उधार के रूप में जुटाती हैं और आस्ति सृजन में लगी व्यावसायिक इकाइयों को कल्पित रूप से धन बेचता है।

घ) आय, व्यय, आस्तियाँ और देयताओं का आबंटन

कॉर्पोरेट/थोक और खुदरा बैंकिंग परिचालन खंड अथवा ट्रेजरी परिचालन खंड से संबंधित कॉर्पोरेट केन्द्र संस्थापनाओं पर किए गए खर्च को उसी अनुसार आबंटित किया जाता है। जो व्यय सीधे संबंधित नहीं हैं वह प्रत्येक खंड में कर्मचारियों की संख्या के अनुपात/प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी व्यय के अनुपात के आधार पर आबंटित किए जाते हैं।

समूह के पास कुछ सामान्य आस्ति और देयताएँ हैं, जिन्हें किसी भी खंड के लिए शामिल नहीं किया जा सकता है, और उन्हें गैर-आबंटित श्रेणी में रखा गया है।

2.3.2 खंड सूचना

भाग ए: प्राथमिक (व्यवसाय) खंड:

व्यवसाय खंड	ट्रेजरी	कॉर्पोरेट/ थोक बैंकिंग	डिजिटल बैंकिंग	खुदरा बैंकिंग		बीमा व्यवसाय	अन्य बैंकिंग परिचालन	(₹ करोड़ में)
				अन्य खुदरा बैंकिंग	कुल			कुल
आय (विशेष मदों से पूर्व)	1,24,225.02	1,32,845.50	5,244.90	2,04,491.84	2,09,736.74	1,05,459.40	27,616.02	5,99,882.68
	(1,01,804.55)	(1,00,160.24)	(3,766.65)	(1,63,755.15)	(1,67,521.80)	(86,451.82)	(21,144.92)	(4,77,083.33)
गैर-आबंटित आय								2,261.66
								(1,861.43)
घटाएँ: अंतर-खंड आय								7,569.44
								(5,566.62)
कुल आय								5,94,574.90
								(4,73,378.14)
परिणाम (विशेष मदों से पूर्व)	14,244.56	40,797.94	7,796.87	32,143.29	39,940.16	2,404.12	8,161.49	1,05,548.27
	(8,986.94)	(29,488.58)	(5,130.15)	(28,399.64)	(33,529.79)	(2,144.03)	(5,683.39)	(79,832.73)
घटाएँ: विशेष मद								7,100.00
								(0.00)
परिणाम (विशेष मदों के बाद)								98,448.27
								(79,832.73)
गैर-आबंटित आय(+) / व्यय(-) निवल								-7,208.23
								(-4,434.17)
कर पूर्व लाभ/(हानि)								91,240.04
								(75,398.56)
कर								23,101.78
								(18,840.13)
विशेष लाभ								0.00
								(0.00)
सहयोगियों के लाभ में हिस्सेदारी से पहले निवल लाभ/(हानि) और अल्पांश हित								68,138.26
जोड़ें: सहयोगियों के लाभ में हिस्सा								(56,558.43)
								1,405.16
								(1,191.45)
घटाएँ: अल्प मदों पर ब्याज								2,458.75
								(2,101.71)
समूह के लिए निवल लाभ/(हानि)								67,084.67
								(55,648.17)
अन्य सूचना:								
खंड आस्तियां	18,05,145.08	17,37,823.44	75,117.91	25,38,954.68	26,14,072.59	4,17,545.67	99,852.13	66,74,438.91
	(16,68,038.09)	(15,16,712.53)	(53,547.82)	(22,63,602.63)	(23,17,150.45)	(3,28,479.47)	(75,611.18)	(59,05,991.72)
गैर-आबंटित आस्तियां								59,339.89
								(48,426.60)
कुल आस्तियां								67,33,778.80
								(59,54,418.32)
खंड देयताएं	15,97,152.27	16,56,663.36	6,95,316.15	16,90,063.26	23,85,379.41	3,98,131.10	73,759.55	61,11,085.69
	(15,04,440.73)	(14,82,813.40)	(4,90,828.11)	(15,82,465.81)	(20,73,293.92)	(3,12,350.22)	(54,507.60)	(54,27,405.87)
गैर-आबंटित देयताएं								2,07,753.94
								(1,68,081.13)
कुल देयताएं								63,18,839.63
								(55,95,487.00)

- आय/व्यय पूरे वर्ष के लिए हैं। आस्ति/देयताएं 31 मार्च 2024 तक हैं।
- कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

भाग ख: द्वितीयक (भौगोलिक) खंड

(₹ करोड़ में)

	घरेलू		विदेशी		कुल	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय (विशेष मदों से पहले) [#]	5,49,738.03	4,49,068.78	44,836.87	24,309.36	5,94,574.90	4,73,378.14
निवल लाभ [#]	53,693.65	48,467.92	13,391.02	7,180.25	67,084.67	55,648.17
आस्तियां [*]	59,93,897.80	52,80,381.11	7,39,881.00	6,74,037.21	67,33,778.80	59,54,418.32
देयताएं [*]	55,89,635.44	49,31,129.80	7,29,204.19	6,64,357.20	63,18,839.63	55,95,487.00

[#] 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

^{*} 31 मार्च 2024 को

दिनांक 7 अप्रैल 2022 के आरबीआई परिपत्र डीओआर.एयूटी.आरईसी.12/22.01.001/2022-23 के अनुसार, लेखा मानक 17 के खंड रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण के उद्देश्य से डिजिटल बैंकिंग को खुदरा बैंकिंग खंड के तहत एक उप-खंड के रूप में रखा गया है।

2.4 लेखा मानक- 18 संबंधित पक्षों का प्रकटन:

2.4.1 समूह से संबंधित पक्ष:

क. संयुक्त उद्यम:

- सी-एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
- एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
- एसबीआई मैकेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड
- मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लिमिटेड
- मैकेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लिमिटेड
- ओमान इंडिया ज्वाइंट इंवेस्टमेंट फंड-मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- ओमान इंडिया ज्वाइंट इंवेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

ख. सहयोगी:

i. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

- आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक
- अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
- एलाक्वेई देहाती बैंक
- मध्यांचल ग्रामीण बैंक
- मेघालय ग्रामीण बैंक
- मिजोरम ग्रामीण बैंक
- नागालैंड ग्रामीण बैंक
- सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
- उत्कल ग्रामीण बैंक

11. उत्तराखंड ग्रामीण बैंक
12. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
13. राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक
14. तेलंगाना ग्रामीण बैंक

ii. अन्य

1. द विलयरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
2. बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड
3. यस बैंक लिमिटेड
4. इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
5. जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
6. एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड (परिसमापन के अधीन)

ग. एसबीआई के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक:

1. श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष
2. श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी, प्रबंध निदेशक
3. श्री स्वामीनाथन जानकीरामन, प्रबंध निदेशक (25.06.2023 तक)
4. श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक
5. श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक
6. श्री विनय एम. तोन्से, प्रबंध निदेशक (दिनांक 21.11.2023 से)

2.4.2 वर्ष के दौरान जिन पक्षकारों के साथ लेनदेन किए गए:

लेखा मानक (एस) 18 के पैराग्राफ 9 के रूप में राज्य नियंत्रित उद्यम के संबंधित पक्ष के संबंध में किसी प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, एस 18 के पैराग्राफ 5 के अनुसार, प्रमुख प्रबंधन कर्मियों तथा प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के रिश्तेदारों सहित बैंकर-ग्राहक संबंधों की प्रकृति वाले लेनदेनों का खुलासा नहीं किया गया है।

2.4.3 लेन-देन और शेष राशियां:

विवरण	31 मार्च 2024			31 मार्च 2023		
	सहयोगी/संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल	सहयोगी/संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल
बकाया						
उधार राशियां	408.64	-	408.64	-	-	-
जमाराशि	1,938.05	-	1,938.05	4,943.47	-	4,943.47
अन्य देयताएं	77.09	-	77.09	68.52	-	68.52
बैंकों के पास बकाया और मांग और अल्प सूचना पर प्राप्त राशि	4.82	-	4.82	0.25	-	0.25
अग्रिम	1,868.59	-	1,868.59	1,007.14	-	1,007.14
निवेश	8,032.79	-	8,032.79	8,032.79	-	8,032.79
अन्य आस्तियां	465.66	-	465.66	271.97	-	271.97
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	96.23	-	96.23	22.53	-	22.53

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)						
विवरण	सहयोगी/संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल	सहयोगी/संयुक्त उद्यम	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	कुल
अधिकतम बकाया	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान			वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान		
उधार राशियां	1,518.00	-	1,518.00	-	-	-
जमाराशि	6,410.68	-	6,410.68	5,271.03	-	5,271.03
अन्य देयताएं	104.62	-	104.62	68.56	-	68.56
बैंकों के पास बकाया और मांग और अल्प सूचना पर प्राप्य राशि	709.14	-	709.14	2.72	-	2.72
अग्रिम	2,204.87	-	2,204.87	1,152.51	-	1,152.51
निवेश	8,233.17	-	8,233.17	11,063.92	-	11,063.92
अन्य आस्तियां	513.25	-	513.25	527.57	-	527.57
गैर-निधि प्रतिबद्धताएं (एलसी/बीजी)	96.23	-	96.23	22.53	-	22.53
वर्ष के दौरान	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान			वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान		
ब्याज आय	143.15	-	143.15	116.66	-	116.66
ब्याज व्यय	148.14	-	148.14	80.69	-	80.69
लाभांश के माध्यम से अर्जित आय	26.89	-	26.89	21.37	-	21.37
अन्य आय	3.66	-	3.66	3.80	-	3.80
अन्य व्यय	71.18	-	71.18	30.97	-	30.97
भूमि/भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/(हानि)	(1.92)	-	(1.92)	0.91	-	0.91
प्रबंधन संविदाएं	-	2.21	2.21	-	2.21	2.21

वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण संबंधित पक्षकार लेनदेन नहीं किया गया है।

2.5 लेखा मानक- 19 पट्टे:

2.5.1 वित्तीय पट्टे

1 अप्रैल 2001 को या उसके बाद वित्तीय पट्टे पर ली गई आस्तियां:

वित्तीय पट्टों का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
बकाया कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान		
1 वर्ष से कम	75.86	75.21
1 से 5 वर्ष	210.69	233.10
5 वर्ष और उससे अधिक	93.71	49.63
कुल	380.26	357.94
देय ब्याज लागत		
1 वर्ष से कम	21.35	21.95
1 से 5 वर्ष	27.76	38.63
5 वर्ष और उससे अधिक	2.75	7.97
कुल	51.86	68.55
देय न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य		
1 वर्ष से कम	54.51	53.26
1 से 5 वर्ष	182.93	194.47
5 वर्ष और उससे अधिक	90.96	41.66
कुल	328.40	289.39

2.5.2 परिचालन पट्टा

परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसरों की जानकारी नीचे दी गई है:

परिचालन पट्टों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर और कर्मचारी आवास शामिल हैं, जो समूह इकाइयों के विकल्प पर नवीकरणयोग्य हैं।

गैर-रद्द करने योग्य परिचालन पट्टे पर लिए गए परिसर की देयता नीचे दी गई है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
1 वर्ष तक	153.12	126.19
1 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	287.42	272.86
5 वर्ष से अधिक	126.76	163.27
कुल	567.30	562.32

वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाते में ली गई पट्टा भुगतान राशि ₹4,720.64 करोड़ (पिछला वर्ष ₹4,376.74 करोड़) है।

2.6 लेखा मानक - 20 प्रति शेयर आय:

बैंक लेखा मानक 20 - प्रति शेयर आय के अनुसार प्रति इक्विटी शेयर पर मूल और कम की गई आय की रिपोर्ट करता है। प्रति शेयर मूल आय की गणना वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से कर पश्चात समेकित शुद्ध लाभ/(हानि) (अल्पांश के अलावा) को विभाजित करके की जाती है।

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
मूल तथा कम किए गए		
वर्ष की शुरुआत में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,534
वर्ष के दौरान जारी किए गए इक्विटी शेयरों की संख्या	-	400
वर्ष के अंत में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या	892,46,11,934	892,46,11,934
प्रति शेयर मूल आय की गणना में प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,11,934	892,46,11,707
प्रति शेयर कम की गई आय की गणना में प्रयुक्त शेयरों की भारित औसत संख्या	892,46,11,934	892,46,11,707
समूह के लिए निवल लाभ/(हानि) (करोड़ में)	67,084.67	55,648.17
प्रति शेयर मूल आय (₹)	75.17	62.35
प्रति शेयर कम की गई आय (₹)	75.17	62.35
प्रति शेयर सांकेतिक मूल्य (₹)	1.00	1.00

2.7 लेखा मानक- 22 आय पर कर का लेखांकन:

- वर्ष के दौरान, आस्थगित कर के रूप में लाभ एवं हानि खाते में ₹2,269.31 करोड़ (पिछला वर्ष ₹4,342.79 करोड़) जमा किए गए हैं।
- आस्थगित कर आस्तियों और देयताओं के प्रमुख मदों का विभाजन नीचे दिया गया है:

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
आस्थगित कर आस्तियां (डीटीए)		
दीर्घावधि कर्मचारी हित लाभ के लिए प्रावधान	13,707.66	9,166.98
अग्रिम के लिए प्रावधान	6,247.29	6,484.72
अन्य आस्तियों/ अन्य देयता के लिए प्रावधान	3,033.08	3,736.75
संचित हानियों पर	30.32	48.47
विदेशी मुद्रा परिवर्तन आरक्षित निधि पर	1,101.26	1,686.01
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	456.74	394.58
एसबीआई के एफओ से संबंधित डीटीए	432.86	476.14
अन्य	261.70	259.90
कुल	25,270.91	22,253.55

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

(₹ करोड़ में)		
विवरण	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
आस्थगित कर देयताएं (डीटीएल)		
अचल संपत्तियों पर मूल्यहास	38.68	43.77
प्रतिभूतियों पर अर्जित ब्याज पर जो देय नहीं	7,191.40	6,599.00
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत सृजित विशेष आरक्षित निधि	4,914.57	4,467.14
एसबीआई के एफओ से संबंधित डीटीएल	7.60	0.01
आईसीडीएस- अर्जित और प्राप्त न हुए आयकर रिफंड पर ब्याज	990.32	-
अन्य	10.85	11.05
कुल	13,153.42	11,120.97
निवल आस्थगित कर आस्तियां/(देयताएं)	12,117.49	11,132.58

iii) भारतीय स्टेट बैंक ने वित्तीय वर्ष 2019-20 से कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा प्रस्तुत आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बीए के तहत अनुमत न्यूनतम कर दर के विकल्प का प्रयोग किया है।

2.8 लेखा मानक- 28 आस्तियों की क्षति:

प्रबंधन की राय में, वर्ष के दौरान गैर-मौद्रिक आस्तियों में कोई क्षति नहीं हुई है।

2.9 लेखा मानक- 29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां

➤ लाभ एवं हानि खाते में शामिल प्रावधान और आकस्मिकताएं:

प्रावधानों का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

		(₹ करोड़ में)	
क्र.	लाभ एवं हानि खाते में व्यय शीर्ष के अंतर्गत दर्शाए गए प्रावधान और आकस्मिकताओं का विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	कराधान के लिए प्रावधान		
	– वर्तमान कर	25,361.28	23,182.65
	– सृजित आस्थगित कर आस्ति	(2,269.31)	(4,342.79)
	– (प्रतिलेखन)/आयकर का अतिरिक्त प्रावधान	9.81	0.27
ख)	अनर्जक आस्तियों पर प्रावधान	12,193.57	10,873.29
ग)	पुनर्चित आस्तियों पर प्रावधान	48.30	(46.41)
घ)	मानक आस्तियों पर प्रावधान	(1,264.48)	5,641.50
ई)	निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधान	(604.11)	1,483.88
च)	अन्य प्रावधान	(2,668.31)	232.02
	कुल	30,806.75	37,024.41

(कोष्ठक में दिए गए आंकड़े क्रेडिट दर्शाते हैं)

➤ अस्थायी प्रावधान:

		(₹ करोड़ में)	
क्र.	विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क)	अधिशेष	193.75	193.75
ख)	वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
ग)	वर्ष के दौरान आहरण	-	-
घ)	इति शेष	193.75	193.75

➤ आकस्मिक देनदारियों का विवरण (एस-29):

क्रम	विवरण	संक्षिप्त विवरण
1	समूह के विरुद्ध दावे जो ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं हैं	व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में बैंक एवं उसके घटक विभिन्न कार्यवाहियों में एक पक्ष होते हैं। बैंक यह अपेक्षा नहीं करता है कि इन कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप बैंक की वित्तीय स्थितियां, परिचालन परिणाम या नकदी प्रवाह पर बहुत अधिक प्रतिकूल पड़ेगा। कुछ मामलों में कर निर्धारण अपील विचाराधीन हैं तथा बैंक उन विभिन्न मामलों में भी एक पक्ष है।
2	आंशिक प्रदत्त निवेशों/उद्यम निधि पर देयताएं	यह मद आंशिक रूप से चुकता निवेशों के लिए चुकता न की गई शेष राशि की देयता को दर्शाती है। इसमें जोखिम पूंजी निधियों हेतु अनाहरित प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।
3	बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएं	समूह अपने सामान्य व्यावसायिक कार्यकलाप के भाग के रूप में, भविष्य की किसी तारीख को पूर्व-निर्धारित दर पर मुद्रा परिवर्तन के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाएं करता है। वायदा मुद्रा विनिमय संविदाएं, संविदागत दर पर निर्धारित तारीख को विदेशी मुद्रा खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्धता होती है। कल्पित राशि को आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज किया जाता है। अपने ग्राहकों के साथ किए गए लेनदेन के संबंध में संतुलन साधने के लिए सामान्यतः बैंक अंतर-बैंक बाजार में प्रतिसंतुलन लेनदेन करता है। इसका परिणाम बड़ी संख्या में बकाया लेनदेन होता है, और इसलिए संविभाग की सकल कल्पित मूल राशि की मात्रा भी बहुत बढ़ जाती है, जबकि निवल बाजार जोखिम बहुत कम होता है।
4	ग्राहकों की ओर से दी गई गारंटियां, स्वीकृतियां, पृष्ठांकन तथा अन्य दायित्व	अपनी सामान्य वाणिज्यिक बैंकिंग कार्यकलापों के एक भाग के रूप में समूह, अपने ग्राहकों की ओर से दस्तावेजी क्रेडिट और गारंटी जारी करता है। दस्तावेजी ऋण से समूह के ग्राहकों की साख्र बढ़ती है। गारंटियां आम तौर पर अपरिवर्तनीय आश्वासन होती हैं कि यदि ग्राहक अपने वित्तीय या निष्पादन दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है तो बैंक उनका भुगतान करेगा।
5	अन्य मदें जिनके लिए समूह आकस्मिक रूप से उत्तरदायी है	समूह अपने स्वयं के खाते में और ग्राहकों के लिए अंतर-बैंक प्रतिभागियों के साथ मुद्रा विकल्प, वायदा दर करार, मुद्रा स्वैप और ब्याज दर स्वैप में प्रवेश करता है। मुद्रा अदला-बदली, पूर्व निर्धारित दरों के आधार पर एक मुद्रा में ब्याज/मूलधन के रूप में नकदी प्रवाह को दूसरी मुद्रा में विनिमय करने की प्रतिबद्धता है। ब्याज दर स्वैप, ब्याज की स्थिर और अस्थिर दर नकदी प्रवाहों का विनिमय करने की प्रतिबद्धता है। आकस्मिक देयताओं के रूप में दर्ज की गई काल्पनिक राशियां, आमतौर पर अनुबंधों के ब्याज घटक की गणना के लिए बेंचमार्क के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि होती हैं। इसमें संविदाओं की ऐसी अनुमानित राशि भी शामिल है जो पूंजी खाते में डाली जानी है और जिसका प्रावधान नहीं किया गया है, बैंक द्वारा सहयोगियों एवं अनुषंगियों की ओर से जारी चुकौती आश्वासन पत्र, जमाकर्ता शिक्षण एवं जागरूकता निधि खाते के तहत एसबीआई की देयताएं और अन्य विविध आकस्मिक देयताएं भी शामिल हैं।

उपर्युक्त आकस्मिक देयताएं अदालत/मध्यस्थता/अदालत के बाहर निपटान, अपीलों के निपटान, मांगी गई राशि, संविदात्मक दायित्वों की शर्तों, संबंधित पक्षों द्वारा मांग एवं हस्तांतरण करने का दायित्व, जैसा भी मामला हो, के परिणाम पर निर्भर हैं।

➤ आकस्मिक देयताओं की तुलना में प्रावधानों में उतार-चढ़ाव:

आकस्मिक देयताओं की तुलना में प्रावधानों में उतार-चढ़ाव को नीचे दिया गया है:

क्रम	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	आरंभिक अधिशेष	3,115.33	3,669.17
ख	वर्ष के दौरान परिवर्धन	138.63	143.99
ग	वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	534.19	86.65
घ	वर्ष के दौरान अप्रयुक्त राशि की वापसी	99.38	611.18
ड.	इतिशेष	2,620.39	3,115.33

3. समूह संस्थाओं के बीच अंतर-बैंक/कंपनी की शेष राशि का समाधान निरंतर आधार पर किया जा रहा है और चालू वर्ष के लाभ-हानि खाते पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

4. दिनांक 11 अक्तूबर 2022 के आरबीआई परिपत्र संख्या डीओआर.एसीसी.आरईसी.सं.74/21.04.018/2022-23 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार, 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आरबीआई की पर्यवेक्षी प्रक्रिया के संबंध में एसबीआई द्वारा एनपीए के लिए आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान में विचलन पर प्रकटीकरण करने की आवश्यकता नहीं है।

5. वेतन संशोधन के लिए प्रावधान:

नवंबर, 2022 से प्रभावी वेतन समझौते के तहत एसबीआई ने ₹15,877.09 करोड़ की देय राशि का प्रावधान किया है। 8 मार्च 2024 को 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते और 9वें संयुक्त नोट पर हस्ताक्षर करने के पश्चात, मार्च 2024 के महीने के दौरान वेतन संशोधित किया गया और तदनुसार ₹14,134.86 करोड़ के प्रावधान का उपयोग किया गया। ₹1,742.23 करोड़ का बैलेंस पेंशनभोगियों/परिवार पेंशनभोगियों के लिए शेष वेतन संशोधन और अनुग्रह राशि के रूप में अभी संवितरित किए जाने हैं।

अनुसूची

31 मार्च 2024 को समेकित तुलन पत्र और लाभ और हानि खाता का अभिन्न भाग है

6. विशिष्ट मदें

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की अवधि तक एसबीआई ने निम्नलिखित को विशिष्ट मदों के रूप में मान्यता दी है:

- पेंशन की गणना की मौजूदा दोहरी दर के स्थान पर, सभी पेंशनभोगियों के लिए 50% की समान दर पर पेंशन के कारण अनुमानित देनदारी के लिए ₹5,400 करोड़ का प्रावधान।
 - नवंबर 2002 से पहले के सेवानिवृत्त लोगों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए अनुग्रह लाभ और महंगाई राहत हेतु ₹1,700 करोड़ का प्रावधान।
7. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में, लागू जीवन बीमा पॉलिसियों के संबंध में देयताओं का बीमांकिक मूल्यांकन, चालू जीवन बीमा पॉलिसियां, वह जीवन बीमा पॉलिसियां जिनका प्रीमियम बंद कर दिया गया है लेकिन देयता 31 मार्च, 2024 तक मौजूद है, दावे किए गए लेकिन रिपोर्ट नहीं किए गए (आईबीएनआर) और किए गए दावे लेकिन पर्याप्त रिपोर्ट नहीं (आईबीएनईआर) है, उनके मामले में आईआरडीआई की सहमति से भारतीय बीमा नियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीआई) और भारत के बीमांकक संस्थान द्वारा जारी दिशानिर्देशों और मानदंडों के आधार पर नियुक्त बीमांकक द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।
8. जीवन बीमा और सामान्य बीमा अनुबंधियों के निवेशों को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीति के अनुसार दोहराने की बजाय आईआरडीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हिसाब में लिया गया है। बीमा सहायक कंपनियों का निवेश 31 मार्च, 2024 तक कुल निवेश का लगभग 18.90% (पिछले वर्ष 16.39%) है।
9. एसबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 1370% की दर से 13.70 प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया है।
10. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी सं.बीपी.बीसी.42/21.01.02/2007-08 के अनुसार, मोचनीय अधिमानी शेयरों (यदि कोई हो) को देयताओं और उन पर देय कूपन को ब्याज के रूप में माना जाता है।
11. वर्तमान आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार, समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में आईसीएआई द्वारा जारी सामान्य स्पष्टीकरण पर विचार किया गया है। तदनुसार, मूल कंपनी और उसकी अनुबंधियों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई अतिरिक्त सांविधिक सूचना जो समेकित वित्तीय विवरणों की दृष्टि से सही एवं उचित नहीं है और इसी प्रकार ऐसी मदों से संबंधित सूचना जो महत्वपूर्ण नहीं हैं, आसीआई द्वारा जारी लेखा मानक परिभाषा की दृष्टि से समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकट नहीं की गई है।
12. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए, जहां आवश्यक हो, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया है। जिन मामलों में आरबीआई के दिशा-निर्देशों/लेखा मानकों के संदर्भ में पहली बार प्रकट किया गया है, वहां पिछले वर्ष के आंकड़ों का उल्लेख नहीं किया गया है।

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुबंधियाँ)

श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)

इसी तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते के सी मेहता एंड कं एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.सं. 106237W/W100829

श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्ष

श्री चिराग बक्शी
भागीदार
सदस्यता सं. 047164

स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई 2024

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण

(000 को छोड़ दिया गया है)

विवरण	31.03.2024 को समाप्त वर्ष चालू वर्ष ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष पिछला वर्ष ₹
परिचालन कार्यकलाप से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ / (हानि) (अनुषंगियों के लाभ के हिस्से एवं अल्प मदों पर ब्याज सहित)	90186,44,73	74488,30,41
समायोजन:		
अचल आस्तियों पर मूल्यहास	3849,12,45	3695,59,86
अचल आस्तियों के विक्रय पर (लाभ) / हानि (निवल)	25,20,54	29,03,16
निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर (लाभ) / हानि (निवल)	(4892,78,72)	4922,60,98
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों की बिक्री पर (लाभ)	-	-
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों की बिक्री पर हानि	-	-
अनर्जक आस्तियों और उचित मूल्य में आई कमी के लिए प्रावधान	12241,86,70	10826,88,16
मानक आस्तियों पर प्रावधान	(1264,47,25)	5641,50,51
अनर्जक निवेश पर प्रावधान	(604,11,07)	1483,87,59
आकस्मिक देयताओं के लिए प्रावधान सहित अन्य प्रावधान	(2668,30,83)	232,01,48
सहयोगियों के लाभ में हिस्सेदारी	(1405,15,43)	(1191,45,21)
सहयोगियों से प्राप्त लाभांश	(5,57,19)	(2,66,25)
पूँजीगत लिखतों पर प्रदत्त ब्याज	9661,52,37	6543,73,06
	105123,76,30	106669,43,75
समायोजन:		
जमाराशियों में वृद्धि / (कमी)	498001,98,04	381124,90,62
पूँजीगत लिखतों के अलावा उधार राशियों में वृद्धि / (कमी)	112581,10,52	54584,07,36
अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में किए गए निवेशों को छोड़कर अन्य निवेशों में (वृद्धि) / कमी	(190457,10,79)	(141597,38,45)
अग्रिमों में (वृद्धि) / कमी	(528612,41,02)	(484653,00,71)
अन्य देयताओं में वृद्धि / (कमी)	102500,27,51	75713,73,97
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	(46236,90,64)	(60531,72,28)
	52900,69,92	(68689,95,74)
कर वापसी / (प्रदत्त कर)	(31268,26,82)	(17323,72,22)
परिचालन कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(क) 21632,43,10	(86013,67,96)
निवेश कार्यकलाप से नकदी प्रवाह		
अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों/सहयोगियों में शेयरों की खरीद	(82,16,10)	-
अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों/सहयोगियों में शेयरों की बिक्री	-	-
सहयोगियों से प्राप्त लाभांश	5,57,19	2,66,25
अचल आस्तियों में कमी / (वृद्धि)	(4175,12,62)	(4043,63,15)
निवेश कार्यकलाप से उत्पन्न / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(ख) (4251,71,53)	(4040,96,90)

भारतीय स्टेट बैंक

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण

(000 को छोड़ दिया गया है)		
विवरण	31.03.2024 को समाप्त वर्ष चालू वर्ष ₹	31.03.2023 को समाप्त वर्ष पिछला वर्ष ₹
वित्तपोषण कार्यक्रमों से नकदी प्रवाह		
शेयर प्रीमियम सहित इक्विटी शेयर के निर्गम से प्राप्त राशि (निवल शेयर जारी करने से संबंधित व्यय)	-	64
पूँजीगत लिखतों का निर्गम	20164,64,79	19533,09,26
पूँजीगत लिखतों का मोचन	(14288,20,00)	(2125,00,00)
पूँजीगत लिखतों पर ब्याज	(8589,25,32)	(6324,62,56)
प्रदत्त लाभांश	(10084,81,15)	(6336,72,16)
अनुषंगिक / संयुक्त उद्यमों द्वारा प्रदत्त लाभांश	(12,40,81)	(1,22,83)
अल्प मर्दों पर ब्याज में वृद्धि / (कमी)	2913,74,49	1640,85,85
वित्तपोषण कार्यक्रमों से प्राप्त / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	(ग) (9896,28,00)	6386,38,20
अंतरण आरक्षित निधियों पर विनिमय परिवर्तनों का प्रभाव	(घ) 775,95,81	3075,05,46
नकदी एवं नकदी समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग+घ)	8260,39,38	(80593,21,20)
1 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य	318311,90,97	398905,12,17
31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य	326572,30,35	318311,90,97
नोट:		
1 नकदी और नकदी समतुल्यों के घटकों की स्थिति:	31.03.2024	31.03.2023
नकदी एवं भारतीय रिज़र्व बैंक में जमा राशियाँ	225356,33,61	247321,04,97
बैंकों के पास जमा राशियाँ तथा मांग एवं अल्पसूचना पर प्राप्त राशि	101215,96,74	70990,86,00
योग	326572,30,35	318311,90,97
2 परिचालन गतिविधियों से प्राप्त नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष पद्धति से रिपोर्ट किया गया है।		

श्री विनय एम तोन्से
प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)श्री आलोक कुमार चौधरी
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, अनुपालन एवं एसएआरजी)श्री अश्विनी कुमार तिवारी
प्रबंध निदेशक
(कॉर्पोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ)श्री चला श्रीनिवासुलु शेटी
प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)इसी तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते के सी मेहता एंड कं एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पं.सं. 106237W/W100829श्री दिनेश कुमार खारा
अध्यक्षश्री चिराग बक्शी
भागीदार
सदस्यता सं. 047164स्थान: मुंबई
दिनांक: 9 मई 2024

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

प्रति

**निदेशक मंडल,
भारतीय स्टेट बैंक,
स्टेट बैंक भवन,
मैडम कामा रोड,
मुंबई।**

बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

अभिमत

- हमने भारतीय स्टेट बैंक (बैंक) के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता और वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण और समेकित वित्तीय विवरणों के नोट्स शामिल हैं, जिसमें महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारीयों का सारांश शामिल है:
- बैंक के लेखा परीक्षित एकल वित्तीय विवरण जो हमारे सहित सभी बारह सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई है;
- अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित 25 अनुषंगियों, 7 संयुक्त उद्यम और 18 सहयोगियों (14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित) के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण; और (अनुलग्नक ए में सूचीबद्ध)
- 1 अनुषंगी और 1 सहयोगी (अनुलग्नक क में सूचीबद्ध) के गैर-लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण।

उपरोक्त इकाइयों को बैंक 'समूह' के रूप में संदर्भित किया गया है।

हमारी अभिमत में और हमें उपलब्ध जानकारी के आधार पर और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, और सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर हमारे विचार के आधार पर, अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत सहायक कंपनियों की अन्य

वित्तीय जानकारी, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं और जो:

- 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार समूह की स्थिति की समेकित तुलन-पत्र के मामले में सही और उचित दृष्टिकोण;
- उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ और हानि खाते के मामले में लाभ का सही संतुलन; और
- उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण के मामले में सही और उचित दृष्टिकोण।

अभिमत का आधार

- हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा आयोजित की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी किए गए आचार संहिता के अनुसार समूह से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो समेकित वित्तीय विवरणों के हमारी लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और नैतिकता के कोड के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए ऑडिट साक्ष्य हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

- प्रमुख लेखा परीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संदर्भ में और उन पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में लिया गया है और हम इन मामलों पर एक अलग अभिमत प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को हमारी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले बैंक के प्रमुख लेखा परीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है:

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट किए गए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:	
i. अग्रिमों का वर्गीकरण, आय निर्धारण और अनर्जक अग्रिमों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (संदर्भ: वित्तीय विवरणों की अनुसूची 17 की टिप्पणी 3 के साथ पठित अनुसूची 9) अग्रिमों में बिल की खरीद और डिस्काउंट, कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, मांग पर प्रस्तुत ऋण तथा मियादी ऋण शामिल हैं। इन्हें आगे बैंक/ सरकारी गारंटी एवं प्रतिभूति रहित (बही ऋण के विरुद्ध ऋण सहित) प्रतिभूति और आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अग्रिम बैंक की कुल संपत्ति का 59.94 प्रतिशत है। वे, अन्य बातों के अलावा, आय निर्धारण, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान मानदंडों (आईआरएसी) और आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य परिपत्रों और निर्देशों द्वारा शासित होते हैं जो विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर, अग्रिमों को निष्पादित और गैर-निष्पादित अग्रिमों (एनपीए) में वर्गीकृत करने से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, अग्रिमों का वर्गीकरण और उसका प्रावधान स्थानीय नियमों या आरबीआई दिशानिर्देशों, जो भी अधिक कठोर हो, के अनुसार किया जाता है। बैंक इन अग्रिमों को अपनी लेखांकन नीति संख्या 3 के अनुसार आईआरएसी मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत करता है। अर्जक और अनर्जक अग्रिमों की पहचान की उचित व्यवस्था विद्यमान होनी चाहिए का सत्यापन भी शामिल है। बैंक अग्रिमों से संबंधित सभी लेनदेनों के खाते बैंक की अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली (आईटी सिस्टम) यानी कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) में होनी चाहिए जिनसे अर्जक या अनर्जक अग्रिमों की पहचान होती हो। इसके अतिरिक्त, एनपीए वर्गीकरण और प्रावधान की गणना (विदेशी कार्यालयों के मामले को छोड़कर) एक अन्य आईटी प्रणाली अर्थात् सेंट्रलाइज्ड क्रेडिट डेटा प्रोसेसिंग (सीसीडीपी) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाती है। यदि, एकल से या समग्र रूप से, आईआरएसी मानदंडों का ठीक से पालन नहीं किया जाता है, तो इन अग्रिमों (प्रावधानों का निवल) का वहन मूल्य वास्तव में गलत बताया जा सकता है। लेन-देन की प्रकृति, नियामक आवश्यकताओं, वर्तमान व्यवसाय परिवेश, प्रतिभूतियों के मूल्यांकन और प्रावधानों की गणना में शामिल अनुमान/निर्णय को ध्यान में रखते हुए, यह एकल वित्तीय विवरण इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च महत्व का मामला है। इन पहलुओं पर विचार करते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला माना है। तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा शेष राशि की भौतिकता के कारण आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और अग्रिमों से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित थी।	आईआरएसी मानदंडों और आरबीआई द्वारा जारी अन्य संबंधित परिपत्रों/निर्देशों और बैंक की आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में अग्रिमों के प्रति हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में नमूना आधार पर नियंत्रणों का परीक्षण शामिल है, क. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं के संबंध में आईआरएसी मानदंडों के अनुसार आय निर्धारण, अर्जक और अनर्जक अग्रिम वर्गीकरण तथा प्रावधान करने के लिए सिस्टम में दिए गए डेटा की यथार्थता; ख. बैंक की नीतियों और कार्यविधियों के अनुसार मॉनिटरिंग व्यवस्था की उपलब्धता और प्रभावकारिता जैसे आंतरिक लेखापरीक्षा, सिस्टम ऑडिट, क्रेडिट ऑडिट और दैनिक संगामी लेखापरीक्षा; ग. भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों/दिशानिर्देशों/न्यायिक घोषणाओं के अनुपालन के संबंध में नमूना आधार पर तनावग्रस्त अग्रिमों सहित अग्रिमों की जांच; घ. हमने एनपीए का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन पर मुहर लगाने तथा उनके संबंध में प्रावधान करने के लिए सीबीएस और सीसीडीपी में अंतर्निहित व्यावसायिक तर्कों/मापदंडों के संबंध में आईएडी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली लेखा परीक्षा की रिपोर्टों पर भरोसा किया है। ङ. हमने उपरोक्त आरबीआई परिपत्र/निर्देशों के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सीसीडीपी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयारी सॉफ्टवेयर में प्रगति की मैपिंग का परीक्षण किया। च. हमने बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण के निगरानी तंत्र के अनुसार आयोजित विभिन्न लेखा परीक्षाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने और विभिन्न लेखा परीक्षाओं के अनुपालन के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावकारिता की जांच की है। छ. हमें लेखापरीक्षा के लिए सौंपी गई शाखाओं की सारभूत कार्यविधियों के पालन में हमने बड़े अग्रिमों/दबाव वाले अग्रिमों की जांच की है जबकि अन्य अग्रिमों की नमूना आधार पर जांच की गई है। हमने बैंक प्रबंध मंडल द्वारा उपलब्ध कराई गई स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा के आधार पर भी जांच की है। ज. हमने एनपीए की पहचान और आय के प्रतिवर्तन और प्रावधान के निर्माण की प्रक्रिया का मूल्यांकन और आकलन किया; झ. हमने इसमें अन्य सांविधिक शाखा लेखापरीक्षकों की लेखापरीक्षा रिपोर्टों की भी सहायता ली है जिनके साथ हमने इस विषय में विशेष रूप से पत्राचार/संवाद भी किया। ट. बैंक ने प्रक्रियाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की है। हमने इन मानक संचालन प्रक्रियाओं पर भरोसा किया है और इन मानक संचालन प्रक्रियाओं के आधार पर अपना परीक्षण किया है।

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

- ii निवेशों का वर्गीकरण और मूल्यांकन, अनर्जक निवेशों की पहचान और उनके लिए प्रावधान (अनुसूची 8 अनुसूची 17 के नोट 3 के वित्तीय विवरण के साथ पठित।)

निवेश में बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूति, बॉण्ड, डिबेंचर, शेयर, प्रतिभूति प्राप्ति और अन्य अनुमोदित प्रतिभूति में किया गया निवेश शामिल है।

निवेशों का बैंक की कुल परिसंपत्तियों में 27.05% हिस्सा है। ये भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों द्वारा निर्देशित होते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के इन निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ निवेशों का मूल्यांकन, निवेशों का वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान, तदनुसूची आय की मान्यता न दिए जाने और इसके विरुद्ध प्रावधान शामिल हैं।

उपर्युक्त प्रतिभूतियों की प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित विधि के अनुसार किया जाना है जिसमें विभिन्न स्रोतों जैसे कि एफआईएमएडीए दर्जे, बीएसई/एनएसई पर उद्धृत दर्जे, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों आदि से आंकड़ों/सूचनाओं का संग्रह शामिल है। मूल्यांकन, लेन-देन की मात्रा, हस्तगत निवेशों की मात्रा और विनियामक फोकस की डिग्री में शामिल निर्णय की जटिलताओं और सीमा को ध्यान में रखते हुए, इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है।

तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा निवेश के मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान और निवेश से संबंधित प्रावधान पर केंद्रित है।

लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/निर्देशों के संदर्भ में निवेश के प्रति हमारे लेखा परीक्षा दृष्टिकोण में मूल्यांकन, वर्गीकरण, गैर निष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान/मूल्यहास के संबंध में आंतरिक नियंत्रणों और वास्तविक लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की समझ शामिल थी। विशेष रूप से:

- क. हमने मूल्यांकन, वर्गीकरण, एनपीआई की पहचान, निवेश से संबंधित प्रावधान / मूल्यहास के बारे में प्रासंगिक आरबीआई दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया और इसे समझ लिया।
- ख. इन निवेशों का उचित मूल्य जानने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का आकलन और मूल्यांकन किया गया;
- ग. हस्तगत निवेशों के चुनिंदा नमूने के लिए इनके ठीक होने और भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों का अनुपालन किए जाने तथा भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र में प्रत्येक श्रेणी की प्रतिभूति का मूल्यांकन फिर से करने संबंधी निर्देशों के पालन की स्थिति की भी जांच की गई। नमूनों का चयन यह सुनिश्चित करने के बाद ही किया गया है कि सभी श्रेणियों के निवेशों का (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर) नमूने में समावेश हो जाए;
- घ. एनपीआई और आय के तदनुसूची रिवर्सल एवं प्रावधान राशि की गणना की प्रक्रिया की जांच और मूल्यांकन किया;
- ङ. सारभूत लेखापरीक्षा कार्यविधियों का पालन किया गया है जिससे भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों और निर्देशों के अनुसार प्रावधान राशि और मूल्यहास के लिए भी प्रावधान राशि की अलग से फिर से गणना की जा सके। तदनुसार हमने प्रत्येक श्रेणी के निवेशों के चुनिंदा नमूने एकत्रित किए और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार एनपीआई की गणना की जांच की तथा उन चुनिंदा नमूना एनपीआई के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्रों के अनुसार किए गए प्रावधान की राशि की भी फिर से गणना की;
- च. निवेश ऐप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के बीच निवेशों की मैपिंग की जांच की जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र के अनुसार प्रस्तुति और प्रकटीकरण की अपेक्षाओं का कैसे अनुपालन किया गया है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं.	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
iii	प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों सहित कतिपय मुकदमों के संबंध में प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों का आकलन, अन्य पक्षों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है (अनुसूची 12 वित्तीय विवरणों के लिए अनुसूची 18 के नोट 18.13 के साथ पठित) प्रावधान के स्तर का आकलन करने के लिए उच्च स्तर के निर्णय की आवश्यकता होती है। बैंक का मूल्यांकन मामले के तथ्यों, उनके अपने फैसले, पिछले अनुभव, और कानूनी और स्वतंत्र कर सलाहकारों से सलाह द्वारा समर्थित है, जहां भी आवश्यक माना जाता है। तदनुसार, अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम बैंक के रिपोर्ट किए गए लाभ और तुलन पत्र में प्रस्तुत मामलों की स्थिति को काफी प्रभावित कर सकते हैं। हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित संबंधित अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता होती है। तदनुसार, हमारी लेखा परीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों और इसमें शामिल कानून के निर्णयों / व्याख्या के विश्लेषण पर केंद्रित थी।	हमारी लेखापरीक्षा कार्यविधि में शामिल है: क. लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना ताकि हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन किया जा सके जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं ख. लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक की स्थिति सहित मुकदमों/कर आकलनों की वर्तमान स्थिति को समझना ग. विभिन्न कर प्राधिकरणों/ न्यायिक मंचों से प्राप्त हाल के आदेशों और / या संचार की जांच करना और उन पर अनुवर्ती कार्रवाई करना; घ. इसमें प्रस्तुत आधारों के संदर्भ में विचाराधीन विषय वस्तु की योग्यता का मूल्यांकन करना और हमारे आंतरिक कर विशेषज्ञों की राय सहित उपलब्ध स्वतंत्र कानूनी / कर सलाह ङ. चर्चाओं के माध्यम से बैंक के विवादों के मूल्यांकन की समीक्षा और विश्लेषण, विचाराधीन विषय वस्तु के ब्यौरे का संग्रह, संभावित परिणाम और उन मुद्दों पर परिणामी संभावित बहिर्वाह; और च. महत्वपूर्ण मुकदमों और कराधान मामलों से संबंधित प्रकटीकरण का सत्यापन।
iv	कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों का मूल्यांकन: बैंक ने बीमांकिक आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों को मान्यता दी है। पेंशन और ग्रेच्युटी दायित्वों को बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बैंक की भविष्य निधि योजना में कमी, यदि कोई हो, बीमांकिक आधार पर भी प्रदान की जाती है। बैंक सालाना स्वतंत्र बाह्य बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ट्रस्टियों द्वारा प्रशासित फंड में समय-समय पर योगदान देता है। गैर-वित्तपोषित दीर्घकालिक परिभाषित लाभ दायित्वों में क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति, रजत जयंती पुरस्कार, अवकाश यात्रा रियायत, सेवानिवृत्ति पुरस्कार और पुनर्वास भत्ता शामिल हैं। गैर-वित्त पोषित दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की लागत अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित की जाती है, जिसमें प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है। फ़र्कमचारी लाभ दायित्वों का बीमांकिक मूल्यांकन बाजार की स्थितियों और बनाई गई धारणाओं पर निर्भर करता है। मुख्य लेखा परीक्षा मामला विशेष रूप से निम्नलिखित प्रमुख धारणाओं से संबंधित है: छूट दर, मुद्रास्फीति की उम्मीदें और जीवन प्रत्याशा धारणाएं। इन मान्यताओं की स्थापना जटिल है और तीसरे पक्ष के बीमांकिक के समर्थन से महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।	हमने कार्यप्रणाली और महत्वपूर्ण मान्यताओं पर शासन और नियंत्रण का परीक्षण किया, जिसमें प्रबंधन के विशेषज्ञों के उपयोग के संबंध में भी शामिल है। हमने बाहरी बीमांकिक विशेषज्ञ की रिपोर्टों की जांच की और वित्तीय और जनसांख्यिकीय दोनों में उपयोग की जाने वाली प्रमुख बीमांकिक मान्यताओं की समीक्षा की, और कर्मचारियों के परिभाषित लाभ दायित्वों के बीमांकिक मूल्यांकन के लिए प्रदान किए गए इनपुट डेटा की समीक्षा सहित इन मान्यताओं को प्राप्त करने के लिए लागू पद्धति पर विचार किया। इसके अलावा, हमने परिभाषित लाभ दायित्वों के मूल्यांकन में प्रमुख मान्यताओं पर संवेदनशीलता विश्लेषण की जांच की है। हमने परिभाषित लाभ दायित्व के मूल्यांकन में शामिल प्रबंधन विशेषज्ञ की निष्पक्षता और क्षमता का भी मूल्यांकन किया। हमने देनदारी का अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल की गई पद्धति की उपयुक्तता का आकलन किया और गणना की सटीकता का परीक्षण किया

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:

v	सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली और नियंत्रण (आईटी नियंत्रण): सभी बीमा कंपनियां दैनिक रूप से संसाधित होने वाले लेनदेन की बड़ी संख्या के कारण प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भर हैं। कंपनी की वित्तीय प्रक्रियाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वचालित प्रक्रियाओं और लेनदेन के कैचरिंग, मूल्यांकन और रिकॉर्डिंग पर नियंत्रण के साथ आईटी सिस्टम पर बहुत अधिक निर्भर है। इस प्रकार, एक जोखिम मौजूद है कि आईटी नियंत्रण पर्यावरण में किसी कमी के परिणामस्वरूप वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग रिकॉर्ड भौतिक रूप से गलत हो सकते हैं। कंपनी अपनी समग्र वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए कई प्रणालियों का उपयोग करती है। हमने आईटी सिस्टम के महत्वपूर्ण उपयोग और आईटी आर्किटेक्चर के पैमाने और जटिलता के कारण आईटी सिस्टम और कंट्रोल को प्रमुख ऑडिट मामलों के रूप में पहचाना है।	प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं: - वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग पर प्रभाव डालने वाले आईटी सिस्टम पर प्रमुख नियंत्रण का नमूना परीक्षण। - नमूना परीक्षण द्वारा वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग रिकॉर्ड के संबंध में कुछ प्रमुख नियंत्रणों की प्रभावशीलता के लिए आईटी सिस्टम प्रक्रियाओं का आकलन किया; और - हमारा ऑडिट दृष्टिकोण स्वचालित नियंत्रणों पर निर्भर करता है और इसलिए प्रक्रियाओं को आईटी सिस्टम पर नियंत्रण, कर्तव्यों के पृथक्करण, इंटरफेस और प्रमुख वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग सिस्टम पर सिस्टम एप्लिकेशन नियंत्रण का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। - स्वतंत्र सूचना प्रणाली लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा की जिसमें कंपनी द्वारा अपनाए गए विभिन्न प्रणाली नियंत्रण उपायों की पुष्टि की गई है।
vi	निवेशों का मूल्यनिर्धारण: - कंपनी के निवेश पोर्टफोलियो में पॉलिसीधारकों के निवेश (पारंपरिक और यूनिट लिंक पॉलिसी धारक) और शेयरधारकों का निवेश शामिल हैं। कंपनी का कुल निवेश पोर्टफोलियो (यानी प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम)) कंपनी की कुल संपत्ति का 99.02 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। बीमा अधिनियम, 1938, आईआरडीएआई (निवेश) विनियम, 2016 (निवेश विनियमन), आईआरडीएआई (वित्तीय विवरण विनियमन की तैयारी), 2002 (वित्तीय विवरण विनियम), कंपनी की निवेश नीति और प्रासंगिक भारतीय जीएपी के अनुसार निवेश किए जाते हैं और इनका मूल्यनिर्धारण किया जाता है। इन मूल्यांकन विधियों ने अवलोकन योग्य ब्याज दर, सूचकांक स्तर, क्रेडिट स्प्रैड, इक्विटी की कीमतें, काउंटर पार्टी क्रेडिट गुणवत्ता, और इसी बाजार अस्थिरता के स्तर आदि सहित कई अवलोकन योग्य बाजार आदानों (इनपुट) का उपयोग किया। उद्धृत निवेश का पोर्टफोलियो कंपनी के एयूएम का 39.9 प्रतिशत है और निवेश का पोर्टफोलियो जो मुख्य रूप से अवलोकन योग्य इनपुट का उपयोग करके जिसका मूल्यनिर्धारित किया गया है, कंपनी के एयूएम का 58.80 प्रतिशत है। हम इन निवेशों को पर्याप्त गलत विवरण के उच्च जोखिम पर नहीं मानते हैं, या निर्णय के एक महत्वपूर्ण स्तर के अधीन होने के लिए नहीं मानते हैं क्योंकि उनमें तरल, कोटेड निवेश शामिल हैं। हालांकि, संपूर्ण रूप में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में उनकी भौतिकता के कारण, उन्हें उन क्षेत्रों में से एक माना जाता है जिनका हमारी समग्र रणनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। अनकोटेड निवेश का पोर्टफोलियो कंपनी के एयूएम का 1.22 प्रतिशत है। अनकोटेड निवेश के मूल्यांकन में इनपुट की निगरानी और उपयुक्त मूल्यांकन पद्धति का निर्धारण करने में आगे के निर्णय के आधार पर निर्णय शामिल होता है जहां बाहरी मूल्य निर्धारण स्रोत या तो आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं या अविश्वसनीय होते हैं। इन निवेशों के मूल्यांकन को उन क्षेत्रों में से एक माना जाता था जिनके लिए महत्वपूर्ण लेखा परीक्षक ध्यान देने की आवश्यकता होती थी और वित्तीय विवरणों में निवेश के कुल मूल्य की भौतिकता के कारण वित्तीय विवरणों में महत्व के मामलों में से एक था।	प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं: - हमने आईआरडीएआई निवेश विनियमों, वित्तीय विवरण विनियमन, कंपनी की आंतरिक निवेश और मूल्यांकन नीति के संदर्भ में मूल्य निर्धारण पद्धतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया। - प्रक्रिया का मूल्यांकन किया और प्रमुख नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया, जिसमें कंपनी की समीक्षा और प्रमुख प्राधिकरण और डेटा इनपुट नियंत्रण सहित मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले अनुमानों और मान्यताओं का अनुमोदन शामिल है। - उचित मूल्य एक सक्रिय बाजार में उद्धृत बाजार की कीमतों से सबसे अच्छा साबित होता है। जहां उद्धृत बाजार की कीमतें उपलब्ध नहीं हैं, समान उत्पादों के उद्धृत मूल्यों या अवलोकन योग्य बाजार आधारित इनपुट के साथ मूल्यांकन मॉडल का उपयोग उचित मूल्य का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। अनुमानित उचित मूल्य की गणना समय में एक विशिष्ट बिंदु पर बाजार की स्थितियों पर आधारित है और भविष्य के मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं कर सकती है। - उद्धृत निवेशों के लिए, मूल्यांकन एक सक्रिय बाजार में स्वतंत्र मूल्य स्रोतों / बाजार कीमतों के अनुसार किया गया था। - अनकोटेड निवेशों के लिए, हमने इस तरह के मूल्यांकन के लिए प्रबंधन द्वारा किए गए मूल्य निर्धारण के संदर्भ में दर्ज मूल्यांकन की उपयुक्तता को निर्धारित करने के लिए मूल्यनिर्धारण मूल्यांकन और परिणामी निष्कर्षों का गंभीर रूप से मूल्यांकन किया।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

क्र.सं. प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षा में इस मामले का समाधान कैसे किया गया है
vii आकस्मिक देयताएं और मुकदमे:- कंपनी के पास विभिन्न अपीलीय प्राधिकरणों और विभिन्न मंचों पर मुकदमे के मामले लंबित हैं। इसमें ऐसे मुकदमे के मामलों के अंतिम परिणाम को निर्धारित करने के लिए लागू लेखा मानकों के अनुसार निर्णय शामिल हैं। प्रबंधन ने आवश्यकतानुसार अपने विशेषज्ञों की मदद से दायित्व के अनुरूप संबंधित निर्णय दिए हैं कि क्या एक अस्थायी देयता के लिए एक अंतिम प्रकटीकरण देने की आवश्यकता है। इसलिए हमने अनिश्चितता और संभावित भौतिक प्रभाव के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया।	मुख्य लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं:- - हमने मुकदमे के मामलों से संबंधित विभिन्न नियामक पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ा और विभिन्न स्थितियों के रूप में कानूनी स्थिति की हमारी समझ के साथ उनकी पुष्टि की। - हमने विवाद की स्थिरता की समीक्षा करने के लिए अपनी टीम की राय सहित स्वतंत्र कानूनी वकील से प्रबंधन द्वारा मांगी गई कानूनी राय प्राप्त की। हमने कंपनी की आंतरिक कानूनी टीम के साथ महत्वपूर्ण मुकदमों के संबंध में स्थिति और संभावित जोखिम पर चर्चा की और प्रत्येक मुकदमे के संभावित परिणाम और संभावित जोखिम के परिमाण पर प्रबंधन के विचारों सहित विभिन्न मुकदमों की प्रगति के बारे में विवरण प्राप्त किया। - तथ्यों और परिस्थितियों का आकलन करने और संभावित जोखिमों की पहचान करने और खुद को संतुष्ट करने के लिए विभिन्न मुकदमों की समीक्षा की गई थी कि यह संभव नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, या कुछ मामलों में जहां राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, इस तरह के दायित्व का प्रकटीकरण कंपनी द्वारा एक आकस्मिक देयता के रूप में किया जाता है।
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार प्रमुख लेखा परीक्षा मामले:	
viii अनिश्चित कर स्थितियों का मूल्यांकन: कंपनी के पास विवाद के तहत मामलों सहित अनिश्चित कर लंबित होने की स्थिति है जिसमें इन विवादों के संभावित परिणाम को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं।	प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं: हमने कर विवादों की निगरानी के लिए कंपनी की प्रक्रियाओं और नियंत्रणों का मूल्यांकन किया। कर संबंधी मुकदमे के जोखिम मूल्यांकन के लिए प्रबंधन की अंतर्निहित मान्यताओं को चुनौती देने के फैसले और ऐसे मामलों में उनकी धारणा का आकलन करने के लिए कर प्रावधान और विवादों के संभावित परिणाम का अनुमान लगाने में के संबंध में हमने आंतरिक कर विशेषज्ञ से जोखिम निर्धारण कराया। उन्होंने इन अनिश्चित कर पदों पर प्रबंधन की स्थिति का मूल्यांकन करने में कानूनी प्राथमिकता और अन्य फैसलों पर भी विचार किया।

समेकित वित्तीय विवरणों और उन पर लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन के अलावा अन्य सूचना

4. बैंक का निदेशक मंडल अन्य जानकारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य सूचना में कारपोरेट अभिशासन रिपोर्ट (लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है), जिसे इस लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जारी करते समय प्राप्त किया जाएगा, और बैंक के निदेशकों का प्रतिवेदन जिसमें वार्षिक रिपोर्ट में अनुलब्धक शामिल हैं, यदि कोई हो, उन पर, जो इस लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय बेसल III प्रकटीकरण के तहत अन्य जानकारी और स्तंभ 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं और न ही करेंगे।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी ऊपर पहचानी गई अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों या ऑडिट में प्राप्त हमारे ज्ञान के साथ भौतिक रूप से असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

यदि, इस लेखा परीक्षक रिपोर्ट की तिथि से पहले प्राप्त अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इस अन्य जानकारी में कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस मामले में हमारे पास रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के साथ प्रभारित लोगों की जिम्मेदारियां

5. बैंक का निदेशक मंडल इन समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में जिम्मेदार है जो लेखांकन मानक 21-समेकित वित्तीय विवरण, लेखांकन मानक 23- समेकित वित्तीय विवरणों में एसोसिएट्स में निवेश के लिए लेखांकन और लेखांकन मानक 27 - के अनुसार समूह की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन और समेकित नकदी प्रवाह का एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी संयुक्त उद्यम में हितों की रिपोर्टिंग और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों और दिशानिर्देशों और अन्य लेखांकन सिद्धांतों को भारत में आम तौर पर स्वीकार किया जाता है। इस उत्तरदायित्व में बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949 के प्रावधानों और बैंक की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए लागू कानूनों के अनुसार और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; चयन और उपयुक्त लेखांकन नीतियों का अनुप्रयोग; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, संबंधित वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और सामग्री की गलत प्रकटीकरण से मुक्त होते हैं, चाहे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण।

समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, समूह निकायों के संबंधित निदेशक मंडल संबंधित समूह इकाई को एक सतत संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, जैसा कि लागू होता है, सतत संस्था से संबंधित मामलों का प्रकटीकरण करता है और लेखांकन के चल रहे मामलों के आधार का उपयोग करता है जब तक कि प्रबंधन या तो समूह संस्थाओं को समाप्त करने या संचालन को रोकने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है।

समूह निकायों के निदेशक मंडल भी संबंधित समूह इकाई की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

6. हमारा उद्देश्य यह है कि बैंक के समेकित वित्तीय विवरण, संपूर्ण रूप में धोखाधड़ी या त्रुटिवश किसी भी प्रकार की गलत बयानी से मुक्त हों, इसका उचित आश्वासन प्राप्त करना और हमारे अभिमत के साथ लेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करना। उचित आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन माना जाता है मगर यह गारंटी नहीं देता कि सांविधिक लेखा परीक्षा के आधार पर की गई लेखापरीक्षा में पाई गई गलत बयानी का दोष निकल पाएगा। गलत बयानी, धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और उन्हें ठोस माना जाएगा यदि अलग या समग्र रूप से इन बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर इनके यूसर्स द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों पर प्रभाव डालती है।

एसए के अनुरूप की गई लेखापरीक्षा के अनुसार हम लेखापरीक्षा के सभी स्तरों पर व्यावसायिक विवेक और व्यावसायिक संशय बनाए रखते हैं। निम्नलिखित भी इसके दायरे में है:

- समेकित वित्तीय विवरणों में निहित गलत बयानी के जोखिमों की पहचान और समीक्षा करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के अनुरूप लेखापरीक्षा कार्यविधि डिजाइन करना और उस पर कार्यवाई करना और लेखापरीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो कि हमारे अभिमत का पर्याप्त तथा संगत आधार बने। धोखाधड़ी के कारण की गई गलत बयानी की पहचान न करने का जोखिम, त्रुटिवश की गई गलत बयानी से भारी हो सकता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन भूल-चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण की भ्रमर भी हो सकती है।
- उपयोग में लाई गई लेखा नीतियों की युक्तिसंगतता तथा प्रबंध मंडल द्वारा किए गए लेखा प्राक्कलनों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता और प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन।
- प्रबंध मंडल द्वारा कार्यशील बैंक आधार पर लेखा रखने की उपयुक्तता पर निष्कर्ष के रूप में तथा प्राप्त लेखापरीक्षा प्रमाण के आधार पर कि क्या ऐसी घटना या परिस्थिति के आधार पर कोई तात्त्विक अनिश्चितता विद्यमान है, जिससे कार्यशील समूह की संस्था के रूप में जारी रहने की बैंक की क्षमता पर संशय होता हो। यदि

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

हम यह निष्कर्ष निकालें कि तात्विक अनिश्चितता पाई गई है तो हमें केवल बैंक के वित्तीय विवरणों में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में संबंधित प्रकटीकरणों की ओर ध्यान देना अपेक्षित होगा या प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं हैं तो हमारे अभिमत को संशोधित करना अपेक्षित होगा। हमारे निष्कर्ष लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक के लेखापरीक्षा प्रमाण पर निर्भर हैं। हालांकि भविष्य की घटनाओं या परिस्थितियों के कारण बैंक कार्यशील संस्था नहीं भी बना रह सकता है।

- प्रकटीकरण सहित, समूह की संस्था के समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति तथा विषयवस्तु तथा बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों में अंतर्निहित लेनदेनों तथा घटनाओं का सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत किया गया है, इसका मूल्यांकन करना।
- समूह और उसके सहयोगियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के भीतर संस्थाओं या व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के बारे में समेकित वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए उपयुक्त लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं और जिनकी वित्तीय जानकारी हमने ऑडिट की है। हम समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल अन्य संस्थाओं के लिए, जिनकी अन्य लेखा परीक्षाओं द्वारा लेखा परीक्षा की गई है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षक उनके द्वारा किए गए लेखा परीक्षाओं के निर्देशन, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए उत्तरदायी रहते हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा राय के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार बने हुए हैं।

बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की मात्रा, अलग-अलग रूप से या समग्र रूप से जिससे कि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर आर्थिक निर्णय लेनेवाले जानकार यूजर संभवतः प्रभावित हो सकता है। (i) हमारी लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाते समय और हमारे कार्य के परिणाम का मूल्यांकन करते समय तथा (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई गलत बयानी का मूल्यांकन करते समय हम मात्रात्मक विषयवस्तु और गुणात्मक घटकों पर विचार करते हैं।

हम, अभिशासन से जुड़े लोगों को अन्य बातों के साथ-साथ लेखापरीक्षा का योजनाबद्ध क्षेत्र और उसकी अवधि, लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण परिणाम और लेखापरीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में पाई गई महत्वपूर्ण कमियों के बारे में अवगत कराते हैं।

हम, अभिशासन से जुड़े लोगों को एक विवरणी प्रस्तुत करते हैं जिसमें हमारे द्वारा स्वतंत्रता संबंधी नैतिक अपेक्षाओं के अनुपालन करते हुए

लेखापरीक्षा की गई है और उन्हें संबंधों तथा अन्य मामलों की जानकारी दें जो हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले हैं और जहां लागू हो, वहां उससे संबंधित सावधानियों की भी जानकारी दें।

अभिशासन से जुड़े लोगों को जिन मामलों की जानकारी दी जाए उनमें से हम चालू अवधि के बैंक के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण मामलों के रूप में शामिल करें इसलिए ये मामले महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले हैं। हम लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में इन महत्वपूर्ण मामलों का वर्णन करते हैं बशर्ते कि लागू कानून या विनियमों में इनके सार्वजनिक प्रकटीकरण पर रोक नहीं लगाई गई हो या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम निर्णय लेते हैं कि हमारी रिपोर्ट में इस मामले की सूचना न दी जाए क्योंकि उसके विपरीत नतीजे जनहित के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

अन्य मामले

7. इन समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल हैं:

क) हमने बैंक के एकल वित्तीय विवरणों में शामिल 6052 शाखाओं (35 विदेश स्थित शाखाओं सहित) के वित्तीय विवरणों / जानकारी का ऑडिट नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण / वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2024 को ₹47,02,753 करोड़ की कुल संपत्ति और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ₹3,50,397 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाती है, जैसा कि एकल वित्तीय विवरणों में माना जाता है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं की लेखा परीक्षा उन शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है, और हमारी राय में जहां तक यह शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है;

(ख) हमने 25 अनुषंगियों, 7 संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2024 को ₹5,84,146.86 करोड़ की कुल संपत्ति को दर्शाते हैं, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,37,610.16 करोड़ का कुल राजस्व, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में है। समेकित वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹1,383.94 करोड़ के शुद्ध लाभ का समूह का हिस्सा भी शामिल है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में है, 18 सहयोगियों के संबंध में, जिनके वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा ऑडिट नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत

की गई है और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन सहायक कंपनियों, संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं और सहयोगियों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, और हमारी रिपोर्ट जहां तक यह पूर्वोक्त सहायक कंपनियों से संबंधित है, संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों और सहयोगियों के मामले पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित हैं।

- (ग) हमने 1 अनुषंगी और 1 सहयोगी जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2024 तक 8,440.76 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति को दर्शाया गया और कुल राजस्व 571.25 करोड़ रुपये है, के वित्तीय विवरणों का ऑडिट नहीं किया है। समेकित वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कुल शुद्ध लाभ में समूह का हिस्सा 21.21 करोड़ रुपये भी शामिल है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में है। 1 सहयोगी के संबंध में, जिसका वित्तीय विवरण / वित्तीय जानकारी हमारे द्वारा ऑडिट नहीं किया गया है। ये वित्तीय विवरण अप्रकाशित हैं और हमें प्रबंधन और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं, जहां तक यह इन सहायक और सहयोगी के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरण से संबंधित है, और हमारी रिपोर्ट उपर्युक्त सहायक कंपनियों और सहयोगी से संबंधित है, जहां तक कि पूरी तरह से इस तरह के अप्रकाशित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। हमारी राय में और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, ये वित्तीय विवरण समूह के लिए सामग्री नहीं हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय उपर्युक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं की गई है, जो किए गए कार्य और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों और प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों पर हमारी निर्भरता के संबंध में है।

8. समूह की सहायक कंपनियों एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लेखा परीक्षकों ने सूचित किया है कि लागू जीवन पॉलिसियों के लिए देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन और किए गए लेकिन रिपोर्ट नहीं किए गए दावों (आईबीएनआर) और दावों के संबंध में देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन लेकिन पर्याप्त नहीं बताया गया (आईबीएनईआर) कंपनी के नियुक्त एक्च्यूरी (नियुक्त एक्च्यूअरी) की जिम्मेदारी है। लागू जीवन पॉलिसियों के लिए और उन पॉलिसियों के लिए इन देनदारियों का बीमांकिक मूल्यांकन जिनके संबंध में प्रीमियम बंद कर दिया गया है लेकिन 31 मार्च, 2024 को देयता मौजूद है, को नियुक्त एक्च्यूअरी द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है और उनकी

राय में, इस तरह के मूल्यांकन के लिए धारणाएं भारतीय बीमा नियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई / प्राधिकरण) और भारतीय बीमांकिक संस्थान द्वारा सहमति से जारी दिशानिर्देशों और मानदंडों के अनुसार हैं। प्राधिकरण के साथ। लेखा परीक्षकों ने इस संबंध में नियुक्त एक्च्यूअरी के प्रमाण पत्र पर भरोसा किया है ताकि लागू जीवन नीतियों के लिए देनदारियों के मूल्यांकन पर हमारी राय बनाई जा सके और उन नीतियों के लिए जिनके संबंध में प्रीमियम बंद कर दिया गया है लेकिन कंपनी के वित्तीय विवरणों में देयता मौजूद है।

अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

9. समेकित तुलनपत्र और समेकित लाभ एवं हानि खाता बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तैयार किए गए हैं और ये भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 तथा उसके अंतर्गत बने विनियमों के उपबंधों के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं।

उपर्युक्त पैराग्राफ 5 से 8 की सीमाओं का अतिक्रमण न करते हुए एवं भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की अपेक्षाओं के अनुरूप एवं तत्संबंधी अपेक्षित प्रकटीकरणों की सीमाओं के अंतर्गत रहते हुए हम निम्नानुसार अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

- क. हमने जहाँ भी कोई जानकारी और स्पष्टीकरण माँगा है, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन से हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक था, हमें वह जानकारी और स्पष्टीकरण दिया गया है और हमने उसे संतोषजनक पाया है:
- ख. हमारी जानकारी में आए बैंक के लेन-देन बैंक के अधिकार-क्षेत्र में ही हैं; तथा
- ग. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियाँ हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से उचित पाई गई हैं।
10. इसके साथ ही हम रिपोर्ट करते हैं कि:
- क) हमारी राय में, बैंक द्वारा विधि द्वारा अपेक्षित उचित खातों को तब तक रखा गया है जहां तक यह उन खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त उचित रिटर्न उन शाखाओं से प्राप्त हुए हैं जिनका हमारे द्वारा दौरा नहीं किया गया है;
- ख) समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता और समेकित नकदी प्रवाह विवरण का संज्ञान इस रिपोर्ट में लिया गया है, जो खाते के साथ और उन शाखाओं से प्राप्त रिटर्न के साथ मेल खाते हैं जिनका हमारे द्वारा दौरा नहीं किया गया है;

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

- ग) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के उपबंधों के अनुसार बैंक के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित शाखा कार्यालयों के खातों की रिपोर्टें हमें भेजी गई हैं और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे द्वारा उचित रूप से संज्ञान में लिया गया है; और
- घ) हमारी राय में, समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ और हानि खाता और समेकित नकद प्रवाह विवरण लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, इस हद तक कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं हैं।
11. जैसा कि पत्र संख्या डीओएस. एआरजी. संख्या 6270/08.91.001/2019-20 दिनांक 17 मार्च, 2020 द्वारा अपेक्षित है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों (एससीए) की नियुक्ति - वित्त वर्ष 2019-20 से एससीए के लिए दायित्वों की रिपोर्टिंग पर, आरबीआई द्वारा जारी 19 मई, 2020 के बाद के पत्र के साथ पढ़ा गया, हम उपरोक्त पत्र के पैरा ग्राफ 2 में निर्दिष्ट मामलों पर नीचे के रूप में आगे की रिपोर्ट करते हैं:
- क) वित्तीय लेन-देन या ऐसे मामलों पर कोई विचार या टिप्पणियां नहीं हैं जिनका बैंक के कार्यकलाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- ख) 31 मार्च, 2024 को बैंक के निदेशक मंडल द्वारा रिकॉर्ड पर लिए गए बैंक के निदेशकों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदनों और भारत में निगमित इसकी सहायक, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों के आधार पर, भारत में निगमित समूह कंपनियों के निदेशकों में से कोई भी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) के संदर्भ में निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए 31 मार्च 2022 तक अयोग्य नहीं है,।
- ग) खातों के रख-रखाव और उससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित अर्हताएं, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणियां नहीं हैं।
- घ) आईसीएआई द्वारा जारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मामले में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर तकनीकी मार्गदर्शिका के पैरा 1.14 के अनुसार, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में आरबीआई द्वारा शुरू की गई रिपोर्टिंग आवश्यकता केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर लागू होगी न कि पीएसबी के समेकित वित्तीय विवरणों पर। तदनुसार, 31 मार्च, 2024 को समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर समूह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्टिंग नहीं की जाती है।

केसी मेहता एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड एकाउंटेंट

फर्म पंजीकरण संख्या 106237W/W100829

सीए चिराग बवशी

भागीदार

सदस्यता सं. 047164

UDIN: 24047164BKAKPP7295

स्थान: मुंबई

दिनांक: 9 मई, 2024

अनुलग्नक क: 31 मार्च 2024 को समेकित इकाइयों की सूची

क्र.सं. सहायक का नाम	क्र.सं. सहायक का नाम
1 एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड.	14 एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड
2 एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड	15 एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेस लि.
3 एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	16 एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड
4 एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड	17 एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड
5 एसबीआई डीएफएचआई लि.	18 कमर्सियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को
6 एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.	19 एसबीआई कनाडा बैंक- अलेखापरीक्षित
7 एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्रा.लि. (25.07.2023 से प्रभावी)	20 भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)
8 एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	21 भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड
9 एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	22 भारतीय स्टेट बैंक सर्विकोस लिमिटाडा
10 एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	23 एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड
11 स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेस प्रा. लि.	24 पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
12 एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	25 नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड
13 एसबीआई जेनरल इंश्योरेंस कंपनी लि.	26 नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड
क्र.सं. संयुक्त उद्यम का नाम	क्र.सं. संयुक्त उद्यम का नाम
1 सी - एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	5 मेक्वायरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि.
2 एसबीआई मेक्वायरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.	6 ओमान इंडिया ज्वाइंट इनवेस्टमेंट फंड - मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
3 एसबीआई मेक्वायरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.	7 ओमान इंडिया ज्वाइंट इनवेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
4 मेक्वायरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट पीटीई लिमिटेड।	
क्र.सं. सहयोगियों के नाम	क्र.सं. सहयोगियों के नाम
1 आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	11 झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक
2 अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	12 सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक
3 छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	13 राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक
4 इलाकाई देहाती बैंक	14 तेलंगाना ग्रामीण बैंक
5 मेघालय ग्रामीण बैंक	15 द क्लीयरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
6 मध्यांचल ग्रामीण बैंक	16 यस बैंक लिमिटेड
7 मिजोरम ग्रामीण बैंक	17 बैंक ऑफ भूतान लिमिटेड- अलेखापरीक्षित
8 नागालैंड ग्रामीण बैंक	18 इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेस (इंडिया) प्राइवेट लि
9 उत्कल ग्रामीण बैंक	19 जियो पेमेंट्स बैंक लि.
10 उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	

डीएफ-1: लागू करने का कार्यक्षेत्र

भारतीय स्टेट बैंक मूल कंपनी है, जिस पर बासेल III मानदंड लागू होते हैं। इस समूह के समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएपी) के अनुरूप हैं, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित नियामक मानदंडों, निर्देशों और दिशानिर्देशों, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 के वैधानिक दिशानिर्देशों, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम 1996, कंपनी अधिनियम 2013, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक और भारत में प्रचलित लेखा सामान्य व्यवहार शामिल हैं।

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण:

क) समूह के उन निकायों की सूची, जिन्हें 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए समेकन हेतु विचार किया गया है

निम्नलिखित अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों को शामिल कर एसबीआई समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
2	एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
3	एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
4	एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
5	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
6	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
7	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
8	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
9	एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
10	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
11	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
12	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड	मॉरिशस	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
13	एसबीआई कार्गो एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
14	एसबीआई सीडीएमडी ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड (निगमन की तिथि 25 जुलाई 2023)	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं

क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
15	भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	यूएसए	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
16	एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
17	कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मारको	रूस	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
18	एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	मॉरिशस	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
19	पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
20	नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
21	नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड	नेपाल	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
22	भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	यूके	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	लागू नहीं
23	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्विकोस लिमिटेड	ब्राजील	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	लागू नहीं	गैर-वित्तीय अनुषंगी: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
24	स्टेट बैंक ऑपरेशन्स सपोर्ट सर्विसेज प्रा. लि.	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं है	लागू नहीं	गैर-वित्तीय अनुषंगी: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
25	एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	बीमा संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
26	एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 21 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	बीमा संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
27	सी-एज टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	गैर-वित्तीय संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
28	एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
29	एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
30	मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
31	मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	बरमूडा	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
32	ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड- मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं

क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	क्या इकाई समेकन के लेखांकन कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	क्या इकाई समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल है (हाँ/नहीं)	समेकन की पद्धति	समेकन की समेकन की पद्धति में अंतर के कारण	यदि केवल एक कार्यक्षेत्र के आधार पर समेकन किया गया है तो उसके कारण दें
33	ओमान इंडिया जॉइंट इनवेस्टमेंट फंड - ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 27 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	संयुक्त उद्यम: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
34	आंध्रप्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
35	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
36	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
37	इलाकाई देहाती बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
38	मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
39	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
40	मिजोरम ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
41	नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
42	उत्कल ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
43	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
44	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
45	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
46	राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
47	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
48	द विलियर्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
49	येस बैंक लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
50	बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	भूटान	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
51	इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं
52	जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड	भारत	हाँ	एस 23 के अनुसार समेकित	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	सहयोगी: नियामक समेकन कार्यक्षेत्र में नहीं

ख. 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार समूह की उन इकाइयों की सूची, जिन्हें लेखांकन और विनियामक दोनों कार्यक्षेत्र के तहत समेकन के लिए विचार नहीं किया गया है

(रुपए करोड़ में)

क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	इकाई के पूंजीगत लिखतों में बैंक के निवेशों को विनियामक द्वारा मान्यता	कुल तुलन पत्र आस्ति (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)
1	एसबीआई फाउंडेशन	भारत	कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अलाभकारी कंपनी	348.89	99.72%	विनियामक पूंजी से कटौती	349.60
2	एसबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड	भारत	परिसमापन के तहत	लागू नहीं	26.00%	जोखिम भारित	लागू नहीं
3	एसबीआई इंफ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	परिसमापन के तहत	3.93	100%	विनियामक पूंजी से कटौती	3.94
4	एसबीआई फंड्स इंटरनेशनल (आईएफएससी) लिमिटेड	गिफ्ट सिटी- इंडिया फंड्स मैनेजमेंट*		लागू नहीं	100.00%	लागू नहीं	लागू नहीं

* 31 मार्च 2024 तक, फंड मैनेजमेंट एंटीटी के रूप में व्यवसाय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) से लाइसेंस की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। अनुमोदन के बाद, पूंजी को अनुषंगी कंपनी में डाला जाएगा और एसबीआई के समेकित वित्तीय विवरणों में समूह अनुषंगी के रूप में माना जाएगा।

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण:

ग. 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार विनियामक समेकन में शामिल समूह इकाइयों की सूची

समेकन के विनियामक कार्यक्षेत्र के तहत शामिल समूह इकाइयों की सूची निम्नानुसार है:

(रुपए करोड़ में)

क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल तुलन पत्र आस्ति (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	टिप्पणियां
1	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	भारत	मर्चेट बैंकिंग और सलाहकारी सेवाएँ	2,836.12	3,902.95	
2	एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लिमिटेड	भारत	सिक्युरिटीज ब्रोकिंग एवं इसकी सहायक सेवाएँ तथा वित्तीय उत्पादों का अन्य पक्ष को वितरण	1,514.73	4,802.16	
3	एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड	भारत	कॉरपोरेट ट्रस्टीशिप गतिविधियाँ	204.17	208.23	
4	एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड	भारत	वेंचर कैपिटल फंड के लिए आस्ति प्रबंधन कंपनी	230.29	310.68	
5	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	भारत	सरकारी प्रतिभूतियों में प्राथमिक विक्रेता	1,423.78	21,901.85	
6	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा शुरू की गई योजनाओं के लिए ट्रस्टीशिप सेवाएँ	20.56	20.86	
7	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	भारत	फैक्टरिंग सेवाएँ	455.21	1,835.91	
8	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	उन्हें आवंटित एनपीएस ट्रस्ट की आस्तियों का प्रबंधन और एनपीएस ग्राहकों के ऑनबोर्डिंग के लिए पीओपी के रूप में कार्य करना	212.59	218.05	
9	एसबीआई पेमेंट्स सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	कैशलेस/डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने वाले मर्चे ट अक्वाइरिंग बिजनेस से संबंधित भुगतान समाधान	1,459.33	2,036.26	

						(रुपए करोड़ में)
क्र. सं.	इकाई का नाम	देश, जहां निगमन हुआ	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	टिप्पणियां
10	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	भारत	एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा शुरू की गई योजनाओं के लिए आस्ति प्रबंधन सेवाएँ	6,058.57	6,230.65	
11	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) लिमिटेड	मॉरिशस	निवेश प्रबंधन सेवाएँ	1.08	2.32	
12	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेस लिमिटेड	भारत	क्रेडिट कार्ड व्यवसाय	11,356.13	57,470.08	
13	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	अभिरक्षा एवं निधि लेखा सेवाएँ	510.36	1,008.43	
14	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड (निगमन की तिथि 25 जुलाई 2023)	भारत	कॉरपोरेट ऋण बाजार विकास निधि को ट्रस्टीशिप सेवाएँ	0.22	0.23	
15	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफ़ोर्निया)	यूएसए	बैंकिंग सेवाएँ	1,379.94	9,918.36	
16	एसबीआई कनाडा बैंक	कनाडा	बैंकिंग सेवाएँ	1,197.75	8,440.76	
17	कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मास्को	रूस	बैंकिंग सेवाएँ	760.52	7,738.76	
18	एसबीआई (मॉरिशस) लिमिटेड	मॉरिशस	बैंकिंग सेवाएँ	1,522.53	11,124.66	
19	पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	बैंकिंग सेवाएँ	1,717.49	3,778.45	
20	नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल	बैंकिंग सेवाएँ	1,223.52	13,688.36	
21	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड	यूके	बैंकिंग सेवाएँ	2,859.68	19,422.12	
22	नेपाल एसबीआई मर्चेन्ट बैंकिंग लिमिटेड	नेपाल	मर्चेन्ट बैंकिंग और सलाहकार सेवाएँ	18.64	19.55	

\$ इकिटी पूंजी, आरक्षित और अधिशेष शामिल हैं

घरेलू इकाईयों के मामले में आईजीएपी के अनुसार और विदेशी इकाईयों के मामले में संबंधित स्थानीय विनियमों के अनुसार

(घ) सभी अनुपंगियों में पूंजी की कमी की कुल राशि जो विनियामक समेकन कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं हैं, अर्थात् जो घटा दी गई है:

अनुपंगियों का नाम/ उस देश का नाम, जहाँ निगमन हुआ है	इकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	पूँजी की कमी
		शून्य		

(ङ) बीमा इकाईयों में बैंक के कुल हितों की सकल राशि (अर्थात् वर्तमान बही मूल्य), जो जोखिम भारित हैं:

(रुपए करोड़ में)

पूरा नाम	अंकित मूल्य	बही मूल्य	बाज़ार भाव (एलआईसीआरए + आईआरएसी + आईओएस + आरसीएच)	पूँजी प्रभार	आरडबल्यूए	इकाई की मुख्य गतिविधि	कुल तुलन पत्र इकिटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखा तुलन पत्र में उल्लिखित है)	कुल इकिटी में बैंक की धारिता का %	जोखिम भार पद्धति का उपयोग बनाम पूर्ण कटौती पद्धति का उपयोग का नियामक पूंजी पर मात्रात्मक प्रभाव
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(च) बैंकिंग समूह के भीतर निधियों या विनियामक पूंजी के अंतरण में कोई प्रतिबंध अथवा बाधाएं:

विदेशी बैंकिंग अनुपंगियाँ

अनुपंगियाँ	प्रतिबंध
एसबीआई कैलिफोर्निया	विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूंजी अंतरित करने का एकमात्र माध्यम लाभांश का भुगतान अथवा शेयरों की वापसी-खरीद अथवा पूंजी का प्रत्यावर्तन है।
एसबीआई कनाडा	मूल बैंक को किसी भी प्रकार की पूंजी (इक्विटी अथवा ऋण) अंतरित करने से पहले नियामक (ओएसएफआई) की पूर्व अनुमति।
एसबीआई मॉरीशस लिमिटेड	मूल बैंक सहित शेयरधारकों को किए जाने वाले भुगतान से बैंक की पूंजी कम करने पर विनियामक प्रतिबंध हैं। पूंजी में कोई भी कमी या तो लाभांश के भुगतान के माध्यम से अथवा बैंकिंग अधिनियम व मॉरीशस के कंपनी अधिनियम में बताए गए माध्यम से की जा सकती है। भुगतान की जाने वाली राशि एसबीआईएमएल द्वारा विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त पूंजी और तरलता अनुपात बनाए रखने के अधीन है। क) कोई भी बैंक जब तक मॉरीशस में बताई गई पूंजी के अनुसार भुगतान की राशि अथवा कम से कम 400 मिलियन रुपयों या बराबर की नियत पूंजी की राशि नहीं रखता और रखना जारी नहीं रखता, तब तक केंद्रीय बैंक उसे लाइसेंस नहीं देगा अथवा बैंक बैंकिंग लाइसेंस नहीं रख सकता। ख) प्रत्येक बैंक मॉरीशस में कम से कम 10 प्रतिशत की पूंजी, अथवा उस बैंक की जोखिम आस्तियों एवं अन्य प्रकार के जोखिमों के मामले में केन्द्रीय बैंक द्वारा निर्धारित उच्चतर अनुपात में पूंजी बनाए रखेगा।
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	बुक II बैंक के साथ-साथ विदेशी मुद्रा बैंक के रूप में काम करने में सक्षम होने के लिए बैंक न्यूनतम नियामक पूंजी रखता है। हालांकि, पर्याप्त लाभ अर्जित करने के बाद मूल बैंक को लाभांश के रूप में धन के अंतरण की अनुमति है।
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	नेपाल के कानूनों के तहत, कंपनी की परिसंपत्तियां और देनदारियां विशिष्ट और गैर-हस्तांतरणीय होती हैं। इसलिए, बैंकिंग समूह के भीतर निधियों अथवा विनियामक पूंजी का अंतरण संभव नहीं है।
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को (सीआईबीएल)	बैंकिंग समूह के भीतर निधियों या विनियामक पूंजी के अंतरण पर कोई प्रतिबंध अथवा बाधाएं नहीं हैं।
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	विनियामक न्यूनतम आवश्यकता से अधिक पूंजी का भुगतान एसबीआई यूके बोर्ड और पीआरए के अनुमोदन के साथ मूल बैंक (लाभांश अथवा कम की गई पूंजी के माध्यम से) को वापस किया जा सकता है। यह एसबीआई यूके लिमिटेड की अनुमानित वृद्धि योजनाओं और इसकी पूंजी आवश्यकताओं पर आधारित होगा।

गैर-बैंकिंग अनुपंगियाँ

क्र. सं.	कंपनी का नाम	जैसा कि गैर-बैंकिंग अनुपंगियों द्वारा सूचित किया गया
1	एसबीआई लाइफ इश्योरेंस लिमिटेड	- विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूंजी अंतरित करने का एकमात्र माध्यम बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 49 के अनुसार लाभांश का भुगतान करना है। - यह नियामक मानदंडों के अनुसार न्यूनतम शोधन क्षमता अनुपात 150% बनाए रखने के अधीन है। कंपनी के निदेशक मंडल ने सॉल्वेंसी अनुपात की न्यूनतम सीमा 180% निर्दिष्ट की है।
2	एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	- विनियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूंजी अंतरित करने का एकमात्र माध्यम बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 49 के अनुसार लाभांश का भुगतान करना है। - सॉल्वेंसी की विनियामक आवश्यकता 150% है और बोर्ड ने कंपनी द्वारा न्यूनतम सॉल्वेंसी अनुपात 170% को हमेशा बनाए रखना अनिवार्य किया है।
3	एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेस लिमिटेड	कंपनी अधिनियम, सेबी और आरबीआई के प्रावधानों के अनुसार, एसबीआई कार्ड शेयरों की वापसी-खरीद के माध्यम से ही एसबीआई को शेयर पूंजी वापस कर सकता है।
4	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड	एसबीआईएफएमएल कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों, कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन और अन्य लागू विनियमों के पालन के अधीन वापसी-खरीद के माध्यम से पूंजी का हस्तांतरण कर सकता है। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं भी बोर्ड/शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।
5	एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कं. लि.	कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन पुनर्खरीद के माध्यम से कंपनी पूंजी हस्तांतरण कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं भी बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होता है, कंपनी उसका अनुपालन करती है।

क्र. सं.	कंपनी का नाम	जैसा कि गैर-बैंकिंग अनुबंधितों द्वारा सूचित किया गया
6	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड	कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन पुनर्खरीद के माध्यम से पूंजी हस्तांतरण कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होता है, कंपनी उसका अनुपालन करती है।
7	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	- एसबीआईकैप से मूल एसबीआई को पूंजी का हस्तांतरण, निम्नानुसार के अधीन होगा: - सेबी मर्चेंट बैंकर्स विनियम 1992 के अनुसार, एक श्रेणी I के मर्चेंट बैंकर की न्यूनतम 5 करोड़ रुपये की निवल मालियत होना आवश्यक है। इसके अलावा, यदि निधियों के हस्तांतरण से नियंत्रण में बदलाव होता है तो सेबी से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। - सेबी (अनुसंधान विश्लेषक) विनियम, 2014 के अनुसार, एक अनुसंधान विश्लेषक जो एक निगमित निकाय है, के पास 25 लाख रुपये की निवल मालियत होना आवश्यक है। इसके अलावा, यदि निधियों के हस्तांतरण से नियंत्रण में बदलाव होता है तो सेबी से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। - एसबीआईकैप के एओए के अनुच्छेद 60 में प्रावधान है कि इन अनुच्छेदों में निहित किसी तथ्य के बावजूद, अधिनियम के सभी लागू प्रावधानों या किसी अन्य कानून के अधीन रहते हुए, कंपनी अपने स्वयं के शेयरों या अन्य निर्दिष्ट प्रतिभूतियों को खरीद सकती है। - एसबीआईकैप में न्यूनतम पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) को 15.00 बनाए रखने की एक आंतरिक जोखिम नीति है - उपर्युक्त सभी एसबीआईकैप बोर्ड के अनुमोदन के अधीन होंगे।
8	एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)	एसवीएल कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों, कंपनी के एसोसिएशन के लेखों और अन्य लागू नियमों के पालन के अधीन बायबैक के माध्यम से पूंजी हस्तांतरित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम के अनुसार, जहां कहीं भी बोर्ड/शेयरधारकों का अनुमोदन अपेक्षित होगा, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।
9	एसबीआई ग्लोबल फैंक्टर्स लिमिटेड	- नियमों के अनुसार, मूल बैंक को पूंजी अंतरित करने का एकमात्र तरीका लाभांश या वापसी-खरीद शेयरों का भुगतान करना है। मूल बैंक सहित शेयरधारकों को किए जाने वाले भुगतान से बैंक की पूंजी कम करने पर विनियामक प्रतिबंध हैं। पूंजी में कोई भी कमी या तो लाभांश के भुगतान के माध्यम से अथवा बैंकिंग अधिनियम व कंपनी अधिनियम में बताए गए माध्यम से की जा सकती है। भुगतान की जाने वाली राशि विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त पूंजी और तरलता अनुपात बनाए रखने के अधीन है। क. कंपनी एनबीएफसी-फैंक्टर्स लाइसेंस नहीं रख सकती है, यदि वह निवल स्वाधिकृत निधि के रूप में भुगतान की गई राशि को बनाए नहीं रखती और बनाए रखना जारी नहीं रखती है। ख. प्रत्येक एनबीएफसी तुलन पत्र पर अपनी कुल जोखिम भारत आस्तियों (टियर I और टियर II पूंजी, टियर I पूंजी 10% से कम नहीं होनी चाहिए) का कम से कम 15% की पूंजी, अथवा केंद्रीय बैंक द्वारा निर्धारित उच्च अनुपात, और तुलनपत्रेतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य को बनाए रखेगा। ग. एनबीएफसी-फैंक्टर्स के रूप में पंजीकृत प्रत्येक कंपनी फैंक्ट्रिंग विनियम अधिनियम 2011 के अनुसार न्यूनतम 5 करोड़ रुपये की निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) बनाए रखेगी। घ. कंपनी अधिनियम में शेयरों की वापसी-खरीद या लाभांश के रूप में वितरण के माध्यम से पूंजी के अंतरण के लिए भी कुछ शर्तें निर्धारित की गई हैं। - कंपनी के संस्था के अंतर्निष्ठ (एओए) में निधि या विनियामक पूंजी के अंतरण पर कोई विशिष्ट प्रतिबंध नहीं है। - विनियामक न्यूनतम आवश्यकता से अधिक पूंजी का भुगतान बोर्ड और नियामक के अनुमोदन के साथ मूल बैंक (लाभांश अथवा कम की गई पूंजी के माध्यम से) को वापस किया जा सकता है। यह अनुमानित वृद्धि योजनाओं और इसकी पूंजी आवश्यकताओं पर आधारित होगा।
10	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सेक्यूरिटीज सर्विसेस लिमिटेड	- पूंजी का अंतरण सेबी द्वारा निर्धारित 500 मिलियन रुपये के न्यूनतम विनियामक निवल मालियत के संधारण के अधीन होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी को बोर्ड के अनुसार परिचालन जोखिम, जिसकी गणना बेसल खख के मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुसार की जाती है, के लिए 200 मिलियन रुपये (31.03.2024 की स्थिति के अनुसार) की पूंजी पर प्रभार बनाए रखने की आवश्यकता है। - अंतरण नए शेयरों के इश्यू (अधिकारों के आधार पर अथवा अनुवर्ती प्लेसमेंट के रूप में में जारी किए गए शेयरों के अलावा), विकल्प या वारंट का निर्माण, शेयरों के नए वर्गों का निर्माण, वापसी-खरीद/मोचन/पुनर्खरीद, विभाजन, संपरिवर्तनीय ऋण जारी कर, बोनस, ग्रहणाधिकार या ऋण-भार अथवा इक्विटी में संपरिवर्तन को शामिल करने वाले ऋण पुनःसंरचना के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जो पक्षों के लिए और/अथवा इक्विटी शेयरधारकों के रूप में उनके अधिकारों और कंपनी द्वारा लाभांश की घोषणा के लिए गैर-विलयनीय होगा।

क्र. सं.	कंपनी का नाम	जैसा कि गैर-बैंकिंग अनुबंधितों द्वारा सूचित किया गया
11	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	कंपनी लाभांश/ शेयरों की वापसी-खरीद के माध्यम से मूल कंपनी को अधिशेष / पूंजी अंतरित कर सकती है। लाभांश के भुगतान के संबंध में एकल प्राइमरी डीलरों (एसपीडी) को भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश निम्नानुसार हैं- - एसपीडी के शेयरधारिता स्वरूप/पूंजी संरचना में किसी भी बदलाव के लिए आरबीआई के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होगी। - एसपीडी को निरंतर आधार पर न्यूनतम 15 प्रतिशत सीआरएआर बनाए रखने की आवश्यकता है। 1. लाभांश वितरण की घोषणा करते समय एसपीडी निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन करेंगे: क एसपीडी को उस वित्तीय वर्ष (चार तिमाहियों में से प्रत्येक) के लिए न्यूनतम 20 प्रतिशत सीआरएआर बनाए रखना चाहिए जिसके लिए लाभांश प्रस्तावित है। ख निवल एनपीए अनुपात पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष में छह प्रतिशत से कम होगा, जिसमें उस वित्तीय वर्ष की समाप्ति भी शामिल है जिसके लिए लाभांश घोषित किया जाना प्रस्तावित है। ग एसपीडी भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 आईसी के प्रावधानों का पालन करेंगे। घ एसपीडी रिजर्व बैंक द्वारा जारी प्रचलित विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करेंगे। रिजर्व बैंक ने लाभांश की घोषणा पर कोई स्पष्ट प्रतिबंध नहीं लगाया होगा। - एसपीडी जो ऊपर पैराग्राफ (1) में निर्दिष्ट पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, 60 प्रतिशत के लाभांश भुगतान-आउट अनुपात तक लाभांश घोषित कर सकते हैं। पिछली चार तिमाहियों में से किसी में भी 15 प्रतिशत के विनियामक न्यूनतम से कम सीआरएआर वाले एसपीडी किसी भी लाभांश की घोषणा नहीं करेंगे। पिछले वर्ष की सभी चार तिमाहियों के दौरान 15 प्रतिशत के नियामक न्यूनतम के बराबर या उससे अधिक, लेकिन चार तिमाहियों में से किसी एक में भी 20 प्रतिशत से कम सीआरएआर वाले एसपीडी के लिए, लाभांश भुगतान अनुपात (डीपीआर) 33.3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
12	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड	- एसबीआई पेंशन फंड कंपनी अधिनियम और पीएफआरडीए विनियमों के प्रावधानों के अनुसार शेयरों की पुनर्खरीद के माध्यम से ही एसबीआई को शेयर पूंजी लौटा सकता है। - एकमात्र मानदंड यह है कि कंपनी को 50 करोड़ रुपये के न्यूनतम निवल मालियत को बनाए रखना चाहिए और पेंशन फंड के न्यूनतम पात्रता मानदंडों को पूरा करना चाहिए अर्थात् विनियम 8 (डी) प्रायोजक के पास पिछले पांच वित्तीय वर्षों में से कम से कम तीन में कर पश्चात लाभ होना चाहिए। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में कोई नकदी हानि नहीं होना चाहिए। - इसके अलावा, विनियम जे के अनुसार, किसी वित्तीय वर्ष में पेंशन निधि के प्रायोजक के प्रबंधन, स्वामित्व, शेयरधारिता स्वरूप या नियंत्रण में एक प्रतिशत से अधिक लेकिन प्रायोजक या पेंशन फंड की चुकता पूंजी के पांच प्रतिशत से कम का परिवर्तन होने पर, इसकी सूचना, ऐसे परिवर्तन की घटना के पंद्रह दिनों के भीतर प्राधिकरण को दी जाएगी। - बशर्ते कि किसी भी वित्तीय वर्ष में प्रायोजक या पेंशन निधि की चुकता पूंजी में पांच प्रतिशत या उससे अधिक में कोई परिवर्तन प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा। - पूंजी का भुगतान बोर्ड और शेयरधारकों के अनुमोदन और पीएफआरडीए विनियमों और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को पूरा करने के साथ मूल बैंक को किया जा सकता है।
13	एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	- संयुक्त उद्यम करार के अनुसार निधियों अथवा विनियामक पूंजी के अंतरण पर कोई प्रतिबंध या बाधाएं नहीं हैं। - निधियों का अंतरण एसबीआई पेमेंट्स बोर्ड और संयुक्त उद्यम भागीदारों के अनुमोदन के अधीन है।
14	स्टेट बैंक ऑफ़रेसंस सपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	- एसबीओएसएस लाभांश या शेयरों की पुनर्खरीद के माध्यम से होल्डिंग बैंक को पूंजी हस्तांतरित कर सकता है। - इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार जहां भी बोर्ड/शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता होगी, कंपनी उसका अनुपालन करेगी।

डीएफ-2 - पूंजी पर्याप्तता

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

गुणात्मक प्रकटीकरण

- (क) वर्तमान और भविष्य की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए अपनी पूंजी पर्याप्तता की स्थिति के आकलन के लिए बैंक के दृष्टिकोण की संक्षिप्त चर्चा
- बैंक और इसकी बैंकिंग सहायक कंपनियां भारतीय रिजर्व बैंक के नए पूंजी पर्याप्तता संरचना (एनसीएफ) दिशानिर्देशों के अनुरूप वार्षिक आधार पर आंतरिक पूंजी पर्याप्तता निर्धारण प्रक्रिया (आईसीएपी) अपनाती हैं। इस आईसीएपी में पूंजी योजना प्रक्रिया का विवरण दिया जाता है और निम्नलिखित जोखिमों के मापन, निगरानी, आंतरिक नियंत्रण, रिपोर्टिंग, पूंजी आवश्यकता तथा तनाव परीक्षण को कवर करते हुए मूल्यांकन किया जाता है:
 - ऋण जोखिम
 - बाजार जोखिम
 - परिचालन जोखिम
 - ऋण संकेंद्रण जोखिम
 - चलनिधि जोखिम
 - बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम
 - अनुपालन जोखिम
 - देश जोखिम
 - पेंशन निधि दायित्व जोखिम
 - रणनीतिक जोखिम
 - मॉडल जोखिम
 - प्रतिष्ठा जोखिम
 - संक्रामक जोखिम
 - ऋण जोखिम न्यूनीकरण से शेष जोखिम
 - साइबर जोखिम
 - प्रतिभा जोखिम
 - अंडरराइटिंग जोखिम
 - उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य जोखिम
 - भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अनुबंधित/संयुक्त उद्यमों में अनुमानित निवेश तथा भारतीय स्टेट बैंक एवं इसकी सहायक कंपनियों (घरेलू/विदेशी) के अग्रिमों में वृद्धि पर विचार करते हुए 3 से 5 वर्षों की मध्यम अवधि में पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) में घटोत्तरी या बढ़ोत्तरी पर प्रतिवर्ष अथवा आवश्यकतानुसार अधिक बार संवेदनशीलता विश्लेषण किया जाता है। यह विश्लेषण एसबीआई और एसबीआई समूह के लिए अलग-अलग किया जाता है।
 - 3 से 5 वर्षों की मध्यम अवधि में बैंक तथा समग्र समूह का के सीआरएआर विनियामक सीएआर से काफी अधिक रहने का अनुमान है। तथापि, पर्याप्त पूंजी बनाए रखने के लिए, बैंक के पास इक्विटी के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार अधीनस्थ ऋण, स्थायी संचयी अधिमानी शेयर (पीसीपीएस), मोचनीय गैर-संचयी अधिमानी शेयर (आरएनसीपीएस), मोचनीय संचयी अधिमानी शेयर (आरसीपीएस), स्थायी ऋण लिखता (पीडीआई) और स्थायी गैर-संचयी अधिमानी शेयर (पीएनसीपीएस) को बढ़ाकर अपने पूंजीगत संसाधनों को बढ़ाने के विकल्प हैं।
 - विदेशी अनुबंधितों के लिए कार्यनीतिक पूंजी योजना में आस्तियों की वृद्धि के लिए आवश्यक पूंजी निर्धारण तथा विभिन्न स्थानीय विनियामक आवश्यकताओं एवं विवेकपूर्ण मानदंडों का अनुपालन करने के लिए आवश्यक पूंजी का आकलन शामिल है। आस्तियों के बढ़े हुए स्तर का समर्थन करने तथा पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) को बनाए रखने के लिए सीईटी 1/एटी 1/ टियर 2 पूंजी जुटाने के लिए एकल अनुबंधी की क्षमता के बारे में संतुष्ट हो जाने के बाद मूल बैंक द्वारा संवृद्धि योजना को अनुमोदित किया जाता है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ख) ऋण जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकताएं:

मानकीकृत दृष्टिकोण के अधीन पोर्टफोलियो	रु 3,39,198.01 करोड़
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर	शून्य
कुल	रुपए 3,39,198.01 करोड़

(ग) बाजार जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकताएं

मानक अवधि दृष्टिकोण;	
ब्याज दर जोखिम	रु 18,801.14 करोड़
विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम (स्वर्ण सहित)	रु 1,005.86 करोड़
इक्विटी जोखिम	रु 15,916.69 करोड़
कुल	रुपए 35,723.69 करोड़

(घ) परिचालन जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकताएं

बुनियादी संकेतक दृष्टिकोण	रु 39,323.58 करोड़
मानक दृष्टिकोण (यदि लागू हो)	लागू नहीं
कुल	रुपए 39,323.58 करोड़

(ड) सामान्य इक्विटी टियर 1, टियर 1 तथा कुल पूंजी अनुपात

- शीर्ष समेकित समूह के लिए; तथा
- महत्वपूर्ण बैंक अनुबंधियों के लिए (फ्रेमवर्क लागू करने के तरीके के आधार पर एकल अथवा उप-समेकित)

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार पूंजी पर्याप्तता अनुपात

	सीईटी 1 (%)	टियर 1 (%)	कुल (%)
एसबीआई समूह	10.57	12.06	14.38
भारतीय स्टेट बैंक	10.36	11.93	14.28
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	19.24	19.24	20.28
भारतीय स्टेट बैंक (कनाडा)	16.73	16.73	19.09
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	13.35	13.35	14.40
वाणिज्यिक इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को	6.38	6.38	6.38
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	66.62	66.62	67.36
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	12.62	12.62	16.18
एसबीआई (यूके) लिमिटेड	17.51	17.51	17.51

डीएफ-3: ऋणजोखिम: सामान्य प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

सामान्य प्रकटीकरण

अ. गुणात्मक प्रकटीकरण

- पिछले बकाया और हासित आस्तियों की परिभाषाएं (लेखांकन उद्देश्यों के लिए)

अनर्जक आस्तियां

जब कोई आस्ति बैंक के लिए आय अर्जन बंद कर देती है, तो वह अनर्जक आस्ति बन जाती है। 31 मार्च 2006 से, उस आस्ति को अनर्जक आस्ति (एनपीए) माना जाता है, जो

- सावधि ऋण के मामले में ब्याज और/या यदि मूल राशि की किस्त 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए मअतिदेयफरहती है।
- ओवरड्राफ्ट/ नकदी ऋण (ओडी/सीसी) खाता यदि 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए मअनियमित रहता है।
- खरीदे और भुनाए गए बिलों के मामले में यदि बिल 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए मअतिदेयफरहता है।
- अन्य खातों के मामले में यदि प्राप्त होने वाली कोई भी राशि 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए मअतिदेयफरहती है।
- अल्प अवधि फसलों के लिए दिए गए ऋण को तब एनपीए माना जाता है जब मूल राशि या ब्याज की किस्त दो फसली मौसमों तक अतिदेय रहती है तथा दीर्घ अवधि फसलों के लिए दिए गए ऋण को तब एनपीए माना जाता है जब मूल राशि की किस्त या ब्याज एक फसली मौसम के लिए अतिदेय रहता है।
- किसी खाते को तब एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा जब किसी तिमाही के दौरान लगाए गए ब्याज का भुगतान तिमाही समाप्ति के 90 दिनों के भीतर पूरी तरह से न किया गया हो।
- प्रतिभूतिकरण पर 1 फरवरी, 2006 के आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रतिभूतिकरण लेनदेन के संबंध में, यदि चलनिधि सुविधा की राशि 90 दिनों से अधिक तक बकाया हो।
- डेरिवेटिव लेनदेन के मामले में, डेरिवेटिव संविदा के बाजार मूल्य में सकारात्मक चिह्न वाले अतिदेय प्राप्य राशियां, यदि निर्दिष्ट देय तिथि से 90 दिनों की अवधि के लिए अप्रदत्त हैं।

'नियमित' स्थिति

यदि किसी खाते में बकाया राशि लगातार संस्वीकृत/आहरण सीमा से अधिक रहती है, तो उस खाते को 'अनियमित' माना जाता है।

ऐसे मामलों में जहां मूल परिचालन खाते में बकाया शेष राशि संस्वीकृत/आहरण सीमा शक्ति से कम है, लेकिन बैंक के तुलन-पत्र की तारीख तक लगातार 90 दिनों तक कोई क्रेडिट प्राप्त नहीं होता है, अथवा इसी अवधि के दौरान खाते में डेबिट किए गए ब्याज को कवर करने के लिए क्रेडिट पर्याप्त नहीं होते हैं, ऐसे खातों को 'अनियमित' माना जाता है।

‘अतिदेय’

किसी भी ऋण सुविधा के तहत बैंक को देय किसी भी राशि की चुकौती यदि बैंक द्वारा निर्धारित देय तिथि पर नहीं की जाती है तो उसे ‘अतिदेय’ माना जाता है।

■ दबावग्रस्त आस्तियों का समाधान

दबाव की प्रारंभिक पहचान और रिपोर्टिंग:

निम्नलिखित श्रेणियों के अनुसार चूक* होने की स्थिति में विशेष उल्लिखित खातों (एसएमए) के रूप में दबावग्रस्त आस्तियों को वर्गीकृत करके ऋण खातों में प्रारंभिक दबाव की पहचान:

एसएमए उप श्रेणियाँ	वर्गीकरण का आधार- मूलधन अथवा व्याज भुगतान अथवा अन्य कोई राशि इस अवधि के दौरान पूर्ण अथवा आंशिक रूप से अतिदेय हो
एसएमए -0	1-30 दिन
एसएमए -1	31-60 दिन
एसएमए -2	61-90 दिन

* चूक का अर्थ है, जब पूरी राशि या उसका कोई भाग अथवा ऋण की किस्त बकाया एवं देय हो गई हो तथा ऋणकर्ता अथवा कॉर्पोरेट ऋणकर्ता द्वारा उसकी चुकौती न की गई हो। नगदी ऋण जैसी परिक्रामी ऋण सुविधाओं के मामले में उपर्युक्त पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना चूक का अर्थ यह भी होगा कि बकाया शेष राशि 30 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वीकृत सीमा या आहरण शक्ति, जो भी कम हो, लगातार से अधिक बनी रहती है।

■ बैंक की ऋण जोखिम प्रबंधन नीति पर चर्चा

बैंक में एक एकीकृत ऋण जोखिम प्रबंधन, ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन नीति है, जिसकी समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है। वर्ष-दर-वर्ष, इस संबंध में नई उभरती अवधारणाओं और वास्तविक अनुभव के आधार पर नीति और कार्यप्रणालियों में सुधार किया जाता रहा है। नीति तथा कार्यप्रणालियों को बेसल-खर और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों में निर्धारित दृष्टिकोण के अनुरूप ढाला गया है।

ऋण जोखिम प्रबंधन के तहत एक्सपोजर में ऋण जोखिम की पहचान, मूल्यांकन, मापन, निगरानी और नियंत्रण शामिल हैं।

ऋण जोखिम की पहचान और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं में निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं:

- व्यापक रूप से वित्तीय, व्यवसायिक, औद्योगिक तथा प्रबंधन जोखिमों में वर्गीकृत विभिन्न जोखिमों को ध्यान में रखते हुए प्रतिपक्ष जोखिम का आकलन करने के लिए ऋण जोखिम मूल्यांकन (सीआरए) मॉडलों/स्कोरिंग मॉडलों को विकसित व परिष्कृत करना, इनमें से प्रत्येक जोखिम को अलग-अलग स्कोर दिया जाता है।
- समय-समय पर उद्योगों/क्षेत्रों के लिए सामान्य दृष्टिकोण पर परामर्श जारी करना, बड़े/महत्वपूर्ण उद्योगों में पोर्टफोलियो को संभालने के लिए विशिष्ट नीतिगत सुझाव देना व मात्रात्मक एक्सपोजर मानदंड निर्धारित करने के लिए औद्योगिक शोध करना।

ऋण जोखिम के मापन में ऋण जोखिम घटकों जैसे चूक की संभावना (पीडी), चूक से हुई हानि (एलजीडी) तथा चूक पर एक्सपोजर (ईएडी) की गणना शामिल है।

ऋण जोखिम की निगरानी और नियंत्रण में एकल ऋणकर्ता, समूह ऋणकर्ता तथा उद्योगों जैसे आयामों में एक अच्छा विविध पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक्सपोजर सीमाएं निर्धारित करना शामिल है। बेहतर जोखिम प्रबंधन और ऋण जोखिमों के संकेन्द्रण से बचने के लिए, एकल कंपनियों, समूह कंपनियों, बैंकों, व्यक्तिगत ऋणकर्ताओं, गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं, पूंजी बाजार, भू-संपत्ति, संवेदनशील वस्तुओं आदि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में विवेकपूर्ण जोखिम मानदंडों पर आंतरिक दिशानिर्देश विद्यमान हैं। जहां भी आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने के लिए छमाही अंतराल पर क्रेडिट जोखिम तनाव परीक्षण आयोजित किए जाते हैं।

बैंक में एक ऋण नीति विद्यमान है, जिसका उद्देश्य लचीलेपन और नवोन्मेष के लिए पर्याप्त संभावना रखते हुए ऋण की मूल बातों, मूल्यांकन कौशल, प्रलेखन मानकों तथा संस्थागत चिंताओं एवं कार्यनीतियों के बारे में जागरूकता के संबंध में एकसमान दृष्टिकोण विकसित कर पोर्टफोलियो स्तर पर आस्तियों की समग्र गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है।

ऋण जोखिम प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं जैसे मूल्यांकन, मूल्य निर्धारण, ऋण अनुमोदन प्राधिकार, प्रलेखन, रिपोर्टिंग एवं निगरानी, ऋण सुविधाओं की समीक्षा व नवीनीकरण, समस्या ऋणों का प्रबंधन, ऋण निगरानी इत्यादि के संबंध में बैंक की प्रक्रियाएं और नियंत्रण विद्यमान हैं। बैंक की एक ऋण लेखापरीक्षा प्रणाली भी है जिसका उद्देश्य 20 करोड़ रुपये और उससे अधिक राशि के एक्सपोजर वाले ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। ऋण लेखापरीक्षा में विभिन्न स्तरों पर लिए गए ऋण संस्वीकृति निर्णयों की लेखा परीक्षा शामिल है। ऋण लेखापरीक्षा प्रणाली के एक भाग के रूप में पूर्व-स्वीकृति प्रक्रिया और संस्वीकृति पश्चात स्थिति, दोनों की जांच की जाती है। ऋण लेखापरीक्षा में पहचाने गए जोखिमों की भी जांच की जाती है और जोखिम न्यूनीकरण के उपाय सुझाए जाते हैं।

डीएफ़-3: 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार मात्रात्मक प्रकटीकरण (बीमा संस्थाओं, संयुक्त उद्यमों और गैर-वित्तीय संस्थाओं को बाहर रखा गया)

सामान्य प्रकटीकरण:

		(रुपए करोड़ में)		
मात्रात्मक प्रकटीकरण	निधि आधारित	गैर-निधि आधारित	कुल	
बी. कुल सकल ऋण जोखिम एक्सपोजर	3848773.12	543475.91	4392249.03	
सी. एक्सपोजर का भौगोलिक संवितरण: निधि आधारित/ गैर-निधि आधारित				
विदेश में	583115.33	85242.52	668357.85	
देश में	3265657.79	458233.39	3723891.18	
डी. उद्योग प्रकार एक्सपोजर संवितरण		कृपया तालिका ए देखें		
निधि आधारित / गैर-निधि आधारित अलग-अलग				
ई. आस्तियों का अवशिष्ट संविदात्मक परिपक्वता ब्रेकडाउन		कृपया तालिका बी देखें		
एफ. एनपीए की राशि (सकल) अर्थात (ऋ से ऋ) का योग			85674.03	
i. अवमानक			15031.75	
ii. संदिग्ध 1			10691.71	
iii. संदिग्ध 2			13246.71	
iv. संदिग्ध 3			18758.98	
v. हानि			27944.89	
जी. निवल एनपीए			21123.00	
एच. एनपीए अनुपात				
i) सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए			2.23%	
ii) निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए			0.56%	
आई. एनपीए (सकल) में कमी/वृद्धि				
i) प्रारंभिक शेष			91874.12	
ii) वृद्धि			23856.96	
iii) कमी			30057.05	
iv) अंतिम शेष			85674.03	
जे. एनपीए हेतु प्रावधानों में कमी/वृद्धि				
i) प्रारंभिक शेष			70377.12	
ii) अवधि के दौरान किए गए प्रावधान			12303.64	
iii) अपलेखन/अतिरिक्त प्रावधानों का प्रतिलेखन			18129.73	
iv) अंतिम शेष			64551.03	
के. अनर्जक निवेशों की राशि			2371.28	
एल. अनर्जक निवेशों के लिए किए गए प्रावधान की राशि			2025.50	
एम. निवेश पर मूल्यहास के लिए प्रावधानों वृद्धि/कमी				
प्रारंभिक शेष			16244.68	
अवधि के दौरान किए गए प्रावधान			369.03	
अपलेखन			205.43	
अतिरिक्त प्रावधानों का प्रतिलेखन			6081.44	
अंतिम शेष			10326.84	
एन. प्रमुख उद्योग या प्रतिपक्ष प्रकार के अनुसार				
एनपीए की राशि और यदि उपलब्ध हो, पिछले देय ऋण, अलग से प्रावधान किए गए			34475.35	
निर्दिष्ट व सामान्य प्रावधान; तथा			-	
वर्तमान अवधि के दौरान विशिष्ट प्रावधान और अपलेखन			-	
ओ. महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों द्वारा विशिष्ट और सामान्य प्रावधानों सहित अलग से प्रदान किए गए			-	
पिछले देय ऋणों और एनपीए की राशि			-	
प्रावधान			-	

तालिका- ए: डीएफ़-3 (घ) 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार उद्योग-प्रकार के एक्सपोज़र का संवितरण

(रु करोड़ में)

कोड	उद्योग	निधि आधारित शेष राशियाँ			नैर-निधि आधारित (शेष राशियाँ)
		मानक	एनपीए	कुल	
1	कोयला	7,922.35	331.79	8,254.13	7,468.71
2	खनन	14,608.29	61.64	14,669.93	3,755.91
3	लोहा और इस्पात	79,508.32	407.09	79,915.41	46,956.89
4	धातु उत्पाद	36,170.80	294.69	36,465.49	16,270.43
5	सभी इंजीनियरिंग	39,592.18	1,845.62	41,437.80	72,160.51
5.1	इनमें से इलेक्ट्रॉनिक्स	7,052.44	102.50	7,154.94	5,283.36
6	बिजली	2,163.98	0.74	2,164.72	17.26
7	सूती वस्त्र	24,895.57	1,077.49	25,973.06	1,877.18
8	जूट वस्त्र	770.35	38.31	808.66	42.78
9	अन्य वस्त्र	12,260.89	1,022.81	13,283.70	2,198.67
10	चीनी	9,509.37	223.93	9,733.30	1,153.96
11	चाय	1,457.20	61.57	1,518.77	40.74
12	खाद्य प्रसंस्करण	70,598.29	4,152.54	74,750.83	5,744.98
13	वनस्पति तेल और वनस्पति	5,865.04	421.97	6,287.01	4,464.61
14	तम्बाकू/तम्बाकू उत्पाद	2,390.15	10.61	2,400.76	204.91
15	कागज/कागज उत्पाद	6,387.27	202.38	6,589.65	1,350.71
16	रबड़/रबड़ उत्पाद	10,670.07	427.95	11,098.02	1,714.22
17	रसायन/रंग/पेंट आदि	1,00,248.76	779.55	1,01,028.31	57,978.68
17.1	इनमें से उर्वरक	11,445.98	13.45	11,459.43	11,490.07
17.2	इनमें से पेट्रोकेमिकल्स	45,713.11	21.55	45,734.66	39,812.08
17.3	इनमें से दवा व फार्मा	21,628.07	385.48	22,013.55	3,215.68
18	सीमेंट	8,847.23	691.46	9,538.69	5,307.24
19	चमड़ा और चमड़े के उत्पाद	2,136.67	100.13	2,236.70	214.26
20	रत्न और आभूषण	9,940.87	1,260.81	11,201.68	166.44
21	विनिर्माण	54,046.44	1,032.80	55,079.24	21,882.99
22	पेट्रोलियम	91,806.29	163.79	91,970.08	23,670.06
23	ऑटोमोबाइल व ट्रक	19,274.97	824.98	20,099.97	4,744.13
24	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	2,535.05	9.27	2,544.32	1,632.66
25	आधारभूत ढांचा	4,15,416.29	16,705.64	4,32,121.93	81,716.50
25.1	इनमें से बिजली	2,21,665.84	1,996.10	2,23,661.94	41,068.28
25.2	इनमें से दूरसंचार	32,660.50	2,211.76	34,872.26	1,586.07
25.3	इनमें से सड़क और बंदरगाह	1,00,582.10	6,648.65	1,07,230.75	20,014.50
26	अन्य उद्योग	5,34,377.06	28,088.56	5,62,465.62	1,18,878.25
27	एनबीएफ़सी व ट्रेडिंग	6,77,512.73	10,673.17	6,88,185.90	36,407.56
28	अवशिष्ट अग्रिम	15,22,186.62	14,762.76	15,36,949.38	25,454.66
कुल		37,63,099.09	85,674.03	38,48,773.12	54,34,75.91

डीएफ-3 (ई) भारतीय स्टेट बैंक (समेकित) 31 मार्च 2022* की स्थिति के अनुसार आस्तियों की शेष संविदागत परिपक्वता का विवरण

अंतःप्रवाह	1 दिन	2-7 दिन	8-14 दिन	15-30 दिन	31 दिन से 2 माह तक	2 माह से अधिक	3 माह से अधिक	6 माह से अधिक	1 वर्ष से अधिक	3 वर्ष तक	5 वर्ष से अधिक	कुल
भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष	18500.90	7.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	18508.29
नकदी	1704.81	3858.64	1995.57	2979.06	3624.41	2767.16	8223.58	45122.06	56408.04	20390.28	59693.07	206766.68
अन्य बैंकों के पास जमा शेष	56847.05	32801.23	4209.43	1246.66	3229.18	1318.57	1816.34	1410.51	2949.75	20.25	294.27	106143.25
निवेश	18259.13	5574.31	3255.20	14663.54	21381.27	30282.37	49180.78	111058.75	321949.83	215544.59	925842.73	1716992.49
अग्रिम	37784.41	26514.58	26245.86	64061.42	89754.32	60627.77	196673.36	264976.11	1467977.00	563188.43	1006721.31	3804524.60
अचल आस्तियां	0.01	0.00	0.00	7.50	15.00	15.00	15.04	90.01	183.70	4.92	43613.48	43944.66
अन्य आस्तियां	4697.86	18861.85	11560.84	17485.44	12030.37	13383.59	16934.05	83982.94	144703.42	50172.31	83080.99	456893.67
कुल	137794.17	87618.01	47266.90	100443.62	130034.55	108394.47	272843.15	506640.39	1994171.74	849320.78	2119245.86	6353773.64

* नोट्स:

- बीमा संस्थाएं, गैर-वित्तीय संस्थाएं, संयुक्त उद्यमों, विशेष प्रयोजन माध्यम तथा अंतःसमूह समायोजन को शामिल नहीं किया गया है।
- निवेशों में अनर्जक निवेश शामिल हैं और अग्रिमों में अनर्जक अग्रिम शामिल हैं।
- 23 मार्च, 2016 के आरबीआई दिशानिर्देशों के आधार पर बकेटिंग संरचना को संशोधित किया गया है।

डीएफ-4: ऋण जोखिम: मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुसार पोर्टफोलियो का प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार पोर्टफोलियो का प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

- **उपयोग की गई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के नाम, साथ ही किसी भी परिवर्तन का कारण**
 - क. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक ने घरेलू और विदेशी एक्सपोजर की रेटिंग के उद्देश्य से क्रमशः केयर, क्रिसिल, इक्रा, इंडिया रेटिंग, ब्रिकवर्क*, एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च तथा इन्फोमेरिकस (घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां) और फिच, मूडीज और एसएंडपी (अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां) की पहचान अनुमोदित रेटिंग एजेंसियों के रूप में की है, जिनकी रेटिंग का उपयोग जोखिम-भारित आस्तियों और पूंजीगत प्रभार की गणना के उद्देश्य से किया जाता है।
- **एक्सपोजर के प्रकार जिनके लिए प्रत्येक एजेंसी का उपयोग किया जाता है**
 - (i) एक वर्ष या उससे कम की संविदात्मक परिपक्वता वाले एक्सपोजर (कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट तथा अन्य परिक्रामी ऋण को छोड़कर) के लिए, अनुमोदित रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई अल्पकालिक रेटिंग का उपयोग किया जाता है।
 - (ii) कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट और अन्य परिक्रामी क्रेडिट (अवधि चाहे कुछ भी हो) तथा 1 वर्ष से अधिक अवधि के सावधिक ऋण एक्सपोजर के लिए, दीर्घकालिक रेटिंग का उपयोग किया जाता है।
- **पब्लिक इश्यू रेटिंग को बैंकिंग बही में तुलनीय आस्तियों के रूप में अंतरित करने हेतु उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया का विवरण**

बैंक के बाह्य रेटिंग संरचना के प्रमुख पहलू इस प्रकार हैं:

 - क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा विशेष रूप से बैंक के दीर्घावधि तथा लघु अवधि एक्सपोजर को दी गई दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग को बैंक द्वारा प्रत्येक मामले में विशिष्ट रेटिंग के रूप में माना जाता है।
 - विदेशी सरकारी और विदेशी बैंक एक्सपोजर, उन्हें दी गई जारीकर्ता रेटिंग के आधार पर जोखिम-भारित होते हैं।
 - बैंक सुनिश्चित करता है कि सुविधा/ऋणकर्ता की बाह्य रेटिंग की समीक्षा विगत 15 महीनों में कम से कम एक बार ईसीएआई द्वारा की गई है और उपयोग करने की तिथि को यह मान्य है।
 - जब एक इकाई को विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा विविध जारीकर्ता रेटिंग दी जाती है, जोखिम भारिता निम्न प्रकार से निर्धारित किया जाता है-
 - यदि किसी विशेष दावे के लिए चुनी हुई क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा केवल एक रेटिंग है, तो उस रेटिंग का उपयोग दावे के जोखिम भार को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।
 - यदि चुनी हुई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई दो रेटिंग हैं, जो अलग-अलग जोखिम भारों में मैप करती हैं, तो उच्च जोखिम भार लागू होता है।
 - यदि अलग-अलग जोखिम भार वाली चुनी हुई क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा दी गई तीन या अधिक रेटिंग हैं, तो दो सबसे कम जोखिम भारों के अनुरूप रेटिंग को संदर्भित किया जाता है और उन दो जोखिम भारों में से उच्चतर को लागू किया जाता है, अर्थात्, दूसरा सबसे कम जोखिम भार।

* भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ने ब्रिकवर्क रेटिंग्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (सीआरए) के रूप में दिए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को डब्ल्यू टीएम/एसबी/एमआईआरएसडी/एमआईएसआरडी-सीआरएडीटी/20175/2022-23 दिनांक 6 अक्टूबर 2022 के माध्यम से रद्द कर दिया है।

2. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित कंपनियों/बाजार सहभागियों को उनके द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अपेक्षित रेटिंग/क्रेडिट मूल्यांकनों के संबंध में सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त रेटिंग एजेंसी से तत्काल प्रभाव से ऐसी कोई नई रेटिंग/मूल्यांकन प्राप्त नहीं की जाएगी। रेटिंग एजेंसी द्वारा जारी मौजूदा रेटिंग के विवेकपूर्ण उपचार के संबंध में अनुदेशों को अलग से सूचित किया जाएगा

31 मार्च 2024 को मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ख) एक्सपोजर राशियों के लिए जोखिम न्यूनीकरण के बाद मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत, प्रत्येक जोखिम बकेट में समूह की बकाया राशि (रेटेड और गैर-रेटेड) के साथ-साथ घटाई गई राशियाँ

	(रुपए करोड़ में)
	राशि
100% से कम जोखिम भार	3009607.47
100% जोखिम भार	573697.67
100% से अधिक जोखिम भार	808943.90
कटौती	0.00
कुल	4392249.03

डीएफ-5: ऋण जोखिम न्यूनीकरण: मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

ऋण जोखिम न्यूनीकरण: मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार प्रकटीकरण

(क) गुणात्मक प्रकटीकरण

- तुलन पत्र में शामिल तथा शामिल न की गई निवलीकरण नीतियां व प्रक्रियाएं तथा बैंक इनका किस सीमा तक उपयोग करता है**
 तुलन पत्र की निवलीकरण मर्दे केवल ऐसे ऋणों/अग्रिमों तक सीमित हैं, जिनके संबंध में बैंक के पास विधिक रूप से प्रवर्तनीय अधिकार, दस्तावेजी प्रमाण सहित विशिष्ट ग्रहणाधिकार उपलब्ध है। बैंक निम्नलिखित शर्तों के अधीन निवल ऋण जोखिम के आधार पर पूंजी आवश्यकताओं का आकलन करता है:
 जहां बैंक,
 - यह निष्कर्ष निकालने के लिए कि प्रतिपक्ष के दिवालिया हो जाने पर या दिवालिया न होने पर भी प्रत्येक प्रासंगिक क्षेत्राधिकार में लागू करने योग्य निवलीकरण या ऑफसेटिंग समझौते का एक सुस्थापित कानूनी आधार उपलब्ध है;
 - किसी भी किसी भी समय उसी प्रतिपक्ष के ऋण/अग्रिम तथा जमाराशियों को निवलीकरण समझौते के अंतर्गत निर्धारित कर सकता है; तथा
 - निवलीकरण के आधार पर संबंधित एक्सपोजर की निगरानी तथा नियंत्रण करता है, बैंक ऋणों/अग्रिमों तथा जमाराशियों के निवल एक्सपोजर को अपने पूंजी पर्याप्तता के आकलन के लिए आधार के रूप में प्रयोग कर सकता है। ऋणों/अग्रिमों को एक्सपोजर तथा जमाराशियों को संपार्श्विक माना जाता है।
- संपार्श्विक मूल्यांकन एवं प्रबंधन के लिए नीतियाँ एवं प्रक्रियाएँ**
 बैंक में एक एकीकृत ऋण जोखिम प्रबंधन, ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन नीति विद्यमान है, जिसकी समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है। इस नीति का भाग बी ऋण जोखिम न्यूनीकरण तथा संपार्श्विक प्रबंधन से संबंधित है, जो पूंजी गणना के लिए उपयोग में लाए जाने वाले ऋण जोखिम न्यूनीकरण के प्रति बैंक के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है।
 इस नीति का उद्देश्य ऋण जोखिम न्यूनीकरण का वर्गीकरण तथा आकलन इस तरह से करना है कि विनियामक पूंजी समायोजन किया जा सके। नीति व्यापक दृष्टिकोण अपनाती है, जो संपार्श्विक को निर्धारित मूल्य से एक्सपोजर राशि को प्रभावी ढंग से कम करके एक्सपोजर के खिलाफ लागू होने पर संपार्श्विक (उपयुक्त हेयकट घटाने के बाद) के पूर्ण ऑफसेट की अनुमति देती है। नीति में निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान दिया गया है:
 - ऋण जोखिम न्यूनीकरणों का वर्गीकरण
 - स्वीकार्य ऋण जोखिम-न्यूनीकरण
 - ऋण जोखिम न्यूनीकरण मर्दों के लिए आवश्यक प्रलेखीकरण एवं विधिक प्रक्रियाएँ

- iv. संपार्श्विक प्रतिभूति का मूल्यांकन
- v. मार्जिन एवं हेयरकट आवश्यकताएँ
- vi. बाह्य रेटिंग
- vii. संपार्श्विक प्रतिभूति की अभिरक्षा
- viii. बीमा
- ix. ऋण जोखिम न्यूनीकरण मदों की निगरानी
- x. सामान्य दिशानिर्देश

■ बैंक द्वारा ली गई प्रमुख प्रकार की प्रतिभूतियों का विवरण

मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत समान्यतः निम्नलिखित प्रतिभूतियों को ऋण जोखिम न्यूनीकरण के रूप में माना जाता है:

- नकदी या नकदी के समान (बैंक जमा/राष्ट्रीय बचत पत्र/ किसान विकास पत्र/ एलआईसी पॉलिसी, इत्यादि)
- स्वर्ण
- केंद्र/राज्य सरकार द्वारा जारी प्रतिभूतियाँ

अल्पावधि ऋण लिखतों के लिए बीबीबी - अथवा बेहतर -ए3 रेट की गई ऋण प्रतिभूतियाँ

■ गारंटर पक्षकार और उनकी ऋण पात्रता के मुख्य प्रकार

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक निम्नलिखित संस्थाओं को पात्र गारंटर के रूप में स्वीकार करता है:

- सरकार, सरकारी संस्थाएँ बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), यूरोपीय सेंट्रल बैंक एवं यूरोपीय समुदाय के साथ-साथ बहुपक्षीय विकास बैंक, निर्यात कृण एवं गारंटी निगम (ईसीजीसी) और सूक्ष्म व लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई), सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (पीएसई), बैंक तथा प्राथमिक डीलर जिनका जोखिम भार प्रतिपक्षकार से कम हो।
- एए या बेहतर की बाह्य रेटिंग वाले अन्य गारंटर। यदि गारंटर मूल कंपनी, संबद्ध या सहायक कंपनी है, तो बैंक द्वारा गारंटीकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए उनका जोखिम भार ऋणकर्ता से कम होना चाहिए। गारंटर की रेटिंग एक इकाई की रेटिंग के रूप में होनी चाहिए जिसमें इकाई की सभी देनदारियों तथा प्रतिबद्धताएँ (गारंटियों सहित) शामिल हों।

■ जोखिम न्यूनीकरण मदों के भीतर (बाजार या क्रेडिट) जोखिम संकेंद्रण के बारे में जानकारी:

बैंक के पास विभिन्न प्रकार के संपार्श्विकों से प्रतिभूतिकृत आस्तियों का एक विस्तृत विविधकृत पोर्टफोलियो है, जैसे:

- ऊपर सूचीबद्ध पात्र वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियाँ
- सरकारों तथा अच्छी रेटिंग कंपनियों द्वारा दी गई गारंटियाँ,
- प्रतिपक्षकार की अचल आस्तियाँ तथा चालू आस्तियाँ

31 मार्च 2024 को मात्रात्मक प्रकटीकरण

	(रुपए करोड़ में)
(ख) अलग से प्रकट किए गए प्रत्येक ऋण जोखिम पोर्टफोलियो का कुल एक्सपोजर (जहां लागू हो, तुलन पत्र अथवा तुलन पत्र इतर में शामिल ऋण जोखिम घटाने के बाद) जिसे निर्धारित कटौती लागू करने के बाद पात्र वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूति द्वारा सुरक्षित किया गया है।	426562.69
(ग) अलग से प्रकट किए गए प्रत्येक पोर्टफोलियो के लिए कुल एक्सपोजर (जहां लागू हो, तुलन पत्र अथवा तुलन पत्र इतर में शामिल ऋण जोखिम घटाने के बाद) जिसे गारंटी/क्रेडिट डेरिवेटिव द्वारा सुरक्षित किया जाता है (जहाँ विशेष रूप से आरबीआई द्वारा अनुमति दी गई है)।	142483.22

डीएफ-6: प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर: मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

गुणात्मक प्रकटीकरण

(ए) गुणात्मक प्रकटीकरण प्रतिभूतिकरण के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटीकरण आवश्यकता जिसमें यह चर्चा शामिल है: प्रतिभूतिकरण गतिविधि के संबंध में बैंक के उद्देश्य, जिसमें इन गतिविधियों से बैंक द्वारा अंतर्निहित प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर के ऋण जोखिम को अन्य संस्थाओं को अंतरित करना भी शामिल हैं।	प्रतिभूतिकरण परिसंपत्तियों (पीटीसी और पीएसएलसी) में बैंक का निवेश बैंकों की जोखिम क्षमता का पालन करते हुए रिटर्न को अनुकूलित करने, तरलता सुनिश्चित करने और बैंक की प्राथमिकता क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से है।
प्रतिभूतिकृत आस्तियों में अंतर्निहित अन्य जोखिमों का स्वरूप (उदाहरण के लिए चलनिधि जोखिम, पाइपलाइन और वेयरहाउस जोखिम)	क्रेडिट जोखिम, तरलता जोखिम, ब्याज दर जोखिम, पूर्व भुगतान जोखिम, प्रदर्शन / जोखिम।
प्रतिभूतिकरण प्रक्रिया में बैंक द्वारा निर्भाई गई विभिन्न भूमिकाएँ (उदाहरण के लिए: प्रवर्तक, निवेशक, सेवा प्रदाता, ऋण वृद्धि प्रदाता, चलनिधि प्रदाता, स्वैप प्रदाता, संरक्षण प्रदाता [®]) तथा प्रत्येक में बैंक की भागीदारी की सीमा ®यदि विनियामक नियमों के अधीन अनुमति हो तो अंतर्निहित आस्तियों की ब्याज दर/मुद्रा जोखिम न्यूनीकरण के लिए किसी ब्याज दर स्वैप अथवा मुद्रा स्वैप के रूप में धारित सीमा में प्रतिभूतिकरण संरचना में किसी बैंक द्वारा सहायता प्रदान की जा सकती है। ®यदि विनियामक नियमों के अनुसार अनुमति हो तो बैंक गारंटी, ऋण डेरिवेटिव्स अथवा इसी प्रकार के किसी अन्य उत्पाद के माध्यम से किसी प्रतिभूतिकरण लेनदेन के लिए ऋण सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।	निवेशक: बैंक वित्तीय परिसंपत्तियों द्वारा समर्थित पीटीसी और पीएसएलसी में निवेश करता है।
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के ऋण तथा बाजार जोखिम में परिवर्तन की मॉनिटरिंग के लिए प्रक्रियाओं का विवरण (उदाहरण के लिए, अंतर्निहित आस्तियों के मूल्य में उतार-चढ़ाव प्रतिभूति एक्सपोजर को कैसे प्रभावित करता है, जैसाकि एनसीएफ पर 1 जुलाई 2012 के मास्टर परिपत्र के पैरा 5.16.1 में परिभाषित किया गया है)।	बैंक ने प्रतिभूतिकरण उत्पाद में निवेश किया है। बैंक रेटिंग माइग्रेशन की निगरानी करता है और प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर पर पूंजी प्रभार प्रदान करता है।
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर्स के माध्यम से बने जोखिमों के न्यूनीकरण के लिए ऋण जोखिम न्यूनीकरण के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए बैंक की नीति का विवरण;	बैंक के आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुरूप
(बी) प्रतिभूतिकरण गतिविधियों के लिए बैंक की लेखा नीतियों का सारांश, जिसमें शामिल हैं:	
क्या लेनदेनों को बिक्री या वित्तपोषण माना गया है;	वित्तपोषण
बनाए रखी गई या खरीदी गई स्थिति के मूल्यांकन हेतु लागू की गई पद्धतियाँ व प्रमुख पूर्वानुमान (इनपुट सहित);	एफआईएमएमडीए दिशानिर्देशों के अनुरूप
पिछली अवधि से पद्धतियों तथा प्रमुख अवधारणाओं में परिवर्तन व उन परिवर्तनों का प्रभाव;	लागू नहीं है
उन व्यवस्थाओं के लिए जिनके लिए बैंक को जिन प्रतिभूतिकृत आस्तियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है, उनके लिए तुलनपत्र में देनदारियों को पहचानने की नीतियाँ।	लागू नहीं है
तुलन-पत्र से इतर वाहकों के प्रायोजन का विवरण।	शून्य
प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के संबंध में मूल्यांकन	एफआईएमएमडीए दिशानिर्देशों के अनुरूप
(सी) बैंकिंग बही में, प्रतिभूतिकरण के लिए उपयोग किए गए ईसीआई के नाम तथा प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के प्रकार जिनके लिए प्रत्येक एजेंसी का उपयोग किया गया है।	लागू नहीं है
मात्रात्मक प्रकटीकरण: बैंकिंग बही	
(डी) बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि	शून्य
(ई) वर्तमान अवधि के दौरान बैंक द्वारा लेखे में शामिल की गई प्रतिभूतिकृत हानियों, एक्सपोजर के प्रकार (जैसे क्रेडिट कार्ड, आवास ऋण, वाहन ऋण इत्यादि का अंतर्निहित प्रतिभूति सहित विस्तृत विवरण) वर्गीकृत किया गया है।)	शून्य
(एफ) एक वर्ष के भीतर प्रतिभूतिकरण के लिए संभावित आस्तियों की राशि	शून्य
(जी) (एफ) में से, प्रतिभूतिकरण से पहले एक वर्ष के भीतर प्रवर्तित आस्तियों की राशि।	लागू नहीं है
(एच) प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि (एक्सपोजर प्रकार के अनुसार) तथा उस एक्सपोजर प्रकार के अनुसार बिक्री पर लाभ या हानि जिसे लेखे में शामिल नहीं किया गया है।	शून्य

(आई) निम्नलिखित की कुल राशि:		
तुलन पत्र में बनाए रखे गए या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का उसके प्रकार के अनुसार विवरण तथा	शून्य	
तुलन पत्र में शामिल न किया गया प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का उसके प्रकार के अनुसार	शून्य	
(जे) बनाए रखे गए या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर और उससे संबंधित पूंजी खर्च की कुल राशि, एक्सपोजर के अनुसार अलग-अलग तथा आगे विनियामक द्वारा अलग-अलग जोखिम के लिए निर्धारित भार बैंड के अनुरूप अलग-अलग जोखिम भार का उल्लेख		
पूरी तरह से टियर 1 पूंजी से घटाए गए एक्सपोजर, कुल पूंजी से घटाए गए ऋण बढ़ाने वाले आई/ओ तथा कुल पूंजी से घटाए गए अन्य एक्सपोजर हैं (एक्सपोजर प्रकार के अनुसार)	शून्य	

मात्रात्मक प्रकटीकरण: ट्रेडिंग बही

(के) बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर की कुल राशि जिसके लिए बैंक ने कुछ एक्सपोजर यथावत बनाए रखा है तथा जिसका आकलन बाजार जोखिम पद्धति दृष्टिकोण के अनुसार किया गया है, एक्सपोजर प्रकार के अनुसार विवरण			शून्य
(एल) निम्नलिखित की कुल राशि:			
तुलन पत्र में यथावत बनाए रखे गए या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का विवरण, एक्सपोजर प्रकार के अनुसार; तथा	रु 5,585.98 करोड़		
तुलन पत्र में शामिल न किए गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का विवरण; एक्सपोजर प्रकार के अनुसार	शून्य		
(एम) निम्नलिखित के लिए यथावत बनाए रखे गए या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर की कुल राशि:			शून्य
विशिष्ट जोखिम के लिए संपूर्ण व्यापक जोखिम उपाय के अधीन बनाए रखा गया या खरीदा गया प्रतिभूतिकृत एक्सपोजर, तथा	शून्य		
अलग-अलग जोखिम भार श्रेणियों में विभाजित विशिष्ट जोखिम के लिए प्रतिभूतिकरण संरचना के अंतर्गत प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर।	शून्य		
(एन) निम्नलिखित की कुल राशि:			
विभिन्न जोखिम भार श्रेणियों में विभाजित प्रतिभूतिकरण संरचना के अधीन, प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर के लिए पूंजी आवश्यकताएँ।	रु 244.20 करोड़		
पूरी तरह से टियर 1 पूंजी से घटाए गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर, कुल पूंजी से घटाए गए ऋण संवर्धन वाले आई/ओ तथा कुल पूंजी से घटाए गए अन्य एक्सपोजर (एक्सपोजर प्रकार अनुसार)	शून्य		
(ओ) बैंकिंग बही में प्रतिभूतिकरण जोखिम का विवरण			शून्य

(पी) ट्रेडिंग बुक में प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर का विवरण:

i. प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर 31 मार्च 2024 तक धारित या खरीदा गया

(रुपए करोड़ में)			
एक्सपोजर प्रकार 1	तुलन पत्र में	तुलन पत्र के बाहर	कुल
वाहन/उपकरण ऋण	₹5363.33	शून्य	₹5363.33
गृह ऋण	शून्य	शून्य	शून्य
वैयक्तिक ऋण	7.47	शून्य	7.47
अप्रतिभूत ऋण	₹215.18	शून्य	₹215.18
गोल्ड/ज्वेल लोन	शून्य	शून्य	शून्य
कॉर्पोरेट ऋण	शून्य	शून्य	शून्य
अन्य	शून्य	शून्य	शून्य
कुल	₹5585.98	शून्य	₹5585.98

1. प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर में बैंक द्वारा उद्धृत पीटीसी के साथ-साथ तृतीय पक्ष द्वारा प्रतिभूतिकरण लेनदेनों के मामले में खरीदे गए पीटीसी शामिल हैं।

31 मार्च 2024 तक प्रतिभूतिकरण जोखिम के जोखिम भार बैंड ब्रेक-अप का विवरण

(रुपए करोड़ में)				
	<100% जोखिम भार	100% जोखिम भार	>100% जोखिम भार	कुल
एक्सपोजर	5,585.98	-	-	5,585.98
कुल पूंजी प्रभार	244.20	-	-	244.20

डीएफ-7: ट्रेडिंग बही में बाजार जोखिम

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

क. गुणात्मक प्रकटीकरण:

- (1) बैंक बाजार जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकता की गणना करने के लिए मानकीकृत मापन पद्धति (एसएमएम) का अनुसरण करता है।
- (2) बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित अभिशासन संरचना के अनुसार बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग के अंतर्गत बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) कार्य कर रहा है।
- (3) एमआरएमडी ट्रेजरी परिचालनों से जुड़े बाजार जोखिम की पहचान, उनके आकलन, निगरानी तथा रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है।
- (4) प्रत्येक आस्ति वर्ग के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित, सुपरिभाषित बाजार जोखिम प्रबंधन मानकों सहित निम्नलिखित नीतियां लागू की हैं:
 - क) बाजार जोखिम प्रबंधन नीति
 - ख) बाजार जोखिम सीमाएं
 - ग) निवेश नीति
 - घ) ट्रेडिंग नीति
 - ड) बाजार जोखिम के लिए दबाव जांच नीति
- (5) जोखिम निगरानी एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया है तथा इसमें जोखिम की स्थिति का विश्लेषण किया जाता है तथा बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति व बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को सूचित किया जाता है।
- (6) जोखिम प्रबंधन तथा उसकी रिपोर्टिंग वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप आशोधित अवधि, पीवी01, ऑप्शन ग्रीक, अधिकतम अनुमत एक्सपोजर, जोखिम मूल्य सीमा, संकेद्वारा जोखिम सीमा, निम्न व ऊपरी प्रबंधन कार्रवाई ट्रिगर जैसे मापदंडों पर आधारित हैं।
- (7) बोर्ड द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा खुली स्थिति सीमा (दैनिक/एकदिवसीय), हानि रोध सीमा, सकल अंतराल सीमा (एजीएल), एकल अंतराल सीमा (आईजीएल) की निगरानी की जाती है और यदि कोई अपवाद हो, तो इसकी सूचना बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति तथा बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को दी जाती है।
- (8) जोखिम पर मूल्य (वीएआर) की गणना दैनिक आधार पर की जाती है। वीएआर संख्या की बैंक-टेस्टिंग प्रतिदिन की जाती है। मूल्य जोखिम के पूरक के रूप में त्रैमासिक अंतराल पर दबाव परीक्षण किया जाता है। इसके परिणाम बैंक के शीर्ष प्रबंधन, बाजार जोखिम प्रबंधन समिति और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को सूचित किए जाते हैं।
- (9) विदेश स्थित संबंधित कार्यालय स्थानीय विनियामक और भारतीय रिजर्व बैंक की शर्तों के अनुसार अपने निवेश पोर्टफोलियो के जोखिम की निगरानी करते हैं। एकल निवेश के लिए हानि रोध सीमा तथा कतिपय पोर्टफोलियो के लिए एक्सपोजर सीमा निर्धारित की गई है।
- (10) बैंक ने बाजार जोखिम हेतु पूंजी प्रभार की गणना के लिए उन्नत दृष्टिकोण पद्धति अर्थात् आंतरिक मॉडल दृष्टिकोण पद्धति अपनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को आशय पत्र (एलओआई) प्रस्तुत किया है।

ख. मात्रात्मक प्रकटीकरण:

बाजार जोखिम पर पूंजी प्रभार

बैंक मानकीकृत माप पद्धति के अंतर्गत बाजार जोखिम के लिए पूंजी प्रभार को निम्नानुसार बनाए रखता है।

वर्ग	कुल
ब्याज दर जोखिम (डेरिवेटिव सहित)	18801.14
इक्विटी स्थिति जोखिम	15916.69
विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम	1005.86
कुल	35723.69

(रुपए करोड़ में)

डीएफ-8: परिचालन जोखिम

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

गुणात्मक प्रकटीकरण

क) परिचालन जोखिम प्रबंधन कार्य की संरचना और संगठन

- भारतीय स्टेट बैंक में परिचालन जोखिम प्रबंधन विभाग, बैंक की एकीकृत जोखिम अभिशासन संरचना के अंतर्गत संबंधित मुख्य जोखिम अधिकारी के नियंत्रण में कार्य करता है। भारतीय स्टेट बैंक में, मुख्य जोखिम अधिकारी बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को रिपोर्ट करते हैं।
- समूह की अन्य इकाइयों में परिचालन जोखिम संबंधी मुद्दों को संबंधित इकाइयों के मुख्य जोखिम अधिकारियों के समग्र नियंत्रण में उनके व्यवसाय मॉडल तथा विनियामकों की आवश्यकताओं अनुसार निपटान किया जा रहा है।
- भारतीय स्टेट बैंक में परिचालन जोखिम पर नियंत्रण एवं न्यूनीकरण नीतियां

घरेलू बैंकिंग संस्थाएं (एसबीआई)

एसबीआई में निम्नलिखित नीतियां, रूपरेखा दस्तावेज और मैनुअल लागू हैं:

नीतियाँ और रूपरेखा दस्तावेज़

- परिचालन जोखिम प्रबंधन नीति में, व्यवस्थित और अतिसक्रिय पहचान, आकलन, मापन, निगरानी, न्यूनीकरण तथा परिचालन जोखिमों की रिपोर्टिंग के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन तंत्र शामिल है।
- लॉस डेटा प्रबंधन नीति;
- सूचना नीति और मानक;
- आईटी प्रक्रिया और दिशानिर्देश;
- साइबर सुरक्षा नीति
- सूचना सुरक्षा नीति
- व्यवसाय निरंतरता एवं परिचालन आघात-सहनीयता (बीसीएंडओआर) नीति;
- एसबीजीआईटीसी व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) नीति;
- अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानक तथा धन शोधन निवारण (एएमएल)/ आतंकवाद वित्तपोषण निवारक उपायों संबंधी नीति;
- धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन नीति;
- आईटी आउटसोर्सिंग एवं खरीद नीति;
- बीमा नीति;

नियम पुस्तिका (मैनुअल)

- परिचालन जोखिम प्रबंधन मैनुअल
- लॉस डेटा प्रबंधन मैनुअल
- व्यापार निरंतरता और परिचालन आघात-सहनीयता (बीसीएंडओआर) मैनुअल
- व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) योजना

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग इकाइयां

गैर-बैंकिंग संस्थाओं के लिए उनके व्यवसायिक मॉडल से संबंधित तथा विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियों के संबंध में विदेशी विनियामकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां व मैनुअल विद्यमान हैं। कुछ विद्यमान नीतियां इस प्रकार हैं- आपदा प्रबंधन योजना/व्यापार निरंतरता योजना, घटना रिपोर्टिंग तंत्र, नियर मिस इवेंट रिपोर्टिंग तंत्र, आउटसोर्सिंग नीति इत्यादि।

ख. कार्यनीतियाँ और प्रक्रियाएँ

घरेलू बैंकिंग संस्थाएँ (एसबीआई)

- जोखिम संस्कृति और परिचालन जोखिम प्रबंधन को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) और बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) के अलावा बैंक में विभिन्न स्तरों पर जोखिम प्रबंधन समितियाँ जैसे मंडलों में आरएमसीएओ, आरएमसीसी तथा व्यवसाय एवं सहायता समूहों (आरएमसी-आर एंड डीबी, आरएमसी-आईबीजी, आरएमसी-जीएमयू, आरएमसी-सीएजी, आरएमसी-सीसीजी, आरएमसी-एसएआरजी और आरएमसी-आईटी) में आरएमसी स्थापित की गई हैं।
- बेसल परिभाषित 8 बिजनेस लाइन और 7 लॉस इवेंट टाइप अनुसार परिचालन जोखिमों के कारण आंतरिक और बाह्य हानि का एक व्यापक डेटाबेस बनाने की प्रक्रिया मौजूद है। इसके अलावा, जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को बेहतर बनाने के लिए नियर मिस इवेंट तथा बाह्य हानि को भी कैप्चर किया जाता है।
- जोखिम तथा नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) वर्तमान नियंत्रणों में यदि कोई कमी हो तो उनकी पहचान के लिए कार्यशाला-आधारित एक अति-सक्रिय अभ्यास कार्य है। इसमें जोखिम न्यूनीकरण के लिए सिस्टम और नियंत्रण में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। आरसीएसए से स्टाफ सदस्यों में जोखिम के प्रति जागरूकता पैदा करने में भी सहायता मिलती है। आरसीएसए अभ्यास वार्षिक आधार पर बैंक शाखाओं, सीपीसी और कार्यालयों में किया जाता है। बैंक उत्पादों/प्रक्रियाओं के लिए थीम आधारित आरसीएसए भी आयोजित करता है। वित्त वर्ष 22 के दौरान, बैंक ने 16 थीम-आधारित आरसीएसए अभ्यास आयोजित किए हैं और 44 उत्पादों/प्रक्रियाओं के लॉन्च/समीक्षा के समय आरसीएसए अभ्यास (साइन ऑफ) आयोजित किए गए, जोखिम न्यूनीकरण योजनाएँ बनाई गईं तथा उच्च एवं महत्वपूर्ण जोखिमों के लिए कार्यान्वयित की गईं। आरसीएसए अभ्यास के दौरान, बैंक प्रणाली एवं नियंत्रण में अधिक सुधार के लिए प्राप्त सुझावों पर व्यवसाय धारकों द्वारा व्यवहार्यता अध्ययन किया जाता है।
- आरंभिक एवं निगरानी प्रणाली से सभी व्यवसाय एवं सहायता समूह में प्रमुख प्रमुख संकेतक (केआई) की पहचान की गई है। आरएमसी, ओआरएमसी और आरएमसीबी द्वारा तिमाही अंतराल पर केआई की निगरानी की जा रही है। वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान गहन अनुवर्ती कार्रवाई के लिए 10 शीर्ष केआई की पहचान की गई है।
- बेसल-II दिशानिर्देशों के अंतर्गत अपेक्षित परिचालन जोखिम की मात्रा निर्धारित करने और उसकी निगरानी के लिए आंतरिक प्रणालियों का विकास किया गया है।

अन्य

घरेलू बैंकिंग संस्थाओं में परिचालन जोखिमों को नियंत्रित करने और उनके न्यूनीकरण के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:

- अनुदेश पुस्तिका (सामान्य अनुदेशों पर मैनुअल, ऋण और अग्रिमों पर मैनुअल) जारी की है हैं, जिनमें विभिन्न बैंकिंग लेनदेनों की प्रक्रियाओं के लिए विस्तृत प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश दिए गए हैं। इन दिशानिर्देशों में आशोधन तथा नियमित रूप से ई-परिपत्रों/मास्टर परिपत्रों के माध्यम से उन्हें अद्यतन किया जा रहा है। दिशानिर्देशों तथा अनुदेशों को ई-परिपत्रों, ई-लर्निंग पाठ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के माध्यम से भी प्रचारित किया जाता है।
- व्यवसाय प्रक्रिया पुनः निर्धारण (बीपीआर) इकाइयों से संबंधित अद्यतन नियमावली तथा परिचालन अनुदेश।
- वित्तीय अधिकारों का प्रत्यायोजन, जिसमें विभिन्न प्रकार के वित्तीय तथा गैर-वित्तीय लेनदेनों के लिए विभिन्न स्तर के अधिकारियों के संस्वीकृति अधिकारों का विवरण दिया गया है।
- स्टाफ प्रशिक्षण- बैंक के शीर्ष प्रशिक्षण संस्थानों और स्टेट बैंक ज्ञानार्जन एवं विकास संस्थानों में विभिन्न श्रेणियों के कर्मिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जोखिम प्रबंधन मॉड्यूल के एक भाग के रूप में परिचालन जोखिम पर जानकारी को शामिल किया गया है।
- बीमा पर बैंक की नीति के अनुसार धोखाधड़ी को छोड़कर अधिकांश संभावित परिचालन जोखिमों के लिए बीमा कवर प्राप्त किया जाता है।
- आंतरिक लेखा परीक्षक नियंत्रण प्रणालियों की उपयुक्तता तथा प्रभावशीलता की जांच एवं मूल्यांकन तथा कतिपय नियंत्रण प्रक्रियाओं की कार्यशीलता के लिए उत्तरदायी हैं। वे विधिक तथा विनियामक आवश्यकताओं, आचार संहिताओं एवं नीतियों और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान प्रणालियों की समीक्षा भी करते हैं।
- किसी आपदा के बाद व्यवसाय निरंतरता महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रक्रियाओं की बहाली और पुनर्प्राप्ति के लिए एक सुदृढ़ व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन नीति तथा मैनुअल बैंक में मौजूद हैं।
- अवकाश नीति का सख्ती से अनुपालन।

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग इकाइयाँ

घरेलू गैर-बैंकिंग और विदेशी बैंकिंग इकाइयों में प्रणालियों व प्रक्रियाओं तथा रिपोर्टिंग के माध्यम से पर्याप्त उपाय किए गए हैं।

ग. जोखिम रिपोर्टिंग एवं मापन प्रणालियों का दायरा व स्वरूप

- समूह की सभी इकाइयों में धोखाधड़ी के संबंध में रिपोर्टों को शीघ्र प्रस्तुत करने की एक प्रणाली विद्यमान है।
- समूह की सभी इकाइयों में निवारक सतर्कता और व्हिसल ब्लोइंग की एक व्यापक प्रणाली स्थापित है।
- सभी शाखाओं के आरसीएसए/आरसीएसए-संक्षिप्त अभ्यास से सामने आए महत्वपूर्ण जोखिमों के लिए परिदृश्य विश्लेषण तथा लॉस डेटा/एनएमई विश्लेषण के संबंध में नियमित अंतराल पर शीर्ष प्रबंधन को सूचित किया जाता है और निरंतर सुधारात्मक कार्यवाई की जाती है।
- 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए परिचालन जोखिम हेतु विगत 3 वर्षों की औसत सकल आय के 15% के पूंजीगत भर के साथ मौलिक संकेतक दृष्टिकोण पद्धति लागू की गई है, बीमा कंपनियों को छोड़ दिया गया है।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने संशोधित बेसल III मानकीकृत दृष्टिकोण (एसए) के कार्यान्वयन के लिए 26 जून 2023 को मास्टर दिशानिर्देश जारी किए हैं और परिचालन जोखिम पूंजी की गणना के लिए सभी मौजूदा दृष्टिकोणों को बदलने का प्रस्ताव दिया है। तथापि, इन निर्देशों के कार्यान्वयन की प्रभावी तारीख की सूचना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बाद में दी जाएगी। तब तक, न्यूनतम परिचालन जोखिम नियामक पूंजी आवश्यकताओं की गणना समय-समय पर संशोधित आरबीआई परिपत्र दिनांक 1 अप्रैल 2024 के आरबीआई परिपत्र द्वारा जारी 'मास्टर सर्कुलर - बेसल III कैपिटल रेगुलेशन' में निहित निर्देशों के अनुसार बेसिक इंडिकेटर एप्रोच (बीआईए) के अनुसार की जाएगी।

डीएफ़-9: बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

1. गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

आंतरिक एवं बाह्य कारकों के कारण बैंक की ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ाव से निवल ब्याज आय तथा आस्तियों एवं देयताओं के मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव को ब्याज दर जोखिम कहा जाता है। आंतरिक कारकों में बैंक की आस्ति एवं देयताओं की संरचना, गुणवत्ता, परिपक्वता, वर्तमान ब्याज दर तथा जमाराशियों, उधार, ऋण एवं निवेशन की पुनर्मूल्यन अवधि शामिल हैं। बाह्य कारकों में सामान्य आर्थिक स्थितियों आती हैं। बैंक पर बढ़ती या घटती ब्याज दरों का प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि तुलनपत्र आस्ति संवेदनशील है या देयता संवेदनशील। बैंक अपने तुलनपत्र में शामिल तथा तुलनपत्र-इतर एक्सपोजर पर बदलती ब्याज दरों से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों की पहचान अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से करता है।

1.1 संरचना और संगठन

आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) तुलनपत्र जोखिमों की लगातार पहचान एवं विश्लेषण तथा बैंक की एएलएम नीति के माध्यम से इन जोखिमों के कुशल प्रबंधन हेतु मानकों को निर्धारित करने के लिए उपयुक्त प्रणालियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए जिम्मेदार है। इसलिए, एएलसीओ समय-समय पर जोखिम और प्रतिलाभों, निधियाँ एवं विनियोजन, बैंक के ऋण व जमाराशियों पर ब्याज दर निर्धारण तथा निवेश संबंधी गतिविधियों के संबंध में निदेश देने आदि की निगरानी व नियंत्रण करती है। निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) एएलएम 2 प्रणाली के कार्यान्वयन को देखती है तथा समय-समय पर इसके कामकाज की समीक्षा करती है और दिशानिर्देश देती है। यह, ब्याज दर जोखिम प्रबंधन के लिए एएलसीओ द्वारा लिए गए निर्णयों की समीक्षा करता है।

1.2 जोखिम रिपोर्टिंग और मापन प्रणालियों का क्षेत्र तथा स्वरूप

भारतीय रिजर्व बैंक ने पारंपरिक अंतराल विश्लेषण (आईआरएस-टीजीए) के अंतर्गत ब्याज दर संवेदनशीलता के विवरण के माध्यम से मासिक अंतराल पर ब्याज दर जोखिम की निगरानी निर्धारित की है। तदनुसार, एएलसीओ मासिक आधार पर आईआरएस-टीजीए की समीक्षा करती है और जोखिम पर आय (ईएआर) की मॉनिटरिंग करती है। आस्तियों व देयताओं पर ब्याज दर में समानांतर परिवर्तन के कारण बैंक की शुद्ध ब्याज आय में परिवर्तन का आकलन करती है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक की आस्तियों और देयताओं के आर्थिक मूल्य पर अवधि अंतर विश्लेषण के अंतर्गत ब्याज दर संवेदनशीलता के माध्यम से ब्याज दर परिवर्तन के प्रभाव का अनुमान करने का भी निर्देश दिया है। बैंक यह विश्लेषण मासिक आधार पर करता है। इक्विटी के बाजार मूल्य पर ब्याज दर में बदलाव का प्रभाव बाजार ब्याज दर में हुए परिवर्तनों को देखते हुए आस्ति व देयताओं के मूल्य में परिवर्तन को पहचानकर आईआरएस-डीजीए के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाती है। इक्विटी के मूल्य में (आरक्षितियों सहित) तथा आस्ति एवं देयताओं की ब्याज दर में 2% समानांतर परिवर्तन का अनुमान है।

जोखिम पर अर्जन (ईएआर): ब्याज दरों में परिवर्तन का तुरंत प्रभाव बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) में परिवर्तन से अर्जन पर पड़ता है। जोखिम पर अर्जन, लघु अवधि में (एक वर्ष में प्रभाव) एनआईआई पर ब्याज दर परिवर्तन के प्रभाव की गणना के लिए उपयोगी है। जोखिम पर अनर्जन गणना में बैंकिंग बही तथा ट्रेडिंग बही दोनों शामिल हैं।

इक्विटी का बाजार मूल्य (एमवीई): ब्याज दरों में परिवर्तन का दीर्घकालिक प्रभाव बैंक की देयताओं एवं तुलन पत्र बाह्य स्थितियों के आर्थिक मूल्य में परिवर्तन के माध्यम बैंक के इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) या निवल मालियत पर पड़ता है। यद्यपि मूल्य में इन परिवर्तनों का प्रभाव आय पर नहीं पड़ता, फिर भी इनका प्रभाव बैंक की पूंजी की स्थिति पर पड़ता है।

बैंक अपने घरेलू तथा विदेश में परिचालन के लिए आईआरआरबीबी को प्रबंधित करने के ढाँचे के हिस्से के रूप में एमवीई दृष्टिकोण का उपयोग करता है। एमवीई के प्रभाव का आकलन संपूर्ण बैंक तथा बैंकिंग बही पर अलग से किया जाता है। आईआरआरबीबी की प्रभावी ढंग से मॉनिटरिंग करने के लिए, एएलएम नीति में संपूर्ण बैंक तथा बैंकिंग बही के लिए भिन्न-भिन्न एमवीई सीमाएं निर्धारित की गई हैं।

1.3 जोखिम हेडजिंग तथा न्यूनीकरण नीतियां

बैंक में, हेडजिंग लेनदेन करने के लिए एक नीति विद्यमान है। अंतर्निहित तथा तात्कालिक बाजार परिस्थितियों के आधार पर बैंक निर्धारित आस्तियों तथा देयताओं के लिए हेडजिंग लेनदेन करता है। ब्याज दर स्वेप, ओआईएस, फॉरवर्ड दर करार तथा क्रॉस मुद्रा स्वेप जैसी डेरिवेटिव लिखतों को बैंक द्वारा हेडजिंग तकनीक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

2. मात्रात्मक प्रकटीकरण

- 2.1** 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, यील्ड वक्र में समानांतर परिवर्तन को मानते हुए, ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण एनआईआई पर अनुमानित प्रभाव निम्नलिखित टेबल में बताया गया है):

जोखिम पर अर्जन (ईएआर)

(रुपए करोड़ में)	
निवल ब्याज दर पर प्रभाव	
निवल ब्याज आय (एनआईआई) पर आस्तियों एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 100 बीपीएस के समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	9,047.48
निवल ब्याज आय (एनआईआई) पर आस्तियों एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 200 बीपीएस के समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	18,095.05

- 2.2** 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, यील्ड वक्र में समानांतर परिवर्तन को मानते हुए, ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण एमवीई पर अनुमानित प्रभाव निम्नलिखित टेबल में बताया गया है):

इक्विटी का बाजार मूल्य (एमवीई)

(रुपए करोड़ में)	
इक्विटी के बाजार मूल्य पर प्रभाव	
इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) - बैंकिंग बही पर आस्ति एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 100 बीपीएस समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	12,919.83
इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) - बैंकिंग बही पर आस्ति एवं देयता दोनों पर ब्याज दर में 200 बीपीएस समानांतर परिवर्तन का प्रभाव	25,839.66

डीएफ-10: काउंटरपार्टी ऋण जोखिम से संबंधित एक्सपोजर के लिए सामान्य प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

गुणात्मक प्रकटीकरण:

बैंक के ऋण जोखिम प्रबंधन विभाग द्वारा घरेलू बैंकों, विदेशी बैंकों, विकास वित्तीय संस्थानों, प्राथमिक डीलरों, लघु वित्त बैंकों तथा पेमेंट बैंकों के लिए काउंटरपार्टी एक्सपोजर की सीमा राशि निर्धारित करने के लिए स्कोरिंग मॉडल का उपयोग किया जाता है। ऋण जोखिम प्रबंधन विभाग, बैंक की सभी व्यवसाय इकाइयों अर्थात सीएजी, सीसीजी, आरएंडडीबी, ग्लोबल मार्केट तथा आईबीजी को एक्सपोजर सीमा का आवंटन करता है, इस एक्सपोजर सीमा का आवंटन इन इकाइयों द्वारा अपनी विभिन्न परिचालन इकाइयों के बीच किया जाता है।

संपार्श्विक प्रतिभूतियों का वर्गीकरण तथा पहचान

बैंक आंतरिक संस्वीकृति तथा/अथवा विनिमायक पूंजीगत छूट प्रयोजनों के लिए संपार्श्विक प्रतिभूति की स्वीकृति, पहचान तथा मूल्य निर्धारण केवल तभी करता है जब निम्नलिखित शर्तें पूरी कर ली गई हों:

- सभी प्रासंगिक क्षेत्राधिकार में प्रतिभूति की प्रवर्तनीयता तथा प्रभावकारिता विधिक रूप से सुनिश्चित हो।
- ऋण और संपार्श्विक दस्तावेजों के संबंध में सभी संविदात्मक एवं सांविधिक आवश्यकताएं पूरी कर ली गई हों।
- बैंक ने संबंधित संपार्श्विक के लिए विधिक प्रभार (प्रथम विधिक ऋण-प्रभार के अतिरिक्त द्वितीयक/गौण या सममात्रा ऋण प्रभार भी) प्राप्त कर लिया हो।
- इस विधिक प्रणाली के अंतर्गत संपार्श्विक प्रतिभूति को गिरवी रखा जाता है या अंतरित किया जाता है, काउंटर पार्टी या अन्य पक्ष द्वारा चूक करने, दिवालिया हो जाने की स्थिति में उस प्रणाली में प्रतिभूति के समय पर परिसमापन करने या कब्जे में लेने का अधिकार बैंक को हो।
- संपार्श्विक प्रतिभूति के समय पर परिसमापन हेतु बैंक में स्पष्ट व सुदृढ़ कार्यविधि उपलब्ध है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि काउंटर पार्टी द्वारा की गई चूक को घोषित करने तथा संपार्श्विक प्रतिभूति के परिसमापन के लिए विधिक शर्तें पूरी की गई हैं तथा संपार्श्विक प्रतिभूति का परिसमापन तत्काल किया जा सकता है।
- आंतरिक रेटिंग आधारित (आईआरबी) पूंजी पात्रता की गणना के लिए संपार्श्विक द्वारा आरबीआई, आईआरबी दिशानिर्देशों में दिए गए सभी परिचालन मानदंडों को पूरा करना आवश्यक है।

किसी लेनदेन के नकदी प्रवाह से पूर्व डेरिवेटिव्स लेनदेन की काउंटर पार्टी की चूक से उत्पन्न जोखिम को काउंटर पार्टी जोखिम कहा जाता है। इस जोखिम के न्यूनीकरण के लिए डेरिवेटिव्स लेनदेन केवल उन्हीं पार्टियों के साथ किए जाते हैं जिन्हें ऋण सीमाएं अनुमोदित की गई हैं। बैंक के लिए काउंटर पार्टी सीमा का आकलन अनेक वित्तीय मानदंडों जैसे निवल मालियत, पूंजी पर्याप्तता अनुपात, रेटिंग इत्यादि को ध्यान में रखकर आंतरिक मॉडलों का उपयोग करके किया जाता है। कॉर्पोरेटों की डेरिवेटिव्स सीमा का आकलन तथा संस्वीकृति का संयोजन नियमित ऋण सीमा के हिस्से के रूप में किया जाता है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

अनुमानिक एवं चालू ऋण एक्सपोजर का संवितरण	अनुमानिक	वर्तमान ऋण एक्सपोजर	(रुपए करोड़ में)
			राशि के अंतर्गत वर्तमान ऋण पद्धति (सीईएम)
ए) ब्याज दर स्वेप	662479.99	3322.23	9220.57
बी) क्रॉस कंट्री मुद्रा स्वेप	123745.58	1849.74	9717.46
सी) मुद्रा ऑप्शन्स	130420.56	205.59	4107.78
डी) विदेशी मुद्रा संविदाएँ	1196742.71	3837.18	33067.29
ई) मुद्रा पर्युचर्स	-	-	-
एफ) फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट्स	-	-	-
जी) अन्य (कृपया उत्पाद का नाम बताएं) - एनडीएफ	81187.20	224.36	1848.11
कुल	2194576.04	9439.10	57961.21
क्रेडिट डेरिवेटिव्स लेन-देन		शून्य	

डीएफ-11: पूंजी संरचना

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

(रुपए करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है			
कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी: लिखते एवं आरक्षित निधियाँ			संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)
1	सीधे जारी की गई अर्हता कॉमन शेयर पूंजी तथा संबंधित स्टॉक्स अधिशेष (शेयर लाभांश)	80007.94	A1 + B3
2	यथावत रखा गया अर्जन	260048.9	B1 + B2 + B7 + B8 + B9 (#)
3	अन्य कुल संचित आय (तथा अन्य आरक्षितियाँ)	23729.02	B5 * 75% + B6 * 45%
4	सीईटी 1 से कटौती के अधीन सीधे जारी पूंजी (केवल गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0	
5	अनुषंगियों द्वारा जारी कॉमन शेयर पूंजी तथा तीसरे पक्ष द्वारा प्रतिधारित (सीईटी 1 समूह में अनुमत राशि)	3004.24	
6	विनियामक समायोजन से पूर्व सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी	366790.10	
सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी : विनियामक समायोजन			
7	विवेकपूर्ण मूल्यांकन समायोजन	1633.17	
8	साख (संबंधित कर देयता के पश्चात)	1405.96	D
9	अमूर्त (संबंधित कर देयता के पश्चात)	0	
10	आस्थगित कर आस्तियाँ	30.31	
11	नकदी-प्रवाह हेज रिजर्व	0	
12	संभावित हानियों के लिए प्रावधानों की कमी	0	
13	बिक्री पर प्रतिभूतिकरण लाभ	0	
14	उचित मूल्य की देयताओं पर स्वयं के ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण लाभ और हानि	0	
15	नियत-लाभ पेंशन फंड निवल आस्तियाँ	0	
16	अपने शेयरों में निवेश (यदि रिपोर्ट किए गए तुलनपत्र में पहले से कम नहीं किया गया हो तो)	163.31	
17	कॉमन इक्विटी में पारस्परिक क्रॉस-होलिडिंग	3.05	
18	उन बैंकिंग, वित्त तथा बीमा संस्थाओं की कॉमन पूंजी में निवेश जो विनियामक समेकन के कार्य के क्षेत्र के बाहर हैं तथा जहां पात्र अधिविक्रय को घटाने के बाद जारी की गई शेयर पूंजी में बैंक की अपनी पूंजी 10% से अधिक नहीं है (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0	
19	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं के कॉमन स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश जो नियामक समेकन के दायरे से बाहर हैं, पात्र शॉर्ट पोজीशन घटाकर (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0	
20	बंधक सर्विसिंग अधिकार (10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0	
21	अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियाँ (संबंधित कर देयता घटाने के बाद 10% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि)	0	

(रुपए करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है

कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ

संदर्भ सं. (डीएफ-12:
चरण 2 के संबंध में)

22	15% की प्रारम्भिक सीमा से अधिक राशि	0
23	इसमें से: वित्तीय संस्थाओं के कॉमन स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश	0
24	इसमें से: बंधक सर्विसिंग अधिकार	0
25	इसमें से: अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्ति	0
26	राष्ट्रीय विशेष विनियामक समायोजन (26ए+26बी+26सी+26डी)	1853.34
26ए	इसमें से: असमेकित बीमा अनुषंगियों की इक्विटी पूंजी में निवेश	1809.35
26बी	इसमें से: असमेकित गैर-वित्तीय अनुषंगियों की इक्विटी पूंजी में निवेश	43.99
26सी	इसमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई, आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की इक्विटी पूंजी में कमी	0
26डी	इसमें से: अपरिशोधित पेंशन निधि व्यय	0
27	कटौतियों को कवर करने के लिए अपर्याप्त टियर 1 तथा टियर 2 के कारण कॉमन टियर 1 इक्विटी में लागू किए गए विनियामक समायोजन	0
28	कॉमन टियर 1 इक्विटी में कुल विनियामक समायोजन	5089.14
29	सामान्य इक्विटी टियर 1 पूंजी (सीईटी 1)	361700.96
अतिरिक्त टियर 1 पूंजी: लिखतें		
30	सीधे जारी किए गए अर्हता अतिरिक्त टियर 1 लिखतें तथा संबंधित स्टॉक आधिक्य (शेयर लाभांश) (31+32)	50626.40
31	इसमें से: लागू लेखा मानकों के अंतर्गत इक्विटी के रूप में वर्गीकृत (बेमियादी गैर-संचयी अधिमान शेयर)	0
32	इसमें से: लागू लेखा मानकों के अंतर्गत देयता के रूप में वर्गीकृत (बेमियादी ऋण लिखतें)	50626.40
33	अतिरिक्त टियर 1 में से कम करने के लिए सीधे जारी की गई पूंजी लिखतें	0
34	अनुषंगियों द्वारा जारी और अन्य पक्ष द्वारा अतिरिक्त टियर 1 लिखत (तथा सीईटी लिखतें पंक्ति 5 में शामिल नहीं की गई हैं) (राशि समूह एटी 1 में अनुमत)	563.3
35	इसमें से: अनुषंगियों द्वारा जारी लिखतें जो कम होने वाली हैं	0
36	विनियामक समायोजन से पूर्व अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	51189.7
अतिरिक्त टियर 1 पूंजी: विनियामक समायोजन		
37	अपनी अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में निवेश	0
38	अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में पारस्परिक प्रति-धारणाएँ	155.00
39	विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं की पूंजी में निवेश, पात्र अधिविक्रय पोजीशन को घटाने के बाद जहाँ जारी की गई कॉमन शेयर पूंजी के 10% से अधिक नहीं है (राशि 10% की प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि)	0
40	विनियामक समेकन क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं की पूंजी में महत्वपूर्ण निवेश (पात्र अधिविक्रय स्थिति को छोड़कर)	0
41	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (41ए+41बी)	0
41ए	इसमें से: असमेकित बीमा अनुषंगियों की अतिरिक्त टियर 1 पूंजी में निवेश	0
41बी	इसमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की अतिरिक्त टियर 1 पूंजी में निवेश	0
42	कटौतियों को कवर करने के लिए अपर्याप्त टियर 2 के कारण कॉमन टियर 1 पर लागू किए गए विनियामक समायोजन	0
43	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी के प्रति कुल विनियामक समायोजन	155.00
44	अतिरिक्त टियर 1 पूंजी (एटी1)	51034.70
45	टियर 1 पूंजी (टी1 = सीईटी1 + एटी1) (29 + 44)	412735.66
टियर 2 पूंजी: लिखतें तथा प्रावधान		
46	सीधे जारी अर्हक टियर 2 लिखतें तथा संबंधित स्टॉक आधिक्य	40171.00
47	टियर 2 से कम की जाने वाली, धे जारी पूंजीगत लिखतें	1352.49
48	अनुषंगियों द्वारा जारी तथा तीसरे पक्ष द्वारा धारित टियर 2 लिखतें (तथा सीईटी 1 व एटी 1 लिखतें जो पंक्ति 5 या 34 में शामिल नहीं की गई हैं) (टियर 2 समूह में अनुमत राशि)	1684.91
49	इनमें से : अनुषंगियों द्वारा जारी लिखतें, जो कम होने वाली हैं।	0
50	प्रावधान	36344.12
51	विनियमन समायोजन से पूर्व टियर2 पूंजी	79552.52
टियर 2 पूंजी: विनियामक समायोजन		
52	अपनी टियर 2 लिखतों में निवेश	104.54
53	टियर 2 लिखतों में पारस्परिक क्रॉस-होल्डिंग	0
54	विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं की पूंजी में निवेश, पात्र अधिविक्रय पोजीशन को घटाने के बाद जहाँ जारी की गई कॉमन शेयर पूंजी के 10% से अधिक नहीं है (राशि 10% की प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि)	0

(रुपए करोड़ में)

31 मार्च, 2017 से बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का प्रयोग किया जा रहा है**कॉमन इकिटी टियर 1 पूंजी: लिखतें एवं आरक्षित निधियाँ****संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)**

55	विनियामक समेकन क्षेत्र से बाहर की बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं की पूंजी में महत्वपूर्ण निवेश (पात्र अधिविक्रय स्थिति को छोड़कर)	14.21
56	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (56ए+56बी)	0
56ए	इनमें से : असमेकित बीमा अनुषंगियों की अतिरिक्त टियर 2 पूंजी में निवेश	0
56बी	इनमें से: बैंक के साथ समेकित न की गई आधे से अधिक हिस्सेदारी वाली वित्तीय संस्थाओं की अतिरिक्त टियर 2 पूंजी में निवेश	0
57	टियर 2 पूंजी में कुल विनियामक समायोजन	118.75
58	टियर 2 पूंजी (टी2)	79433.77
59	कुल पूंजी (टीसी = टी1 + टी2) (45 + 58)	492169.43
60	कुल ऋण भारित आस्तियाँ (60ए + 60बी + 60सी)	3423514.85
60ए	इनमें से: कुल ऋण जोखिम भारित आस्तियाँ	2803289.38
60बी	इनमें से: कुल बाजार जोखिम भारित आस्तियाँ	295237.14
60सी	इनमें से: कुल परिचालन जोखिम भारित आस्तियाँ	324988.33
पूंजी अनुपात एवं बफर्स		
61	कॉमन इकिटी टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	10.57
62	टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	12.06
63	कुल पूंजी (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	14.38
64	संस्था विशिष्ट बफर आवश्यकता (जोखिम भारित परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में व्यक्त न्यूनतम सीईटी1 आवश्यकता तथा पूंजी संरक्षण तथा काउंटर साइक्लिकल बफर आवश्यकताएँ तथा जी-एसआईबी बफर आवश्यकता)	8.60
65	इनमें से: पूंजी संरक्षण बफर आवश्यकता	2.50
66	इनमें से: बैंक विशिष्ट काउंटर चक्रीय बफर आवश्यकता	0
67	इनमें से: डी-एसआईबी बफर आवश्यकता	0.60
68	बफर्स को पूरा करने के लिए उपलब्ध कॉमन इकिटी टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	5.07
राष्ट्रीय न्यूनतम (यदि बेसल III से भिन्न हो)		
69	राष्ट्रीय कॉमन इकिटी टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	5.50
70	राष्ट्रीय टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	7.00
71	राष्ट्रीय कुल पूंजी न्यूनतम अनुपात (यदि बेसल III न्यूनतम से भिन्न हो)	9.00
कटौती के लिए प्रारंभिक सीमा से कम राशियाँ (जोखिम भार से पूर्व)		
72	अन्य वित्तीय संस्थाओं की पूंजी में गैर-महत्वपूर्ण निवेश	0
73	अन्य वित्तीय संस्थाओं के कॉमन स्टॉक महत्वपूर्ण निवेश	562.58
74	बंधक सर्विसिंग अधिकार (संबंधित कर देयता घटाकर)	0.00
75	स्थायी अंतर के कारण आस्थगित कर आस्तियाँ (संबंधित कर देयता घटाकर)	12066.84
टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने पर लागू उच्चतम सीमा		
76	मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार एक्सपोजर को टियर 2 में शामिल किए जाने के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा लागू करने से पहले)	36344.12
77	मानकीकृत दृष्टिकोण पद्धति के आधार पर टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने की उच्चतम सीमा	35041.12
78	आंतरिक रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण पद्धति के अनुसार एक्सपोजर को टियर 2 में शामिल किए जाने के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा लागू करने से पहले)	0
79	आंतरिक रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण पद्धति के आधार पर टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने की उच्चतम सीमा	0
फेजआउट व्यवस्था के अधीन पूंजी लिखतें (केवल 31 मार्च, 2017 तथा 31 मार्च, 2022 के बीच लागू)		
80	फेजआउट व्यवस्था के अधीन सीईटी 1 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0
81	उच्चतम सीमा के कारण सीईटी 1 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0
82	फेजआउट व्यवस्था के अधीन एटी 1 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0%
83	उच्चतम सीमा के कारण एटी 1 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0
84	फेजआउट व्यवस्था के अधीन टी 2 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	0%
85	उच्चतम सीमा के कारण टी 2 में शामिल न की गई राशि (मोचन तथा परिपक्वता के बाद उच्चतम सीमा से अधिक राशि)	0

टेम्पलेट के नोट

टेम्पलेट की पंक्ति विवरण		(रुपए करोड़ में)
संख्या		
10	संचित हानियों सहित संबद्ध आस्थगित कर आस्तियाँ	30.31
	आस्थगित कर आस्तियाँ (संचित हानियों संबद्ध को छोड़कर) आस्थगित कर देयता को घटाकर	12066.84
	कुल जो पंक्ति 10 में दर्शाया गया है	30.31
19	यदि बीमा अनुबंधियों में निवेश को पूरी तरह से पूंजी से नहीं घटाया गया है तथा उसके स्थान पर कटौती के लिए 10% प्रारंभिक सीमा अंतर्गत गणना में शामिल है तो उसके कारण बैंक की पूंजी में हुई वृद्धि	0
	इनमें से : कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी में वृद्धि	0
	इनमें से: अतिरिक्त टियर 1 पूंजी में वृद्धि	0
	इनमें से: टियर 2 पूंजी में वृद्धि	0
26बी	यदि गैर-समेकित गैर-वित्तीय अनुबंधियों की इक्विटी पूंजी में निवेश को नहीं घटाया गया है तथा इसलिए, जोखिम भारित है:	0
	(i) कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी में वृद्धि	0
	(ii) जोखिम भारित आस्तियों में वृद्धि	0
50	टियर 2 पूंजी में शामिल पात्र प्रावधान	36344.12
	टियर 2 पूंजी में शामिल पात्र पुनर्मूल्यन आरक्षितियाँ	0
	पंक्ति 50 का कुल योग	36344.12

बी7: आय तथा अन्य आरक्षितियाँ, एकीकरण एवं विकास निधि (5 करोड़ रुपए) घटाकर है।

डीएफ-12: पूंजी घटक-समाधान संबंधी अपेक्षाएँ

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

पूंजी घटक-समाधान संबंधी अपेक्षाएँ चरण 1

		(रुपए करोड़ में)	
ए	पूंजी और देयताएं	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र
		रिपोर्टिंग की तिथि को	रिपोर्टिंग की तिथि को
i.	प्रदत्त पूंजी	892.46	892.46
	आरक्षितियाँ एवं अधिशेष	4,14,046.71	3,96,495.47
	अल्प मर्दों पर ब्याज	15,617.96	7,589.28
	कुल पूंजी	4,30,557.13	4,04,977.21
ii.	जमा	49,66,537.49	49,67,991.79
	इनमें से: बैंको में जमा राशियाँ	10,853.22	10,853.22
	इनमें से: ग्राहकों की जमा राशियाँ	49,55,684.27	49,57,138.57
	इनमें से: अन्य जमा राशियाँ (कृपया स्पष्ट करें)	-	-
iii.	उधार राशियाँ	6,39,609.50	6,39,994.50
	इनमें से: आरबीआई से	98,806.56	98,806.56
	इनमें से: बैंको से	2,71,588.67	2,71,588.67
	इनमें से: अन्य संस्थाओं व एजेंसियों से	1,29,822.51	1,29,822.51
	इनमें से: अन्य (कृपया स्पष्ट करें)	42,703.00	43,623.00
	इनमें से: पूंजी लिखतें	96,688.76	96,153.76
iv.	अन्य देयताएं एवं प्रावधान	6,97,074.68	2,99,196.37
	कुल	67,33,778.80	63,12,159.87
बी	आस्तियाँ		
i.	नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष	2,25,356.33	2,25,274.97
	बैंकों के पास जमा तथा अल्प अवधि में मांग पर प्राप्य राशियाँ	1,01,215.97	96,725.06

(रुपए करोड़ में)		
	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र
	रिपोर्टिंग की तिथि को	रिपोर्टिंग की तिथि को
ii. निवेश	21,10,548.23	17,04,891.95
इनमें से: सरकारी प्रतिभूतियाँ	15,54,202.70	14,27,608.59
इनमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	37,923.56	91.80
इनमें से: शेयर	1,49,490.11	7,436.10
इनमें से: डिबेंचर और बांड	2,90,917.18	2,13,917.72
इनमें से: अनुषंगियाँ/ संयुक्त उद्यम/ सहयोगी संस्थाएँ	17,675.58	11,273.58
इनमें से: अन्य (कमर्शियल पेपर, म्युचुअल फंड इत्यादि)	60,339.10	44,564.16
iii. ऋण एवं अग्रिम	37,84,272.67	37,83,886.26
इनमें से: बैंकों को ऋण एवं अग्रिम	1,81,665.52	1,81,665.52
इनमें से: ग्राहकों को ऋण एवं अग्रिम	36,02,607.15	36,02,220.74
iv. अचल आस्तियाँ	44,708.18	43,798.82
v. अन्य आस्तियाँ	4,66,271.46	4,56,176.85
इनमें से: साख	-	-
इनमें से: अन्य अमूर्त आस्तियाँ (एमएसआर को छोड़कर)	-	-
इनमें से: आस्थगित कर आस्तियाँ	12,140.70	12,120.37
vi. समेकन पर साख	1,405.96	1,405.96
vii. लाभ-हानि खाते में डेबिट शेष	-	-
कुल आस्तियाँ	67,33,778.80	63,12,159.87

पूँजी घटक- समाधान संबंधी अपेक्षाएँ चरण 2

(रुपए करोड़ में)			
ए	पूँजी एवं देयताएँ	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र
		रिपोर्टिंग की तारीख को	रिपोर्टिंग की तारीख को
i.	प्रदत्त पूँजी	892.46	892.46
	इनमें से: सीईटी 1 के लिए पात्र राशि	892.46	892.46
	इनमें से: एटी1 के लिए पात्र राशि	-	-
	आरक्षितियाँ एवं अधिशेष	4,14,046.71	3,96,495.47
	इनमें से: सांविधिक आरक्षितियाँ	1,21,026.38	1,21,026.38
	इनमें से: पूँजी आरक्षितियाँ	16,727.81	16,611.89
	इनमें से: शेयर लाभांश	79,115.48	79,115.48
	इनमें से: निवेश आरक्षितियाँ	3,142.84	3,142.84
	इनमें से: निवेश पुनर्मूल्यन आरक्षितियाँ	11,522.30	11,522.30
	इनमें से: विदेशी मुद्रा लेनदेन आरक्षितियाँ	15,107.70	15,105.30
	इनमें से: अचल आस्तियों पर पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ	27,555.65	27,555.65
	इनमें से: राजस्व व अन्य आरक्षितियाँ	48,302.31	39,785.48
	इनमें से: आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत आरक्षितियाँ	19,527.06	19,527.06
	इनमें से: लाभ-हानि खाते में बकाया	72,019.18	63,103.09
	अल्प मदों पर ब्याज	15,617.96	7,589.28
	कुल पूँजी	4,30,557.13	4,04,977.21

(रुपए करोड़ में)

	वित्तीय विवरण में तुलन पत्र	समेकन के विनियामक दायरे में तुलन पत्र	संदर्भ संख्या
	रिपोर्टिंग की तारीख को	रिपोर्टिंग की तारीख को	
ii. जमा राशियाँ	49,66,537.49	49,67,991.79	
इनमें से: बैंकों में जमा राशियाँ	10,853.22	10,853.22	
इनमें से: ग्राहकों की जमा राशियाँ	49,55,684.27	49,57,138.57	
इनमें से: अन्य जमा राशियाँ (कृपया स्पष्ट करें)			
iii. उधार राशियाँ	6,39,609.50	6,39,994.50	
इनमें से: आरबीआई से	98,806.56	98,806.56	
इनमें से: बैंकों से	2,71,588.67	2,71,588.67	
इनमें से: अन्य संस्थाओं व एजेंसियों से	1,29,822.51	1,29,822.51	
इनमें से: अन्य (कृपया स्पष्ट करें)	42,703.00	43,623.00	
इनमें से: पूंजी लिखतें	96,688.76	96,153.76	
iv. अन्य देयताएं और प्रावधान	6,97,074.68	2,99,196.37	
इनमें से: साख से संबंधी डीटीएल			
इनमें से: अमूर्त आस्तियों से संबंधित डीटीएल			
कुल	67,33,778.80	63,12,159.87	
बी आस्तियाँ			
i. नकदी व भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष	2,25,356.33	2,25,274.97	
बैंकों के पास जमा तथा अल्प अवधि में मांग पर प्राप्त राशियाँ	1,01,215.97	96,725.06	
ii. निवेश	21,10,548.23	17,04,891.95	
इनमें से: सरकारी प्रतिभूतियाँ	15,54,202.70	14,27,608.59	
इनमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	37,923.56	91.80	
इनमें से: शेयर	1,49,490.11	7,436.10	
इनमें से: डिबेंचर व बॉन्ड	2,90,917.18	2,13,917.72	
इनमें से: अनुषंगियाँ/ संयुक्त उद्यम/ सहयोगी संस्थाएँ	17,675.58	11,273.58	
इनमें से: अन्य (कमर्शियल पेपर, म्यूचुअल फंड इत्यादि)	60,339.10	44,564.16	
iii. ऋण एवं अग्रिम	37,84,272.67	37,83,886.26	
इनमें से: बैंकों को ऋण एवं अग्रिम	1,81,665.52	1,81,665.52	
इनमें से: ग्राहकों को ऋण एवं अग्रिम	36,02,607.15	36,02,220.74	
iv. अचल आस्तियाँ	44,708.18	43,798.82	
v. अन्य आस्तियाँ	4,66,271.46	4,56,176.85	
जिनमें से: साख	-	-	
इनमें से: अन्य अमूर्त आस्तियाँ (एमएसआर को छोड़कर)	-	-	
इनमें से: आस्थगित कर आस्तियाँ	12,140.70	12,120.37	सी
vi. समेकन पर साख	1,405.96	1,405.96	डी
vii. लाभ-हानि खाते में डेबिट शेष	-	-	
कुल आस्तियाँ	67,33,778.80	63,12,159.87	

कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी (सीईटी1): लिखतें तथा आरक्षितियाँ चरण 3

(₹ करोड़ में)		
	बैंक द्वारा रिपोर्ट किए गए विनियामक पूंजी घटक	संदर्भ सं. (डीएफ-12: चरण 2 के संबंध में)
1 सीधे जारी अर्हक कॉमन शेयर (तथा गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों के लिए समतुल्य) पूंजी तथा संबंधित स्टॉक अधिशेष	80007.94	ए1 + बी3
2 प्रतिधारित आय	260048.90	बी1 + बी2 + बी7 + बी8 + बी9 (#)
3 संचित अन्य व्यापक आय (तथा अन्य आरक्षितियाँ)	23729.02	बी5 * 75% + बी6 * 45%
4 सीईटी1 से कटौती कर सीधे जारी पूंजी (केवल गैर-स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0.00	
5 अनुपंगियों द्वारा जारी तथा तीसरे पक्ष द्वारा धारित कॉमन शेयर पूंजी (समूह सीईटी1 में अनुमत राशि)	3004.24	
6 विनियामक समायोजन से पूर्व कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी	366790.10	
7 विवेकशील मूल्यांकन समायोजन	1633.17	
8 साख (संबंधित कर देयता को घटाकर)	1405.96	डी

बी7: आय तथा अन्य आरक्षितियाँ, एकीकरण एवं विकास निधि (5 करोड़ रुपये) घटाकर है।

डीएफ 13: विनियामक पूंजी लिखतों की मुख्य विशेषताएं

डीएफ 14: विनियामक पूंजी लिखतों के पूर्ण नियम और शर्तें

यह प्रकटीकरण अर्थात डीएफ 13 तथा डीएफ 14 बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in/portal/web/corpore-governance/basel-iii-disclosures पर अपलोड कर दिए गए हैं।

डीएफ 15: पारिश्रमिक के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएं

लागू नहीं, क्योंकि यह प्रकटीकरण निजी क्षेत्र तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों को करना होता है।

डीएफ 16: 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार इक्विटी बैंकिंग बही स्थिति के संबंध में प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

1 इक्विटी जोखिम के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटीकरण में निम्नलिखित शामिल हैं:		
ऐसी धारिताएँ जिनमें पूंजीगत लाभ होने की संभावना है तथा संबद्ध एवं कार्यनीतिक कारणों सहित अन्य उद्देश्यों के अंतर्गत ली गई होल्डिंग्स के बीच अंतर;	एचटीएम श्रेणी के सभी इक्विटी निवेश सहायक कंपनियों, अनुपंगियों, संयुक्त उद्यमों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में किए जाते हैं। यह कार्यनीतिक स्वरूप के होते हैं।	
बैंकिंग बही में इक्विटी होल्डिंग्स के मूल्यांकन और लेखांकन से संबंधित महत्वपूर्ण नीतियों पर चर्चा। इसमें लेखांकन के लिए प्रयोग में लाई गई तकनीकों तथा मूल्यांकन पर प्रभाव डालने वाली प्रथाओं तथा उनमें महत्वपूर्ण परिवर्तन भी शामिल हैं।	एचटीएम श्रेणी के अंतर्गत रखी गई प्रतिभूतियों को लेखाविधि तथा मूल्यांकन नीति को बैंक की वार्षिक रिपोर्ट की अनुसूची 17 पैरा 2.3(ii) के अंतर्गत दिया गया है।	

मात्रात्मक प्रकटीकरण

1	तुलनपत्र में प्रकट किए गए निवेशों के मूल्य तथा उनके उचित मूल्य; उद्धृत प्रतिभूतियों के लिए, जनता को उद्धृत मूल्यों की तुलना जहाँ उचित मूल्य काफी भिन्न है	रु. 840.51 करोड़
2	निवेश के प्रकार तथा उसकी प्रकृति, इसमें वह राशि भी शामिल है जिसे इस रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है:	
विवरण	प्रकार	बही मूल्य (करोड़ में)
सार्वजनिक रूप से ट्रेड किए जाने वाले	अनुषंगियाँ	एचटीएम 2,497.27
	सहयोगी	एफएस 7,810.00
	अन्य	एचटीएम 133.66
निजी रूप से धारित	सहयोगी संस्थाएँ, अनुषंगियाँ, संयुक्त उद्यम और अन्य	एचटीएम 10,982.45
3	संदर्भित अवधि के दौरान बिक्री एवं परिसमापन से प्राप्त संचयी लाभ (हानियाँ)	शून्य
4	कुल अप्राप्त लाभ (हानियाँ) 13	रु. 376.96 करोड़ रुपए (एमटीएम लाभ)
5	कुल अप्रकट पुनर्मूल्यन लाभ (हानियाँ) 14	रु. 9,628.67 करोड़
6	टियर 1 तथा/अथवा टियर 2 पूंजी में शामिल उपर्युक्त कोई राशि	रु. 89.92 करोड़
7	बैंक की पद्धति के अनुसार इक्विटी समूहन द्वारा विखंडित पूंजी, समग्र राशियाँ, एवं उन पर निवेशों का प्रकार, जो किसी पर्यवेक्षी संक्रमण या विनियमक पूंजी आवश्यकताओं से संबंधित ब्रैंडफादरिंग प्रावधानों के अधीन होते हैं।	रु. 4.75 करोड़
13	अप्राप्त लाभ(हानियाँ) लाभ-हानि खाते के द्वारा मान्यीकृत	
14	तुलनपत्र अथवा लाभ-हानि खाते में शामिल न किया गया अप्राप्त लाभ(हानियाँ)	

डीएफ़-17: लेखांकन आस्तियां बनाम लीवरेज अनुपात एक्सपोज़र की तुलना का सारांश

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

मद	रु. (मिलियन में)
1 प्रकाशित वित्तीय विवरणों के अनुसार कुल समेकित आस्तियां	6,73,37,787.99
2 बैंकिंग, वित्तीय, बीमा या वाणिज्यिक संस्थाओं में निवेश के लिए समायोजन जो लेखांकन के उद्देश्यों से समेकित किया जाता है, लेकिन नियामक समेकन के दायरे से बाहर है।	-42,16,189.26
3 परिचालन लेखांकन ढांचे के अनुसार तुलनपत्र में शामिल की गई काल्पनिक आस्तियों के लिए समायोजन, किंतु इन्हें लीवरेज अनुपात एक्सपोज़र माप में शामिल नहीं किया जाता है।	0.00
4 डेरिवेटिव्स वित्तीय लिखतों के लिए समायोजन	4,94,377.17
5 प्रतिभूतियों के वित्तपोषण लेनदेन के लिए समायोजन (अर्थात रेपो तथा इसी प्रकार के प्रत्याभूत ऋण)	18,160.84
6 तुलन-पत्र से इतर मदों के लिए समायोजन (अर्थात तुलनपत्र से इतर एक्सपोज़र की समतुल्य राशियों का अंतरण)	57,91,687.93
7 अन्य समायोजन	-1,78,735.62
8 लीवरेज अनुपात एक्सपोज़र (स्टेट बैंक समूह)	6,92,47,089.05

डीएफ-18: लीवरेज अनुपात सामान्य प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

मद	रुपए (मिलियन में)
तुलन पत्र एक्सपोज़र पर	
1 तुलन पत्र मर्दे (डेरिवेटिव्स तथा एसएफटी को छोड़कर परंतु समपार्श्विक सहित)	6,31,21,598.73
2 (बेसल खख्रख, टियर 1 पूंजी निर्धारण के लिए घटाई गई राशियाँ)	-178735.62
3 कुल तुलन पत्र एक्सपोज़र (डेरिवेटिव्स तथा एसएफटी को छोड़कर) (पंक्ति 1 व 2 का योग)	6,29,42,863.11
डेरिवेटिव एक्सपोज़र	
4 सभी डेरिवेटिव लेनदेनों से संबंधित प्रतिस्थापन लागत (अर्थात पात्र नकद अंतर मार्जिन घटाकर)	1,99,565.08
5 सभी डेरिवेटिव लेनदेनों से संबंधित पीएफई के लिए ऍड-ऑन राशियाँ	2,94,812.09
6 डेरिवेटिव संपार्श्विक के लिए सकल प्रावधान, जहाँ परिचालन लेखा ढांचे के अनुसार तुलन पत्र आस्तियों से घटाया गया हो	0.00
7 (डेरिवेटिव लेनदेन प्रदान नकद अंतर मार्जिन के लिए प्राप्य आस्तियों की कटौती)	0.00
8 (क्लाइंट-विलयर्ड ट्रेड एक्सपोज़र का छूट प्राप्त भाग)	0.00
9 लिखित ऋण डेरिवेटिव की समायोजित प्रभावी काल्पनिक राशि	0.00
10 (लिखित ऋण डेरिवेटिव की समायोजित प्रभावी काल्पनिक ऑफसेट तथा एड-ऑन कटौतियाँ)	0.00
11 कुल डेरिवेटिव्स एक्सपोज़र (पंक्ति 4 से 10 का योग)	4,94,377.17
प्रतिभूति वित्तपोषण लेनदेन एक्सपोज़र	
12 सकल एसएफटी आस्तियाँ (नेटिंग को शामिल किए बिना), बिक्री लेखांकन लेनदेन को समायोजित कर लेने के बाद	18,160.84
13 (सकल एसएफटी आस्तियों के देय नकद एवं प्राप्य नकद की निवल राशि)	0.00
14 एसटीएफ आस्तियों के सीसीआर एक्सपोज़र	0.00
15 एजेंट लेन-देन एक्सपोज़र	0.00
16 कुल प्रतिभूति वित्तपोषण लेनदेन एक्सपोज़र (पंक्ति 12 से 15 का योग)	18,160.84
अन्य तुलन पत्र बाह्य एक्सपोज़र	
17 सकल काल्पनिक राशि पर तुलन पत्र बाह्य एक्सपोज़र	1,38,38,537.35
18 (ऋण के बराबर राशियों में बदलने के लिए समायोजन)	-80,46,849.42
19 तुलन पत्र बाह्य मर्दे (पंक्ति 17 तथा 18 का योग)	57,91,687.93
पूँजी एवं कुल एक्सपोज़र	
20 टियर 1 पूँजी	41,27,356.52
21 कुल एक्सपोज़र (पंक्ति 3, 11, 16 तथा 19 का योग)	6,92,47,089.05
लीवरेज अनुपात	
22 बेसल III लीवरेज अनुपात (%) (स्टेट बैंक समूह)	5.96%

डीएफ-जीआर: समूह जोखिम के संबंध में अतिरिक्त प्रकटीकरण

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार

गुणात्मक प्रकटीकरण

समूह की संस्थाओं के संबंध में*

विदेश स्थित बैंकिंग संस्थाएँ तथा गैर-बैंकिंग संस्थाएँ

निम्नलिखित पर सामान्य विवरण

कॉर्पोरेट अभिशासन प्रथाएँ	समूह की सभी संस्थाओं में श्रेष्ठ कॉर्पोरेट अभिशासन प्रथाएँ अपनाई गई हैं।
प्रकटीकरण संबंधी प्रथाएँ	समूह की सभी संस्थाएँ प्रकटीकरण की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करती हैं।
समूह के भीतर लेनदेन के संबंध में स्वतंत्र कार्य की नीति	वाणिज्यिक शर्तों तथा प्रतिभूतियों के लिए प्रावधान दोनों मामलों में स्टेट बैंक समूह के भीतर किए जाने वाले सभी लेनदेन स्वतंत्र आधार पर किए जाते हैं।
मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा एसबीआई के प्रति चिह्न का साझा उपयोग	समूह की किसी भी संस्था ने एसबीआई के प्रतीक चिह्न का इस तरह से उपयोग नहीं किया है, जिससे जनता में यह संकेत जाए कि साझा विपणन, ब्रांडिंग में उन्हें एसबीआई का निहित समर्थन प्राप्त है।
वित्तीय सहायता का विवरण, # यदि कोई हो	समूह किसी भी संस्था ने समूह की किसी अन्य संस्था को/से वित्तीय सहायता प्रदान/प्राप्त नहीं की है।
समूह की जोखिम प्रबंधन नीति की अन्य सभी बातों का पालन	समूह जोखिम प्रबंधन नीति के सभी बातों का समूह की सभी संस्थाओं द्वारा दृढ़ता से पालन किया जाता है।

समूह के भीतर किए गए निम्नलिखित लेनदेनों को मोटे तौर पर 'वित्तीय सहायता' # के रूप में माना जाता है :

- समूह की एक इकाई से दूसरी इकाई में पूंजी या आय का अनुचित अंतरण;
- समूह की संस्थाओं से स्वतन्त्रता की जिस नीति का पालन करना होता है उस नीति का उल्लंघन;
- समूह के भीतर हर संस्था की चुकौती क्षमता, तरलता, तथा लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव;
- पूंजी के संबंध में या अन्य विनियामक आवश्यकताओं का पालन न करना;
- क्रॉस डिफॉल्ट क्लॉज को लागू न करना जिससे किसी संबंधित संस्था द्वारा की गई चूक (चाहे वित्तीय या अन्य) को बैंक के अपने दायित्वों की पूर्ति में चूक माना जाता है।

• शामिल की गई संस्थाएँ:

बैंकिंग - विदेश में	गैर-बैंकिंग
एसबीआई कनाडा बैंक	एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
एसबीआई (मॉरीशस) लिमिटेड	एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड
पीटी बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी, मॉस्को	एसबीआई जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (यूके)	एसबीआई लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
	एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड
	एसबीआई-एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्रा. लि.
	एसबीआईकैप वेंचर लि.
	स्टेट बैंक ऑपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज प्रा. लि.
	एसबीआई सीडीएमडीएफ ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड

भारतीय स्टेट बैंक

(भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के तहत गठित)

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 69वीं वार्षिक महासभा बुधवार, 19 जून, 2024 को दोपहर 03:00 बजे स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, स्टेट बैंक भवन परिसर, मैडम कामा रोड, मुंबई - 400 021 में आयोजित की जाएगी। बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) / अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों (ओएवीएम) की सुविधा के द्वारा निम्नलिखित कार्य करने के लिए आयोजित की जाएगी:

'31 मार्च, 2024 तक के भारतीय स्टेट बैंक के तुलन पत्र और लाभ और हानि खाते पर चर्चा करने और अपनाने, खातों द्वारा कवर की गई अवधि के लिए भारतीय स्टेट बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर केंद्रीय बोर्ड की रिपोर्ट और बैलेंस शीट और खातों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए।'

कॉर्पोरेट केंद्र,

स्टेट बैंक भवन,
मैडम कामा रोड,
मुंबई - 400 021

दिनांक : 9 मई, 2024

(दिनेश कुमार खारा)

अध्यक्ष

अनुलग्नक

ओएवीएम/वीसी सुविधा के माध्यम से वार्षिक महासभा तक पहुंचने और भाग लेने तथा ई-वोटिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के माध्यम से मतदान करने के लिए सामान्य निर्देश

1. कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 08 अप्रैल, 2020 के अनुसरण में, अग्रेतर सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 दिनांक 05 मई, 2020 और सामान्य परिपत्र संख्या 02/2021 दिनांक 13 जनवरी, 2021 और सामान्य परिपत्र संख्या: 21/2021 दिनांक 14 दिसंबर, 2021 और सामान्य परिपत्र संख्या 02/2022, दिनांक 05 मई, 2022 एवं सामान्य परिपत्र संख्या 10/2022 दिनांक 28 दिसम्बर, 2022 और सामान्य परिपत्र संख्या 09/2023 दिनांक 25 सितंबर 2023 (एमसीए परिपत्र) के अनुसार वार्षिक महासभा (एजीएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य ऑडियो साधनदृश्य (ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित किए जा सकते हैं। तदनुसार, शेयरधारकों की सभा स्थल पर भौतिक उपस्थिति आवश्यक नहीं है। बैंक के निदेशक मंडल ने बैंक की महासभा बैठक आयोजित करने में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी उपरोक्त दिशा-निर्देशों को अपनाने का फैसला किया है। इसलिए, शेयरधारक वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आगामी महासभा में भाग ले सकते हैं और जिसके लिए एक साझा स्थल पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। बैठक के लिए मानित सभा स्थल बैंक का स्टेट बैंक ऑडिटोरियम, कॉरपोरेट केंद्र होगा।
2. बैंक के शेयरधारकों को प्रदान की जा रही वीसी सुविधा को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई जेनरल रेगुलेशन, 1955 के विनियम 34 के प्रावधान के अनुसार शेयरधारकों के लिए उपस्थित होने और वोट डालने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने की सुविधा इस वार्षिक महासभा के लिए उपलब्ध नहीं है। तथापि, ऐसे शेयरधारक जो निगमित निकाय हैं, वो भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 32 और 33 में यथाउपबंधित, प्राधिकृत प्रतिनिधियों को वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भाग लेने और ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मत डालने के लिए नियुक्त करने हेतु अधिकृत है।
3. शेयरधारक नोटिस में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करके बैठक शुरू होने के निर्धारित समय से 30 मिनट पहले और बाद में वीसी/ओएवीएम मोड में वार्षिक महासभा में शामिल हो सकते हैं। ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भागीदारी की सुविधा कम से कम 1000 सदस्यों के लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें बड़े शेयरधारक (2% या उससे अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारक), प्रमोटर, संस्थागत निवेशक, निदेशक, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक, लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष, नामांकन और पारिश्रमिक समिति और हितधारक संबंध समिति, लेखा परीक्षक आदि शामिल नहीं होंगे जिन्हें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लगे प्रतिबंध के बिना वार्षिक महासभा में भाग लेने की अनुमति है।
4. वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भाग लेने वाले शेयरधारक की उपस्थिति को भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 24 के तहत कोरम की गणना करने के उद्देश्य से गिना जाएगा।
5. सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 के विनियम 44 के अंतर्गत (यथा संशोधित) सह-पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 सह-पठित कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम 2014 (यथा संशोधित) के नियम 20, और एमसीए परिपत्रों के प्रावधानों के अनुसरण में, बैंक अपने शेयरधारकों को वार्षिक महासभा में किए जाने वाले व्यवसाय के संबंध में दूरस्थ ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है। शेयरधारकों को नेशनल सिक्क्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा प्रदान किए गए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से एजीएम में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। नेशनल सिक्क्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा दूरस्थ ई-वोटिंग प्रणाली का उपयोग करके सदस्य द्वारा वोट डालने की सुविधा के साथ-साथ स्थल मतदान की सुविधा भी वार्षिक महासभा की तारीख 19 जून, 2024 को प्रदान की जाएगी।
6. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के परिपत्र संख्या 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल, 2020 के अनुरूप, वार्षिक महासभा बुलाने वाला नोटिस बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in पर अपलोड किया गया है। नोटिस को स्टॉक एक्सचेंजों यानी बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) की वेबसाइटों से क्रमशः www.bseindia.com और www.nseindia.com पर भी देखा जा सकता है और वार्षिक महासभा की नोटिस नेशनल सिक्क्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) (दूरस्थ ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए एजेंसी) की वेबसाइट अर्थात् <https://www.evoting.nsdl.com/> पर भी उपलब्ध है।
7. यह वार्षिक महासभा वीसी/ ओएवीएम के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 सह-पठित एमसीए परिपत्र और सेबी परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांक 12 मई, 2020 के प्रयोज्य प्रावधानों के अनुपालन में बुलाई गई है।
8. एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 7 के अनुसार, संयुक्त धारकों के मामले में, वह व्यक्ति जिसका नाम बैंक के शेयरधारकों के रजिस्टर के अनुसार पहले दर्ज है, वह वार्षिक महासभा में मतदान करने का हकदार होगा बशर्ते वोट पहले से ही रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से न डाल दिये गए हों।
9. जो सदस्य वीसी के माध्यम से उपस्थित होने का विकल्प चुनते हैं और जो किसी विशेष प्रस्ताव पर रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं डालते हैं, उन्हें उस विशेष प्रस्ताव के लिए वार्षिक महासभा में ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान करने की अनुमति दी जाएगी।

दूरस्थ ई-वोटिंग के लिए सदस्यों के लिए निर्देश नीचे दिए गए हैं:

- रिमोट ई-वोटिंग की अवधि सुबह 10:00 बजे, 15 जून, 2024 को शुरू होगी और शाम 05:00 बजे, 18 जून, 2024 को समाप्त होगी। तत्पश्चात, रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को नेशनल सिन्क्रोरीटिज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा मतदान के लिए अक्षम कर दिया जाएगा। एक बार शेयरधारक द्वारा वोट डालने के बाद, शेयरधारक को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- उपर्युक्त अवधि के दौरान, एसबीआई सामान्य विनियम, 1955 के विनियम 31 में यथा उपबंधित कट-ऑफ तिथि तक के बैंक के शेयरधारक, जिनके पास भौतिक रूप में अथवा अभौतिकीकृत रूप में शेयर हैं, दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अपना मत डाल सकते हैं।
- कई फोलियो/डीमैट खाते रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक फोलियो/ डीमैट खाते के लिए मतदान प्रक्रिया का चयन अलग - अलग करेंगे।
- पोर्टल पूर्वोक्त के अनुसार बंद हो जाएगा और बंद होने पर सुविधा तुरंत अक्षम हो जाएगी।
- बैंक ने मेसर्स. भण्डारी एण्ड एसोसिएट्स, कंपनी सेक्रेटरीज को यह सुनिश्चित करने के लिए स्कूटिनाइजर के रूप में नियुक्त किया है कि ई-वोटिंग प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाए।
- ऐसे शेयरधारक जो वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के लिए ई-वोटिंग की कट-ऑफ तारीख और 69वीं एजीएम की नोटिस भेजने की कट-ऑफ तारीख के बीच शेयर अधिग्रहित करते हैं और जिनकी ईमेल आईडी उनकी संबंधित डीपी के साथ पंजीकृत है, उन्हें एजीएम में भाग लेने के लिए बैंक के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट द्वारा संदेश भेजा जाएगा। ऐसे शेयरधारक विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट द्वारा भी प्राप्त कर सकते हैं।

मैं एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान कैसे करूँ ?

- एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने में दो चरण शामिल हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

चरण 1: एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम तक पहुंच

क) डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग और वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए लॉगिन विधि

सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की गई ई-वोटिंग सुविधा पर सेबी के परिपत्र दिनांक 9 दिसंबर, 2020 के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ रखे अपने डीमैट खाते के माध्यम से मतदान करने की अनुमति है। शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खातों में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेट करें।

डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि नीचे दी गई है:

शेयरधारकों के प्रकार	लॉगिन विधि
एनएसडीएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारक।	- मौजूदा 'IDeAS' उपयोगकर्ता या तो पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से एनएसडीएल की ई-सेवा वेबसाइट अर्थात https://eservices.nsdl.com पर जा सकते हैं। ई-सेवाओं के होम पेज पर 'लॉगिन' के तहत 'Beneficial Owner' आइकन पर क्लिक करें जो 'IDeAS' सैक्शन के तहत उपलब्ध है, यह आपको अपना मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड दर्ज करने के लिए बताएगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आप वैल्यू एडेड सर्विसेस के तहत ई-वोटिंग सेवाओं को देख पाएंगे। ई-वोटिंग सेवाओं के तहत 'Access to e-Voting' पर क्लिक करें और आप ई-वोटिंग पेज देख पाएंगे। कंपनी के नाम अर्थात स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या e-Voting service provider i.e. NSDL पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वर्चुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर ले जाया जाएगा। - यदि आप 'IDe-S e-Services' के लिए पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर उपलब्ध है। 'Register Online for IDeAS Portal' चुनें या https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/IdeasDirectReg.jsp पर क्लिक करें। - एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल पर URL: https://www.evoting.nsdl.com/ से वेब ब्राउज़र खोलें। एक बार ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने के बाद, आइकन लॉगिन पर क्लिक करें जो "Shareholder/Member" सैक्शन के तहत उपलब्ध है। इसके बाद एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपने यूजर आईडी (यानी एनएसडीएल के साथ आपका सोलह अंकों का डीमैट अकाउंट नंबर), पासवर्ड/ओटीपी और स्क्रीन पर दिखा रहा सत्यापन कोड दर्ज करना होगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा जिसमें आप ई-वोटिंग पेज देख सकते हैं। कंपनी के नाम अर्थात स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या 'e-Voting service provider i.e. NSDL' पर क्लिक करें और आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वर्चुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा। - शेयरधारक/ सदस्य निर्बाध मतदान अनुभव के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करके एनएसडीएल मोबाइल ऐप "NSDL Speede" भी डाउनलोड कर सकते हैं।
सीडीएसएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारक	- जिन उपयोगकर्ताओं ने 'सीडीएसएल Easi/Easiest' सुविधा का विकल्प चुना है, वे अपने मौजूदा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। बिना किसी और प्रमाणीकरण के ई-वोटिंग पेज तक पहुंचने के लिए विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। 'Easi/Easiest' लॉगिन करने के लिए उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सीडीएसएल वेबसाइट पर जाएं www.cdslindia.com और लॉगिन आइकन और न्यू सिस्टम चूशरीठ टैब पर क्लिक करें और फिर अपने मौजूदा Myeasi उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड दर्ज करें। - Easi / Easiest उपयोगकर्ता पात्र कंपनियों के लिए ई-वोटिंग विकल्प देख पाएंगे जहां कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार इवोटिंग प्रगति पर है। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करने पर, उपयोगकर्ता रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वर्चुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए ई-वोटिंग सेवा प्रदाता का ई-वोटिंग पेज देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त, सभी ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की प्रणाली तक पहुंचने के लिए लिंक भी प्रदान किए गए हैं, ताकि उपयोगकर्ता सीधे ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की वेबसाइट पर जा सकें। - यदि उपयोगकर्ता 'Easi/ Easiest' के लिए पंजीकृत नहीं है, तो पंजीकरण करने का विकल्प सीडीएसएल वेबसाइट www.cdslindia.com पर उपलब्ध है। 'लॉगिन' और 'न्यू सिस्टम Myeasi टैब' पर क्लिक करें और फिर पंजीकरण विकल्प पर क्लिक करें। - वैकल्पिक रूप से, उपयोगकर्ता www.cdslindia.com होम पेज पर उपलब्ध ई-वोटिंग लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकता है। सिस्टम डीमैट खाते में दर्ज पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता ई-वोटिंग विकल्प देख सकेंगे जहां ई-वोटिंग प्रगति पर है और सभी ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं की प्रणाली तक सीधे पहुंचने में भी सक्षम होगा।
वैयक्तिक शेयरधारकों (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) द्वारा अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन	आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल/ सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके भी लॉगिन कर सकते हैं। ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करें, आपको सफल प्रमाणीकरण के बाद एनएसडीएल/ सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा, जिसमें आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। कंपनी के नाम अर्थात स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एनएसडीएल पर क्लिक करें और आपको दूरस्थ ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने या बैठक के दौरान वर्चुअल मीटिंग और वोटिंग में शामिल होने के लिए एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा।

महत्वपूर्ण नोट: जो सदस्य उपयोगकर्ता आईडी / पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध उपयोगकर्ता आईडी और फॉरगेट पासवर्ड विकल्प का उपयोग करें।

डिपॉजिटरी यानी एनएसडीएल और सीडीएसएल के माध्यम से लॉगिन से संबंधित किसी भी तकनीकी मुद्दों के लिए डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों के लिए हेल्पडेस्क।

लॉगिन प्रकार	हेल्पडेस्क विवरण
एनएसडीएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारक	लॉगिन में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य evotingnsdl.com पर अनुरोध भेजकर या 022-48867000 पर कॉल करके एनएसडीएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं
सीडीएसएल के साथ डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारक	लॉगिन में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य helpdesk.evotingcdslindia.com पर अनुरोध भेजकर सीडीएसएल हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1800 22 55 33 पर संपर्क कर सकते हैं।

ख) डीमैट रूप में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों के अलावा अन्य शेयरधारकों और भौतिक रूप में प्रतिभूतियां रखने वाले शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग के लिए लॉगिन विधि और वर्चुअल बैठक में शामिल होने की विधि।

एनएसडीएल ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉग-इन कैसे करें?

1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। वैयक्तिक कंप्यूटर या मोबाइल पर निम्न URL: <https://www.evoting.nsdl.com> लिखकर वेब ब्राउज़र खोलें।
2. एक बार ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने के बाद, आइकन 'लॉगिन' पर क्लिक करें जो 'शेयरधारक / मेंबर' अनुभाग के तहत उपलब्ध है।
3. इसके बाद एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको स्क्रीन पर दिखाए गए अनुसार अपना यूजर आईडी, अपना पासवर्ड/ ओटीपी और एक वेरिफिकेशन कोड डालना होगा।

वैकल्पिक रूप से, यदि आप एनएसडीएल ई-सर्विसेज यानी आईडीईएस के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा आईडीईएस लॉगिन के साथ <https://eservices.nsdl.com/> पर लॉग-इन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉग-इन क्रेडेंशियल्स का उपयोग करने के बाद एनएसडीएल ई-सर्विसेज में लॉग-इन करते हैं, तो ई-वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 पर आगे बढ़ सकते हैं यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं।

4. आपका यूजर आईडी विवरण नीचे दिया गया है:

**शेयर रखने का तरीका यानी डीमैट आपकी उपयोगकर्ता आईडी है:
(एनएसडीएल या सीडीएसएल) या
भौतिक रूप से (फिजिकल)**

क) उन सदस्यों के लिए जो एनएसडीएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	8 कैरेक्टर डीपी आईडी के बाद 8 अंकों की क्लाइंट आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी डीपी आईडी IN300 *** है और क्लाइंट आईडी 12***** है तो आपकी उपयोगकर्ता आईडी होगी IN300***12*****
ख) उन सदस्यों के लिए जो सीडीएसएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	16 अंकों की लाभार्थी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी लाभार्थी आईडी 12***** है तो आपकी उपयोगकर्ता आईडी होगी 12*****
ग) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए।	EVEN नंबर के बाद बैंक के साथ पंजीकृत फोलियो नंबर उदाहरण के लिए यदि फोलियो नंबर 001 *** है और EVEN 101456 है तो उपयोगकर्ता आईडी 101456001 *** है

5. वैयक्तिक शेयरधारकों के अलावा अन्य शेयरधारकों के लिए पासवर्ड विवरण नीचे दिए गए हैं:

- क) यदि आप पहले से ही ई-वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप लॉगिन करने और अपना वोट डालने के लिए अपने मौजूदा पासवर्ड का उपयोग कर सकते हैं।
- ख) यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको 'प्रारंभिक पासवर्ड' पुनर्प्राप्त करना होगा जो आपको सूचित किया गया था। एक बार जब आप अपना प्रारंभिक पासवर्ड पुनर्प्राप्त करते हैं, तो आपको 'प्रारंभिक पासवर्ड' दर्ज करने की आवश्यकता होती है और सिस्टम आपको अपना पासवर्ड बदलने के लिए मजबूर करेगा।
- ग) अपना 'प्रारंभिक पासवर्ड' कैसे प्राप्त करें?

- (i) यदि आपकी ईमेल आईडी आपके डीमैट खाते में या कंपनी के साथ पंजीकृत है, तो आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' आपको आपकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाता है। अपने मेलबॉक्स से NSDL से आपको भेजे गए ईमेल का पता लगाएं। ईमेल खोलें और अटैचमेंट यानी एक .pdf फाइल खोलें। .pdf फाइल खोलने का पासवर्ड एनएसडीएल खाते के लिए आपकी 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, सीडीएसएल खाते के लिए क्लाइंट आईडी के अंतिम 8 अंक या भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के लिए फोलियो नंबर है। ऐसी .pdf फाइल में आपकी 'उपयोगकर्ता ID' और आपका 'प्रारंभिक पासवर्ड' है।
 - (ii) यदि आपकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, तो कृपया **'उन शेयरधारकों के लिए प्रक्रिया में नीचे दिए गए चरणों का पालन करें जिनकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है।'**
6. यदि आप प्रारंभिक पासवर्ड पुनर्प्राप्त करने में असमर्थ हैं अथवा प्राप्त नहीं हुए हैं या अपना पासवर्ड भूल गए हैं:
 - क) **'फॉरगेट यूजर डिटेल्स/पासवर्ड'** पर क्लिक करें? (यदि एनएसडीएल या सीडीएसएल के साथ डीमैट खाते में आपके शेयर हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
 - ख) 'फ़िजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड?' (यदि आपके शेयर भौतिक स्वरूप में हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
 - ग) यदि आप अभी भी उपरोक्त दो विकल्पों द्वारा पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो आप अपने डीमैट खाता संख्या/ फोलियो नंबर, अपने पैन, अपने नाम और अपने पंजीकृत पते आदि का उल्लेख करते हुए evotingnsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं।
 - घ) एनएसडीएल की ई-वोटिंग प्रणाली पर वोट डालने के लिए सदस्य ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आधारित लॉगिन का भी उपयोग कर सकते हैं।
 7. अपना पासवर्ड दर्ज करने के पश्चात, चेक बॉक्स का चयन कर नियम और शर्तों पर टिक करें।
 8. अब, आपको 'लॉगिन' बटन पर क्लिक करना होगा।
 9. 'लॉगिन' बटन पर क्लिक करने के पश्चात, ई-वोटिंग का होम पेज खुल जाएगा।

चरण 2: इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालें और एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर महासभा में शामिल हों।

इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट कैसे डालें और एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर महासभा में कैसे शामिल हों?

1. चरण 1 पर सफल लॉगिन के पश्चात, आप उन सभी कंपनियों के 'EVEN' को देख पाएंगे जिनमें आपके शेयर हैं और जिनकी वोटिंग साइकल और महासभा सक्रिय स्थिति में है।
2. आप रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालना चाहते हैं या महासभा के दौरान अपना वोट डालना चाहते हैं तो स्टेट बैंकऑफ इंडिया के 'EVEN' का चयन करें। वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए, आपको जॉइन मीटिंग के तहत 'VC/O-VM' लिंक पर क्लिक करना होगा।
3. वोटिंग पेज खुलते ही अब आप ई-वोटिंग के लिए तैयार हैं।
4. उपयुक्त विकल्पों का चयन करके अपना वोट डालें यानी सहमति या असहमति व्यक्त करें, उन शेयरों की संख्या को सत्यापित/ संशोधित करें जिनके लिए आप अपना वोट डालना चाहते हैं और संकेत दिए जाने पर सबमिट और पुष्टि पर क्लिक करें।
5. पुष्टि होने के पश्चात, आपको संदेश वोट सफलतापूर्वक डाला गया प्रदर्शित होगा।
6. आप कन्फर्मेशन पेज पर प्रिंट ऑप्शन पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोटों का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।
7. प्रस्ताव पर अपने वोट की पुष्टि करने के पश्चात आपको अपना वोट संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

1. संस्थागत शेयरधारकों (यानी व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) को विधिवत अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता(ओं) के प्रमाणित नमूना हस्ताक्षर के साथ संबंधित बोर्ड संकल्प/ प्राधिकरण पत्र आदि की स्कैन की गई प्रति (पीडीएफ/ जेपीजी प्रारूप), को evoting@nsdl.com के लिए चिह्नित एक प्रति के साथ स्कूटिनाइजर को 'bhandariandassociates@gmail.com' को ई-मेल द्वारा भेजना आवश्यक है। संस्थागत शेयरधारक (यानी व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) अपने लॉगिन में ई-वोटिंग टैब के तहत प्रदर्शित अपलोड बोर्ड संकल्प/ प्राधिकरण पत्र पर क्लिक करके भी अपने बोर्ड संकल्प/ पावर ऑफ अटॉर्नी/ प्राधिकरण पत्र आदि अपलोड कर सकते हैं।

- यह दृढ़तापूर्वक अनुशंसित किया जाता है कि आप अपना पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें। सही पासवर्ड दर्ज करने के पांच असफल प्रयासों के पश्चात ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन अक्षम कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में, आप कृपया www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध विकल्प फॉरगेट यूजर डिटेल्स / पासवर्ड या फिजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड के माध्यम से पासवर्ड रीसेट करें।
- किसी प्रकार की शंका की स्थिति में आप शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता मैनुअल जो www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध हैं, देख सकते हैं अथवा : 022 - 4886 7000 पर बात कर सकते हैं अथवा सुश्री पल्लवी म्हात्रे, वरिष्ठ प्रबंधक, एनएसडीएल, ट्रेडवर्ल्ड, मए विंग, चौथी मंजिल, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013 को evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं या 022 - 4886 7000 पर बात कर सकते हैं।

उन शेयरधारकों के लिए प्रक्रिया जिनकी ईमेल आईडी यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने हेतु डिपॉजिटरी के साथ पंजीकृत नहीं हैं और इस नोटिस में निर्धारित प्रस्तावों पर ई-वोटिंग के लिए ई-मेल आईडी का पंजीकरण :

- यदि शेयर भौतिक स्वरूप में रखे गए हैं, तो कृपया फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाण पत्र की स्कैन की गई प्रति (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति), आधार (आधार कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति) ईमेल द्वारा investor.complaints@sbi.co.in पर भेजे।
- यदि शेयर डीमैट मोड में रखे गए हैं, तो कृपया डीपीआईडी-सीएलआईडी (16 अंकों की डीपीआईडी + सीएलआईडी या 16 अंकों की लाभार्थी आईडी), नाम, ग्राहक मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति), आधार (आधार कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन की गई प्रति) investor.complaints@sbi.co.in पर भेजें। यदि आप डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारक हैं, तो आपसे अनुरोध है कि आप ऊपर दी गई लॉगिन विधि चरण 1 (क) यानी डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग और वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए लॉगिन विधि का पालन करें।
- वैकल्पिक तौर पर, शेयरधारक/ सदस्य evoting@nsdl.com पर उपर्युक्त दस्तावेज प्रदान कर ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं।
- सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की गई ई-वोटिंग सुविधा पर 9 दिसंबर, 2020 को सेबी के परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले वैयक्तिक शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ रखे गए अपने डीमैट खाते के माध्यम से मतदान करने की अनुमति है। शेयरधारकों को ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खाते में अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को सही ढंग से अपडेट करना होगा।

वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग के लिए सदस्यों के लिए निर्देश निम्नानुसार हैं :

- वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग की प्रक्रिया रिमोट ई-वोटिंग के लिए ऊपर बताए गए निर्देशों के समान है।
- केवल वे सदस्य/शेयरधारक, जो वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से वार्षिक महासभा में उपस्थित होंगे और जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, वार्षिक महासभा में ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने के लिए पात्र होंगे।
- जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान किया है, वे वार्षिक महासभा में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। यद्यपि, वे वार्षिक महासभा में मतदान करने के पात्र नहीं होंगे।
- वार्षिक महासभा के दिन ई-वोटिंग की सुविधा से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए संपर्क किए जाने वाले व्यक्ति का विवरण वही व्यक्ति होगा जिसका उल्लेख रिमोट ई-वोटिंग के लिए किया गया है।

वीसी / ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भाग लेने के लिए शेयरधारकों के लिए निर्देश निम्नानुसार हैं :

1. शेयरधारक को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से वीसी / ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक महासभा में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्य नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ई-वोटिंग प्रणाली तक पहुंच के लिए ऊपर उल्लिखित चरणों का पालन करके पहुंच सकते हैं। सफल लॉगिन के बाद, आप कंपनी अर्थात् स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नाम के सामने 'मीटिंग में शामिल हों' मेनू के तहत रखे गए वीसी / ओएवीएम लिंक का लिंक देख सकते हैं। आपसे अनुरोध है कि मीटिंग मेनू के तहत रखे गए वीसी/ओएवीएम लिंक पर क्लिक करें। वीसी / ओएवीएम के लिए लिंक शेयरधारक / सदस्य लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां कंपनी का ईवेन प्रदर्शित किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि जिन सदस्यों के पास ई-वोटिंग के लिए उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड नहीं है या उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे अंतिम समय की हड़बड़ी से बचने के लिए नोटिस में उल्लिखित दूरस्थ ई-वोटिंग निर्देशों का पालन करके इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं।
2. बेहतर अनुभव के लिए सदस्यों को लैपटॉप के माध्यम से बैठक में शामिल होने की सलाह दी जाती है।
3. इसके अलावा, सदस्यों को बैठक के दौरान किसी भी समस्या से बचने के लिए कैमरे की अनुमति देनी होगी और उच्च गति के इंटरनेट का उपयोग करना होगा।
4. कृपया ध्यान दें कि मोबाइल या टैबलेट या लैपटॉप से मोबाइल हॉटस्पॉट के माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को नेटवर्क में उतार-चढ़ाव के कारण ऑडियो/वीडियो में समस्या हो सकती है। इसलिए ऐसी किसी भी समस्या से बचने के लिए स्थिर वाई-फाई या लैन कनेक्शन का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
5. ऐसे शेयरधारक, जो अपने विचार व्यक्त/प्रश्न करना चाहते हैं, वे दिनांक 13.06.2024 की शाम 05:00 बजे तक अपना नाम, डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर का उल्लेख करते हुए investor.complaintssbi.co.in पर अपने प्रश्न भेज सकते हैं। बैंक द्वारा इनका उचित उत्तर दिया जाएगा।
6. जिन शेयरधारकों ने खुद को वक्ता के रूप में पंजीकृत किया है, केवल उन्हें ही अपने विचार व्यक्त करने/प्रश्न पूछने की अनुमति होगी।

मताधिकार का निर्धारण- भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 11 में निहित प्रावधानों के अधीन रहते हुए, प्रत्येक शेयरधारक, जिसे महासभा की तारीख से कम से कम तीन महीने से पूर्व, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किया गया है, ऐसी बैठक में, उसके द्वारा धारित प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक वोट होगा।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, केंद्र सरकार के अलावा प्रत्येक शेयरधारक जो एक कंपनी न होते हुए भी वैयक्तिक रूप से या प्रॉक्सी द्वारा उपस्थित हैं या जो एक कंपनी होने के नाते एक विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि या प्रॉक्सी द्वारा उपस्थित है, उसे हाथ उठाकर एक वोट देने का अधिकार होगा और मतदान की स्थिति में उसके द्वारा धारित प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक वोट होगा जो महासभा की बैठक की तारीख से कम-से-कम तीन महीने की अवधि के पूर्व अर्थात् 15.03.2024 तक शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किया गया है।

केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले विधिवत अधिकृत व्यक्ति को हाथ उठाकर एक वोट देना होगा और मतदान की स्थिति में, ऐसी बैठक की तारीख से पहले तीन महीने की पूरी अवधि के लिए उसके पास मौजूद प्रत्येक पचास शेयरों के लिए एक वोट होगा।

स्कूटिनाइजर, वार्षिक महासभा बैठक में मतदान के समापन के तुरंत बाद, सबसे पहले वार्षिक महासभा बैठक के दौरान डाले गए वोटों की गिनती करेंगे, उसके बाद रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से डाले गए वोटों को अनब्लॉक करेंगे और पक्ष या विरुद्ध, यदि कोई हो, में डाले गए कुल वोटों की एक समेकित स्कूटिनाइजर रिपोर्ट, वार्षिक महासभा बैठक के समापन के दो कार्यदिवसों से पहले, अध्यक्ष या उसके द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति, को प्रस्तुत करेंगे, जो उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।

स्कूटिनाइजर की रिपोर्ट के साथ घोषित परिणाम बैंक की वेबसाइट www.sbi.co.in और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की वेबसाइट पर <https://www.evoting.nsdl.com/> उपस्थित रूप से रखा जाएगा। साथ ही, बैंक परिणामों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड, जहां बैंक के शेयर सूचीबद्ध हैं, को अग्रेषित करेगा।

कॉर्पोरेट केंद्र,

स्टेट बैंक भवन,

मैडम कामा रोड,

मुंबई - 400 021

दिनांक : 9 मई, 2024

(दिनेश कुमार खारा)

अध्यक्ष

प्रिय शेयरधारक,

कॉर्पोरेट अभिशासन में हरित पहल

सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक उन शेयरधारकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में वार्षिक रिपोर्ट जारी कर रहा है जिनके ई-मेल पते उपलब्ध हैं।

आपका बैंक आपको इस हरित पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है, जिससे बैंक इलेक्ट्रॉनिक रूप अर्थात् ईमेल के माध्यम से आपके साथ संवाद कर सके। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी बल्कि संवाद बेहतर होगा तथा सूचनाएं भेजने में होने वाली देरी तथा हानि से बचा जा सकेगा। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि यदि आपकी शेयरधारिता डीमैट रूप में है, तो आप अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ अपनी ईमेल आईडी अपडेट करके इस पहल में शामिल हों। भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को अपनी अद्यतन जानकारी / परिवर्तन रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट (आरटीए), मैसर्स अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड को ईमेल के माध्यम से sbi.igralankit.com

इसके अलावा, जबकि आप में से अधिकांश डीमैट रूप में अपने बैंक के शेयर रखते हैं, आप में से कुछ अभी भी भौतिक रूप में शेयरों को बनाए रख रहे हैं। सेबी ने 1 अप्रैल 2019 से भौतिक रूप में प्रतिभूतियों के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। भौतिक रूप में आपके द्वारा धारित शेयरों को आसानी से डिमटेरियलाइज किया जा सकता है अर्थात् इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। शेयरों के डिमटेरियलाइजेशन से प्राप्त विभिन्न लाभ इस प्रकार हैं :-

- प्रतिभूतियों का तत्काल हस्तांतरण।
- प्रतिभूतियों को कागजी रूप में रखने से जुड़े जोखिमों में कमी जैसे चोरी, आग से क्षति, टूट-फूट, नकली/जाली प्रतिभूतियां आदि।
- डीपी के साथ दर्ज पते में परिवर्तन उन सभी कंपनियों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीकृत हो जाता है जिनमें निवेशक प्रतिभूतियां रखता है
- प्रत्येक कंपनी के साथ अलग से पत्राचार की आवश्यकता को समाप्त करना।
- प्रतिभूतियों का पारेषण डीपी द्वारा प्रत्येक कंपनी के साथ पत्राचार को समाप्त करके किया जाता है।
- इक्विटी, डेट लिखतों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश को एकल खाते में रखना।
- बोनस/विभाजन/समेकन/विलय आदि से उत्पन्न शेयरों के डीमैट खाते में स्वचालित क्रेडिट।

यदि आप भौतिक रूप में शेयर धारण कर रहे हैं, तो कृपया डीमैट खाता खोलने के लिए अपनी पसंद के किसी भी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) (जैसे एसबीआईसीएपी सिक्वोरिटीज लिमिटेड, फोन नंबर 022-68545555, ईमेल- helpdesksbicapsec.com) से संपर्क करें। डीमैट अनुरोध फॉर्म (डीआरएफ) भरे और डिमटेरियलाइजेशन के लिए बैंक के आरटीए को अग्रेषित करने के लिए ₹1 के अंकित मूल्य के शेयर प्रमाणपत्र को अपने डीपी को सौंप दें। शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित हो जाएंगे और स्वचालित रूप से आपके डीमैट खाते में जमा किए जाएंगे।

यदि आप लाभांश वारंट के माध्यम से लाभांश प्राप्त कर रहे हैं, तो आपसे अनुरोध है कि आप डीपी/आरटीए के साथ बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करें/अपडेट करें, जैसा भी मामला हो, सीधे अपने बैंक खाते में लाभांश प्राप्त करने के लिए।

हमें विश्वास है कि आप अपने बैंक द्वारा शुरू की गई हरित पहल की सराहना करेंगे और आशा करते हैं कि आप उत्साहपूर्वक इस प्रयास में भाग लेंगे।

शेयरधारकों का ध्यान भारतीय स्टेट बैंक (संशोधन) अधिनियम, 2010 द्वारा 15 सितंबर 2010 से अंतस्थापित भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 38क की ओर आकर्षित किया जाता है। उक्त धारा के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा घोषित लाभांश, जिसका भुगतान किसी शेयरधारक को नहीं किया गया है या किसी पात्र शेयरधारक द्वारा दावा नहीं किया गया है, घोषणा की तारीख से तीस दिनों के भीतर एक विशेष खाते में अंतरित किया जाएगा जिसे भुगतान न किया गया लाभांश खाता कहा जाता है। इसके अलावा, उपरोक्त संशोधन से पहले की अवधि के लिए सभी अदत्त लाभांश राशि पहले ही उक्त अदत्त लाभांश खाते में स्थानांतरित कर दी गई थी। भारतीय स्टेट बैंक के उपरोक्तानुसार भुगतान न किए गए लाभांश खाते में अंतरित कोई भी धनराशि, जो ऐसे अंतरण की तिथि से सात वर्ष की अवधि के लिए भुगतान न की गई या दावा न की गई है, बैंक द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के अंतर्गत स्थापित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में इस प्रयोजन के लिए और उस धारा में विनिर्दिष्ट रीति से उपयोग किए जाने के लिए अंतरित की जाएगी। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, शेयरधारकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि दावा न किए गए / भुगतान न किए गए लाभांश, यदि कोई हो, का दावा बिना किसी देरी के किया जाता है।

एसबीआई के सभी शेयरधारकों से अपील

भौतिक रूप में एसबीआई के इक्विटी शेयर धारण करने वाले सभी शेयरधारकों से अनुरोध किया जाता है कि नीचे दिए गए विवरण को अद्यतन करने के लिए पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से इसे निम्नलिखित पते पर हमारे आरटीए को प्रेषित करें:
मेसर्स अलंकित एसाइनमेंट्स लिमिटेड (एएल), 205-208, अनारकली कॉम्प्लैक्स, इंडेवाला एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110055
फोन नं.: 7290071335, ईमेल: sbi.igr@alankit.com.

फॉर्म आईएसआर - 1

(सेबी के दिनांक 03 नवंबर 2021 के परिपत्र संख्या एसबीआई/एचओ/एमआईआरएसडीआरटीएमबी/पी/सीआईआर/2021/655 के माध्यम से आरटीए द्वारा निवेशक के सेवा अनुरोध को संसाधित करने तथा पैन, केवाईसी विवरण एवं नामांकन प्रस्तुत करने के मानदंडों के लिए सामान्य और सरलीकृत मानदंडों पर परिचालित)

पैन, केवाईसी विवरण पंजीकृत करने तथा उनमें संशोधन/ अद्यतन के लिए अनुरोध

सूचीबद्ध कंपनियों की भौतिक रूप में धारित प्रतिभूतियां (शेयर/ डिबेंचर/ बॉन्ड आदि के लिए)

दिनांक: ___ / ___ / ___

ए. मैं/ हम आपसे निम्नलिखित पंजीकृत/ संशोधित/ अद्यतन करने का अनुरोध करता हूँ/ करती हूँ/ करते हैं। (प्रासंगिक बक्से पर ✓ चिन्ह लगाएं)

पैन	डाक पता
बैंक विवरण	ईमेल पता
हस्ताक्षर	मोबाइल नंबर
डीमैट खाता विवरण	

बी. प्रतिभूति विवरण:

जारीकर्ता कंपनी का नाम	भारतीय स्टेट बैंक	फोलियो संख्या:
प्रमाण पत्र(त्रों) के अनुसार प्रतिभूति धारक(कों) का (के) नाम	1.	
	2.	
	3.	
प्रतिभूतियों की संख्या तथा अंकित मूल्य	संख्या :	अंकित मूल्य:
प्रतिभूतियों की विशिष्ट (डिस्टिक्टिव) संख्या	से	तक

सी. मैं/ हम नीचे दी गई सारणी के अनुसार दस्तावेज़ प्रस्तुत करता हूँ/करती हूँ/ करते हैं। (प्रासंगिक पर ✓ चिह्न लगाएं, अनुदेशों का संदर्भ लें):

✓ दस्तावेज़/ सूचना/ विवरण	अनुदेश / टिप्पणी
1 (सभी) संयुक्त धारक(कों) का पैन	पैन □□□□□□□□□□ क्या यह वैध है (आधार से जोड़ा गया है): ☐ हाँ ☐ नहीं
2 डीमैट खाता संख्या	□□□□□□□□ □□□□□□□□ आपके डीमैट खाते की क्लाइंट मास्टर सूची (सीएमएल) भी उपलब्ध करवाएं, जो निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) प्रतिभागी द्वारा उपलब्ध करवाई गई हो।

✓ दस्तावेज़/ सूचना/ विवरण	अनुदेश / टिप्पणी
3 प्रथम धारक का पता साक्ष्य	निम्नलिखित में से कोई एक दस्तावेज़ उपलब्ध करवाएं, पते में कोई परिवर्तन हो तो ही। - आपके डीमैट खाते की क्लाइंट मास्टर सूची (सीएमएल), जो निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) प्रतिभागी द्वारा उपलब्ध करवाया गया हो। - वैध पासपोर्ट/ राशन कार्ड/ आवास का पंजीकृत लीज अथवा बिक्री करार/ ड्राईविंग लाइसेंस/ प्लैट मेनटेनेंस बिल - टेलीफोन बिल (केवल लैंडलाइन), बिजली का बिल अथवा गैस बिल जैसे उपयोगिता बिल - जो तीन माह से अधिक पुराना न हो - पहचान कार्ड/ निम्नलिखित में से किसी के द्वारा जारी पते के साथ दस्तावेज़: केंद्र/ राज्य सरकार तथा उसके विभाग, सांविधिक/ विनियामक अधिकारी, सार्वजनिक उपक्रम, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, सार्वजनिक वित्तीय संस्थान। - एफआईआई/ उप-खाते के लिए, एफआईआई/ उप-खातों द्वारा अभिरक्षकों (जो विधिवत रूप से नोटरीकृत तथा/ अथवा एपोस्टिल अथवा कौंसुलेराइज हो) को दिया गया मुख्तारनामा, जिसमें पंजीकृत पता उल्लिखित हो, लिया जाए। - पति/ पत्नी के नाम पर पते का प्रमाण
4 बैंक विवरण	बैंक का नाम, शाखा, खाता संख्या तथा आईएसएस कोड आदि विवरण के साथ बैंक का स्टेटमेंट अथवा चेक पन्नी उपलब्ध करवाएं। वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध बैंक विवरण का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
5 ईमेल पता	वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध ईमेल पते का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
6 मोबाइल नंबर	वैकल्पिक रूप से सीएमएल में उपलब्ध मोबाइल नंबर का फोलियो में अद्यतन किया जाएगा।
7 हस्ताक्षर का नमूना	- सेबी परिपत्र एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 में फॉर्म आईएसआर- 2 के अनुसार धारक(कों) के हस्ताक्षर का बैंकर अनुप्रमाणन उपलब्ध करवाएं तथा - निरस्त (कैंसिल) किया गया मूल चेक
8 नामांकन**	- नामांकन उपलब्ध करवाना: कृपया विधिवत रूप से भरा नामांकन फॉर्म (एसएच-13) अथवा सेबी परिपत्र एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 में फॉर्म आईएसआर-3 के अनुसार नामांकन छोड़ने के विकल्प की घोषणा प्रस्तुत करें। - मौजूदा नामांकन में परिवर्तन: कृपया एसईबीआई/ एचओ/एमआईआरएसडी/ एमआईआरएसडीआरटीएमबी/ पी/ परि./2021/655 में दिए गए फॉर्म एसएच-14 का उपयोग करें। - मौजूदा नामांकन निरस्त करना: कृपया एसएच-14 तथा फॉर्म आईएसआर-3 का उपयोग करें।

* अथवा सीबीडीटी द्वारा निर्धारितानुसार कोई अन्य तिथि

**धारक(कों) को प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी के लिए नामांकन (फॉर्म एसएच-13 अथवा एसएच-14) / 'नामांकन छोड़ने के विकल्प की घोषणा' (फॉर्म आईएसआर-3) प्रस्तुत करने होंगे।

आरटीए को दस्तावेज प्रस्तुत करने का माध्यम

कृपया निम्नलिखित में से किसी एक माध्यम का उपयोग करें;

- 1. व्यक्तिगत रूप से सत्यापन (आईपीवी): आरटीए के प्राधिकृत व्यक्ति को मूल दस्तावेज प्रस्तुत करके, जो दस्तावेज(जों) की प्रति(यां) अपने पास रखेंगे।
- 2. हार्ड प्रति में: प्रासंगिक दस्तावेज की स्व-अनुप्रमाणित प्रतिलिपि(यां), दिनांक के साथ, प्रस्तुत करके
- 3. आरटीए के पास पहले से पंजीकृत ईमेल पते के माध्यम से, दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियों पर ई-साइन के साथ
- 4. दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियों पर ई-साइन के साथ आरटीए के सेवा पोर्टल पर, यदि आरटीए ऐसी सुविधा उपलब्ध करवा रहा हो तो।

नोट:

- सूचीबद्ध कंपनियों में भौतिक प्रतिभूतियों के धारकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे पीएन, पूरा केवाईसी विवरण (पता साक्ष्य, बैंक विवरण, ईमेल पता, मोबाइल नंबर) तथा नामांकन (सभी पात्र फोलियो के लिए) प्रस्तुत करें।
- यह प्राप्त होने अथवा बैंक विवरण के अद्यतन पर, आरटीए स्वतः ही धारक की उस सारी राशि का इलेक्ट्रॉनिक भुगतान कर देगा जो अदावी/ विफल रही थी।
- पीएन, केवाईसी विवरण तथा नामित का विवरण प्राप्त होने के पश्चात सात कार्य दिवस के भीतर आरटीए द्वारा फोलियो में इसका अद्यतन कर दिया जाएगा। फिर भी, नामांकन का निरस्तीकरण उस दिनांक से प्रभावी होगा जब इसकी सूचना कंपनी/ आरटीए को प्राप्त हुई थी।
- पीएन, केवाईसी विवरण तथा नामांकन पंजीकृत/ अद्यतन/ परिवर्तन करने के लिए आरटीए शपथपत्र अथवा अनुप्रमाणन/ नोटरीकरण अथवा क्षतिपूर्ति पर जोर नहीं देगा।
- सभी फार्म यथा आईएसआर-1, आईएसआर-2, आईएसआई-3, एसएच-13, एसएच-14 को लिंक <https://bank.sbi/web/investor-relations/share-holder-bond-holder-information> के माध्यम से बैंक की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्राधिकरण: मैं/हम आपको (आरटीए को) उपरोक्त पीएन तथा केवाईसी विवरण मेरे/हमारे फोलियो -----, ----- में अद्यतन करने के लिए प्राधिकृत करता हूं/ करती हूं/ करते हैं, जिसमें मैं/ हम धारक हैं (जो लागू नहीं उसे काट दें)

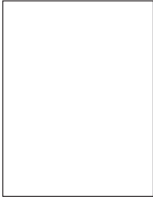
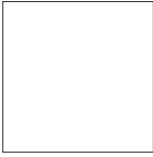
घोषणा: ऊपर उल्लिखित सभी तथ्य सत्य एवं सही हैं।

	धारक 1	धारक 2	धारक 3
हस्ताक्षर	✓	✓	✓
नाम	✓	✓	✓
पूरा डाक पता	✓		
पिन	✓		

फॉर्म आईएसआर - 2

(सेबी के दिनांक 03 नवंबर 2021 के परिपत्र संख्या एसईबीआई/एचओ/एमआईआरएसडीआरटीएमबी/पी/सीआईआर/2021/655 के माध्यम से आरटीए द्वारा निवेशक के सेवा अनुरोध को संसाधित करने तथा पैन, केवाईसी विवरण एवं नामांकन प्रस्तुत करने के मानदंडों के लिए सामान्य और सरलीकृत मानदंडों पर परिचालित)

बैंक द्वारा प्रतिभूति धारक के हस्ताक्षर की पुष्टि

1.	बैंक का नाम और शाखा		
2.	बैंक संपर्क विवरण		
	डाक पता		
	फोन नंबर		
	ईमेल पता		
3.	बैंक खाता संख्या		
4.	खाता खोलने की तारीख		
5.	खाताधारक(ओं) का नाम	1)	
		2)	
		3)	
6.	खाताधारक की नवीनतम फोटो		
			
	प्रथम धारक	द्वितीय धारक	तृतीय धारक
7.	बैंक के अभिलेखों के अनुसार खाताधारक (कों) के विवरण		
	क) पता :		
	ख) फोन नंबर :		
	ग) ई-मेल पता :		
	घ) हस्ताक्षर :		
			
	बैंक का सील	बैंक के साथ दर्ज हस्ताक्षर स्थापित	हस्ताक्षर
	शाखा प्रबंधक का नाम :		
स्थान :	कर्मचारी कोड :		
दिनांक :	ई-मेल पता		

फार्म नंबर एसएच - 13

नामांकन प्रपत्र

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 72 और कंपनी (शेयर पूंजी और डिबेंचर) नियम 2014 के नियम 19 (1) के अनुसरण में

कंपनी का नाम:

कंपनी का पता:

मैं / हम प्रतिभूति विवरण, जिनके विवरण यहां दिए गए हैं, के धारक नामांकन करना चाहते हैं और इसके द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को नामित करना चाहते हैं, जिन्हें मेरी / हमारी मृत्यु की स्थिति में ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में सभी अधिकार निहित होंगे।

(1) प्रतिभूतियों का विवरण (जिसके संबंध में नामांकन किया जा रहा है)

प्रतिभूतियों की प्रकृति	फोलियो नं.	प्रतिभूतियों की संख्या	प्रमाण पत्र सं	विशिष्ट संख्या

(2) नामिती (नामितियों) के विवरण

क) नाम
ख) जन्म तिथि
ग) पिता/माता/पति/पत्नी का नाम
घ) पेशा
ङ) राष्ट्रियता
च) पता

हमारे शेयरधारकों के ध्यानाकर्षण के लिए -

- सेबी ने अनिवार्य किया है कि भौतिक रूप में धारित प्रतिभूति यों का अंतरण/विक्रय तब तक संसाधित नहीं किया जाएगा जब तक कि उन्हें डिपॉजिटरी के पास डीमैट रूप में नहीं रखा जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि शेयरधारक भौतिक रूप में रखे गए शेयरों को अंतरित/बेच नहीं पाएंगे। ऐसे शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे जोखिम से बचने के साथ-साथ डीमैटरियलाइजेशन के विविध लाभों को प्राप्त करने के लिए अपने शेयरों को जल्द से जल्द डीमैटरियलाइज करें।
- कृपया यह भी नोट करें कि बैंक द्वारा 22.11.2014 को किए गए स्टॉक स्पिलिट के अनुसार संबंधित भौतिक शेयरधारकों को तथा अप्रैल 2017 में एसबीआई के साथ सहयोगी बैंकों के विलय पर इनके भौतिक शेयरधारकों को 1 रुपए का अंकित मूल्य का शेयर प्रमाणपत्र भेजा गया था। यह डीमैटरियलाइजेशन के लिए आवश्यक/मान्य है। यदि एक रुपए का अंकित मूल्य शेयर प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है, तो कृपया बैंक के आरटीए से संपर्क करें।
- भौतिक शेयरधारकों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे बैंक के आरटीए को जिसका पता ऊपर दिया गया है को फॉर्म आईएसआर -1, आईएसआर -2 और एसएच -13 जमा करके, ई मेल, संपर्क नंबर, बैंक खाता और नामांकन सहित पैन, केवाईसी का विवरण अपडेट करें। डीमैट शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे इसे अपनी डीपी के साथ अपडेट करें।
- जैसा कि आप जानते होंगे कि ऐसा लाभांश, जिसपर सात वर्षों तक दावा नहीं किया जाता है, उसे आईईपीएफ में अंतरित कर दिया जाता है। इसलिए, कृपया वित्तीय वर्ष 2015-16 से आगे की अवधि के लिए बैंक के आरटीए को दावा भेज कर अपने लाभांश की मांग करें, यदि भुगतान नहीं किया गया है, (नोट: भारतीय स्टेट बैंक ने वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के दौरान कोई लाभांश घोषित नहीं किया है)। इससे पहले की अवधि के लिए, इसे आईईपीएफ से दावा किया जा सकता है, क्योंकि उस अवधि के दावा न किए गए लाभांश आईईपीएफ में अंतरित कर दिए गए हैं।

टिप्पणी

[illegible]

टिप्पणी

[illegible]

टिप्पणी

[illegible]

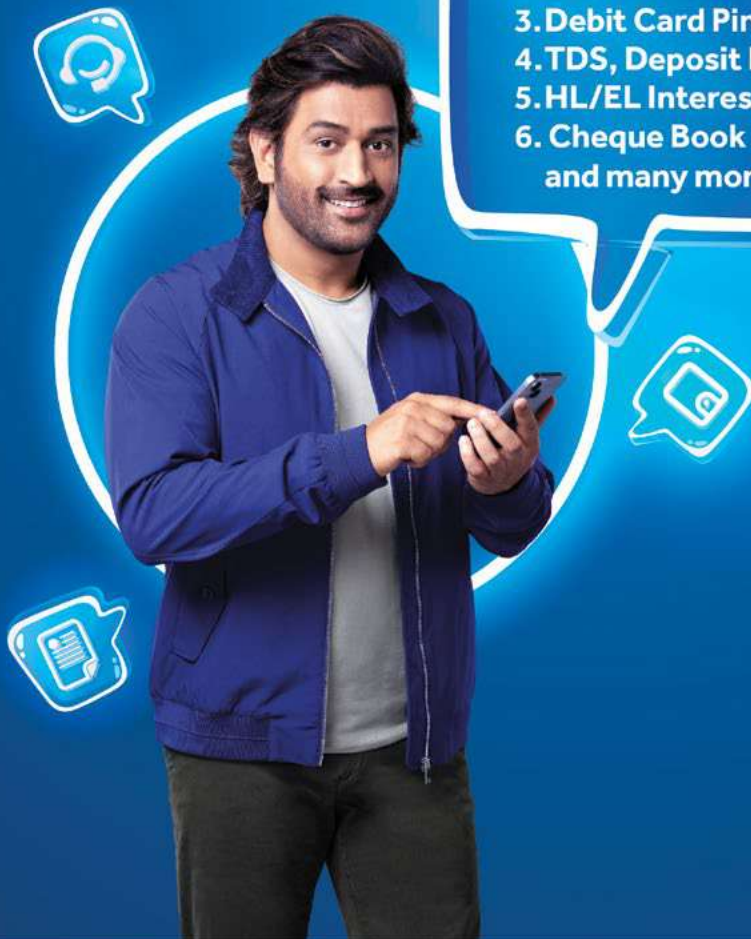


Find answers to your banking questions instantly!

Simply call **1800 1234 / 1800 2100**

SERVICES

1. Account Balance
 2. Account Statement
 3. Debit Card Pin Generation
 4. TDS, Deposit Interest Certificate
 5. HL/EL Interest Certificate
 6. Cheque Book Issuance
- and many more services...



bank.sbi

Follow us on





State Bank Bhavan, Corporate Centre, Madame Cama Road,
Mumbai, Maharashtra - 400021, India

bank.sbi



Scan QR Code to download

https://bank.sbi/documents/17836/39646794/Annual_Report_2024.pdf